



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY



वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL
REPORT
2018-19

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR

वार्षिक प्रतिवेदन

2018 - 2019



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
खड़गपुर

सितम्बर 2019



अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ सं
संगठन	
सदस्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद	5
शासी मंडल	7
वित्त समिति	8
भवन एवं निर्माण समिति	9
प्रशासनिक प्रमुख	10
अभिषद्	15
निदेशक की रिपोर्ट	19
अध्ययन पाठ्यक्रम	65
भाग- I	
विभाग, केंद्र और स्कूल	
शैक्षणिक कार्यक्रम	
विभाग (19)	
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	72
कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी	75
वास्तुकला और क्षेत्रीय योजना	79
जैव प्रौद्योगिकी	82
रासायनिक अभियांत्रिकी	84
रसायन विज्ञान	87
सिविल अभियांत्रिकी	90
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	93
वैद्युतिक अभियांत्रिकी	96
इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल संचार अभियांत्रिकी	100
भूविज्ञान और भूभौतिकी	104
मानविकी और समाज विज्ञान	107
औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी	110
गणित	112
यांत्रिक अभियांत्रिकी	115
धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी	118
खनन अभियांत्रिकी	121
महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प	123
भौतिक विज्ञान	125
केंद्र (10)	
उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र	128
कृत्रिम बुद्धिमत्ता केन्द्र	132
पी.के. सिन्हा जैव ऊर्जा केन्द्र	133
संगणकीय एवं डाटा विज्ञान केन्द्र	134
शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र	135



महासागर, नदी, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र	137
पुनः जल शोध केंद्र	139
सैद्धांतिक अध्ययन केंद्र	140
प्रशीतन अभियांत्रिकी सेंटर	141
सामग्री विज्ञान केंद्र	143
रबड़ प्रौद्योगिकी केंद्र	145
ग्रामीण विकास केंद्र	146
इस्पात प्रौद्योगिकी केंद्र	147
स्कूल (12)	
जीएस सान्याल दूरसंचार स्कूल	148
रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारीय संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन	150
राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय	151
राजेंद्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमशीलता स्कूल	154
जैव विज्ञान केन्द्र	156
ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी स्कूल	157
पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी स्कूल	158
आयर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	159
नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल	161
जल संसाधन स्कूल	162
सुबीर चौधरी गुणवत्ता और विश्वसनीयता स्कूल	164
विनोद गुप्ता प्रबंधन स्कूल	166
उत्कृष्टता केंद्र (4)	
रोबोटिक्स में उत्कृष्टता केंद्र	170
डेसरकार पेट्रोलियम अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र	171
आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र	173
डीएचआई उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र	174
भाग द्वितीय	
केंद्रीकृत सेवाएँ, कार्यक्रम और इकाइयाँ (19)	
पूर्व छात्र मामलों और संस्थागत विकास	175
बी सी रॉय प्रौद्योगिकी अस्पताल	179
वृत्ति विकास केंद्र	181
केंद्रीय पुस्तकालय	183
केंद्रीय शोध सुविधा	190
संगणक और सूचना विज्ञान केंद्र	191
केंद्रीय कार्यशाला और उपकरण सेवा अनुभाग	192
सतत शिक्षा केंद्र	195
संपदा सिविल, निर्माण और रखरखाव अनुभाग	196
अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ (NSO, NCC, NSS)	197
संस्थान सूचना प्रकोष्ठ	199
अंतरराष्ट्रीय संबंध कार्यालय	200
कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	201



राजभाषा विभव	202
प्रायोजित शोध एवं औद्योगिक सलाहकारिता	204
विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क	207
प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना	210
प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र	212
जल कार्य प्रखण्ड	213

भाग- III

सांख्यिकीय सूचना

तालिका A -1: स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश	215
तालिका A-2: 2-वर्षीय M.Sc. पाठ्यक्रम	217
तालिका A -3: छात्रों को एमसीएम छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया	218
टेबल A -4: छात्रों को केवल मुफ्त ट्यूशनशिप से सम्मानित किया जाता है	219
तालिका A-5: छात्रों (SC & ST) को वित्तीय सहायता से सम्मानित किया गया	220
तालिका A-6: बंदोबस्ती पुरस्कार - (स्नातक के तहत)	220
तालिका A-7: छात्रों को बाहरी एजेंसियों द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है	226
तालिका A-8: रोल - अंडरग्रेजुएट पर विदेशी देशों के छात्र	227
तालिका A-9: परिणामों का विवरण (स्नातक)	229
तालिका A-10: रोल पर छात्र (विभागवार) - स्नातक	231
टेबल B -1: स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश	233
टेबल B -2: रोल पर स्नातकोत्तर छात्र	236
तालिका B -3: स्नातकोत्तर परीक्षा के परिणामों का विवरण	238
तालिका C-1: शोधार्थियों की संख्या	240
तालिका C-2: एमएस छात्रों की संख्या एनरोल	242
टेबल C-2 A: पीडीएफ की संख्या	243
तालिका C -3: रोल पर शोधार्थियों की संख्या	244
वित्तीय जानकारी	245

भाग - IV

विभागों, केंद्रों, स्कूलों, अनुभागों और इकाइयों की विस्तृत रिपोर्ट (संलग्न सीडी पर)



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद के सदस्य
(आज तक)

क्र.संख्या	नाम और पदनाम
1.	श्री रमेश पोखरियाल (31.05.2019 से) श्री प्रकाश जावड़ेकर, (अध्यक्ष, आईआईटी परिषद) (निवर्तमान).मानव संसाधन विकास मंत्री
2.	श्री धोत्रे संजय शामराव , उच्च शिक्षा राज्य मंत्री
3.	श्री आर सुब्रह्मण्यम, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, अध्यक्ष, तिरुपति, जम्मू गोवा, धारवाड़ में छह नए आईआईटी के शासी मंडल, भिलाई-दुर्ग और पलक्कड़
4.	श्री दिलीप शांघवी, शासी मंडल, आईआईटी बॉम्बे
5.	श्री आरसी भार्गव, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी कानपुर
6.	डॉ. पवन गोयनका, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी मद्रास
7.	डॉ. संजीव गोयनका, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी खड़गपुर
8.	प्रो. अशोक मिश्रा, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी रुड़की
9.	प्रो. डीडी मिश्रा, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी (आईएसएम धनबाद
10.	श्री अजय चौधरी, अध्यक्ष, शासी मंडल आईआईटी पटना
11.	श्रीमती लीला पूनावाला, चेयरपर्सन, शासी मंडल, आईआईटी रोपड़
12.	श्री सुबोध भार्गव, चेयरपर्सन, शासी मंडल, आईआईटी मंडी
13.	डॉ. बीबीआर मोहन रेड्डी, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी हैदराबाद
14.	प्रो. देवांग वी खाखर, निदेशक आईआईटी बॉम्बे
15.	प्रो. वी रामगोपाल राव, निदेशक, आईआईटी दिल्ली
16.	प्रो. पार्थ पी चक्रवर्ती, निदेशक, आईआईटी खड़गपुर (निवर्तमान) प्रो. श्रीमान कुमार भट्टाचार्य, निदेशक (स्थानापन्न)
17.	प्रो.भास्कर राममूर्ति, निदेशक आईआईटी मद्रास
18.	प्रो गौतम विश्वास, निदेशक आईआईटी गुवाहाटी
19.	अजीत कुमार चतुर्वेदी, निदेशक, आईआईटी, रुड़की
20.	प्रो सीवीआर मूर्ति, निदेशक आईआईटी जोधपुर
21.	प्रो पुष्पक भट्टाचार्य, निदेशक आईआईटी पटना
22.	प्रो सुधीर के जैन, निदेशक आईआईटी गांधीनगर
23.	प्रो यूबी देसाई, निदेशक आईआईटी हैदराबाद
24.	प्रो सरित कुमार दास, निदेशक, आईआईटी रोपड़
25.	प्रो आरवी राजकुमार, निदेशक आईआईटी भुवनेश्वर
26.	प्रो टिमोथी ए गोंसाल्वेस, निदेशक, आईआईटी मंडी
27.	प्रो. प्रदीप माथुर, निदेशक, आईआईटी इंदौर
28.	प्रोफेसर राजीव शेखर, निदेशक, आईआईटी (ISM) धनबाद
29.	प्रो केएन सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी, तिरुपति, तिरुपति (एपी)
30.	प्रो. पीबी सुनील कुमार, निदेशक, आईआईटी, पलक्कड़, पलक्कड़ (केरल)
31.	प्रो. बीके मिश्रा, निदेशक निदेशक, आईआईटी, गोवा
32.	प्रो रजत मूना, निदेशक आईआईटी भिलाई-दुर्ग
33.	प्रो शेशु पसुमारि, निदेशक, आईआईटी धारवाड़ (करणकट)
34.	प्रो अनिल डी सहस्रबुद्धे एआईसीटीई के अध्यक्ष
35.	डॉ श्रीमती टेसी थॉमस, निदेशक, एएसएल, हैदराबाद



36. प्रो विजयलक्ष्मी रवींद्रनाथम्, आईआईएससी बैंगलोर
37. प्रो. विक्रम एम गद्रे, विद्युत अभि. विभाग आईआईटी बॉम्बे
38. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव
39. प्रो अनुराग कुमार, निदेशक, आईआईएससी बैंगलोर
40. डॉ. एसएस संधू, अतिरिक्त सचिव (टीई), एमएचआरडी
41. सुश्री दर्शना एम डबराल, संयुक्त सचिव, एंड एफए, एमएचआरडी
42. डॉ. संदीप चटर्जी, कुलसचिव, आईआईटी दिल्ली
43. श्री प्रशांत अग्रवाल, निदेशक (आईआईटी), एमएचआरडी, नई दिल्ली
44. श्री कुंदन नाथ, अवर सचिव (आईआईटी), एमएचआरडी
45. श्री वीके वाधवा, परियोजना अधिकारी, आईआईटी परिषद सचिवालय
46. श्री मोहित गुप्ता, एसओ एमएचआरडी
47. श्री अरुण करण, एसओ एमएचआरडी
48. श्रीमती हेन्ना कुमार, एसओ एमएचआरडी
49. श्री अभिनव पांडे, एसओ एमएचआरडी

परिषद के नए सदस्य

1. डॉ. आर चिदंबरन, अध्यक्ष शासी मंडल आईआईटी जोधपुर
2. श्री आर सुब्रह्मण्यम, सचिव (एचई), एमएचआरडी
3. प्रो. राजीव शेखर, निदेशक, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद
4. प्रो. अभय करंदीकर, निदेशक, आईआईटी कानपुर
5. प्रो. मनोज सिंह गौर, निदेशक आईआईटी जम्मू
6. प्रो विक्रम एम गद्रे, विद्युत अभि. विभाग आईआईटी बॉम्बे
7. डॉ. जी सतीश रेड्डी, महानिदेशक, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, निदेशक, आईआईटी धारवाड़
8. प्रो. एच सी वर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, भौतिकी, आईआईटी कानपुर
9. प्रो. प्रमोद कुमार जैन, निदेशक, आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी

परिषद के निवर्तमान सदस्य

1. प्रो. अशोक मिश्रा, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी रुड़की
2. श्री. केके शर्मा, सचिव (एचई), एमएचआरडी
3. प्रो. डीसी पाणिग्रही, निदेशक, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद
4. इंद्रनील मन्ना, निदेशक, आईआईटी कानपुर
5. प्रो. अशोक झुनझुनवाला, इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास
6. प्रो. आरसी भूधानी, निदेशक, एनपीएल
7. डॉ. एसके जोशी, पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर
8. डॉ. श्रीकुमार बनर्जी, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी खड़गपुर
9. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, अध्यक्ष, शासी मंडल आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी



शासी मंडल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
(1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019)

क्र. संख्या	नाम पता	स्थान
1.	श्री संजीव गोयनका अध्यक्ष, आरपी-संजीव गोयनका समूह, सीईएससी हाउस, 1, चौरंगी चौक, कोलकाता – 700001	अध्यक्ष
2.	श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य पूर्व अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक कॉरपोरेट सेंटर, 6 वीं मंजिल, स्टेट बैंक भवन, मैडम केम रोड, मुंबई -400021	सदस्य
3.	डॉ। (श्रीमती।) सुधा एन मूर्ति अध्यक्ष, इन्फोसिस फाउंडेशन, तृतीय तल, इंफोसिस टॉवर, 27, बन्नेरघट्टा रोड बंगलौर 560,076	सदस्य
4.	प्रो (डॉ) जय पाल मित्तल एमएन साहा प्रतिष्ठित प्रोफेसर (NASI) 11-बी, रोहिणी कॉपा हाउसिंग सोसाइटी वाशी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र -400703	सदस्य
5.	प्रो. एन बालाकृष्णन सुपर कंप्यूटर शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर - 560012	सदस्य
6.	प्रो पार्थ पी चक्रवर्ती निदेशक, आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
	प्रो. श्रीमान कुमार भट्टाचार्य, निदेशक (स्थानापन्न), आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
7.	प्रो. सुनंदो दासगुप्ता रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग आईआईटी खड़गपुर।	सदस्य
8.	प्रो. सुदेष्णा सरकार संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
9.	प्रो बी एन सिंह कुलसचिव (स्थानापन्न) आईआईटी खड़गपुर	सचिव



वित्त समिति का गठन, आईआईटी खड़गपुर

(1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019)

क्रम सं	नाम और पता	स्थान
1	श्री संजीव गोयनका अध्यक्ष, आरपी-संजीव गोयनका समूह सीईएससी हाउस, 1, चौरंगी चौक कोलकाता - 700001	अध्यक्ष
2	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110001	सदस्य
3	निदेशक (आईआईटी) सरकार भारत मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110001	सदस्य
4	प्रो एन बालाकृष्णन सुपर कंप्यूटर शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर - 560012	सदस्य
5	प्रो पार्थ पी चक्रवर्ती निदेशक, आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
	प्रो. श्रीमान कुमार भट्टाचार्य, निदेशक (स्थानापन्न), आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
6	प्रो. बी एन सिंह कुलसचिव (स्थानापन्न) आईआईटी खड़गपुर	सचिव



भवन एवं निर्माण समिति, आईआईटी खड़गपुर का गठन

(1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019)

क्रम सं	नाम और पता	स्थान
1	प्रो पार्थ पी चक्रवर्ती निदेशक आईआईटी खड़गपुर।	अध्यक्ष
	प्रो. श्रीमान कुमार भट्टाचार्य, निदेशक (स्थानापन्न), आईआईटी खड़गपुर	अध्यक्ष
2	अधीक्षण अभियंता और अंचल प्रबंधक मिदनापुर वितरण मंडल पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कं लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) 190, एस के बोस रोड पश्चिम मेदिनीपुर, पिन - 721101	सदस्य
3	अधीक्षण अभियंता साउथ वेस्टर्न सर्कल लोक निर्माण विभाग (PWD) शहीद मंगल पांडे सरानी पश्चिम मेदिनीपुर, पिन- 721101	सदस्य
4	अध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी खड़गपुर।	सदस्य
5	अध्यक्ष विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
6	अध्यक्ष वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन विभाग आईआईटी खड़गपुर।	सदस्य
7	प्रो. बी एन सिंह कुलसचिव (स्थानापन्न) आईआईटी खड़गपुर	सचिव



प्रशासनिक प्रमुख

निदेशक	प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती, सी.एस.ई.	
निदेशक (स्थानापन्न)	प्रो श्रीमान कुमार भट्टाचार्य, सीई	
संकायाध्यक्ष		
पूर्व छात्र मामले	प्रो सुब्रत चट्टोपाध्याय (ए एंड आरपी)	
सतत् शिक्षा	प्रो अद्रिजीत गोस्वामी, गणित	
संकाय	प्रो सुभाशीष त्रिपाठी, जीजी	
मानव संसाधन	प्रो बीएन सिंह, वांतरिक्ष	
अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध	प्रो बैदुर्य भट्टाचार्य, सीई	
योजना और समन्वयन	प्रो मनोज कुमार तिवारी, आईएसई	
स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान	प्रो प्रशांत कुमार दास, एमई	
छात्रों के चक्कर	प्रो सोमेश कुमार, गणित	
प्रायोजित शोध और औद्योगिक सलाहकारिता	प्रो.पल्लव दासगुप्ता, सीएसई	
स्नातक अध्ययन	प्रो सुधीर कुमार बरई, सीई	
वीजीसोम	प्रो. प्रबिना रजीब	
आरजीएसओआईपीएल	डॉ पद्मावती मंचिकांती	
सह संकायाध्यक्ष (एए)	प्रो. सूर्य कांता पाल	22.10.2018 से
सह संकायाध्यक्ष (सीई)	प्रो.स्वगता दासगुप्ता, रसायन	
सह संकायाध्यक्ष (आईआर)	डॉ आनंदरूप भट्टाचार्य, एमई	01.07.2018 से
सह संकायाध्यक्ष, एसआरआईसी	प्रो. सुमन चक्रवर्ती,	
सह संकायाध्यक्ष, एसआरआईसी	प्रो.गौर गोपाल रॉय, एमटी	
विभागाध्यक्ष		
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	प्रो दीपक कुमार मैती	
कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी	प्रो निरुपमा मल्लिक	
वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन	प्रो. जॉय सेन	
जैव प्रौद्योगिकी	प्रो सुदीप कुमार घोष	31.12.2018 तक
	प्रो रामकृष्ण सेन	01.01.2019 से
रासायनिक अभियांत्रिकी	प्रो. गार्गी दास	
रसायन विज्ञान	प्रो.मनीष भट्टाचार्य	
सिविल अभियांत्रिकी	प्रो. कुसुम सुधाकर रेड्डी	31.12.2018 तक
	प्रो.निर्झर ढांग	01.01.2019 से
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	प्रो.सुदेष्णा सरकार	
वैद्युतिक अभियांत्रिकी	प्रो.प्रणब कुमार दत्ता	
इलेक्ट्रॉनिक्स और वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	प्रो.प्रबीर कुमार विश्वास	
भूविज्ञान और भूभौतिकी	प्रो.अनिंद्य सरकार	31.12.2018 तक
	प्रो.सैबल गुप्ता	01.08.2019 से
मानविकी और सामाजिक विज्ञान	प्रो.प्रियदर्शी पटनायक	
औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी	प्रो.झारेन्द्र मैती	31.12.2018 तक



गणित	प्रो.सरदा प्रसाद सरमाहा	01.08.2019 से
यांत्रिकी अभियांत्रिकी	प्रो.महेंद्र प्रसाद बिस्वाल	
धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी	प्रो.सुकांत कुमार दाश	
खनन अभियांत्रिकी	प्रो.राहुल मित्रा	
महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प	प्रो.देबास देब	
भौतिक विज्ञान	प्रो प्रसाद के भास्करन	
	प्रो.कृष्ण कुमार	
केंद्रों के प्रमुख		
उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र	प्रो.सुनंदो दासगुप्ता	
संगणकीय एवं डाटा विज्ञान केन्द्र	प्रो. संजय बंधोपाध्याय, रसायन	
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का केंद्र	प्रो.सुदेष्णा सरकार, सीएसई	19.04.2018 से
शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र	प्रो.स्वागता दासगुप्ता,सीईटी	31.07.2018 तक
	प्रो राजीब मल, सीएसई	01.08.2018 से
महासागर, नदियों, वायुमंडल और पृथ्वी विज्ञान केन्द्र	प्रो.अरुण चक्रवर्ती	05.08.2018 तक
सैद्धांतिक अध्ययन केंद्र	प्रो.अनिल कुमार गुप्ता, जीजी	06.08.2018 से
पुनः जल अनुसंधान केंद्र	प्रो.सोमनाथ भारद्वाज, भौतिक	
प्रशीतन अभियांत्रिकी	प्रो.एमएम घंगरेकर, सिविल	
सामग्री विज्ञान केंद्र	प्रो.पार्थसारथी घोष	
रबड़ प्रौद्योगिकी केंद्र	प्रो.पल्लव बनर्जी	
ग्रामीण विकास केंद्र	प्रो.निखिल कुमार सिंहा	
इस्पात प्रौद्योगिकी केंद्र	प्रो.निरुपमा मल्लिक, एजीएफई	
	प्रो. सूर्य कांति पाल	
स्कूलों के प्रमुख		
जीएस सान्याल दूरसंचार स्कूल	प्रो.सास्वत चक्रवर्ती	
राजेंद्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमशीलता स्कूल	प्रो पार्थ प्रतिम दास, सीएसई	
रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारीय अभिकल्प एवं प्रबंधन	प्रो. भार्गव मैत्रा, सिविल	
जैवविज्ञान स्कूल	प्रो. अमित कुमार दास, बीटी	
ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी स्कूल	प्रो.सुनील कुमार श्रीवास्तव	
पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी स्कूल	प्रो.मकरंद माधव घंगरेकर, सीई	
आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल	प्रो.सुमन चक्रवर्ती	
नैनो साइंस एवं प्रौद्योगिकी स्कूल	प्रो.राहुल मित्रा, धातुकर्म एवं पदार्थ	
जल संसाधन विद्यालय	प्रो. ए के गुप्ता, सिविल इंजी	
सुबीर चौधरी गुणवत्ता और विश्वसनीयता स्कूल	प्रो. वी एन अच्युत नायकन	30.11.2018 तक
	प्रो. संजय कुमार चतुर्वेदी	01.12.2018 से
उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख		
रोबोटिक्स, केंद्र	प्रो. दिलीप कुमार प्रतिहार	08.08.2018 से



डीएचआई उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र	प्रो. सूर्य कांता पाल,	
पी.के. सिन्हा जैव ऊर्जा केन्द्र	प्रो.एमएम घंगरेकर, सिविल	
आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र	प्रो.प्रियदर्शी पटनायक, एचएसएस	
अनुभागों के प्रमुख		
संगणक और सूचना विज्ञान केंद्र	प्रो.अरविंदा गुप्ता	31.12.2018 तक
	प्रो.शमीक सुराल (सीएसई)	01.01.2019 से
संस्थान सूचना प्रकोष्ठ	प्रो. एस के घोष, सी.एस.ई.	
सह प्रमुख, आईआईसी	डॉ प्रलय मित्रा, सीएसई	
प्रशासनिक कंप्यूटर सेवा सहायता केंद्र	प्रो. अद्रिजीत गोस्वामी, गणित	
अध्यक्ष, उपाध्यक्ष		
सिविल निर्माण और रखरखाव	प्रो. डेबिस रॉय, सीई	
सीसीएम, उपाध्यक्ष	डॉ. नीलांजन मित्रा, सीई	
	डॉ. हेमंती बनर्जी, एआरपी	
हॉल प्रबंधन केंद्र	प्रो. सूर्य कांता पाल	13.09.2018 तक
	प्रो पार्थ साहा (एमई)	14.09.2018 से
कैरियर विकास केंद्र	प्रो.जीपीराजा शेखर	
	प्रो. पीए देशपांडे, रसायन	
सीडीसी, उपाध्यक्ष	प्रो. उदय शंकर, आरजीएसओआईपीएल	01.01.2018 से
	प्रो.ममता जेनामनी, आईएसई	
केंद्रीय पुस्तकालय	प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव	
गेट - जैम	प्रो.रामकृष्ण सेन	26.05.2018 तक
	प्रो.मंजुनाथ महादेवप्पा, एसएमएसटी	27.05.2018 से
गेट - जैएम, उपाध्यक्ष	प्रो मदन कुमार झा, एजीएफई	
	प्रो प्रशांत कुमार दत्ता	
जेईई	प्रो.पल्लव बनर्जी, एमएससी	25.08.2018 तक
जेईई, उपाध्यक्ष	डॉ रबीब्रता मुखर्जी, रसायन	26.08.2018 से
	डॉ.मिहिर कुमार दाश, कोरल	
उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी)	अद्रिजीत गोस्वामी, गणित	
ईआरपी, उपाध्यक्ष	प्रो.शमीक सुराल, सीएसई	
	प्रो.सौम्य कांति घोष, सी.एस.ई.	
केन्द्रीय शोध सुविधा (पदार्थ विज्ञान)	प्रो.ज्योत्सना दत्ता मजुमदार	
केंद्रीय अनुसंधान सुविधा, (जीवन विज्ञान)	प्रो अमित कुमार दास, बीटी	
केंद्रीय कार्यशाला और उपकरण सेवा	प्रो. असिमवा रॉय चौधरी, एमई	
राजभाषा विभाग	प्रो.वेंकप्पय्या आर देसाई, सीई	
विज्ञान और प्रौद्योगिकी नेहरू संग्रहालय	प्रो ध्रुवज्योति सेन, सीई	
कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	प्रो.दीपनविता रॉय चौधरी, सीएसई	31.12.2018 तक
	प्रो संतनु चट्टोपाध्याय, ईएंडईसीई	01.01.2019 से
गृह आबंटन समिति	प्रो अशोक कुमार गुप्ता, सीई	
वाणिज्यिक स्थापना और अनुज्ञप्ति समिति	प्रो.मदन कुमार झा, कृषि	
कैंपस स्कूल सलाहकार (सीएसए) समिति	प्रो.सोमनाथ सेन, एआरपी	



कैम्पस ग्रीन कवर (CGC)	प्रो भवानी शंकर दास, कृषि	
कंप्यूटर खरीद और नेटवर्क रखरखाव समिति	प्रो. अरविंदा गुप्ता, सीएसई	
उपाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी जलीय समिति (TAS)	डॉ आलोक कांति देब, ईई	
उपाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी फिल्म सोसाइटी (TFS)	डॉ अमरेश चंद्र, भौतिकी	
कोषाध्यक्ष, टीएफएस	डॉ एके गोस्वामी, आरसीजीएसआईडीएम	
अध्यक्ष, प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना (टीएसजी)	प्रो. विलियम कुमार मोहंती, जीजी	
कोषाध्यक्ष, टीएसजी	प्रो किंगशूक भट्टाचार्य, एमई	
प्रधान चिकित्सा अधिकारी (कार्यवाहक)	डॉ. समीर दासगुप्ता, एसएमओ	12.10.2018 से
मुख्य सतर्कता अधिकारी	प्रो. सुजॉय घोष, सी.एस.ई.	23.06.2018 तक
	प्रो. बिस्वजीत महंती, आईएसई	24.06.2018 से
प्रबंध निदेशक, एसटीईपी	प्रो. सत्यहरी डे, बायोटेक्नोलॉजी	
प्राध्यापक प्रभारी		
मुख्य अभियंता, संस्थान कार्य	श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव	
प्रशीतन और एसी यूनिट	प्रो एम रामगोपाल, एमई	31.07.2018 तक
	डॉ पार्थसारथी घोष, क्रायो	01.08.2018 से
बागवानी	प्रो भवानी शंकर दास, कृषि	
जल कार्य और साजो सफाई	प्रो. चंद्रनाथ चटर्जी, कृषि	
प्रौद्योगिकी अतिथि गृह	प्रो. बी सी मैकप	
प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र	प्रो राजा दत्ता, ईएंडईसीई	
समय सारणी	प्रो. ज्योत्सना दत्ता मजूमदार, एमटी	
ऑडियो विजुअल सेल	प्रो असिमवा रॉय चौधरी, एमई	
परीक्षा	प्रो. दिलीप कुमार बैद्य, सीई	
उन्नत वीएलएसआई प्रयोगशाला	प्रो. टी भट्टाचार्य, ईएंडईसीई प्रो	
आईपीआर और आईआर	प्रो. सी रत्ना राज, रसायन विज्ञान	
आईआईटी खड़गपुर कोलकाता कैंपस	प्रो. बी सी मीकाप,	
आईआईटी खड़गपुर भुवनेश्वर विस्तार पटल	प्रो. सुभाषिश त्रिपाठी, जीजी	
एएलपीजीई	प्रो सुदीप कुमार घोष, बीटी	
ऊष्मायन और उद्यमिता	प्रो. सत्यहरी डे, बीटी	
बी सी रॉय प्रौद्योगिकी अस्पताल	प्रो राजीब मल, सीएसई	
रेलवे शोध केन्द्र, सीआरआर	प्रो सुभ्रांसु रॉय, एमई	
आउटसोर्स मैनापावर	प्रो संतनु कुमार भौमिक, जीजी	
परामर्श केंद्र	प्रो. संगीता दास भट्टाचार्य, एसएमएसटी	11.08.2018 तक
	प्रो. सिद्धार्थ सेन, ईई	12.08.2018 से
परिवहन और ऑटोमोबाइल अनुभाग	प्रो अरुण कुमार मजूमदार, एमआई	25.05.2018 तक
	डॉ मिहिर सारंगी, एमई	26.05.2018 से
राजरहाट शोध पार्क	प्रो पार्थ प्रतिम दास, सीएसई	
मानव संसाधन प्रशिक्षण और विकास	प्रो. त्रिलोचन साहू, नौशिल्प	

विविध दायित्व



संकाय समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक
कार्यक्रम समन्वयक, एनएसओ (स्वास्थ्य और
तन्दुरस्ती)
कार्यक्रम समन्वयक, एन.सी.सी.

भारतीय सदस्य परिषद में संस्थान के प्रतिनिधि
ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह (RuTAG) प्रकोष्ठ
समन्वयक

लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ)
सहायक लोक सूचना अधिकारी (APIO)

डॉ संजय गुप्ता, एमई
डॉ अर्घ्य देब, सिविल इंजी
डॉ शिवकिरण बीएन भक्त, भौतिकी
डॉ कमल लोचन पाणिग्रही, भौतिक

प्रो.ओम प्रकाश शा, नौशिल्प
प्रो.पी बी एस भदोरिया, एजीएफई

श्री अचिंत्य कुमार मंडल, उप कुलसचिव (एस एंड पी)
श्री ए के नस्कर, DR (शैक्षणिक)
श्री पी सी दास, डीआर (ई)
श्री बी भट्टाचार्य, डीआर (एफ एंड ए)
श्री एस के विश्वास, डीआर (एसआरआईसी)



अभिषद् सदस्यों की सूची

दिनांक 14 मार्च 2019 को 3.30 बजे अभिषद् की 328वीं बैठक अभिषाद भवन में आयोजित

धारा 14 (ए) - निदेशक

प्रो.. पार्थ पी चक्रवर्ती
प्रो श्रीमान कुमार भट्टाचार्य (स्थानापन्न)

धारा 14 (बी) उप निदेशक

प्रो.. श्रीमान कुमार भट्टाचार्य

धारा 14 (सी) संस्थान प्रोफेसर

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

प्रो.. कल्याण पी सिंहमहापात्रा
प्रो.. भृगु नाथ सिंह
प्रो.. दीपक कुमार मैती
प्रो.. मनोरंजन सिन्हा,

वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन

प्रो.. उत्तम के बनर्जी
प्रो.. जयदीप बर्मन
प्रो. सुब्रत चट्टोपाध्याय
प्रो. जॉय सेन
प्रो. संघमित्रा बसु,

जैव प्रौद्योगिकी

प्रो. डी दास
प्रो. सत्यहारी डे
प्रो. अनंत के घोष
प्रो. अमित के दास
प्रो. तापस के मैती
प्रो. सुदीप कुमार घोष,
प्रो. रामकृष्ण सेन
प्रो. पिनाकी सर
प्रो. अनिंद्य सुंदर घोष
प्रो. मृणाल कुमार मैती

रासायनिक अभियांत्रिकी

प्रो. ए एन सामंत
प्रो. सुनंदो दासगुप्ता
प्रो. एन सी प्रधान
प्रो. शिश्रेंद्रु डे
प्रो. गार्गी दास
प्रो. सुदर्शन नेओगी
प्रो. जयंत कुमार बसु
प्रो. गौतम कुंडू
प्रो. बीसी मीकाप
प्रो. स्वाति नेगी

प्रो. सुदीप्तो चक्रवर्ती

प्रो. रबीब्रता मुखर्जी

सिविल अभियांत्रिकी

प्रो. ध्रुवज्योति सेन
प्रो. श्रीमान के भट्टाचार्य (स्थानापन्न)
प्रो. केएस रेड्डी
प्रो. एलएस रामचंद्र
प्रो.. सुभाषिष दे
प्रो. दिलीप के बैद्य

कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी

प्रो.. राजेंद्र सिंह
प्रो..वीरेंद्र केतिवारी,
प्रो..कमलेश नारायण तिवारी
प्रो. आर के पांडा (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो..रिटू बनर्जी
प्रो..पीबीएस भदोरिया
प्रो..आशीष केा दत्ता
प्रो..हरि निवास मिश्र,
प्रो. एनएस रघुवंशी (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. एसएन पांडा (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो..त्रिदिब के गोस्वामी,
प्रो..निरुपमा मल्लिक
प्रो. मदन कुमार झा
प्रो. हिफजुर रहमान
प्रो. स्नेहाशीष दत्ता गुप्ता
प्रो. आदिपुण्य मित्र
प्रो. चंद्रनाथ चटर्जी
प्रो..भवानी शंकर दास
प्रो. ईवी थॉमस
प्रो. श्रीनिवास राव
प्रो. दिलीप कुमार स्वैन
प्रो. अशोक मिश्र

जैव विज्ञान

प्रो. निहार रंजन जाना

महासागर, नदियाँ, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र

प्रो. पीसी पांडेय
प्रो. अरुण चक्रवर्ती

रसायन विज्ञान

प्रो. प्रतिम के चटराज



- प्रो. तन्मय पाठक
प्रो. अमित बसाक
प्रो. देबाशीष रे
प्रो. एम एम भट्टाचारजी
प्रो. एस के श्रीवास्तव
प्रो. निलमोनी सरकार
प्रो. स्वागता दासगुप्ता
प्रो. सर्बानी तरफ़दार
प्रो. संजय बंद्योपाध्याय
प्रो. जॉयकृष्ण डे
प्रो. कुमार बिरधा
प्रो. सी आर राज,
प्रो. एनडी प्रदीप सिंह
प्रो. समिक नंदा के
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी**
- प्रो. सुजॉय घोष
प्रो. पार्थ पी चक्रवर्ती (निदेशक)
प्रो. निर्झर धांग
प्रो. एसके बरई
प्रो. वीआर देसाई
प्रो. अशोक कुमार गुप्ता
प्रो. एम.एम. घांगरेकर
प्रो. बैदुर्य भट्टाचार्य
प्रो. दामोदर मैती
प्रो. देबासीस रॉय के
प्रो. भार्गव मैत्रा
प्रो. अनिरुद्ध सेनगुप्ता
प्रो. अंजलि पाल
प्रो. एम अमरनाथ रेड्डी
प्रो. अर्घ्य देब
सुजीत कुमार डैश
- प्रशीतन अभियांत्रिकी**
- प्रो. पार्थसारथी घोष
प्रो. वी राव वटुकुरु
प्रो. कंचन चौधरी
- वैद्युतिक अभियांत्रिकी**
- प्रो. एसके दास
प्रो. अमित पात्रा
प्रो. ए नके किशोर
प्रो. सिद्धार्थ मुखोपाध्याय
प्रो. सिद्धार्थ सेन
प्रो. प्रणब के दत्ता

- प्रो. बीएम मोहन,
प्रो. देबप्रिया दास
प्रो. तापस के भट्टाचार्य
प्रो. चंदन चक्रवर्ती
प्रो. अशोक कुमार प्रधान
प्रो. देबाप्रसाद कायस्थ
प्रो. अरविंद राउतराय
- भूविज्ञान और भूभौतिकी**
- प्रो. शंकर के नाथ
प्रो. बिस्वजीत मिश्रा
प्रो. अनिल कुमार गुप्ता
प्रो. देबाशीष सेनगुप्ता
प्रो. अभिजीत भट्टाचार्य
प्रो. सुभाषिश त्रिपाठी
प्रो. अनिंद सरकार
प्रो. सुभाषीश दास
प्रो. मृगांका के पाणिग्रही
प्रो. संतनु के भौमिक
प्रो. सैबल गुप्ता
प्रो. शशि प्रकाश शर्मा
प्रो. मनीष ए ममतानी
प्रो. विलियम के मोहंती
प्रो. रविकांत वडलामणि
प्रो. अरिंदम बसु
प्रो. परेश नाथ सिंहा रॉय
प्रो. अनुपम बसु (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. इंद्रनील सेनगुप्ता
प्रो. जयंत मुखोपाध्याय
प्रो. इंद्रनील सेनगुप्ता
प्रो. सुदेवकुमार प्रशांत पाल
प्रो. राजीव मॉल
प्रो. दीपन्विता रॉय चौधरी
प्रो. पल्लव दासगुप्ता
प्रो. सुदेष्णा सरकार
प्रो. चित्तरंजन मंडल
प्रो. अरविंदा गुप्ता
प्रो. पार्थ प्रतिम दास
प्रो. निलोय गांगुली
प्रो. शमीक सुराल,
प्रो. सौम्या कांति घोष
प्रो. श्रीनिवास राव
प्रो. सुदीप मिश्रा,



प्रो. पार्थ भौमिक
प्रो. पबित्र मित्रा
प्रो. देवदीप मुखोपाध्याय
प्रो. अभिजीत दास,
इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत संचार अभियांत्रिकी
प्रो. आरवीआर कुमार (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. प्रबीर के विश्वास
प्रो. मृत्युंजय चक्रवर्ती
प्रो. संत शरण पाठक,
प्रो. डी विश्वास (लंबी अनुपस्थिति)
प्रो. संतनु चट्टोपाध्याय
प्रो. तरुण कांति भट्टाचार्य
प्रो. गौतम साहा
प्रो. अनिद्य सुंदर धर
प्रो. राजा दत्त
प्रो. इंद्रजीत चक्रवर्ती
प्रो. सुदीप्त मुखोपाध्याय
प्रो. प्रदीप मंडल
प्रो. अमिताभ भट्टाचार्य
प्रो. ब्रतिन घोष,
जीएस सान्याल दूरसंचार विद्यालय
प्रो. सास्वत चक्रवर्ती
मानविकी और सामाजिक विज्ञान
प्रो. दामोदर स्वार,
प्रो. अंजलि गेरा रॉय
प्रो. केबीएल श्रीवास्तव
प्रो. सुहिता चोपड़ा चटर्जी
प्रो. विजय नाथ गिरि
प्रो. चंदा चक्रवर्ती
प्रो. प्रियदर्शी पटनायक
प्रो. नारायण चंद्र नायक
प्रो. मानस के मंडल
प्रो. किशोर गोस्वामी,
औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी
प्रो. बिस्वजीत महंती,
प्रो. प्रदीप के रे
प्रो. मनोज के तिवारी,
प्रो. झारेश्वर मैती
प्रो. सरदा प्रसाद सरमाहा
प्रो. ममता जेनामनी
गणित
प्रो. उमेश चंद्र गुप्ता
प्रो. महेंद्र प्रसाद बिस्वाल

प्रो. सोमनाथ भट्टाचार्य
प्रो. अद्रिजीत गोस्वामी,
प्रो. सोमेश कुमार
प्रो. रजनी कांत पांडेय
प्रो. जीपी राजा शेखर,
प्रो. पीवीएसएन मूर्ति
प्रो. प्रतिमा पाणिग्रही
प्रो. चांडाल नाहक
प्रो. देबजानी चक्रवर्ती
प्रो. गीतांजलि पांडा
धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी
प्रो. एन चक्रवर्ती
प्रो. इंद्रनील मन्ना
प्रो. सिद्धार्थ दास
प्रो. करबी दास
प्रो. गौर गोपाल रॉय
प्रो. राहुल मित्रा
प्रो. पीके सेन
प्रो. ज्योत्सना दत्ता मजूमदार
प्रो. शिव बरात सिंह
प्रो. सुदीप्तो घोष,
प्रो. तरुण कुमार कुंडू
प्रो. शंपा ऐच
प्रो. तापस लाहा
प्रो. देबले चक्रवर्ती
प्रो. कौशिक विश्वास
खनन अभियांत्रिकी
प्रो. एसएस भामिदीपति
प्रो. आशीष भट्टाचार्य
प्रो. के यू एम राव (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. समीर के दास
प्रो. खानिन्द्र पाठक
प्रो. जयंत भट्टाचार्य
प्रो. समीर कुमार पाल,
प्रो. देबास देब
प्रो. बिस्वजीत सामंत
प्रो. देबाशीष चक्रवर्ती
प्रो. अरुण कुमार मजुमदार,
भौतिक विज्ञान
प्रो. समित के रे (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. भागीरथ बेहरा
प्रो. जितेन्द्र महाकुड,
प्रो. पुलक मिश्रा
पदार्थ विज्ञान
प्रो. पल्लव बनर्जी
प्रो. चाको जैकब
प्रो. सुशांत बनर्जी



प्रो. सुभाषिश बसु मजुमदार
प्रो. भानु भूषण खटुआ

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

प्रो. बिस्वजीत मैती ने
प्रो. एस भट्टाचार्य (ग्रहणाधिकार पर)
प्रो. रंजन भट्टाचार्य
प्रो. सुकांत के डैश
प्रो. प्रशांत के दास
प्रो. अमिय रंजन मोहंती
प्रो. सती नाथ भट्टाचार्य
प्रो. सौमित्र पॉल
प्रो. मानस चंद्र रे
प्रो. ए के नाथ
प्रो. सुभ्रांसु रॉय
प्रो. दिलीप के प्रतिहार
प्रो. सुमन चक्रवर्ती
प्रो. अनिरवन दासगुप्ता
प्रो. अभिजीत गुहा,
प्रो. मदाली रामगोपाल
प्रो. अशीमवा रॉय चौधरी
प्रो. मनब कुमार दास
प्रो. सूर्य कांता पाल
प्रो. अरुण कुमार सामंतराय
प्रो. कुमार शिवा चेरुवु
प्रो. संजय गुप्ता
प्रो. संदीपन घोष मौलिक
प्रो. पार्थ प्रतिम बंद्योपाध्याय
प्रो. पार्थ साहा
प्रो. गौतम चक्रवर्ती

महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प

प्रो. देवव्रत सेन
प्रो. ओ पी शा
प्रो. त्रिलोचन साहू
प्रो. प्रसाद कुमार भास्करन
प्रो. हरि वी वॉरियर

राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

प्रो. पद्मावती मंचिकाति
प्रो. दीपा दुबे
प्रो. केडी राजू
प्रो. इंद्रजीत दूबे

रबड़ प्रौद्योगिकी

प्रो. अनिल के भौमिक
प्रो. निखिल कुमार सिंहा
प्रो. अर्घ्य तरफदार (प्रतिनियुक्ति पर)
प्रो. कृष्ण कुमार
प्रो. सोमनाथ भारद्वाज
प्रो. सायन कर

प्रो. अनुश्री रॉय
प्रो. प्रशांत कुमार दत्ता
प्रो. तपन कुमार नाथ
प्रो. अचिन्त्य धार
प्रो. प्रज्ञा शुक्ला
प्रो. सुधांशु शेखर मंडल
प्रो. उत्पल सरकार
प्रो. दीपक कुमार गोस्वामी,
प्रो. सोनजॉय मजुमदार
प्रो. पार्थ रॉय चौधरी
प्रो. अजय कुमार सिंह
प्रो. कमल लोचन पाणिग्रही
प्रो. भूपेंद्र नाथ देव

धारा 14 (1) (ए) के तहत विभाग के प्रमुख प्रोफेसरों के अलावा अन्य केंद्र / स्कूल ऊपर 'C' के तहत पहले से ही शामिल है

संस्थान की धारा 14 (1) (बी) के तहत

डॉ बबलू सूत्रधार

धारा 19 (2) के तहत कुलसचिव (सचिव)

प्रो. भृगु नाथ सिंह
प्रो. संतनु चट्टोपाध्याय
प्रो. किंशुक नस्कर

आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल

प्रो. सौमेन दास
प्रो. कोएल चौधरी
प्रो. संगीता दास भट्टाचार्य
प्रो. महितोष मंडल
प्रो. मंजूनाथ महादेवप्पा,
प्रो. ज्योतिर्मय चटर्जी
प्रो. संतनु धरा

सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय

प्रो. वी एन ए नायकन
प्रो. संजय कुमार चतुर्वेदी

विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय

प्रो. गौतम सिन्हा,
प्रो. प्रबिना रजीब
प्रो. संगीता साहनी

छात्रों के प्रतिनिधि:

श्री विशाल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, टीएसजी
सुश्री अरुजा रुस्तगी, पीजी प्रतिनिधि
सुश्री जयासी नाथ, महिला प्रतिनिधि
श्री केएनके सागर, यूजी प्रतिनिधि
श्री सुजीत माधव घोष



निदेशक की रिपोर्ट

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद 64 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री, सम्मानित ममता बनर्जी, प्रभारी मंत्री, सिंचाई और जलमार्ग विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, डॉ. सौमेन कुमार महापात्रा, श्री संजीव गोयनका, अध्यक्ष, शासी मंडल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर और चेयरमैन, आरपी संजीव गोयनका ग्रुप, शासी मंडल के सदस्य, अभिषद् के सदस्य, गणमान्य पूर्व छात्र, अतिथि, प्रिय संकाय और कर्मचारी सहकर्मी, छात्रगण, उपाधि और पुरस्कार प्राप्तकर्ता, मीडिया बंधुगण, देवियो और सज्जनो !

मैं हमारे प्रतिष्ठित संस्थान के 64 वें दीक्षांत समारोह के इस महान अवसर पर आपका हार्दिक स्वागत करने हुए बहुत गर्व का अनुभव कर रहा हूँ क्योंकि मैं उस भूमि पर खड़ा हूँ जहाँ महान देशभक्तों के समूह ने सर्वोच्च बलिदान किया है, हम आज उन्हें सादर स्मरण कर रहे हैं। इस शुभ दिन पर, मैं कई महान पुरुषों और महिलाओं, दूरदर्शी, माता-पिता और हमारे प्यारे स्नातकों की महान उपस्थिति में हमारे महान राष्ट्र के भविष्य को देखते हुए अभिभूत और धन्य महसूस करता हूँ।

यहाँ, इस विरासत स्थल पर जहाँ कई महान आत्माओं ने हमारे महान राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, मुझे स्वामी विवेकानंद के शब्दों की याद दिलाई जाती है, अपने दिल, दिमाग और आत्मा को अपने सबसे छोटे कामों में लगाओ। यह सफलता का रहस्य है ' यह वही भावना है जिसके साथ हमारे दूरदर्शी लोगों ने राष्ट्र की आकांक्षाओं के चित्रण के रूप में इस प्रमुख संस्थान की आधारशिला रखी। हवा ने तब भी एक मौन कानाफूसी की, "अब से, भारतीय छात्रों को इस महान राष्ट्र की पवित्र मिट्टी के भीतर सबसे अच्छी गुणवत्तापूर्ण अभियांत्रिकी शिक्षा मिलेगी"। पिछले लगभग सात दशकों में, संस्थान उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहा है और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, चिकित्सा, संस्कृति और विरासत, वास्तुकला, कानून, कृषि, प्रबंधन सहित सभी क्षेत्रों में शिक्षाविदों, पूर्वाग्रहों से मुक्त और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत सावधानी के साथ, अनुसंधान और विकास में सर्वश्रेष्ठ के बीच खड़ा है।

पूर्ण व्यक्तिगत विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण, ज्ञान, स्वास्थ्य की तलाश और साथ ही साथ कला और संस्कृति और साथी प्राणियों की सहानुभूति के लिए मन के साथ-साथ लोकाचार रहा है और सभी गतिविधियों के मूल में दिल में पवित्र भाव रखा गया है और संस्थान की वृद्धि के लिए हम उन पूर्वजों की सराहना करते हैं क्योंकि तथ्य यह है कि 'कोई आज छाया में बैठा है क्योंकि किसी ने बहुत समय पहले एक पेड़ लगाया था।'

मैं इस बात पर जोर देना चाहूँगा कि हमारा संस्थान हमेशा अपने पूर्व छात्रों के लिए गर्व और आभारी है जिन्होंने राष्ट्र और दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाया है, उनके निरंतर प्रयासों के कारण उनके जीवन को उचित रूप से जीने के लिए धन्यवाद। वे हमें और भी अधिक गौरवान्वित करते हैं क्योंकि वे योगदान के उच्च और उच्च स्तर पर चढ़ते हैं; चाहे यह कृषि, अर्थशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, खाद्य सुरक्षा, सैन्य खुफिया, पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों, अंतरिक्ष और वायुमंडलीय विज्ञान, रेलवे अनुसंधान और मानवतावादी सेवाओं में हो। उन्हें "आवश्यक कार्य करने से शुरु" करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है; तब आप पाते हैं कि क्या संभव नहीं है; और अचानक आप वह कर रहे होते हैं, जिसे कभी असंभव समझा जाता था"। ऐसा करते समय, वे हमेशा अपने दिमाग में धारण करते हैं कि "दुनिया की सबसे अच्छी और सबसे सुंदर चीजों को देखा या छुआ नहीं जा सकता है - उन्हें दिल से महसूस किया जाना चाहिए" जैसा कि हेलेन केलेर के शब्दों में उनके कार्य संस्थान के प्रति प्यार की भावना से प्रेरित हैं। आईआईटी खड़गपुर बिरादरी किसी भी स्तर पर राष्ट्र का झंडा बुलंद करने के लिए हमेशा किसी भी महान कारण के लिए खड़ी हुई है।

हम योग्य शिक्षकों की कमी, वित्तीय सहायता कम होने, सामाजिक और प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और अत्याधुनिक तकनीकों की कमी जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद अपनी उत्सुकता, खुले दिमाग और व्यापक सोच रखते हैं; हम आईआईटी खड़गपुर की विरासत को आगे बढ़ाते हैं! इसकी प्रतिज्ञा करने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर स्नातक रोजगार को बढ़ावा देने के लिए भारत की सर्वोच्च रैंक वाली संस्था है, शीर्ष 100 QS स्नातक रोजगार रैंकिंग 2016-17 में सुविधाएँ, आईआईटी खड़गपुर में सामग्री विज्ञान केंद्र को शीर्ष 100 शैक्षणिक केंद्रों में स्थान दिया गया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विषय रैंकिंग 2015 में खनन अभियांत्रिकी विभाग को दुनिया भर में शीर्ष 50 में रखा गया है। वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन विभाग ने राष्ट्र का पहला स्थान हासिल किया, संस्थान ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 300 विश्वविद्यालयों में एक स्थान हासिल किया और हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) (NIRF) द्वारा पांचवीं रैंक और इंडिया टुडे द्वारा पहली रैंक हासिल की!

संस्थान ने इंटरनेशनल समर विंटर टर्म (ISWT) प्रोग्राम शुरू करके अपने अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर को बढ़ाने का पहला कदम उठाया, जिसे बाद में, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय के वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर अनुकूलित किया गया। इस राष्ट्रीय पहल में, आईआईटी खड़गपुर ने देश भर में कार्यक्रम को समन्वित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है और एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस तरह का एक अन्य कार्यक्रम, जहां आईआईटी खड़गपुर के सक्षम हाथों में एक राष्ट्रीय मिशन सौंपा गया था, भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) का निर्माण है। संस्थान की दक्षता के लिए धन्यवाद, यह सुविधा हाल ही में राष्ट्र को समर्पित की गई है। एकल-खिड़की खोज पोर्टल में कई करोड़ों पुस्तकों, पत्रिकाओं, वीडियो के साथ नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी को दूर-दूर से सराहना मिली है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान आईआईटी खड़गपुर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने चार मेगा अनुसंधान परियोजनाओं को स्थायी खाद्य सुरक्षा, शहरों के भविष्य, सिमल और जीवन विज्ञान और विज्ञान और विरासत इंटरफ़ेस के लिए प्रणाली के क्षेत्र में वित्त पोषित किया है। जो देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। रेल क्षेत्र में आईआईटी- खड़गपुर ने ट्रेन की टक्कर को रोकने के लिए एक उपकरण का योगदान दिया जो रेल सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। संस्थान शिक्षण नवाचारों और शैक्षणिक नेटवर्क विकसित करने के लिए उत्सुक है। संस्थान जीआईएन (GIAN) पर राष्ट्रीय प्रयास का नेतृत्व करता है और एनपीटीईएल, टी 10 केटी, पेडागोजी, टीईक्यूआईपी आदि के लिए एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है जो विविध उपलब्धियों को जोड़ते हैं। हमने कॉलेज



स्तर के संस्थानों के दस हजार शिक्षकों के साथ संवाद करने और उन्हें गुणवत्ता प्रदान करने और शिक्षा को सशक्त बनाने के शिक्षण में मदद करने के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम भी चलाया है।

हमारे संस्थान के उत्साही पूर्व छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में गेम चेंजर के रूप में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। राष्ट्र अपनी कुछ प्रमुख समस्याओं का समाधान करने के लिए और अपने नागरिकों को विविध रूपों के लिए बेहतर और आशाजनक भविष्य का नेतृत्व करने के लिए हमें देखता है। हमारी मातृभूमि के खिलाफ बढ़ते खतरे बहुत चिंता का विषय है। उन्नत रक्षा प्रणालियों का विकास, अंतरिक्ष अन्वेषण, 'सुरक्षा और सुरक्षा', 'खाद्य और पोषण', 'सभी के लिए आश्रय और रहने योग्य', 'ऊर्जा और पर्यावरण', 'अर्थव्यवस्था और रोजगार', 'स्वास्थ्य' और 'उम्र के अनुकूल प्रणालियों और डिजाइनों के माध्यम से बुजुर्गों को सशक्त बनाना' सहित पर्यावरणीय स्थिरता की चिंताओं का समाधान अच्छी तरह से किया जा रहा है,। आईआईटी खड़गपुर ने भविष्य की शहरों (चरण II), खाद्य और पोषण स्थिरता, जीवन विज्ञान, विज्ञान और विरासत पहल और स्वच्छ जल, जैव से संबंधित अन्य प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं में सिग्नल और सिस्टम से संबंधित प्रमुख परियोजनाओं को उठाकर इन चुनौतियों का अनुकूल समाधान किया है। ऊर्जा, पर्यावरण और पसंद है। समानांतर में, हम नैनो-विज्ञान, जैव-एमईएमएस, सामग्री, सर्किट डिजाइन और, गणितीय तरीकों के क्षेत्रों में कुछ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए जारी रखते हैं, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हमें शीर्ष गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में अनुसंधान प्रकाशनों का उत्पादन करते हैं। यह बताने के लिए उल्लेखनीय है कि संस्थान ने समय पर अनुकूल प्रतिक्रिया व्यक्त की है ताकि जीवन आनंद पर एक पाठ्यक्रम शुरू किया जा सके; जीवन के सभी तनाव और जटिलताओं के साथ एक चुनौतीपूर्ण माहौल में कैसे खुश रहें। इसके अलावा, संस्थान द्वारा शुरू किए गए बाहर निकलें और मैदान में पहुंचें कार्यक्रम को छात्रों और शिक्षकों के बीच अंतःक्रिया के लिए स्वतंत्र हवा बनाने के लिए रोशनी बंद करके राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त हुई है। कैपस को एक शैक्षणिक वातावरण के अनुकूल बनाने के प्रयासों के बजाय भारत के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने में एक बड़ी छलांग है। यह ध्यान देने योग्य है कि मध्यप्रदेश सरकार के अधीन राज आनंदम संस्थान (आनंद विभाग) के साथ विज्ञान के लिए रेकी आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केन्द्र के साथ ज्ञान पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आईआईटी खड़गपुर के शोधकर्ताओं ने एक सफलता हासिल की है जो जैव ईंधन को दुनिया भर में निर्मित करने के तरीके को बदल देगा।

पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाले संकाय को आकर्षित करना आईआईटी सिस्टम की सबसे बड़ी चुनौती है और आईआईटी खड़गपुर भी इसका अपवाद नहीं है। इसलिए, हमने एक बहुत ही आकर्षक एवं सतत् सक्रिय भर्ती प्रक्रिया शुरू की है, जिसके माध्यम से हम गुणवत्ता अनुप्रयोगों को स्क्रीन करते हैं और जितनी जल्दी हो सके नियुक्ति प्रदान करते हैं। देश के भीतर और विदेशों से उद्योग और अकादमियों के शानदार संकायों की पहचान करने और उन्हें शामिल करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। हमने रिसर्च चैलेंज ग्रांट्स, टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड के प्रचार के माध्यम से प्रतिस्पर्धी और सहयोगी उत्कृष्टता को स्थापित करने की कोशिश की है, जिसने हमारे युवा और वरिष्ठ संकाय सदस्यों दोनों को उत्साहित किया है। हम संस्थान में देश के मानव संसाधन विकास की जरूरतों के प्रति बहुत संवेदनशील हैं और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान उपक्रमों की शुरुआत की है। हाल के वर्षों में हमने इस रिपोर्ट में विस्तृत रूप में स्नातकोत्तर (पीजी) और (स्नातक) यूजी दोनों स्तरों पर कई नए शैक्षणिक कार्यक्रम पेश किए हैं। संस्थान ने वास्तुकला (एम आर्क) में एक नए स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किया है जिससे स्थिरता और निर्मित रूपों के मुद्दों पर समय पर प्रतिक्रिया दी है और निर्मित वातावरण की स्थिरता पर जोर दिया है। हाल ही में, इस संबंध में आईआईटी खड़गपुर और श्री अरबिंदो सोसायटी, पुडुचेरी के बीच समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस वर्ष कैपिलरी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आईआईटी खड़गपुर और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए बिग डेटा एनालिटिक्स में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए। मुझे खुशी है कि कंपनियों और संस्थानों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के प्रयास में अपने उद्देश्यों के लिए हमारे स्नातकों को अपने लिए उपयुक्त पाया है और उन्हें अपने यहाँ पेशेवर सेवाएं लेने के लिए अवसर देना जारी रखा है। हमें अपने शानदार पूर्व छात्रों पर गर्व है जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं जो राष्ट्र के बाहर और भीतर दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेष आजीवन अनुदान के लिए मैं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को धन्यवाद देता हूँ।

अब मुझे अपने मुख्य अतिथि और अतिथियों का सम्मान करने का सौभाग्य मिला है, जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद वकील, अनुभवी राजनीतिक प्रतिनिधि और भारतीय सार्वजनिक जीवन और समाज में समतावाद और अखंडता के लंबे समय से पैरोकार हैं। 25 जुलाई, 2017 को भारत के 14 वें राष्ट्रपति के पद का कार्यभार संभालने से पहले, श्री कोविंद ने 16 अगस्त, 2015 से 20 जून, 2017 तक बिहार राज्य के 36 वें राज्यपाल के रूप में कार्य किया। श्री कोविंद ने कानपुर में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और कानपुर विश्वविद्यालय से बी.कॉम, एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और 1971 में बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के साथ एडवोकेट के रूप में पंजीकरण किया। श्री कोविंद 1977 से 1979 तक दिल्ली उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार के वकील थे और 1980 से 1993 तक सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के स्थायी वकील रहे। वे 1978 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय एडवोकेट-ऑन-रिकार्ड बने। उन्होंने 1993 तक 16 वर्षों तक दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में वकालत का अभ्यास किया। श्री कोविंद को अप्रैल 1994 से मार्च 2006 तक प्रत्येक छह वर्षों के लगातार दो कार्यकालों के लिए में उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के सदस्य के रूप में चुना गया। श्री कोविंद ने विभिन्न संसदीय समितियों जैसे कि अनुसूचित जातियों / जनजातियों के कल्याण, गृह मामलों की संसदीय समिति; पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस पर संसदीय समिति; सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर संसदीय समिति; और कानून और न्याय पर संसदीय संसदीय समिति की सेवा की।

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, महामहिम राज्यपाल, पश्चिम बंगाल, पेशे से वरिष्ठ अधिवक्ता रहे हैं, केशरी नाथ त्रिपाठी के पेशेवर उत्कृष्टता, राष्ट्रवादी उत्कंठा, सामाजिक प्रतिबद्धता और नैतिक मूल्य उनके पूजनीय माता-पिता और बड़े भाई के मार्गदर्शन में बने। उन्होंने 1953 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की



उपाधि प्राप्त की और 1955 में एलएलबी की परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। सामान्य रूप से न्यायपालिका के साथ उनका लंबा जुड़ाव और विशेष रूप से इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें प्रशासित किया गया था जब उन्हें 1989 में पूर्ण न्यायालय द्वारा एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था। सिविल साइड पर एक प्रख्यात वकील के रूप में माने-जाने वाले, श्री त्रिपाठी को चुनाव कानून के विशेषज्ञ के रूप में माना जाता था। श्री त्रिपाठी को विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा कई मानद डिग्री प्रदान की गई हैं। श्री त्रिपाठी न केवल एक सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता हैं, बल्कि कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। वह एक श्रद्धेय और व्यापक रूप से प्रशासित कवि हैं। श्री त्रिपाठी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 पर एक विस्तृत टिप्पणी भी लिखी है।

आदरणीय ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री हैं और 2011 से मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की। उसने अपना जीवन समाज की सेवा और दलितों के सशक्तीकरण में समर्पित कर दिया है। मुख्यमंत्री होने से पहले, वह केंद्रीय मंत्री के रूप में विभिन्न विभागों में रहीं और लंबे समय तक सांसद रहीं। उन्होंने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। द टाइम्स मैगज़ीन ने उन्हें 2012 में विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में नामित किया।

डॉ. सौमेन कुमार महापात्रा- डॉ. महापात्रा ने जंतु विज्ञान में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की और पिंगला कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर थे। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि डॉ. महापात्रा आईआईटी खड़गपुर से जुड़े थे। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर में राष्ट्रीय आईटी सेवा योजना में प्रशिक्षण कार्यक्रम किया।

श्री संजीव गोयनका अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी खड़गपुर आरपी-संजीव गोयनका समूह के अध्यक्ष हैं, जिनकी संपत्ति 4.3 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक है, और 50,000 से अधिक कर्मचारी और एक सौ से अधिक शेरधारक हैं। 1961 में जन्मे संजीव गोयनका वर्तमान में कोलकाता में कनाडा के मानद कौंसलर हैं। अप्रैल 2001 में, उन्होंने भारतीय उद्योग परिषद (CII) के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के शासी मंडल के अध्यक्ष नियुक्त किए गए और वर्तमान में भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता (IIM, कोलकाता) के बोर्ड में कार्य करते हैं,। श्री संजीव गोयनका अखिल भारतीय प्रबंधन संस्थान (AIMA) के पूर्व अध्यक्ष और व्यापार और उद्योग पर प्रधान मंत्री परिषद के सदस्य थे। वह वुडलैंड्स मेडिकल सेंटर लिमिटेड, कोलकाता के निदेशक मंडल के वर्तमान अध्यक्ष भी हैं।

पिछले वर्ष की अवधि के दौरान उपलब्धियां

मैं पिछले एक वर्ष में संस्थान की कुछ प्रमुख उपलब्धियों को आपके सामने प्रस्तुत करने का यह अवसर लेता हूं।

राष्ट्रीय पहल में संस्थान की अग्रणी भूमिका

अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने हमेशा राष्ट्र के विकास में अपना तत्पर और संपूर्ण योगदान दिया है। हमारे संस्थान के संस्थापक आदर्श वाक्य, "राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित" के लिए हमारे निरंतर प्रयास ने हमें देश और इसके नागरिकों के लिए दूरगामी लाभ के साथ कई राष्ट्रीय पहल करने के लिए मजबूत किया है।

संस्थान, मेजबान और भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) पहल के समन्वयक के रूप में, राष्ट्र के सभी मौजूदा डिजिटल और डिजिटल सामग्री के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस के साथ 30 मिलियन से अधिक सामग्री को पूरा कर चुका है। पिछले वर्ष में, भारत सरकार के शिपिंग मंत्रालय के मार्गदर्शन के साथ, संस्थान ने सागरमाला कार्यक्रम के तहत एक नए केंद्र के लिए अंतर्देशीय और तटीय समुद्री प्रौद्योगिकी के साथ अपनी यात्रा शुरू की। संस्थान का नव निर्मित केंद्र कम्प्यूटेशन और डाटा साइंस भारत सरकार के राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (NSM) के तहत 1.3 पेटा-फ्लॉप सुपरकंप्यूटिंग सुविधा स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। संस्थान ने स्मार्ट इंडियन हार्डवेयर हैकार्थन (SIHH) कार्यक्रम के सह-समन्वयक और ग्रैंड फिनाले के लिए नोडल केंद्र के रूप में एक प्रमुख भूमिका निभाई, जिसने नवोदित नवप्रवर्तकों को एक अनूठा मंच प्रदान किया जिसे उत्पादों और व्यापार के अद्वितीय समाधानों को आरंभ करने के लिए परिवर्तित किया जा सकता है।

छात्रों और शिक्षकों की गतिशीलता से जुड़े संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से, शीर्ष स्थान पर स्थित भारतीय संस्थानों और वैश्विक स्तर पर रैंक वाले विदेशी संस्थानों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाने के द्वारा भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार लाने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने हाल ही में शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग (SPARC) को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू की है। हमारा संस्थान, राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है, जिसने 28 देशों के शीर्ष विश्वविद्यालयों को मिलाकर सहयोगी नेटवर्क तैयार किया है। उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए देश के शैक्षणिक संस्थानों की मदद करने के लिए, हमारे संस्थान ने शिक्षण संस्थानों और प्रबंध शिक्षा संस्थानों (SMILE) के लिए सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन की शुरुआत की है, जो शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक ERP है।

हमारे संस्थान द्वारा शुरू किए गए यंग इनोवेटर्स प्रोग्राम 2019 को अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण प्राप्त हुआ है, जहाँ संस्थान के इस अनोखे कार्यक्रम में देश के अंदर और बाहर दोनों ओर के युवा छात्रों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों के नवोन्मेषी युवा मन को प्रज्वलित करना है। पड़ोसी देशों के छात्रों को भारतीय संस्थानों में अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, हमारे संस्थान ने स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तरों पर पूर्णकालिक नामांकन के लिए सार्क क्षेत्र के छात्रों के लिए एक पूर्ण छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है।



मान्यताएं

शिक्षाविदों के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान में संस्थान की उत्कृष्टता को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) 2019 द्वारा मान्यता दी गई है, जहां लगातार दो वर्षों के लिए आईआईटी खड़गपुर एकमात्र संस्थान है जिसे समग्र श्रेणी (पांचवीं रैंक) में शीर्ष सूची में स्थान दिया गया है साथ ही अभियांत्रिकी (चौथी रैंक), प्रबंधन (छठी रैंक), वास्तुकला (पहली रैंक), और विधि (चौथी रैंक) के अलावा नवोन्मेष पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA) में नए विकसित इनोवेशन रैंकिंग (पांचवीं रैंक) के अलावा भी अनेक उपलब्धियां हैं। संस्थान ने 14 स्थान ऊपर जाकर नवीनतम क्यूएस रैंकिंग में शीर्ष क्रम के भारतीय संस्थानों के लिए सुधार की उच्चतम दर बनाई। बिजनेस एनालिटिक्स (पीजीडीबीए) पर त्रिकोणीय संस्थानों द्वारा प्रदत्त, हमारे संस्थान द्वारा प्रस्तावित क्यूएस रैंकिंग द्वारा दुनिया में 14 वें स्थान पर है। यह संस्थान टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग में भारत के सर्वश्रेष्ठ और उद्योग, नवाचार और अवसरचना श्रेणी में विश्व के शीर्ष 50 में शामिल है। सीएसआर फंडिंग के माध्यम से कई पिछड़े गांवों में स्वच्छ ऊर्जा के कुशल कार्यान्वयन के लिए संस्थान को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हमें NASSCOM-DSCI वार्षिक सूचना सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2018 में साइबर सुरक्षा शिक्षा के लिए DSCI उत्कृष्टता पुरस्कार का विजेता भी घोषित किया गया है। यह बहुत गर्व की बात है कि विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD)) द्वारा विशिष्ट संस्थान (इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस) पदस्थिति (स्टेटस) के लिए आईआईटी खड़गपुर की सिफारिश की गई है।

समाज पर प्रभाव के साथ अनुसंधान

छात्रों और संकाय सदस्यों की अपनी समर्पित टीमों के साथ संस्थान समाज तक पहुंचने वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। संस्थान के शोधकर्ताओं ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए एआई-आधारित मोबाइल ऐप विकसित किया है, जो आकस्मिक रूप से गिरने, मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक ठीक ठाक होने की स्थिति को संबोधित करता है, धूम्रपान छोड़ने वालों की मदद करने के लिए एक ऐप, अंतरालीय फेफड़ों के रोगों और फेफड़ों के कैंसर का पता लगाने के लिए, नकली समाचारों को फ़िल्टर करने की तकनीक आपदाएं, एलपीजी वितरण को बढ़ावा देने के तरीके, पीने योग्य जल परियोजना का विकास, जो कि हर दिन 60 परिवारों को 1000 लीटर शुद्ध आरओ पानी प्रदान करता है, भारत में वर्षा में परिवर्तनशीलता और रुझानों का अनुमान लगाने के लिए मॉडल, बैटरी-मुक्त प्रत्यारोपण योग्य चिकित्सा उपकरण, और कई अन्य रोमांचक तकनीकों के बीच भूकंप के नुकसान को कम करने में मदद करने के लिए शहर-स्तर के नक्शे निर्मित करने जैसे प्रयासों ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। हमें भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में आईआईटी खड़गपुर में डिजाइन इनोवेशन सेंटर और RuTAG के तहत विकसित ग्रामीण प्रौद्योगिकियों और उपकरणों की आपूर्ति करने वाले रोजगार सृजन पर गर्व है। ग्रामीण प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता के साथ, संस्थान ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी हैकथॉन 2018 का आयोजन किया।

शिक्षण में नई पहल

संस्थान ने अपनी तरह का पहला स्नातक शोध कार्यक्रम - अंडर ग्रेजुएट रिसर्च प्रोग्राम (UGRP) लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को अपने स्वयं के प्रोजेक्ट विचारों को पूरा करने के लिए नए प्रोत्साहन देना है और यह उनकी लिखित प्रतिलिपि के अंग के रूप में है। इस पहल का उद्देश्य यूजी छात्रों के बीच अनुसंधान और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना और उनका पोषण करना है। यूजीआरपी फंड छात्रों द्वारा प्रतिस्पर्धी आधार पर प्रस्तावित अनुसंधान विचारों का चयन करते हैं और प्रत्येक सफल प्रस्ताव संस्थान के संकाय सदस्य द्वारा निर्देशित होता है। शिक्षण के माध्यम से शिक्षण प्रदान करने के लिए, संस्थान ने एक प्रयोगशाला शुरू की है, जहाँ युवा मन अपने अभिनव विचारों का "स्वयं करके देखें" (DIY) पोषण कर सकते हैं, और हम इसे अपने पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनाने के लिए तैयार हैं। संस्थान ने अपने सभी छात्रों के लिए भले ही उनके अध्ययन की शाखा के बावजूद, एडब्ल्यूएस क्लाउड कम्प्यूटिंग अनुभव और एआई-सक्षमता प्रदान करने के लिए अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) एजुकेट कार्यक्रम पेश किया है।

शिक्षा-उद्योग सहयोग

हमारे शोध को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की ओर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए, संस्थान विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में कई औद्योगिक भागीदारों के साथ निकटता से अंतःक्रिया करता है। कैंसर अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी) के दोहन के लिए कैंसर इमेज डेटा बैंक के विकास की दिशा में भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना में, भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, आईआईटी खड़गपुर और टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता द्वारा कैंसर इमेज डेटा बैंक (सीएचएवीआई) पर एक परियोजना की जा रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केन्द्र (सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और ONGC की EPINET डेटा साइंस टीम संयुक्त रूप से ONGC के डेटा एनालिटिक्स के लिए नॉलेज आर्किटेक्चर विकसित कर रहे हैं। संस्थान ने 5G और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर संयुक्त अनुसंधान करने के लिए विप्रो से हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के अनुसंधान परिणामों का उपयोग विप्रो द्वारा अपने ग्राहकों के लिए, उद्योग के ऊर्ध्वाधर में समाधान विकसित करने के लिए किया जाएगा, जबकि हम संयुक्त अनुसंधान अंतर्दृष्टि और विप्रो की वास्तविक-विश्व उद्योग विशेषज्ञता के व्यावसायीकरण से लाभान्वित होंगे। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के सहयोग से, संस्थान ने संस्थान के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में स्टेनलेस स्टील पर 3-क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किया है। आनंद विज्ञान संस्थान के साथ रेकी आनंद विज्ञान केन्द्र के खेलों में उत्कृष्टता, खुशी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के साथ सहयोग कर रहा है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज माननीय मंत्री कोलकाता के राजारहाट परिसर में आईआईटी खड़गपुर रिसर्च पार्क का उद्घाटन करेंगे। यह शोध पार्क समाज के लाभ के लिए आईआईटी की नवीन प्रौद्योगिकियों के सफल अनुवाद के लिए नवाचार, स्टार्ट-अप और उद्योग-अकादमिक सहभागिता को बढ़ावा देगा और राष्ट्र की मेक-इन-इंडिया पहल के अनुरूप है।



अप्रयोज्य वस्तुओं से धन सृजन

संस्थान ने अभियांत्रिकी डिजाइन और इनोवेशन सेंटर के लिए अलग-अलग विभागों और केंद्रीय भंडार की छोड़ी गई और अप्रचलित वस्तुओं की फिर से प्रयोज्य करने के लिए एक परियोजना शुरू की है, जिसमें पुर्जे और उपकरण, सामग्री और अन्य सामानों को खंगालना, उबारना, पुनर्स्थापित करना, मरम्मत करना और पुनः उपयोग करने योग्य बनाना है। अभिनव परियोजनाएं और अभियांत्रिकी उत्पाद विकास हेतु हाथ से सिखाना है। यह स्क्रेप-यार्ड डिजाइन इनोवेशन लेबोरेटरी अभियांत्रिकी डिजाइनर्स और इनोवेटर्स के लिए एक अनूठी सुविधा और आईआईटी खड़गपुर के छात्रों के लिए एक अद्भुत प्रशिक्षण ग्राउंड होगा।

“आदित्य चौबे पुनर्जल शोध केन्द्र (सेंटर फॉर री-वाटर रिसर्च (CRW))” ने प्रदूषित जल से पुनः प्रयोज्य गुणवत्ता वाले उपचारित पानी का उत्पादन करने के लिए सस्ती तकनीकों का विकास और प्रदर्शन करने के लिए हमारे पूर्व छात्र श्री अनीश रेड्डी और श्री अनंत चौबे के उदार सहयोग से स्थापित किया गया है। केंद्र जल प्रदूषण की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के साथ संपर्क करेगा और उपचारित पानी के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करके मीठे पानी के संसाधनों पर तनाव को कम करेगा।

शैक्षणिक कार्यक्रम

आईआईटी खड़गपुर में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम 19 शैक्षणिक विभागों, 17 केंद्रों, 13 स्कूलों और 25 से अधिक उद्योगों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा संचालित किए जाते हैं।

संस्थान विभिन्न विषयों में 15 बी.टेक (ऑनर्स), बी. आर्क. (ऑनर्स) आर्किटेक्चर में प्रोग्राम, 6 पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एम एससी कार्यक्रम, 16 दोहरे डिग्री कार्यक्रम, नौ दो साल के संयुक्त एम सी पी पी डी कार्यक्रम और 54 स्नातकोत्तर डिग्री संयुक्त एम टेक के लिए अग्रणी कार्यक्रम / एमसीपी-पीएच डी., एमबीए, एमएचआरएम, ईएमबीए, पीजीडीबीए, एलएलबी, एलएलबी, एलएलएम और एमएमएसआर कार्यक्रम की उपाधियां प्रदान करता है। दुनिया की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए अध्ययन सूची और पाठ्यक्रम को समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। इसके अलावा, संस्थान विविध विषयों से कई सूक्ष्म विशेषज्ञता प्रदान करता है। पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम को लचीला बनाने के अपने निरंतर प्रयास में, आईआईटी खड़गपुर ने कई माइक्रो-क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। आईआईटी खड़गपुर के एक संकाय सदस्य से जुड़े राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान / उद्योग / आरएंडडी प्रयोगशालाओं से प्रख्यात विजिटिंग एक्सपर्ट (एडजंक या विजिटिंग फैकल्टी के रूप में चिह्नित) इन पाठ्यक्रमों में पढ़ाते रहे हैं।

संस्थान ने एम टेक के कई नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत की है - गुणवत्ता और विश्वसनीयता अभियांत्रिकी में एम टेक, संयुक्त एमएससी-पीएचडी के तहत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण और विज्ञान के तीन मास्टर (दो वर्ष) कार्यक्रम - आईआईटी खड़गपुर द्वारा टाटा मेडिकल सेंटर (TMC), कोलकाता में न्यूक्लियर मेडिसिन, मॉलिक्यूलर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, और मेडिकल फिजिक्स के क्षेत्रों में पेश किया जाने वाला पीएचडी प्रोग्राम। इसके अलावा, संस्थान ने आईआईटी खड़गपुर में पीडीएफ और विजिटिंग फैलो के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सलेंस इन रिसर्च (सीईआर), और न्यूनतम आवासीय आवश्यकताओं के साथ काम कर रहे पेशेवरों के लिए पीएचडी कार्यक्रम की पेशकश करने का भी फैसला किया है। भारत सरकार द्वारा डॉक्टरल रिसर्च के लिए प्रधान मंत्री फेलोशिप योजना का परिचय, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, कृषि और चिकित्सा के क्षेत्रों में डॉक्टरेट अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उज्ज्वल छात्रों को प्रोत्साहित करने की उम्मीद है। संस्थान की अन्य नई शैक्षणिक पहलों में विदेशी विश्वविद्यालय और आईआईटी खड़गपुर के बीच अल्पकालिक पारस्परिक छात्र विनिमय कार्यक्रम, अंडरग्रेजुएट के बीच अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ाने के लिए यूजीआरपी, शीर्ष 02 जेईई एडवांस रैंक, और अंडर ग्रेजुएट रिसर्च प्लेटफॉर्म को एलईआर मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान करने के लिए कार्यक्रम शामिल हैं।

आईआईटी समुदाय को त्वरित गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी खोज में, ERP प्रणाली को और पुर्नजीवित किया गया है। छात्रों के पंजीकरण, नामांकन, पाठ्यक्रम आवंटन, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, सारांश प्रस्तुत करने, परीक्षा परिणाम, छात्रों की प्रतिक्रिया, प्रायोजित अनुसंधान, संकाय भर्ती और वेतन और आयकर विवरण सहित सभी शैक्षणिक मुद्दे अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

आज, इस समारोह में हम 295 पीएचडी. (264 पीएचडी + 02 संयुक्त एमएस पीएचडी, 12 संयुक्त एमटैक एमसीपी पीएचडी, + 17 संयुक्त एम एससी - पीएच.डी) 30 एमएस, 624 एम टेक, 39 एमसीपी, 112 एमबीए, 27 ईएमबीए, 10 एमएमएसटी, 18 एमएचआरएम, 8 एलएलएम, 29 एलएलबी, 52 PGDBA (आईआईएम कोलकाता और आईएसआई कोलकाता के साथ एक त्रि-संस्थान कार्यक्रम), 529 दोहरी डिग्री, 475 बीटैक (ऑनर्स), 36 बी आर्क (ऑनर्स), 178 पांच वर्षीय एकीकृत एम एससी और 154 दो वर्षीय एम एससी की उपाधियाँ प्रदान की जा रही हैं।

विख्यात पूर्व छात्र पुरस्कार

मैं यह घोषित करते हुए सम्मानित और गर्व महसूस कर रहा हूँ कि इस दीक्षांत समारोह में संस्थान की अभिषू और शासी मंडल निम्नलिखित प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान करेंगे।

प्रो आशिम कुमार दत्ता [1979 बीटैक/AG/NH], कॉर्नेल विश्वविद्यालय में जैविक और पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के प्रो अशीम कुमार दत्ता एक पथ-प्रदर्शक शोधकर्ता और समर्पित शिक्षक हैं। प्रो दत्ता ने 1979 में आईआईटी खड़गपुर से कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी में अपनी बी.टेक पूरी की। उन्होंने इलिनोइस विश्वविद्यालय से अर्बाना-शैंपेन में एमएस (1982) किया और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, गेनेसविले से पीएचडी (1985) किया। उन्होंने 1987 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।



प्रो हरेश लालवानी [1967 / बीआर्क/AR/RP], प्रो हरेश लालवानी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वास्तुकार, कलाकार-आविष्कारक और डिजाइन वैज्ञानिक हैं। वह वर्तमान में प्रोफेसर, विद्यालय ऑफ आर्किटेक्चर और निदेशक, सेंटर फॉर एक्सपेरिमेंटल स्ट्रक्चर्स एट प्रैट इंस्टीट्यूट, यूएसए में हैं। प्रो लालवानी ने अपना बी आर्क पूरा किया। 1967 में आईआईटी खड़गपुर से और डिपार्टमेंट टॉपर होने के लिए सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1971 में प्रैट इंस्टीट्यूट से आर्किटेक्चर में एम। ए। और 1981 में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की, जिसमें दिग्गज आर्किटेक्ट, सिस्टम थ्योरीस्ट, आविष्कारक और भविष्यवादी, रिचर्ड बकमिनस्टर फुलर शामिल थे।

डॉ समीर वी कामत [1985 / बीटैक/MT/RK], डॉ. समीर वी। कामत पिछले तीन दशकों से विभिन्न रक्षा अनुप्रयोगों के लिए सामग्री पर अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास कर रहे हैं। वह वर्तमान में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और महानिदेशक, नौसेना प्रणाली और सामग्री, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), और विशाखापत्तनम में तैनात हैं। डॉ. कामत ने बी.टेक पूरी की। 1985 में आईआईटी खड़गपुर से मेटलर्जिकल अभियांत्रिकी में और डिपार्टमेंट टॉपर के रूप में संस्थान सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाला था। उन्होंने 1988 में अमेरिका के ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से मैटेरियल्स साइंस एंड अभियांत्रिकी में पीएचडी की और वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, पुलमैन, अमेरिका से पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप किया।

डॉ पराग वी हवलदार [1991 / बीटैक./CS/LLR], डॉ. पराग वी। हवलदार एक अग्रणी कंप्यूटर विज्ञान और ग्राफिक्स विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अपनी एनीमेशन तकनीक के लिए एक तकनीकी ऑस्कर जीता है। वह वर्तमान में लीड मैनेजर, सॉफ्टवेयर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ब्लिज़ार्ड एंटरटेनमेंट में, और दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं। डॉ हवलदार ने बी.टेक पूरी की। 1991 में आईआईटी खड़गपुर से कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में, और 1996 में दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान और ग्राफिक्स में पीएचडी प्राप्त की।

प्रो रमेश जैन [1975 / पीएचडी / ईसी / बीसीआर], प्रो रमेश जैन एक प्रसिद्ध शोधकर्ता, उद्यमी और कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में 45 वर्षों से अधिक के करियर के साथ प्रमुख शिक्षाविद हैं। वह वर्तमान में प्रोफेसर और निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर फ्यूचर हेल्थ, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन, यूएसए हैं। प्रो जैन ने 1975 में आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल संचार अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरी की। उन्होंने 1969 में बी.ई. नागपुर विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में की। प्रो जैन 2005 में ब्रेनविद्यालय ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कंप्यूटर साइंसेज में पहले ब्रेन प्रोफेसर के रूप में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन में शामिल हुए।

प्रो सांतनु चौधरी [1984, 1989 / बीटैक, पीएचडी / ईसी, सीएस / आरपी], प्रो. संतनु चौधरी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद हैं जो कंप्यूटर दृष्टि और पैटर्न मान्यता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं। वह वर्तमान में, CSIR-CEERI, पिलानी के निदेशक हैं। प्रो चौधरी ने 1984 में आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल संचार अभियांत्रिकी बी.टेक और 1989 में कंप्यूटर साइंस एंड अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरी की। पहले वे आईआईटी खड़गपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल संचार अभियांत्रिकी विभाग में लेक्चरर थे फिर आईआईटी दिल्ली में गए जहां वे प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग के रूप में सेवारत हैं।

डॉ सुदीप्ता सील [1990 / बीटैक./MT/RK], डॉ सुदीप्ता सील एक प्रख्यात वैज्ञानिक, प्रतिष्ठित प्रोफेसर और उद्यमी हैं। वह वर्तमान में सेंट्रल फ्लोरिडा (यूसीएफ) विश्वविद्यालय में ट्रस्टी चेयर, पेगासस और विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं, और अध्यक्ष, सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी, उन्नत सामग्री प्रसंस्करण विश्लेषण केंद्र (एमपीएसी), नैनोसाइंस टेक्नोलॉजी सेंटर (एनएसटीसी), यूसीएफ कॉलेज ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा, यूएसए। डॉ सील ने 1990 में अपनी बीटैक धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में पूरी की और खेल और खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंस्टीट्यूट ब्लू जीता। उन्होंने शेफील्ड विश्वविद्यालय यूके से अपना एम.मैट किया और विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मिल्वौकी, 1996 में यूएसए से सामग्री विज्ञान में पीएचडी किया।

लेफ्टिनेंट-जनरल उत्पल भट्टाचार्य [1969 / बीटैक./CE/VS], लेफ्टिनेंट- जनरल उत्पल भट्टाचार्य एक प्रतिष्ठित पूर्व सैन्य अधिकारी और प्रबंधन विशेषज्ञ हैं। वह 40 वर्षों तक सेवा देने के बाद भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए, भारतीय सेना के इंजीनियर (श्री स्टार जनरल - लेफ्टिनेंट जनरल) के लिए उच्चतम संभव रैंक पर पहुंच गए। वह वर्तमान में वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स में बोर्ड निदेशक हैं, जो भारत में मुद्रण, लेखन और पैकेजिंग के लिए कागज के सबसे पुराने और सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। लेफ्टिनेंट जनरल भट्टाचार्य ने 1969 में आईआईटी खड़गपुर से बीटैक सिविल अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त की। रक्षा अध्ययन में मद्रास विश्वविद्यालय से उन्होंने एमएससी और एम.फिल किया और उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से प्रबंधन अध्ययन के मास्टर किया।

स्वामी स्मरणानंद (डॉ एन श्रीधर रेड्डी) [1980 / पीएचडी / ईसी / जेसीबी], स्वामी स्मरणानंद गिरि (डॉ एन श्रीधर रेड्डी) 1917 में श्री श्री परमहंस योगानंद द्वारा स्थापित भारत की योगदा सत्संग सोसाइटी के महासचिव हैं। आध्यात्मिक, मानवीय और धर्मार्थ सेवाओं का प्रतिपादन करता है, और मनुष्य के समग्र विकास के लिए योगानंदजी के क्रिया योग शिक्षाओं का प्रसार करता है। स्वामी जी ने 1980 में आईआईटी खड़गपुर से डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग में पीएचडी की। उन्होंने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीई प्रथम रैंक में प्राप्त की। उन्होंने कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल, कनाडा से पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप किया।

डॉ वी नारायणन [1990, 2001 / एम टेका, पीएचडी / सीआर, आई / वीएस, जीएच], डॉ. वी। नारायणन क्रायोजेनिक रॉकेट प्रोपल्शन तकनीक के विशेषज्ञ हैं। वह 1984 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में शामिल हुए और पिछले 34 वर्षों के दौरान विभिन्न पदों पर रहे। वर्तमान में, वह उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (LPSC), ISRO, तिरुवनंतपुरम हैं। LPSC ISRO का प्रमुख केंद्र है और उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों और अंतरिक्ष यान के लिए तरल प्रणोदन प्रणालियों के विकास के लिए जिम्मेदार है। डॉ. नारायणन ने अपना एम.टेक किया। 1990 में आईआईटी खड़गपुर से क्रायोजेनिक अभियांत्रिकी में और डिपार्टमेंट टॉपर के रूप में संस्थान सिल्वर जीता। उन्होंने 2001 में आईआईटी खड़गपुर से क्रायोजेनिक प्रणोदन में विशेषज्ञता वाले एयरोस्पेस अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरी की।



प्रो पुष्पक भट्टाचार्य [1984 / B Tech./EE/RP], प्रो पुष्पक भट्टाचार्य नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अग्रणी शोधकर्ता और एक उत्सुक शिक्षक हैं। वे वर्तमान में कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, आईआईटी पटना के प्रोफेसर और निदेशक हैं तथा प्रोफेसर (ग्रहणाधिकार), कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी बॉम्बे हैं। प्रो भट्टाचार्य ने बी.टेक 1984 में आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में, एम टेक 1986 में आईआईटी कानपुर से और 1994 में आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी पूरी की। वह तीन अमेरिकी विश्वविद्यालयों - मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, और यूनिवर्सिटी जोसेफ फोरिरे (फ्रांस) में विजिटिंग स्कॉलर और फैकल्टी मेंबर रहे हैं।

चैताली चक्रवर्ती [1984 / बी.टेक./EC], प्रो. चैताली चक्रवर्ती एक प्रशंसित वैज्ञानिक, शिक्षक और गुरु हैं। वह वर्तमान में इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर और ऊर्जा अभियांत्रिकी, इरा केविद्यालय के प्रोफेसर हैं; ए फुल्टनविद्यालय ऑफ अभियांत्रिकी, एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, टेम्पे, यूएसए और वायरलेस सूचना प्रणाली और कम्प्यूटेशनल आर्किटेक्चर (डब्ल्यूआईएससीए) के लिए एएसयू के केंद्र के एसोसिएट निदेशक। प्रो चक्रवर्ती ने अपनी बी.टेक 1984 में आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल संचार अभियांत्रिकी में, 1986 और 1990 में क्रमशः मैरीलैंड विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में M. S. और PhD प्राप्त किया।

प्रो.नारायण बी टी मांड्यम [1989 / बी.टेक EE/NH], प्रो नारायण बी टी मांड्यम एक बहुप्रशंसित वैज्ञानिक है जो वायरलेस डेटा संचार में अपने योगदान के लिए जाना जाते हैं। वह वर्तमान में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर अभियांत्रिकी और एसोसिएट निदेशक, वायरलेस सूचना नेटवर्क प्रयोगशाला (WINLAB), रटगर्स विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं। प्रो मांड्यम ने अपनी बी.टेक 1989 में आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में की और डिपार्टमेंट टॉपर के रूप में इस्टिट्यूट सिल्वर मेडल अर्जित किया। उन्होंने अपना एम.एस. 1991 में इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में और 1994 में राइस यूनिवर्सिटी, ह्यूस्टन, टेक्सास से पीएचडी की है।

अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ

अब मैं विभिन्न विभागों, स्कूलों और केंद्रों के कुछ अनुसंधान और विकास गतिविधियों की प्रमुख बातों का सारांश प्रस्तुत करूंगा।

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

विभाग विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं में शामिल है जैसे: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, सरकार द्वारा वित्त पोषित अधिकतम इलास्टो-प्लास्टिक बकिंग लोड के लिए पतली दीवारों वाली बीम / प्लेट संरचनाओं का इष्टतम डिजाइन। भारत की; विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा प्रायोजित अंडरवाटर वाहनों के लिए अपरंपरागत अग्रानुक्रम फ्लैपिंग फ्रॉइल प्रोपल्शन तंत्र की एक जांच। अन्य अनुसंधान परियोजनाएं हैं: ट्यूबरकल फ्लैपिंग एयरोफिल के प्रेरक प्रदर्शन पर जांच, द्रव-संरचना अंतःक्रिया के लिए आईबी-एलबीएम सॉल्वर का विकास और रोबोट जेली फिश के विकास।

कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी

कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में देश के अग्रणी विभागों में से एक के रूप में, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग ने सटीक खेती के लिए सेंसर-आधारित प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के दायरे में नई ऊंचाइयों को छुआ है; सौर ऊर्जा संचालित कृषि मशीनरी और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली; एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोग; मृदा और फसल स्वास्थ्य निगरानी; समग्र जल प्रबंधन के लिए सिमुलेशन-अनुकूलन और जलवायु मॉडलिंग; उच्च मूल्य के पेरिशबल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स के उच्च दबाव प्रसंस्करण; मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए पुष्प गंध के लक्षित चयापचर्यों; सूक्ष्मजीव जैव ईंधन उत्पादन; एक्वाकल्चर में अपशिष्ट उपयोग; स्वायत्त ट्रैक्टर का विकास; जैविक खेती; कुपोषित बच्चों के लिए आरटीई-स्वास्थ्य भोजन; और भोजन के वैक्यूम फ्राइंग।

वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन

वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन विभाग आईआईटी खड़गपुर ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए, आइवी लीग ग्रेजुएटविद्यालय ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड प्रिजर्वेशन (GSAPP), कोलंबिया यूनिवर्सिटी, NYC, USA के साथ फ्रंट-लाइन रिसर्च कोऑपरेशन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। विद्यालय ऑफ अर्बन एंड रीजनल प्लानिंग, जॉर्जिया टेक, अटलांटा, यूएसए, टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान और अन्य के अनुसार और लगातार दो वर्षों तक NIRF प्रथम रैंक के रूप में दर्ज किया गया: 2017-18 और 2018-19 शीर्ष आर्किटेक्चरविद्यालय के रूप में देश। विभाग ने दुनिया भर के शिक्षाविदों और उद्योगों में अग्रणी शोधकर्ताओं द्वारा कई कार्यशालाएं और अतिथि व्याख्यान आयोजित किए हैं।

जैव प्रौद्योगिकी

विभाग ने पिछले वर्षों में कई अनुसंधान क्षेत्रों का पता लगाया है जैसे: रोगाणुरोधी रसायन चिकित्सा, जीवाणु आकृति विज्ञान और जैव-निर्माण, भारी धातुओं का बायोरिमेडिएशन, रेडियोन्यूक्लाइड्स और कार्बनिक प्रदूषक, दूषित स्थलों पर माइक्रोबियल समुदाय संरचना और कार्य का आणविक विश्लेषण, आणविक क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और। ई के लक्षण वर्णन में विशिष्ट प्रोटीन, पौधे, पशु और माइक्रोबियल सिस्टम में रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन अभिव्यक्ति, एमा तपेदिक और एस और ऑरियस से प्रोटीन के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन शामिल हैं, जो ड्रग और अवरोधक डिजाइन पर लक्षित है, हाइब्रिड का उपयोग करके औद्योगिक कचरे से हाइड्रोजन उत्पादन में सुधार। बायोरिएक्टर, इमोबिलाइज्ड पुनः संयोजक ई कोली बीएल -21 द्वारा निरंतर हाइड्रोजन का उत्पादन, साइप्रोवायरस के आणविक विश्लेषण तसर रेशम कीट, फाइटोमेडिसिन और आणविक खेती, कम वसा वाले पदार्थ जलीय तिलहन संयंत्र, बायोमाइड्रोफ्लूडिक्स और बायोचिप विकास,



इम्यूनोडायोडेट की पहचान और लक्षण वर्णन। मी प्राकृतिक स्रोत, माइक्रोबियल ईंधन सेल, अंटार्कटिक माइक्रोबायोटा की विशेषता, प्रोबायोटिक आधारित न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद विकास, सेल्युलर माइक्रोबायोलॉजी और इमेनोबायोलॉजी, जेनेटिक और नॉनजेनिक विविधताओं के सिस्टम बायोलॉजी, होस्ट-पैथोजेन इंटरैक्शन, माइक्रोकल-माइक्रोबियल बायोरफाइनरी मॉडल में एंटीकैंसर के लिए मॉडल। कार्बन कैप्चर और वेस्ट वैलोराइजेशन वाले लिपोपेप्टाइड्स, बायोसर्फेक्टेंट्स, बायोपॉलिमर और बायो ऑयल और जैव ईंधन।

रासायनिक अभियांत्रिकी

विभाग में अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, पॉलिमर प्रसंस्करण और सम्मिश्र, प्लाज्मा अभियांत्रिकी और भूतल विज्ञान, कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, कोलाइड और इंटरफेस अभियांत्रिकी, आणविक सिमुलेशन, कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता और थर्मल अभियांत्रिकी, कैटलिसिस और रिएक्शन अभियांत्रिकी, बायोएनेर्जी शामिल हैं। कोल साइंस एंड अभियांत्रिकी, पेट्रोलियम प्रोडक्शन अभियांत्रिकी, कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज, फाइन पार्टिकल अभियांत्रिकी, क्रिस्टलीकरण अभियांत्रिकी, प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन, डायनेमिक्स एंड कंट्रोल, मेम्ब्रेन सेपरेशन, बायो एंड एनर्जी मटेरियल्स, सॉफ्ट नैनोटेक्नोलॉजी, कॉम्प्लेक्स फ्लूइड्स, माइक्रोफ्लोरिक्स एंड माइक्रोसेल ट्रांसपोर्ट अभियांत्रिकी, पोरस मीडिया और संरचित तरल पदार्थ और मल्टीफेज फ्लो भी।

रसायन विज्ञान

विभाग रसायन विज्ञान के बुनियादी और अनुप्रयुक्त दोनों क्षेत्रों जैसे कि उन्नत सामग्री, सिंथेटिक रसायन विज्ञान, कोलाइड्स और मैक्रोमोलेक्युलस, बायोमोलेक्युलस और बायोमिमिक्स और सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान को अपनाने में अग्रणी अनुसंधान में लगा हुआ है। विभाग अत्याधुनिक प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है, अर्थात् (केवल प्रमुख उपकरण) ब्रूकर अपेक्स स्मार्ट सिंगल क्रिस्टल डिफ्रेक्टोमीटर, ब्रूकर 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, ब्रूकर एक्स II 400 मेगाहर्ट्ज और एवीआई II 200 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रोमीटर, शिमदजु डीटी -40 मॉडल 883 आईआर स्पेक्ट्रोमीटर, पीडब्लू -17291710 एक्स-रे, डिफ्रेक्टोमीटर, चक्रिय वोल्टामिटर मॉडल P9001, क्रोमपैक गैस क्रोमैटोग्राफ और JASCO DIP 370 डिजिटल ध्रुवमापी, स्पैक्सेलुरोलोग 3 फ्लोरीमीटर, समय संकल्पित प्रतिदीप्ति माप (TRFM), प्रतिदीप्ति जीवनेखा माइक्रोस्कोपी, आसान जीवनकाल तंत्र, बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेषक, पर्किन एल्मर सी, एच, एन विश्लेषक और सीपीयू-जीपीयू हाइब्रिड एचपीसी क्लस्टर, और उच्च रिजॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर। वर्तमान में, विभाग विभिन्न एजेंसियों से प्रायोजित परियोजनाओं की एक बड़ी संख्या को संभाल रहा है, जिसमें डीएसटी से प्रमुख अनुसंधान अनुदान के रूप में संस्थान के उभरते स्तर (एसजीडीआरआई) के क्षेत्र में रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सीड ग्रांट और रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अनुदान शामिल हैं।

सिविल अभियांत्रिकी

विभाग सक्रिय रूप से स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग, फिनिट एलिमेंट मॉडल अपडेटिंग, स्ट्रक्चर्स की विश्वसनीयता, बांधों के भूकंपीय विश्लेषण, पुनर्नवीनीकरण निर्माण सामग्री, कम लागत और सतत आवास, बायोमैकेनिक्स, प्लेट्स और शेल की स्थिरता, कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर, आणविक अनुसंधान में अनुसंधान करने में लगा हुआ है। सिमुलेशन, द्रव-संरचना इंटरैक्शन, मृदा-संरचना इंटरैक्शन, सस्टेनेबल ग्राउंड अभियांत्रिकी, कटाव नियंत्रण और प्राकृतिक फाइबर, जियोसिंथेटिक्स, औद्योगिक बाय-प्रॉडक्ट्स, ग्राउंड इंप्रूवमेंट, सॉइल-माइक्रोब इंटरैक्शन, इन-सीटू परीक्षण, भू-तकनीकी भूकंप अभियांत्रिकी का उपयोग करके मिट्टी के यांत्रिक स्थिरीकरण, भूस्खलन और ढलान स्थिरीकरण, टनलिंग, सड़क सुरक्षा विश्लेषण, परिवहन अर्थशास्त्र, सतत परिवहन योजना, यातायात अभियांत्रिकी और संचालन, फुटपाथ का मूल्यांकन, फुटपाथ सामग्री, फुटपाथ विश्लेषण, पर्यावरण प्रभाव आकलन, वायु गुणवत्ता प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और योजना, जैव विद्युत प्रक्रियाएं, समेकित अपशिष्ट प्रबंधन, जीवन चक्र विश्लेषण और सतत अभियांत्रिकी, पर्यावरण जोखिम और प्रभाव मूल्यांकन, स्मार्ट शहरों के लिए एमएसडब्ल्यू प्रबंधन, जल और अपशिष्ट जल उपचार, औद्योगिक प्रवाह उपचार और पुनः उपयोग, एनाएबोक अपशिष्ट जल उपचार, भूजल जल विज्ञान, विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल हायड्रोडायनेमिक्स, कम्प्यूटेशनल तरल पदार्थ डायनेमिक्स, फ्लो ऑन टरब्यूलेंट सबमर्ड जेट्स, रिवर हाइड्रॉलिक्स एंड अभियांत्रिकी, अर्बन फ्लड मॉनिटरिंग एंड मैनेजमेंट, फ्लड फोरकास्टिंग, हाइड्रो क्लाइमेटोलॉजी एंड वाटर रिसोर्स अभियांत्रिकी के लिए मॉडल, वाटर रिसोर्स पर क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट्स, डामर फुटपाथों का पुनर्चक्रण, छोटे पैमाने वाले कंक्रीट के ऊंचे वॉल्यूम के फुटपाथ सड़क, सड़क सुरक्षा के लिए फुटपाथ की सतह की विशेषताओं का मूल्यांकन और भारतीय राजमार्गों के लिए बिटुमिनस मिश्रणों के उच्च मापांक का विकास।

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभाग बड़े पैमाने पर एल्गोरिदम और सिद्धांत के क्षेत्र में काम कर रहा है जो सेट सिस्टम के लिए बाइसेक्टिंग के आकार और परिवारों को अलग करने, सरल पॉलीगॉन के विभिन्न वर्गों के लिए वर्टेक्स गार्ड के लिए सन्निकटन एल्गोरिदम, आंतरिक की गणना के लिए इष्टतम-टाइम कॉम्बिनेटरियल एल्गोरिदम पर काम कर रहे थे। और आइसोपेट्रिक पॉलीगॉन और पॉलीहेड्रा, ऑर्थोगोनल उत्तल खोपड़ी और पतवार, आंतरिक और बाहरी त्रिकोणीय कवर, और पूर्णांक अंतरिक्ष में और आर्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में बिंदु सेट के त्रिकोणीय पतवारा। विभाग ने सामाजिक नेटवर्क पर ओपिनियन डायनेमिक्स, एनएलपी के लिए प्रतिनिधित्व सीखने और कम्प्यूटेशनल विज्ञापन के लिए बिंदु-प्रक्रियाओं पर भी काम किया है। क्रिप्टोग्राफी और सिक्योरिटी में, हम क्विक असिस्टेंट टेक्नोलॉजी में कम्प्रेसन और क्रिप्टोग्राफिक स्टैक्स में हाई वॉल्यूम स्टोरेज डेटा, ट्रैफिक और वेरिफिकेशन चुनौतियों के लिए रियल-टाइम एन्क्रिप्शन परफॉर्मंस के ऑप्टिमाइजेशन पर काम कर रहे हैं। मोबाइल संदर्भ में, विभाग अपनी शारीरिक गतिविधियों, समूह गतिविधियों के साथ-साथ उपयोगकर्ता की भावनात्मक स्थिति का पता लगाने के लिए उपयोगकर्ता के स्मार्टफोन की व्यस्तता का लाभ उठाता है। हम IoT में परिवर्तित होने वाले सेंसर नेटवर्क और सेंसर सिस्टम पर भी काम करते हैं। दृश्य



सूचना प्रसंस्करण में, हमने जिन कुछ शोध समस्याओं पर काम किया है, उनमें मल्टीमीडिया डेटा का उपयोग करते हुए भारतीय शास्त्रीय नृत्य (भरतनाट्यम) का स्वचालित प्रतिनिधित्व और विश्लेषण और व्याख्या शामिल है।

वैद्युतिक अभियांत्रिकी

विभाग दो प्रमुख गतिविधियों में शामिल है: हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल वाहन और प्रबंधन और सौर पीवी इकाइयों की ग्रिड कनेक्टिविटी। विभाग के पास सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग में भी कुछ प्रमुख उद्योगों से वित्त पोषित उपस्थिति है। अनुसंधान क्षेत्रों में से कुछ एसी और डीसी माइक्रोग्रिड, बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज्ञान, कंट्रोल अलोकेशन, एमआईएमओ सिस्टम का नियंत्रण, पावर कन्वर्टर सर्किट का नियंत्रण, सोलर पीवी के लिए कनवर्टर डिजाइन, साइबर फिजिकल एंड ह्यूमन सिस्टम, साइबर फिजिकल सिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल हैं।, पावरट्रेन एंड बैटरी मैनेजमेंट, पावर हार्वेस्ट फॉर पावरिंग मिक्रोसिस, फ्रैक्शनल ऑर्डर सर्किट्स एंड सिस्टम्स, एफआरए डायग्नोस्टिक्स ऑफ पावर ट्रांसफार्मर, हाई वोल्टेज एसी / डीसी सिस्टम और एफएसीटीएस, हाइब्रिड एसी-डीसी माइक्रोबिड्स, ईवी, मल्टीलेवल कन्वर्टर के लिए मोटर कंट्रोल और बैटरी चार्जर नियंत्रण, ऑप्टिकल इमेजिंग और इमेज प्रोसेसिंग, पैटर्न मान्यता, 3 डी आर्किटेक्चर का पुनर्निर्माण, डीप लर्निंग नेटवर्क, ब्रेन सिग्नल प्रोसेसिंग और ब्रेन मैपिंग, डीसी माइक्रो ग्रिड के लिए पावर कन्वर्टर, पावर मैनेजमेंट आईसी, मजबूत नियंत्रण, प्रदूषण और पर्यावरण सेंसर विकास, स्मार्ट ग्रिड और रिन्यूएबल, सोलर फोटोवोल्टिक्स, सोलर पीवी सिस्टम्स, स्विचड मोड पावर कन्वर्टर, सिनक्रोपसोर टेक्नोलॉजी, वाइड पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए क्षेत्र मापन अनुप्रयोग और कन्वर्टर।

इलेक्ट्रॉनिक्स और बैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी

विभाग MEMS / NEMS आधारित सेंसर, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, नैनो डिवाइसेस, नैनो उपकरण, नेटवर्क / सिस्टम ऑन चिप, एडेप्टिव सिग्नल प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, मेडिकल इमेजिंग, डीप लर्निंग और एप्लिकेशन, माइक्रोवेव और मिलीमीटर-वेव जैसे विभिन्न विषयों पर काम कर रहा है। सर्किट, मिनिएट्राइज्ड एंटेना, माइक्रोवेव इमेजिंग, मेटामेट्रिक्स, फाइबर ऑप्टिक्स और नैनो फोटोनिक्स, क्वांटम संचार, कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस, सिस्टम बायोलाॅजी, इंटेलीजेंट इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आई मूवमेंट एनालिसिस, ग्राउंड पेनेट्रेंटिंग रडार, लो पावर डिजिटल डिजाइन एंड टेस्टिंग, लो टेम्परेचर एंड हाई फ्रीक्वेंसी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, गैस सेंसर, जल संदूषक सेंसर, वीडियो कोडिंग / क्यूओई अवेयर वीडियो स्ट्रीमिंग, सुपर कैपेसिटर आधारित ऊर्जा उपकरण, वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम, यूएवी नेटवर्क, थर्मल अवेयर टेस्टिंग, सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएफ डिजाइन, कतार सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल साइंस, सिंथेटिक एपर्चर रडार, भाषण प्रसंस्करण, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, वायरलेस संचार नेटवर्क, नेटवर्क सुरक्षा, 5G नेटवर्क, MIMO संचार, ऑप्टिकल वायरलेस संचार।

भूविज्ञान और भूभौतिकी

विभागीय अनुसंधान गतिविधियों के उभरते क्षेत्रों में पृथ्वी विज्ञान, बंगाल बेसिन, अस्थि ऊतक विज्ञान, सेनोजोइक हिमालय, कम्प्यूटेशनल सिस्मोलॉजी, कॉस्मोकैमिस्ट्री, जीपीएस के साथ क्रस्टल विरूपण की निगरानी, क्रस्टल तरल पदार्थ, भूकंप पूर्वानुमान, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक जियोफिजिक्स, अभियांत्रिकी जियोलाॅजी, फ्रैक्चर के अनुप्रयोग हैं। सीस्मोलॉजी, एक्सप्लोरेशन, जियोकेमिस्ट्री, जियोक्रोनोलॉजी, जियोमॉर्फोलॉजी, जियोफिजिकल ऑप्टिमाइजेशन, जियोफिजिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, गोंडवाना स्ट्रेटिग्राफी, आइसोटोप जियोलाॅजी, लैंडस्लाइड सस्पेसेबिलिटी, स्लोप स्टैबिलिटी, माइक्रोटेक्टोनिक्स, मिनरल एंड ग्राउंडवाटर एक्सप्लोरेशन, मॉडलिंग और इंडेक्सिंग, इंडेक्स और सिमुलेशन सिमुलेशन। पृथ्वी विज्ञान, पेट्रोलॉजी, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, रॉक यांत्रिकी, सेंडिमोलॉजी, भूकंपीय क्षीणन टोमोग्राफी, भूकंपीय खतरा, भूकंपीय माइक्रोजोनेशन और जोखिम, भूकंपीय संभावना, भूकंपीय तरंग प्रसार, अनुक्रम स्ट्रेटिग्राफी, स्थिर आइसोटोप जियोकेमिस्ट्री, संरचनात्मक जीवाश्मकी।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान

विभाग बड़े पैमाने पर अनुसंधान क्षेत्रों में शामिल है: मात्रात्मक अर्थशास्त्र और वित्तीय अर्थशास्त्र; विकास का अर्थशास्त्र; औद्योगिक अर्थशास्त्र; विकास अर्थशास्त्र, पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र; विकासशील विश्व बायोएथिक्स; लिंग और व्यापार; वित्तीय संस्थान और बाजार; स्वास्थ्य और चिकित्सा का समाजशास्त्र; मानव संसाधन विकास; मस्तिष्क और व्यवहार; पारस्परिक, पारस्परिक और संगठनात्मक संचार; दृश्य सौंदर्यशास्त्र; व्यापार को नैतिकता; कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी; जैव ईंधन का अर्थशास्त्र; बायोएथिक्स और पब्लिक हेल्थ एथिक्स। विभाग एस्थेटिक्स, इंटरपर्सनल संचार, मानव संसाधन विकास में हालिया रुझान, सामरिक प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, तर्क और तर्क के अनुप्रयोगों, अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण, वित्तीय मॉडलिंग और जोखिम प्रबंधन, नेतृत्व और के क्षेत्रों में प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। टीम बिल्डिंग, भाषा, अनुभूति और संचार, संस्कृति को समझना और क्रॉस-सांस्कृतिक संचार, रचनात्मक लेखन, महत्वपूर्ण सोच, पढ़ना और लेखन कौशल, पर्यावरणीय मानविकी, संस्कृत और फ्रेंच का अभ्यास करना। विभाग सामाजिक रूप से समावेशी और सतत विकास, पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र, मानव संसाधन, संगीत धारणा, उदारता, जीवन देखभाल की समाप्ति, पर्यावरण इतिहास, खाद्य सुरक्षा, और लोकप्रिय संस्कृति और साहित्यिक सहित अनुसंधान हितों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करता है। सिद्धांत।

औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी

विभाग औद्योगिक और सिस्टम अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे रियल टाइम मॉनीटरिंग और एंबेडेड एनालिटिक्स के लिए क्वालिटी ट्रेकबिलिटी फॉर कोल्ड चैन ऑन सी एक्सपोर्ट ऑफ एपीकलचर प्रोड्यूस (IMPRINT-2) साइंस एंड अभियांत्रिकी रिसर्च बोर्ड (SERB) में शोध कर रहा है; भारी उद्योग विभाग (DHI), सरकार द्वारा प्रायोजित, आपूर्ति श्रृंखला समन्वय, गुणवत्ता और रखरखाव के लिए डिजिटल विनिर्माण और औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स। भारत और भारतीय



विनिर्माण उद्योग का संघ; बेहतर डिजाइन और प्रदर्शन (IMPRINT -1) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), सरकार के साथ फील्ड गन्स के लिए गोले का विनिर्माण। भारत की; सुरक्षा एनालिटिक्स: एमएचआरडी, इस्पात मंत्रालय और टाटा स्टील, जमशेदपुर, द्वारा उच्चतर लाभ योजना (यूएवाई) के तहत प्रायोजित दुर्घटनाओं और चोटों के डेटा से लोगों को बचाने के लिए; सुदूर मानव रहित मोबाइल इकाइयों ISIRD, स्मिक, आईआईटी खड़गपुर के एक बेड़े के लिए साइबर-सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए सुदृढीकरण सीखने के तरीकों का विकास, डिजिटल आपूर्ति आपूर्ति ISIRD, स्मिक, आईआईटी खड़गपुर, के लिए अस्तित्व नेटवर्क डिजाइन का अध्ययन करने के लिए बड़े पैमाने पर अनुकूलन तकनीकों का विकास। टाटा स्टील, जमशेदपुर टाटा स्टील लिमिटेड और ई बिजनेस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा प्रायोजित एमएचआरडी, सरकार के लिए डेटा संचालित टिकाऊ और लचीला सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली। भारत की। विभाग ने वर्ष 2018-2019 में अस्सी-एक पत्रिका और अठारह सम्मेलन प्रकाशन प्रकाशित किए।

गणित

गणित विभाग पांच प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास गतिविधियों की खोज कर रहा है: सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान, संचालन अनुसंधान, शुद्ध गणित, अनुप्रयुक्त गणित और सांख्यिकी अर्थात् टीओएएस सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान में ग्राफ थ्योरी, क्रिप्टोग्राफी और मशीन लर्निंग में प्रमुख परिणाम विकसित होते हैं। ऑप्टिमाइजेशन में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के साथ संयुक्त रूप से रोबस्ट ऑप्टिमाइजेशन पर प्रमुख जोर दिया गया। एप्लाइड गणित में अधिक कम्प्यूटेशनल कार्य पूरे किए गए हैं। अंत में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सांख्यिकी का बहुत उपयोग किया जाता है।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

विभाग ने रक्त की एक-एक बूंद का परीक्षण करके, संसाधन-गरीब सेटिंग्स के लिए उपयुक्त तकनीकों को तैनात करके रोगों की ऑन-स्पॉट डायग्नोस्टिक्स का प्रदर्शन करने के लिए अल्ट्रा-कम लागत वाले चिकित्सा उपकरणों को विकसित करने की दिशा में माइक्रोफ्लुइडिक्स और नैनोफ्लूइडिक्स पर अद्वितीय अनुसंधान सुविधाएं स्थापित की हैं। इन उपकरणों को नैदानिक सेटिंग्स के तहत और क्षेत्र में अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सफलतापूर्वक सत्यापित किया गया है। विभाग में इस पर एक विस्तृत शोध सुविधा भी स्थापित की गई है। विभिन्न प्रकार के बुद्धिमान और स्वायत्त रोबोट के डिजाइन और विकास मैकेनिकल और मेटलर्जिकल गुणों का उपयोग करना मुश्किल बीम वेलडिंग का उपयोग करके वेलड करने वाली सामग्री।

धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी

विभाग का आर एंड डी कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि संक्षारण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, एक्स्ट्रेक्टिव धातुकर्म, यांत्रिक धातुकर्म, पिघलने, कास्टिंग और टोस प्रसंस्करण, मॉडलिंग, सिमुलेशन, भौतिक धातुकर्म, पाउडर धातुकर्म, भूतल अभियांत्रिकी, आदि की संरचना-संपत्ति संबंधों से संबंधित जांच शामिल है। विभिन्न सिरेमिक और धातु-मैट्रिक्स कंपोजिट, उच्च तापमान सामग्री और उन्नत मिश्र धातुओं पर प्रदर्शन किया गया है। इसके अलावा, दोहरी चरण और सूक्ष्म मिश्र धातु स्टील्स, सुपर मिश्र धातुओं, उच्च शक्ति हल्के वजन मिश्र धातुओं और कंपोजिट के नए ग्रेड के विकास से संबंधित गतिविधियां अनुसंधान के खोज क्षेत्र बने रहे। इसके अलावा, थोक नैनो क्रिस्टलीय सामग्री, गंभीर प्लास्टिक विरूपण प्रक्रिया, गैर-संतुलन प्रसंस्करण, पतली फिल्मों और कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री के माध्यम से मेटास्टेबल मिश्र धातुओं के विकास से संबंधित अध्ययन, साथ ही साथ प्रसंस्करण और संरचनात्मक दोषों के सहसंबंध के सिद्धांतों पर जोर देने वाले अध्ययन। मैक्रोस्कोपिक संरचनात्मक और कार्यात्मक गुण किए गए हैं। विभिन्न धातुकर्म पहलुओं को स्पष्ट करने के लिए मॉडलिंग और सिमुलेशन पर महत्वपूर्ण शोध किए गए हैं। कम्प्यूटेशनल द्रव की गतिशीलता, गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण, थर्मोडायनामिक मॉडलिंग और अव्यवस्था की गतिशीलता की अवधारणाओं को विभिन्न जटिल धातुकर्म और सामग्री घटनाओं को मॉडल करने के लिए सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसके अलावा, परमाणु सिमुलेशन, आणविक गतिशील सिमुलेशन, आनुवंशिक एल्गोरिथ्म और तंत्रिका नेटवर्क पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है।

खनन अभियांत्रिकी

इंटरफेरोमेट्रिक एसएआर प्रोसेसिंग के लिए कॉम्प्लेक्स इमेज सह-पंजीकरण और चरण एक्सट्रैपिंग और वेवलेट आधारित चरण शोर में कमी का आकलन और कार्यान्वयन, अनुपयोगी भूमिगत खदान के कामकाज के ब्लाइंड बैकिंग का अध्ययन / फिल्स की उपयुक्त मिश्रण और विधि भरने के उपयोग से वाहिकाएं, 3 डी भू-आकृति मॉडल का विकास। उत्पादन बोर की स्थिरता विश्लेषण के लिए अच्छी तरह से। ओडिशा के सुकिन्दा घाटी के फ्रोबेबल ओरियो और होस्ट रॉक्स से क्रोमाइट डिपॉजिट के शोषण के लिए एक नोवेल अंडरग्राउंड माइनिंग विधि का विकास, इसके मीथेन और सीओ 2 सोखना व्यवहार पर दोषपूर्ण भारतीय गैस की संरचना की प्रभाव संरचना का अध्ययन, गलती मैपिंग और बीआईएस डेटा का उपयोग करते हुए अवसर। एनालिटिक्स, यूरेनियम की सीटू लीचिंग और ओएनजीसी के लिए एकीकृत सूचना प्रणाली और ज्ञान डिस्कवरी प्लेटफॉर्म पर जांच।

महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प

विभाग सरकार, अनुसंधान संगठनों और उद्योग द्वारा प्रायोजित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों और औद्योगिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है। अकादमिक और अनुसंधान कार्यक्रमों को समुद्री जलविद्युत, समुद्री संरचनाओं, समुद्र के वातावरण, जल-लोच, अपतटीय प्रौद्योगिकी, समुद्री वाहनों और प्रणालियों के डिजाइन, तटीय अभियांत्रिकी, समुद्री उत्पादन और योजना, और जैसे विषय क्षेत्रों में अत्याधुनिक ज्ञान पर जोर देने के लिए डिजाइन किया गया है। अन्य आला क्षेत्र। हाल ही में भारत सरकार के शिपिंग मंत्रालय के तहत एक प्रमुख कार्यक्रम सागरमाला सेल द्वारा समर्थित हमारे संस्थान में अंतर्देशीय और तटीय समुद्री प्रौद्योगिकी (CICMT) केंद्र की स्थापना की गई थी। CICMT का फोकस प्रमुख डोमेन क्षेत्रों पर होगा: तटीय / अंतर्देशीय जलमार्ग के लिए शिप डिजाइन, शिप



बिल्डिंग टेक्नोलॉजी और स्ट्रक्चरल डिजाइन, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और लॉजिस्टिक्स, क्रायोजेनिक कार्गो हैंडलिंग, तटीय और अंतर्देशीय जल से ग्रीन / नवीकरणीय ऊर्जा की कटाई, स्वचालन और AI के लिए समुद्री संचालन। इस प्रमुख कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाना है, वे हैं: मॉडर्न शाल्व वाटर सीपिंग और मैनुवरिंग बेसिन, वेव-करंट फ्लूम, एलएनजी टैंक में स्लोसहिंग विशेषताओं के अध्ययन के लिए सेटअप। केंद्र अंतर्देशीय और तटीय जलमार्ग के लिए नवीन अनुसंधान और विकास प्रदान करेगा।

भौतिक विज्ञान

भौतिकी विभाग के अल्ट्राफास्ट साइंस (यूएफएस) प्रयोगशाला ने देश के भीतर और बाहर के कई प्रमुख शोधकर्ताओं के साथ मिलकर उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में कई शोध पत्र तैयार किए।

उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र

उत्कृष्टता का यह केंद्र एमईएमएस और बायोसेंसर गतिविधि को बढ़ावा दे रहा है जो जीवित कोशिकाओं के इलेक्ट्रो-फिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन के लिए बायोमेडिकल और माइक्रोफ्लुइडिक उपकरणों के डिजाइन, निर्माण और अभियांत्रिकी को शामिल करता है और सिलिकॉन और लिथियम नियोबेटेट पर एकीकृत, ऑप्टिक, वेवगाइड और उपकरणों के डिजाइन, निर्माण और लक्षण वर्णन भी करता है। सबस्ट्रेट्स स्थापित सौर पीवी प्रतिष्ठानों, विभिन्न एसपीवी मॉड्यूल के वास्तविक जीवन के प्रदर्शन के मूल्यांकन और मॉडलिंग, एक नैदानिक उपकरण के रूप में रक्त के सुखाने के पैटर्न के छवि विश्लेषण, उन्नत उपकरण आधारित उपकरणों के विकास के लिए कला लक्षण वर्णन के एक राज्य की स्थापना की। जंक्शन कम सौर फोटोवोल्टिक डिवाइस, वितरित सौर पीवी संयंत्रों के नीतिगत पहलू का अध्ययन, सौर मॉड्यूल में उपयोग किए जाने वाले कांच की सौइलिंग विशेषताओं पर अध्ययन की दीक्षा, "सौर डोम" प्रणाली के तकनीकी और सामाजिक पहलुओं पर अध्ययन, गतिशील मॉडल का डिजाइन और विकास एक्सईवी के लिए स्वचालित मैनुअल ट्रांसमिशन के लिए नियंत्रक।

रोबोटिक्स उत्कृष्टता केंद्र

उत्कृष्टता केन्द्र ने विभिन्न प्रकार के बुद्धिमान और स्वायत्त रोबोटों का डिजाइन और विकास किया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केन्द्र

केंद्र ने कई प्रमुख प्रायोजित परियोजनाएं शुरू की हैं। केंद्र ने बुनियादी ढांचा स्थापित करने और विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने के लिए कैपिलरी टेक्नोलॉजीज और टीसीजी फाउंडेशन से धन प्राप्त किया है। गतिविधियों में मॉडलिंग में AI का उपयोग और एक रासायनिक प्रक्रिया संयंत्र से संबंधित निर्णय लेने का कार्य शामिल है। केंद्र ONGC द्वारा मशीन लर्निंग और ज्ञान की खोज को सक्षम करने के लिए एक एकीकृत सूचना प्रणाली विकसित करने के लिए ONGC द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना चला रहा है। एआई सेंटर राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी के सहयोग से एआई संसाधन मंच स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। यह AI प्लेटफॉर्म बनाने से संबंधित कुछ समाधानों के लिए अमेजन AWS के साथ काम कर रहा है।

संगणकीय और डेटा विज्ञान केंद्र

इस केंद्र के प्रोफेसर और छात्र विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं, जैसे कि आणविक सिमुलेशन का उपयोग करके जैविक प्रक्रियाओं पर अंतर्निहित मैक्रोमोलीक्यूलर भीड़ प्रभाव अंतर्निहित ड्राइविंग बलों का अध्ययन करना और ऐसे बड़े आकार की जटिल प्रणालियों की जांच के लिए वर्तमान कम्प्यूटेशनल तरीकों का अनुकूलन करना, और आणविक गुणों की भविष्यवाणी करना। , मशीन लर्निंग एप्रोच का उपयोग करके सामग्री इंटरफेस की संरचना और गतिशीलता।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र

सेंटर फॉर एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का एक प्रमुख शोध एजेंडा तकनीकी सहायता के साथ शिक्षण अधिगम अनुभव को बढ़ाना और बेहतर बनाना है। सेंटर फॉर एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का फोकस इंस्ट्रक्शनल सिस्टम्स डिजाइन में सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में ICT को एक बड़े समुदाय में शामिल करने पर है। संकाय सदस्य शिक्षा में संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता, भाषण और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, शैक्षिक डेटा विश्लेषण, संज्ञानात्मक और सीखने और समस्या को हल करने में शारीरिक मापदंडों, और डिस्ट्रेक्सिया और ध्यान डेफिसिट वाले विशेष बच्चों के लिए शिक्षण सीखने की प्रक्रियाओं पर शोध में संलग्न हैं। इसके अलावा, कई संकाय सदस्य पाठ्यक्रम डिजाइन करने और सीखने के उद्देश्यों के लिए एक औपचारिक ढांचा तैयार करने में भी काम करते हैं। TCS इनोवेशन लैब के सहयोग से केंद्र उच्च अंत स्मार्ट कक्षाओं के निर्माण पर केंद्रित है जो ICC युग में शिक्षार्थी की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करेगा। केंद्र भी सक्रिय रूप से विज्ञान मैथ्स और भाषाओं के लिए माध्यमिक विद्यालय स्तर के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री बनाने और उत्पन्न करने और पाठ प्रसंस्करण का उपयोग करके स्वचालित मूल्यांकन तकनीकों के विकास में शामिल किया गया है। विभाग का एक अन्य प्रमुख अनुसंधान एजेंडा मल्टीकोर प्रोसेसर का उपयोग करके असंरचित डेटा की बहुत बड़ी मात्रा के लिए एक कुशल वितरित खोज प्रतिमान विकसित करना है।

महासागरों, नदियों, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केन्द्र

केंद्र सक्रिय रूप से वायुमंडलीय, महासागर, क्रायोस्फीयर और भूमि प्रणाली अध्ययन के ललाट क्षेत्रों में अनुसंधान करने में लगा हुआ है। लगभग चालीस शोध सम्मेलन प्रकाशित किए गए हैं, इसके अलावा कॉर्ल संकाय द्वारा ख्याति के अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में साठ शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हैं। सात पीएचडी



डिग्री छात्रों को सम्मानित किया गया कोरला। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से चक्रवात अनुसंधान और भेद्यता क्षेत्र के क्षेत्र में काम कर रहे हैं जो राष्ट्रीय हितों के हैं। केंद्र ने एकीकृत एम। एससी की पेशकश करने के लिए भी चर्चा शुरू की है। आने वाले वर्ष में जलवायु विज्ञान का कार्यक्रम। केंद्र को विभिन्न अनुसंधान संगठनों से लगभग चार करोड़ ईएमआर अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है।

सैद्धांतिक अध्ययन के लिए केंद्र

यह केंद्र विभिन्न अनुसंधान कार्यों में शामिल है जैसे कि खगोल भौतिकी और गुरुत्वाकर्षण, संचयित पदार्थ भौतिकी, गणित, गैर-रेखीय विज्ञान, उच्च ऊर्जा भौतिकी, गतिशीलता और नियंत्रण, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, क्वांटम गणना और क्वांटम जानकारी, सामग्री और द्रव यांत्रिकी के क्षेत्र।

प्रशीतन अभियांत्रिकी केन्द्र

केंद्र सक्रिय रूप से क्रायोजेनिक दो चरण प्रवाह, अंतरिक्ष प्रणोदन, क्रायोजेनिक टर्बो विस्तारक, एचटीएस अनुप्रयोगों के लिए क्रायोकोलर, धातु फोम के अंतरिक्ष अनुप्रयोगों, क्रायोजेनिक कॉम्पैक्ट और लघु ताप विनिमायकों, एलएनजी प्रौद्योगिकियों, उच्च तापमान के लिए अनुसंधान करने में लगा हुआ है। सुपरकंडक्टिविटी एप्लिकेशन, पावर एप्लिकेशन के लिए एचटीएस केबल्स, क्रायोजेनिक एयर सेपरेशन, क्रायोजेनिक बबल कूलिंग, थर्मो एकोस्टिक कूलर और वेव एक्सपेंटर, स्कैनिंग माइक्रोस्कोप के लिए क्रायोसोरेशन पंप विकसित किया गया और पेटेंट के लिए सुपरकंडक्टिविटी आधारित क्रायोजेनिक लिक्विड लेवल सेंसर विकसित किया गया।

डेयसरकार पेट्रोलियम अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र

केंद्र की अनुसंधान गतिविधियों में परियोजनाएं, आमंत्रित वार्ता और जर्नल / सम्मेलन में शोध लेख प्रकाशित करना शामिल हैं। केंद्र ने अनुसंधान गतिविधियों में सुधार के लिए संकाय और उद्योग के व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया है।

सामग्री विज्ञान केंद्र

केंद्र उपन्यास पॉलिमर, सिरेमिक, और अर्धचालक सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोग में लगा हुआ है। वर्तमान में, केंद्र में किए गए प्रमुख अनुसंधान और विकास गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं: ऊर्जा के लिए नैनोस्ट्रक्चर और थोक सामग्री (ली-आयन बैटरी, ईंधन सेल, सुपरकैपेसिटर, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, फोटोवोल्टिक, और फोटोकैलेटिक 2 पीढ़ी) और पर्यावरण (कार्बनिक प्रदूषकों का क्षरण), नए पॉलिमर और कंपोजिट के संश्लेषण, ईंधन कोशिकाओं के लिए बहुलक झिल्ली और गैस सेंसर, सीमेंट और कंक्रीट के लिए सामग्री भी।

रेकी आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केन्द्र

केंद्र में संकाय सदस्यों और छात्रों की एक बहु-अनुशासनात्मक टीम है जो विभिन्न विषयों और विशेषज्ञता से खींची गई है और जैविक, सामाजिक, व्यवहारिक और पारिस्थितिक झुकाव से अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। ऑप्टिजिम्स एंड न्यूड मेकिंग हैप्पीनेस इन टेक्नोलॉजीज, हैप्पीनेस, हैप्पीनेस एंड वेल्बीइंग बाय जीएनएच, रिलेशनशिप एंड वैल्यूज, रिसिलिंस एंड फेल्योर मैनेजमेंट, सेल्फ-इंप्रूवमेंट, जेनोसिटी एंड कंपैशन, कल्चर एंड ट्रेडिशन इन हैप्पीनेस, प्रैक्टिस ऑफ हैप्पीनेस: माइंडफुलनेस एंड मेडिटेशन, हैप्पीनेस विश्लेषिकी, संस्कृति, सामुदायिक और सकारात्मक संबंधा प्रशिक्षण और सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए समझौता ज्ञान और भागीदारी: एप्लाइड साइंस, स्विट्जरलैंड, SEED, वाटरलू विश्वविद्यालय, सेल इंडिया और CRPF भारत के ज्यूरिख विश्वविद्यालय।

सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय

संकाय सदस्यों ने IMPRINT-2 के तहत बड़ी शोध परियोजनाओं को लाया है, जो अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 24 सम्मेलन पत्रों में प्रकाशित हुई हैं। दोहरी पीएचडी कार्यक्रम (डीडीपीडी) के तहत कर्टिन विश्वविद्यालय में तीन शोध विद्वान शामिल हुए हैं। सभी नियमित एम। टेक। छात्रों को प्रतिष्ठित उद्योगों में रखा जाता है और वर्तमान बैच के छात्रों को इंटरन के रूप में काम पर रखा जाता है। विद्यालय बैनर के तत्वावधान में नया पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से शुरू हो गया है। संस्थान के अन्य विभागों के यूजी छात्रों के लिए गुणवत्ता अभियांत्रिकी में एक सूक्ष्म विशेषज्ञता भी पेश की गई है। एक अनुकूलित विश्वसनीयता अभियांत्रिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसमें चार मांड्यूल शामिल हैं, और अपने 30-40 इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने के लिए टीवीएस मोटर कंपनी, होसुर के अनुरूप है। रेलवे सिस्टम के लिए एक और कोर्स RAMS भी सफलतापूर्वक चल रहा है।

रबड़ प्रौद्योगिकी केंद्र

केंद्र में अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित: टायर, सील आदि जैसे रबर उत्पादों के डिजाइन; रबर कंपोजिट और नैनो-कंपोजिट; बायोमेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर का विकास; विभिन्न महत्वपूर्ण और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर फोम और माइक्रोसेलुलर रबर समग्र; खाद्य पैकेजिंग के लिए पॉलिमर नैनो-कंपोजिट; नियंत्रित कट्टरपंथी बहुलकीकरण; ग्रीन टायर तकनीक; रबर यौगिकों और पॉलिमर मिश्रणों के रियोलॉजी और प्रक्रिया क्षमता; विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग के लिए प्रवाहकीय रबर कंपोजिट; स्मार्ट और स्टिमुली उत्तरदायी लचीला सामग्री; और दवा वितरण में कॉपोलिमर को ब्लॉक करें।



ग्रामीण विकास केंद्र

इसविद्यालय के अनुसंधान और विकास मुख्य रूप से दो पहलुओं पर केंद्रित थे: अनुसंधान सहयोग और अनुसंधान परियोजनाएं। केंद्र सक्रिय रूप से दुनिया भर के प्रमुख शोधकर्ताओं के साथ अनुसंधान सहयोग में लगा हुआ है। इस विभाग द्वारा विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं भी की जाती हैं, जैसे, प्रौद्योगिकी को अपनाना - ग्रामीण भारत में ओरिएंटेड ड्रिंकिंग वाटर फैसिलिटीज, दक्षिणा सशस्त्र ग्राम में रेडीली अवेलेबल प्रोडक्ट्स और ओपन अभियांत्रिकी तकनीकों का उपयोग करके ग्रामीण लोगों के लिए पेयजल शुद्धिकरण प्रणाली (टाटा द्वारा वित्त पोषित) स्टील), वित्तीय समावेशन और ग्रामीण महिला सशक्तिकरण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का विकास, और पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में छोटे और सीमांत सब्जी किसानों के लिए विपणन और ऋण लिंकेज को मजबूत करना।

जैव विज्ञान विद्यालय

वर्तमान में विद्यालय में 29 पीएचडी छात्र हैं। शैक्षणिक वर्ष में 2018-19 एक छात्र ने पीएचडी अध्ययन पूरा कर लिया है। विद्यालय ने एकीकृत एमएससी के छात्रों के अपने 4 वें बैच को नामांकित किया है। - केमिकल एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी में पीएचडी प्रोग्राम। हमारे प्रोफेसर्स को डीएसटी अर्ली करियर रिसर्च अवार्ड्स, डीएसटी ब्रिक्स मल्टीनेशनल प्रोजेक्ट्स और डीबीटी एक्सट्रामुरल प्रोजेक्ट्स से सम्मानित किया गया है। हमारे छात्रों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।

ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभाग ने स्थापित सौर पीवी प्रतिष्ठानों की विद्युत विशेषताओं की माप के लिए स्थापित कला लक्षण वर्णन की एक स्थिति स्थापित की है और विभिन्न एसपीवी मॉड्यूल के वास्तविक जीवन के प्रदर्शन का मूल्यांकन और मॉडलिंग की है, उन्नत मॉसफेट डिवाइसेस की मॉडलिंग, जंक्शन का विकास सोलर फोटोवोल्टिक डिवाइस, वितरित सोलर पीवी प्लांट के नीतिगत पहलू का अध्ययन किया, सोलर मॉड्यूल में उपयोग किए गए ग्लास की सोइलिंग विशेषताओं पर पहल अध्ययन और "सोलर डोम" सिस्टम के तकनीकी और सामाजिक पहलुओं पर अध्ययन, नैनो में संरचना प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए सिमुलेशन- कतरनी के तहत कारावास (पेपर प्रकाशित) आरएससी नैनोस्केल), दोहरे अक्ष सेंसर कम सोलर कुकर (पेटेंट IPR कार्यालय को प्रस्तुत) के मॉडलिंग, नैनोफ्लुइड्स में गर्मी परिवहन के आणविक तंत्र का अध्ययन, विद्यालय में तैनात पवन सुरंग सुविधा को बहाल किया, अलवणीकरण के पहलुओं पर अध्ययन और निम्न ग्रेड ऊर्जा का उपयोग करके जल शोधन और आयन एकाग्रता ध्रुवीकरण झिल्ली पर अध्ययन, नैनोस्केल्स पर ऊर्जा रूपांतरण पर इसके प्रभाव का पता लगाने के लिए।

जीएस सान्याल दूरसंचारविद्यालय

जी.एस.सान्याल दूरसंचारविद्यालय 5 जी और उससे जुड़े क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध कर रहा है। कुछ ऐसे क्षेत्र जहां विद्यालय वर्तमान में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं: मिलिमीटर वेव कम्युनिकेशंस, मैसिव MIMO सिस्टम्स, C-RAN, विजिबल लाइट संचार (VLC), हाई स्पीड व्हीकलिक संचार नेटवर्क, वायरलेस और ऑप्टिकल एक्सेस नेटवर्क का टेक्नो-इकोनॉमिक एनालिसिस: भारत में NKN इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके लचीले और सुरक्षित ऑप्टिकल एक्सेस नेटवर्क डिजाइन, डिजाइन और प्रदर्शन विश्लेषण का विश्लेषण लोचदार ऑप्टिकल नेटवर्क सिमुलेशन पर्यावरण, वायरलेस संचार सिस्टम का प्रदर्शन विश्लेषण, ऊर्जा संचयन आधारित संचार, उपयोगकर्ता नाम, आत्म-समान ट्रैफिक के तहत भौतिक परत आधारित गुप्त कुंजी निर्माण 5 जी के लिए विघटन सहिष्णु वाहन नेटवर्क और नेटवर्क फंक्शन वर्चुअलाइजेशन में। इसके अलावा, विद्यालय ने पूर्वोत्तर भारत में प्राकृतिक आपदा के कारण खतरे में दूरसंचार मोबाइल टॉवर स्थानों के लिए एक मोबाइल ऐप नेक्वे विकसित किया है। हाल ही में डीप स्पेस इंटर-प्लेनेटरी नेटवर्क्स विखंडन एवेयर सीजीआर के लिए कॉन्टेक्ट ग्राफ रूटिंग (CGR) का एक संशोधन CCSDS में प्रकाशित हुआ है।

राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

इसविद्यालय का अनुसंधान और विकास मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन, अनुबंध सिद्धांतों और भारतीय व्यापारिक कानूनों, आईपी लाइसेंसिंग में उनके आवेदन के सतत विकास और कानूनी पहलुओं पर केंद्रित है: आईपीसी और कानूनी आयाम, आईपी प्रबंधन, पर्यावरण कानून, नीति और शासन, यौन और लिंग आधारित हिंसा, अपराध के शिकार, इंटरनेट गवर्नेंस, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कराधान, कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय कराधान, प्रक्रियात्मक कानून और भूमि कानून, कॉर्पोरेट कानून और शासन, प्रतियोगिता नीति और कानून, पुनर्संयोजन ड्रग विनियमन, आईपी कानून का कार्यान्वयन, जैव विविधता कानून का कार्यान्वयन, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापार कानून, कॉपीराइट उल्लंघन और देयता, अंतर्राष्ट्रीय निवेश कानून के पहलू, अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, नगरपालिका शासन, सामाजिक-आर्थिक अधिकार, ऊर्जा कानून, जैवऊर्जा-आईपी और व्यावसायीकरण और श्रम और औद्योगिक कानून।

रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारिक अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय

स्कूल ने एमएचआरडी / स्पार्क द्वारा समर्थित लीड्स विश्वविद्यालय के साथ राइडशेयरिंग सेवाओं की ऊर्जा और पर्यावरणीय प्रभावों को बढ़ाने के लिए उभरते हुए बड़े डेटा स्रोतों का उपयोग करते हुए एक एकीकृत भूमि उपयोग परिवहन उत्सर्जन मॉडल विकसित किया है। इसविद्यालय के संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधानों में शामिल हैं और विद्युत वाहनों से ऊर्जा की मांग के कारण थर्मल पावर प्लांट से उत्सर्जन का आकलन: नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, ICCSR / IMPRESS के लिए नीतिगत सिफारिशें, सुरक्षित रहने पर जोर देने के साथ भारत में मजबूत सड़क सुरक्षा नियमों को बढ़ावा देना। गति, गति प्रबंधन, प्रवर्तन, और सार्वजनिक जागरूकता, IFRC स्विट्जरलैंड, शहरी परिवहन, NRDMS, DST, GoI में अनुप्रयोग के साथ एक स्थानिक डेटा अवसंरचना विकसित करना, पारगमन उन्मुख



विकास (टॉड): क्वीस विश्वविद्यालय के साथ एक एकीकृत, आवास और परिवहन मॉडल का विकास करना। यूके, एमएचआरडी और यूकेईआरआई, सड़क निर्माण, कोलकाता नगर निगम, 2019-2020 में एचएमए के विकल्प के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार और पायलट परियोजनाएं: डिजाइन, निर्माण और प्रदर्शन मूल्यांकन, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड 2018-2020 के साथ पीडब्ल्यूडी पश्चिम बंगाल की, सरकार के लिए एक पायलट अध्ययन।

राजेंद्र मिश्रा उद्यमशीलता अभियांत्रिकी विद्यालय

स्कूल ने स्वास्थ्य देखभाल सेवा वितरण, डिजिटल प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों, स्मार्ट-ग्रिड और ऊर्जा प्रबंधन, विनिर्माण और सिस्टम डिजाइन, घास-मूल नवाचार और उद्यमिता जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। एनर्जी लैब ने सबसे सुरक्षित और ऊर्जा भंडारण के सबसे विश्वसनीय मोड के वैकल्पिक डिजाइन पर अनुसंधान परियोजना की शुरुआत की, यानी लीड एसिड बैटरी पारंपरिक बैटरी के मृत वजन को कम करने के लिए जिससे यह विशिष्ट ऊर्जा और शक्ति के मामले में अधिक कुशल हो गई। एनालिटिक्स लैब ने व्यक्तिगत निगरानी देखभाल के लिए व्यवहार की निगरानी और विश्लेषण, बड़े पैमाने पर दृश्य पुनर्निर्माण, संसाधन आवंटन और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में निर्धारण, हृदय रोग की रोकथाम के लिए योजना के हस्तक्षेप के लिए व्यवहार-विश्लेषण के लिए विश्लेषण पर उन्नत शोध किया। उत्पाद एनालिटिक्स और मॉडलिंग लैब ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEV) और इमेजिंग और रैपिड प्रोटोटाइप आधारित उत्पाद अभियांत्रिकी के लिए ट्रांसमिशन और नियंत्रण प्रणाली के डिजाइन और विकास पर अनुसंधान शुरू किया।

एग्री-प्रिनेसरशिप लैब ने स्थानीय रूप से उपलब्ध स्वदेशी प्लांट सामग्री, न्यूट्रास्युटिकल और कोस्मेटोलॉजिक उत्पादों के विकास और जैव डीजल, जैव-स्नेहक और ओलेओ रसायनों के उत्पादन के लिए गैर-खाद्य तेल बीजों के प्रसंस्करण से कीटनाशक निर्माण विकास में अनुसंधान को शामिल किया। सोशल रिसर्च ग्रुप ने भारतीय संदर्भ में, कृषि विस्तार पर शोध, जमीनी नवाचार और भारतीय प्रौद्योगिकी में उपयुक्त प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व और ज्ञान के साथ प्रगति की।

केंद्र में संकाय सदस्यों और छात्रों की एक बहु-अनुशासनात्मक टीम है जो विभिन्न विषयों और विशेषज्ञता से खींची गई है और जैविक, सामाजिक, व्यवहारिक और पारिस्थितिक झुकाव से अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। ऑप्टिमिज्म एंड न्यूड मेकिंग हैप्पीनेस इन टेक्नोलॉजीज, हैप्पीनेस, हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग बाय जीएनएच, रिलेशनशिप एंड वैल्यूज, रिसिलिंस एंड फेल्योर मैनेजमेंट, सेल्फ-इंप्रूवमेंट, जेनोसिटी एंड कंपैशन, कल्चर एंड ट्रेडिशन इन हैप्पीनेस, प्रैक्टिस ऑफ हैप्पीनेस: माइंडफुलनेस एंड मेडिटेशन, हैप्पीनेस विश्लेषिकी, संस्कृति, सामुदायिक और सकारात्मक संबंध। प्रशिक्षण और सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए समझौता ज्ञापन और भागीदारी: एप्लाइड साइंस, स्विट्जरलैंड, SEED, वाटरलू विश्वविद्यालय, सेल इंडिया और CRPF भारत के ज्यूरिख विश्वविद्यालय।

कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

प्रकोष्ठ निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम देता है: तरल दहन, प्रणोदन और क्रायोजेनिक्स; अंतरिक्ष संचार और ईएमआई / ईएमसी; माइक्रो-मशीन सेंसर; नियंत्रण, नेविगेशन और मार्गदर्शन; एंबेडेड सिस्टम और आईपी-कोर; क्रिप्टोग्राफी और सुरक्षा; सुदूर संवेदन; लाइफ सपोर्ट अभियांत्रिकी; स्मार्ट सामग्री और विदेशी सामग्री; बिजली के इलेक्ट्रॉनिक्स; अंतरिक्ष शिक्षा; इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण; क्रायोजेनिक्स; और क्वांटम संचार। शोध कार्य के परिणामस्वरूप, लगभग चालीस एक पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशित हुए हैं। इस सेल ने 2018-2019 के शैक्षणिक वर्ष में रिमोट सेंसिंग डेटा की व्याख्या के लिए डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के ing फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ रिमोट सेंसिंग डेटा 'और & विशेष विषयों पर विशेष विषयों' की पेशकश की है।

आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यालय

स्कूल चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतःविषय शिक्षण, अनुसंधान और विकास में लगा हुआ है। संस्थान और TMC कोलकाता के बीच समझौता ज्ञापन पर सहयोगात्मक शैक्षणिक और चिकित्सा अनुसंधान गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे और SMST द्वारा प्रायोजित किया गया था। SMST ने तीन संयुक्त M. Sc शुरू किए - पीएचडी कार्यक्रम और टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता के साथ नए शैक्षणिक सहयोग के पहले वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा किया और छात्रों के दूसरे बैच को वर्तमान में जेएएम परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जा रहा है। SMST और TMC कोलकाता ने संयुक्त रूप से नैदानिक ऑन्कोलॉजिस्ट के लिए एडवांस रिसर्च सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू किया है। विद्यालय ने मौजूदा वैश्विक आवश्यकताओं के अनुसार समायोजित करने के लिए मौजूदा एमएमएसटी कार्यक्रम का सामना करने के लिए कवायद शुरू कर दी है। विद्वानों की महत्वपूर्ण संख्या (> 85) कैंसर जीव विज्ञान और प्रारंभिक निदान, घाव भरने, पुनर्योजी चिकित्सा, जैव चिकित्सा, उतक अभियांत्रिकी, न्यूरो-पुनर्वास प्रोस्थेसिस, महामारी विज्ञान, प्रोटीओमॉमिक / चयापचय और स्वास्थ्य और बीमारी के आयामों के क्षेत्रों में मौलिक और अनुवाद संबंधी अनुसंधान कर रही है। प्रजनन स्वास्थ्य, हर्बल चिकित्सा, चिकित्सा सूचना विज्ञान, एमईएमएस और माइक्रोफ्लुइडिक्स-आधारित बायोसेंसर, इम्यूनोलॉजी और हृदय रोग। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कई आरएंडडी परियोजनाओं का समर्थन किया जा रहा है। और सरकार। भारत के (जैसे, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), DBT, DST, ICMR, CSIR, IMPRINT, डीआरडीओ) और अन्य फंडिंग एजेंसियां। इस विद्यालय के छात्रों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति (जैसे, डीएडी, खोराना, और फुलब्राइट फैलोशिप) के साथ पुरस्कार मिले हैं।

नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय

नैनो-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विद्यालय अंतःविषय प्रकृति के विविध अनुसंधान गतिविधियों में शामिल है, जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक और फोटोनिक उपकरणों, एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स, नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स, नैनो-स्केल बायोसिस्टम्स अभियांत्रिकी के लिए ग्रुप-IV और III-V सेमीकंडक्टर नैनोस्ट्रक्चर। GMR और मैग्नेटो-इलेक्ट्रिक और मैग्नेटोकोलिक सामग्री, पॉलिमर और रबर पर आधारित नैनोकंपोजिट्स, पॉलिमर पतली फिल्म अस्थिरता, स्व-संगठन और मेसो-मैकेनिक्स,



कार्बन नैनोट्यूब, ग्राफीन, धातु नैनोवायर और नैनो-कण, बायोइमेजिंग और डायग्नोस्टिक्स, दवा वितरण के लिए बायोकोम्पेटिबल नैनोस्ट्रक्चर, बायोसेंसर, इंटरमेटेलिक्स, बल्क अनाकार मिश्र और नैनोकम्पोजिट्स, नैनोस्ट्रक्चर या नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों और कोटिंग्स, ऑक्साइड गैस सेंसर, लिथियम आयन रिचार्जबल बैटरी, और कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर।

जल संसाधन विद्यालय

स्कूल ने ग्रेवाटर, लीक का पता लगाने और शहरी जलापूर्ति नेटवर्क प्रबंधन, मिथाइल ऑर्गेनिक इलेक्ट्रोकेमिकल ऑक्सीकरण के पाथवे की पहचान और विषाक्तता विश्लेषण के पुनः उपयोग के लिए पर्यावरण के अनुकूल उपचार प्रणाली स्थापित की है और वास्तविक समय के लिए मध्यम रेंज के लिए विभिन्न दृष्टिकोण विकसित किए हैं 7-दिनों की अधिकतम लीड-टाइम के साथ स्ट्रीमफ्लो और जलाशय का प्रवाह, स्पार्क डेटा-उपलब्धता परिदृश्यों के तहत एक स्ट्रीम-एक्विफर इंटेक्शन मॉडल, जो कि प्रवाह प्रवाह का अनुमान लगाने के लिए और बथिमेट्रिक के माध्यम से दूरस्थ संवेदी डेटा का उपयोग करके नदी प्रदूषण की निगरानी के लिए एक तकनीक है। तिलैया डैम में सर्वे और पानी की गुणवत्ता और तलछट की मात्रा का विश्लेषण, कोनार डैम कैचमेंट में तलछट फिंगर प्रिंटिंग दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए कृष्णा नदी बेसिन और तलछट लक्षण वर्णन में जूलस का उपयोग करते हुए भूमि सतह प्रक्रिया मॉडलिंग।

विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय

वीजीएसओएम संकाय अपने अनुसंधान और विकास गतिविधियों के साथ काफी उत्पादक रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई व्यापार डीनस परिषद के माध्यम से सूचीबद्ध SCOPUS अनुक्रमित पत्रिकाओं और पत्रिकाओं में 45 से अधिक पत्रों को सामूहिक रूप से प्रकाशित किया है, उनके 25% प्रकाशनों में शीर्ष रैंक वाले पत्रिकाओं (ए और ए*) की विशेषता है। वीजीएसओएम में तीन वर्तमान और एक पिछले संकाय ने रुपये के समेकित बजट के साथ आईसीएसएसआर की प्रतिष्ठित आयात पहल के माध्यम से कुल 2 परियोजनाओं का प्रायोजन अर्जित किया है। 26 लाखा विद्यालय ने एमबीए पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया है, जिसे सीनेट द्वारा वसंत 2019 में अनुमोदित किया गया था, और एमबीए छात्रों के 2019-21 बैच के लिए लागू किया जा रहा है। नए पाठ्यक्रम को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की एक विविध टोकरी, और उन क्षेत्रों में कई सूक्ष्म-विशेषज्ञता शामिल करने के लिए भविष्य के लिए डिजाइन किया गया है जो दुनिया भर के शीर्ष बिजनेस स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा का एक अभिन्न अंग बन रहे हैं। जुलाई 2018 से, VGSOM ने इस अतिरिक्त शिक्षण भार का सामना करने के लिए विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में 5 नए संकाय सदस्यों को शामिल किया है। VGSOM में संकाय नियमित रूप से NPTEL के NOC पोर्टल के माध्यम से पाठ्यक्रम पेश कर रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में से सात (7) नियमित रूप से फिर से चलाए जा रहे हैं, और कुछ और विकास के विभिन्न चरणों में हैं।

बुनियादी ढांचा विकास

एक आधुनिक तकनीकी संस्थान के रूप में, हम लगातार अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करते हैं ताकि कैंपस निवासियों की बढ़ती संख्या को समायोजित किया जा सके और शिक्षण और अनुसंधान के अत्याधुनिक तरीकों को सुविधाजनक बनाया जा सके। नीचे सूचीबद्ध कुछ हालिया परिवर्धन और विकास हैं।

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

विभाग ने विभिन्न प्रायोगिक सेटअप विकसित किए हैं जैसे कि कम गति के टेंडेड ब्लिडेड एक्सियल फ्लो कंप्रेसर, कम गति की नोजल टरबाइन ब्लेड लीनियर कास्केड टनल, प्रेशर प्रोब जांच अंशांकन सुविधा, कोबरा के आकार के 3 होल प्रोब, अभिसरण प्रवाह सीमा में बाउंड लेयर की विशेषता और शमन और पुर्जों की विविधता। स्पेक्ट्रोमीटर: समय सहसंबद्ध सिंगल फोटॉन काउंटिंग (TCSPC) इलेक्ट्रॉनिक्स, एमिशन डिटेक्टर (पेल्टियर कूल्ड फोटो-मल्टीप्लायर (PMT) और ईजीटाउ 2-फ्लुओरोसेन्स स्पेक्ट्रोमीटर कंट्रोल एंड डेटा एनालिसिस सॉफ्टवेयर मेक: मेसर्स पिकोक्वांट जीएमबीएच उपरोक्त सुविधाओं के साथ विभाग के पास ऑप्टिकल विभाग है। फ़िल्टर: UVFS चिंतनशील तटस्थ घनत्व फ़िल्टर (Make: Thorlabs) ऑप्टिकल फ़िल्टर: UV-VIS बैंड पास फ़िल्टर (आपूर्तिकर्ता: एडमंड ऑप्टिक्स), लेंस: दृश्यमान अक्रोमेटिक डबल लेंस (आपूर्तिकर्ता: M / उन्नत फोटोनिक्स), और लेजर ऊर्जा मीटर, ऊर्जा सेंसर (मेक: ओफिर ऑप्टोनिक्स)। विभाग में एक अत्याधुनिक रीसायकल वाटर टनल सुविधा का निर्माण किया गया है, जो कम गति वाले वायुगतिकीय ई के लिए बनाई गई है। प्रायोगिक अध्ययन, विभाग ने हाल ही में मिनिएचर वायर हॉट वायर प्रोब, पिटोट स्टैटिक ट्यूब -4 मिमी डीआईई, एनआई आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली और दबाव स्कैनर अंशांकन के लिए दबाव पंप की खरीद की है।

वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन

स्कूल ने अपनी जियो-इंफॉर्मेटिक्स लैब, ट्रांसपोर्टेशन अभियांत्रिकी और इनोवेटिव संचार लैब और एक डिजिटल आइकनोग्राफिक लैब को अपडेट किया है। विद्यालय ऑफ प्लानिंग, इलिनोइस विश्वविद्यालय, उरबाना शैम्पेन, यूएसए (2018-19) के एक वरिष्ठ फुलब्राइट साथी प्रो अमिता सिन्हा की उपस्थिति ने शांतिनिकेतन पर सांस्कृतिक मानचित्रण अभ्यास पर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रभाव डाला। अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और उन्नत सिमुलेशन / कंप्यूटिंग / डिजिटल एडोब सिस्टम प्रयोगशाला गतिविधियों को और उन्नत बनाने के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

जैव प्रौद्योगिकी

विभाग ने रियल-टाइम पीसीआर (बायोएआरएडी), फ्लोर मॉडल हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कल्टर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), परिष्कृत प्रक्रिया नियंत्रण और सहायक उपकरण (बायोजेनिक अभियांत्रिकी) के साथ किण्वक, मल्टीप्लेयर नियंत्रित रेफ्रिजरेटेड शेकर इनक्यूबेटर (स्किजेनिक बायोटेक) की स्थापना की है। प्राइवेट



लिमिटेड), अल्ट्रासोनिक सोनिकेटर (इंडो साइंटिफिक एंड सर्जिकल प्राइवेट लिमिटेड), लामिनार हुड (लैब सॉल्यूशन), (पैकड बेड रिएक्टर (केसी इंजीनियर्स लिमिटेड) और कंटीन्यूअस स्टिरेड टैंक रिएक्टर्स (क्रिएटिव लैब)।

रासायनिक अभियांत्रिकी

विभाग ने हाल ही में उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग सर्वर, सीओएमएसओएल सॉफ्टवेयर, डायरेक्ट मर्करी एनालाइजर, रियोमीटर और टाइम-सॉल्व माइक्रो पीआईवी जैसी सुविधाएं हासिल की हैं।

रसायन विज्ञान

विभाग ने 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर, और ब्रूकर सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर के लिए एगिलेंट हाई-रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर, ब्रूकर ऑटो-सैपलर और ब्रूकर कूलिंग यूनिट का अधिग्रहण करके सुविधाओं को बढ़ाया है।

सिविल अभियांत्रिकी

विभाग ने कंक्रीट की बढ़ती उम्र बढ़ने के परीक्षण के लिए 1000 केएन क्रीप टेस्टिंग आरआईजी, 400 लीटर कार्बोनेशन टेस्ट चैंबर जैसी विभिन्न सुविधाएं स्थापित की हैं, 400 लीटर स्टीम ह्यूमिडिटी टेस्ट चैंबर, उच्च आवृत्ति प्रभाव परीक्षण के लिए एक्सेलेरोमीटर, कंक्रीट के लिए रैपिड क्लोराइड प्रवेश उपकरण चिनाई और पत्थर की संरचनाओं के शक्ति मूल्यांकन के लिए फ्लैट जैक परीक्षण उपकरण, स्वतंत्रता शेक टेबल के 6 डिग्री के लिए लाइट वेट एक्सेलेरोमीटर और आईटी थर्मोग्राफी के लिए हीट सोर्स मॉडिफ़ाईड हैलोजन लैंपा विभाग ने 60t Tinius Olsen UTM, मॉडल जैसे अंडरग्राउंड स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी कोर्स, कंक्रीट टेस्ट हैमर और UPV मीटर, हाइड्रोकार्बन फायर फर्नेस, जॉक वेक्स के लिए प्रेशर सेंसर, डेटा एक्विजिशन सिस्टम (DAQ) के लिए सेवा देने के लिए कुछ सुविधाओं को उन्नत और स्थापित किया है।, सहायक उपकरण और सेंसर, SARA (शनिवार, एजफैल्टेनेस, रेजिन और एरोमैटिक्स) विश्लेषक, वीडियो आधारित संपर्क कोण मीटर / गोनियोमीटर और भी त्वरित चमकाने स्टोन परीक्षण मशीन।

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभाग ने एक मास्टर नोड और दस कम्प्यूटेशन नोड्स के साथ एक नया जीपीयू-आधारित सर्वर क्लस्टर स्थापित किया। प्रत्येक सर्वर में 2 नं। एक्सोन गोल्ड 5118 सीपीयू, 128 जीबी रैम, 4 टीबी हार्ड डिस्क, और या तो ड्यूल एनवीयू टेस्ता पी -100 या एनवीआईडीआई क्वॉड्रो पी 4000 जीपीयू कार्ड।

वैद्युतिक अभियांत्रिकी

विभाग ने सोलर पीवी सिस्टम लैब और हार्डवेयर इन लूप स्थापित कर प्रयोगशाला को उन्नत बनाया।

इलेक्ट्रॉनिक्स और वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी

मैनेट्रोन रिएक्टिव को-सिटिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉन बीम वाष्पीकरण प्रणाली, फर्नेस, टिप एन्हांसड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (Bi-potentiostat / Galvanostat), बेंच टॉप सेंटीफ्यूज, UV विज्ञ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्थिर राज्य प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर (PL), आर्द्रता नियंत्रण स्टेशन DRIE, जैविक सुरक्षा कैबिनेट और वेफर क्लीनिंग सिस्टम, नैनो आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के लोड लॉक पंप के लिए आवृत्ति कनवर्टर एसीपी श्रृंखला; ट्यून करने योग्य फीमेलो-सेकंड लेजर; क्वांटम संचार सेटअप; माइक्रोस्कोप ने एफटीआईआर को सक्षम किया; उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल माइक्रोस्कोप; रैक-आधारित EDFA।

भूविज्ञान और भूभौतिकी

विभाग ने हाल ही में एक उच्च दबाव प्रायोगिक पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना की है, जो पृथ्वी के मेंटल के भीतर की स्थितियों का अनुकरण करती है और हाल ही में एक अत्याधुनिक डिजिटल पोलराइजिंग माइक्रोस्कोपी सुविधा भी प्राप्त की है।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान

विभाग अब संज्ञानात्मक मूल्यांकन के लिए कैंटैब से लैस है। इसने गहन व्यवहार संबंधी अनुसंधान करने के लिए आई-ट्रैकर और पॉलीग्राफ खरीदे हैं।

औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी

विभाग ने सिमुलेशन और डेटा विश्लेषण के लिए विभाग प्रयोगशाला में सॉफ्टवेयर एनलॉग और एसटीएटीए स्थापित किया है।

धातुकर्म और पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी

विभाग ने अधिग्रहित प्रयोगशालाओं जैसे उच्च रिज़ॉल्यूशन एक्स-रे डिफ्रेक्शन सुविधा, पिन-ऑन-डिस्क और बॉल-ऑन-डिस्क ट्रिबोमीटर, उच्च शक्ति अल्ट्रासोनिक परीक्षण उपकरण, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप और उच्च तापमान भट्टियों द्वारा उन्नत किया गया।



खनन अभियांत्रिकी

न्यू माइनिंग अभियांत्रिकी एनेक्सी बिल्डिंग का निर्माण और उद्घाटन किया गया।

महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प

विभाग ने यूजी / पीजी और आरएस छात्रों के लिए प्रयोगशाला सुविधाओं का उन्नयन किया है। विभाग में चल रही अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए नए सॉफ्टवेयर भी खरीदे जाते हैं। कम्प्यूटेशनल सिस्टम को उन्नत किया गया और कम्प्यूटेशनल कौशल को बढ़ाने के लिए नए सर्वर भी हासिल किए गए।

भौतिक विज्ञान

विभाग के पास उत्कृष्ट अनुसंधान सुविधाएं हैं जैसे कि 800nm पर आउटपुट पावर 2.5W के साथ एक फीमेलो-लेसर और 80MHz की खरीद अल्ट्राफॉस्ट अध्ययन (यूएफएस) प्रयोगशाला में की जाती है, जो समय-समय पर एकल फोटॉन काउंटिंग सिस्टम और एक अभिनव प्रयोगशाला के साथ अप-कन्वर्जन सेट-अप के विकास के लिए है। स्नातक छात्रों के लिए विकसित किया जा रहा है। यह पहले से ही एक 3 डी प्रिंटर और एक पोर्टेबल खराद मशीन खरीद चुका है।

उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र

केंद्र में एमएसी टेक, ईसीएस के लिए मास्क अलिग्नर और प्रिसिजन स्पिन कोटर, फोटोनिक्स के लिए डिफ्यूजन फर्नेस, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप और एंबेडेड कंट्रोल सिस्टम लैब जैसी विभिन्न सुविधाएं हैं।

रोबोटिक्स उत्कृष्टता केंद्र

केंद्र ने दो सीरियल मैनिपुलेटर्स, एक ह्यूमनॉइड रोबोट, एक ट्रैक किए गए वाहन, एक ड्रोन, एक 3 डी प्रिंटर, कुछ वर्कस्टेशन खरीदे हैं, और ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक डिवाइस के लिए सेट-अप भी विकसित किया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केन्द्र

केंद्र की स्थापना नालंदा प्रशासनिक परिसर में एक अस्थायी स्थान पर की गई है। कई कंप्यूटिंग सर्वर और सिस्टम का अधिग्रहण किया गया है। एक जीपीयू क्लस्टर को एक मास्टर नोड के साथ अधिग्रहीत किया गया है, 8 जीबी मेमोरी के साथ 2 एक्स NVIDIA क्वाड्रो पी 4000 के साथ 2 कम्प्यूट नोड्स और 16 जीबी मेमोरी के साथ 2 एक्स एनवीडिया टेस्ला पी 100 के साथ 2 कंप्यूट नोड्स, 2 एक्स 2 जीएन 512 एमबीटीए एसएटीए एचडीडी, 12 जीबीपीएस RAID नियंत्रकों, 100 GBPS Infiniband एडेप्टर, 18-पोर्ट अनवांटेड 100 Gbps Infiniband स्विच और एक सर्वर रैक।

संगणकीय और डेटा विज्ञान केंद्र

केंद्र में हाइब्रिड 2CPU-1GPU आर्किटेक्चर के साथ कुछ उच्च अंत GPU आधारित सर्वरों की खरीद की जा रही है। प्रत्येक सर्वर में दो Intel Xeon-Gold 6126 (2.6GHz / 12-core) CPU प्रोसेसर होते हैं जिसमें एक NVIDIA Tesla V100 PCIe 32 GB कार्ड, 256 GB मेमोरी और 40 GB हार्ड डिस्क स्थान होता है। प्रत्येक सर्वर से 7 TeraFLOPs के कम्प्यूटेशनल प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। ये सर्वर केंद्र की अनुसंधान गतिविधियों के लिए समर्पित होंगे।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र

शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र शैक्षिक प्रौद्योगिकी के लिए एक एआर-वीआर प्रयोगशाला विकसित करने की प्रक्रिया में है। विशिष्ट अनुसंधान उपकरण जैसे ईईजी (32 चैनल), एक मोबाइल आई ट्रैकर और गैल्वेनिक स्किन रिस्पॉन्स रिकॉर्डर पीपीजी सेटिंस के साथ खरीदे गए हैं। विभाग ने 32 चैनल ईईजी मशीन और टोबि 120 आई ट्रैकर जैसे स्पष्ट जैव-मार्करों से सुसज्जित एक संज्ञानात्मक, भाषा और सूचना प्रसंस्करण लैब (सीएलआईपी) भी विकसित किया है। माध्यमिक शिक्षा के लिए बेहतर सामग्री के विकास के लिए, केंद्र ने अत्याधुनिक मोबाइल स्टूडियो भी विकसित किया है।

महासागरों, नदियों, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र

केंद्र ने वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा, रिप्रोग्राफी प्रयोगशाला और सेमिनार हॉल सुविधाओं को संवर्धित किया है। केंद्र ने हिमालयन रिसर्च के लिए अत्याधुनिक मरीन बायोगोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला, मरीन सीस्मोग्राफ प्रयोगशाला और प्रयोगशाला की स्थापना के लिए भी पहल की। डिजिटल गोलाकार फोटोग्राफ्स के लिए एक उच्च गुणवत्ता वाला कैमरा केंद्र में एक और अधिग्रहण है।

सैद्धांतिक अध्ययन केंद्र

केंद्र में रैक माउंटेबल कम्प्यूटिंग सर्वर (Intel® Xeon® Gold Series) की सुविधा है: PRIMERGY RX2540 M4।

प्रशीतन अभियांत्रिकी

केंद्र ने हाल ही में स्कैनिंग जांच माइक्रोस्कोपी (AFM, MFM, PFM) को उच्च वैक्यूम और कम तापमान क्षमता के साथ सुसज्जित किया है।



डेयसरकार पेट्रोलियम अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र

अब विभाग डायमंड जुबली इंस्टीट्यूट फंड्स ऑफ अप्रोक्स के माध्यम से खरीदे जाने वाले ड्रिलिंग द्रव प्रयोगशाला उपकरण से लैस है। मौजूदा उपकरणों जैसे एजिंग सेल, डिजिटल विस्कोमीटर, डिजिटल रिटॉर्ट, फ्लुइड मिक्सर और एलटीएलपी निस्पंदन के साथ 20 लाख डायमंड जुबली इंस्टीट्यूट फंड्स की लगभग खरीद के माध्यम से जलाशय सिमुलेशन लैब वर्कस्टेशन प्राप्त करके प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया। 41.8 लाख (\$ 61,076)। इस परियोजना में 12 वर्कस्टेशन खरीदे गए और स्थापित किए गए। विभाग ने संयुक्त राज्य अमेरिका की PIP प्रौद्योगिकी के दान के माध्यम से फ्रैक्चरिंग तरल पदार्थ उपकरण जैसे उन्नत उपकरणों की खरीद के द्वारा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाया: दान प्राप्त रु इस फंड विभाग से 11 लाख रुपए में ऑयलफील्ड विस्कोमीटर और मिक्सर खरीदा और स्थापित किया। इसके अतिरिक्त, तीन दूसरे हाथ वाले एचटी वीक्षकों को दान के रूप में प्राप्त किया गया और स्थापित किया गया।

पदार्थ विज्ञान केंद्र

विभाग ने फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (डीएसटी फिस्ट ग्रांट) की खरीद से प्रयोगशाला को उन्नत किया है।

रेकी आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केन्द्र

केंद्र तीन प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की प्रक्रिया में है: साइकोमेट्री और डेटा एनालिटिक्स, वर्चुअल रियलिटी एंड इमर्शन, फिजियोलॉजिकल उपाय, उपकरण और सॉफ्टवेयर: कैंटैब, 64 चैनल ईईजी, वेयरेबल आई-ट्रैकर, 16 जी पॉलीग्राफ।

रबड़ प्रौद्योगिकी केंद्र

विभाग ने Mooney के विस्कोमीटर DIN Abrader की खरीद की है।

ग्रामीण विकास केन्द्र

विभाग ने कॉन्फ्रेंस रूम, एग्रीप्रेन्योरशिप एंड रूरल डेवलपमेंट (एआरडी) लैब और जीआईएस लैब के विकास से अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाया।

जैव विज्ञानविद्यालय

स्कूल ने फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप, कंप्यूटर क्लस्टर और स्थापित फ्लोई जेनेटिक्स प्रयोगशाला का अधिग्रहण किया है।

जीएस सान्याल दूरसंचार विद्यालय

स्कूल ने हाल ही में वायरलेस एक्सेस के साथ वितरित रेडियो एक्सेस नेटवर्क (DRoNA) के विकास के लिए अत्याधुनिक GPU सर्वर और वर्क स्टेशन, L2 और L3 स्विच, राउटर का अधिग्रहण किया है। विद्यालय ने USRP बोर्ड, दिशात्मक एंटेना, ओमनी- दिशात्मक एंटेना की भी खरीद की है। यह क्लाउड रेडियो एक्सेस नेटवर्क (C-RAN) और फॉग-RAN अवधारणा का पता लगाएगा। विद्यालय 5G संचार के लिए बीम बनाने वाले मॉड्यूल के साथ चरणबद्ध सरणी एंटीना को डिजाइन और विकसित करने के लिए IMPRINT के तहत बुनियादी ढांचे को प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। विद्यालय ने निष्क्रिय ऑप्टिकल नेटवर्क आधारित सेलुलर बुनियादी ढांचे के लिए एक परीक्षण बिस्तर के विकास के लिए Xilinx वर्टेक्स अल्ट्रा स्केल प्लस मूल्यांकन किट की खरीद की है। यह ऑप्टिकल बैक हेल नेटवर्क के लिए AWG, पावर स्प्लिटर, ऑप्टिकल फाइबर केबल, मेजरिंग इंस्ट्रूमेंट और वर्क स्टेशनों को प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्कूल में अब रैक गैस प्रणाली जैसी इंटेलिजेंट गैस सेंसिंग सिस्टम, स्क्रीन प्रिंटर, Nfapt- लीप- apt को आईआईटीएम, चेन्नई रिमोटली, एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप, 3 डी-कंफोकल रमन इमेजिंग सिस्टम, CCR आधारित क्रायोजेन फ्री जांच स्टेशन, सेमीकंडक्टर पैरामीटर के साथ संयुक्त रूप से एक्सेस किया गया है। विश्लेषक, डीपीएसएस लेजर, डेटा अधिग्रहण प्रणाली, इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी, उच्च वैक्यूम दोहरी जमाव प्रणाली और डिजिटल द्रव्यमान प्रवाह नियंत्रक।

राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

स्कूल ने कानूनी सहायता और आईपी सुविधा सेल की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायाधीश, कलकत्ता में उच्च न्यायालय और पश्चिम बंगाल राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा किया गया था।

रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारिक अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय

विद्यालय में 15 बुनियादी और उन्नत उपकरणों के साथ गैर-विनाशकारी परीक्षण के लिए विकसित कला प्रयोगशाला की एक नई स्थिति के साथ-साथ अस्थायी और स्थानिक डेटा के अधिग्रहण के लिए आईओटी फ्रेमवर्क, सेंसर नेटवर्क, आदि के साथ बुनियादी ढांचे की निगरानी और मूल्यांकन के लिए विकसित की गई कला प्रयोगशाला की एक नई स्थिति। विषम डेटा स्रोतों और डेटा के विज्ञान अलाइजेशन से विद्यालय ने परिवहन के विभिन्न साधनों का उपयोग करते हुए परिवहन



उपयोगकर्ताओं की वायु की गुणवत्ता को मापने के लिए पोर्टेबल वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली का अधिग्रहण किया है, और सतह के आकलन के लिए सड़क के वातावरण और लेजर तापमान संवेदक की वायु गुणवत्ता पर पैदल चलने के तापमान प्रभाव का आकलन किया है।

राजेंद्र मिश्रा उद्यमशीलता अभियांत्रिकी विद्यालय

RMSoEE में एनालिटिक्स लैब ने सिक प्रोजेक्ट LRI_ICG_2017_SGSIS अनुदान और अन्य संस्थागत अनुदान की मदद से अपने कम्प्यूटेशनल संसाधनों को बढ़ाया है। इसका उपयोग गहन डेटा प्रोसेसिंग अनुप्रयोगों जैसे कि संख्यात्मक, पाठ, चित्र और वीडियो डेटा के बड़े संग्रह और 3 डी दृश्य पुनर्निर्माण परियोजना और हेल्थकेयर डेटा एनालिटिक्स अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न कंप्यूटर विज्ञान और मशीन लर्निंग आधारित एल्गोरिदम के कार्यान्वयन के लिए किया जाएगा। तापमान और दबाव को नियंत्रित करने वाले विलायक से विलेय को अलग करने के लिए विद्यालय रोटीर इवेपोरेटर (स्टुअर्ट) का उपयोग कर रहे हैं। पृथक्करण, अलगाव और फाइनेमिकल्स और जैव रसायन का वर्णक्रम HPLC या उच्च दबाव तरल क्रोमैटोग्राफी (Agilent) द्वारा किया जाता है। वाष्पशील यौगिकों के मामले में, पृथक्करण, अलगाव और लक्षण वर्णन गैस क्रोमैटोग्राफी या जीसी (थर्मो फिशर) द्वारा किया जाता है। संयंत्र या पशु ऊतक पर फाइटोकोम्पाउंड की जैव-प्रभावकारिता के निर्धारण के लिए सूक्ष्म और हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा कैमरा (ओलंपस) के साथ उच्च संकल्प ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप द्वारा की जाती है। एक क्रमिक वृत्तों में सिकुड़नेवाला पंप (मास्टरफ्लेक्स) नैनोमेट्रिक आधारित जैव-प्रत्यारोपण की दक्षता का परीक्षण करने के लिए खरीदा जाता है। प्रयोगशाला में स्थापित क्रोमैटोग्राफिक प्रणालियों के लिए डिस्टिल्ड और विश्लेषणात्मक ग्रेड पानी मिलिपोर जल शोधन प्रणाली (मर्क लाइफसाइसेस) से प्राप्त किया जाता है।

कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

KCSTC के साथ-साथ विभिन्न विभागीय प्रयोगशालाओं के अनुसंधान मंच को बढ़ाने के लिए KCSTC परियोजनाओं के तहत कई सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर मॉड्यूल खरीदे गए हैं: CST सॉफ्टवेयर विद्युत चुम्बकीय सिमुलेशन उपकरण के लिए (2) GPU कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म, (3) मैप वर्कर सॉफ्टवेयर (4) GPS L1 यदि डेटा रिकॉर्डर- सह - सॉफ्टवेयर (5) उच्च वोल्टेज अंतर जांच, 500 मेगाहर्ट्ज 12 बीआईटी एडीसी डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, रोगोस्की कोइल करंट प्रोब, 80 वी, 25 ए विनियमित डीसी पावर सप्लाय (6) पोर्टेबल गैल्वेनोस्टेट- प्रिंसटन एप्लाइड रिसर्च वर्सास्टैट 4, रैखिक माइक्रो / नैनो पोजिशनर-स्मर एक्ट एसएलसी 2445 (7) फ्लोक्स सॉफ्टवेयर (8) जीएफएसएसपी।

आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यालय

स्कूल ने अंतर-विभागीय अनुसंधान सुविधाओं के सुगम विकास के लिए संस्थान के वित्त पोषण के माध्यम से एक नया 4-लेजर मल्टीकोल, मल्टीपरमीटर प्रवाह साइटोमीटर और मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल इकाई का अधिग्रहण किया है।

जल संसाधन विद्यालय

विद्यालय ने शोध के लिए एक ध्वनिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP) विकसित किया है।

सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय

क्वालिटी अभियांत्रिकी लैब के विकास का पहला चरण पूरा हो चुका है और अगले चरण में स्वचालित गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा।

ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी विद्यालय

स्कूल ने मध्याह्न भोजन योजना के लिए एक गांव के विद्यालय में सोलर कुकर स्थापित किया है। बेहतर संस्करण तैयार किया गया है। इसने विभिन्न एसपीवी मॉड्यूल के वास्तविक जीवन के प्रदर्शन का मूल्यांकन और मॉडलिंग की है। सौर तापीय अनुप्रयोगों और एक-सी सौर कोशिकाओं की दक्षता के लिए नैनोकणों के साथ मिश्रित तरल पदार्थ के गर्मी हस्तांतरण में सुधार सुनिश्चित किया जाता है। इसने डार्क सेंसिटाइज्ड सोलर सेल (DSSC) फैब्रिकेशन और लक्षण वर्णन विकसित किया है। सूक्ष्मजीव वृद्धि कैनेटीक्स का वर्णन करने के लिए एक लाइट-हार्वैस्टिंग मॉडल, माइक्रोएल्गो का उपयोग करके जैव-विद्युत उत्पादन के लिए एक ग्रीन-कैथोड, खमीर बायोमास से सीधे बायोडीजल उत्पादन के लिए एक इन-सीटू ट्रांस-एस्टेरिफिकेशन विधि, और एक खमीर बायो रिफाइनरी की अवधारणा का प्रमाण। खमीर बायोमास को फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करके कई उत्पादों और लाभों को प्राप्त किया गया है।

विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय

VGSoM ने मौजूदा बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और छात्रों और संकाय की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए इसे अद्यतन करने की दिशा में अपने अधिकांश प्रयासों को केंद्रित किया है। एमबीए कक्षाओं में से एक में एक नए व्याख्यान के साथ महत्वपूर्ण नवीकरण हुआ है, और अद्यतन प्रक्षेपण और साउंड सिस्टम स्थापित किए गए हैं। एक रिसर्च स्कॉलर्स के कमरे को क्यूबिकल के साथ-साथ उनके प्रोग्राम के विभिन्न चरणों में पीएचडी छात्रों के लिए कंप्यूटर और प्रिंटिंग सुविधाओं के साथ पुनर्निर्मित किया गया है।



संस्थान में अवसंरचनात्मक विकास

सिविल निर्माण और रखरखाव अनुभाग ने संस्थान की अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई निर्माण परियोजनाएं शुरू की हैं। विक्रम साराभाई आवासीय लड़कों के लिए 164 कमरों और लड़कियों के लिए 164 कमरों को पूरा किया गया है और उन्हें सौंप दिया गया है। नालंदा क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के सभी 88 कमरे सौंप दिए गए हैं। जे। सी। घोष साइंस ब्लॉक और पी। सी। रे। लेबोरेटरी ब्लॉक में, 16 मंजिलों को SIDM, CORAL, पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और रसायन विभाग को सौंप दिया गया है। वर्तमान में, HAVC का कार्य प्रगति पर है। पोस्ट-डॉक्टरल आवास और विदेशी आगंतुक आवास की 100 इकाइयों के लिए काम चल रहा है। न्यू फैकल्टी आवास की 66 इकाइयों में से 24 इकाइयों को सौंप दिया गया है। बी-प्रकार संकाय आवास के लिए आरसीसी संरचनात्मक कार्य प्रगति पर है।

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी भवन का विस्तार, खनन अभियांत्रिकी विभाग में नई एनेक्स बिल्डिंग और जेसी बोस एनेक्स लेबोरेटरी बिल्डिंग का काम पूरा और सौंप दिया गया है। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए, मुख्य अस्पताल भवन, विद्युत सबस्टेशन, एसी प्लांट रूम, और पंप हाउस और एसटीपी पूरा हो गया है। MGMS, CSSD, साइनेज कार्य, लिफ्टों के परीक्षण कमीशन और HVAC कार्य प्रगति पर हैं। संस्थान ने सुविधाओं को संभालने की प्रक्रिया शुरू की है।

राजरहाट में आईआईटी खड़गपुर रिसर्च पार्क के ऑडिटोरियम और सब-स्टेशन सहित मुख्य भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। एचवीएसी का परीक्षण कमीशन जारी है। ऑडिटोरियम और कक्षाओं के लिए ध्वनिक कार्य को CPWD द्वारा सम्मानित किया गया है।

संस्थान की नई जल आपूर्ति परियोजना के तहत, कुल पाइप बिछाने का कार्य 12.60 किमी में से 11.04 किमी के लिए किया गया है। एसई रेली गुड्स यार्ड क्षेत्र में काम जारी है, जहां कुल 5.316 किमी को 5.50 किमी में रखा गया है। वर्तमान में, एप्रोच ब्रिज फैब्रिकेशन और निर्माण कार्य प्रगति पर है।

डायमंड जुबली कॉम्प्लेक्स के नैनो सीआरएफ और लाइफ साइंस बिल्डिंग के लिए, आरसीसी संरचना पूरी हो चुकी है और इसे सौंपने का काम चल रहा है। सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के विकास के लिए काम पूरा हो गया है। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और टेनिस कोर्ट का काम प्रगति पर है।

प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र

प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र (टीटीसी) अकादमिक के साथ-साथ पारंपरिक तांबे के तारों पर आवासीय परिसर में वीओआईपी और डिजिटल टेलीफोनी के साथ-साथ आवासीय परिसर में आवाज संचार सेवाएं प्रदान करता है और मूल्य वर्धित सेवाएं जैसे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग ब्रिज और मोबाइल एक्सटेंशन आदि। प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र में कला केंद्रीकृत EPABX और न्यू गेस्ट हाउस में एक उपग्रह विनिमय की स्थिति। यह संस्थान समुदाय को केंद्रीकृत फैक्स सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

वित्तीय वर्ष (2018-2019) में TTC ने सर्वर आधारित प्रणाली के साथ JCB लैब कॉम्प्लेक्स (अनुबंध भवन) में मौजूदा MD-110 EPABX के उन्नयन की स्थापना और कमीशनिंग पूरी की। कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी और बीसी रॉय टेक्नोलॉजिकल अस्पताल के विभाग में टेलीफोन केबलों का पुनर्गठन पूरा हो गया। कैम्पस में पिलर बॉक्स (पेंटिंग और मरम्मत) का नवीनीकरण कार्य भी चल रहा है।

एक प्रमुख काम जो उठाया गया है वह आगामी "डॉ." B. C. रॉय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च "। टीटीसी ने वर्तमान ईपीएबीएक्स सिस्टम को अपग्रेड करने की योजना बनाई है ताकि वह भविष्य में बड़े पैमाने पर (2000 लाइनों में) और सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की महत्वपूर्ण टेलीफोन कनेक्टिविटी का भार उठा सके। पहले से ही प्रणाली का उन्नयन शुरू किया गया है और संबंधित प्राधिकरण की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

नालंदा क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के एडमिन ब्लॉक में टेलीफोन केबल बिछाने के काम का अनुमान लगाया गया है और सीसीएम द्वारा एक समग्र कार्य पूरा किया गया है। इसी तरह टेलीफोन केबलों के पुनर्गठन का काम भी CCM द्वारा समग्र कार्य के रूप में पूरा किया गया। निकट भविष्य में, डायमंड जुबली कॉम्प्लेक्स, न्यू फैकल्टी आवास (एनएफए), इंटरनेशनल गेस्ट हाउस आदि जैसे नवनिर्मित भवनों में टेलीफोन-केबल बिछाने का काम संबंधित पीएमसी के साथ किया जाएगा।

केंद्रीय शोध सुविधा

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (CRF) का उद्देश्य उद्योग, R & D और अकादमिया के उपयोगकर्ताओं के लिए बहु-भौतिक अत्याधुनिक और नैनोटेक्नोलोजी तक पहुंच का विस्तार करना है, या तो राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर; यूजी / पीजी / आरएस स्तर पर छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना और विशिष्ट उपकरणों पर संस्थान के बाहर इंजीनियरों को कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना।

सीआरएफ 30 संबद्ध संकाय सदस्यों और 30 तकनीकी कर्मचारियों के साथ 36 प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। हम जैसे परिष्कृत उपकरणों से लैस हैं: क्षेत्र उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप; दोहरी बीम FIB-FEG सूक्ष्मदर्शी; ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप; एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर; एक्स-रे माइक्रो-सीटी; स्कैनिंग बरमा नैनोटॉप; फूरियर रूपांतरण इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर; परमाणु बल सूक्ष्मदर्शी; नैनो-triboindenter; रमन स्पेक्ट्रोमीटर; थर्मल एनालाइजर; विद्रूप-वीएसएम; हॉल-प्रभाव माप, MALDI, एक्स-रे, ITC, FACS।

सीआरएफ ने विभिन्न शैक्षणिक सत्रों, कार्यशालाओं, पिछले अकादमिक वर्ष में प्रशिक्षण जैसे विषयों पर आयोजित किया: जैसे 3 डी इमेजेस से मॉडल - परिचय सरल वेयर सॉफ्टवेयर कार्यशाला, रिटवेल्ड एनालिसिस - एप्लिकेशन प्रशिक्षण, उच्च संकल्प ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर उन्नति।



पूर्व छात्र मामलों और संस्थागत विकास (आईडी) कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का कार्यालय वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। 2014 के बाद से, कार्यालय अंतर्राष्ट्रीय एमओयू और सहयोग, हस्ताक्षर कार्यक्रम, संकाय और छात्रों के दौरे की सुविधा आदि के हस्ताक्षर के संबंध में गतिविधियों की सीमा के साथ काफी बढ़ गया है। संस्थान की ब्रांडिंग और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के लिए भी जिम्मेदार बनाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के कार्यालय द्वारा 2018-19 के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

चार अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को रूस, कोलंबिया और भूटान, दक्षिण कोरिया से डिग्री कार्यक्रमों के लिए और 29 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अल्पकालिक कार्यक्रमों के लिए होस्ट किया गया था। श्री गोपाल राजगढ़िया इंटरनेशनल प्रोग्राम (SGRIP), एसोके डेसरकार इंटरनेशनल प्रोग्राम, ICCR और अन्य फंडिंग कार्यक्रमों के तहत फंडिंग के अवसर उपलब्ध कराए गए। कार्यालय ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस का प्रमुख कार्यक्रम, SGRIP ने 9 अंतर्राष्ट्रीय संकाय, 2 अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान विद्वानों: 2, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 3 छात्रवृत्ति, 2 अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और बैठकों का समर्थन किया। अंतर्राष्ट्रीय एमओयू पर 35 विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षर किए गए, जिसमें छात्र विनियम पर विशेष जोर दिया गया। जेम्स कुक विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, ऑकलैंड विश्वविद्यालय, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ और रटगर्स विश्वविद्यालय के साथ बहु-संस्थागत दोहरी डिग्री कार्यक्रमों के लिए कार्य प्रगति पर है। इनके अलावा, कई इनबाउंड विजिट थे, आईआईटी खड़गपुर के छात्रों के लिए विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, और समाचार प्रसार के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए ई-न्यूजलेटर प्रकाशित किया गया था।

डीन, ब्रांडिंग और सीएसआर के लिए अंतर्राष्ट्रीय संबंधों द्वारा की गई गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) आईआईटी खड़गपुर समाचार वेबसाइट, केजीपी क्रॉनिकल, www.news.आईआईटीkgp.ac.in को लॉन्च करना, आरएंडडी और पूर्व छात्रों की पत्रिकाओं को फिर से जारी करना, फेसबुक, लिंकडइन और ट्विटर के माध्यम से सोशल मीडिया की पहुंच बढ़ाना, आईआईटी खड़गपुर के लिए लघु फिल्म बनाना दूरदर्शन का राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल, विद्यालय के छात्रों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता का अंतर्राष्ट्रीयकरण, यंग इनोवेटर्स कार्यक्रम और ब्रांड की एक बड़ी श्रृंखला की यादगार पेशकश

ख) टॉवर रिसर्च कैपिटल से योग्यता छात्रवृत्ति, एचडीएफसी बैंक से नवाचार ऊष्मायन, ए.के.एस. सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड और मैजिक सॉफ्टवेयर से शास्त्रीय कला के लिए सीएसआर फंडिंग।

पूर्व छात्र संबंध और आउटरीच

पूर्व छात्रों से मिलने, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य पूर्व छात्रों की सगाई के कार्यक्रमों के दौरान, पूर्व छात्रों की वेबसाइट पर पंजीकरण सहित वित्तीय वर्ष के अंत तक 68% के करीब कनेक्टिविटी प्राप्त की गई है। 64316 पूर्व छात्रों की कुल संख्या में से, संस्थान 43000 पूर्व छात्रों के साथ जुड़ा हुआ है और उनके साथ नेटवर्क करने में सक्षम है।

पूर्व छात्रों और संस्थान की घटनाओं का विवरण

पूर्व छात्रों की वार्षिक बैठक

छात्रों के एलुमनी सेल ने 11 वीं वार्षिक एलुमनी मीट का आयोजन 11 जनवरी से 13 जनवरी 2019 तक किया। इस वर्ष 1969, 1979 और 1994 के बैच विशिष्ट अतिथि थे। इस बैठक में विशिष्ट अतिथियों सहित 368 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। मीट अब पूर्व छात्रों और छात्रों दोनों द्वारा प्रत्याशित एक प्रमुख घटना है। जैसे-जैसे वर्ष बीतते हैं और परिवर्तन की हवाएँ बहती रहती हैं, पूर्व छात्रों की बैठक भी समय की गति के साथ विकसित होती रहेगी, पूर्व छात्रों के अनुभव को लाने की उम्मीद करते हुए कि वे अपने सभी जीवन को संजो सकते हैं।

घर वापसी

17 - 19 अगस्त 2018 से घर वापसी के पहले संस्करण में 47 पूर्व छात्रों को पंजीकृत किया गया और कुल 90 लोगों और साथी गण टेक्नोलॉजी गेस्ट हाउस में साथ रहे।

अलविदा

माहौल 2019 के बैच के लिए इस बार वार्षिक विदाई डिनर, अलविदा में थोड़ी उदासी से भरा था। शाम को एक अद्भुत नोट पर शुरू हुआ, निदेशक और डीन, पूर्व छात्र मामलों के रूप में छात्रों को संबोधित करना शुरू किया। इसके बाद बेसबी से प्रतीक्षित बैच के पुरस्कारों का पालन किया गया, जिससे गुजरने वाले बैच को अच्छी तरह से मजा आया। विक्रमशिला परिसर में जल्द ही एक सुंदर रात्रिभोज का आयोजन किया गया। उदासीनता की लहर ने डिनर को हिट कर दिया क्योंकि उन्होंने उन यादों की चर्चा की जो इस परिसर ने उन्हें दी थी। आईआईटीकेजीपी के प्रसिद्ध 'टेम्पो' पर नाचने और प्यार के साथ साइन करने के अलावा रात को खत्म करने का कोई बेहतर तरीका नहीं था।



दीक्षांत समारोह

आईआईटी खड़गपुर का 64 वां दीक्षांत समारोह के मंच पर एक साथ महत्वपूर्ण व्यक्ति शामिल हुए - भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, और पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। देश में अभियांत्रिकी और तकनीकी शिक्षा में अग्रणी भूमिका के लिए आईआईटी खड़गपुर की सराहना करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, "वर्षों से, आईआईटी खड़गपुर और वास्तव में, आईआईटी नेटवर्क और समुदाय पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण खिड़की बन गए हैं।" पश्चिम बंगाल की मंत्री ममता बनर्जी ने छात्रों से तालियों की गड़गड़ाहट के साथ जीत हासिल की, जब उन्होंने घोषणा की कि उनका मानना है कि आईआईटी खड़गपुर देश में नंबर एक आईआईटी है। आईआईटी खड़गपुर ने 2616 छात्रों को डिग्री दी, जिनमें से 295 डॉक्टरेट और संयुक्त पीएच.डी हैं।

स्थापना दिवस

आईआईटी खड़गपुर के 68 वें स्थापना दिवस ने यंग एलुमनी अचीवर अवार्ड को 12 उत्कृष्ट KGPIans को सम्मानित किया गया जो पेशेवर, शिक्षाविद, वैज्ञानिक और गुरु के रूप में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले हैं। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स चलाने वाले द चटर्जी ग्रुप (टीसीजे) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पूर्णेंद्र चटर्जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। तीन छात्र पुरस्कार और आठ कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार निदेशक द्वारा दिए गए। जिस दिन नीना सक्सेना अवार्ड मिला, उसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में मेडिकल डिवाइस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कंपनी के फाउंडर्स ऑफ पाथसोथ हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने प्रदान किया। संस्थान में 25 साल की सेवा पूरी करने के लिए कई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

निधि संग्रह अभियान

सांस्थानिक विकास-इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट (आईडी) प्रोग्राम के तहत लंबे समय में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए एंडोमेंट और गिफ्ट मोड के जरिए कॉर्पस बनाने के लिए कई पूर्व छात्रों के धन उगाही अभियान चलाए जा रहे हैं। वित्त वर्ष 2018-19 के लिए रु। आईडी प्रोग्राम द्वारा संचालित विभिन्न वापस देने की पहल के तहत 8.75 करोड़ रुपये जुटाए गए।

कोई भी बैच एक साथ रु. 50 लाख देता है तो वह 'फाउंडिंग बैच ऑफ एंडोमेंट' के रूप में पहचाने जाते हैं और नवनिर्मित नालंदा क्लासरूम परिसर में एक क्लासरूम का नाम बैच के नाम पर रखा गया है, जिसके प्रवेश द्वार पर सभी दाता नाम प्रदर्शित हैं। घास-जड़ों अभियान के योगदान का दीर्घकालिक प्रभाव है और साथ ही आने वाले वर्षों के लिए केजीपी को लाभ मिलता है। बैच बंदोबस्ती घास-मूल और प्रमुख दाताओं दोनों के लिए आदर्श है क्योंकि मूलधन बरकरार रहेगा और केवल उत्पन्न ब्याज का उपयोग संस्थान की वृद्धि के लिए किया जाएगा।

1991 बैच ने महीने में फाउंडिंग बैच ऑफ एंडोमेंट 'बनने के लिए 3 महीने का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 50 लाख जुटाने की अपनी यात्रा पूरी कर ली है और फिर अन्य ग्रेडिंग बैचों ने सफलतापूर्वक धन जुटाया और वे हैं - 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1975, 1975, 1984, 1993, 1994 और 1997। 1962, 1963, 1964, 1965, 1987, 1988, 1989, 1996, 1990 जैसे विभिन्न शैलियों के बैच अगले एक होने की कोशिश कर रहे हैं। 2018-19 में, 1969 और 1994 के बैच को "वार्षिक पूर्व छात्र मिलन" जनवरी 2019 के दौरान नालंदा कॉम्प्लेक्स में संपन्न क्लासरूम मिले।

हॉल गिफ्ट एक और अभियान है जहां पूर्व छात्रों से अपने हॉल के विकास के लिए दान देने की अपील की गई थी। निष्ठा की एक प्रमुख भावना केजीपीआईएन को उनके निवास के संबंधित हॉल में बांधती है। यह वह जगह है जहां वे दोस्तों के साथ मिलकर अपने सबसे खुशी के पल बिताते हैं। पूर्व छात्र इन स्थानों की देखभाल के लिए लौट रहे हैं क्योंकि वे अपने परिवार के घरों में होंगे। हॉल के नवीकरण के लिए योगदान ने पुनर्निर्माण और नवीकरण ड्राइव में जमीनी स्तर पर भागीदारी को आगे बढ़ाने का रास्ता दिया है। राधा कृष्णन हॉल के लिए डोनेशन ड्राइव ने पटेल और राजेंद्र प्रसाद हॉल के बाद उनके सामूहिक रूप से वापस देने के लिए रुझान निर्धारित किया। विभिन्न हॉलों से पूर्व छात्रों ने लगभग रु। हॉल विकास गतिविधियों के लिए 50 लाख और पटेल हॉल प्रथम चरण, नेहरू हॉल मॉडल रूम पायलट प्रोजेक्ट के लिए काम पूरा हो गया है, और अन्य काम चल रहे हैं।

आईआईटी खड़गपुर छात्रों को खर्चों के बारे में चिंतित हुए बिना सीखने में मदद कर रहा है, उनके करियर को आकार दे रहा है और फिर लर्न-अर्न-रिटर्न के जमीनी अभियान के माध्यम से अपने अल्मा मेटर को वापस दे रहा है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों के लिए एक वित्तीय सहायता प्रणाली बनाना है ताकि वे वापस देने की संस्कृति को आत्मसात कर सकें। पुरस्कार पाने वालों को रु। नकद पुरस्कार के रूप में 4 साल के लिए 10,000 प्रति माह। 1 वर्ष के पहले सेमेस्टर के अंत में, जेईई एडवांस्ड रैंक के आधार पर पुरस्कार दिया जाएगा। दूसरे सेमेस्टर के बाद, पुरस्कार प्राप्त करने वालों को 9. सीजीपीए बनाए रखना होगा। एलईआर छात्रों को वित्तीय बोझ की चिंता किए बिना अध्ययन करने में मदद करता है। विभिन्न बैचों से तीन सौ पूर्व छात्रों ने लगभग रु। इस पहल के तहत वित्त वर्ष 2018-19 तक 59 लाख।

एक नई पहल जो 2018 में विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों और प्रचार के लिए धन जुटाने के लिए शुरू की गई थी, जिसका नाम "पूर्व छात्र विभाग सगाई कार्यक्रम - एडीईपी" है, जिसका उद्देश्य अपने विभागों के साथ पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ना है। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों और विभाग को सुविधा प्रदान करता है: जैसे - संकाय, विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं, विदेशी और उद्योग सहयोग, पीजी और आरएस प्लेसमेंट, इंटरशिप और लाइव प्रोजेक्ट। संस्थान के इतिहास में पहली बार इस अभियान के तहत पूर्व छात्रों द्वारा योगदान किए गए संसाधनों से पूरी तरह से भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग में एक जियोसाइंस सेमिनार का आयोजन किया गया।



था। संगोष्ठी के दौरान भू-वैज्ञानिक पत्रिका - GEOS का एक विशेष खंड लॉन्च किया गया था। इसमें भारत और विदेश दोनों के योगदान के साथ 1956 से 2009 तक आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्रों के 28 तकनीकी लेख थे।

आईआईटी KGP के स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम को मजबूत करने की पहल में। संस्थान के पूर्व छात्रों ने गतिशील रोगी आवश्यकताओं की सुरक्षा के लिए एम्बुलेंस को डिजाइन और अनुकूलित करने में मदद की है और KGP को एक एम्बुलेंस उपहार में दी है और कल्याण कार्यक्रम के लिए और प्रयास किए हैं। लंबी दूरी की यात्रा के लिए सर्वश्रेष्ठ इन-क्लास आपातकालीन चिकित्सा फिटिंग और प्रभावी वाहन डिजाइन सुनिश्चित करने के लिए कई डॉक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों से परामर्श किया गया। कस्टम फिटिंग्स गढ़ी गई थीं, जैसे चिकित्सा उपकरण, आंतरिक पैन्लों को अपग्रेड करना, अग्निरोधक के लिए विद्युत वायरिंग और अग्निरोधी घटक आदि।

आईआईटी KGP में क्लास गिफ्ट एक और प्रेरणादायक कार्यक्रम है, जहाँ एक बैच संस्थान में एक हस्ताक्षर स्थान बनाने के लिए एक विशेष पहल करता है। 1970 का बैच पहला स्नातक वर्ग है जिसने अपने प्रिय संस्थान में स्थायी विरासत कायम की है। टिक्का सर्कल के बगल में एक विशिष्ट संरचित उद्यान, ADDA को छात्रों, संकायों और अन्य परिसर के कर्मचारियों के लिए एक खुले हरे भरे स्थान पर चिंतन, मनन और चर्चा करने के लिए जगह के रूप में दर्शाया गया है। इस तरह की एक और पहल, पूर्व छात्रों द्वारा विशेष रूप से, आईआईटी केजीपी यूएस फाउंडेशन के माध्यम से अमेरिका से और विशिष्ट पूर्व छात्र विनोद गुप्ता द्वारा संचालित है। यह एक क्लॉक टॉवर परिसर में एक और हस्ताक्षर स्थान जोड़ने के लिए है।

संपन्न चेंबर प्रोफेसरशिप भी एक बेहतरीन पहल है, जहाँ पर शानदार पूर्व छात्र योगदान देते हैं। संपन्न प्रोफेसरशिप अकादमिक क्षेत्र में सम्मानित किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है और सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान और शिक्षण में उनके योगदान की स्वीकार्यता के रूप में आरक्षित है। संपन्न अध्यक्ष विभागों को एक अतिरिक्त प्रतिष्ठा भी देते हैं। इस प्रकार, यह नियुक्ति के नामित धारक के लिए एक सम्मान है और इसे स्थापित करने वाले दाता को एक श्रद्धांजलि भी है। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र विनोद गुप्ता ने "प्रो. ए। एस। डेविस चेंबर", शियन डेयसरकर [डॉ. एसोके डेसरकर के पुत्र, आईआईटी केजीपी के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र] की स्थापना की [प्रो] पी। के। भट्टाचार्य अध्यक्ष "और" प्रो. एन। के। रॉय चेंबर "।

छात्र छात्रवृत्ति और पुरस्कार भी संस्थान में योगदान करने का एक शानदार तरीका है। यह अक्सर छात्रों को अपने अकादमिक करियर में विभिन्न बिंदुओं पर एक महत्वपूर्ण धक्का प्रदान करता है, विशेष रूप से उन्हें एक बहुत ही आवश्यक वित्तीय तकिया और समर्थन प्रणाली देते हुए जब वे अपने लक्ष्य का पीछा करते हैं, अपने सपनों को जीते हैं और एक कैरियर को पूरा करते हैं। शायद सबसे महत्वपूर्ण, छात्रवृत्ति छात्रों को परोपकार के महत्व या वापस देने के बारे में जागरूक करती है। इस पहल के तहत, करतुरी चक्रवर्ती ने अपने पिता की याद में "श्री करतुरी राममूर्ति एंडोमेंट अवार्ड" की स्थापना की। मैकेनिकल अभियांत्रिकी (बी.टेक) के 1997 बैच ने रिदेश रंजन मेमोरियल छात्रवृत्ति को अपने बैच साथी स्वर्गीय रिदेश रंजन की स्मृति में स्थापित किया। संस्थान में प्रोफेसर और एलुमनाई, अमिता सिन्हा और उनके बैच के साथियों ने अपने दोस्त और साथी बैच के साथी प्रकाशम गुप्ता की याद में "प्रकाशम गुप्ता बेस्ट थीसिस अवार्ड" की स्थापना की।

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पार्थ घोष ने संस्थान द्वारा शुरू की गई एक अग्रणी परियोजना - पार्थ घोष लीडरशिप एकेडमी (1 मिलियन अमरीकी डालर की बंदोबस्ती निधि के साथ) के लिए योगदान दिया। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री अर्जुन मल्होत्रा ने सेंटर फॉर क्लासिकल आर्ट्स के लिए अभियान चला रहे हैं और एक योगदान दिया है और साथ ही, इस केंद्र की ओर योगदान करने के लिए पूर्व छात्रों के लिए एक जमीनी स्तर पर अभियान शुरू किया गया है।

आईआईटी केजीपी के अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र में, वरिष्ठ वर्ग उच्च शिक्षा के किसी अन्य संस्थान में आमतौर पर नहीं देखी गई भूमिका निभाते हैं। "माई इम्प्रिंट" पहल वास्तव में "छात्रों द्वारा, छात्रों के लिए" एक ऐसी पहल है, जिसमें स्नातक करने वाले बैचों को संस्थान के कल्याण के लिए अपने सावधानीपूर्वक धन जमा में योगदान करने का मौका दिया जाता है। इस प्रकार स्नातक करने वाले छात्रों को उनके अल्मा मैटर में योगदान की शुरुआत मिलती है, जिस पल से वे दुनिया में कदम रखते हैं और आईआईटी केजीपी के पूर्व छात्र बन जाते हैं। 300 + स्नातक छात्रों ने माई इम्प्रिंट अभियान के तहत अपनी सावधानी के पैसे दान किए, कैंपस में बस स्टैंड बनाने के लिए जो कि ₹18 लाख के करीब था, दिए।

आईआईटी खड़गपुर अपने नए लॉन्च किए गए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) कार्यक्रम के माध्यम से अपने कई शोध परिणामों के लाभों को प्राप्त करने में लोगों की मदद करने के लिए एक मिशन पर है। संस्थान कॉर्पोरेट घरानों और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है ताकि लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद मिल सके। संस्थान ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और टॉवर रिसर्च कैपिटल से आईआईटी के माध्यम से सीएसआर फंडिंग प्राप्त की। एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, भारत के एक प्रमुख निजी बैंक ने रुपये का एक कोष स्थापित किया है। सतत विकास, सामुदायिक सशक्तिकरण और स्वच्छ / नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आईआईटी केजीपी में स्टार्ट-अप और ऊष्मायन का समर्थन करने के लिए 60 लाख। जबकि प्रसिद्ध वित्तीय सेवा फर्म टॉवर रिसर्च कैपिटल ने ₹ 2 या 3 साल के बी टेक के आठ छात्रों के लिए "TRCI कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी के मेधावी छात्रवृत्ति" के लिए दो वर्षों में 60 लाख।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध, ब्रांडिंग और सीएसआर

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का कार्यालय वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। 2014 के बाद से, कार्यालय अंतर्राष्ट्रीय एमओयू और सहयोग, हस्ताक्षर कार्यक्रम, संकाय और छात्रों के दौरे की सुविधा आदि के हस्ताक्षर के संबंध में गतिविधियों की सीमा के साथ काफी बढ़ गया है। संस्थान की ब्रांडिंग और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के लिए भी जिम्मेदार बनाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के कार्यालय द्वारा 2018-19 के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:



चार अंतरराष्ट्रीय छात्रों को रूस, कोलंबिया और भूटान, दक्षिण कोरिया से डिग्री कार्यक्रमों के लिए और 29 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अल्पकालिक कार्यक्रमों के लिए होस्ट किया गया था। श्री गोपाल राजगढ़िया इंटरनेशनल प्रोग्राम (SGRIP), एसोके डेसरकार इंटरनेशनल प्रोग्राम, ICCR और अन्य फंडिंग कार्यक्रमों के तहत फंडिंग के अवसर उपलब्ध कराए गए। कार्यालय ऑफ़ इंटरनेशनल रिलेशंस का प्रमुख कार्यक्रम, SGRIP ने 9 अंतरराष्ट्रीय संकाय, 2 अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान विद्वानों को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए 3 छात्रवृत्ति, 2 अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं और बैठकों का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय एमओयू पर 35 विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षर किए गए, जिसमें छात्र विनिमय पर विशेष जोर दिया गया। जेम्स कुक विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, ऑकलैंड विश्वविद्यालय, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ और रटगर्स विश्वविद्यालय के साथ बहु-संस्थागत दोहरी डिग्री कार्यक्रमों के लिए कार्य प्रगति पर है। इनके अलावा, कई इनबाउंड विजिट थे, आईआईटी खड़गपुर के छात्रों के लिए विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, और समाचार प्रसार के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए ई-न्यूज़लेटर प्रकाशित किया गया था।

डीन, ब्रांडिंग और सीएसआर के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों द्वारा की गई गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(ए) आईआईटी खड़गपुर समाचार वेबसाइट, TheKgp क्रॉनिकल की लॉन्चिंग,

www.news.आईआईटीkgp.ac.in, आरएंडडी और पूर्व छात्रों की पत्रिकाओं को फिर से जारी करना, फेसबुक, लिंकडइन और ट्विटर के माध्यम से सोशल मीडिया की पहुंच बढ़ाना, दूरदर्शन के राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल के लिए आईआईटी खड़गपुर लघु फिल्म बनाना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता का अंतरराष्ट्रीयकरण। विद्यालय के छात्रों के लिए, यंग इनोवेटर्स प्रोग्राम और ब्रांड यादगार की एक बड़ी श्रृंखला की पेशकश।

(ब) टॉवर रिसर्च कैपिटल से मेरिट स्कॉलरशिप के लिए CSR फंडिंग जुटाना, AKS सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड और मैजिक सॉफ्टवेयर से सेंटर फॉर क्लासिकल आर्ट्स के लिए HDFC बैंक से इनोवेशन इनक्यूबेशन।

प्रायोजित शोध और औद्योगिक परामर्श (सिक)

स्पॉन्सर्ड रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी (सिक) सेल संस्थान में सभी प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श के लिए प्राथमिक नाली है। यह संस्थान के अनुसंधान रोडमैप को तैयार करने और उसके क्रियान्वयन में और अपने शोध कोषों के संवितरण के लिए संस्थान के आंतरिक तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूंकि अनुसंधान संस्थागत उत्कृष्टता के प्रमुख संकेतकों में से एक है, और सरकार ने औद्योगिक प्रौद्योगिकी और सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए अपनी प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आईआईटी की ओर तेजी से झुकाव किया है, इसलिए एसआरआईसी विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के लिए प्राथमिक देखभाल करने का केन्द्र बन गया है।

आईआईटी खड़गपुर में अभियांत्रिकी और विज्ञान विषयों की विशाल विविधता उद्योग द्वारा आवश्यक सभी प्रकार की शैक्षिक और अनुसंधान सेवा के लिए एक एकल खिड़की प्रदान करती है। आईआईटी खड़गपुर में इन-हाउस विशेषज्ञता की विविधता ने एआई, एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजी, और अफोर्डेबल हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी, जियोसाइंसेज फॉर द फ्यूचर सहित बहु-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर औद्योगिक सहयोग के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को उत्प्रेरित किया है। अर्थ, इनोवेटिव इन्फ्रास्ट्रक्चर डिजाइन, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स और औद्योगिक रोबोटिक्स आदि।

सिक ने उच्चतर आविष्कार योजना (UAY), इम्प्रिंट IMPRINT, और स्वच्छ भारत अभियान के तहत आईआईटी खड़गपुर से बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और चयन प्रक्रिया को पूरा करने में अन्य आईआईटी के साथ काम किया। UAY-I (2016-2017) के तहत, संस्थान को 12 परियोजनाओं में फैले INR 66 करोड़ की सहायता प्राप्त हुई है। 2017-2018 में, UAY-II के तहत, 14 परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और 7 का चयन किया गया, कुल राशि INR 11.85 करोड़ थी। IMPRINT-1 और IMPRINT-2 के तहत, संस्थान को पहले से ही 27 परियोजनाओं में फैले INR 123 करोड़ और 12 परियोजनाओं में फैले INR 9 करोड़ की निधि में एक प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है। संस्थान ने SPARC कार्यक्रम के तहत INR 251.09 करोड़ की निधि-प्रतिबद्धता भी प्राप्त की है।

2015-16 में ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएन) कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से, आईआईटी खड़गपुर देशव्यापी समन्वय कर रहा है। दुनिया भर में वैज्ञानिकों और उद्यमियों के प्रतिभा पूल का दोहन करने और हमारी शिक्षा प्रणालियों में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से, GIAN पहल ने 2018-2019 में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से जुड़े 18 उन्नत पाठ्यक्रमों को आकर्षित किया है। इन पाठ्यक्रमों को राष्ट्र भर में उपस्थित लोगों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

आईआईटी खड़गपुर के नेतृत्व में अतिरिक्त शैक्षिक पहलों में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी पहल, नेशनल इनोवेटिव फॉर डिजाइन इनोवेशन, शिक्षण शिक्षण केंद्र शिक्षा और डिजाइन के लिए एमओओसी अनुपालन ई-सामग्री निर्माण पहल शामिल हैं। प्रमुख एमएचआरडी समर्थित पहलों में ई-बिजनेस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, वर्चुअल लैब्स और रियल टाइम वर्चुअल लैब्स शामिल हैं।

वर्ष 2018-2019 के दौरान संस्थान को INR 493.34 करोड़ के कुल मूल्य और 30.56 करोड़ रुपये की 154 कंसल्टेंसी परियोजनाओं के लिए सरकार, निजी और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों / उद्यमों से 257 अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त हुईं। इसमें सरकार और उद्योग से कई उच्च-मूल्य और प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं, जैसे:

1. कंपाउंडेड हाइड्रोजन गैस के भंडारण के लिए फिलामेंट वाउंड टाइप 3 कम्पोजिट सिलेंडर का विकास



2. पश्चिम बंगाल राज्य में पांच (5) राज्य राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा
3. AMS डिजाइन सत्यापन (GRC प्रस्ताव आईडी: P32524) के लिए एक औपचारिक कवरेज प्रबंधन ढांचा
4. नए जोड़े गए हल्दिया योजना क्षेत्र (चरण 1) के लिए LUDCP
5. माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता के मुख्य और अनुलग्नक भवन का स्वास्थ्य अध्ययन
6. हैंडिडहुआ कोलियरी के 04 क्षेत्रों से संबंधित वैज्ञानिक अध्ययन
7. क्रिप्टोग्राफी और क्रिप्टानालिसिस
8. मानव संसाधन की तैयारी (मानव संसाधन) एसईसीएल की योजना जिसमें अगले पांच वर्षों के लिए कार्यकारी शामिल हैं, मान-मशीन संयोजन, अगले 05 (पांच वर्षों) के लिए उत्पादन और उत्पादकता को अलग करने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए
9. रानीगंज मास्टर प्लान के कार्यान्वयन के लिए ईसीएल के सलानपुर क्षेत्र के क्षेत्राधिकार के तहत डालमिया के पास एनएच -2 बाईपास के एक अस्थिर हिस्से के लिए स्थिरता का आकलन करने के लिए अध्ययन
10. उड़ीसा के परदीप में 1X800 टी। पी। डी। कैलक्लाइंड पेट्रोलियम कोक रोटरी भट्टा के लिए डी-डस्टिंग सिस्टम के डिजाइन के विनिर्देश

सिक के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार और औद्योगिक संबंध (IPR & IR) सेल बौद्धिक संपदा अधिकारों के दाखिल और रखरखाव के लिए और आईआईटी खड़गपुर में शोधकर्ताओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के लाइसेंस और व्यावसायिक क्षेत्र में स्थानांतरण के लिए भी जिम्मेदार है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में, कुल 63 बौद्धिक संपदा (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) दायर किए गए हैं और कुल 5 बौद्धिक संपदाएं प्रदान की गई हैं। कई प्रौद्योगिकियों को उद्योगों में स्थानांतरित किया गया है।

आरजीएसआईपीएल, आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से आईपीआर एंड आईआर सेल, एसआरआईसी द्वारा 25 अगस्त और 5 सितंबर 2018 को 'नवाचार, आविष्कार और रचनात्मकता - पेटेंट निर्माण के लिए रोडमैप' पर दो दिवसीय आईपीआर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 26 फरवरी, 2019 को आईआईटी चेन्नई के इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग के क्वालकॉम इंस्टीट्यूट के चेयर प्रोफेसर, प्रो. रविंदर डेविड कोइलपिल्लई द्वारा "आईपीआर के कई पहलुओं: एक इंजीनियर के परिप्रेक्ष्य" पर एक आईपीआर विशेष व्याख्यान दिया गया, जिसने छात्रों और संकायों को समृद्ध किया। बड़े पैमाने पर आईआईटी खड़गपुर में "इनोवेशन को कमर्शियल करने के लिए इंस्टीट्यूट लेक्चर - इन्वेंटर्स अपने आविष्कार को पेटेंट क्यों करते हैं?" और "आईपी पावरहाउस: स्टार्टअप के लिए ईंधन" पर एक दिन की कार्यशाला क्रमशः 1 मार्च 2019 और 2 मार्च 2019 को आईपीआर और आईआर सेल, एसआरआईसी द्वारा आयोजित की गई थी।, RGSoIPL, आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल 2019 को मनाया गया, छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच आईपी जागरूकता बढ़ाने और उन अन्वेषकों को सम्मानित किया गया जिनके पेटेंट को मंजूरी दी गई है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल 2018 को "शक्ति परिवर्तन: नवाचार और रचनात्मकता में महिला" विषय के साथ संस्थान के अधिक महिला आविष्कारकों को प्रोत्साहित करते हुए मनाया गया। आईपी दिवस समारोह की शुरुआत संस्थान के टेकनोलॉजी ट्रांसफर ब्रोशर के उद्घाटन के साथ हुई।

सिक के तहत उद्यमी सेल सरकार द्वारा वित्त पोषित ऊष्मायन कार्यक्रमों की एक किस्म का समर्थन करता है।

सिक के माध्यम से विभिन्न छात्र गतिविधियों को प्रोत्साहित और समर्थन किया जाता है। उल्लेखनीय गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्वायत्त जमीनी वाहनों का डिजाइन और कार्यान्वयन। टीम ने भारत और विदेशों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए परिष्कृत नियंत्रण चरणों को शामिल करते हुए कई सेंसर डेटा प्रोसेसिंग और फ्यूजन के साथ स्वायत्त वाहन को डिजाइन, निर्मित और संचालित किया है। यह वास्तव में गौरव की बात है कि टीम एजीवी, आईआईटी खड़गपुर ने 26 जून को मिशिगन के रोचेस्टर में ओकलैंड यूनिवर्सिटी में आयोजित 26 वीं अंतर्राष्ट्रीय ग्राउंड व्हीकल प्रतियोगिता (IGVC) में दूसरा स्थान हासिल किया है, जो कि एसोसिएशन द्वारा 1 जून - 4 जून 2018 को आयोजित किया गया है। मानव रहित वाहन प्रणाली अंतरराष्ट्रीय (AUVSI) के लिए।
- टीमकार्ट फॉर्मूला स्टाइल रेसिंग कारों का डिजाइन और निर्माण करता है। टीम ने सफलतापूर्वक 6 कारें बनाई हैं और यह 7 वीं कार बनाने के रास्ते पर है। टीम ने फॉर्मूला भारत नियम पुस्तिका प्रश्नोत्तरी में 74 टीमों में से 9 वां स्थान हासिल किया। टीम 77 टीमों में से 16 टीमों में से एक थी, जिसने फॉर्मूला भारत 2019 में मैकेनिकल स्कूटनी, झुकाव और शोर परीक्षण को खाली करने के लिए भाग लिया था। पहली बार टीम ने तीसरी एफएसईवी कॉन्सेप्ट चैलेंज में भाग लिया और कुल मिलाकर 4 वीं रैंक हासिल की।
- रोबोट खेलने वाले रोबोट की एक टीम के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए रोबोस्कायर गतिविधि। यह गतिविधि "खड़गपुर रोबोसिस्ट्स स्टूडेंट्स ग्रुप" (KRSSG) नामक एक छात्र समूह के तहत समन्वित है। यह तकनीकी-प्रबंधन उत्सव "क्षितिज" के दौरान नियमित रूप से रोबो-फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करता है।



KRSSG RoboCup SSL 2019 और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित ह्यूमनॉइड सिमुलेशन लीग के लिए योग्य है। जुलाई 2018 में, केआरएसएसजी ने मॉन्ट्रियल, कनाडा में गोलकी स्किल्स ऑफ ह्यूमनॉइड सिमुलेशन लीग का दूसरा स्थान जीता।

- झुंड रोबोटिक्स आईआईटी खड़गपुर ने डीआरडीओ के DRUSE 2018 (डीआरडीओ Robotics & Unmanned Systems Exposition) में भाग लिया, जो 23 मई से 25 मई 2018 तक पुणे में आयोजित किया गया और आगे के शोध के लिए 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार जीतने के लिए फर्स्ट रनर अप का स्थान हासिल किया। और कार्यान्वयन। यह राष्ट्रीय स्तर की चुनौती की पराकाष्ठा थी, जिसमें 1000 से अधिक प्रविष्टियाँ थीं, जिनमें से 164 28 मार्च 2018 को ज़ोनल के लिए योग्य थीं, जहाँ उन्हें फाइनल के लिए चुनी गई 30 टीमों में उपविजेता का ताज पहनाया गया था।
- एरियल रोबोटिक्स खड़गपुर (ARK) एक छात्रों का समूह है जो स्वायत्त हवाई वाहनों के निर्माण के लिए काम कर रहा है। फरवरी 2015 में समूह का गठन किया गया था। वे अंतर्राष्ट्रीय एरियल रोबोटिक्स प्रतियोगिता (IARC) में भाग लेने के लिए ड्रोन के उड़ान नियंत्रण के लिए एक प्रणाली विकसित कर रहे हैं।
- स्वायत्त पानी के नीचे वाहन के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए टीमएयूवी गतिविधि। टीम ने भारत और विदेशों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कई सेंसर और परिष्कृत नियंत्रण कंप्यूटरों के साथ एक उन्नत पानी के नीचे के वाहन को डिजाइन और संचालित किया है।
- आईआईटी खड़गपुर में अनुसंधान के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र, लाइफ साइंस के लिए सिग्नल और सिस्टम ने इस वर्ष के चयनित आईसीएमआर-आईआईटीकेजीपी मेडटेक इंटरन के लिए आईआईटी खड़गपुर में 8-12 मई, 2017 के दौरान एक सप्ताह लंबे अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। 8 सप्ताह लंबी इंटरशिप में, 3 अलग-अलग AIIMS के 2 ICMR वैज्ञानिकों और 4 मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने आईआईटी खड़गपुर प्रयोगशालाओं में काम किया, जबकि 7 आईआईटी खड़गपुर अभियांत्रिकी छात्रों ने ICMR के विभिन्न केंद्रों, NCDIR, बैंगलोर, NIRRH, मुंबई, NARI, बेलगावी, को सूचित किया। आरएमआरसी, भुवनेश्वर।

कंप्यूटर और सूचना विज्ञान केंद्र

सीआईसी ने एक नया ओपनस्टैक आधारित क्लाउड सिस्टम (मेघमाला-द्वितीय) का निर्माण करके मौजूदा निजी क्लाउड कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है। नेहरू, पटेल, आजाद, एलएलआर, आरके और आरपी हॉल में वाई-फाई अवसंरचना का उन्नयन किया गया है। CIC ने संस्थान को eduroam से जोड़ा है, जो एक वैश्विक सेवा है जो छात्रों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों को कैम्पस भर में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए प्रतिभागी संस्थानों से और जब उनके लैपटॉप या वाई-फाई के माध्यम से उनके स्मार्टफोन या अन्य पोर्टेबल डिवाइस को सक्रिय करके अन्य सहभागी संस्थानों का दौरा करने में सक्षम बनाता है। CIC ने आवासीय क्षेत्र और टेक्नोलॉजी गेस्ट हाउस से प्रॉक्सि सर्वर के बिना इंटरनेट का उपयोग शुरू कर दिया है। केंद्र ने विभिन्न विभागों की विभिन्न प्रयोगशालाओं, नवनिर्मित एनेक्स बिल्डिंग (जेसीबी लैब कॉम्प्लेक्स की एनेक्स, एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग की एनेक्स बिल्डिंग, और माइनिंग अभियांत्रिकी का विस्तार), रेजिडेंस हॉल (वीएसआरसी जी) के लिए संस्थान नेटवर्किंग सुविधा का विस्तार पूरा कर लिया है। +7 लड़कों और लड़कियों के लिए ब्लॉक और इमारतें (4 नग एनएफए ब्लॉक), नए केंद्र (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए केंद्र, खुशी के विज्ञान के लिए रेकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस)। इसके अलावा एनडीएलआई परियोजना के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी और आईआईटी खड़गपुर एक्सटेंशन सेंटर कोलकाता में मौजूदा नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया गया है। CIC ने ओएफसी के माध्यम से डॉ. बी। सी। इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च को अनावश्यक रास्ते से जोड़ने के लिए भूमिगत केबल डक्ट बिछाया है। मौजूदा ओएफसी केबल प्लांट में डार्क फाइबर की उपलब्धता को देखते हुए, सीआईसी ने जेसी घोष और पीसी रॉय साइंस ब्लॉक, डायमंड जुबली कॉम्प्लेक्स, वीएसआरसी (जी + 7) ब्लॉक, नालंदा क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के लिए ओएफसी लिंक स्थापित करने के लिए अतिरिक्त केबल डक्ट भी बिछाया है। , सर JC बोस लेबोरेटरी कॉम्प्लेक्स, E & ECE, केंद्रीय पुस्तकालय, RMSoE, खनन अभियांत्रिकी विभाग और निवास के हॉल। CIC ने SIH2019 सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संस्करणों, रिप्रिंग फेस्ट, क्षितिज, एलुमनी मीट, दीक्षांत समारोह और विभिन्न राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलनों जैसे कई आयोजनों के दौरान अस्थायी आईटी अवसंरचना प्रदान की। CIC (5 नग) में प्रयोगशालाओं का उपयोग विभिन्न शैक्षणिक परीक्षणों जैसे गेट / जेएएम, जेईई-मेन, जेईई (एडवांस्ड), एनपीटीईएल, यूजीसी नेट, मूडल ऑनलाइन क्लास टेस्ट, एसीएम के साथ-साथ प्रयोगशाला कक्षाओं के संचालन के लिए किया जाता है। -आईसीपीसी एशिया रीजन 2018 खड़गपुर और ऑनलाइन परीक्षाएं प्लेसमेंट के दौरान आयोजित की जाती हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (STEP)

STEP, आईआईटी खड़गपुर देश के सबसे पुराने और सबसे सफल इनोवेशन और इन्क्यूबेशन सेंटर में से एक है, जिसने तीन दशकों से स्टार्ट-अप की स्थापना में हमारे स्नातकों और अन्य लोगों के उद्यमिता प्रयास का समर्थन किया है। वर्ष 2018-19 के दौरान, पांच नई कंपनियों को शामिल किया गया था। वर्ष के दौरान, ऊष्मयन और बीज ऋण के लिए तीन समिति बैठकें, 14 कार्यशालाएं और आउटरीच शिविर आयोजित किए गए हैं। प्रमुख गतिविधियों में, एसटीईपी गोपाली परिसर में एक शेड क्षेत्र को सिविल कार्यों, पानी के कनेक्शन के लिए पुनर्निर्मित किया गया है, इनक्यूबेट्स को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए विद्युतीकरण, गोपीली मौजा में फेज -2 की चारदीवारी का निर्माण एसटीईपी गोपाली परिसर के सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए किया जा रहा है। पशु सेल संस्कृति आधारित परीक्षण प्रयोगशाला ऑपरेशन के लिए तैयार है, मोनो-परमाणु परत ग्राफीन के लिए अल्ट्रा हाई तापमान भट्टी (3000 OC) (देश में पहले), रमन स्पेक्ट्रोमीटर और यूनिवर्सल परीक्षण मशीन स्थापना की प्रक्रिया में हैं, इंटरशिप के लिए बुनियादी ढांचे के लिए कार्यक्रम टेक्सटाइल कॉलेजों के छात्र तैयार हैं। सुसंस्कृत अनानास और केले के बागान को अब 40 एकड़ तक विस्तारित किया जाएगा और प्राकृतिक फाइबर आधारित कपड़े और जूते (ग्राफीन-डेरिवेटिव के साथ बंधे) का विकास किया जाएगा।



राजभाषा विभाग

राजभाषा विभाग संस्थान के सभी वार्षिक दस्तावेजों और पत्राचारों का अनुवाद करता है जिसमें संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा विवरण के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी / गैर-तकनीकी दस्तावेजों, प्रशासनिक आदेशों, आरटीआई और अंग्रेजी से हिंदी और पत्र के नियमित अनुवाद शामिल हैं। दस्तावेजों के अनुवाद के अलावा, विभाग संस्थान द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न नाम-पत्र, नोटिस बोर्ड, रबर स्टैम्प और डिग्रियों / डिप्लोमा प्रमाण पत्रों के द्विभाषी प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है। राजभाषा विभाग ने हिंदी शिक्षण योजना के तहत प्रवीण, प्रज्ञा और पारंगत कोर्स के लिए संस्थान के कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण शुरू किया है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, विभाग ने हिंदी टाइपिंग में प्रशिक्षित 15 कर्मचारियों के साथ प्रवीण, प्रज्ञा और परगट में 76 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है।

14 सितंबर 2018, 18-22 जून 2018, और 05-11 मार्च 2019 को संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशालाओं और एचआर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संस्थान ने 14 सितंबर 2018 को "हिंदी दिवस" मनाया। संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के साथ-साथ आसपास के स्कूलों के छात्रों के लिए हिंदी में कई कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राजभाषा विभाग संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं पाठ्यक्रमोत्तर गतिविधियों को शामिल करते हुए राजभाषा संबंधी नीति, नियम, निदेशों जानकारियों सहित एक मासिक पत्रिका " झरोखा " हिंदी में प्रकाशित करता है। राजभाषा विभाग i-छलांग, भारतीय चिकित्सा पद्धति प्रकाशक, भारतीय चिकित्सा पद्धति कार्यालय, लीप ऑफिस आदि विभाग भी उपकरण, PARIVARTAK, मंत्र, लिप्यंतरण, आदि राजभाषा गृह मंत्रालय, भारत, सी सरकार के विभाग द्वारा विकसित का उपयोग करता है जैसे कई हिन्दी सॉफ्टवेयर है डीएसी और अन्य एजेंसियां। हाल ही में ISM V.6 की खरीद की गई थी जो यूनिकोड संगत है। विभाग विभागों के सभी कंप्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय और कर्मचारियों को प्रशिक्षित हिंदी में काम करने के लिए गया है। राजभाषा विभाग ने अपनी वेबसाइट द्विभाषी बना दिया है। राजभाषा विभाग भी इंस्टीट्यूट की वेबसाइट द्विभाषी बना दिया है और प्रयासों वेबसाइट द्विभाषी की सामग्री बनाने के लिए किए जा रहे हैं। संस्थान ने राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन के लिए और दिन के काम में संस्थान में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग की निगरानी के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) का गठन किया है। इसके अलावा, राजभाषा विभागाध्यक्ष, आईआईटी खड़गपुर कस्बे में राजभाषा नीति को लागू करने के लिए समन्वय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के निदेशक के रूप में खड़गपुर में तैनात केंद्र सरकार के सबसे वरिष्ठ अधिकारी, राजभाषा विभागाध्यक्ष, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने उन्हें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में दो बैठकें 13 अगस्त 2018 और दूसरी 10 जनवरी 2019 को आयोजित हुई थीं।

सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशालाएं

विभागवार नीचे सूचीबद्ध सम्मेलन, संगोष्ठी, संगोष्ठी और संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशालाएं हैं।

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

- नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन: नेशनल एयरोस्पेस प्रोपल्शन कॉन्फ्रेंस, 17-19 दिसंबर, 2018।
- सिम्पोजियम ऑन: एयरो इलास्टिसिटी एंड अनस्टेडी एरोडायनामिक्स इन टर्बोमैचिनी, मई 06-10, 2019।
- वर्कशॉप: मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग, एनसीटीयू ताइवान, 27 नवंबर, 2018 से प्रो चेंग शेंग हुआंग द्वारा ग्रैडिएंट ग्रेटिंग अवधि निर्देशित मोड अनुवाद फ़िल्टर के अनुप्रयोग।
- सेमिनार: मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग, NCTU ताइवान, 27 नवंबर, 2018 से प्रो. त्संग लिन चेन द्वारा एमईएमएस लॉजिक गेट।
- सेमिनार: "कीट वायुगतिकी और उड़ान पर प्रायोगिक कार्य", 15 मार्च, 2019।
- वर्कशॉप: इनकम्प्रेसिबल और कम्प्रेसिबल फ्लो रिजिम, मार्च 12-15, 2019 दोनों के लिए प्रायोगिक फ्लो विज़ुअलाइजेशन और मेजरमेंट तकनीक।

कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी

- कार्यशाला: प्राकृत -2019: "स्थिरता", मार्च 14-15, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: एग्रीकल्चर वाटरशेड्स: हाइड्रोलॉजिकल एंड वाटर क्वालिटी डेटा कलेक्शन एंड एनालिसिस, 10-14 दिसंबर, 2018।
- वर्कशॉप ऑन: माइक्रो-इरिगेशन एंड फर्टिगेशन, 21-22 जनवरी, 2019।
- संगोष्ठी पर: उन्नाव भारत अभियान के तहत प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला, 16 फरवरी, 2019।
- कार्यशाला: कृषि अभियांत्रिकी में उन्नत प्रशिक्षण, 03-21 जून, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: ऑर्गेनिक फार्मिंग फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर प्रोडक्शन, अगस्त 06-30, 2019।

जैव प्रौद्योगिकी

- पर सम्मेलन: समकालीन रोगाणुरोधी अनुसंधान पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCAR-2018), दिसंबर 15-17, 2018।
- सम्मेलन: 6 वीं आणविक विषाणु बैठक, मार्च 01-02, 2019।

रासायनिक अभियांत्रिकी



- कार्यशाला: ग्रामीण जल गुणवत्ता और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के वैश्विक चुनौती अनुसंधान के सहयोग से), मई 14-16, 2019
- वर्कशॉप: केमिकल इंजीनियर्स (TEQIP शॉर्ट) के लिए विषम कैटेगिरी, 10-14 दिसंबर, 2018
- कार्यशाला पर: प्रक्रिया उद्योग में प्रदूषण की रोकथाम, 05-12 मई 2018
- वर्कशॉप: मल्टीपेज सिस्टम्स (एआईसीटीई क्यूआईपी शॉर्ट) के लिए मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल तकनीक, अप्रैल 30-मई 06, 2018

रसायन विज्ञान

- 18 मार्च, 2019 को बर्नार्ड एल फ्रिंग, नोबेल पुरस्कार विजेता, रसायन विज्ञान 2016 द्वारा सर जेसी घोष मेमोरियल लेक्चर 2019
- वर्कशॉप ऑन टुवाइस स्मार्ट फंक्शनल मटीरियल: एन इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच, 19 मार्च, 2019
- सम्मेलन: रसायन विज्ञान पूर्व छात्रों की बैठक 2019, 30 मार्च 2019

सिविल अभियांत्रिकी

- सम्मेलन: एशिया ओशिनिया जियोसाइंसेज सोसायटी (AOGS 2018), जून 03-08, 2018 की 15 वीं वार्षिक बैठक में बदलती जलवायु में हाइड्रोलॉजिकल चरम पर सत्र
- पर कार्यशाला: डीपीआर की तैयारी, टेंडरिंग, निष्पादन और संचालन / रखरखाव पर विशेष जोर देने के साथ एक स्थायी जल आपूर्ति प्रणाली की तैयारी और प्रबंधन के लिए एक सामान्य दिशानिर्देश, 23-26 अगस्त, 2018
- पर कार्यशाला: डीपीआर तैयार करने, निविदा, निष्पादन और संचालन / परियोजना के रखरखाव पर विशेष जोर देने के साथ एक स्थायी जल आपूर्ति प्रणाली, फरवरी 04-07, 2019
- पर कार्यशाला: सीवरेज नेटवर्क और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का डिजाइन और रखरखाव: रीसायकल और पुनः उपयोग के दृष्टिकोण पर विशेष जोर, अप्रैल 23-25, 2018
- वर्कशॉप ऑन: प्रैक्टिकल हाइड्रोलिक्स: फ्री सरफेस एंड प्रेशराइज्ड फ्लो में एप्लिकेशन, 04-16 फरवरी, 2019
- पर कार्यशाला: औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और विनियमन में हालिया रुझान, 19-23 नवंबर, 2018

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

- पर सम्मेलन: एल्गोरिदम और असतत अनुप्रयुक्त गणित (CALDAM 2019) पर 5 वीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 14-16 फरवरी, 2019
- कार्यशाला: कलाम इंडो- इटैलियन प्री-कॉन्फ्रेंसविद्यालय ऑन अल्गोरिदम एंड कॉम्बिनेटरिक्स, 11-12 फरवरी, 2019

वैद्युतिक अभियांत्रिकी

- वर्कशॉप ऑन: वर्कशॉप ऑन मशीन लर्निंग फॉर मेडिकल इमेज एनालिसिस, 17-21 सितंबर, 2018

ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी

- वर्कशॉप: एमएचआरडी, भारत, मई 2012, 201 May के जीआईएन कार्यक्रम के तहत "फोटोप्रेंटिक माइक्रोबायम्स में बायोपॉडक्शन" पर अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम

भूविज्ञान और भूभौतिकी

- सम्मेलन: जलवायु परिवर्तन प्रभाव, कमजोरियाँ और अनुकूलन, 26 फरवरी-मार्च 02, 2019

मानविकी और सामाजिक विज्ञान

- लैंडस्केप अर्बनिज्म पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: आदि गंगा से टोली के नाले तक, 21-22 दिसंबर, 2018
- GIAN: एंथ्रोपोसीन में प्रबंध और संचालन संसाधन: दक्षिण एशिया से राजनीतिक पारिस्थितिक अन्वेषण, 26-28 नवंबर, 2018
- समावेशी विकास और विकास गतिशीलता पर साझा ज्ञान के विकास के लिए संगोष्ठी, 14-15 फरवरी, 2019
- TEQIP प्रशिक्षण कार्यक्रम, जुलाई 01-05 2019
- ग्रामीण जल गुणवत्ता और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, मई 14-15, 2019

औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी

- कार्यशाला पर: निर्माण प्रणाली का पर्यावरण प्रदर्शन: मॉडलिंग और अनुप्रयोग, मार्च 24-29, 2019



- कार्यशाला: उत्पादों में गुणवत्ता अभियांत्रिकी और आयुध निर्माणी अधिकारियों के लिए प्रक्रियाएं, 17-28 जून, 2019।
- पर कार्यशाला: सतत उत्पादन प्रबंधन: संकल्पना और व्यवहार, 13-24 मई, 2019।

गणित

- कम्प्यूटेशनल द्रव यांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नवंबर 23-24, 2018

धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी

- पर सम्मेलन: छात्रों, उद्योग और शिक्षकों को शामिल करते हुए धातुकर्म पेशेवर, मार्च 16-17, 2019।
- पर कार्यशाला: फ्रैक्चर, थकान और सामग्री की विफलता, जून 16-22, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: रिट्रिवेल्ड एनालिसिस-इम्प्लिसिएशन ट्रेनिंग, 14-15 मार्च, 2019।
- पर कार्यशाला: विफलता विश्लेषण और रोकथाम के लिए गैर-विनाशकारी परीक्षण, 20-22 मई, 2019।

नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- कार्यशाला: लेज़र-असिस्टेड एटम जांच टोमोग्राफी, 10 जुलाई, 2019।

महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प

- पर कार्यशाला: तटीय संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन, 10-14 दिसंबर, 2018।
- वर्कशॉप: मरीन एप्लिकेशन के लिए हाई फिडेलिटी कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स सिमुलेशन, 10-15 दिसंबर, 2018।
- वर्कशॉप: शिप रिसर्च के लिए लार्ज एड्डी सिमुलेशन (एलईएस), दिसंबर 17-26, 2018।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र

- प्रौद्योगिकी वर्धित शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, फरवरी 28 - 1 मार्च 2019।
- तर्क प्रेरित पृष्ठताछ पर कार्यशाला, 11-18 नवंबर, 2018।
- ओरिगेमी के माध्यम से गणित में अंडरस्टैंडिंग कॉन्सेप्ट पर कार्यशाला, मार्च 18-20, 2019।
- सेवा शिक्षकों के लिए शिक्षा नवाचार कार्यशाला, जुलाई 2012, 2019।

महासागर, नदी, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र

- पर कार्यशाला: तटीय संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन, 10-14 दिसंबर, 2018।
- वर्कशॉप: मरीन एप्लिकेशन के लिए हाई फिडेलिटी कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स सिमुलेशन, 10-15 दिसंबर, 2018।
- वर्कशॉप: शिप रिसर्च के लिए लार्ज एड्डी सिमुलेशन (एलईएस), दिसंबर 17-26, 2018।

सैद्धांतिक अध्ययन केंद्र

- सेमिनार: कॉम्बिनेटोरियल कम्प्यूटेटिव बीजगणित (गणित) पर व्याख्यान श्रृंखला, 02-06 जुलाई, 2018।
- सेमिनार: एक घंटे के साथ लियोनहार्ड यूलर, द म्यूज़िक ऑफ़ द प्राइम्स द्वारा प्रो. एके मल्लिक, जुलाई 17-18, 2018।
- संगोष्ठी: मछली में लचीलेपन का प्रभाव- प्रो. जयवंत एच। अरकेरी द्वारा मार्च 08, 2019।
- सेमिनार: 17 वीं एसा। दत्ता मजूमदार मेमोरियल लेक्चर प्रो. राघवेंद्र, गडगकर, 25 अक्टूबर, 2018 से।
- सिम्पोजियम ऑन: फ्रंटियर्स ऑफ़ फ्लूइड मैकेनिक्स 2019, मार्च 16, 2019।
- सेमिनार ऑन: द साइकिल: प्रो. अमिताभ घोष, 27 मार्च, 2019 द्वारा एक तकनीकी चमत्कार और महान सामाजिक सुधारका।

प्रशीतन अभियांत्रिकी

- सम्मेलन: ICEC27-ICMC 2018, सितंबर 03-07, 2018।
- पर सम्मेलन: क्रायोजेनिक एंड रेफ्रिजरेशन (ICCR18) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-14 अप्रैल, 2018।



- पर सम्मेलन: कम्प्यूटेशनल विधियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिमुलेशन और अनुकूलन (ICCMSO-2018), 22-24 जून, 2018।

डेसरकार पेट्रोलियम अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र

- सम्मेलन: ऊर्जा संसाधन: प्रौद्योगिकी और भविष्य आउटलुक में अग्रिम, 24-25 नवंबर, 2018।
- वर्कशॉप: एसेट इंटेग्रिटी मैनेजमेंट के लिए डेटा प्रेरित डिजिटल ट्विन, 22-24 मार्च, 2019।
- संगोष्ठी: जलवायु परिवर्तन, जीवाश्म ईंधन और भू-राजनीति की संक्रमणकालीन भूमिका, 31 जनवरी, 2019।

जीएस सान्याल दूरसंचार विद्यालय

- सेमिनार: प्रो. इमानुएल विटबो, साथी आईईईईई, मोनाश यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया, 16-18, 2019 द्वारा ओटीएफएस मॉड्यूलन की कुशल जांच।
- डॉ. सुभाष मॉडल मुख्य वास्तुकार - 5 जी, सीटीओ टीम, विप्रो लिमिटेड, 11 जनवरी, 2019 द्वारा 5 जी संचार।
- सेमिनार: 5 जी नेटवर्क श्री इंद्रजीत सान्याल, वरिष्ठ निदेशक, कोलकाता, 11 जनवरी, 2019।

ग्रामीण विकास केंद्र

- सेमिनार ऑन: प्रो. प्रोबोध कुमार भौमिक का एक्शन एंड एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी के क्षेत्र में योगदान, दिसंबर 06-07, 2018।
- सम्मेलन: सार्वजनिक नीति पर 4 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 25-28 जून, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: आर्सेनिक इन द फूड चेन, 25-28 जून, 2019।
- कार्यशाला: ग्रामीण पेयजल प्रौद्योगिकी हैकथॉन 2019, मई 13-14, 2019।
- कार्यशाला: ग्रामीण जल गुणवत्ता और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 13-14 मई, 2019।
- सम्मेलन: जलवायु परिवर्तन प्रभाव, कमजोरियाँ और अनुकूलन: भारत और पड़ोस पर जोर (CCIVA 2019, फरवरी 26-मई 14, 2019)।
- सम्मेलन: बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत विकासशील देशों में लघुधारक कृषि की स्थिरता, 14 फरवरी - 14 मई, 2019।

जैव विज्ञान

- सम्मेलन: 6 वीं आणविक वायरोलॉजी बैठक, फरवरी 28-मार्च 02, 2019।

राजेंद्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमशीलता विद्यालय

- वर्कशॉप ऑन: एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (PMY MSDE, GOI), 30 जुलाई, 2018-जुलाई 09, 2019।
- वर्कशॉप: आईआईटी खड़गपुर में 30 अप्रैल, 2018-जुलाई 09, 2019 में स्टूडेंट्स मेंटरिंग।
- वर्कशॉप ऑन: PRISM कार्यशाला का आयोजन टेक्नो इंडिया, 30 जुलाई, 2018-जुलाई 09, 2019 को किया गया।

राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

- कार्यशाला: 4 वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 31 अगस्त-सितंबर 02, 2018।
- सम्मेलन: राष्ट्रीय अनुसंधान पर राष्ट्रीय बोलचाल, 15-16 मार्च, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: रिसर्च स्कॉलर्स डे, 15 मार्च 2019।
- वर्कशॉप ऑन: एआईसीटीईई वर्कशॉप ऑन बायोटेक्नोलॉजी एंड इंтелеक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, फरवरी 04-मार्च 09, 2019।
- पर कार्यशाला: आईपीआर के एकाधिक पहलू: आईपीआर सेल, 26 फरवरी, 2019 के सहयोग से एक अभियांत्रिकी के परिप्रेक्ष्य।
- कार्यशाला: पेटेंट प्रारूपण कार्यशाला - श्री दीपन बनर्जी, लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन अटॉर्नी, 02 फरवरी, 2019।
- कार्यशाला: आईपी पावर हाउस: स्टार्ट-अप के लिए ईंधन, डॉ. मल्लथ लक्ष्मीकुमारन, 01 मार्च 2019।
- सम्मेलन: औद्योगिक संबंध, मेक इन इंडिया और कौशल और कौशल भारत, 27-31 मई, 2018।
- पर सम्मेलन: ew लॉ एंड पॉलिसी ऑन रिन्यूएबल एनर्जी 'पर जीआईएन पाठ्यक्रम, 07-18 मई, 2018।
- संगोष्ठी पर: अंतर्राष्ट्रीय आईपी संगोष्ठी 3-6 अक्टूबर, 2018।
- वर्कशॉप ऑन: रोडमैप फॉर पेटेंट क्रिएशन, 25 अगस्त 2018।
- वर्कशॉप ऑन: रोडमैप फॉर पेटेंट क्रिएशन, 25 अगस्त 2018।
- वर्कशॉप ऑन: रोड मैप फॉर पेटेंट निर्माण, 08 सितंबर, 2018।



रणवीर और चित्रा गुप्ता आधारीय संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन

- वर्कशॉप ऑन: सस्टेनेबल सिटीज: ग्रीन अर्बन मोबिलिटी के लिए योजना और डिजाइनिंग, 12 अक्टूबर, 2018-जुलाई 19, 2019।
- पर कार्यशाला: परिवहन योजना और प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर जीआईए पाठ्यक्रम, 11-15 मार्च, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग टू कनेक्ट पीपल एंड जॉब्स, मार्च 18-22, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: जीआईएन कोर्स ऑन स्मार्ट अर्बन मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट प्लानिंग, ऑपरेशंस एंड मैनेजमेंट, जुलाई 08-12, 2019।
- वर्कशॉप: अर्बन मैनेजमेंट में फ्री एंड ओपन सोर्स जियोस्पेशियल (FOSS4G) टूल्स के इस्तेमाल पर एआईसीटीई कोर्स, 28 फरवरी-मार्च 03, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: जियान कोर्स ऑन लैंड कवर लैंड यूज चेंज एंड इट्स इम्पैक्ट्स ऑन क्लाइमेट विद प्रो. अतुल जैन, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, यूएसए, 29 अक्टूबर -2012, 201 course।
- वर्कशॉप ऑन: टीईक्यूआईपी कोर्स ऑन सस्टेनेबल अर्बन ट्रांसपोर्ट: डिजाइन ऑफ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर एंड फैसिलिटीज, 15-17 फरवरी, 2018।
- वर्कशॉप: डॉ. मंगेश जोशी द्वारा स्ट्रक्चरल रिपेयर्स और रेट्रोफिट्स में नवीनतम ट्रेड्स, संरचना स्ट्रक्चरल स्ट्रेथिंग प्रा. लिमिटेड, मुंबई, 18 मार्च, 2019।
- पर कार्यशाला: कमांडर वीरेंद्र जेटली द्वारा संचार, दो दिवसीय पाठ्यक्रम, 14-15 फरवरी, 2019।
- वर्कशॉप ऑन: जियान कोर्स ऑन स्पेस इज द मशीन: स्पेस सिग्नैक्स मथोडोलॉजिकल वाई, अक्टूबर 19-23, 2018।
- संगोष्ठी पर: कर्टिन विश्वविद्यालय- आईआईटी खड़गपुर संयुक्त संगोष्ठी, 12-14 दिसंबर, 2018।
- सिम्पोजियम ऑन: इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट इन फ्यूचर सिटीज, अप्रैल 17-18, 2019।

आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीविद्यालय

- सेमिनार ऑन: रिसर्च स्कॉलर्स डे कम विजिटिंग सेमिनार, 11 दिसंबर 2018।
- सेमिनार ऑन: मेडिकल डिवाइस रेगुलेशन: कैसे और क्यों, 21 दिसंबर, 2018।

सतत शिक्षा कार्यक्रम संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि है। इन वर्षों में, इसने विभिन्न कार्यक्रमों, विषयों के कवरेज, शिक्षण के तरीके, अवधि और उद्योगों और अकादमियों की श्रेणी में विविधता ला दी है। गतिविधियों में उद्योगों, आर एंड डी संगठनों और शिक्षाविदों से पेशेवरों को निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना, अभियांत्रिकी कॉलेजों के शिक्षकों और छात्रों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने ज्ञान को अद्यतन करने और एम। टेक का पीछा करने के अवसर प्रदान करना शामिल है। और एमएचआरडी के गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी) के तहत पीएचडी कार्यक्रम। ऑफिस ऑफ कंटिन्यूइंग एजुकेशन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं में कोलकाता, भुवनेश्वर और खड़गपुर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग स्टूडियो शामिल हैं। 2018-2019 के दौरान सतत शिक्षा के कार्यालय ने 312 प्रतिभागियों के साथ 14 क्यूआईपी अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित किए, 419 प्रतिभागियों के साथ 13 TEQIP-III प्रायोजित पाठ्यक्रम; जबकि प्रायोजित और स्व-प्रायोजित लघु अवधि के पाठ्यक्रमों की संख्या 93 थी जिसमें 2412 प्रतिभागी थे। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान 1476 प्रतिभागियों के साथ 26 सम्मेलन / कार्यशालाएं आयोजित की गईं। यूनिट द्वारा आयोजित तीन साल के कार्यकारी ई एमबीए कार्यक्रम के कोलकाता केंद्र में 28 छात्र थे। इस वर्ष के दौरान 9 क्यूआईपी विद्वानों को पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया। TEQIP- III योजना के तहत, 241 संकाय प्रतिभागियों के साथ चार संकाय प्रेरण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, यूजी और पीजी छात्रों को कनाडा से टीईक्यूआईपी-तृतीय, एमएचआरडी के MITACs कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जाता है। GIAN पाठ्यक्रम: सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम। भारत की। 2 सप्ताह या 10 कार्य दिवसों की अवधि के इन पाठ्यक्रमों को प्रति दिन व्याख्यान और ट्यूटोरियल के विवेकपूर्ण मिश्रण के साथ विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रबंधन और कानून के वर्तमान और बहु-विषयक विषयों के आसपास डिजाइन किया गया था। 2018-2019 के दौरान 24 GIAN पाठ्यक्रमों में शिक्षा और उद्योग से कुल 577 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने भाग लिया। GIAN पाठ्यक्रम हमारे छात्रों, शिक्षकों और उद्योग के पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय संकाय से ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं। इसने उन्हें सहयोगी शिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से आला क्षेत्रों में विषयों को अंतःक्रिया करने और सीखने का अवसर भी प्रदान किया। उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रम सामग्री, प्रिंट और वीडियो के माध्यम से दोनों जीआईएन कार्यक्रम के तहत विकसित किए जाते हैं ताकि छात्रों और शिक्षकों के बड़े शरीर द्वारा उपयोग किया जा सके। सूक्ष्म विशेषज्ञता पर एक क्रेडिट पाठ्यक्रम पिछले कुछ वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। 2018-2019 के दौरान 15 माइक्रो क्रेडिट पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे। हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग के फ़ाउंडेशन पर छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स मार्च 2019 में शुरू किया गया है। लाइव, इंटरैक्टिव कक्षा सत्र कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद और खड़गपुर से एक साथ आयोजित किए जाते हैं। लॉरेल्स और डिस्टिंक्शन फैकल्टी को दिया गया पिछले साल, हर दूसरे साल की तरह, संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों को उनकी उत्कृष्टता के लिए मान्यता में कई पुरस्कार और सम्मान, लॉरेल और अंतर प्राप्त हुए। संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया और राष्ट्रीय विज्ञान और अभियांत्रिकी अकादमियों के अध्यक्षता के रूप में चुना गया। छात्रों को विभिन्न छात्रवृत्ति से पुरस्कृत किया गया और उनके उत्कृष्ट योगदान को विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि में स्वीकार किया गया।

फैलोशिप

प्रो. निरुपमा मल्लिक, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग

फैलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (NASI), भारत।



प्रो. आदिपुण्य मित्र, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	फैलो, पश्चिम बंगाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी, पश्चिम बंगाल।
प्रो. डीके प्रतिहार, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	शास्त्री फैलोशिप (इंडो-कैनेडियन) ह्यूमनॉइड रोबोट पर काम करने के लिए।
प्रो. निलमोनी सरकार, रसायन विभाग	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (NASI) 2018 के फैलो।
प्रो. निलॉय गांगुली, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	फैलो ऑफ इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स (INAE)।
प्रो. शमीक सुराल, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	फुलब्राइट नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फैलोशिप (FNAPE)।
प्रो. सुदीप मिश्रा, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स (INAE) द्वारा अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फैलोशिप के फैलो।
प्रो. देवाशीष उपाध्याय, भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग	अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट के साथी।
प्रो. संतनु भौमिक, भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग	इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के फैलो।
प्रो. अयान रॉय चौधरी, सामग्री विज्ञान केंद्र	अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप (पूर्व छात्र कार्यक्रम) 2018 के साथी।
प्रो. सुमन चक्रवर्ती, मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग	सर जेसी बोस राष्ट्रीय फैलोशिप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा।
प्रो. डीके प्रतिहार, मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग	शश्री (इंडो-कैनेडियन रिसर्च फैलोशिप) के फैलो।
डॉ. इंद्राणी सेन, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	नए शोध प्रवास के लिए अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप के साथी।
डॉ. सोमजीत विश्वास, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	नए शोध प्रवास के लिए अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप के साथी।
डॉ. स्वाति मैत्रा, रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारीक अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय।	रिसर्च के लिए टेक्निकल यूनिवर्सिटी, डार्मस्टैड, जर्मनी की यात्रा के लिए द्विपक्षीय एकेडमिक ऑफ बिलीमेंटल एक्सचेंज, जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस, 2019 द्वारा वित्त पोषित।
प्रो. महितोष मंडल, विद्यालय ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली (FNA) के फैलो।
प्रो. अशोक के गुप्ता, विद्यालय ऑफ वॉटर रिसोर्सेज	इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स के फैलो।
प्रो. महितोष मंडल, विद्यालय ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी	सर जेसी बोस फैलोशिप, विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

पुरस्कार

प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग और हमारे निदेशक प्रो	डी एससी से सम्मानिता (यूनिवर्सिटी के उनके 29 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में पश्चिम बंगाल के कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा ऑनोरिस कॉसा)।
प्रो. जे एन रॉय, उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र	INAE अनुभागीय समिति के सदस्यों में से एक और EUPVSEC-2018 की वैज्ञानिक समिति के सदस्य चुने गए।
डॉ. जॉयदीप बनर्जी, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी (CWSS), बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल।
प्रो. रामकृष्ण सेन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	शास्त्री इंडो-कनाडा इंस्टीट्यूट अवार्ड प्राप्त किया।
प्रो. सिरशेंदु डे, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	एनआरडीसी नेशनल सोसाइटी इनोवेशन अवार्ड - 2018, "पीने के पानी के लिए कम लागत वाली आर्सेनिक हटाने फिल्टर" के आविष्कार के लिए



प्रो. इयान ग्रिफिथ्स, प्रो. सरशेंदु डे, डॉ. सौरव मॉडल, डॉ. राका मंडल और श्रीमती केवी कृष्णाश्री, केमिकल अभियांत्रिकी विभाग	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के उप-कुलपति के टीम वर्क के लिए इनोवेटिव आर्सेनिक फिल्टर के मॉडलिंग पर इनोवेशन अवार्ड।
प्रो. एनडी प्रदीप सिंह, रसायन विभाग	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत की सदस्यता के लिए चयनित। रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी बॉम्बे में विशिष्ट विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में चयनित। SERB विशिष्ट अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया।
प्रो. दिबाकर धरा, रसायन विभाग	आईआईटी खड़गपुर के सहयोगात्मक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पर चैलेंज ग्रांट प्राप्त किया। बेंथम पब्लिकेशन ग्रुप द्वारा "बेंथम एंबेसडर" के रूप में नामांकित। इंडियन केमिकल सोसाइटी 2017 के आचार्य पीसी रे मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित।
प्रो. स्वागता दासगुप्ता, रसायन विभाग	इंडियन केमिकल सोसाइटी द्वारा डॉ. बासुदेव बनर्जी मेमोरियल अवार्ड 2017 से सम्मानित।
प्रो. सुरबानी तारा, रसायन विभाग	INSA शिक्षक पुरस्कार 2018 से सम्मानित।
प्रो. बीबी पांडे (दिवंगत), सिविल अभियांत्रिकी विभाग	वर्ष 2018 के लिए आईआरसी लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त किया।
प्रो. सुभाशीष डे, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	जेसी बोस फैलोशिप।
डॉ. राजीब मैती, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	प्राप्त संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार 2018।
डॉ. देवधर्य चक्रवर्ती, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	सिविल अभियांत्रिकी अनुशासन में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) का IEI यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2018-19 प्राप्त किया।
प्रो. भार्गव भट्टाचार्य, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	अभियांत्रिकी उत्कृष्टता के लिए 2018 IEI-IEEE संयुक्त पुरस्कार प्राप्त किया।
प्रो. अरित्रा हाजरा, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	आईआईटी यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2018-19 प्राप्त किया।
प्रो. चंदन चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग	आईआईटी बिमल बोस पुरस्कार प्राप्त किया।
प्रो. जेएन रॉय, ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय	3 अक्टूबर, 2018 को तज बंगाल कोलकाता में "क्लीन एंड रिन्यूएबल एनर्जीज" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो फ्रांसीसी दूतावास द्वारा उनके शैक्षणिक-उद्योग भागीदारी कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।
प्रो. जेएन रॉय, ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय	होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल- कोलकाता में 28 मार्च, 2019 को IEST-Shibpur द्वारा "फोटोवोल्टिक मॉड्यूल विश्वसनीयता पर राष्ट्रीय कार्यशाला" का एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया।
प्रो. जेएन रॉय, ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय	एसएम प्रौद्योगिकियों के साथ परामर्श में संलग्न-कोलकाता।
डॉ. अमित घोष, ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय	इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइन्फॉर्मेटिक्स एंड एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी (आईबीएबी), बंगलुरु में बिल्डिंग भारत-बोस्टन बायोसाइंसेज (बी 4) प्रोग्राम के तहत सिंथेटिक बायोलॉजी वर्कशॉप के लिए आमंत्रित वक्ता, बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) द्वारा वित्त पोषित।
डॉ. अमित घोष, ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय	16-17 नवंबर, 2018 के दौरान एनआईपीआईआर कोलकाता में छोटे अणुओं के उत्पादन के लिए मेटाबोलिक बायोअभियांत्रिकी पर संगोष्ठी में आमंत्रित अध्यक्ष।
प्रो. पी के रे, औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी विभाग	ऑपरेशनल रिसर्च सोसायटी, भारत द्वारा प्राप्त पीसी महालनोबिस पुरस्कार



प्रो. इंद्रनील मन्ना, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग के प्रो	संस्थान अध्यक्ष के रूप में चयनित प्रो
प्रो. मनोज कुमार तिवारी, औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी विभाग	संस्थान अध्यक्ष के रूप में चयनित प्रो
प्रो.एसपी सरमाह, औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी विभाग	आईईओएम इंटरनेशनल द्वारा 7 मार्च, 2018 को मलेशिया में आयोजित 8 वें IEOM सम्मेलन में IE और संचालन प्रबंधन के क्षेत्र में 2018 IEOM के उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार प्राप्त किया।
प्रो. इंद्रनील मन्ना, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग	भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के राष्ट्रीय धातुकर्मवादी पुरस्कार 2018 के लिए चयनित।
डॉ. इंद्राणी सेन, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	वीनस इंटरनेशनल वीमेन से पुरस्कृता
डॉ. चंद्र शेखर तिवारी, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	मेटेनेबल, एमोर्फस और नैनोस्ट्रक्चर मैटेरियल्स (ISMANAM-2019) पर 26 वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में होनहार अनुसंधान योगदान की मान्यता में, अलैन रजा यावरी - इस्मानम जूनियर रिसर्च अवार्ड प्राप्त किया।
प्रो. त्रिलोचन साहू, महासागर अभियांत्रिकी और नौ शिल्प विभाग	उत्कृष्ट समीक्षक: JFS, EABEI
डॉ. गौरी, राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय	यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान, मुंबई, 15 दिसंबर, 2018 को वाईवी चंद्रचूड़ पुरस्कार से सम्मानित।
डॉ. अर्कोपाल के गोस्वामी, रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारिक संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय	ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स कॉन्सेप्ट टू एक्सेप्टेंस (TIPCE) पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में स्पिंगर बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड, आनंद, एसा, और कविता के साथ के, पेपर के लिए "रोडवे क्रैड्स में प्रीडिक्टिंग ट्रेड्स और डेवलपिंग कंट्रीज में क्लेश फ्रिक्वेंसी का पूर्वानुमान" शीर्षक: ए केस ऑफ मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे ", आईआईटी रुड़की, जनवरी 2019।
डॉ. भरत एच एथल, रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारिक संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय	बेस्ट पेपर का पुरस्कार प्राप्त किया, जामिया मिलिया इस्लामिया में मार्च 2019 को "भूमि सतह के तापमान पर कोयम्बटूर: शहरी भूमि के उपयोग को प्रभावित करने वाले स्थानिक-लौकिक प्रभावों" शीर्षक वाले निमिश गुप्ता और सुदीप बान्ड के साथ स्मार्ट शहरों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
प्रो. महितोष मंडल, आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	प्रो. एसएस कटियार बंदोबस्ती व्याख्यान - भारतीय विज्ञान कांग्रेस।
प्रो.वीएनए नाइकन, सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय	एल्सेवियर प्रकाशक (2018) द्वारा समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान के प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।
प्रो. आरएन राय, सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय	2019 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ विश्वसनीयता अभियांत्रिकी एंड सिस्टम सेफ्टी (RESS), एल्सेवियर द्वारा समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।
प्रो.सुस्मिता मुखोपाध्याय, विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय	विश्व मानव संसाधन विकास कांग्रेस, मुंबई-सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर पुरस्कार (मानव संसाधन प्रबंधन) (2019)।
प्रो. सुभाषिष त्रिपाठी, भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग	सामंत चंद्र शेखर पुरस्कार ओडिशा बिग्यान अकादमी 2019।
डॉ. पुनीत कुमार पात्रा, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	2019 के लिए युवा वैज्ञानिकों के लिए INSA पदक से सम्मानित किया।
प्रो. साईबाल गुप्ता, भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग	2019 के लिए INSA शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित।
प्रो. देवव्रत प्रधान, सामग्री विज्ञान केंद्र	एमआरएसआई पदक 2019

संपादकीय बोर्डों और व्यावसायिक निकायों की सदस्यता

प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, रसायन विभाग	संपादकीय बोर्ड के वैज्ञानिक रिपोर्ट के सदस्य।
प्रो. स्वागता दासगुप्ता, रसायन विभाग	पत्रिका ACS ओमेगा के एसोसिएट एडिटर नियुक्त।
	ACS संपादकों की पसंद में सुविधा के लिए चयनित।



प्रो. इसके चतुर्वेदी, सुबीर चौधरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय	सदस्य के रूप में नामांकित, गगन्यान, ISRO (2019) के लिए प्रमाणन तंत्र को परिभाषित करने के लिए विशेषज्ञ राष्ट्रीय समिति।
डॉ. ए अयप्पन, रसायन विभाग	2019 में द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया के सदस्य के रूप में चुने गए।
डॉ. ए राजकुमार, रसायन विज्ञान विभाग	2019 में द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया के सदस्य के रूप में चुने गए।
डॉ. एस के श्रीवास्तव, भौतिकी विभाग	2019 में द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया के सदस्य के रूप में चुने गए।
प्रो. सुमन चक्रवर्ती, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	भौतिक पोर्टफोलियो पत्रिकाओं में उनके उच्च उद्धृत लेखकों के शीर्ष 10% में होने के लिए रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री द्वारा निर्देशित।
डॉ. चंद्र शेखर तिवारी, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी	वर्ष 2019 के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (IIM) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैटेरियल्स इंटरनेशनल (ASM International) द्वारा संयुक्त रूप से "ASM-IIM विजिटिंग लेक्चर" के लिए चयन किया गया।
सिद्धार्थ दास, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग के प्रो	"नेक्स्ट जनरेशन एनर्जी स्टोरेज डिवाइसेस: ए मेटालर्जिस्ट के नजरिए" विषय पर प्रतिष्ठित एके सील मेमोरियल व्याख्यान देने के लिए भारतीय धातु संस्थान द्वारा चयनित।

छात्रों द्वारा उपलब्धियां

ख्याति

डैश एसएम, चावड़ा एस, लुआ केबी, वांतांरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग	मेकैनिकल अभियांत्रिकी -2018, शिलांग, मेघालय, भारत में हाल के नवाचारों और विकास पर सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में द्रव यांत्रिकी सत्र में निम्नलिखित पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।
मनोजित रे, राजेन्द्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमिता विद्यालय	द राइज वर्ल्डवाइड, DAAD, जर्मनी द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए प्रतिष्ठित RISE वर्ल्डवाइड रिसर्च होस्ट का आयोजन किया गया। चयन वैश्विक विश्वविद्यालयों और विकसित देशों के शीर्ष विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में स्थित अधिकांश पुरस्कार विजेताओं पर आधारित है। एक जर्मन विद्वान जल्द ही Cryptocurrency Anchored Distributed Energy Transaction Platform पर शोध के लिए मनोजित से जुड़ने जा रहा है।
सुश्री आकांक्षा जायसवाल, राजेन्द्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमिता विद्यालय	2019 की गर्मियों में SFU-आईआईटी भारत की पहल में भाग लेने के लिए कनाडा में मिताक्स ग्लोबलिंग रिसर्च अवार्ड - कनाडा में बीडीविद्यालय ऑफ बिजनेस, साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी, से तीन महीने की इंर्नशिप की पेशकश की।
सौरभ अरोड़ा और संगीता साहनी, विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय	11 जुलाई से 13 जुलाई 2018 तक ब्रिटेन के सरे विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले खुदरा अनुसंधान 2018 में यूरोपीय अनुसंधान पर बोलचाल में, " उपभोक्ताओं की जांच करने के लिए " पुश-पुल-मूरिंग फ्रेमवर्क लागू करना " शीर्षक: पुश-पुल-मूरिंग फ्रेमवर्क लागू करना।
सदृता देब और अभिजीत चंद्रा, विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय	जून 2019 में स्कॉटलैंड के डंडी विश्वविद्यालय में "वित्तीय बाजारों में गुणात्मक अनुसंधान (QRFM) सम्मेलन" में "भारत में कॉर्पोरेट प्रशासन तंत्र: हाल के विकास का विषयगत विश्लेषण" नामक पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार। £ 100 का पुरस्कार।
श्री अरिजीत मित्रा, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	कोलकाता में 15-16 नवंबर, 2018 के दौरान आयोजित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स की 72 वीं वार्षिक तकनीकी बैठक में "एडवांस इन मटेरियल साइंस" प्रभाग में पोस्टर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार के लिए चुना गया। उनकी प्रस्तुति का शीर्षक था, "इलेक्ट्रोडेपोसित पीबी-फ्री एसएन-सीएल सोल्डर फिल्मों की विद्युत प्रतिरोधकता पर माइक्रोस्ट्रक्चर और बलक मैक्रो-टेक्सचर का प्रभाव"।
श्री सुदीपा पात्रा, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	कोलकाता में 15-16 नवंबर, 2018 के दौरान आयोजित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स की 72 वीं वार्षिक तकनीकी बैठक में "उत्पाद" प्रभाग में मौखिक प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार के लिए चुना गया। उनकी प्रस्तुति का शीर्षक था, "रक्षा अनुप्रयोग के लिए उच्च शक्ति उच्च क्रूरता मिश्र धातु इस्पात का विकास"।
सुश्री अन्वेषा बसु, भौतिकी विभाग	5 नवंबर से 9 नवंबर, 2018 तक फ्रांस के गिफ-सुर-यवेटे में आयोजित "न्यूक्लियर में प्रयोगों से सिद्धांत तक सिद्धांत" (SSNET'18) एक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रयोगात्मक पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
सुश्री श्रेया मुखर्जी, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	कोलकाता में 15-16 नवंबर, 2018 के दौरान आयोजित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स की 72 वीं वार्षिक तकनीकी बैठक में एसईएम / एसपीएम डिवीजन की श्रेणी के तहत मेटलोग्राफी प्रतियोगिता में तीसरे पुरस्कार के लिए चुना गया। उसके माइक्रोग्राफ-पोस्टर का कैप्शन था, "इन-सीटू तन्यता विरूपण"।



श्री देवव्रत गांगुली, रबर प्रौद्योगिकी केंद्र	कोलकाता में द ललित ग्रेट ईस्टर्न होटल (27-28 नवंबर 2018) में आयोजित राष्ट्रीय रबर सम्मेलन 2018 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कारों में से एक प्राप्त हुआ है। सम्मेलन अखिल भारतीय रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, पूर्वी क्षेत्र की ओर से आयोजित किया गया था। पोस्टर का शीर्षक "स्मार्ट Stimuli- उत्तरदायी सीमेंट-रबर कंपोजिट" था। उनके पर्यवेक्षक प्रो. संतनु चट्टोपाध्याय, रबर प्रौद्योगिकी केंद्र हैं।
श्री अमर्त्य पाणि, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	विज्ञान मंच, 2018 के लिए " प्रारंभिक और अधिक, कम खो: कृषि अनुसंधान के माध्यम से एसडीजी के बीच तालमेल को पकड़ना" के लिए एक प्रारंभिक वाहक वैज्ञानिक (ईसीएस) के रूप में चुना गया। इस कार्यक्रम का आयोजन FAO-CGIAR'S इंडिपेंडेंट साइंस एंड पार्टनरशिप काउंसिल (ISPC) द्वारा किया गया और दक्षिण अफ्रीका के स्टेनलबॉश में 10-12 अक्टूबर 2018 के दौरान दक्षिण अफ्रीकी कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सह-होस्ट किया गया। वह फोरम में भाग लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र के टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूएसए और फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) द्वारा दी गई फंडिंग के भी प्राप्तकर्ता थे। इसके अलावा, उन्हें एफएओ से 152 अमरीकी डालर की पुरस्कार राशि मिली। उनके पर्यवेक्षक एचएसएस के प्रो. पुलक मिश्रा हैं।
शुश्री रेड्डी महले, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	पेपर फॉर बेस्ट यंग रिसर्चर्स प्रेजेंटेशन (वाईआरपी) अवार्ड प्राप्त किया, जिसका शीर्षक है "जैव-ऊर्जा उत्पादन के लिए सीडीएस नैनोपार्टिकल संश्लेषण पर माइक्रोबियल कंसोर्टिया का प्रभाव" ऊर्जा और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी (ईईबी) की श्रेणी में जीवविज्ञान अनुसंधान और नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में निरंतरता के लिए। विकास (BioSD-2018), सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, इंडिया (BRSI) और आईबीए-इंटरनेशनल फोरम फॉर इंडस्ट्रियल बायोप्रोसेस (IBA-IFIBB) के साथ, 22 नवंबर से फ्रेंच -25, 2018 उनके पर्यवेक्षक प्रोफेसर रिटू बनर्जी, AgFE के विभाग हैं।
शुश्री आकांक्षा रस्तोगी, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ युवा शोधकर्ता प्रस्तुति (YRP) पुरस्कार प्राप्त किया गया, जिसका नाम है "सिलिको माइक्रोबियल सेलुलोज संश्लेषण में: मौजूदा वैश्विक चमत्कार" खाद्य, कृषि और चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी (FAMB) की श्रेणी में सतत विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (BioSD-2018), सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, इंडिया (BRSI) और आईबीए-इंटरनेशनल फोरम फॉर इंडस्ट्रियल बायोप्रोसेस (IBA-IFIBiop, Franch) के साथ 22 नवंबर से- 25, 2018 उनके पर्यवेक्षक प्रोफेसर रिटू बनर्जी, AgFE के विभाग हैं।
श्री अयोन कर्मकार, रसायन विभाग	6-8 दिसंबर, 2018 के दौरान जयपुर में सामग्रियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एनर्जी एप्लीकेशन (ICME-2018) में दूसरा सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी प्रस्तुति का शीर्षक था, "सुपरकैपेसिटर के लिए सुपीरियर पॉजिटिव इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में हाइड्रेटेड निकेल कोबाल्ट मोलिब्डेट नैनोरोड्स"। उसकी पीएचडी के पर्यवेक्षक प्रो एसके श्रीवास्तव हैं।
श्री उत्सव घोष, रसायन विभाग	एनआईटी दुर्गापुर (17-19 दिसंबर, 2018) में आयोजित आरडीसी -2018 सम्मेलन (रसायन विज्ञान में हालिया विकास) में सर्वश्रेष्ठ तीन मौखिक प्रस्तुतियों में से एक को सम्मानित किया गया।
श्रीमती लक्ष्मी ई जयचंद्रन, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	बर्लिन जर्मनी में 6-11, अक्टूबर, 2018 के दौरान आयोजित 12 वीं अंतर्राष्ट्रीय कामकाजी सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ उत्पाद प्रस्तुति पुरस्कार (प्रथम और सर्वश्रेष्ठ) प्राप्त हुआ।
श्री श्याम कुमार सिंह, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	पोस्टर के लिए "प्रोसेस अभियांत्रिकी एंड ऑप्टिमाइजेशन" श्रेणी में तीसरा पुरस्कार "सोलर पाश्चराइजेशन ऑफ़ मिल्क" दिया गया। शीर्षक: फार्म से टेबल तक डेयरी प्रोसेस अभियांत्रिकी पर 11 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और संगोष्ठी। द्वारा आयोजित: इंडियन डेयरी इंजीनियर्स एसोसिएशन (IDEA) स्थल: लेह गंगा कन्वेंशन सेंटर इंदौर (मध्य प्रदेश) दिनांक: 21-22 अक्टूबर 2018।
श्री राजदीप मोंडल, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	14 नवंबर, 2018 को कोलकाता में आयोजित 56 वें राष्ट्रीय धातुकर्मवाद दिवस समारोह के दौरान 2018 में सर्वश्रेष्ठ M.Tech थीसिस के लिए एके बोस मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री राजदीप मोंडल ने मई, 2018 में प्रो. एसबी सिंह के मार्गदर्शन में एमटेक की थीसिस पूरी की और 64 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह 2018 में अपनी डिग्री प्राप्त की।
श्री प्रताप पाल, भौतिकी विभाग	दो सम्मेलनों में निम्नलिखित सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किए, जिन्हें उन्होंने दिसंबर, 2018 के महीने में भाग लिया। (1) बेसिक साइंसेज के लिए SNBose नेशनल सेंटर द्वारा आयोजित कॉम्प्लेक्स एंड फंक्शनल मटीरियल (ICCFM 2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार। इलेक्ट्रॉनिक संरचना पर राष्ट्रीय सम्मेलन में (2) CVRaman पुरस्कार (प्रयोग में नवाचार) (2018 नहीं) सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित किया गया। इस पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र, 50 ग्राम सोना मढ़वाया रजत पदक और एक स्मृति चिन्ह शामिल है।
श्री सुजीत शर्मा, रबर प्रौद्योगिकी केंद्र	14-15 दिसंबर, 2018 को ललित महान, मुंबई में आयोजित फ्यूचर जनरेशन के लिए रबर सामग्री, प्रौद्योगिकी, परीक्षण और विश्लेषण में उभरते रुझान पर आईआरएमआरए के 23 वें रबर सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं में सर्वश्रेष्ठ



	पेपर पुरस्कार प्राप्त किया। पोस्टर का शीर्षक था "रबर प्रोफाइल के लिए एक्सट्रूजन डेज का अनुकरण" उनका पर्यवेक्षक डॉ. संतनु चट्टोपाध्याय, रबर टेक्नोलॉजी सेंटर है।
श्री सुकांता चक्रवर्ती, रसायन विभाग	हाल ही में आयोजित इलेक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस पर बेस्ट पेपर अवार्ड (द्वितीय पुरस्कार) 8-10 जनवरी, 2019 के दौरान होटल ट्राइडेंट, चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित किया गया। उनके पर्यवेक्षक रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सीआर राज हैं।
श्री लखिंदर मरांडी, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग	05-02-2019 को NML, जमशेदपुर में आयोजित "इंडो-जर्मन बाइलेटरल वर्कशॉप ऑन मेटल्स ऑफ एडिटिव मैनुफैक्चरिंग" में पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित। उनकी पोस्टर प्रस्तुति का विषय "लेजर इंजीनियर नेट शेपिंग (लेंस) प्रसंस्कृत नीटी" का माइक्रोस्ट्रक्चर-प्रॉपर्टी सहसंबंध था। "प्रमाण पत्र इसके साथ संलग्न है। उसकी पीएच।डी। पर्यवेक्षक डॉ. इंद्राणी सेन हैं।
श्री संकल्प अर्पित, ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी विद्यालय	एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, पेरिस के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नेफ्टा या प्राकृतिक गैस के साथ जीटी साइकिल के थर्मोडायनामिक विश्लेषण" के रूप में काम पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के लिए चुना गया। यह काम मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर पीके दास और प्रो. एस्के दास की देखरेख में किया गया है।
श्री मोपीदेवी मणिकांता कुमार, रसायन विभाग	सीएसआईआर-सीएलआरआई, चेन्नई में 7-10 फरवरी, 2019 के दौरान रसायन विज्ञान में सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित। पोस्टर "नाइट्रोजन-डोपेड कार्बन एंबेडेड कोबाल्ट फॉस्फाइड नैनोटेक्चर फॉर ऑक्सिजन इलेक्ट्रोकेटलिसिस" का हकदार है। उनके पर्यवेक्षक प्रो. सी। रिटना राज, रसायन विज्ञान विभाग हैं।
सुश्री राम्या वीरुबोत्ला, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	13-15 फरवरी, 2019 को इटली के मिलान में आयोजित स्वच्छ और हरित ऊर्जा (ICCGE 2019) के 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। उनके पर्यवेक्षक प्रो. देवव्रत दास, जैव प्रौद्योगिकी विभाग हैं।
श्री विकास शर्मा, भौतिकी विभाग	जनवरी 28-30, 2019 से आयोजित "नैनो-साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी (ICONN-2019) के 5 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया और एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा शिज़ूका यूनिवर्सिटी-जापान, एनसीटीयू-ताइवान के सहयोग से आयोजित किया गया। जीएनएस-न्यूजीलैंड, एसीसीएमएस, सीएसआईआर- एनपीएल-इंडिया और आईईटी। पेपर का शीर्षक: Cu ₂ O के पोरस नैनोस्फियर ने रेडॉक्स एडिटिव संशोधित इलेक्ट्रोलाइट्स द्वारा समर्थित किया जो तापमान विंडो 25 से 65 oC में उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर प्राप्त करता है। लेखक: श्री विकास शर्मा और प्रो. अमरेश चंद्रा। उनके पर्यवेक्षक भौतिकी विभाग के प्रोफेसर अमरेश चंद्र हैं।
सुश्री स्निग्धा मैती, जैवविज्ञान विद्यालय	राष्ट्रीय चुंबकीय अनुनाद सोसाइटी (NMRS) सिल्वर जुबली सम्मेलन AIIMS नई दिल्ली, फरवरी, फरवरी, को "NMR स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा समाधान NMR स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा आंतरिक रूप से विकारग्रस्त क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जैविक कार्यों के साथ संरचनात्मक रूप से कठोर खंडों की पहचान" नामक कार्य पर सर्वश्रेष्ठ छात्र पोस्टर पुरस्कार जीता। 13 से 16 2019।
डॉ. सुभ्रजीत मुखर्जी, भौतिकी विभाग	रिसर्च एसोसिएट को 12-15 दिसंबर, 2018 के दौरान आईआईटी दिल्ली में आयोजित फाइबर ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स (फोटोनिक्स-2018) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार मिला है। यह उनके Ph.D. का एक हिस्सा है। डी। का काम एटीडीसी में प्रोफेसर समित कुमार रे, भौतिकी विभाग और प्रोफेसर सौमेन दास, विद्यालय ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त पर्यवेक्षण में किया जाता है।
श्री मृण्मय मोंडल, रसायन अभियांत्रिकी विभाग	सीएसआईआर-सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, भावनगर, गुजरात, भारत द्वारा प्रायोजित इंडो-जर्मन साइंस द्वारा 18-20 फरवरी, 2019 के दौरान मेम्ब्रेन फॉर वॉटर एंड एनर्जी पर इंडो-जर्मन संयुक्त वैज्ञानिक कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। और प्रौद्योगिकी केंद्र। उनके पर्यवेक्षक केमिकल अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर सरशेंदु डे थे।
श्री सुमंत कुमार करण, सामग्री विज्ञान केंद्र	13-16 मार्च, 2019 को नैनो और लिंक के लिए केंद्र में आयोजित "बेसिक साइंस से रियल टाइम एप्लिकेशन के लिए सामग्री में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" (F2DM-2019) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए INR 2000 का एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सामग्री विज्ञान (CNMS), जैन विश्वविद्यालय, रामानाग्रा, बेंगलोर ग्रामीण, भारता। उनकी ओरल प्रेजेंटेशन का शीर्षक "बायो-वेस्ट मटीरियल्स आधारित पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर फॉर ग्रीन एनर्जी हार्वेस्टिंग एप्लीकेशन" था। उनके पर्यवेक्षक, सामग्री विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर भानु भूषण खटुआ हैं।
श्री रक्तिम भट्टाचार्य कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	आईआईटी गुवाहाटी में 14-16 फरवरी, 2019 के दौरान प्लांट्स एंड एग्रोबायोटेक्नोलॉजी 2019 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बेस्ट इंटेरेक्टर पोस्टर अवार्ड" से सम्मानित। उनके पर्यवेक्षक प्रोफेसर आदिपुण्य मित्र, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग हैं।
श्री अर्नब आचार्य और श्री हरिहरन के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	एप्लाइड पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मेलन और प्रदर्शनी (APEC) 2019 में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया जो इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग की शीर्ष दस सम्मेलन सूची में है। श्री आचार्य के पर्यवेक्षक प्रोफेसर संतानु कपाट,



	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग और श्री हरिहरन के पर्यवेक्षक प्रोफेसर संतनु कपाट और प्रोफेसर सिद्धार्थ मुखोपाध्याय, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग हैं।
सुश्री मनीषा कहार इलेक्ट्रॉनिक्स और वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी विभाग	16 दिसंबर के दौरान आयोजित एटैना एंड प्रोपेगेशन (InCAP 2018) हैदराबाद में 2018 IEEE इंडियन कॉन्फ्रेंस में 2018 में IEEE इंडियन कॉन्फ्रेंस में "एक कॉम्पैक्ट सर्कुलर पोलराइज्ड एन्टुलर रिंग एंटीना विथ वाइड इफेक्टिव बैंडविड्थ" शीर्षक के लिए "डॉ. एनएनएसएसआरके प्रसाद अवाई फॉर बेस्ट फीमेल स्टूडेंट पेपर" से सम्मानित किया गया। 19, 2018। उनके पर्यवेक्षक प्रोफेसर मृणाल कांति मंडल हैं, जो E & ECE के विभाग हैं।
सुश्री मानिकुंतला मुखोपाध्याय	"थैलेसीमिया वाहकों के तेजी से पता लगाने के लिए रक्त और प्लाज्मा बूंदों की छवि विश्लेषण सुखाने पैटर्न" पर उनके काम के लिए गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार (GYTI) पुरस्कार / प्रशंसा 2019 प्राप्त किया। उनके पर्यवेक्षक केमिकल अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. सुनंदो दासगुप्ता हैं।
सुश्री एलोरा पाधी, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	पोलैंड में आयोजित XXXVII इंटरनेशनलविद्यालय ऑफ हाइड्रोलिक्स में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार जीता (21-24 मई 2019)। पुरस्कार प्रमाण पत्र संलग्न है। उनके पर्यवेक्षक प्रो. सुभाषिण डे हैं और संयुक्त पर्यवेक्षक प्रोफेसर वैकैया आरा देसाई, सिविल अभियांत्रिकी विभाग हैं।
सुश्री सुमिता साहू, रसायनिक अभियांत्रिकी विभाग	अगस्त 2019 में फ्रांस के ग्रेनोबल में आयोजित होने वाले "यूरोपियनविद्यालय ऑन नैनो साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी" के लिए चयनित। उसे यूरो 2400 की धुन के पूर्ण शुल्क माफी की भी पेशकश की गई है, जो सीईएफआईपीआरए द्वारा वहन किया जाएगा। उनके पर्यवेक्षक केमिकल अभियांत्रिकी के प्रोफेसर रबीब्रता मुखर्जी हैं।
श्री इमोन कल्याण नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	26 मई को फ्रांस के नीस में ईएमआरआर 2019 पर असॉल्ट (0) और उसके उत्प्रेरक अनुप्रयोग के माध्यम से "सॉफ्ट-टेम्पलेट की मध्यस्थता वाली चांदी नैनोकणों के गठन के साथ संगोष्ठी पी" शीर्षक पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (नं 29.25) के लिए पुरस्कार जीता। -31, 2019 और एक प्रमाण पत्र और 270 € का योगदान प्राप्त करेगा। उनके पर्यवेक्षक प्रो अंजलि पाल (सिविल अभियांत्रिकी विभाग) और प्रो. ताराशंकर पाल (रसायन विज्ञान विभाग) हैं।
डॉ. नरेंद्र सिंह चंदेल, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	पूर्व अनुसंधान विद्वान डॉ. नरेंद्र सिंह चंदेल (रोल नंबर 09AG9701) को निम्नलिखित दो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं: (1) कृषि और संबद्ध विज्ञान 2018 में पीजी उत्कृष्ट डॉक्टरेट थीसिस अनुसंधान के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार - कृषि अभियांत्रिकी। (2) फार्म इम्प्लीमेंट्स -2018 पर नवाचार और अनुसंधान के लिए NASI-ICAR अवार्ड। उनके पर्यवेक्षक कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के वीरेंद्र कुमार तिवारी थे।
सुश्री गायत्री मिश्रा, सुश्री रंजना रानी, सुश्री शुभांगी गोस्वामी, श्री सीजी दलभगत, सुश्री जयश्री मजूमदार, सुश्री अंजलि ठाकुर और सुश्री पूजा पांडे, कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	सुश्री गायत्री मिश्रा (14AG92R04), सुश्री रंजना रानी (13AG32005) और सुश्री शुभांगी गोस्वामी (16HS91R01) को गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार 2019 से सम्मानित किया गया है। खाद्य रसायन और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में किए गए अनुसंधान परियोजना का नाम कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर हरि निवास मिश्रा के तहत "खाद्यान्नों में संक्रमण का पता लगाने के लिए सेंसर" था। श्री सीजी दलभगत (15AG92P05), सुश्री जयश्री मजूमदार (16AG92P05) को गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार प्रशंसा पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है। खाद्य रसायन और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में किए गए अनुसंधान परियोजना का नाम कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर हरि निवास मिश्रा के तहत "फोर्टीफाइड चावल निर्माण प्रौद्योगिकी" था। सुश्री अंजलि ठाकुर (18AG90J02) और सुश्री पूजा पांडे (17AG91P01) को गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार प्रशंसा पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है। खाद्य रसायन और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में किए गए अनुसंधान परियोजना का नाम कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर हरि निवास मिश्रा के तहत "कार्बोनेटेड अनाज पेय पदार्थ प्रीमिक्स निर्माण प्रौद्योगिकी" था।
श्री संकेत करमाकर और श्री देबाशीष रॉय, रसायनिक अभियांत्रिकी विभाग श्री विशु सिडाना, श्री कपगेट नितिन चोपराम,	लगातार साल में "डीएसटी-लॉकहीड मार्टिन-टाटा ट्रस्ट्स IIGP 2.0 - यूनिवर्सिटी चैलेंज 2019 अवार्ड" जीता (प्राइज मनी 10 लाख)। उनके पर्यवेक्षक केमिकल अभियांत्रिकी के प्रो. सरशेंदु डे हैं।
श्रीमती बिजयलक्ष्मी दास, सुश्री प्रांजली खांडेकर, श्री करले विक्रान्त अनिलराव, श्री साईकत साहू, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत संचार विभाग	टीम ने "रियल टाइम ग्लेयर एंड शैडो रिमूवल अल्ट्रावियॉलैट फॉर इमेज एंड वीडियो एन्हांसमेंट" के अपने नवाचार के लिए "डीएसटी-लॉकहीड मार्टिन-टाटा ट्रस्ट्स आईआईजीपी 2.0 - यूनिवर्सिटी चैलेंज 2019" जीता है। इंडिया इनोवेशन ग्रोथ प्रोग्राम (IIGP) 2.0 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार, लॉकहीड मार्टिन और टाटा ट्रस्ट्स की एक अद्वितीय त्रिपक्षीय पहल है। उसी के लिए पुरस्कार समारोह 17 जुलाई 2019 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था और इसमें सरकार, आईआईजीपी भागीदारों और भारतीय स्टार्ट-अप और इनोवेशन इकोसिस्टम के सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया था। विचार पर कार्य श्री विशु सिदाना (14EC35024) द्वारा शुरू किया गया था। टीम का प्रतिनिधित्व श्री कपगेट नितिन चोपराम (18EC65R04) ने 28 जून, 2019 के दौरान आईआईटी बॉम्बे में आयोजित स्क्रीनिंग और डाउन-सलेक्ट इवेंट में किया था। IIGP 2.0 विश्वविद्यालय चैलेंज 2019 के विजेताओं में से एक के रूप में, टीम को एक अवधारणा / प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए INR 10 लाख तक प्रदान किया जाएगा, एक डिजाइन थिंकिंग कार्यशाला



में भाग लेने के अक्सर, मासिक और त्रैमासिक समीक्षाओं के माध्यम से समय-समय पर प्रतिक्रिया। उनके पर्यवेक्षक प्रोफेसर सुदीप्ता मुखोपाध्याय हैं, जो E & ECE के विभाग हैं।

2018-19 सत्र में छात्रों द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति की सूची

क्रम सं।	पुरस्कृत संस्था / संस्थान बंदोबस्ती छात्रवृत्ति	31	श्यामल घोष और सुनंदा घोष एंडोमेंट स्कॉलरशिप
1	ABS छात्रवृत्ति	32	सुषमा मुखिजा मेमोरियल स्कॉलरशिप
2	अमेरिकी व्यापार सूची मानविकी छात्रवृत्ति	33	स्वपन गुप्ता मेमोरियल स्कॉलरशिप
3	अर्जुन दास दत्त मेमोरियल मैकम एंडोमेंट छात्रवृत्ति	34	प्रौद्योगिकी पूर्व छात्र संघ (कलकत्ता अध्याय) छात्रवृत्ति
4	बीपी पोद्दार छात्रवृत्ति	35	प्रौद्योगिकी पूर्व छात्र संघ (खड़गपुर अध्याय) छात्रवृत्ति
5	'85 छात्रवृत्ति (2 वर्ष) का बैच	36	विनोद गुप्ता लीडरशिप स्कॉलरशिप
6	'85 छात्रवृत्ति (3 वर्ष) का बैच	37	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा पुरस्कृत प्रेरणा छात्रवृत्ति। 5-यर के छात्रों को भारत की नई दिल्ली। एकीकृत एम। एससी। पाठ्यक्रम (केवल विज्ञान स्ट्रीम)
7	देवी महामाया मल्लिक स्मारक छात्रवृत्ति	38	राजर्षि शाहू महाराज मेरिट छात्रवृत्ति, समाज कल्याण निदेशक, महाराष्ट्र राष्ट्र, पुणे
8	डॉ. अरुणाभ चटर्जी मेमोरियल स्कॉलरशिप	39	सेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सम्मानित किया जा रहा सेल स्कॉलरशिप विशाखापट्टनम स्टील प्लांट के माध्यम से
9	डॉ. जेसी घोष मेमोरियल स्कॉलरशिप	40	आदित्य बिड़ला स्कॉलरशिप, आदित्य बिड़ला ग्रुप, आदित्य बिड़ला प्रबंधन निगम, मुंबई
10	गोरा लाल सिंघल मेमोरियल स्कॉलरशिप	41	एयरो स्पेस अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए बीओईईईई छात्रवृत्ति बोइंग कंपनी, यू। सा। द्वारा जारी अनुसंधान परियोजना "बोइंग यूनिवर्सिटी रिलेशंस" (बर) प्रायोजित विभाग
11	गौर चन्द्र साहा मेमोरियल स्कॉलरशिप	42	राष्ट्रीय विकलांग वित्त और विकास निगम, (NHFDC), फरीदाबाद द्वारा अलग-अलग विकलांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (स्कीम फंड) के तहत छात्रवृत्ति
12	गुरु कृपा एजुकेशनल लोन स्कॉलरशिप	43	KVPY छात्रवृत्ति, IISC , बैंगलोर
13	हेम चंद्र राउत छात्रवृत्ति	44	BPL बिल्ली के लिए FAEA छात्रवृत्ति। एससी / एसटी छात्रों को फाउंडेशन द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता और पहुंच, नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया जा रहा है
14	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (HPCL) स्टार्ट-अप छात्रवृत्ति	45	एस / एसटी छात्रों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति , ए पी में विभिन्न जिला कल्याण अधिकारियों के माध्यम से राज्य, सरकार आंध्र प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया
15	भारतीय महिला संघ, बॉन छात्रवृत्ति	46	तकनीकी शिक्षा निदेशालय, छत्तीसगढ़
16	संस्थान मैकम छात्रवृत्ति	47	एस टी स्कॉलरशिप सिंगापुर टेक्नोलॉजीज इंजी द्वारा प्रदान की जाती है। लिमिटेड, कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी और महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प के छात्रों के लिए।
17	केके अग्रवाल मेमोरियल स्कॉलरशिप	48	NTPC छात्रवृत्ति
18	कुमुद मोनोरोमा छात्रवृत्ति	49	ONGC छात्रवृत्ति
19	एम के सिरकार मेमोरियल स्कॉलरशिप	50	ईल स्कॉलरशिप, इंजीनियर्स इंडिया लि, हर्ड , नई दिल्ली
20	मदन सुंदर साहू मेमोरियल छात्रवृत्ति		
21	एमबी छात्रवृत्ति		
22	इस्पात छात्रवृत्ति मंत्रालय		
23	मृणाल चंद्र बसु मेमोरियल स्कॉलरशिप		
24	श्रीमती मिनोती बागची स्कॉलरशिप		
25	पार्थ रॉय चौधरी मेमोरियल स्कॉलरशिप		
26	प्रोवा बसु मेमोरियल स्कॉलरशिप		
27	पुरी मेमोरियल स्कॉलरशिप		
28	राजेंद्रनाथ दास मेमोरियल अवार्ड		
29	राजेश्वरी साहू मेमोरियल छात्रवृत्ति		
30	रितेश रंजन मेमोरियल स्कॉलरशिप		



51	स्टील छात्रवृत्ति	57	अर और डीबी के माध्यम से छात्रा के लिए डीआरडीओ छात्रवृत्ति
52	पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, बिहार	58	स्वामी विवेकानन्द एमसीएम छात्रवृत्ति
53	सेंट के लिए सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप	59	डॉ. बीआर अम्बेडकर मेरिट छात्रवृत्ति
54	मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना	60	सैमसंग स्टार छात्रवृत्ति
55	AICTE जम्मू और कश्मीर छात्रवृत्ति	61	ईशान उदय छात्रवृत्ति
56	SCICSR छात्रवृत्ति (नौवहन छात्र के लिए भारत का शिपिंग कॉर्पोरेशन)		

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय, आईआईटी खड़गपुर एशिया के सबसे बड़े तकनीकी पुस्तकालयों में से एक है। यह पूरी तरह से स्वचालित और वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसका उद्देश्य 12,000 से अधिक छात्रों और संस्थान के 1600 कर्मचारियों की सेवा करना है। लाइब्रेरी में समृद्ध सामग्री के साथ अपनी डायनामिक वेबसाइट (<http://www.library.आईआईटीkgp.ac.in>) है। सेंट्रल लाइब्रेरी में लगभग 8000 वर्ग मीटर के कालीन क्षेत्र के साथ आंतरिक रूप से जुड़े दो बल्ब (मुख्य और एनेक्स) हैं। सेंट्रल लाइब्रेरी में पुस्तकों और बाउंड वॉल्यूम पत्रिकाओं से जुड़े लगभग 4.2 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं। जहां तक ई-संसाधनों का संबंध है, ई-संसाधनों का विशाल संग्रह है जिसमें पूर्ण पाठ ई-पत्रिकाएं, ई-पुस्तकें, ऑनलाइन डेटाबेस (पूर्ण पाठ और ग्रंथ सूची) आदि शामिल हैं, जहां तक सुविधाओं का संबंध है, केंद्रीय पुस्तकालय में है। उपयोगकर्ताओं के लिए 1500 बैठने की क्षमता वाले दस वातानुकूलित रीडिंग हॉल। इसके अलावा, केंद्रीय पुस्तकालय आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित पुस्तकालय है।

सेंट्रल लाइब्रेरी ने एक इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी (IDR) विकसित किया है, जो ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर अर्थात D स्पेस का उपयोग करता है। आईआईटी खड़गपुर अनुसंधान समुदाय के भीतर अनुसंधान आउटपुट (पीएच.डी. शोध, तकनीकी रिपोर्ट, संकाय प्रकाशन, आदि) के डिजिटल प्रारूप में आईआईटी एकर, संरक्षित और प्रसारित करता है। यह संस्थान समुदाय को अपने पूर्व-प्रिंट, पोस्ट प्रिंट और अन्य विद्वानों के प्रकाशनों को वेब इंटरफेस का उपयोग करके (आसान पुनर्प्राप्ति के लिए) इन प्रकाशनों को जमा करने में सक्षम बनाता है। हम अपने IDR में अपलोड किए गए पूर्ण पाठ और सार दोनों स्तर पर 4010 पीएचडी थीसिस कर रहे हैं जो दिन-प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। संस्थान के शोध विद्वान भी नियमित रूप से आईआईटीआर का उपयोग कर रहे हैं। लाइब्रेरी को अन्य विश्वविद्यालयों से भी पीएचडी थीसिस की पूर्ण पाठ सामग्री तक पहुंच प्रदान करने के लिए कई अनुरोध मिलते हैं। IDR का वर्तमान URL <http://www.idr.आईआईटीkgp.ac.in/xmlui/> है। वेब स्केल डिस्कवरी सेवा: इसे हमारी लाइब्रेरी में पेश किया जा रहा है, जहां उपयोगकर्ता ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर VUFind का उपयोग करके पूर्ण पाठ सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को ब्राउज और ब्राउज कर सकते हैं, जो ProQuest से Summon Solution के साथ एकीकृत है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने NMEICT मिशन के तहत, आईआईटी खड़गपुर को राष्ट्रीय संपत्ति के निर्माण के लिए राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (NDL) की मेजबानी, समन्वय और स्थापना करने का काम सौंपा है। परियोजना का उद्देश्य राष्ट्र के शैक्षणिक संस्थानों में सभी मौजूदा डिजिटलीकृत और डिजिटल सामग्री को एकीकृत करना है, जो हमारे काउंटी के प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के उपयोगकर्ताओं के विभिन्न समूहों को ई-लर्निंग सुविधा के साथ एकल-खिड़की की सुविधा प्रदान करता है। NDL विश्वविद्यालयों और संस्थानों के सभी संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (IDR), अन्य सभी डिजिटल लाइब्रेरी पहलों और राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी सर्वर में NMEICT परियोजनाओं और अनुक्रमणिका से मेटाडेटा और सामग्री की कटाई करेगा ताकि सभी ई-सामग्री को खोजा जा सके और उन तक पहुंचा जा सके। पूर्ण-पाठ एकल विंडो के माध्यम से उपयोगकर्ताओं द्वारा। NDL प्रोजेक्ट वर्कस्टेशन सेंट्रल लाइब्रेरी, एनेक्स बिल्डिंग में स्थित है। विवरण के लिए, NDL वेबसाइट: ndl.आईआईटीkgp.ac.in पर जाएं।

वृत्ति विकास केंद्र

कैरियर डेवलपमेंट सेंटर (सीडीसी) तीसरे वर्ष के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार है। बी। टेका, 4 वें वर्ष की दोहरी डिग्री और 4 वें वर्ष की इंटीग्रेटेड एम। एससी। डिग्री छात्रों को उनके पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में। सीडीसी संस्थान से पीएचडी छात्रों सहित स्नातक से अंतिम वर्ष के छात्रों को नौकरी देने की सुविधा भी प्रदान करता है। केंद्र सक्रिय रूप से संस्थान और विभिन्न उद्योगों के बीच तालमेल संबंधों को बनाने में लगा हुआ है। इन इंटरैक्शन के आधार पर, सीडीसी शैक्षणिक कार्यक्रमों पर संस्थान को प्रतिक्रिया देता है।



ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण विवरण

3 साल के बी टेक के अंत में आठ सप्ताह की गर्मियों की इंटरशिप, 4 साल की दोहरी डिग्री और 4 साल की इंटीग्रेटेड एम। एससी। डिग्री आईआईटी खड़गपुर में पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसमें 2 क्रेडिट हैं। आईआईटी खड़गपुर के विभागों / स्कूलों / केंद्रों के सहयोग से कैरियर डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से समर इंटरशिप के लिए संबंधित छात्रों को भारत और विदेशों में सर्वश्रेष्ठ संगठनों में रखने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं। एक आकस्मिक प्रवृत्ति यह है कि अधिक से अधिक छात्र विदेशों में ग्रीष्मकालीन इंटरशिप की मांग कर रहे हैं। साथ ही छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों के अवसरों का उपयोग करते हैं जिनके साथ आईआईटी खड़गपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें एसा। एना बोस स्कॉलर का कार्यक्रम, विटबी-इंडिया प्रोग्राम, खुराना प्रोग्राम फॉर स्कॉलर्स, डीएएडी स्कॉलरशिप प्रोग्राम, एमआईटीएसीएस और एनटीयू-सिंगापुर शामिल हैं।

मई-जुलाई 2019 के दौरान हमारे छात्रों की वर्तमान ग्रीष्मकालीन इंटरशिप के लिए, 93 कंपनियों ने परिसर का दौरा किया या टेलिफोनिक, स्काइप साक्षात्कार के माध्यम से साक्षात्कार आयोजित किए और कंपनियों ने नामांकन की मांग के बाद सीटों का आवंटन किया। इंटरशिप का विवरण इस प्रकार है।

इंटरशिप की अवधि	इंटरशिप के लिए छात्रों की संख्या	भारत में इंटरशिप में भाग लेने वाले			विदेशी Univ./rg पर इंटरशिप
		विभिन्न कंपनियों द्वारा चयनित	कंपनियों द्वारा स्वीकार किए गए नामांकन	स्व की व्यवस्था	
मई-जुलाई 2019	1232	461	26	644	101

प्लेसमेंट का विवरण

प्लेसमेंट वर्ष 2018-19 में 230 से अधिक कंपनियों ने परिसर का दौरा किया और रोजगार की पेशकश की। उन छात्रों की संख्या का विवरण जिन्होंने प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण किया था और जिन्हें वास्तव में कैम्पस साक्षात्कार के माध्यम से रखा गया है, इस प्रकार है:

क्र. संख्या	विभाग	दर्ज कराई	रखा हे	प्रतिशत रखा गया
1	बी आर्क	34	31	91
2	बीटेक	463	397	86
3	दोहरी डिग्री	457	432	95
4	एम एससी (5 वर्ष एकीकृत)	139	119	86
5	एलएलबी	17	14	82
6	संयुक्त एम टेक - पीएचडी (2yr)	523	287	55
7	संयुक्त एम। एससी। - पीएचडी	89	7	8
8	एमसीपी	21	1	5
9	एमएस	6	6	100 *
10	पीएच डी	23	23	100 *
	कुल	1772	1317	74

(* एसएल के लिए नहीं: 9 और 10 केवल रखे गए छात्रों को पंजीकृत के रूप में दिखाया गया है)

इस वर्ष संस्थान के छात्र 261 पीपीओ लाने में सक्षम हुए हैं, जिनमें से 213 पीपीओ स्वीकार किए गए हैं। सभी शाखाओं में कुल प्लेसमेंट प्रतिशत 74% है।

छात्र की भागीदारी

आईआईटी खड़गपुर में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर ने 2005-2016 से प्लेसमेंट सीजन के दौरान एक औपचारिक प्रणाली के माध्यम से छात्रों के प्रबंधन कौशल का दोहन करने के लिए एक पहल की है। इस प्रणाली में बहुत अच्छी प्रगति हुई है और वर्ष 2010 से, सीडीसी को प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेने वाले छात्रों से अत्यधिक लाभ हुआ है। सीडीसी छात्रों को प्लेसमेंट सीजन के लिए तैयार करने के लिए इन-हाउस प्री-असेसमेंट टेस्ट भी आयोजित करता है। इस परीक्षण स्कोर का उपयोग कुछ भर्तियों द्वारा उनके लघु लिस्टिंग मानदंडों में से एक के रूप में भी किया जाता है।



छात्रों के संगठनात्मक कौशल ने सीडीसी को शुरुआती दिनों के दौरान परिसर में 30-35 कंपनियों की मेजबानी करने और चौबीसों घंटे मदद करने में मदद की है। प्लेसमेंट सीजन के दौरान, छात्र और सीडीसी कर्मचारी संस्थान के सभी प्रभागों से एक निकट समन्वय के साथ पूर्ण लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करके कंपनियों से कैम्पस में अंतिम चयन तक संपर्क करने में एक सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

नई पहल

मौजूदा भूमिकाओं के अलावा, आईआईटी खड़गपुर में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर ने छात्रों को बेहतर करियर बनाने और रिक्रूटर्स के साथ रिश्ते को मजबूत करने में मदद करने के लिए कुछ पहल की हैं। ये हैं

1. विभिन्न कैरियर विकल्पों पर संकाय / कॉर्पोरेट और पूर्व छात्रों की अंतःक्रिया
2. CDC ने कॉर्पोरेट रिलेशनशिप इंडेक्स (CRI) की शुरुआत की है, जो कुछ मापदंडों के आधार पर किसी कंपनी के साथ CDC के संबंध को दर्शाता है, जैसे इंटरशिप, PPO में ऑफर की संख्या, प्लेसमेंट के दौरान ऑफर, इंटरनेशनल ऑफर आदि।
3. इस वर्ष से CDC ने M. Tech की स्थापना की है। डेस्क जो विशेष रूप से पीजी प्लेसमेंट इंडेक्स को बढ़ाने के लिए काम करेगी।

उपलब्धियाँ

1. पिछले तीन वर्षों से लगातार 1300 से अधिक प्लेसमेंट हासिल किए।
2. पिछले साल की तुलना में इंटरशिप ऑफर की संख्या को पार कर लिया है।
3. पिछले वर्ष की तुलना में पूर्व प्लेसमेंट प्रस्तावों की संख्या को पार कर गया।
4. प्लेसमेंट सीजन के दिन 6 में 1000 ऑफर सबसे तेज़ 1000 हुए हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नेहरू संग्रहालय

नेहरू संग्रहालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी पूरे आईआईटी सिस्टम में अपनी तरह का एकमात्र संग्रहालय है। ऐतिहासिक हिजली शहीद भवन भवन में स्थित, यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के साथ अपने संघ की समृद्ध विरासत को संरक्षित करता है और बाद में 1951 में अपनी स्थापना से संस्थान की यात्रा है। संग्रहालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों और भारत के स्वतंत्रता संग्राम और संस्थान के विकासात्मक इतिहास से संबंधित कई ऐतिहासिक तथ्य हैं। हाल ही में, मुख्य रूप से स्कूली बच्चों के लिए बनाई गई 'एक्सप्लोरेशन हब' को जोड़ा गया है। सुविधा में हाथों पर प्रयोगों के लिए यांत्रिक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन विज्ञान और बुनियादी भौतिकी और गणित सेटअप शामिल हैं। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से वित्तीय सहायता के साथ नवीकरण के बाद, हाल के दिनों में संग्रहालय का फुटफॉल काफी बढ़ गया है। अल्पकालिक पाठ्यक्रम और सेमिनार के विभिन्न प्रतिभागियों, छात्रों और उनके अभिभावकों के साथ-साथ स्थानीय समुदाय के आगंतुक और कई विद्यालय और कॉलेज नियमित रूप से संग्रहालय आते हैं। आईआईटी पुरानी इमारत के इतिहास पर वृत्तचित्र फिल्म को नियमित रूप से संग्रहालय के ऑडियो-विजुअल रूम में दिखाया गया है। संग्रहालय की इतिहास गैलरी और लेडीज़ जेल गैलरी का नवीनीकरण किया जा रहा है और जल्द ही इसे फिर से खोल दिया जाएगा। संग्रहालयविद्यालय और कॉलेज के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं भी आयोजित करता है। आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, पिछले साल संग्रहालय ने 'मिदनापुर साइंस सेंटर' के साथ समर कैम्प और खड़गपुर और मिदनापुर के विभिन्न विद्यालय के छात्रों के लिए दो दिवसीय शीतकालीन कार्यशालाओं का आयोजन किया है। एनएसएस के स्वयंसेवक के हाथों पर प्रयोगों के लिए यांत्रिक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन विज्ञान, और बुनियादी भौतिकी और गणित सेटअप वाली सुविधाओं के साथ संग्रहालय की पहली मंजिल पर स्थित 'एक्सप्लोरेशन हब', संग्रहालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण और प्रेरक कार्यक्रमों के लिए बहुत समर्थन प्रदान करता है। हिजली शहीद भवन के इतिहास पर वृत्तचित्र फिल्म को नियमित रूप से संग्रहालय के ऑडियो-विजुअल रूम में दिखाया जाता है, जिसे आगंतुकों द्वारा सराहा जाता है। संग्रहालय हर साल की तरह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए हमारे देशभक्तों की भूमिकाओं के महान बलिदानों की याद में 16 सितंबर को हिजली शहीद दिवस मनाता है। संग्रहालय ने पिछले वर्षों की तरह अपने विषयगत कैलेंडर को प्रकाशित किया और वर्तमान वर्ष का विषय "कैम्पस केनवास पर मौसमों का रंग" था। क्षितिज से स्प्रिंग फेस्ट तक के समय के दौरान, संग्रहालय ने छात्रों के समुदाय के 'ClickKgp' फोटोग्राफिक समूह के साथ मिलकर परिसर की फोटोग्राफी पर एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की।

प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना

छात्रों का सम्मान

प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना आईआईटी खड़गपुर में खेल, सामाजिक-सांस्कृतिक से लेकर प्रौद्योगिकी तक कई पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का केंद्र है। 1952 में अपनी स्थापना के बाद से, जिमखाना ने अपनी अतिरिक्त पाठ्येतर प्रतिभाओं की खेती और पोषण करने वाले केजीपी के रोजमर्रा के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीएसजी के तत्वावधान में छात्रों ने मनोरंजन, फिटनेस, आनंद के लिए अपने अवकाश के समय में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और शैक्षणिक कार्यभार के बाद और अपने समग्र विकास के लिए अपनी ऊर्जा को पुनर्जीवित किया। वर्ष 2018-19 की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:



इंटर-आईआईटी मीट

34 वीं इंटर आईआईटी एक्वाटिक्स मीट और 53 वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट क्रमशः 03-07 अक्टूबर 2018 और 13-21 दिसंबर 2018 के दौरान आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित की गई। आईआईटी एक्वाटिक मीट में संस्थान के भाग लेने वाले छात्रों ने 2 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक और पुरुषों के लिए 2 कांस्य पदक और आईआईटी खड़गपुर की महिला टीम के लिए 2 कांस्य पदक के साथ शानदार प्रदर्शन का प्रदर्शन किया, जिससे आईआईटी खड़गपुर समाप्त हुआ। तैराकी के लिए कुल मिलाकर जीसी में 21 इंद्रेश ने 4 रजत पदक जीतकर असाधारण प्रदर्शन किया। वाटर पोलो टीम ने भी प्रथम स्थान हासिल करके हमें गौरव दिलाया है। अमलान सिल को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के साथ और राज प्रभु को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर से सम्मानित किया गया है।

53 वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में, आईआईटी खड़गपुर ने मार्च पास्ट में तीसरा स्थान हासिल किया, बैडमिंटन (पुरुष) ने स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स (लड़कों और लड़कियों), बैडमिंटन (लड़कियों), शतरंज, स्क्वैश, टेबल टेनिस (लड़कों) ने रजत पदक जीते। टेनिस (पुरुष) ने कांस्य पदक जीता।

आईआईटी खड़गपुर सांस्कृतिक टीम ने 3 जी अंतर-आईआईटी सांस्कृतिक बैठक में तीसरा स्थान हासिल किया, जो दिसंबर 2018 में आईआईटी रुड़की में आयोजित किया गया था। आईआईटी खड़गपुर की टीम ने म्यूजिक कप- बैंड परफॉर्मंस, ड्रामेटिक्स- मोनोलॉग, क्विज- बिजनेस, इंडिया, मेला, फिल्म मेकिंग-ऑनलाइन फिल्म मेकिंग और लिटरेरी- पार्लियामेंट्री डिबेट में कुल ट्रॉफी हासिल की। टीम ने म्यूजिक- पेयर ऑन स्टेज, डांस- स्ट्रीट बैटल, एफएडी- चारकोल आर्ट, क्विज- स्पोर्ट्स, क्यूलिनरी- कुक ऑफ, लिटरेरी- इंग्लिश पोएट्री स्लैम और स्टोरी राइटिंग, वर्ड गेम्स में सिल्वर मेडल हासिल किया। टीम ने क्विज- मेला, पाक-टैग टीम, साहित्यिक-ऑनलाइन हिंदी लेखन में कांस्य पदक भी हासिल किया।

जनवरी 2019 में 7 वें अंतर-आईआईटी टेक मीट को आईआईटी बॉम्बे द्वारा होस्ट किया गया था। पांच सफल इंटर- आईआईटी टेक मीट के बाद, आईआईटी खड़गपुर ने जीत की भावना जारी रखी और प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ लाने के लिए इस टेक मीट में तीसरा स्थान हासिल किया। दस स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 21 भाग लेने वाले आईआईटी के साथ, यह मुलाकात पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक, उच्च गुणवत्ता और कठिन थी, जहाँ आईआईटी खड़गपुर द्वारा 3 स्वर्ण पदक (केस स्टडी, बीईटीसी मेडिकल इनोवेशन चैलेंज और कुल 1465 अंक हासिल किए गए थे) टीवी ऑडियंस मेजरमेंट) और 1 कांस्य पदक (कैंपस सस्टेनेबिलिटी चैलेंज)।

संस्थान पुरस्कार और पदक

प्रतिस्पर्धा	इंस्टीट्यूट ब्लू / मेरिट के आदेश	माननीय उल्लेख	विशेष उल्लेख	पूर्व छात्र कप
खेल प्रतियोगिताएँ	22	20	09	02
सामाजिक सांस्कृतिक	06	1 1	13	01
प्रौद्योगिकी	12	1 1	-	01

भंडारकर कप को अबिन देवसिया पूवथोटाथिल (14NA30029) (एथलेटिक्स) से सम्मानित किया गया। श्रीमति चंडीरामणि कप को सुक के लिए अर्काप्रावो साहा (14ME333029) से सम्मानित किया गया। और पंथा जीएस सान्याल कप को प्रौद्योगिकी के लिए हर्ष अग्रवाल (15NA10001) से सम्मानित किया गया। रुपये के नकद पुरस्कार के रूप में अमृत बर्मन मेमोरियल पुरस्कार। 15000 को विशाल कुमार सिंह को सम्मानित किया गया।

कुल मिलाकर सामान्य चैम्पियनशिप परिणाम

खेल और क्रीड़ा	सामाजिक और सांस्कृतिक	प्रौद्योगिकी
आजाद हॉल ऑफ रेजिडेंस (पुरुष) और मदर टेरेसा हॉल ऑफ रेजिडेंस (महिला)	राजेंद्र प्रसाद हॉल का निवास	राजेंद्र प्रसाद हॉल का निवास

पूर्व छात्र कप

खेलों में ALUMNI CUP को एथलेटिक्स में एस्लावथ जगदीश और बैडमिंटन में देवानुज डेका को सम्मानित किया गया।

सामाजिक और सांस्कृतिक में ALUMNI CUP उत्कर्ष सिन्हा को प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी में ALUMNI CUP को TYSS संतोष से सम्मानित किया गया।



प्रमुख इवेंट

हर साल की तरह, टीएसजी ने 21 जून 2019 को राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया, जिसका संचालन श्री सुधीर कुमार ने किया। योगनाथन का आयोजन टीएसजी परिसर में भी किया गया है। योग, स्वास्थ्य और फिटनेस पर प्रश्नोत्तरी पूर्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम पर आयोजित किया गया था। TSG ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) सरकार द्वारा दो एक भारत श्रेष्ठ भारत (EK BHARAT SHRESTH BHARAT) कार्यक्रम का आयोजन किया है। भारत की। इस कार्यक्रम में कल्चरल एक्सचेंज एक्टिविटीज, फूड फेस्टिवल और मर्चेन्डाइज सेल शुरू की गई। विभिन्न युग्मित राज्य अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और उत्तर प्रदेश और झारखंड और गोवा हैं। टीएसजी ने टेनिस में खड़गपुर ओपन, पानी में जीवन रक्षक कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवनीत मेमोरियल टूर्नामेंट, फुटबॉल में फैंसी दिवस पर फैंसी फुटबॉल टूर्नामेंट, वार्षिक बच्चों के एक्वेटिक्स मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। टीएसजी ने 31 अक्टूबर 2018, 26 जनवरी, 15 अगस्त, विश्व पर्यावरण दिवस और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एकता के लिए रन का आयोजन किया। मीर रंजन नेगी (पूर्व कप्तान इंडियन फील्ड हॉकी टीम) ने आईआईटी खड़गपुर में फ्रेशमेन इंडक्शन के दौरान एक प्रेरक व्याख्यान दिया। प्रौद्योगिकी साहसिक समाज, टीएसजी ने साहसिक घटनाओं और ट्रेकिंग यात्राओं का आयोजन किया है। क्षितिज, स्प्रिंग फेस्ट, रोबोटिक्स इवेंट्स, रोबोसोकेर, इन-हाउस वर्कशॉप, भारतीय केस चैलेंज 2018, टीएसजी चुनाव पूरे साल सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। 8 नवंबर 2018 को रंगोली और रोशनी का जश्न मनाया गया, जहां हॉल के विभिन्न हॉल ने एक महीने के लिए भाग लिया, ताकि उनके हॉस्टलों को निवास के हॉल में बनाए गए हस्ताक्षर रंगोलिस के साथ दीवाली के दिन रोशन किया जा सके।

शिक्षणोत्तर गतिविधियां

संस्थान में अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि (EAA) में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) और चार सेमेस्टर में खेल और फिटनेस गतिविधियों में स्नातक छात्र शामिल हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, छात्रों को ईएए में लगभग 45 घंटे के क्षेत्र में काम करना शामिल है। वर्ष में ईएए कार्यक्रम की विशिष्ट विशेषताएं इस प्रकार हैं:

EAA की राष्ट्रीय सेवा योजना ने इस वर्ष लगभग 1000 छात्रों को शामिल किया। खड़गपुर और उसके आस-पास के गांवों और मलिन बस्तियों में सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले पूरे सेमेस्टर पर छात्रों ने आम तौर पर प्रति सप्ताह तीन घंटे बिताए। उन्होंने स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति, पुरस्कार, अध्ययन सामग्री, स्टेशनरी, साइकिल और बर्तनों का आयोजन करके शिक्षा की सुविधा के लिए भाग लिया। उन्होंने गांवों में पीने के पानी की गुणवत्ता की निगरानी की और आदिवासी आबादी के बीच स्थानिक कुपोषण को खत्म करने के लिए प्राथमिकविद्यालय के बच्चों को पोषण संबंधी खुराक प्रदान की। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन, स्वास्थ्य और स्वच्छता और पोषण जैसे मुद्दों पर रक्तदान और चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए। उन्होंने पौधे लगाए और बनाए रखा और सुविधा और बुनियादी ढांचे के रखरखाव में भाग लिया, जैसे, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, विद्यालय की इमारतों और फर्नीचर की पेंटिंग और रखरखाव।

3 बंगाल टेक एयर सक्न एनसीसी और एक बंगाल ईएमई कॉय एनसीसी इकाइयों एनसीसी इकाइयों को समर्पित हैं, जिन्हें संस्थान के छात्रों को एनसीसी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो अंडरग्रेजुएट छात्रों (1 और 2 वें वर्ष) के लिए आवंटित ईएए विषय है। प्रशिक्षण वर्ष 2018-19 के दौरान एक बंगाल ईएमई कोय एनसीसी में 3 बंगाल टेक एयर एस्केएन एनसीसी और 181 कैडेट में कुल 186 छात्र शामिल हुए थे।

उनके महत्व और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस इकाई द्वारा प्रथम और द्वितीय वर्ष के कैडेटों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गई। इन सभी गतिविधियों में ड्रिल शामिल है; एनसीसी और विमान तकनीकी विषय; एयरोमॉडलिंग; स्वतंत्रता दिवस परेड; राष्ट्रीय एकता दिवस; संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर; गणतंत्र दिवस परेड; रेंज फायरिंग (22 "राइफल) और बी" प्रमाणपत्र परीक्षा। इस इकाई ने विभिन्न सामाजिक और सामुदायिक विकास गतिविधियाँ भी आयोजित कीं, जैसे रक्तदान शिविर; वृक्षारोपण; स्वच्छ भारत अभियान; सदभावना रन; और विश्व एड्स दिवस।

NSO (स्वास्थ्य और फिटनेस) कार्यक्रम ने संस्थान की अनिवार्य अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि के एक हिस्से के रूप में वर्ष 2018-2019 में 890 यूजी छात्रों की सेवा की। कार्यक्रम का पर्यवेक्षण दस संकाय सदस्यों द्वारा किया गया था, जो व्यक्तिगत इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों के रूप में काम करते हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 100 छात्र होते हैं, और कार्यक्रम समन्वयक के रूप में एक अन्य संकाय होता है। प्रत्येक बुधवार और शनिवार को, छात्र ज्ञान घोष स्टेडियम / टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सूर्योदय के समय कसरत सत्र के लिए इकट्ठे होते थे। इसमें छात्रों के जिमखाना से निकाले गए योग्य शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षकों की कड़ी निगरानी में शारीरिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नियमित गतिविधियों के अलावा, छात्रों ने कई विशेष गतिविधियों में भाग लिया: स्थापना दिवस कार्यक्रम (18 अगस्त 2018, 890 छात्रों के लिए आयोजित); गांधी जयंती (2 अक्टूबर 2018, 890 छात्रों के लिए आयोजित) के एक भाग के रूप में परिसर में प्लास्टिक कचरे को हटाने के लिए सफाई अभियान; आर्ट ऑफ लिविंग योग कार्यक्रम प्रो सुमन कल्याण सामंत, रसायन विज्ञान विभाग (16 मार्च 2019, 4500 छात्रों के लिए आयोजित) द्वारा आयोजित; श्री सत्य साई सेवा संगठन, पश्चिम बंगाल द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम (16 मार्च 2019, 434 छात्रों के लिए संचालित); हार्टफुलनेस मेडिटेशन (9 वीं और 10 वीं मार्च 2019, 890 छात्रों के लिए आयोजित); अनपना ध्यान (31 मार्च 2019, 100 छात्रों के लिए आयोजित)

इन के अलावा, संस्थान की भौतिक पहुंच से परे स्वास्थ्य और फिटनेस के संदेश को फैलाने के एक बड़े कारण की सेवा करने के लिए, URL के साथ एक ब्लॉग: <http://healthandfitnessआईआईटीkgp.blogspot.in/> इस कार्यक्रम के तहत बनाए रखा जाता है।

वर्ष के स्नातक

इस दीक्षांत समारोह में, हम उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री प्रदान करने जा रहे हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि निम्नलिखित छात्र अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और वर्ष 2017-2018 में सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए संस्थान स्वर्ण पदक प्राप्त कर रहे हैं।



- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के श्री अभिषेक पाणिग्रही निवर्तमान बी.टेक के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए भारत स्वर्ण पदक 2017-2018 के राष्ट्रपति के प्राप्तकर्ता हैं। (ऑनर्स) और बी आर्क (ऑनर्स) छात्रों।
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग की मिस सौम्या दुबे ने बी.टेक के उत्तीर्ण छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए डॉ. बिधान चंद्र रॉय मेमोरियल गोल्ड मेडल 2017-2018 जीता है। (ऑनर्स) और बी आर्क (ऑनर्स)।
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के श्री जेनु ग्रोवर को दोहरी डिग्री और एकीकृत एम एससी के उत्तीर्ण छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए भारत के प्रधान मंत्री स्वर्ण पदक 2017-2018 से सम्मानित किया गया है।
- इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग के श्री ऋषभ कुमार श्रीवास्तव को निवर्तमान दोहरी डिग्री और एकीकृत एम एससी उत्तीर्ण छात्रों के बीच के बीच सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए डॉ ज्ञान चंद्र घोष मेमोरियल गोल्ड मेडल 2017-2018 से सम्मानित किया गया है।
- गणित विभाग की मिस परनाश्री घोष को सभी 2-वर्षीय एम एससी के विज्ञान में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्रों के बीच छात्रों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए प्रोफेसर जगदीश चंद्र बोस मेमोरियल गोल्ड मेडल 2017-2018 से सम्मानित किया गया है।
- महासागर, नदी, वातावरण एवं भूमि विज्ञान केन्द्र के श्री प्रमोद कुमार जांगिड़ और संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के श्री मोहम्मद लुकमान, एम टेक और एमसीपी पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए निर्देशक के स्वर्ण पदक 2017-2018 के संयुक्त प्राप्तकर्ता हैं।
- औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी विभाग के श्री संदीप राणा को एम टेक एवं एमसीपी के बीच सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए डॉ शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल 2017-2018 से सम्मानित किया गया है।

मैं सभी पदक विजेताओं और स्नातक छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ। बुद्धि स्कूली शिक्षा का उत्पाद नहीं है, बल्कि इसे प्राप्त करने के लिए एक आजीवन प्रयास का उत्पाद है, इसलिए, मेरे दोस्तों, जब आप बाहर जाते हैं और दुनिया को जीतते हैं; प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए एक अथक लालसा से प्रेरित होकर, कृपया हमारे साथी देशवासियों की भलाई के लिए प्रयत्न करें जिन्होंने ईमानदारी से आपकी शिक्षा में सहयोग किया है कि आप उनकी दुनिया को बेहतर बनाएंगे। सामाजिक न्याय, सामाजिक स्थिरता के माध्यम से साथी नागरिकों के चेहरे पर एक मुस्कान सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करें, जो कि हमारी महान संस्कृति है। हम अपना जीवन पूर्णता में जिएँ एवं अपने दायित्वों को पूरा करते हुए जीवन मुक्ति के आनंद से भर जाएं।

जय हिन्द

खड़गपुर

20 जुलाई, 2018

प्रोफेसर पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती

निदेशक, आईआईटी खड़गपुर



अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

- बी. टेक (प्रतिष्ठा) वांतरिक्ष अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - वांतरिक्ष अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - वांतरिक्ष अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / आर्थिक अभियांत्रिकी
एम.टेक - वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी

- बी.टेक (प्रतिष्ठा) कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / फार्म मशीनरी तथा शक्ति
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / पोस्ट हारवेस्ट अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / डेयरी तथा खाद्य अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / जलजीव अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / कृषि निकाय तथा प्रबंधन
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी/ भूमि जल संसाधन अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - कृषि तथा खाद्य अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / आर्थिक अभियांत्रिकी
एम.टेक. - फार्म मशीनरी तथा शक्ति
एम.टेक. - भूमि जल संसाधन अभियांत्रिकी
एम.टेक. - खाद्य प्रक्रमण अभियांत्रिकी
एम.टेक. - कृषि जैव प्रौद्योगिकी
एम.टेक. - जलजीव अभियांत्रिकी
एम.टेक. - कृषि निकाय तथा प्रबंधन

वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन

- बी.आर्क (प्रतिष्ठा)
नगर नियोजन निष्णात (मास्टर ऑफ सिटी प्लानिंग)

जैव प्रौद्योगिकी

- बी.टेक (प्रतिष्ठा) - जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव रासायनिक अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव रासायनिक अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव रासायनिक अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / आर्थिक अभियांत्रिकी
एम.टेक-जैव प्रौद्योगिकी एवं जैवरसायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी

- बी.टेक- रासायनिक अभियांत्रिकी
द्विउपाधि - रासायनिक अभियांत्रिकी
द्विउपाधि - रासायनिक अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता/वित्तीय अभियांत्रिकी
एम.टेक. - रासायनिक अभियांत्रिकी



रसायनशास्त्र

एम.एस.सी. - रसायनशास्त्र (2 वर्षीय एमएससी)
एमएससी. - रसायनशास्त्र(5वर्षीय एमएससी)
संयुक्तएम.एस.सी. - पीएच.डी. रसायनशास्त्र में

सिविल अभियांत्रिकी

बी.टेक.(प्रतिष्ठा) - सिविल अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / द्रवचालित तथा जल संसाधन अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / परिवहन अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / संरचनात्मक अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन
द्वि उपाधि - सिविल अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी
एम.टेक. - द्रवचालित तथा जल संसाधन अभियांत्रिकी
एम.टेक. - परिवहन अभियांत्रिकी
एम.टेक. - पर्यावरणीय अभियांत्रिकी तथा प्रबंधन
एम.टेक. - भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
एम.टेक. - संरचनात्मक अभियांत्रिकी
एम.टेक. - रेलवे अनुसंधान अभियांत्रिकी

संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

बी.टेक (प्रतिष्ठा) - संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी
एम.टेक. - संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

वैद्युत अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) वैद्युत अभियांत्रिकी
बी.टेक. (प्रतिष्ठा) यंत्रिकरण अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - वैद्युत अभियांत्रिकी / मशीन ड्राइव्स तथा शक्ति इलेक्ट्रोनिक्स
द्वि उपाधि - वैद्युत अभियांत्रिकी / नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - वैद्युत अभियांत्रिकी / शक्ति निकाय अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - यंत्रिकरण एवं सिग्नल प्रोसेसिंग अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - यंत्रिकरण अभियांत्रिकी / नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - वैद्युत अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी
द्वि उपाधि - यंत्रिकरण अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी
एम.टेक. - मशीन ड्राइव्स तथा शक्ति वैद्युतिक
एम.टेक. - नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी
एम.टेक. - शक्ति तथा ऊर्जा निकाय
एम.टेक. - यंत्रिकरण एवं सिग्नल प्रकमण अभियांत्रिकी



इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / तंतु प्रकाशिकी एवं प्रकाश तरंग अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिकी एवं वीएलएसआई आकल्पन

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / आरएफ तथा सूक्ष्मतरंग अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / दृश्य सूचना एवं अंतःस्थापित निकाय

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / दूरसंचार निकाय अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - तंतु प्रकाशिकी एवं प्रकाश तरंग अभियांत्रिकी

एम.टेक. - सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिकी एवं वीएलएसआई आकल्पन

एम.टेक. - आर एफ तथा सूक्ष्मतरंग अभियांत्रिकी

एम.टेक. - दूरसंचार निकाय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - दृश्य सूचना एवं अंतःस्थापित निकाय अभियांत्रिकी

भौतिकी एवं भूभौतिकी

एम.एस.सी. - अन्वेषणीय भूभौतिकी (एमएससी 5 वर्ष)

एम.एस.सी. - अनुप्रयोग भौतिकी (एमएससी 5 वर्ष)

एम.एस.सी. - भूभौतिकी (एमएससी 2 वर्ष)

एम.एस.सी. - भूभौतिकी (एमएससी 5 वर्ष)

संयुक्त एम.एससी. - पीएच.डी. भूभौतिकी में

संयुक्त एम.एस.सी. - पीएच.डी. भौतिकी में

एम.टेक. - अन्वेषणीय भूविज्ञान

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

एम.एस.सी. - अर्थशास्त्र (एमएससी 5 वर्ष)

मानव संसाधन प्रबंधन निष्णात

औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) - औद्योगिकी अभियांत्रिकी

द्विउपाधि - औद्योगिकी अभियांत्रिकी / औद्योगिकी अभियांत्रिकी तथा प्रबंधन

द्विउपाधि - गुणता अभियांत्रिकी अभिकल्प एवं विनिर्माण (औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स वर्टीकल)

द्वि-उपाधि - गुणता अभियांत्रिकी अभिकल्प एवं विनिर्माण(यांत्रिक अभियांत्रिकी वर्टीकल)

द्वि उपाधि - औद्योगिकी अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - औद्योगिकी अभियांत्रिकी तथा प्रबंधन

गणित

एम.एस.सी. - गणित एवं अभिकल्पन (एमएससी 5 वर्ष)

संयुक्त एम.एससी. - पीएच.डी. - गणित

एम.टेक. - संगणक विज्ञान तथा आंकिक प्रक्रमण



यांत्रिकी अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) यांत्रिकी अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) विनिर्माण विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - यांत्रिकी अभियांत्रिकी / विनिर्माण विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - यांत्रिकी अभियांत्रिकी / ताप विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - यांत्रिकी अभियांत्रिकी / यांत्रिकी निकाय अभिकल्प

द्वि उपाधि - विनिर्माण विज्ञान तथा अभियांत्रिकी / औद्योगिक अभियांत्रिकी तथा प्रबंधन

द्वि उपाधि - यांत्रिकी अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - विनिर्माण विज्ञान तथा अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - विनिर्माण विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

एम.टेक. - ताप विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

एम.टेक. - यांत्रिकी निकाय अभिकल्प

धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) धातुकर्मिकी तथा पदार्थ अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - धातुकर्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - धातुकर्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - धातुकर्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

खनन अभियांत्रिकी

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) - खनन अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - खनन अभियांत्रिकी / खनन अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - खनन अभियांत्रिकी / संरक्षा अभियांत्रिकी

द्वि उपाधि - खनन अभियांत्रिकी / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - खनन अभियांत्रिकी

महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प

बी.टेक. (प्रतिष्ठा) महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प

द्वि उपाधि - महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प / महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प / अभियांत्रिकी उद्यमिता

द्वि उपाधि - महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प / महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प / अभियांत्रिकी उद्यमिता / वित्तीय अभियांत्रिकी

एम.टेक. - महासागर अभियांत्रिकी तथा नौशिल्प

भौतिक विज्ञान

एम.एस.सी - भौतिक विज्ञान (एम.एस.सी. 5 वर्षीय)

एम.एस.सी - भौतिक विज्ञान (एम.एस.सी. 2 वर्षीय)

संयुक्त एम.एस.सी. - पीएच.डी. - भौतिक विज्ञान

एम.टेक. - सालिड स्टेट प्रौद्योगिकी

उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र

एम. टेक.- एम्बेडेड कंट्रोलस एंड सॉफ्टवेयर



शैक्षणिक प्रौद्योगिकी केन्द्र

एम.टेक.-मल्टीमीडिया इन्फोरमेशन प्रौसेसिंग

महासागर, नदी, वायुमंडल एवं भू विज्ञान केन्द्र

एम.टेक. - पृथ्वी प्रणाली विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

प्रशीतन अभियांत्रिकी केन्द्र

एम.टेक. - प्राशीतन अभियांत्रिकी

पदार्थ विज्ञान केन्द्र

एम.टेक. - पदार्थ विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

रबड़ प्रौद्योगिकी केन्द्र

एम.टेक. - रबड़ प्रौद्योगिकी

राजेन्द्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमिता विद्यालय

द्वि-उपाधि - बी.टेक. मातृ (पैरेंट) विभाग/ उद्यमिता अभियांत्रिकी

राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

एल.एल.बी. - बौद्धिक संपदा विधि (3 वर्षीय)

एल.एल.एम- 2 वर्षीय

रणबीर एवं चित्रा गुप्ता आधारीक संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय

एम.टेक. - आधारीक संरचना अभिकल्प तथा प्रबंधन

जैव विज्ञान विद्यालय

रासायनिक एवं आणविक जीवविज्ञान में विज्ञान निष्णात (आईआईटी खड़गपुर एवं आईएसीएस कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से संचालित)

सुब्बीर चौधुरी गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विद्यालय

एम.टेक. - विश्वसनीयता अभियांत्रिकी

ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विद्यालय

एम.टेक. – ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय

चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में निष्णात (3 वर्षीय)

एम.टेक. - मैडीकल इमेजिंग एवं इन्फोर्मेटिक्स

जल संसाधन विद्यालय

एम.टेक. – जल अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन



विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय

व्यवसाय प्रशासन में निष्णात (एमबीए-2 वर्षीय)

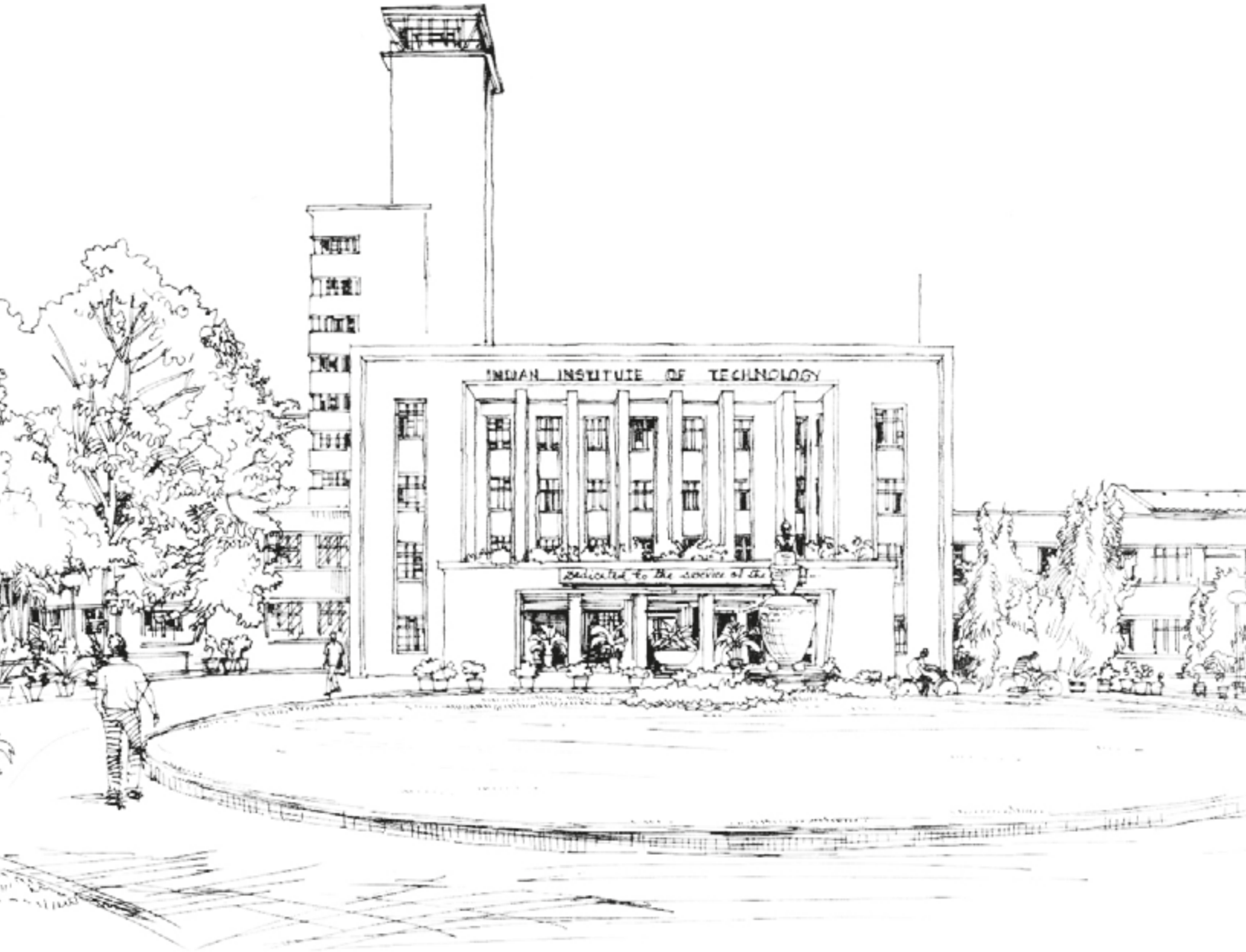
अधिशासी एमबीए –एमबीए-3 वर्षीय)

व्यवसाय विश्लेषणात्मक स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस एनालिटिक्स) (2 साल)

[आईआईटी खड़गपुर, आईआईएम कलकत्ता और आईएसआई कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया]



शैक्षिक विभाग





वांतरिक्ष अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष दीपक कुमार मैती

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
भृगु नाथ सिंह	पीएच.डी.	स्मार्ट और समग्र संरचनाएं; अनिश्चितता मात्रा का ठहराव; गतिशीलता और एयरोएलेस्टिकता; कंपोजिट के मैकेनिक्स; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी
दीपक कुमार मैती	पीएच.डी.	एयरोस्पेस संरचनाएं; समग्र और स्मार्ट संरचनाएं; संरचनात्मक गतिशीलता और एयरोएलेस्टिकता; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी
कल्याण प्रसाद सिंहमहापात्र	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; डीएनएस और एलईएस; द्रव संरचना इंटरैक्शन; जेट कंट्रोल और एयरोएक्टिक्स; लो रेनॉलड्स नं। वायुगतिकी
मनोरंजन सिन्हा	पीएच.डी. पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक	पीएच.डी.	
अर्नब रॉय	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; डीएनएस और एलईएस; लो रेनॉलड्स नं। वायुगतिकी; एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; जेट कंट्रोल और एयरोएक्टिक्स
मानस कुमार लाहा	पीएच.डी.	
मीरा मित्रा	पीएच.डी.	
रतन जोरादेर	पीएच.डी.	रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; बूंद और स्प्रे दहन; एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; गर्मी का हस्तांतरण; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी
सोमनाथ घोष	पीएच.डी.	डीएनएस और एलईएस; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी
श्रीनिवास कर्मकार	लुइसियाना, लुइसियाना साटे विश्वविद्यालय	बूंद और स्प्रे दहन; ठोस ईंधन और प्रणोदक का दहन; दहन में प्रायोगिक तरीके
सुरेश चंद्र प्रधान		
सहायक प्राध्यापक		
अक्षय प्रकाश	पीएच.डी.	
अमरदीप घोष	पीएच.डी.	
अनूप घोष	पीएच.डी.	विमान संरचनाएं; समग्र और स्मार्ट संरचनाएं; माइक्रो एयर वाहन; UAV
चेतनकुमार सुरेशभाई मिस्त्री	पीएच.डी, आईआईटी बॉम्बे	टर्बोमेचिंस का डिजाइन; Turbomachines प्रदर्शन वृद्धि; टर्बोमेचिन का प्रायोगिक और सीएफडी अध्ययन; द्रव मैकेनिक्स और हीट ट्रांसफर; प्रायोगिक वायुगतिकी
मोहम्मद रबियस सनी	पीएच.डी.	द्रव संरचना इंटरैक्शन; गतिशीलता और एयरोएलेस्टिकता; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं; तनाव संरचनाएं
मृणाल कौशिक	पीएच.डी.	शॉक-बाउंड्री लेयर इंटरैक्शन; जेट्स का सक्रिय और निष्क्रिय नियंत्रण;



आईआईटी कानपुर		हाइपरसोनिक प्रवाह के एरोथर्मोडायनामिक्स; हाइड्रॉफिल्स के हाइड्रोडायनामिक्स
नाबा कुमार पायदा	पीएच.डी.	
प्रसून जाना	पीएच.डी.	एयरोस्पेस संरचनाएं; कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी; समग्र और कार्यात्मक रूप से ग्रेड की गई सामग्री; कंपनी भिगोना; लोचदार स्थिरता
संदीप साहा	पीएच.डी.	हाइड्रोडायनामिक्स स्थिरता; लो रेनॉल्ड्स नं. वायुगतिकी; रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल विभेदक समीकरण; सौर और पवन ऊर्जा रूपांतरण
शिखा होता	पीएच.डी.	मानव रहित वाहनों की पथ योजना; इष्टतम प्रक्षेपवक्र नियोजन; टकराव से बचने; बाधा से बचाव; तीन आयामी पथ पीढ़ियों
सुनील मनोहर दाश	पीएच.डी.	लो रेनॉल्ड्स नं. वायुगतिकी; द्रव संरचना इंटरैक्शन; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; जालीदार बोल्ट्जमन विधि; फ्लाइंग एरोडायनामिक्स
सुस्मिता भट्टाचार्य	पीएच.डी.	सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम; त्रुटि पहचान; सेंसर फ्यूजन

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
प्रसून जाना	सहायक प्राध्यापक	एयरोस्पेस संरचनाएं; कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी; समग्र और कार्यात्मक रूप से ग्रेड की गई सामग्री; कंपनी भिगोना; लोचदार स्थिरता
सुनील मनोहर दाश	सहायक प्राध्यापक	लो रेनॉल्ड्स नं. वायुगतिकी; द्रव संरचना इंटरैक्शन; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; जालीदार बोल्ट्जमन विधि; फ्लाइंग एरोडायनामिक्स

पदोन्नति

अक्षय प्रकाश	सहायक प्राध्यापक	
प्रसून जाना		एयरोस्पेस संरचनाएं; कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी; समग्र और कार्यात्मक रूप से ग्रेड की गई सामग्री; कंपनी भिगोना; लोचदार स्थिरता
सुस्मिता भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक	सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम; त्रुटि पहचान; सेंसर फ्यूजन

पुनः - नियुक्ति

नवतेज सिंह	प्राध्यापक
------------	------------

सेवानिवृत्ति

नवतेज सिंह	प्राध्यापक
------------	------------

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

1. प्रायोजित परियोजना का शीर्षक: अधिकतम इलास्टो-प्लास्टिक बकलिंग लोड के लिए पतली दीवारों वाली बीम / प्लेट संरचनाओं का इष्टतम डिजाइन। प्रायोजन एजेंसी: एसईआरबी, डीएसटी, सरकार। भारत की परियोजना का मूल्य: 20.08 लाख
2. पानी के नीचे के वाहनों के लिए अपरंपरागत अग्रानुक्रम फड़फड़ा पन्नी प्रणोदन तंत्र की एक जांच। विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (SERB)

अन्य अनुसंधान परियोजनाएं

क) ट्यूबरकल फ्लैपिंग एरोफॉइल के प्रणोदन प्रदर्शन पर जांच।



- ख) द्रव-संरचना बातचीत के लिए आईबी-एलबीएम सॉल्वर का विकास।
c) रोबोट जेली फिश का विकास।

अनुसंधान क्षेत्र

जेट्स का सक्रिय और निष्क्रिय नियंत्रण; एयरोस्पेस संरचनाएं; हाइपरसोनिक प्रवाह के एरोथर्मोडायनामिक्स; विमान संरचनाएं; रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; टकराव से बचने; ठोस ईंधन और प्रणोदक का दहन; समग्र और स्मार्ट संरचनाएं; समग्र और कार्यात्मक रूप से ग्रेड की गई सामग्री; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी; टर्बोमेचिंस का डिजाइन; डीएनएस और एलईएस; बूंद और स्प्रे दहन; गतिशीलता और एयरोएलेस्टिकता; लोचदार स्थिरता; प्रायोगिक वायुगतिकी; टर्बोमैचिन का प्रायोगिक और सीएफडी अध्ययन; दहन में प्रयोगात्मक तरीके; त्रुटि पहचान; फ्लाइंग एरोडायनामिक्स; द्रव मैकेनिक और हीट ट्रांसफर; द्रव संरचना इंटरैक्शन; गर्मी का हस्तांतरण; हाइड्रॉफिल्स के हाइड्रोडायनामिक्स; हाइड्रोडायनामिक्स स्थिरता; जेट कंट्रोल और एयरोएक्टिक्स; जालीदार बोल्ट्जमन विधि; लो रेनॉल्ड्स नं वायुगतिकी; कंपोजिट के मैकेनिक्स; माइक्रो एयर वाहन; बाधा से बचाव; इष्टतम प्रक्षेपवक्र नियोजन; मानव रहित वाहनों की पथ योजना; सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम; सेंसर संलयन; शॉक-बाउंड्री लेयर इंटरैक्शन; एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; स्मार्ट और समग्र संरचनाएं; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं; सौर और पवन ऊर्जा रूपांतरण; संरचनात्मक गतिशीलता और एयरोएलेस्टिकता; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; तनाव संरचनाएं; सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल विभेदक समीकरण; तीन आयामी पथ पीढ़ियों; Turbomachines प्रदर्शन वृद्धि; UAV; अनिश्चितता मात्रा का ठहराव; कंपनी भिगोना;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	10
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	07
फैलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	1 1
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	03
पुरस्कार और सम्मान	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	29
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	05
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	07
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	09
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	03
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	40
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	30



कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: निरुपमा मलिक

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
प्रो. अदनपुण्य मित्रा	पीएच.डी.	पुष्प सुगंधित वाष्पशील की जैव रसायन; मूल संस्कृतियों से प्राकृतिक उत्पाद; माध्यमिक चयापचय - आणविक जीव विज्ञान; पौधे की शारीरिक अस्थिरता; पादप चयापचयों का हिस्टोकैमिस्ट्री
आशीष कुमार दत्ता	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; जैव ऊर्जा और प्रासंगिक सामग्रियों का विकास; थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री; निष्कर्षण धातु विज्ञान
अशोक मिश्रा	पीएच.डी.	हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और वाटरशेड मनाग; कृषि उत्पाद मॉडलिंग; जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन विश्लेषण
भवानी शंकर दास	पीएच.डी.	मृदा भौतिकी; असंतृप्त प्रवाह और परिवहन; हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसिंग; विलेय परिवहन
चंद्रनाथ चटर्जी	पीएच.डी.	बाढ़ का खतरा और जोखिम विश्लेषण; बाढ़ का पूर्वानुमान; बाढ़ के जोखिम पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव; डिजाइन बाढ़ का अनुमान; यूएवी और भू-सूचना विज्ञान के आवेदन
दिलीप कुमार स्वैन	पीएच.डी.	स्थायी उत्पादन कृषि; जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन; फसल मॉडलिंग और सिमुलेशन; जैविक खेती और फसल की गुणवत्ता
हरि निवास मिश्र	पीएच.डी.	आरटीई हेल्थ फूड्स और न्यूट्रास्युटिकल्स; खाद्य भंडारण और शेल्फ जीवन विस्तार; उपन्यास खाद्य उत्पाद और प्रक्रिया विकास; फूड फोर्टिफिकेशन और बायोएक्टिव्स; खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण
हिफजुर रहमान	पीएच.डी.	अक्षय ऊर्जा संचालित कृषि-मशीनरी; संयोजन ऑफसेट डिस्क हैरो; चलने वाले ट्रैक्टर के लिए रबर की पटरियों; रोपाई के लिए रोबोटिक आर्म का उपयोग
कमलेश नारायण तिवारी	पीएच.डी.	सूक्ष्म सिंचाई; संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी; जल संसाधन में रुपये और जीआईएस अनुप्रयोग; बागवानी पौधों की जल विज्ञान; सौर पीवी संचालित सिंचाई प्रणाली
मदन कुमार झा	पीएच.डी.	बेसिन-चौड़ा भूजल मॉडलिंग; जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण; RS, GIS और MCDA का उपयोग करके GW प्रबंधन; फील्ड जांच और समुद्री जल घुसपैठ; गाउंडवॉटर-सरफेस वाटर इंटरैक्शन
नरेंद्र सिंह रघुवंशी	पीएच.डी.	
निरुपमा मल्लिक	पीएच.डी.	सूक्ष्मजीव जैव ईंधन; साइनोबैक्टीरिया से बायोडिग्रेडेबल फिल्में; माइक्रोग्ले से बायोएक्टिव; Algal रिफाइनरी; जलवायु परिवर्तन और मृदा स्वास्थ्य
पी. श्रीनिवास राव	पीएच.डी.	खाद्य प्रसंस्करण की न्युटेर्मल विधि; प्रक्रिया उपकरण डिजाइन और विकास; पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग; नवाचार और व्यापार ऊष्मायन
रवीन्द्र कुमार पांडा	पीएच.डी.	
राजेन्द्र सिंह	पीएच.डी.	



रिटू बनर्जी	पीएच.डी.	
स्नेहाशीष दत्ता गुप्ता	पीएच.डी.	
सुधींद्र नाथ पांडा	पीएच.डी.	
थॉमस ईवी	पीएच.डी.	चावल प्रत्यारोपण और बुवाई के उपकरण; चाय प्रसंस्करण; चावल और गेहूं की कटाई
त्रिदिब कुमार गोस्वामी	पीएच.डी.	
वीरेंद्र कुमार तिवारी	पीएच.डी.	फार्म मशीनरी सिस्टम डिजाइन; श्रमदक्षता शास्त्र और औद्योगिक सुरक्षा; परिशुद्धता कृषि
सह प्राध्यापक		
अरुणाभा मित्रा	पीएच.डी.	
पीयूष सोनी	पीएच.डी.	स्थायी कृषि यंत्रीकरण; मृदा जुताई और कर्षण अनुसंधान; परिशुद्धता कृषि; मशीनीकृत कृषि का प्रबंधन; संरक्षित संस्कृति में स्वचालन
प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव	पीएच.डी.	आंशिक खाद्य विकास; हर्बल न्यूट्रीकोटिक्स निष्कर्षण; खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी का डिजाइन
प्रोशन गुहा	पीएच.डी.	कृषि विज्ञान; कटाई के बाद की तकनीक
शंकर लाल श्रीवास्तव	पीएच.डी.	डेयरी और खाद्य प्रक्रिया इंजीनियरिंग; फसल कटाई के बाद अभियांत्रिकी; कम लागत वाले खाद्य प्रसंस्करण के उपकरण
सहायक प्राध्यापक		
अमेय पाठक	पीएच.डी.	पारिस्थितिकी के पन जलवायु; भारतीय मानसून वर्षा, चरम घटनाएँ; पुनर्चक्रण बारिश; महासागर-भूमि-वायुमंडल की सहभागिता
चंचल कुमार मुखर्जी		
दामोदर राव मेलपल्ली	पीएच.डी.	
जयीता मित्र	पीएचडी, IIT खड़गपुर	खाद्य पैकेजिंग और भंडारण; गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन; ग्रामीण खाद्य प्रसंस्करण के लिए उपकरण; माइक्रोवेव निकालने; भोजन में कीटनाशक अवशेषों का निर्धारण
जॉयदीप बैनर्जी	पीएच.डी.	प्लांट आणविक जीवविज्ञान; संकेत पारगमन और जीन अभिव्यक्ति; प्रवर्तक विशेषता; पौधों में अजैविक तनाव; पोषण की गुणवत्ता
कनिष्क भुनिया	पीएच.डी.	कार्यात्मक खाद्य पैकेजिंग; खाद्य सुरक्षा और जोखिम मूल्यांकन; भोजन के न्युटेर्मल भूतल संकरण; खाद्य स्थिरता और शैल्फ जीवन; प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन
पौलोमी गांगुली	पीएच.डी.	हाइड्रोक्लिमैटोलॉजी और जल संसाधन Eng; हाइड्रोलॉजिकल चरम; सांख्यिकीय जल विज्ञान
पुण्यदर्शिनी पूनम त्रिपाठी	पीएच.डी.	
राजेंद्र माचवराम	पीएच.डी.	मशीन डिजाइन और डिजाइन अनुकूलन; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; कृत्रिम होशियारी; अक्षय ऊर्जा संचालित कृषि-मशीनरी; गैर-रैखिक समस्याओं में संख्यात्मक अनुकूलन
सोमसुभ्रा चक्रवर्ती	पीएचडी, लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए	हायपर स्पेक्ट्रल समीपवर्ती मिट्टी सेंसर; मिट्टी में पोर्टेबल एक्सआरए अनुप्रयोग; डिजिटल मिट्टी मानचित्रण; डेटा खनन; गैर-इनवेसिव सेंसर



नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
पदोन्नति		
अशोक मिश्रा	प्राध्यापक	हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और वाटरशेड मनाग; कृषि उत्पाद मॉडलिंग; जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन विश्लेषण
दिलीप कुमार स्वैन	प्राध्यापक	स्थायी उत्पादन कृषि; जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन; फसल मॉडलिंग और सिमुलेशन; जैविक खेती और फसल की गुणवत्ता
पी। श्रीनिवास राव	सहयक प्राध्यापक	खाद्य प्रसंस्करण की न्युटेर्मल विधि; प्रक्रिया उपकरण डिजाइन और विकास; पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग; नवाचार और व्यापार ऊष्मायन
पीयूष सोनी	सहयक प्राध्यापक	स्थायी कृषि यंत्रिकरण; मृदा जुताई और कर्षण अनुसंधान; परिशुद्धता कृषि; मशीनीकृत कृषि का प्रबंधन; संरक्षित संस्कृति में स्वचालन

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

- सटीक खेती के लिए सेंसर आधारित प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप
- सौर ऊर्जा संचालित कृषि मशीनरी और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली
- एकीकृत जल प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोग, और मिट्टी और फसल स्वास्थ्य निगरानी।
- समग्र जल प्रबंधन के लिए सिमुलेशन-अनुकूलन और जलवायु मॉडलिंग
- उच्च मूल्य वाले पेरिशबल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का उच्च दबाव प्रसंस्करण
- मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए पुष्प सैंट्स के लक्षित मैटाबोलोमिक्स
- सूक्ष्मजीव जैव ईंधन उत्पादन
- एक्वाकल्चर में अपशिष्ट का उपयोग
- स्वायत्त ट्रैक्टर का विकास
- जैविक खेती
- खाद्य प्रसंस्करण में सौर ऊर्जा का उपयोग
- कुपोषित बच्चों के लिए आरटीई-हेल्थ फूड
- भोजन का वैक्यूम फ्राइंग

अनुसंधान क्षेत्र

पौधों में अजैविक तनाव; कृषि विज्ञान; Algal रिफाइनरी; यूएवी और भू-सूचना विज्ञान के आवेदन; कृत्रिम होशियारी; संरक्षित संवर्धन में स्वचालन; बेसिन-चौड़ा भूजल मॉडलिंग; माइक्रोग्लगे से बायोएक्टिव; पुष्प सुगंधित वाष्पशील की जैव रसायन; साइनोबैक्टीरिया से बायोडिग्रेडेबल फिल्में; जैव ऊर्जा और प्रासंगिक सामग्रियों का विकास; जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन विश्लेषण; जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन; जलवायु परिवर्तन और मृदा स्वास्थ्य; संयोजन ऑफसेट डिस्क हैरो; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; फसल मॉडलिंग और सिमुलेशन; फसल उपज मॉडलिंग; डेटा माइनिंग; डिजाइन बाढ़ का अनुमान; खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी का डिजाइन; डिजिटल मृदा मानचित्रण; पारिस्थितिकी के पन जलवायु; एगोनॉमिक्स और औद्योगिक सुरक्षा; निष्कर्षण धातु विज्ञान; फार्म मशीनरी सिस्टम डिजाइन; फील्ड जांच और समुद्री जल घुसपैठ; बाढ़ का पूर्वानुमान; बाढ़ का खतरा और जोखिम विश्लेषण; फूड फोर्टिफिकेशन और बायोएक्टिव; खाद्य सुरक्षा और जोखिम मूल्यांकन; खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण; खाद्य स्थिरता और शैल्फ जीवन; खाद्य भंडारण और शैल्फ जीवन विस्तार; आंशिक खाद्य विकास; कार्यात्मक खाद्य पैकेजिंग; गाउंडवाटर-सरफेस वॉटर इंटेरेक्शन; RS, GIS और MCDA का उपयोग करके GW प्रबंधन; चावल और गेहूं की कटाई; हर्बल न्यूट्रीकोटिक्स निष्कर्षण; पादप चयापचयों का हिस्टोकेमिस्ट्री; हाइड्रोक्लिमैटोलॉजी और जल संसाधन Eng; हाइड्रोलॉजिकल चरम; हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और वाटरशेड मनाग; बागवानी पौधों की जल विज्ञान; हाइपरस्पेक्ट्रल समीपस्थ मृदा सेंसर; हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसिंग; बाढ़ के जोखिम पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव; भारतीय मानसून वर्षा, चरम घटनाएँ; नवाचार और व्यापार ऊष्मायन; मशीन डिजाइन और डिजाइन अनुकूलन; मशीनीकृत कृषि का प्रबंधन; सूक्ष्मजीव जैव



ईधन; सूक्ष्म सिंचाई; मूल संस्कृतियों से प्राकृतिक उत्पाद; गैर-आक्रामक सेंसर; खाद्य प्रसंस्करण की न्युटेर्मल विधि; भोजन के न्युटेर्मल भूतल संकरण; उपन्यास खाद्य उत्पाद और प्रक्रिया विकास; गैर-रैखिक समस्याओं में संख्यात्मक अनुकूलन; पोषण की गुणवत्ता; महासागर-भूमि-वायुमंडल की बातचीत; जैविक खेती और फसल की गुणवत्ता; पौधे की शारीरिक अस्थिरता; प्लांट आणविक जीवविज्ञान; मिट्टी में पोर्टेबल एक्सआरएफ अनुप्रयोग; पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग; कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी; पुनर्चक्रण बारिश; परिशुद्धता कृषि; प्रक्रिया उपकरण डिजाइन और विकास; प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; प्रवर्तक विशेषता; संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी; अक्षय ऊर्जा संचालित कृषि-मशीनरी; चावल प्रत्यारोपण और बुवाई के उपकरण; जल संसाधन में रुपये और जीआईएस अनुप्रयोग; आरटीई हेल्थ फूड्स और न्यूट्रास्युटिकल्स; चलने वाले ट्रैक्टर के लिए रबर की पटरियों; माध्यमिक चयापचय - आणविक जीव विज्ञान; संकेत पारगमन और जीन अभिव्यक्ति; मृदा भौतिकी; मृदा जुताई और कर्षण अनुसंधान; सौर पीवी संचालित सिंचाई प्रणाली; सॉल्यूट ट्रांसपोर्ट; सांख्यिकीय जल विज्ञान; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; स्थायी कृषि यंत्रीकरण; स्थायी उत्पादन कृषि; चाय प्रसंस्करण; थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री; असंतृप्त प्रवाह और परिवहन; रोपाई के लिए रोबोट बांह का उपयोग; जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	20
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	23
फैलो - पेशेवर निकाय	10
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	30
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	09
पुरस्कार और सम्मान	09
फैलोशिप	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	59
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	08
प्रौद्योगिकी हस्तांतरित	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	10
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	32
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	03
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	16
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	144
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	57



वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन

विभागाध्यक्ष: जॉय सेन

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
जयदीप बर्मन	पीएच.डी.	शहरी योजना; लैंडस्केप और लैंडस्केप योजना; क्रिएटिव इको-पर्यटन और विरासत आधारित पर्यटन; योजना में सामुदायिक और व्यवहारिक अध्ययन
आनन्द सेन	पीएच.डी.	सामुदायिक और क्षेत्रीय नियोजन; सांस्कृतिक विरासत प्रलेखन; क्षेत्रीय विश्लेषण और प्रोग्रामिंग
संघमित्र बसु	पीएच.डी.	
सुब्रत चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	पारंपरिक भारतीय शहरों की स्मार्टनेस; मिश्रित उपयोग विकास मॉडल; MSME श्रमिकों पर हीट तनाव; प्री अर्बन डायनामिक्स; फ्लैश फ्लड पर निपटान का प्रभाव
उत्तम कुमार बनर्जी	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक

अब्राहम जॉर्ज	पीएच.डी.	
देवप्रतिम पंडित	पीएच.डी.	परिवहन योजना और रूटिंग सेवाएँ; सार्वजनिक परिवहन, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा; योजना में सामुदायिक और व्यवहारिक अध्ययन; शहरी नियोजन: उपयोगिताएँ, सेवाएँ; आईटी आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर, सूचना प्रणाली
हैमंती बनर्जी	पीएच.डी.	स्थायी सामुदायिक योजना; पोस्ट डिजास्टर हाउसिंग में आवासीय संतुष्टि; शहरी योजना; मानव कारक इंजीनियरिंग
सैकत कुमार पॉल	पीएचडी, IIT खड़गपुर	
सोमनाथ सेन	पीएचडी, IIT खड़गपुर	
तारक नाथ मजूमदार	पीएच.डी.	आपदा प्रबंधन

सहायक प्राध्यापक

अर्जुन मुकर्जी	पीएच.डी.	इतिहास और वास्तुकला का सिद्धांत; शहरी संस्कृति, संरक्षण और विरासत योजना; शहरी योजना; लैंडस्केप और लैंडस्केप प्लानिंग
अरूप दास	पीएच.डी.	आपदा प्रबंधन और पर्यावरणीय लचीलापन; शहरी क्षेत्रों के आपदा जोखिम मानचित्रण; शहरी नियोजन: उपयोगिताएँ, सेवाएँ
शंख प्रीति भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
सुमना गुप्ता	पीएच.डी.	सेवा की गुणवत्ता का आकलन; मानव भीड़ का अध्ययन; आवास और सामुदायिक योजना; धार्मिक आयोजनों के लिए सुविधा योजना
सुतपा दास	पीएच.डी.	इमारतों का ऊर्जा अध्ययन; आपदा में महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा संरक्षण; स्वस्थ कार्यस्थल; बुद्धिमान भवन; निर्माण की जानकारी की मॉडलिंग
तपन कुमार मजूमदार	पीएच.डी.	



नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अर्जुन मुकजी	सहायक प्राध्यापक	इतिहास और वास्तुकला का सिद्धांत; शहरी संस्कृति, संरक्षण और विरासत योजना; शहरी योजना; लैंडस्केप और लैंडस्केप प्लानिंग

विजिटिंग फैकल्टी

अमिता सिन्हा	सहायक प्राध्यापक
--------------	------------------

पदोन्नति

अर्जुन मुकजी	सहायक प्राध्यापक	इतिहास और वास्तुकला का सिद्धांत; शहरी संस्कृति, संरक्षण और विरासत योजना; शहरी योजना; लैंडस्केप और लैंडस्केप प्लानिंग
--------------	------------------	--

सेवानिवृत्ति

तपन कुमार मजूमदार	सहायक प्राध्यापक
-------------------	------------------

पुनः - नियुक्ति

संघमित्र बसु	प्राध्यापक
--------------	------------

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

आर्किटेक्चर और क्षेत्रीय नियोजन विभाग IIT खड़गपुर ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के साथ फ्रंट-लाइन अनुसंधान सहयोग में एक बहुत महत्वपूर्ण स्थान बनाया है; आइवीगैलेज ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड प्रिजर्वेशन (जीएसएपीपी), कोलंबिया यूनिवर्सिटी, एनवाईसी, यूएसए; शहरी और क्षेत्रीय नियोजन के स्कूल, जॉर्जियाटेक्स अटलांटा, यूएसए; टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान और अन्य को तदनुसार NIRF रैंकिंग # 1 के रूप में लगातार दो वर्षों के लिए रखा गया था: 2017-18 और 2018-19 देश के शीर्ष वास्तु विद्यालय के रूप में।

इसके अतिरिक्त, कुछ प्रमुख घटनाएँ हैं जैसे;

क) टीसीएस द्वारा शहरी सूचना विज्ञान और एआई संचालित विश्लेषिकी पर कार्यशालाएं; पुणे स्थित संगठन वी कंस्ट्रक्ट द्वारा बीआईएम पर; जिंदल समूह द्वारा स्टेनलेस स्टील पर; रबी उमर द्वारा स्थायी वास्तुकला पर कुछ उल्लेख योग्य हैं।

बी) प्राध्यापक अमित श्रीवास्तव, द यूनिवर्सिटी ऑफ़ एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आमंत्रित व्याख्यान; परिवहन मॉडलिंग पर यूएसए से डॉ। मोनोबिना मुखर्जी और श्री अंबरीश मुखर्जी; आईआईटी चेन्नई के प्रो अरुण मेनन, सीईपीटी अहमदाबाद के अरविंद प्रो .विकास के क्षेत्र में विकास दिलवारी; कुछ उल्लेख कर रहे हैं।

ग) उरबाना Champaign यूएसए में इलिनोइस विश्वविद्यालय से पूर्ण उज्ज्वल साथी के रूप में प्रो. अमिता श्रीवास्तव का दौरा। छात्रों को जापान, और ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका में सम्मेलनों के लिए प्रमुख अनुदान मिला है;।

अनुसंधान क्षेत्र

निर्माण की जानकारी की मॉडलिंग; सामुदायिक और क्षेत्रीय नियोजन; योजना में सामुदायिक और व्यवहारिक अध्ययन; आपदा में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा संरक्षण; सांस्कृतिक विरासत प्रलेखन; आपदा प्रबंधन; आपदा प्रबंधन और पर्यावरणीय लचीलापन; शहरी क्षेत्रों के आपदा जोखिम मानचित्रण; इमारतों का ऊर्जा अध्ययन; स्वस्थ कार्यस्थल; MSME श्रमिकों पर हीट तनाव; इतिहास और वास्तुकला का सिद्धांत; मानव कारक इंजीनियरिंग; फ्लैश फ्लड पर निपटान का प्रभाव; बुद्धिमान भवन; आईटी आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर, सूचना प्रणाली; लैंडस्केप और लैंडस्केप योजना; मिश्रित उपयोग विकास मॉडल; प्री अर्बन डायनामिक्स; सार्वजनिक परिवहन, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा; क्षेत्रीय विश्लेषण और प्रोग्रामिंग; पोस्ट डिजास्टर हाउसिंग में आवासीय संतुष्टि; पारंपरिक भारतीय शहरों की स्मार्टनेस; स्थायी सामुदायिक योजना; परिवहन योजना और रूटिंग सेवाएँ; शहरी संस्कृति, संरक्षण और विरासत योजना; शहरी योजना; शहरी नियोजन: उपयोगिताएँ, सेवाएँ;



शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	16
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	04
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	07
फैलो - पेशेवर निकाय	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	09
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	07
पुरस्कार और सम्मान	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	46
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	08
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	06
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	10
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	05
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	05
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	16



जैव प्रौद्योगिकी

विभागाध्यक्ष: रामकृष्ण सेन

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अमित कुमार दास	पीएच.डी.	
अनंत कुमार घोष	पीएच.डी.	पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी; इम्यूनोटेक्नोलोजी; रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स; वाइरलजी
अनिंद्य सुंदर घोष	पीएच.डी.	बैक्टीरियल बायोफिल्म गठन; एंटीबायोटिक प्रतिरोध तंत्र; पेनिसिलिन-इंटेरेक्टिव एंजाइम; बहु-दवा प्रतिरोध इफ्लक्स पंप; जीवाणु कोशिका आकार
देवव्रत दास	पीएच.डी.	
मृणाल कुमार मैती	पीएच.डी.	प्लांट आणविक जीवविज्ञान; चावल की फसल के कार्यात्मक जीनोमिक्स; पौधों की प्रौद्योगिकी, फंगी और शैवाल; लिपिड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग; एंडोफाइटिक माइक्रोब्स के बायोप्रोस्पेक्टिंग
पिनाकी सर	पीएच.डी.	माइक्रोबियल जीनोमिक्स और मेटागेनोमिक्स; गहरे जीवमंडल के माइक्रोबायोलॉजी; जियो माइक्रोबायोलोजी; बायोरेमेडिएशन और बायोडिग्रेडेशन
रामकृष्ण सेन	पीएच.डी.	हरित प्रक्रिया और उत्पाद विकास; माइक्रोगल और माइक्रोबियल बायोरफाइनरी; जैव ईंधन जैव-सीसीआर और अपशिष्ट सत्यापन; रोगाणुरोधी और एंटीकैंसर लिपोपेप्टाइड; समुद्री और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी
सत्यहरि दे	पीएच.डी.	
सुदीप कुमार घोष	पीएच.डी.	प्लांट आणविक जीवविज्ञान; नेनोबायोटेक्नोलॉजी; परजीवी की आणविक कोशिका जीव विज्ञान
तापस कुमार मैती	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक

रंजीत प्रसाद बहादुर	पीएच.डी.	जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान
---------------------	----------	--

सहायक प्राध्यापक

आग्नेयो गांगुली	पीएच.डी.	रीकैक हेलिसिज के तंत्रिकी अध्ययन; प्रोटीन प्रोटीन अंतःक्रियाएं
रिद्धिमान धर	पीएच.डी., विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड	ज्यूरिख दवा प्रतिरोध विकास; गैर-आनुवंशिक भिन्नता; जीन पर्यावरण अंतःक्रिया
सोमदब बोस दासगुप्ता	पीएच.डी.	

विजिटिंग फैकल्टी

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
तापस कुमार मैती	प्राध्यापक	
देवव्रत दास	प्राध्यापक	बायोइहाइड्रोजेन उत्पादन; बायोइथेन प्रक्रिया विकास; माइक्रोबियल ईंधन सेल;



Microalgae द्वारा CO2 अनुक्रम; फोटो-बायोरिएक्टर और बायोडीजल उत्पादन

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

रोगाणुरोधी रसायन चिकित्सा, जीवाणु आकृति विज्ञान और बायोफिल्म गठन; भारी धातुओं, रेडियोन्यूक्लाइड और कार्बनिक प्रदूषकों का बायोरिमेडिएशन; दूषित स्थलों पर माइक्रोबियल सामुदायिक संरचना और कार्य का आणविक विश्लेषण; ई। की आणविक प्रतिरूपण, अभिव्यक्ति और लक्षण वर्णन, विशिष्ट प्रोटीनों को कूटबद्ध करता है; संयंत्र, पशु और माइक्रोबियल सिस्टम में पुनः संयोजक प्रोटीन अभिव्यक्ति; एम। तपेदिक और एस ऑरियस से प्रोटीन के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, दवा और अवरोधक डिजाइन पर लक्ष्य; हाइब्रिड बायोरिएक्टर का उपयोग करके औद्योगिक कचरे से हाइड्रोजन उत्पादन में सुधारा स्थिर पुनः संयोजक ई। कोलाई बीएल -21 द्वारा निरंतर हाइड्रोजन उत्पादन; तपेदिक रेशमकीट को संक्रमित करने वाले साइप्रोवायरस के आणविक विश्लेषण; फाइटोमेडिसिन और आणविक खेती; कम वसा वाली सामग्री ट्रांसजेनिक तिलहन संयंत्र का विकास; बायोमिकफ्लोराइडिक्स और बायोचिप विकास; प्राकृतिक स्रोतों से इम्यूनोमोड्यूलेटर की पहचान और लक्षण वर्णन; माइक्रोबियल ईंधन सेल; अंटार्कटिक माइक्रोबायोटा की विशेषता; प्रोबायोटिक आधारित न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद विकास; कोशिकीय सूक्ष्म जीव विज्ञान और इमेनोबायोलॉजी; आनुवांशिक और गैर-आनुवांशिक बदलावों की प्रणाली जीव विज्ञान; मेजबान-रोगजनक अंतःक्रिया; कार्बन प्रक्रिया के साथ माइक्रोकोगल-माइक्रोबियल बायोरिफाइनरी में हरित प्रक्रिया और उत्पाद विकास

अनुसंधान क्षेत्र

एंटीबायोटिक प्रतिरोध तंत्र; रोगाणुरोधी और एंटीकैंसर लिपोपेप्टाइड; रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स; बैक्टीरियल बायोफिल्म गठन; जीवाणु कोशिका आकार; जैव ईंधन जैव-सीसीआर और अपशिष्ट सत्यापन; बायोइहाइड्रोजेन उत्पादन; बायोइथेन प्रक्रिया विकास; जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान; एंडोफाइटिक माइक्रोब्स के बायोप्रोस्पेक्टिंग; बायोरिमेडिएशन और बायोडिग्रेडेशन; पौधों की प्रौद्योगिकी, फंगी और शैवाल; Microalgae द्वारा CO2 अनुक्रम; दवा प्रतिरोध विकास; चावल की फसल के कार्यात्मक जीनोमिक्स; जीन-पर्यावरण अंतःक्रिया; जियो माइक्रोबायोलोजी; हरित प्रक्रिया और उत्पाद विकास; इम्यूनो प्रौद्योगिकी; लिपिड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग; समुद्री और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी; RecQ हेलीकाप्टरों का यंत्रवत अध्ययन; माइक्रोगल और माइक्रोबियल बायोरिफाइनरी; माइक्रोबियल ईंधन सेल; माइक्रोबियल जीनोमिक्स और मेटागेनोमिक्स; गहरे जीवमंडल के माइक्रोबायोलॉजी; परजीवी की आणविक कोशिका जीव विज्ञान; बहु-दवा प्रतिरोध इफ्लक्स पंप; नेनोबायोटेक्नोलॉजी; गैर-आनुवांशिक भिन्नता; पेनिसिलिन-इंटैक्टिव एंजाइम; फोटो- बायोरिएक्टर और बायोडीजल प्रोडक्टियो; प्लांट आणविक जीवविज्ञान; प्रोटीन प्रोटीन अंतःक्रिया; पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी; विषाणु विज्ञान;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	23
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	05
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	1 1
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	12
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	06
पुरस्कार और सम्मान	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	59
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	10
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	22
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	48
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	32



रासायनिक अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: गार्गी दास

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अमर नाथ सामंत	पीएच.डी, IIT खड़गपुर	कार्बन को पकड़ने और भंडारण; मजबूत, गैर रेखीय और अनुकूली नियंत्रण; व्यर्थ पानी का उपचार
भीम चरण मैकप	पीएच.डी.	प्रदूषण निगरानी और नियंत्रण; प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी; कोयला विज्ञान और प्रौद्योगिकी; तरलीकरण; पुनःप्राप्य उर्जा स्रोत
गार्गी दास	पीएच.डी.	मल्टीफेज प्रवाह और जटिल तरल पदार्थ; प्रक्रिया गहनता; कम आयामों में मुटफिज प्लो; मल्टीफेज सिस्टम के लिए सेंसर विकास; कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता (CFD)
गौतम कुंडू	पीएच.डी.	
जयंत कुमार बसु	पीएच.डी.	सोखना और पृथक्करण विज्ञान; व्यर्थ पानी का उपचार; अग्रिम ऑक्सीकरण प्रक्रियाएं; प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग
नारायण चंद्र प्रधान	पीएच.डी.	
रबीब्रता मुखर्जी	पीएच.डी.	
सिरषेदु दे	पीएच.डी.	झिल्ली जुदाई; पानी और अपशिष्ट जल उपचार; सूक्ष्म द्रविकी; परिवहन घटना
सुदर्शन नेगी	पीएच.डी.	
सुदीप्तो चक्रवर्ती	पीएच.डी.	अल्ट्राफास्ट कूलिंग (स्प्रे, जेट, कूलेंट); मॉडलिंग और सिमुलेशन प्रक्रिया; सीएफडी और हीट ट्रांसफर, कार्बन आधारित नैनो-सामग्री
सुनंदो दासगुप्ता	पीएच.डी.	सूक्ष्म द्रविकी; सूक्ष्म परिवहन प्रक्रियाएं; इंटरफेसियल घटना
स्वाती नियोगी	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
अमीया कुमार जाना	पीएच.डी.	
अर्नब अत्ता	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; सूक्ष्म द्रविकी; कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर
देबासीस सरकार	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी; क्रिस्टलीकरण इंजीनियरिंग; बहुउद्देशीय अनुकूलन
जयंत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
पराग अरविंद देशपांडे	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; आणविक अनुकरण
सैकत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	जैव ऊर्जा और प्रासंगिक सामग्रियों का विकास; सूक्ष्मजीव जैव ईंधन; लिग्नोसेल्युलॉसिक जैव ईंधन; रासायनिक रिएक्टर मॉडलिंग; कैटालिसिस और प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग
सोमनाथ गांगुली	पीएच.डी.	छिद्रयुक्त मीडिया; संरचित द्रव



सोनाली सेनगुप्ता सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	पेट्रोलियम इंजीनियरिंग; कैटालिसिस और प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग
हरिकृष्णन जी	पीएच.डी.	
कौस्तुभ रे	पीएच.डी.	
मनीष कौशल	पीएच.डी.	इलेक्ट्रोहीओलोजी; मुलायम ग्लासी-Rheology; ऊर्ध्वाधर तरल पतली फिल्मों की ड्रेनिंग; सूक्ष्म द्रविकी; आणविक रूप से पतली तरल-फिल्म का सिद्धांत
मोनोजीत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	माइक्रोफ्लुइडिक्स और सूक्ष्म परिवहन; इंटरफैसअल फेनोमेना; तरल पतली फिल्में; माइक्रोस्कोप हीट ट्रांसफर; बायोमिमेटिक्स
सौरव मंडल	पीएच.डी.	झरझरा माध्यम में परिवहन; लिक्विड क्रिस्टल का विज्ञान; कम रेनॉल्ड्स संख्या के हाइड्रोडायनामिक्स; रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण
सुभ्रत रे	पीएच.डी.	

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
कौस्तुभ रे	सहायक प्राध्यापक	
मोनोजीत चक्रवर्ती	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोफ्लुइडिक्स और सूक्ष्म परिवहन; इंटरफैसअल फेनोमेना; तरल पतली फिल्में; माइक्रोस्कोप हीट ट्रांसफर; बायोमिमेटिक्स
सौरव मंडल	सहायक प्राध्यापक	झरझरा माध्यम में परिवहन; लिक्विड क्रिस्टल का विज्ञान; कम रेनॉल्ड्स संख्या के हाइड्रोडायनामिक्स; रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण

पदोन्नति

मनीष कौशल	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रोहीओलोजी; मुलायम ग्लासी-Rheology; ऊर्ध्वाधर तरल पतली फिल्मों की ड्रेनिंग; सूक्ष्म द्रविकी; आणविक रूप से पतली तरल-फिल्म की शब्दावली
-----------	------------------	--

पुनः - नियुक्ति

गौतम कुंडू	पीएच.डी.
------------	----------

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

अंडरग्रेजुएट, एमटैक, एम एस, पीएचडी, और पोस्ट-डॉक्टरल स्तर पर शिक्षण और अनुसंधान

अनुसंधान क्षेत्र

सोखना और पृथक्करण विज्ञान; अग्रिम ऑक्सीकरण प्रक्रियाएं; जैव ऊर्जा और प्रासंगिक सामग्रियों का विकास; बायोमिमेटिक्स; कार्बन आधारित नैनो-सामग्री; कार्बन को पकड़ने और भंडारण; कैटालिसिस और प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग; CFD और हीट ट्रांसफर; रासायनिक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रवाह; रासायनिक रिएक्टर मॉडलिंग; कोयला विज्ञान और प्रौद्योगिकी; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता (सीएफडी); कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर; कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी; क्रिस्टलीकरण इंजीनियरिंग; ऊर्ध्वाधर तरल पतली फिल्मों की ड्रेनिंग; इलेक्ट्रोहीओलोजी; तरलीकरण; गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण; कम रेनॉल्ड्स संख्या के हाइड्रोडायनामिक्स; इंटरफैसअल फेनोमेना; लिग्नोसेल्युलॉसिक जैव ईंधन; तरल पतली फिल्में; झिल्ली



जुदाई; सूक्ष्मजीव जैव ईंधन; सूक्ष्म द्रविकी; माइक्रोफ्लुइडिक्स और सूक्ष्म परिवहन; माइक्रोस्कोप हीट ट्रांसफर; सूक्ष्म परिवहन प्रक्रियाएं; आणविक सिमुलेशन; बहुउद्देश्यीय अनुकूलन; मल्टीफेज प्रवाह और जटिल तरल पदार्थ; कम आयामों में मुटफिज फ्लो; पेट्रोलियम इंजीनियरिंग; प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी; प्रदूषण निगरानी और नियंत्रण; छिद्रयुक्त मीडिया; प्रक्रिया गहनता; मॉडलिंग और सिमुलेशन प्रक्रिया; प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग; पुनःप्राप्य उर्जा स्रोत; आणविक रूप से पतले तरल-फिल्म की शब्दावली; मजबूत, गैर रेखीय और अनुकूली नियंत्रण; लिक्विड क्रिस्टल का विज्ञान; मल्टीफेज सिस्टम के लिए सेंसर विकास; एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; मुलायम ग्लासी-रियोलोजी; संरचित द्रव; झरझरा माध्यम में परिवहन; परिवहन घटना; अल्ट्राफास्ट कूलिंग (स्प्रे, जेट, कूलेंट); व्यर्थ पानी का उपचार; पानी और अपशिष्ट जल उपचार;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	05
सहयोग	23
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	06
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	16
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
फेलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	02
पुरस्कार और सम्मान	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	56
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	29
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	11
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	28
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	02
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	76
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	18



रसायन विज्ञान

विभागाध्यक्ष: मनीष भट्टाचार्य

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
सी रतनाराज	पीएच.डी.	कार्यात्मक सामग्री; इलेक्ट्रोलायसिस; बायोसेंसर्स; ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण; ऊर्जा सामग्री
देबाशीष रे	पीएच.डी.	
जॉयकृष्ण डे	पीएच.डी.	संगठित विधानसभाओं; बड़े अणुओं; ड्रग डिलीवरी सिस्टम; आणविक जैल; बायोमैक्रोमोलीक्यूल-लिगैंडइंटैक्शन
कुमार बिरधा	पीएच.डी.	संरचनात्मक रसायन विज्ञान; पॉलिमर संश्लेषण; कार्यात्मक सामग्री; संगठित विधानसभाओं; ऊर्जा सामग्री
मनीष भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
नारायण धुलिप प्रदीप सिंह	पीएच.डी.	FPRPG का डिजाइन और विकास; एक और दो-फोटॉन पीआरपीजी का विकास ;; छवि निर्देशित डीडीएस के लिए कार्बनिक नैनोकैरियर; गैसोट्रांसमीटर की रिहाई के लिए PRPGI; कार्बनिक संश्लेषण के लिए फोटोकैटलिसिस
निलमोनी सरकार	पीएच.डी.	एफसीएस, एफएलआईएम, एफआरईटी, अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी; ग्राफीन ऑक्साइड -प्रोटीन अंतःक्रिया
प्रतीम कुमार चटराजा	पीएच.डी.	
सामिक नंदा	पीएच.डी.	असममित संश्लेषण; प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; कार्बनिक संश्लेषण में बायोकाटलिसिस;
संजय बंधोपाध्याय	पीएच.डी.	
सरबानी ताराफल	पीएच.डी.	
सुनील कुमार श्रीवास्तव	पीएच.डी.	
स्वागता दासगुप्ता	पीएच.डी.	प्रोटीन-प्रोटीन / न्यूक्लिक एसिड इंटैक्शन; प्रोटीन प्रोटीन अंतःक्रिया; प्रोटीन एकत्रीकरण अध्ययन; प्रोटीन रसायन विज्ञान
तन्मय पाठक	पीएच.डी.	
सहायक प्राध्यापक		
अहिन्द्र नाग	पीएच.डी.	
अमिता (पाठक) महंती	पीएच.डी.	
अनूप अयप्पन	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; सॉफ्टवेयर विकास; मॉडलिंग प्रतिक्रिया तंत्र; रासायनिक विकास; नेनोक्लस्टर मॉडलिंग
दिबाकर धारा	पीएच.डी.	मैक्रोमोलीक्यूल के भौतिक रसायन; सिंथेटिक पॉलिमर रसायन; बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर; स्टिमुली उत्तरदायी पॉलिमर; कोलाइड्स और नैनोमटेरियल्स
गणेशन मणि	पीएच.डी.	और्गेनोमैटेलिक, मुख्य समूह और कटैलिसिस
मिंटू हलदर	पीएच.डी.	प्रायोगिक शारीरिक रसायन; बायोफिजिक्स; स्पेक्ट्रोस्कोपी; एकल अणु स्पेक्ट्रोस्कोपी; सामग्री की स्पेक्ट्रोस्कोपी



राजकुमार अनंतकृष्णन	पीएच.डी.	फोटोकैटैलिटिक कार्बनिक रूपांतरण; प्रदूषक / कट्टरपंथी के लिए विश्लेषणात्मक तरीके; नैनो समन्वय पॉलिमर फोटोकैटैलिस्ट्स; फोटोकैटैलिसिस / गैस सेंसिंग के लिए सामग्री
सब्यसाची मिश्रा	पीएच.डी.	हाइब्रिड क्यूएम / एमएम के साथ एंजाइम कैटालिसिस; आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी; आणविक चुंबकत्व
संजीव कुमार पात्रा	पीएच.डी.	सिंथेटिक अकार्बनिक रसायन विज्ञान; बड़े अणुओं; फोटोवोल्टिसेज; पॉलिमर संश्लेषण; ऑर्गेनोमेट्रिक रसायन
सहायक प्राध्यापक		
देवव्रत मुखर्जी	पीएच.डी.	सिंथेटिक अकार्बनिक रसायन विज्ञान; ऑर्गेनोमेटेलिक, मेन ग्रुप और कैटलिसिस
गणेश वेंकटरमन	पीएच.डी.	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; असममित संश्लेषण; संक्रमण धातु उत्प्रेरक; प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; फोटोरेडॉक्स कैटालिसिस
माधव चंद्र दास	पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे)	छिद्रपूर्ण धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ); छिद्रपूर्ण द्विआणविक कार्बनिक फ्रेमवर्क (सीओएफ); क्रिस्टल अभियांत्रिकी ; प्रोटॉन संचालित सामग्री; कार्यात्मक छिद्रपूर्ण सामग्री
मधुसूदन माजी	पीएच.डी.	
पार्थ प्रतिम जाना	पीएच.डी.	संरचनात्मक रसायन विज्ञान; ऊर्जा सामग्री; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान
प्रदीप कुमार चक्रवर्ती	पीएच.डी.	संरचनात्मक रसायन विज्ञान; इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री; कार्यात्मक सामग्री; नैनो सामग्री
राजर्षि सामंत	पीएच.डी.	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; संक्रमण धातु उत्प्रेरक; असममित संश्लेषण
संतनु पांडा	पीएच.डी.	
सुकांत मंडल	पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)	सिंथेटिक अकार्बनिक रसायन विज्ञान
सुमन कल्याण सामंत	पीएच.डी.	कार्यात्मक सामग्री; संगठित विधानसभाओं; बड़े अणुओं; प्रवाहकीय पॉलिमर; ऊर्जा सामग्री
नई संकाय नियुक्ति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
गणेश वेंकटरमन	पीएच.डी.	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; असममित संश्लेषण; संक्रमण धातु उत्प्रेरक; प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; फोटोरेडॉक्स कैटालिसिस
प्रदीप कुमार चक्रवर्ती	पीएच.डी.	संरचनात्मक रसायन विज्ञान; इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री; कार्यात्मक सामग्री; नैनो सामग्री
राजर्षि सामंत	पीएच.डी.	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; संक्रमण धातु उत्प्रेरक; असममित संश्लेषण
संतनु पांडा	पीएच.डी.	
सुमन कल्याण सामंत	पीएच.डी.	कार्यात्मक सामग्री; संगठित विधानसभाओं; बड़े अणुओं; प्रवाहकीय पॉलिमर; ऊर्जा सामग्री

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

विभाग के संकाय सदस्य अनुसंधान के सभी प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं। उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में प्रकाशन विभाग में चल रहे अनुसंधान की गुणवत्ता को दर्शाता है। विभाग में बड़ी संख्या में अनुसंधान परियोजनाएं चालू हैं।



अनुसंधान क्षेत्र

प्रदूषक / कट्टरपंथी के लिए विश्लेषणात्मक तरीके; असममित संश्लेषण; कार्बनिक संश्लेषण में बायोकाटलिसिस; बायोमैक्रोमोले-लिगैंड इंटरैक्शन; बायोफिजिक्स; बायोसैंसर्स; रासायनिक विकास; कोलाइड्स और नैनोमटेरियल्स; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; प्रवाहकीय पॉलिमर; क्रिस्टल इंजीनियरिंग; FPRPG का डिजाइन और विकास; एक और दो-फोटॉन पीआरपीजी का विकास ;; ड्रग डिलीवरी सिस्टम; वैद्युतिक उत्प्रेरक; इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री; ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण; ऊर्जा सामग्री; हाइब्रिड क्यूएम / एमएम के साथ एंजाइम कैटालिसिस; प्रायोगिक शारीरिक रसायन; एफसीएस, एफएलआईएम, एफआरईटी, अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी; कार्यात्मक सामग्री; कार्यात्मक झरझरा सामग्री; ग्राफीन ऑक्साइड -प्रोटीन अंतःक्रिया; बड़े अणुओं; फोटोकैटलिसिस / गैस सेंसिंग के लिए सामग्री; मॉडलिंग प्रतिक्रिया तंत्र; आणविक जैल; आणविक चुंबकत्व; आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी; नैनोक्लस्टर मॉडलिंग; नैनो समन्वय पॉलिमर फोटोकैटलिसिस्ट्स; नैनो सामग्री; छवि निर्देशित डीडीएस के लिए कार्बनिक नैनोकैरियर; संगठित विधानसभाओं; ऑर्गेनोमेट्रिक रसायन; ऑर्गेनोमेटेलिक, मेन ग्रुप और कैटलिसिस; कार्बनिक संश्लेषण के लिए फोटोकैटलिसिस; फोटोकैटेलिटिक कार्बनिक रूपांतरण; फोटोरेडॉक्स कैटालिसिस; मैक्रोमोलीक्यूलस के भौतिक रसायन; बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर; पॉलिमर संश्लेषण; झरझरा सहसंयोजक कार्बनिक ढांचा (COF); झरझरा धातु कार्बनिक चौखटे (एमओएफ); प्रोटीन एकत्रीकरण अध्ययन; प्रोटीन रसायन विज्ञान; प्रोटीन प्रोटीन अंतःक्रिया; प्रोटीन - छोटे अणु अंतःक्रिया; प्रोटीन का आयोजन सामग्री; गैसोट्रांसमीटर की रिहाई के लिए PRPGI; एकल अणु स्पेक्ट्रोस्कोपी; सॉफ्टवेयर विकास; स्पेक्ट्रोस्कोपी; सामग्रियों की स्पेक्ट्रोस्कोपी; स्टिमुली उत्तरदायी पॉलिमर; संरचनात्मक रसायन विज्ञान; सिंथेटिक अकार्बनिक रसायन विज्ञान; सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; सिंथेटिक पॉलिमर रसायन; प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; संक्रमण धातु उत्प्रेरक;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	23
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	27
फैलो - पेशेवर निकाय	05
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	14
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	09
पुरस्कार और सम्मान	10
फैलोशिप	08
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	51
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	07
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	51
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	07
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	153
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	09



सिविल अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: निर्झर धांग

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अनिरुद्ध सेनगुप्ता	पीएच.डी.	मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; असंतृप्त मृदा रसायन; मृदा-संरचना सहभागिता
अंजलि पाल	पीएच.डी.	
अर्घ्य देव	पीएच.डी.	असतत तत्व; कंक्रीट में आकार का प्रभाव; कंक्रीट के माइक्रोमैकेनिक्स
अशोक कुमार गुप्ता	पीएच.डी.	पानी और अपशिष्ट जल उपचार; औद्योगिक प्रवाह उपचार और पुनः उपयोग; पर्यावरण प्रभाव आकलन; वायु गुणवत्ता प्रबंधन; पर्यावरण निगरानी और योजना
बैद्युर्य भट्टाचार्य	पीएच.डी.	संरचनात्मक सुरक्षा; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; संभावित सुरक्षा आकलन; आणविक सिमुलेशन; स्थिरता अभियांत्रिकी
भार्गव मैत्रा	पीएच.डी.	
दामोदर मैती	पीएच.डी.	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; हाइब्रिड संरचनाओं का कंपन नियंत्रण; लागत प्रभावी आवास; बांधों की भूकंपीय सुरक्षा
देबासीस रॉय	पीएच.डी.	मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; भूमि सुधार और मृदा / रॉक स्थिरीकरण; स्थायी जमीन इंजीनियरिंग; न्यूमेरिकल मॉडलिंग ऑफ जियोटेक्निकल सिस्टम्स
ध्रुवज्योति सेन	पीएच.डी.	नदी हाइड्रोलिक्स और इंजीनियरिंग; शहरी बाढ़ निगरानी और प्रबंधन; हाइड्रोलिक संरचनाएं: डिजाइन / संचालन
दिलीप कुमार बैद्य	पीएच.डी.	मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; मशीन नींव; ढेर नींव; जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में विश्वसनीयता; भूमि सुधार और मिट्टी / रॉक स्थिरीकरण
कुसम सुधाकर रेड्डी	पीएच.डी.	फुटपाथ सामग्री; फुटपाथ विश्लेषण; फुटपाथ मूल्यांकन
लिंगदहली एस रामचंद्र	पीएच.डी.	संरचनाओं की स्थिरता; के तहत भंगुर सामग्री विफलता प्रभाव; नॉनलाइनर डायनेमिक्स
मकरंद माधव घंगरेकर	पीएच.डी.	जल और अपशिष्ट जल उपचार / पुनर्चक्रण; अवायवीय अपशिष्ट जल उपचार; जैव-रासायनिक प्रक्रियाएं, MFC, MDC; ऊर्जा की वर्षा
एम अमरनाथ रेड्डी	पीएच.डी.	
निर्झर धांग	पीएच.डी.	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी और नियंत्रण; कंक्रीट के माइक्रोमैकेनिक्स; पुलों की गतिशीलता; जैवयांत्रिकी
श्रीमान कुमार भट्टाचार्य	पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर)	
सुभाशीष डे	पीएच.डी.	टर्बुलेंस और फ्लुविअल हाइड्रोलिक्स; विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल हाइड्रोडायनामिक्स



सुधीर कुमार बराई	पीएच.डी.	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; स्थायी संरचनाएं; बड़े डेटा विश्लेषण; मशीन लर्निंग
सुजीत कुमार दाश	पीएच.डी.	
वेंकप्पय्या आर देसाई	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
अमित शॉ		
अनिर्बान धार	पीएच.डी.	भूजल जल विज्ञान; विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल हाइड्रोडायनामिक्स; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; झरझरा मीडिया के माध्यम से प्रवाह
बिस्वनाथ बनर्जी	पीएच.डी.	
ब्रजेश कुमार दुबे	पीएचडी, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	पर्यावरण इंजीनियरिंग; एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन; जीवन चक्र विश्लेषण और सतत इंजीनियरिंग; पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन; स्मार्ट शहरों के लिए MSW प्रबंधन
कौसिक देब	पीएच.डी.	मृदा-संरचना सहभागिता; भूमि सुधार और मिट्टी / रॉक स्थिरीकरण; संख्यात्मक मॉडलिंग; नरम मिट्टी पर फाउंडेशन; मृदा गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग
नीलांजन मित्र	पीएच.डी.	
प्रशान्त रेड्डी हनमायगारी	पीएच.डी.	टर्बुलेंस और फ्लुविअल हाइड्रॉलिक्स; तलछट परिवहन के यांत्रिकी; पाइपलाइनों में अस्थिर प्रवाह; ओपन चैनल फ्लो हाइड्रोलिक्स
राजीब मैती	पीएच.डी.	हाइड्रोक्लिमैटोलॉजी और जल संसाधन Eng; रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन; जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव; समय श्रृंखला विश्लेषण और पूर्वानुमान; जल विज्ञान में एमएल और ए.आई.
शुभा वर्मा	पीएच.डी.	
सुदेशना मित्रा	पीएच.डी.	
सुधा गोयल	पीएच.डी.	पर्यावरण इंजीनियरिंग; पानी की गुणवत्ता और उपचार; ठोस और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन; पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन; पर्यावरण प्रभाव आकलन
सुशांत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	नोबेल न्यूमेरिकल एनालिसिस टूल्स का विकास
सहायक प्राध्यापक		
देवबर्ष चक्रवर्ती	पीएचडी, IISc बैंगलोर	भू-तकनीकी प्रणालियों के संख्यात्मक मॉडलिंग; मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; भूमि सुधार और मिट्टी / रॉक स्थिरीकरण; जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में विश्वसनीयता
क्रांती कुमार कुना	पीएच.डी.	
मोहम्मद सऊद अफजल	पीएच.डी.	
परमिता भट्टाचार्य	पीएचडी, IISc बैंगलोर	भू-तकनीकी प्रणालियों के संख्यात्मक मॉडलिंग; मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; भूमि सुधार और मिट्टी / रॉक स्थिरीकरण
पुनीत कुमार पात्रा	पीएच.डी.	नॉनलाइनर डायनेमिक्स; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; कम्प्यूटेशनल



नैनोस्ट्रक्चर; आणविक अनुकरण

शेख जहाँगीर हुसैन

पीएच.डी.

पदोन्नति

बिस्वनाथ बनर्जी

सह - प्राध्यापक

प्रशान्त रेड्डी हनमायगारी

पीएच.डी.

टर्बुलेंस और फ्लुविअल हाइड्रॉलिक्स; तलछट परिवहन के यांत्रिकी; पाइपलाइनों में अस्थिर प्रवाह; ओपन चैनल फ्लो हाइड्रोलिक्स

अनुसंधान क्षेत्र

वायु गुणवत्ता प्रबंधन; अवायवीय अपशिष्ट जल उपचार; विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल हाइड्रोडायनामिक्स; बिग डेटा एनालिटिक्स; जैव-रासायनिक प्रक्रियाएं, MFC, MDC; जैवयांत्रिकी; प्रभाव के तहत भंगुर सामग्री विफलता; जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर; लागत प्रभावी आवास; नोबेल न्यूमेरिकल एनालिसिस टूल्स का विकास; असतत तत्व; पुलों की गतिशीलता; पर्यावरण इंजीनियरिंग; पर्यावरण प्रभाव आकलन; पर्यावरण निगरानी और योजना; पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन; झरझरा मीडिया के माध्यम से प्रवाह; नरम मिट्टी पर फाउंडेशन; भूमि सुधार और मृदा / रॉक स्थिरीकरण; भूजल जल विज्ञान; हाइड्रोलिक संरचनाएं: डिजाइन / संचालन; हाइड्रोक्लिमेटोलॉजी और जल संसाधन Eng; औद्योगिक प्रवाह उपचार और पुनः उपयोग; एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन; जीवन चक्र विश्लेषण और सतत इंजीनियरिंग; मशीन नींव; मशीन लर्निंग; तलछट परिवहन के यांत्रिकी; कंक्रीट के माइक्रोमैकेनिक्स; जल विज्ञान में एमएल और एआई; आणविक सिमुलेशन; स्मार्ट शहरों के लिए MSW प्रबंधन; नॉनलाइनर डायनेमिक्स; संख्यात्मक मॉडलिंग; भू-तकनीकी प्रणालियों के संख्यात्मक मॉडलिंग; ओपन चैनल फ्लो हाइड्रोलिक्स; फुटपाथ विश्लेषण; फुटपाथ का मूल्यांकन; फुटपाथ सामग्री; ढेर नींव; जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में विश्वसनीयता; रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन; नदी हाइड्रोलिक्स और इंजीनियरिंग; बांधों की भूकंपीय सुरक्षा; कंक्रीट में आकार का प्रभाव; मिट्टी की गतिशीलता, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग; मृदा-संरचना सहभागिता; ठोस और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन; संरचनाओं की स्थिरता; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी और नियंत्रण; स्थायी जमीन इंजीनियरिंग; स्थायी संरचनाएं; समय श्रृंखला विश्लेषण और पूर्वानुमान; टर्बुलेंस और फ्लुविअल हाइड्रॉलिक्स; असंतृप्त मृदा रसायन; पाइपलाइनों में अस्थिर प्रवाह; शहरी बाढ़ निगरानी और प्रबंधन; हाइब्रिड संरचनाओं का कंपन नियंत्रण; ऊर्जा की वर्बादी; पानी और अपशिष्ट जल उपचार; पानी की गुणवत्ता और उपचार; जल और अपशिष्ट जल उपचार / पुनर्चक्रण;

शैक्षिक प्रदर्शन

फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	14
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	21
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	04
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	116
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	74



संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: सुदेष्णा सरकार

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अभिजीत दास	पीएच.डी. IISc बेंगलोर	
अनुपम बसु	पीएच.डी.	
अरविंदा गुप्ता	पीएच.डी.	सिस्टम और नेटवर्किंग
चित्तरंजन मंडल	पीएच.डी.	
देवदीप मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	
दिपांविता रॉय चौधरी	पीएच.डी.	
इंद्रनील सेनगुप्ता	पीएच.डी.	वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के लिए सीएडी; जानकारी सुरक्षा; नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण
जयंत मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	छवि और वीडियो प्रसंस्करण; जैव सूचना विज्ञान; मेडिकल सूचना विज्ञान; बायोमेडिकल इंस्ट्रुमेंटेशन; रोबोटिक
ऋथपल्ली श्रीनिवास राव	पीएच.डी.	संकेत प्रसंस्करण; भाषण प्रसंस्करण; ऑडियो, संगीत और मल्टीमीडिया; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता; बिग डेटा एनालिटिक्स
निलॉय गांगुली	पीएच.डी.	
पाबित्रा मित्रा	पीएच.डी.	
पल्लव दासगुप्ता	पीएच.डी.	औपचारिक तरीके; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के लिए सीएडी; कृत्रिम बुद्धिमता;
पार्थ भौमिक	पीएच.डी.	एल्गोरिदम; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान; संगणक ग्राफिक्स; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; कंप्यूटर दृष्टी
पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
पार्थ प्रतिम दास	पीएच.डी.	कंप्यूटर दृष्टी; मशीन लर्निंग; सॉफ्टवेर अभि.; डिजिटल विरासत; प्रौद्योगिकी सक्षम लर्निंग
राजीव कुमार	पीएच.डी.	
राजीब मल	पीएच.डी.	कार्यक्रम विश्लेषण; कार्यक्रम का परीक्षण
शमीक सुराल	पीएच.डी.	डेटा साइंस; डेटा और अनुप्रयोग सुरक्षा
सौम्य कांति घोष	पीएच.डी.	स्थानिक सूचना विज्ञान; मशीन लर्निंग; स्थानिक वेब सेवाएं; स्पेटो-टेम्पोरल डेटा विश्लेषण; क्लाउड कंप्यूटिंग
सुदेवकुमार प्रशांत पाल	पीएच.डी.	एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण; कम्प्यूटेशनल ज्यामिति; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत
सुदेष्णा सरकार	पीएच.डी.	कृत्रिम बुद्धिमता; सूचना पुनर्प्राप्ति; मशीनसीखना; प्राकृतिक भाषा
सुदीप मिश्रा	पीएच.डी.	
सुजॉय घोष	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक



अनिमेष मुखर्जी	पीएच.डी.	कृत्रिम बुद्धिमता; बिग डेटा एनालिटिक्स; प्राकृतिक भाषा प्रकमण; सूचना पुनर्प्राप्ति; मशीन लर्निंग
देबासी सामंत	पीएच.डी.	
रजत सुभ्रा चक्रवर्ती	पीएच.डी.	हार्डवेयर सुरक्षा; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; डिजिटल सामग्री संरक्षण; डिजिटल छवि फॉरेंसिक
सहायक प्राध्यापक		
अबीर दास	पीएच.डी.	कंप्यूटर दृष्टी; कृत्रिम बुद्धिमता; मशीन लर्निंग; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; पैटर्न मान्यता
आरित्र हाजरा	पीएच.डी.	औपचारिक तरीके; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के लिए सीएडी; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; अंतः स्थापित प्रणाली; डिजाइन सत्यापन
बिस्व मित्रा	पीएच.डी.	नेटवर्क विज्ञान, बहुपरत नेटवर्क; सामाजिक नेटवर्क, डेटा विज्ञान; असंगति का पता लगाये; मोबाइल भावात्मक कंप्यूटिंग; सामाजिक-मोबाइल एप्लिकेशन, सामाजिक-IoT
पलाश डे	पीएच.डी.	एल्गोरिदम; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान
पवन गोयल	पीएच.डी.	प्राकृतिक भाषा प्रकमण; सूचना पुनर्प्राप्ति; डेटा और वेब खनन; जटिल और सामाजिक नेटवर्क
प्रलय मित्रा	पीएच.डी. (आईआईएससी, बैंगलोर)	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी; जैव सूचना विज्ञान; आणविक सिमुलेशन; कम्प्यूटेशनल डाटा साइंस
रोजर्स मैथ्यू	पीएच.डी.	
संदीप चक्रवर्ती	पीएच.डी. (आईआईटी गुवाहाटी)	कंप्यूटर नेटवर्क; सहायक प्रणाली; सिस्टम और नेटवर्किंग
सप्तर्षि घोष	पीएच.डी.	सूचना पुनर्प्राप्ति; डेटा माइनिंग; प्राकृतिक भाषा प्रकमण; मशीन लर्निंग; जटिल और सामाजिक नेटवर्क
सोमिन्दु च रमन्ना	पीएच.डी.	क्रिप्टोग्राफी; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान; एल्गोरिदम
सौम्यजीत डे	पीएच.डी.	औपचारिक तरीके; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के लिए सीएडी; अंतः स्थापित प्रणाली
सोरंगशू भट्टाचार्य	पीएच.डी.	कृत्रिम बुद्धिमता; मशीन लर्निंग; जानकारी रिट्रीवल; बिग डेटा एनालिटिक्स; स्थानिक सूचना विज्ञान
स्वागातो सान्याल	पीएच.डी.	एल्गोरिदम; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान
नई संकाय नियुक्ति		
भार्गव बिक्रम भट्टाचार्य	प्राध्यापक	
पलाश डे	सहायक प्राध्यापक	एल्गोरिदम; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान
सौरभ बागची	सहायक प्राध्यापक	
स्वागातो सान्याल	सहायक प्राध्यापक	एल्गोरिदम; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान
विजिटिंग फैकल्टी		
भार्गव बिक्रम भट्टाचार्य	प्राध्यापक	



पदोन्नति

सोमिन्दु च रमन्ना

सहायक प्राध्यापक

सोमिन्दु च रमन्ना

सेवानिवृत्ति

दीपंकर दासगुप्ता

प्राध्यापक

अनुसंधान क्षेत्र

एल्गोरिदम; असंगति का पता लगाये; कृत्रिम बुद्धिमत्ता; सहायक प्रणाली; ऑडियो, संगीत और मल्टीमीडिया; बिग डेटा एनालिटिक्स; जैव सूचना विज्ञान; बायोमेडिकल इंस्ट्रुमेंटेशन; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के लिए सीएडी; क्लाउड कंप्यूटिंग; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत; जटिल और सामाजिक नेटवर्क; कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी; कम्प्यूटेशनल डेटा साइंस; कम्प्यूटेशनल ज्यामिति; कंप्यूटर ग्राफिक्स; कंप्यूटर नेटवर्क; कंप्यूटर दृष्टि; क्रिप्टोग्राफी; डेटा और अनुप्रयोग सुरक्षा; डेटा और वेब खनन; डेटा माइनिंग; डेटा साइंस; एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण; डिजाइन सत्यापन; डिजिटल सामग्री संरक्षण; डिजिटल विरासत; डिजिटल छवि फॉरेंसिक; अंतः स्थापित प्रणाली; औपचारिक तरीके; हार्डवेयर सुरक्षा; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; सूचना पुनर्प्राप्ति; सूचना सुरक्षा; मशीन लर्निंग; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता; चिकित्सा सूचना; मोबाइल भावात्मक कंप्यूटिंग; आणविक सिमुलेशन; नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण; प्राकृतिक भाषा प्रकमण; नेटवर्क विज्ञान, बहुपरत नेटवर्क; पैटर्न मान्यता; कार्यक्रम विश्लेषण; कार्यक्रम परीक्षण; रोबोटिक; संकेत प्रसंस्करण; सामाजिक नेटवर्क, डेटा विज्ञान; सामाजिक-मोबाइल एप्लिकेशन, सामाजिक-IoT; सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग; स्थानिक सूचना विज्ञान; स्थानिक वेबसर्विसेज; स्पेटो-टेम्पोरल डेटा विश्लेषण; भाषण प्रसंस्करण; सिस्टम और नेटवर्किंग; प्रौद्योगिकी सक्षम लर्निंग; सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान; वीएलएसआई और अंतः स्थापित प्रणाली;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	46
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	10
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	10
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	1 1
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	24
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	13
पुरस्कार और सम्मान	12
फैलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	136
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	19
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	38
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	59
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	16
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	04
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	73
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	115



वैद्युतिक अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: प्रणब कुमार दत्ता

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
आलोक बरुआ	पीएच.डी.	
अमित पात्रा	पीएच.डी.	पावर कन्वर्टर सर्किट का नियंत्रण; रिचार्जबल बैटरी; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; मॉडलिंग और औद्योगिक प्रणालियों के निदान; मॉडलिंग और बायोमेडिकल सिस्टम के निदान
अशोक कुमार प्रधान	पीएच.डी.	पावर सिस्टम संरक्षण; वाइड एरिया मेजरमेंट आवेदन; सिंकोप्राध्यापक प्रौद्योगिकी; स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी; पावर सिस्टम के लिए मशीन लर्निंग तकनीक
अरविंद राउतराय	पीएच.डी.	
चंदन चक्रवर्ती	पीएच.डी.	ब्रशलेस और मैग्नेटलेस मशीनें; बहुस्तरीय कन्वर्टर; एसी और डीसी माइक्रोग्रिड; सौर पीवी सिस्टम
देबाप्रसाद कायस्थ	पीएच.डी.	पवन ऊर्जा उत्पादन; स्विचड मोड पावर कन्वर्टर; डीसी माइक्रो ग्रिड के लिए पावर कन्वर्टर; मशीन ड्राइव
देबप्रिया दास	पीएच.डी.	
मुरली मोहन बोसुकोंडा	पीएच.डी.	
एन के किशोर	पीएच.डी.	विद्युत ओवरस्ट्रेस अध्ययन; के हेल्थकेयर आवेदन इलेक्ट्रोस्टैटिक्स; उच्च वोल्टेज का औद्योगिक अनुप्रयोग; इंजीनियरिंग शिक्षा; इलेक्ट्रिक पावर और ऊर्जा सिस्टम
प्रणब कुमार दत्ता	पीएच.डी.	ऑप्टिकल इमेजिंग और इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेडिकल इमेज प्रसंस्करण; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता
सरित कुमार दास	पीएच.डी.	अंतः स्थापित प्रणाली; औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव सिस्टम की मॉडलिंग; सॉफ्ट कंप्यूटिंग और नियंत्रण
सिद्धार्थ मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	अंतः स्थापित प्रणाली; मॉडलिंग और निदान औद्योगिक प्रणाली; एयरोस्पेस और की मॉडलिंग ऑटोमोटिव सिस्टम; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; इलेक्ट्रिक वाहन: पावरट्रेन और बैटरी प्रबंधन
सिद्धार्थ सेन	पीएच.डी.	आंशिक आदेश सर्किट और सिस्टम; एमईएमएस कैपेसिटिव accelerometers; सेंसर विकास; मजबूत नियंत्रण; आवंटन पर नियंत्रण रखें
तापस कुमार भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
आलोक कांति देव	पीएच.डी.	नियंत्रण प्रणाली; कंप्यूटर का ज्ञान; दोष निदान और निदान



अनिर्बान मुखर्जी	पीएच.डी.	
गौतम पोद्दार	पीएच.डी.	
करबी बिस्वास	पीएच.डी.	आंशिक आदेश प्रणाली का अध्ययन; सेंसर डिजाइन; इंस्ट्रुमेंटेशन सिस्टम डिजाइन
प्रबोध बाजपेयी	पीएच.डी.	हाइब्रिड एसी-डीसी माइक्रोग्रिड्स; स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय एकता; सौर फोटोवोल्टिक; पावर सिस्टम विश्लेषण, गतिशीलता और नियंत्रण; बिजली के बाजार
शांतनु कापाट	पीएच.डी. IIT खड़गपुर	
सहायक प्राध्यापक		
अरुण घोष	पीएच.डी. IIT खड़गपुर	MIMO प्रणालियों का नियंत्रण; आवधिक नियंत्रण; मजबूत नियंत्रण; नियंत्रण अनुप्रयोगों
आशिष रंजन होटा	पीएच.डी.	खेल का सिद्धांत; नेटवर्क सुरक्षा; स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय एकता; साइबर-भौतिक और मानव सिस्टम; डेटा-नियंत्रित नियंत्रण और अनुकूलन
आशीस मैती	पीएच.डी.	बिजली प्रबंधन आईसी; पार्वरिंग माइक्रोसिज के लिए एनर्जी हार्वेस्टिंग; एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स
अविषेक चटर्जी	पीएच.डी.	
देवदूत शीट	पीएच.डी.	मशीन लर्निंग; कंप्यूटर दृष्टि; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; बायोमेडिकल सिस्टम; चिकित्सा सूचना
धीमान चटर्जी	पीएच.डी.	
दीपंकर देबनाथ	पीएच.डी.	EV आवेदन के लिए मोटर डिजाइन; मोटर नियंत्रक & ईवी के लिए बैटरी चार्जर; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर टोपोलोजी; सौर पीवी के लिए कनवर्टर डिजाइन
निर्मल्य घोष	पीएच.डी.	छवि और वीडियो प्रसंस्करण; चिकित्सा सूचना; मशीन लर्निंग; कंप्यूटर दृष्टि; पैटर्न मान्यता
राजीव रंजन सहाय	पीएच.डी.	
सानंद दिलीप अमिता अठावले	पीएच.डी.	नेटवर्क नियंत्रण; साइबर भौतिक प्रणालियाँ; लागू रेखीय बीजगणित; नियंत्रण और अनुकूलन; बीजगणितीय रिक्ति समीकरण
सौरव प्रामाणिक	पीएच.डी.	विद्युत ट्रांसफार्मर का एफआरए डायग्नोस्टिक्स
सौरव पात्रा	पीएच.डी.	
सौविक चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	
सुमन मैती	पीएच.डी.	उच्च प्रदर्शन औद्योगिक ड्राइव; उच्च वोल्टेज एसी / डीसी सिस्टम और FACTS
तन्मय भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
नई संकाय नियुक्ति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
आशिष रंजन होटा	सहायक प्राध्यापक	खेल का सिद्धांत; नेटवर्क सुरक्षा; स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय एकता; साइबर-भौतिक और मानव



सानंद दिलीप अमिता अठावले	सहायक प्राध्यापक	सिस्टम; डेटा-नियंत्रित नियंत्रण और अनुकूलन नेटवर्क नियंत्रण; साइबर भौतिक प्रणालियाँ; लागू रेखीय बीजगणित; नियंत्रण और अनुकूलन; बीजगणितीय रिक्ती समीकरण
विजिटिंग फैकल्टी		
तंगाली एस सुदर्शन	प्राध्यापक	
पदोन्नति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
आशीस मैती	सहायक प्राध्यापक	बिजली प्रबंधन आईसी; पॉवरिंग के लिए एनर्जी हार्वेस्टिंग माइक्रोसिस; एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स
अशोक कुमार प्रधान	प्राध्यापक	पावर सिस्टम संरक्षण; वाइड एरिया मेजरमेंट आवेदन; सिंकोप्राध्यापक प्रौद्योगिकी; स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी; पावर सिस्टम के लिए मशीन लर्निंग तकनीक
अरविंद राउतराय	प्राध्यापक	
दीपंकर देबनाथ	सहायक प्राध्यापक	EV आवेदन के लिए मोटर डिजाइन; मोटर नियंत्रक & ईवी के लिए बैटरी चार्जर; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर टोपोलोजी; सौर पीवी के लिए कनवर्टर डिजाइन
निर्मल्य घोष	सहायक प्राध्यापक	छवि और वीडियो प्रसंस्करण; चिकित्सा सूचना; मशीन लर्निंग; कंप्यूटर दृष्टि; पैटर्न मान्यता
सेवानिवृत्ति		
आलोक बरुआ	प्राध्यापक	
पुनः - नियुक्ति		
सरित कुमार दास	प्राध्यापक	

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

विभाग की दो बहुत बड़ी गतिविधियाँ हैं- एक हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल वाहन में और दूसरी प्रबंधन और सोलर पीवी इकाइयों की ग्रिड कनेक्टिविटी में। ये दोनों गतिविधियाँ भारत में विभिन्न संस्थानों के कई विभागों और बहु-प्रायोजित प्रायोजित वित्तपोषण के साथ विदेश में हैं। इसके अलावा, कुछ प्रमुख उद्योगों से वित्त पोषित सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग में एक मजबूत गतिविधि है।

अनुसंधान क्षेत्र

एसी और डीसी माइक्रोग्रिड; बीजीय रिक्ती समीकरण; एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स; लागू रेखिक बीजगणित; बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेडिकल सिस्टम; ब्रशलेस और मैग्नेटलेस मशीनें; कंप्यूटर दृष्टि; नियंत्रण आवंटन; नियंत्रण और अनुकूलन; नियंत्रण अनुप्रयोगों; MIMO प्रणालियों का नियंत्रण; पावर कनवर्टर सर्किट का नियंत्रण; सौर पीवी के लिए कनवर्टर डिजाइन; साइबर- भौतिक और मानव प्रणाली; साइबर भौतिक प्रणालियाँ; डेटा-नियंत्रित नियंत्रण और अनुकूलन; विद्युत ओवरस्ट्रेस अध्ययन; बिजली बाजार; इलेक्ट्रिक पावर और ऊर्जा सिस्टम; इलेक्ट्रिक वाहन: पावरट्रेन और बैटरी प्रबंधन; अंतः स्थापित प्रणाली; पावरिंग माइक्रोसिज के लिए एनर्जी हार्वेस्टिंग; इंजीनियरिंग शिक्षा; आंशिक आदेश सर्किट और सिस्टम; विद्युत ट्रांसफार्मर के एफआरए डायग्नोस्टिक्स; खेल का सिद्धांत; इलेक्ट्रोस्टैटिक्स के हेल्थकेयर आवेदन; उच्च प्रदर्शन औद्योगिक ड्राइव; उच्च वोल्टेज एसी / डीसी सिस्टम और FACTS; हाइब्रिड एसी-डीसी माइक्रोग्रिड्स; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; उच्च वोल्टेज का औद्योगिक अनुप्रयोग; इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम डिजाइन; मशीन ड्राइव; मशीन लर्निंग; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता; पावर सिस्टम के लिए मशीन लर्निंग तकनीक; चिकित्सा सूचना; एमईएमएस कैपेसिटिव एक्सेलेरोमीटर; बायोमेडिकल सिस्टम की मॉडलिंग और निदान; औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव सिस्टम की मॉडलिंग; EV के लिए मोटर नियंत्रक और बैटरी



चार्रर; EV आवेदन के लिए मोटर डिजाइन; बहुस्तरीय कन्वर्टर; नेटवर्क नियंत्रण; नेटवर्क सुरक्षा; ऑप्टिकल इमेजिंग और इमेज प्रोसेसिंग; पैटर्न मान्यता; आवधिक नियंत्रण; डीसी माइक्रो ग्रिड के लिए पावर कन्वर्टर; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर टोपोलॉजी; बिजली प्रबंधन आईसी; पावर सिस्टम विश्लेषण, गतिशीलता और नियंत्रण; पावर सिस्टम संरक्षण; रिचार्जेबल बैटरीज; मजबूत नियंत्रण; मजबूत नियंत्रण; सेंसर डिजाइन; सेंसर विकास; स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय एकता; स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; सौर फोटोवोल्टिक; सौर पीवी सिस्टम; आंशिक आदेश प्रणाली का अध्ययन; स्विच मोड मोड पावर कन्वर्टर; सिंक्रोप्राध्यापक प्रौद्योगिकी; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; वाइड एरिया माप आवेदन; पवन ऊर्जा उत्पादन;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	38
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	17
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
फैलो - पेशेवर निकाय	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	16
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	09
पुरस्कार और सम्मान	02
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	55
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	08
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	20
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	34
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	03
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	03
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	70
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	54



इलेक्ट्रॉनिक्स और वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: प्रबीर कुमार बिस्वास

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अजॉय कुमार रे	पीएच.डी.	
अमिताभ भट्टाचार्य	पीएच.डी.	माइक्रोवेव इमेजिंग; माइक्रोवेव स्टील्थ; ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार; माइक्रोवेव का प्रसार; हाई पावर माइक्रोवेव
अनिंद्य सुंदर धर	पीएच.डी.	
ब्रतिन घोष	पीएच.डी.	नैनोफैब्रिकेशन; एंटीना और एरेस; RF और माइक्रोवेव सर्किट
धृष बिस्वास	पीएच.डी.	
गौतम साहा	पीएच.डी.	बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग; भाषण प्रसंस्करण
इंद्रजीत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
मृत्युंजय चक्रवर्ती	पीएच.डी.	अंकीय संकेत प्रक्रिया; अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग; वीएलएसआई सिग्नल प्रोसेसिंग; संकुचित संवेदना; लागू रैखिक बीजगणित
प्रबीर कुमार विश्वास	पीएच.डी.	छवि और वीडियो प्रसंस्करण; मल्टीमीडिया; सेंसर नेटवर्क; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता
प्रदीप मंडल	पीएच.डी.	
राजा दत्त	पीएच.डी.	सेंसर नेटवर्क; ऑप्टिकल संचार और नेटवर्क; दूरसंचार प्रणाली और नेटवर्क; नेटवर्क सुरक्षा; एल्गोरिदम
रत्नम वरदा राजा कुमार	पीएच.डी.	
संतनु चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; नेटवर्क-ऑन-चिप डिजाइन और टेस्ट; लो पावर डिजिटल डिजाइन और परीक्षण; थर्मल अवेयर टेस्टिंग; तर्क एन्क्रिप्शन
संत शरण पाठक	पीएच.डी.	
सुदीप्त मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	चिकित्सा छवि प्रसंस्करण; वीडियो पोस्टप्रोसेसिंग; बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण; बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग; मशीन लर्निंग
तरुण कांति भट्टाचार्य	पीएच.डी.	BioMEMS, इलेक्ट्रो-केमिकल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल और एमईएमएस सेंसर; एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स; सर्किट, उपकरण और सेंसर; नैनोफैब्रिकेशन

सह प्राध्यापक

अखिलेश मोहन	पीएच.डी.	आरएफ और माइक्रोवेव सर्किट; एंटीना और एरेज
अरिजीत डे	पीएच.डी.	
बिभूदत्त साहू	पीएच.डी.	नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण; आरएफ और माइक्रोवेव सर्किट; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन; मशीन लर्निंग
मृणाल कांति मंडल	पीएच.डी.	माइक्रोवेव और मिलीमीटर-वेव सर्किट; एंटीना और एरेस; छह-पोर्ट रिसीवर; रेडार सिस्टम
प्रसन्न कुमार गुहा	पीएच.डी.	CMOS MEMS प्लेटफॉर्म पर सेंसर; थर्मल एक्सेलेरोमीटर; जल संदूषक



राजर्षि रॉय	पीएच.डी.	सेंसर; सुपर संधारित्र आधारित ऊर्जा उपकरण; धातु ऑक्साइड / 2Dlayered चटाई। गैस सेंसर
रजत रॉय	पीएच.डी.	क्युइंग सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल विज्ञान; 5 जी संचार; दूरसंचार प्रणाली और नेटवर्क; सेंसर नेटवर्क; वायरलेस और ऑप्टिकल नेटवर्किंग
ऋत्विक् कुमार परत	पीएचडी, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी	सिस्टम बायोलॉजी
शैलेंद्र कुमार वाष्णोय	पीएच.डी.	माइक्रोफोटोनिक्स; फाइबर ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स; नॉनलाइनियर फोटोनिक्स; क्वांटम फोटोनिक्स; ऑप्टिकल वायरलेस संचार
सुदीप्त महापात्र	पीएच.डी.	समानांतर और वितरित कम्प्यूटिंग; वायरलेस और ऑप्टिकल नेटवर्किंग; वीडियो कोडिंग / क्यूओई अवेयर वीडियो स्ट्रीमिंग; बुद्धिमान इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)
सहायक प्राध्यापक		
अनिकेत सिंहा	पीएच.डी.	माइक्रो / नैनो-स्केल परिवहन प्रक्रिया; क्वांटम परिवहन मॉडलिंग; सामयिक इंसुलेटर और सामग्री; थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा कटाई; स्पिन आधारित उपकरण
बासुदेव लाहिड़ी	पीएच.डी.	नैनोफैब्रिकेशन; माइक्रोफोटोनिक्स; मेटल नैनोकणों का उपयोग करते हुए कैटेलिसिस और स्पेक्ट्रोस्कोपी नैनो सामग्री
चेतना सिंघल	पीएच.डी.	बेतार तंत्र; वायरलेस संचार; मल्टीमीडिया सिस्टम; मल्टीमीडिया संचार; यूएवी नेटवर्क
देबाशीष सेन	पीएच.डी. जादवपुर विश्वविद्यालय	छवि और वीडियो प्रसंस्करण; विजन; अनिश्चितता से निपटने; जैव-प्रेरित कम्प्यूटिंग; नेत्र आंदोलन विश्लेषण
गौराब दत्ता	पीएच.डी.	सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण; सेमीकंडक्टर उपकरणों की मॉडलिंग
कपिल देवनाथ	पीएच.डी.	फोटोनिक क्रिस्टल; फाइबर ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स; नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स; नैनोफैब्रिकेशन; सौर फोटोवोल्टिक
सारंग पेंडारकर	पीएच.डी.	पुनः उपयोग करने योग्य माइक्रोवेव सर्किट; फोटोनिक्स; मेटामेट्रिक्स और टोपोलॉजी; जटिल मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगें; ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी तकनीक
शरबा बंधोपाध्याय	पीएचडी, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, यूएसए	तंत्रिका विज्ञान; कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस; शारीरिक और संज्ञानात्मक डेटा विश्लेषण
सुदीप नाग	पीएच.डी.	तंत्रिका विज्ञान; बायोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम
विवेक दीक्षित	पीएचडी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर	
नई संकाय नियुक्ति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अनिकेत सिंहा	पीएच.डी.	माइक्रो / नैनो-स्केल परिवहन प्रक्रिया; क्वांटम परिवहन मॉडलिंग; सामयिक



सारंग पेंढारकर	पीएच.डी.	इंसुलेटर और सामग्री; थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा कटाई; स्पिन आधारित उपकरण
पदोन्नति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
बासुदेव लाहिडी	सहायक प्राध्यापक	नैनोफैब्रीकेशन; माइक्रोफोटोनिक्स; मेटल नैनोकणों का उपयोग करते हुए कैटेलिसिस और स्पेक्ट्रोस्कोपी नैनो सामग्री
बिभूदत्त साहू	सह - प्राध्यापक	नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण; आरएफ और माइक्रोवेव सर्किट; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन; मशीन लर्निंग
चेतना सिंघल	सहायक प्राध्यापक	बेतार तंत्र; वायरलेस संचार; मल्टीमीडिया सिस्टम; मल्टीमीडिया संचार; यूएवी नेटवर्क
कपिल देवनाथ	सहायक प्राध्यापक	फोटोनिक्स क्रिस्टल; फाइबर ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स; नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स; नैनोफैब्रीकेशन; सौर फोटोवोल्टिक
मृणाल कांति मंडल	सह - प्राध्यापक	माइक्रोवेव और मिलीमीटर-वेव सर्किट; एंटीना और एरेस; छह-पोर्ट रिसीवर; रडार सिस्टम
सुदीप नाग	सहायक प्राध्यापक	तंत्रिका विज्ञान; बायोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम
सेवानिवृत्ति		
अजॉय कुमार रे	प्राध्यापक	

अनुसंधान क्षेत्र

5 जी संचार; अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग; एल्गोरिदम; एंटीना और एरेस; लागू रैखिक बीजगणित; बायोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम; जैव-प्रेरित कम्प्यूटिंग; बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग; BioMEMS, बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण; मेटल नैनोकणों का उपयोग करते हुए कैटेलिसिस और स्पेक्ट्रोस्कोपी सर्किट, उपकरण और सेंसर; संकुचित संवेदना; कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस; अंकीय संकेत प्रक्रिया; इलेक्ट्रो-केमिकल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल और एमईएमएस सेंसर; नैनोफैब्रीकेशन; जटिल मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगें; नेत्र आंदोलन विश्लेषण; फाइबर ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स; ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार; उच्च शक्ति के माइक्रोवेव; छवि और वीडियो प्रसंस्करण; इंटेलिजेंट इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT); तर्क एन्क्रिप्शन; लो पावर डिजिटल डिजाइन और परीक्षण; मशीन लर्निंग; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता; चिकित्सा छवि प्रसंस्करण; एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम; धातु ऑक्साइड / 2Dlayered चट्टाई गैस सेंसर; माइक्रो / नैनो-स्केल परिवहन प्रक्रिया; माइक्रोफोटोनिक्स; माइक्रोवेव और मिलीमीटर-वेव सर्किट; माइक्रोवेव इमेजिंग; माइक्रोवेव का प्रसार; माइक्रोवेव स्टील्थ; सेमीकंडक्टर उपकरणों की मॉडलिंग; मल्टीमीडिया; मल्टीमीडिया संचार; मल्टीमीडिया सिस्टम; नैनोइलेक्ट्रॉनिक और उपकरण; नैनोफैब्रीकेशन; नैनो सामग्री; नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स; नेटवर्क-ऑन-चिप डिजाइन और टेस्ट; नेटवर्क सुरक्षा; तंत्रिका विज्ञान; नॉनलाइनियर फोटोनिक्स; ऑप्टिकल संचार और नेटवर्क; ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी तकनीक; ऑप्टिकल वायरलेस संचार; समानांतर और वितरित कम्प्यूटिंग; फोटोनिक्स क्रिस्टल; फोटोनिक्स; मेटामेट्रिक्स और टोपोलॉजी; शारीरिक और संज्ञानात्मक डेटा विश्लेषण; क्वांटम फोटोनिक्स; क्वांटम परिवहन मॉडलिंग; क्यूइंग सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल विज्ञान; रडार सिस्टम; पुनः उपयोग करने योग्य माइक्रोवेव सर्किट; आरएफ और माइक्रोवेव सर्किट; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; सेंसर नेटवर्क; CMOS MEMS प्लेटफॉर्म पर सेंसर; सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन; छह-पोर्ट रिसीवर; सौर फोटोवोल्टिक; भाषण प्रसंस्करण; स्पिन आधारित डिवाइस; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; सुपर संधारित्र आधारित ऊर्जा उपकरण; सिस्टम बायोलॉजी; दूरसंचार प्रणाली और नेटवर्क; थर्मल एक्सलेरोमीटर; थर्मल अवेयर टेस्टिंग; थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा कटाई; सामयिक इंसुलेटर और सामग्री; यूएवी नेटवर्क; अनिश्चितता से निपटने; वीडियो कोडिंग / क्यूओई अवेयर वीडियो स्ट्रीमिंग; वीडियो पोस्टप्रोसेसिंग; विजन; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; वीएलएसआई सिग्नल प्रोसेसिंग; जल संदूषक सेंसर; वायरलेस और ऑप्टिकल नेटवर्किंग; वायरलेस संचार; बेतार तंत्र;



शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	31
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	04
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	17
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	04
फैलो - पेशेवर निकाय	03
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	24
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	14
पुरस्कार और सम्मान	06
फैलोशिप	04
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	90
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	04
प्रौद्योगिकी हस्तांतरित	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज्ञित	13
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	32
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	05
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	06
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	91
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	62



भूविज्ञान और भूभौतिकी

विभागाध्यक्ष: साईबल गुप्ता

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अभिजीत भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
अनिल कुमार गुप्ता	पीएच.डी.	
अनिंद्य सरकार	पीएच.डी.	
अरिंदम बसु	पीएच.डी. हांगकांग विश्वविद्यालय	इंजीनियरिंग भूविज्ञान; रॉक यांत्रिकी
बिस्वजीत मिश्रा	पीएच.डी.	
देवाशीष सेनगुप्ता	पीएच.डी.	
मनीष ए ममतानी	पीएच.डी.	संरचनात्मक भूविज्ञान; माइक्रोटैक्टोनिक्स
मृगांका कुमार पाणिग्रही	पीएच.डी.	क्रस्टल तरल पदार्थ; अयस्क जमा; भू-रसायन शास्त्र; मॉडलिंग और सिमुलेशन
परेश नाथ सिंहा रॉय		पृथ्वी विज्ञान में भूमि का अनुप्रयोग; भूभौतिकीय संकेत प्रसंस्करण; पृथ्वी विज्ञान में पैटर्न मान्यता; जीपीएस के साथ क्रस्टल विरूपण की निगरानी; भूकंप का पूर्वानुमान
रविकांत वडलामणि	पीएच.डी.	
साईबल गुप्ता	पीएच.डी.	
शंकर कुमार नाथ	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल सीस्मोलॉजी; इंजीनियरिंग सेस्मोलॉजी; भूकंपीय संभावना; भूकंपीय माइक्रोज़ोनेशन और जोखिम; भूस्खलन संवेदनशीलता ढलान स्थिरता
संतनु कुमार भौमिक	पीएच.डी.	
शशि प्रकाश शर्मा	पीएच.डी.	विद्युत और विद्युत चुम्बकीय भूभौतिकी; भूभौतिकीय अनुकूलन; संख्यात्मक मॉडलिंग; खनिज और भूजल अन्वेषण
सुभाशीष दास	पीएच.डी.	
सुभाषिश त्रिपाठी	पीएच.डी.	
विलियम कुमार मोहंती	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक

अभिजीत मुखर्जी	पीएच.डी.	
अरुण सिंह	पीएच.डी.	
चंद्रानी सिंह	पीएच.डी.	भूकंपीय क्षीणन टोमोग्राफी; भूकंपीय खतरा; भूकंपीय तरंग का प्रसार
देवाशीष उपाध्याय	पीएच.डी.	भू-रसायन शास्त्र; आइसोटोप भूविज्ञान; जियो क्रोनोलोजी शिला; कासमोकैमिस्ट्री
कमल लोचन प्रुसेथ	पीएच.डी.	



संघमित्रा रे पीएच.डी. कशेरुकी जंतु विज्ञान; पुराजैविकी; अस्थि ऊतक विज्ञान; गोंडवाना स्ट्रेटीग्राफी

सहायक प्राध्यापक

मेलिंडा कुमार बेरा पीएच.डी. सेडीमेंटोलोजी; अनुक्रम स्ट्रेटीग्राफी; स्थिर आइसोटोप भू-रसायन शास्त्र; सेनोजोइक हिमालय; बंगाल बेसिन

प्रबल सेनगुप्ता पीएच.डी.

सब्यसाची मैती पीएच.डी. रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; भू-आकृति विज्ञान; अन्वेषण

शुभ्रता पॉल पीएच.डी. पुराजैविकी; अकशेरुकी जीवाश्मिकी

सुधा अग्रहरी पीएच.डी.

सुजाय कांति घोष पीएच.डी.

नई संकाय नियुक्ति

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
परेश नाथ सिंहा रॉय	प्राध्यापक	पृथ्वी विज्ञान में भूगर्भ का अनुप्रयोग; भूभौतिकीय संकेत प्रसंस्करण; पृथ्वी विज्ञान में पैटर्न मान्यता; जीपीएस के साथ क्रस्टल विरूपण की निगरानी; भूकंप का पूर्वानुमान
शुभ्रता पॉल	सहायक प्राध्यापक	पुराजैविकी; अकशेरुकी जीवाश्मिकी

विजिटिंग फैकल्टी

सुरेंद्र कुमार भट्टाचार्य प्राध्यापक

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

आईआईटी खड़गपुर के भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग ने दो साल का एकीकृत एम.एस.सी. एप्लाइड जियोलॉजी एंड एक्सप्लोरेशन जियोफिजिक्स में कार्यक्रम, दो 2-वर्षीय एम.एस.सी। भूविज्ञान और एम.एस.सी में कार्यक्रम भूभौतिकी, और एक 2 साल एमटैक, अन्वेषण भूविज्ञान में कार्यक्रम। विभाग के पास ओएनजीसी, जीएसआई, ओआईएल, यूसीआईएल, डीईई आदि जैसे विभिन्न संगठनों के साथ अतीत और वर्तमान में सक्रिय सहयोगात्मक कार्य हैं। विभाग द्वारा शुरू की गई प्रायोजित परियोजनाओं में सिंधुभूम, मध्य, राजस्थान और दक्षिणी भारतीय क्रेटन, प्रायोगिक पेट्रोलॉजी, क्रस्टल इवोल्यूशन और जियो सिंक्रोनोलॉजी शामिल हैं। सोने और यूरेनियम खनिज, खनिज मैग्नेटिक्स, हिमालयन औरोगैनी और अवसादन, फ़िरनोजोइक जलवायु परिवर्तन में स्थिर समस्थानिक, गंगा डेल्टा का विकास, बंगाल बेसिन की जल विज्ञान और तटीय एक्विफ़र्स, भूकंपीय टोमोग्राफी और गहरी क्रस्टल संरचना, इंजीनियरिंग भूविज्ञान, भूकंपीय खतरा और माइक्रोजोनेशन, सतह के पास। भूभौतिकी, पूर्वी भारत की पुरातत्व और सिंधु घाटी सभ्यता, उल्कापिंड और मंगल ग्रह की ग्रह संबंधी जांच, और भूजल मूल्यांकन, नदी रसायन, भूकंपीय खतरे और खनन भूविज्ञान में परामर्शी परियोजनाएं। विभाग स्थिर आइसोटोप और इलेक्ट्रॉन जांच माइक्रोनैलिसिस की दो डीएसटी राष्ट्रीय सुविधाओं की मेजबानी करता है, और गैर-पारंपरिक और रेडियोजेनिक एमसी-आईसीपी एमएस प्रयोगशाला की एक स्थिति। इसके अलावा, विभाग आधुनिक विश्लेषणात्मक और क्षेत्र के उपकरणों के एक स्पेक्ट्रम की मेजबानी करता है, एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, रमन लेजर, एफटीआईआर, गैस और आयन क्रोमैटोग्राफ, तरल चिंतन काउंटर, द्रव समावेश चरण, चुंबकीय संवेदनशीलता कप्पा पुल आदि। भूभौतिकी प्रयोगशाला मेजबान मैग्नेटो - ग्रेविमीटर और प्रतिरोधकता मीटर, विकिरण dosimeters, बड़ी संख्या में सीस्मोमीटर और एक राष्ट्रीय स्तर पर ब्रॉडबैंड ब्रॉडबैंड भूकंपीय वेधशाला सहित भूभौतिकीय उपकरण की टेल्यूरिक और सरणी। विभाग के पास अच्छी तरह से इंजीनियरिंग भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग प्रयोगशालाएं हैं। विभाग ने भारत की सबसे पुरानी चट्टानों, प्रीकैम्ब्रियन ऑरोजेनी और मेटामोर्फिज्म, हिमालयी विकास और सेनोजोइक जलवायु परिवर्तन, बंगाल बेसिन में आर्सेनिक प्रदूषण, हिमालय के नीचे क्रस्टल संरचना, प्रमुख शहरों के सीज्मिक माइक्रोजोनेशन, चट्टानों के भू-तकनीकी गुण, तटीय भू-आकृति विज्ञान में मौलिक योगदान दिया है। सैद्धांतिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, मार्टिन एनालॉग्स की खोज और सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे पुरानी जड़ों को उजागर करना। संकाय सदस्य राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों, राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार प्राप्त करने वाले और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों के सदस्य हैं।



अनुसंधान क्षेत्र

पृथ्वी विज्ञान में भूगर्भ का अनुप्रयोग; बंगाल बेसिन; अस्थि ऊतक विज्ञान; सेनोजोइक हिमालय; कम्प्यूटेशनल सीस्मोलॉजी; कास्मोकैमिस्ट्री; जीपीएस के साथ क्रस्टल विरूपण की निगरानी; क्रस्टल तरल पदार्थ; भूकंप का पूर्वानुमान; विद्युत और विद्युत चुम्बकीय भूभौतिकी; इंजीनियरिंग भूविज्ञान; इंजीनियरिंग सेस्मोलॉजी; अन्वेषण; भू-रसायन शास्त्र; जियो क्रोनोलोजी भू-आकृति विज्ञान; भूभौतिकीय अनुकूलन; भूभौतिकीय संकेत प्रसंस्करण; गोंडवाना स्ट्रेटीग्राफी; आइसोटोप भूविज्ञान; भूस्खलन संवेदनशीलता ढलान स्थिरता; माइक्रोटैक्टोनिक्स; खनिज और भूजल अन्वेषण; मॉडलिंग और सिमुलेशन; संख्यात्मक मॉडलिंग; अयस्क जमा; पुराजैविकी; पृथ्वी विज्ञान में पैटर्न मान्यता; शिला; रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; रॉक यांत्रिकी; सेडीमेंटोलोजी; भूकंपीय क्षीणन टोमोग्राफी; भूकंपीय खतरा; भूकंपीय माइक्रोजोनेशन और जोखिम; भूकंपीय संभावना; भूकंपीय तरंग प्रसार; अनुक्रम स्ट्रेटीग्राफी; स्थिर आइसोटोप जियोकेमिस्ट्री; संरचनात्मक भूविज्ञान; कशेरुकी जंतु विज्ञान;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	02
सहयोग	18
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	07
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	04
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
फेलो - पेशेवर निकाय	03
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	23
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	1 1
पुरस्कार और सम्मान	03
फेलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	37
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	05
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज़िट	03
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	09



मानविकी और समाज विज्ञान

विभागाध्यक्ष: प्रियदर्शी पटनायक
प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अंजलि रॉय	पीएच.डी.	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और सिद्धांत; विभाजन 1947; मीडिया अध्ययन; लोकप्रिय संस्कृति; प्रवासी अध्ययन
भागीरथ बेहरा	पीएच.डी.	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र; विकास अर्थशास्त्र
छन्दा चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
दामोदर स्वार	पीएच.डी.	
जितेंद्र महाकुड	पीएच.डी.	कंपनी वित्त; निवेश प्रबंधन; वित्तीय बाजार और जोखिम प्रबंधन; बैंकिंग; ब्यवहारिक वित्त
कैलाश बिहारी लाल श्रीवास्तव	पीएच.डी.	मानव संसाधन विकास और प्रबंधन; सामाजिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान और व्यवहार; निष्पादन प्रबंधन; ज्ञान प्रबंधन; परिवर्तन प्रबंधन
किशोर गोस्वामी	पीएच.डी.	विकास अर्थशास्त्र; कृषि अर्थशास्त्र; जैव ईंधन का अर्थशास्त्र
नारायण चंद्र नायक	पीएच.डी.	सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति
प्रियदर्शी पटनायक	पीएच.डी.	
पुलक मिश्रा	पीएच.डी.	औद्योगिक अर्थशास्त्र; सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति; ग्रामीण विकास का अर्थशास्त्र;
सुहिता चोपड़ा चटर्जी	पीएच.डी.	स्वास्थ्य का समाजशास्त्र; चिकित्सा समाजशास्त्र; एंड-ऑफ-लाइफ केयर
विजय नाथ गिरि	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
गौरीशंकर एस हिरेमठ	पीएच.डी.	वित्तीय बाजारों की क्षमता; अंतर्राष्ट्रीय पूंजी प्रवाह; खुली अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक्स; मैक्रो-फाइनेंस इंटरलिंग
एच एस कोमलेशा	पीएच.डी.	
जयश्री चक्रवर्ती	पीएच.डी.	वाक्य - विन्यास; शब्दार्थ; भाषा संचार; सामाजिक; भाषण का विश्लेषण
रवीन्द्र कुमार प्रधान	पीएच.डी.	औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान; संगठनात्मक व्यवहार; मानव संसाधन विकास और प्रबंधन; सकारात्मक मनोविज्ञान; स्वास्थ्य मनोविज्ञान
सास्वत समाय दास	पीएच.डी.	
सीमा सिंह	पीएच.डी.	भाषा अध्ययन और साहित्यिक सिद्धांत; साहित्य; मीडिया और संचार अध्ययन; अनुवाद और संस्कृति
जाकिर हुसैन	पीएच.डी.	
सहायक प्राध्यापक		
अनुराधा चौधरी	पीएच.डी.	
अन्वेषा आदित्य	पीएच.डी, जादवपुर विश्वविद्यालय	अन्तरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र; विकास अर्थशास्त्र
अर्चना पटनायक	पीएच.डी.	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; कॉमन्स और कम्युनिटी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र; कानून और समाज; लिंग और समाज
बिमल किशोर साहू	पीएच.डी.	
द्रिप्टा पिपलाई (मॉडल)	पीएच.डी.	कक्षा में भाषा संघर्ष; भाषा प्रौद्योगिकी, अल्पसंख्यक भाषाएँ; सिंथेटिक विविधता; लुप्तप्राय भाषा; नृवंशविज्ञान, भाषा प्रलेखन



इंदर शेखर यादव	पीएच.डी.	वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; श्रम अर्थशास्त्र; वित्तीय मैक्रोइकॉनॉमिक्स; विकास और कृषि मुद्दे
जेनिया मुखर्जी	पीएच.डी.	पारिस्थितिक मानविकी और मानवविज्ञान अध्ययन
मंटू कुमार महलिक	पीएच.डी.	ओपन एम्पिरिकल मैक्रोइकॉनॉमिक्स; मॉन्टेरी अर्थशास्त्र; आवास अर्थशास्त्र; ऊर्जा अर्थशास्त्र; वित्तीय अर्थशास्त्र
ऋषभ राय	पीएच.डी.	
सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	एप्लाइड अर्थमिति; विकास का अर्थशास्त्र; विकास अर्थशास्त्र; मौद्रिक अर्थशास्त्र
सोमदत्त भट्टाचार्य	पीएच.डी.	शहरी संस्कृति; अपराध कथा; भारतीय लेखन अंग्रेजी में; अंतरिक्ष और स्थानिकता के सामाजिक सिद्धांत; सार्वजनिक डिजिटल मानविकी
श्रीविनुथा वेंकटरमन	पीएच.डी.	
नई संकाय नियुक्ति		
नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अर्चना पटनायक	सहायक प्राध्यापक	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; कॉमन्स और कम्युनिटी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र; कानून और समाज; लिंग और समाज
द्रिप्ता पिपलाई (मॉडल)	सहायक प्राध्यापक	कक्षा में भाषा संघर्ष; भाषा प्रौद्योगिकी, अल्पसंख्यक भाषाएँ; सिंथेटिक विविधता; लुप्तप्राय भाषा; नृवंशविज्ञान, भाषा प्रलेखन
मंटू कुमार महलिक	सहायक प्राध्यापक	ओपन एम्पिरिकल मैक्रोइकॉनॉमिक्स; मॉन्टेरी अर्थशास्त्र; आवास अर्थशास्त्र; ऊर्जा अर्थशास्त्र; वित्तीय अर्थशास्त्र
सोमदत्त भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक	शहरी संस्कृति; अपराध कथा; भारतीय लेखन अंग्रेजी में; अंतरिक्ष और स्थानिकता के सामाजिक सिद्धांत; सार्वजनिक डिजिटल मानविकी
विजिटिंग फैकल्टी		
छन्दा चक्रवर्ती	प्राध्यापक	
दामोदर स्वार	प्राध्यापक	
मानस कुमार मंडल	प्राध्यापक	
पदोन्नति		
भागीरथ बेहरा	प्राध्यापक	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र; विकास अर्थशास्त्र
द्रिप्ता पिपलाई (मॉडल)	सहायक प्राध्यापक	कक्षा में भाषा संघर्ष; भाषा प्रौद्योगिकी, अल्पसंख्यक भाषाएँ; सिंथेटिक विविधता; लुप्तप्राय भाषा; नृवंशविज्ञान, भाषा प्रलेखन
इंदर शेखर यादव	सहायक प्राध्यापक	वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; श्रम अर्थशास्त्र; वित्तीय मैक्रोइकॉनॉमिक्स; विकास और कृषि मुद्दे
जितेंद्र महाकुड	प्राध्यापक	कंपनी वित्त; निवेश प्रबंधन; वित्तीय बाजार और जोखिम प्रबंधन; बैंकिंग; ब्यवहारिक वित्त
किशोर गोस्वामी	प्राध्यापक	विकास अर्थशास्त्र; कृषि अर्थशास्त्र; जैव ईंधन का अर्थशास्त्र
पुलक मिश्रा	प्राध्यापक	औद्योगिक अर्थशास्त्र; सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति; ग्रामीण विकास का अर्थशास्त्र;
त्यागपत्र		
श्रीविनुथा वेंकटरमन	सहायक प्राध्यापक	

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

अनुसंधान और विकास पर: 1. मात्रात्मक अर्थशास्त्र, 2. वित्तीय अर्थशास्त्र, 3. विकास का अर्थशास्त्र, 4. औद्योगिक अर्थशास्त्र, 5. विकास अर्थशास्त्र, 6. पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र, 7. विकासशील विश्व जैवनैतिकता, 8. लिंग और व्यापार, 9. वित्तीय संस्थानों और बाजारों, 10. स्वास्थ्य और चिकित्सा का समाजशास्त्र, 11. मानव संसाधन विकास, 12. मस्तिष्क और व्यवहार, 13. पारस्परिक, पारस्परिक और



संगठनात्मक संचार, 14. दृश्य सौंदर्यशास्त्र, 15. व्यावसायिक नैतिकता, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी, 16. जैव ईंधन का अर्थशास्त्र, 17. बायोएथिक्स एंड पब्लिक हेल्थ एथिक्स, ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट 18. साहित्यिक सिद्धांत 19. विकासात्मक समाजशास्त्र 20. पर्यावरण मानविकी और सामाजिक विज्ञान 21. भारतीय साइकोलॉजी 22. संगठनात्मक मनोविज्ञान 23. अनुवाद अध्ययन, आदि।

प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम: संचार, साहित्यिक सिद्धांत और व्यवहार, मानव संसाधन विकास, सामरिक प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, तर्क, अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण, वित्तीय मॉडलिंग और जोखिम प्रबंधन, नेतृत्व और टीम निर्माण, 1 भाषा, अनुभूति और संचार, संस्कृति और क्रॉस-सांस्कृतिक संचार, रचनात्मक लेखन, आदि।

आमंत्रित वार्ता:

डॉ. मोनोजित चौधरी, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च लैब्स, बेंगलूर (डॉ. डी. पिपलाई द्वारा); प्रो. सत्यप्रिया राउत "जल विमर्श:"

पोस्ट-स्ट्रक्चरलिस्ट क्रिटिक "(ए. पटनायक द्वारा); वर्कशॉप 1947 पार्टिशन आर्काइव टीम द्वारा, 1947 पार्टिशन आर्काइव के साथ एक इंटरैक्शन (डॉ. एस. भट्टाचार्य द्वारा) प्रो. अनोल भट्टाचार्य, साउथ फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, रिसर्च मेथोडोलॉजी (द्वारा - डॉ. पी मिश्रा)।

अनुसंधान क्षेत्र

कृषि अर्थशास्त्र; एप्लाइड अर्थमिति; बैंकिंग; व्यवहारिक वित्त; परिवर्तन प्रबंधन; कॉमन्स और कम्युनिटी; कंपनी वित्त; अपराध कथा; विकास और कृषि मुद्दे; विकास अर्थशास्त्र; डायस्पोरा अध्ययन; भाषण का विश्लेषण; पारिस्थितिक मानविकी और मानवविज्ञान अध्ययन; जैव ईंधन का अर्थशास्त्र; विकास का अर्थशास्त्र; ग्रामीण विकास का अर्थशास्त्र; वित्तीय बाजारों की क्षमता; लुप्तप्राय भाषा; जीवन का अंत; ऊर्जा अर्थशास्त्र; पर्यावरणीय अर्थशास्त्र; नृवंशविज्ञान, भाषा प्रलेखन; वित्तीय अर्थशास्त्र; वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; वित्तीय मैक्रोइकॉनॉमिक्स; वित्तीय बाजार और जोखिम प्रबंधन; लिंग और समाज; स्वास्थ्य मनोविज्ञान; आवास अर्थशास्त्र; मानव संसाधन विकास और प्रबंधन; भारतीय लेखन अंग्रेजी में; औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान; औद्योगिक अर्थशास्त्र; अंतर्राष्ट्रीय पूंजी प्रवाह; अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र; निवेश प्रबंधन; ज्ञान प्रबंधन; श्रम अर्थशास्त्र; भाषा संचार; कक्षा में भाषा संघर्ष; भाषा अध्ययन और साहित्यिक सिद्धांत; भाषा प्रौद्योगिकी, अल्पसंख्यक भाषाएँ; कानून और समाज; साहित्य; मैक्रो-फाइनेंस इंटरलिंक्स; मीडिया और संचार अध्ययन; मीडिया अध्ययन; चिकित्सा समाजशास्त्र; मौद्रिक अर्थशास्त्र; मॉन्टेरी अर्थशास्त्र; प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; खुली अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक्स; ओपन एम्पिरिकल मैक्रोइकॉनॉमिक्स; संगठनात्मक व्यवहार; विभाजन 1947; निष्पादन प्रबंधन; लोकप्रिय संस्कृति; सकारात्मक मनोविज्ञान; उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और सिद्धांत; सार्वजनिक डिजिटल मानविकी; सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति; शब्दार्थ; सामाजिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान और व्यवहार; अंतरिक्ष और स्थानिकता के सामाजिक सिद्धांत; सामाजिक; स्वास्थ्य का समाजशास्त्र; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र; सिंथेटिक विविधता; वाक्य - विन्यास; अनुवाद और संस्कृति; शहरी संस्कृति;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	19
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	13
फैलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	28
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	17
पुरस्कार और सम्मान	05
फैलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	38
कंसल्टेंटसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	24
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	52
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	14
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	55
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	22



औद्योगिक और संकाय अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: झारेश्वर मैती

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
विश्वजीत महंती	पीएच.डी. IIT खड़गपुर	संचालन प्रबंधन; सिस्टम गतिशीलता और सिमुलेशन; संचालन अनुसंधान (OR); परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी
झारेश्वर मैती	पीएच.डी.	डेटा साइंस; जोखिम मूल्यांकन और अनिश्चितता विश्लेषण; प्रागैतिहासिक और स्वास्थ्य निगरानी; डिजिटल जुड़वाँ और आभासी वास्तविकता; सुरक्षा विश्लेषिकी
ममता जेनामनी	पीएच.डी.	ई- व्यापार, सूचना प्रणाली; संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; वेब डेटा एनालिटिक्स; ऑनलाइन नीलामी और ई-खरीद
मनोज कुमार तिवारी	पीएच.डी.	विनिर्माण संचालन योजना; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; बुद्धिमान निर्णय मॉडलिंग; संचालन विश्लेषण और प्रबंधन; उत्पाद और प्रक्रिया में सुधार
प्रदीप कुमार रे	पीएच.डी.	एगोनॉमिक्स और उत्पाद डिजाइन; निष्पादन प्रबंधन; संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; गुणवत्ता और सुरक्षा इंजीनियरिंग; TQM और विश्लेषण के साथ
सारदा प्रसाद सरमाह	पीएच.डी.	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; रिवर्स लॉजिस्टिक्स; विनिर्माण / उत्पादन योजना और नियंत्रण; संचालन प्रबंधन

सह प्राध्यापक

जितेंद्र कुमार झा	पीएच.डी.	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; संचालन अनुसंधान (OR); सूची नियंत्रण; सुविधा स्थान
जितेश जे ठक्कर	पीएच.डी.	परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; पतले छ: सिग्मा; संचालन प्रबंधन; संचालन अनुसंधान (या)

सहायक प्राध्यापक

अखिलेश कुमार	पीएच.डी. वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्रायट, मिशिगन	व्यापारिक विश्लेषणात्मक; बंद पाश आपूर्ति श्रृंखला; उत्पाद वापसी और पुनर्निर्माण; स्थिति- आधारित अनुरक्षण
गौतम सेन	पीएच.डी.	
सयाक रायचौधरी	सहायक प्राध्यापक	सुदृढीकरण सीखना; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; साइबर सुरक्षा
श्री कृष्ण कुमार	पीएच.डी.	आपूर्ति श्रृंखला और रसद; संचालन अनुसंधान (OR); खेल का सिद्धांत; गैर रेखीय प्रोग्रामिंग

नई संकाय नियुक्ति

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
सयाक रायचौधरी	सहायक प्राध्यापक	सुदृढीकरण सीखना; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; साइबर सुरक्षा

अध्यक्ष प्रो

ज्योति मुखर्जी	प्राध्यापक	
----------------	------------	--



सौम्यनाथ चटर्जी प्राध्यापक

विजिटिंग फैकल्टी

ओ बाला कृष्ण सहायक प्राध्यापक

पदोन्नति

अखिलेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	व्यापारिक विश्लेषणात्मक; बंद पाश आपूर्ति श्रृंखला; उत्पाद वापसी और पुनर्निर्माण; स्थिति- आधारित अनुरक्षण
जितेंद्र कुमार झा	सह - प्राध्यापक	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; संचालन अनुसंधान (OR); सूची नियंत्रण; सुविधा स्थान
ममता जेनामनी	प्राध्यापक	ई- व्यापार, सूचना प्रणाली; संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; वेब डेटा एनालिटिक्स; ऑनलाइन नीलामी और ई-खरीद

त्यागपत्र

ज्योति मुखर्जी प्राध्यापक

अनुसंधान क्षेत्र

व्यापारिक विश्लेषणात्मक; बंद-लूप आपूर्ति चेन; शर्त-आधारित रखरखाव; साइबर सुरक्षा; डेटा साइंस; डिजिटल जुड़वाँ और आभासी वास्तविकता; ई- व्यापार, सूचना प्रणाली; एगोनॉमिक्स और उत्पाद डिजाइन; सुविधा स्थान; खेल का सिद्धांत; बुद्धिमान निर्णय मॉडलिंग; सूची नियंत्रण; पतले छ: सिम्मा; विनिर्माण संचालन योजना; विनिर्माण / उत्पादन योजना और नियंत्रण; गैर रैखिक प्रोग्रामिंग; ऑनलाइन नीलामी और ई- खरीद; संचालन विश्लेषण और प्रबंधन; संचालन प्रबंधन; संचालन अनुसंधान (OR); संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; निष्पादन प्रबंधन; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; उत्पाद और प्रक्रिया में सुधार; उत्पाद रिटर्न और पुनः उत्पादन प्रागैतिहासिक और स्वास्थ्य निगरानी; परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी; गुणवत्ता और सुरक्षा इंजीनियरिंग; सुदृढीकरण सीखना; रिवर्स लॉजिस्टिक्स; जोखिम मूल्यांकन और अनिश्चितता विश्लेषण; सुरक्षा विश्लेषिकी; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; आपूर्ति श्रृंखला और रसद; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; सिस्टम गतिशीलता और सिमुलेशन; TQM और विश्लेषण के साथ; वेब डेटा एनालिटिक्स;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	38
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	03
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	02
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	02
फैलो - पेशेवर निकाय	04
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	18
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	27
पुरस्कार और सम्मान	13
फैलोशिप	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	21
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	10
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	04
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	21
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	59
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	26



गणित

विभागाध्यक्ष: महेंद्र प्रसाद बिस्वाल

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अद्रिजीत गोस्वामी	पीएच.डी.	डेटा और वेब खनन; क्रिप्टोग्राफी; संचालन अनुसंधान (OR); आपूर्ति शृंखला प्रबंधन और रसद; फजी सेट और अनुप्रयोग
सी नहाक	पीएच.डी.	
देबजानी चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता	पीएच.डी.	
गीतांजलि पांडा	पीएच.डी.	संख्यात्मक अनुकूलन; अनिश्चितता के साथ अनुकूलन; पोर्टफोलियो अनुकूलन; उत्तल अनुकूलन
जीपी राजा शेखर	पीएच.डी.	द्विध्रुवीय मिश्रण सिद्धांत; सीमा अभिन्न तरीके; अनिसोट्रोपिक झरझरा मीडिया के माध्यम से प्रवाह; चिपचिपा बूंदों का परिवहन घटना
महेंद्र प्रसाद बिस्वाल	पीएच.डी.	
परमेश्वरी दयाल श्रीवास्तव	पीएच.डी.	
प्रतिमा पाणिग्रही	पीएच.डी.	संयोजक और ग्राफ सिद्धांत
पीवीएसएन मूर्ति	पीएच.डी.	जैव द्रव यांत्रिकी; डबल डिफ्यूजिव कंजर्वेटिव अस्थिरता
रजनी कांत पांडे	पीएच.डी.	
सोमेश कुमार	पीएच.डी.	प्रतिबंधित पैरामीटर अंतरिक्ष में अनुमान; चयनित आबादी में अनुमान लगाना; दिशात्मक वितरण में अनुमान; टिप्पणियों का वर्गीकरण; एंट्रॉपी और विश्वसनीयता का मापन
सोमनाथ भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
उमेश चंद्र गुप्ता	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
बप्पादित्या भौमिक	पीएच.डी.	जियोमेट्रिक फंक्शन थ्योरी
ज्ञानेश्वर नेलकांति	पीएच.डी.	
जितेंद्र कुमार	पीएच.डी.	कण प्रौद्योगिकी; गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन; संख्यात्मक विधियों का विकास; गणितीय और संख्यात्मक विश्लेषण
कोयली घोषाल	पीएच.डी.	तलछट परिवहन के यांत्रिकी; द्रव प्रवाह का गणितीय मॉडलिंग; खुले चैनलों में अशांत प्रवाह; चैनल प्रवाह के लिए अधिकतम एन्ट्रॉपी दृष्टिकोण; होमोटोपी विश्लेषण विधि
पवन कुमार	पीएच.डी.	
रत्न दत्ता	पीएच.डी.	आक्षेप और बहुस्तरीय नक्शे; कार्यात्मक एन्क्रिप्शन और क्लाउड कंप्यूटिंग; बहुभिन्नरूपी सार्वजनिक कुंजी क्रिप्टो- प्रणाली; जाली और कोड आधारित क्रिप्टोग्राफी; अण्डाकार वक्र और बिलिनियर युग्मन
रूपन्विता गायेन	पीएच.डी.	रैखिक जल तरंगें; एकात्म समीकरण



सौरव मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	बीजगणितीय क्रिप्टानालिसिस; डिजिटल अधिकार प्रबंधन; डब्लूएसएन के लिए महत्वपूर्ण पूर्व-वितरण; समय / मेमोरी ट्रेड-ऑफ क्रिप्टानालिसिस; कार्यात्मक एन्क्रिप्शन और क्लाउड कंप्यूटिंग
टी राजा शेखर	पीएच.डी.	
सहायक प्राध्यापक		
आशीष गांगुली	पीएच.डी.	क्वांटम यांत्रिकी; क्वांटम सूचना; गैर-रैखिक गतिशीलता; सोलिटॉन थ्योरी और व्युत्क्रम स्कैटरिंग; द्रव गतिविज्ञान
बिभास अधिकारी	पीएच.डी. आईआईटी गुवाहाटी	लागू रैखिक बीजगणित; कॉम्प्लेक्स नेटवर्क का सिद्धांत; क्वांटम सूचना सिद्धांत
बोधायन रॉय	सहायक प्राध्यापक	सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत; एल्गोरिदम
बुद्धानंद बनर्जी	सहायक प्राध्यापक	क्लिनिकल परीक्षणों में सरोगेट समापन बिंदु विश्लेषण; कार्यात्मक डेटा विश्लेषण; उत्तरजीविता डेटा के लिए अच्छाई का फिट परीक्षण; बिंदु समस्या बदलें
देबप्रिया विश्वास	पीएच.डी.	पथरी और कार्यात्मक विश्लेषण; पथरी और टोपोलॉजी; समरूपता, विश्लेषण, ज्यामिति के समूह; गणितीय भौतिकी और परवल्यिक विश्लेषणात्मक कार्य; वेक्टर रिक्त स्थान और टोपोलॉजी
हरि शंकर महतो	पीएच.डी.	आंशिक अंतर समीकरण; अनुप्रयुक्त विश्लेषण; समरूपता सिद्धांत; विषम मीडिया में परिवहन; गणितीय जीवविज्ञान
मौसमी मंडल	पीएच.डी.	
नितिन गुप्ता	पीएच.डी.	अनुप्रयुक्त संभावना; विश्वसनीयता सिद्धांत; गणितीय आंकड़े
प्रताप चक्रवर्ती	सहायक प्राध्यापक	पथरी और टोपोलॉजी; वेक्टर रिक्त स्थान और टोपोलॉजी; समरूपता, विश्लेषण, ज्यामिति के समूह
राजेश कन्नन	पीएच.डी.	रेखीय बीजगणित; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत; एप्लाइड कार्यात्मक विश्लेषण और अनुकूलन
रामकृष्ण नंदूरी	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल बीजगणित
स्वानंद रवींद्र खरे	पीएच.डी., आईआईटी बॉम्बे	व्यावहारिक गणित

नई संकाय नियुक्ति

नाम

बिस्वा नाथ दत्त

बोधायन रॉय

प्रताप चक्रवर्ती

पद

सहायक प्राध्यापक

सहायक प्राध्यापक

सहायक प्राध्यापक

अनुसंधान क्षेत्र

सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत; एल्गोरिदम

पथरी और टोपोलॉजी; वेक्टर रिक्त स्थान और टोपोलॉजी; समरूपता, विश्लेषण, ज्यामिति के समूह

विजिटिंग फैकल्टी

बुद्धानंद बनर्जी

सहायक प्राध्यापक

क्लिनिकल परीक्षणों में सरोगेट समापन बिंदु विश्लेषण; कार्यात्मक डेटा विश्लेषण; उत्तरजीविता डेटा के लिए अच्छाई का फिट परीक्षण; बिंदु समस्या बदलें

पदोन्नति



बिभास अधिकारी	सहायक प्राध्यापक	लागू रैखिक बीजगणित; कॉम्प्लेक्स नेटवर्क का सिद्धांत; क्वांटम सूचना सिद्धांत
बुद्धानंद बनर्जी	सहायक प्राध्यापक	क्लिनिकल परीक्षणों में सरोगेट समापन बिंदु विश्लेषण; कार्यात्मक डेटा विश्लेषण; उत्तरजीविता डेटा के लिए अच्छाई का फिट परीक्षण; बिंदु समस्या बदलें

सेवानिवृत्ति

धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता	प्राध्यापक
परमेश्वरी दयाल श्रीवास्तव	प्राध्यापक

अनुसंधान क्षेत्र

बीजगणितीय क्रिप्टानालिसिस; अनुप्रयुक्त विश्लेषण; लागू रैखिक बीजगणित; व्यावहारिक गणित; अनुप्रयुक्त संभावना; जैव द्रव यांत्रिकी; द्विध्रुवीय मिश्रण सिद्धांत; सीमा अभिन्न तरीके; पथरी और कार्यात्मक विश्लेषण; पथरी और टोपोलॉजी; परिवर्तन बिंदु समस्या; टिप्पणियों का वर्गीकरण; संयोजक और ग्राफ सिद्धांत; कम्प्यूटिव बीजगणित; उत्तल अनुकूलन; क्रिप्टोग्राफी; डेटा और वेब खनन; संख्यात्मक विधियों का विकास; डिजिटल अधिकार प्रबंधन; दोहरावदार संवहन अस्थिरता; अंडाकार घटना और बिलिनियर बाँधना; चयनित आबादी में अनुमान लगाना; दिशात्मक वितरण में अनुमान; प्रतिबंधित पैरामीटर अंतरिक्ष में अनुमान; अनिसोट्रोपिक झरझरा मीडिया के माध्यम से प्रवाह; कार्यात्मक डेटा विश्लेषण; कार्यात्मक एन्क्रिप्शन और क्लाउड कंप्यूटिंग; फजी सेट और अनुप्रयोग; ज्यामितीय कार्य सिद्धांत; उत्तरजीविता डेटा के लिए अच्छाई का फिट परीक्षण; समरूपता, विश्लेषण, ज्यामिति के समूह; समरूपता सिद्धांत; होमोटोपी विश्लेषण विधि; अभिन्न समीकरण; डब्लूएसएन के लिए महत्वपूर्ण पूर्व-वितरण; जाली और कोड आधारित क्रिप्टोग्राफी; रेखीय बीजगणित; रैखिक जल तरंगें; गणितीय और संख्यात्मक विश्लेषण; गणितीय जीवविज्ञान; द्रव प्रवाह का गणितीय मॉडलिंग; गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन; गणितीय भौतिकी और परवलयिक विश्लेषणात्मक कार्य; गणितीय सांख्यिकी; चैनल प्रवाह के लिए अधिकतम एन्ट्रॉपी दृष्टिकोण; तलछट परिवहन के यांत्रिकी; एन्ट्रॉपी और विश्वसनीयता का मापन; मल्टीवेरिएट सार्वजनिक कुंजी क्रिप्टो-सिस्टम; संख्यात्मक अनुकूलन; आक्षेप और बहुस्तरीय नक्शे; संचालन अनुसंधान (OR); अनिश्चितता के साथ अनुकूलन; आंशिक अंतर समीकरण; कण प्रौद्योगिकी; पोर्टफोलियो अनुकूलन; क्वांटम सूचना सिद्धांत; विश्वसनीयता सिद्धांत; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद; क्लिनिकल परीक्षणों में सरोगेट समापन बिंदु विश्लेषण; कॉम्प्लेक्स नेटवर्क का सिद्धांत; समय / मेमोरी ट्रेड-ऑफ क्रिप्टानालिसिस; विषम मीडिया में परिवहन; चिपचिपा बूंदों का परिवहन घटना; खुले चैनलों में अशांत प्रवाह; वेक्टर रिक्त स्थान और टोपोलॉजी;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	10
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	16
फैलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	03
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	07
पुरस्कार और सम्मान	04
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	24
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	04
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	25
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	02
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	02



यांत्रिकी अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: सुकांत कुमार डैश

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अभिजीत गुहा	पीएच.डी. विश्वविद्यालय	कैम्ब्रिज
अमिय रंजन मोहंती	पीएच.डी.	
अनिर्वण दासगुप्ता	पीएच.डी.	इनफ्लैटेबल संरचनाओं के यांत्रिकी; कंपनी प्रेरित परिवहन; असतत और निरंतर प्रणाली की गतिशीलता; रेल वाहन की गतिशीलता
अरुण कुमार सामंतराय	पीएच.डी.	नॉनलाइनर डायनेमिक्स; दोष निदान और रोग का निदान; औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; रेल वाहन की गतिशीलता; सिस्टम और नियंत्रण
असीमाव रॉय चौधरी	पीएच.डी.	पतली / मोटी कोटिंग्स और नैनो-पॉलिमर कम्पोजिट; एडिटिव और लेजर आधारित विनिर्माण; मशीन टूल्स का कंप्यूटर नियंत्रण; मशीनों का डिजाइन और विकास; गैर पारंपरिक विनिर्माण
बिस्वजीत मैती	पीएच.डी.	
चेरुवु शिव कुमार	पीएच.डी.	
दिलीप कुमार प्रतिहार	पीएच.डी.	विनिर्माण प्रक्रियाओं का अनुकूलन और मॉडलिंग; रोबोटिक्स और कंप्यूटर एडेड इंजीनियरिंग (CAE)
गौतम चक्रवर्ती	पीएच.डी.	उन्नत सामग्री के यांत्रिकी; कंपनी और शोर नियंत्रण; एमईएमएस और एनईएमएस उपकरणों की गतिशीलता; इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम का कंपनी
एम रामगोपाल	पीएच.डी.	
मनब कुमार दास	पीएच.डी.	भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री
मानस चंद्र रे	पीएच.डी.	
पार्थ प्रतिम बंद्योपाध्याय	पीएच.डी.	भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री
पार्थ साहा	पीएच.डी.	
प्रसन्न कुमार दास	पीएच.डी.	एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; गर्मी का हस्तांतरण; थर्मल इंजीनियरिंग; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; दानेदार सामग्री का प्रवाह
रंजन भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
रतिंद्रनाथ मैती	पीएच.डी.	
संदीपन घोष मौलिक	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; हाइड्रोडायनामिक और थर्मल अस्थिरता; द्रव गतिकी में वर्णक्रम विधियाँ; द्रव गतिशीलता में स्थिरीकरण विधियाँ; संवहन हीट ट्रांसफर
संजय गुप्ता	पीएच.डी.	जैव यांत्रिकी
सती नाथ भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
सौमित्र पॉल	पीएच.डी.	मशीनिंग; पीस; काटने का औल कोटिंग; अवशिष्ट तनाव; विनिर्माण



सौविक भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
सुभ्रांसु रॉय	पीएच.डी.	गर्मी का हस्तांतरण; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; पिघलने और जमना; ट्रेन एरोडायनामिक्स
सुकांत कुमार दाश	पीएच.डी.	
सुमन चक्रवर्ती	पीएच.डी.	माइक्रोफ्लुइडिक्स और सूक्ष्म परिवहन
सुरज कांता पाल	पीएच.डी.	घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; उद्योग 4.0; मॉडलिंग और सिमुलेशन; अल्ट्राफास्ट कूलिंग मेथोडोलॉजी
सह प्राध्यापक		
आनंदरूप भट्टाचार्य	पीएच.डी.कोलोराडो विश्वविद्यालय	थर्मल इंजीनियरिंग; microfluidics; ली-आयन बैटरी का थर्मल प्रबंधन; इलेक्ट्रॉनिक पैकेजिंग और शीतलन
किंम्सुक भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
कुमार रे	पीएच.डी.	
मिहिर सारंगी	पीएच.डी.	
सोमनाथ रॉय	पीएच.डी.	
सोबन लाल दास	पीएच.डी.	
सुशांत कुमार पांडा	पीएच.डी.	
विक्रान्त राचेरला	पीएच.डी.	घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; विनिर्माण प्रक्रियाओं का अनुकूलन और मॉडलिंग; कंपोजिट के मैकेनिक्स; कम्प्यूटेशनल वेल्ड यांत्रिकी और वेल्डिंग प्रौद्योगिकी
सहायक प्राध्यापक		
आदित्य बंदोपाध्याय	पीएच.डी.	
अजय मूलजीभाई सिदपारा	पीएच.डी. ईट कानपुर	सतही परिष्करण; माइक्रोमैचिंग ; ट्राइबोलॉजी
अतुल जैन	पीएच.डी.	
चिराग दीपक कालेलकर	पीएच.डी.	झरझरा सामग्री और संरचित तरल पदार्थ; सिंगल और मल्टीपेज फ्लुइड डायनेमिक्स
धनंजय कुमार श्रीवास्तव	पीएच.डी.	
जीवनज्योति चक्रवर्ती	पीएच.डी.	microfluidics; लिथियम आयन बैटरी मॉडलिंग; ईंधन कोशिकाओं मॉडलिंग; विकृति कारावास के माध्यम से प्रवाह
जिनु पॉल	पीएच.डी.	पतली / मोटी कोटिंग्स और नैनो-पॉलिमर कम्पोजिट; घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण
राजाराम लक्काराजू	पीएच.डी.	
संखा देब	पीएच.डी.	कंप्यूटर एकीकृत उत्पादन; स्वचालन और रोबोटिक्स; लचीला विनिर्माण प्रणाली; सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तकनीक; माइक्रोउत्पादन प्रक्रियाओं
सौरव मित्रा	पीएच.डी.	सोखना; प्रशीतन; थर्मल ऊर्जा भंडारण; थर्मल डिसेलिनेशन
एस रामानुजम	पीएच.डी.	



पदोन्नति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
सोमनाथ रॉय	सह - प्राध्यापक	
सौरव मित्रा	सहायक प्राध्यापक	

सेवानिवृत्ति

रतिंद्रनाथ मैती	प्राध्यापक
-----------------	------------

अनुसंधान क्षेत्र

स्वचालन और रोबोटिक्स; जैव यांत्रिकी; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कम्प्यूटेशनल वेल्ड यांत्रिकी और वेल्डिंग प्रौद्योगिकी; कंप्यूटर एकीकृत उत्पादन; संवहन हीट ट्रांसफर; काटने के उपकरण कोटिंग; असतत और निरंतर प्रणाली की गतिशीलता; एमईएमएस और एनईएमएस उपकरणों की गतिशीलता; इलेक्ट्रॉनिक पैकेजिंग और शीतलन; दोष निदान और रोग का निदान; लचीला विनिर्माण प्रणाली; दानेदार सामग्री का प्रवाह; विकृत कारावास के माध्यम से प्रवाह; घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; ईंधन कोशिकाओं मॉडलिंग; पीस; गर्मी का हस्तांतरण; हाइड्रोडायनामिक और थर्मल अस्थिरता; उद्योग 4.0; लिथियम आयन बैटरी मॉडलिंग; मशीनिंग; विनिर्माण; उन्नत सामग्री के यांत्रिकी; कंपोजिट के मैकेनिक्स; इनफ्लैटेबल संरचनाओं के यांत्रिकी; पिघलने और जमना; microfluidics; माइक्रोफ्लुइडिक्स और सूक्ष्म परिवहन; माइक्रोमशीनिंग; माइक्रोउत्पादन प्रक्रियाओं; मॉडलिंग और सिमुलेशन; औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; नॉनलाइनर डायनेमिक्स; विनिर्माण प्रक्रियाओं का अनुकूलन और मॉडलिंग; द्रव गतिशीलता में स्थिरीकरण विधियाँ; झरझरा सामग्री और संरचित तरल पदार्थ; रेल वाहन की गतिशीलता; अवशिष्ट तनाव; रोबोटिक्स और कंप्यूटर-एडेड इंजीनियरिंग (सीएई); एकल और मल्टीफेज द्रव गतिशीलता; सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तकनीक; द्रव गतिकी में वर्णक्रम विधियाँ; भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री; सतही परिष्करण; सिस्टम और नियंत्रण; थर्मल इंजीनियरिंग; ली-आयन बैटरी का थर्मल प्रबंधन; पतली / मोटी कोटिंग्स और नैनो-पॉलिमर कम्पोजिट; ट्रेन वायुगतिकी; ट्राइबोलॉजी; अल्ट्राफास्ट कूलिंग मेथोडोलॉजी; कंपन और शोर नियंत्रण; कंपन प्रेरित परिवहन; इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम का कंपन;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	22
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	22
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	02
फैलो - पेशेवर निकाय	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	06
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	10
पुरस्कार और सम्मान	03
फैलोशिप	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	93
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	17
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	25
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	05
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	164
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	75



धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: राहुल मित्रा

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
देबले चक्रवर्ती	पीएच.डी.	भौतिक धातु विज्ञान; यांत्रिक धातु विज्ञान; लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी; संरचनात्मक सुरक्षा; उन्नत सामग्री प्रसंस्करण
गौर गोपाल रॉय	पीएच.डी.	अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; इलेक्ट्रॉन बीम वेल्डिंग; आरएचएफ द्वारा स्पंज आयरन तकनीक; निष्कर्षण धातु विज्ञान; स्टील में NMI नियंत्रण
इंद्रनील मन्ना	पीएच.डी.	
ज्योत्सना दत्ता मजूमदार	पीएच.डी.	
करबी दास	पीएच.डी.	उन्नत सामग्री प्रसंस्करण; बल्क नैनोकॉम्पोसाइट्स और नैनोकॉम्पोसाइट पतली फिल्में; भूतल इंजीनियरिंग; कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड सामग्री; प्रतिरोधी स्टील पहनें
कौशिक विश्वास	पीएच.डी.	ऊर्जा सामग्री; धातुओं और सिरेमिक की मॉडलिंग; बहुक्रियाशील सिरेमिक; सीमेंट
निरुपम चक्रवर्ती	पीएच.डी.	निष्कर्षण धातु विज्ञान; प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी
राहुल मित्रा	पीएच.डी.	उन्नत मिश्र और सुपरलॉय; यांत्रिक धातु विज्ञान; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; संक्षारण और पर्यावरणीय गिरावट; उन्नत सामग्री प्रसंस्करण
शंपा आइच	पीएच.डी.	चुंबकीय सामग्री (स्थायी चुंबक); NiTi आधारित आकृति मेमोरी मिश्र धातु पतली फिल्म; चुंबकीय आकार मेमोरी मिश्र धातु; जैव सामग्री; भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री
शिव बरात सिंह	पीएच.डी.	स्टील की भौतिक धातु विज्ञान
सिद्धार्थ दास	पीएच.डी.	ऊर्जा सामग्री; भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री; असफलता विश्लेषण; सामग्रियों की विशेषता; नैनो सामग्री
सुदीप्तो घोष	पीएच.डी.	
तापस लाहा	पीएच.डी.	
तरुण कुमार कुंडू	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक

अमित भादुड़ी	पीएच.डी.	
जयंत दास	पीएच.डी.	मेटास्टेबल मिश्र धातु, थोक धातुई चश्मा; गैर-संतुलन प्रसंस्करण; बल्क नैनोकॉम्पोसाइट्स धातु और मिश्र धातु; कम स्टैकिंग दोष ऊर्जा सामग्री; उच्च तापमान ऑक्सीकरण
नरेंद्र नाथ आचार्य	पीएच.डी.	



सुजाँय कुमार कर	पीएच.डी.	प्रसंस्करण-संरचना-बनावट-संपदा, तंत्रिका नेटवर्क और थर्मो-गतिज मॉडलिंग; TiAl आधारित उच्च तापमान सामग्री; Additive और लेजर आधारित विनिर्माण; टीआई मिश्र, नी आधारित सुपरलॉय, स्टील्स
सुमंत्र मंडल	पीएच.डी. आईआईटी मद्रास	मिश्र धातु डिजाइन; अनाज की सीमाएं और इंटरफेस; जलीय और उच्च तापमान जंग; रेंगना, थकान और फ्रैक्चर; कम्प्यूटेशनल सामग्री मॉडलिंग
तापस कुमार बंधोपाध्याय	पीएच.डी.	
सहायक प्राध्यापक		
अमलान दत्ता	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; अव्यवस्था की गतिशीलता की मॉडलिंग; नैनोमटेरियल्स का इलास्टोप्लास्टिक व्यवहार; बल्क मेटैलिक ग्लास
चन्द्रशेखर तिवारी	पीएच.डी.	
इंद्राणी सेन	पीएच.डी.	आकृति स्मृति मिश्र और स्मार्ट सामग्री; बेहतर संरचनात्मक सामग्री; Additive और लेजर आधारित विनिर्माण; मरीन स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
मंगल रॉय	पीएच.डी.	अस्थि उत्थान और अस्थि ऊतक अभियांत्रिकी; पाऊडर धातुकर्म; उन्नत मिश्र और सुपरलॉय
सिद्धार्थ रॉय	पीएच.डी.	कंपोजिट के मैकेनिक्स; यांत्रिक धातु विज्ञान
सोमजीत विश्वास	पीएच.डी.	थर्मोमेकेनिकल प्रोसेसिंग और एसपीडी; मात्रात्मक माइक्रोस्कोपी और बनावट; उन्नत प्रकाश धातु और मिश्र धातु; यांत्रिक और भौतिक धातुकर्म; पुनर्संरचना और संबंधित घटना

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
चन्द्रशेखर तिवारी	सहायक प्राध्यापक	
सिद्धार्थ रॉय	सहायक प्राध्यापक	कंपोजिट के मैकेनिक्स; यांत्रिक धातु विज्ञान

विजिटिंग फैकल्टी

गौर प्रसाद दास	प्राध्यापक
प्रोडीप कुमार सेन	प्राध्यापक

पदोन्नति

अमलान दत्ता	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; अव्यवस्था की गतिशीलता की मॉडलिंग; नैनोमटेरियल्स का इलास्टोप्लास्टिक व्यवहार; बल्क मेटैलिक ग्लास
चन्द्रशेखर तिवारी	सहायक प्राध्यापक	
देबले चक्रवर्ती	सह - प्राध्यापक	भौतिक धातु विज्ञान; यांत्रिक धातु विज्ञान; लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी; संरचनात्मक सुरक्षा; उन्नत सामग्री प्रसंस्करण
कौशिक विश्वास	सह - प्राध्यापक	ऊर्जा सामग्री; धातुओं और सिरेमिक की मॉडलिंग; बहुक्रियाशील सिरेमिक; सीमेंट
शंपा आइच	प्राध्यापक	चुंबकीय सामग्री (स्थायी चुंबक); NiTi आधारित आकृति मेमोरी मिश्र धातु पतली फिल्म; चुंबकीय आकार मेमोरी मिश्र धातु; जैव सामग्री; भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री



तापस लाहा प्राध्यापक
तरुण कुमार कुंडू प्राध्यापक

अनुसंधान क्षेत्र

Additive और लेजर आधारित विनिर्माण; उन्नत मिश्र और सुपरलॉय; उन्नत प्रकाश धातु और मिश्र धातु; उन्नत सामग्री प्रसंस्करण; मिश्र धातु डिजाइन; जलीय और उच्च तापमान जंग; जैव सामग्री; अस्थि उत्थान और अस्थि ऊतक अभियांत्रिकी; थोक धातु के गिलास; बल्क नैनोकॉम्पोसाइट्स और नैनोकॉम्पोसाइट पतली फिल्में; बल्क नैनोकॉम्पोसाइट धातु और मिश्र धातु; सीमेंट; सामग्रियों की विशेषता; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान; कम्प्यूटेशनल सामग्री मॉडलिंग; संक्षारण और पर्यावरणीय गिरावट; रेंगना, थकान और फ्रैक्चर; नैनोमटेरियल्स का इलास्टोप्लास्टिक व्यवहार; इलेक्ट्रॉन बीम वेल्डिंग; ऊर्जा सामग्री; निष्कर्षण धातु विज्ञान; असफलता विश्लेषण; कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड सामग्री; अनाज की सीमाएं और इंटरफेस; उच्च तापमान ऑक्सीकरण; बेहतर संरचनात्मक सामग्री; लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी; कम स्टैकिंग दोष ऊर्जा सामग्री; चुंबकीय सामग्री (स्थायी चुंबक); चुंबकीय आकार मेमोरी मिश्र धातु; समुद्री संरचनात्मक इंजीनियरिंग; यांत्रिक धातु विज्ञान; यांत्रिक और भौतिक धातुकर्म; कंपोजिट के मैकेनिक्स; मेटास्टेबल मिश्र धातु, थोक धातुई चश्मा; मॉडलिंग और सिमुलेशन; अव्यवस्था की गतिशीलता की मॉडलिंग; धातुओं और सिरेमिक की मॉडलिंग; बहुक्रियाशील सिरेमिक; नैनो सामग्री; तंत्रिका नेटवर्क और थर्मो-गतिज मॉडलिंग; NiTi- आधारित आकृति मेमोरी मिश्र धातु पतली फिल्म; स्टील में एनएमआई नियंत्रण; गैर-संतुलन प्रसंस्करण; भौतिक धातु विज्ञान; स्टील की भौतिक धातु विज्ञान; पाऊंडर धातुकर्म; प्रसंस्करण-संरचना-बनावट-संपदा, प्रक्रिया सिमुलेशन, अनुकूलन और नियंत्रण; मात्रात्मक माइक्रोस्कोपी और बनावट; पुनर्संरचना और संबंधित घटनाएं; आकृति स्मृति मिश्र और स्मार्ट सामग्री; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; आरएचएफ द्वारा स्पंज आयरन तकनीक; संरचनात्मक सुरक्षा; भूतल इंजीनियरिंग; भूतल इंजीनियरिंग और लेपित सामग्री; थर्मोमेकेनिकल प्रोसेसिंग और एसपीडी; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; TiAl आधारित उच्च तापमान सामग्री; टीआई मिश्र, नी आधारित सुपरलॉय्स, स्टील्स; प्रतिरोधी स्टील पहनें;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	43
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	09
फैलो - पेशेवर निकाय	03
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	09
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	08
पुरस्कार और सम्मान	03
फैलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	59
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	13
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	10
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	24
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	04
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	04
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	96
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	24



खनन अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: देबासीस देब

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अरुण कुमार मजुमदार	पीएच.डी.	
आशीस भट्टाचार्य	पीएच.डी.	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा; चोट की महामारी विज्ञान; सुरक्षा डेटा विश्लेषण; संचालन अनुसंधान अनुप्रयोगों; मशीन ऑपरेटर के पूरे शरीर का कंपन
बिस्वजीत सामंत	पीएच.डी.	खान योजना और डिजाइन: कोयला और धातुई; मेरी वेंटिलेशन योजना और डिजाइन; भूसांख्यिकी
देबाशीष चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
देबासी देब	पीएच.डी.	रॉक मैकेनिक्स और ग्राउंड कंट्रोल; भू-तकनीकी प्रणालियों के संख्यात्मक मॉडलिंग; डिजिटल छवि सहसंबंध
जयंत भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
करणम उमा महेश्वर राव	पीएच.डी.	
खानिन्द्र पाठक	पीएच.डी. लंदन विश्वविद्यालय	
समीर कुमार दास	पीएच.डी.	
समीर कुमार पाल	पीएच.डी.	
एस सूर्यनारायण भामिदीपति	पीएच.डी.	

सह प्राध्यापक

अभिराम कुमार वर्मा	पीएच.डी.	
आदित्य कुमार पात्रा	पीएच.डी.	वायु गुणवत्ता माप और मॉडलिंग; मशीन ऑपरेटर के पूरे शरीर का कंपन; एर्गोनॉमिक्स और औद्योगिक सुरक्षा
बसंता कुमार प्रेट्ट	पीएच.डी.	कोयले की मीथेन और कोयले की खान मीथेन; अपरंपरागत गैस, शेल गैस; CO2 अनुक्रम; खनन पर्यावरण प्रबंधन
विभूति भूषण मंडल	पीएच.डी.	

श्रीकांत अन्नवरपु

सहायक प्राध्यापक

कौशिक डे	पीएच.डी. (कानपुर)
----------	-------------------

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

1. एम।टेक (खनिज और ऊर्जा संसाधन के लिए भू-रसायन विज्ञान (MI1))
2. एम.टेक (सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण (MI2))



अनुसंधान क्षेत्र

वायु गुणवत्ता माप और मॉडलिंग; CO2 अनुक्रम; कोयले की मीथेन और कोयले की खान मीथेन; डिजिटल छवि सहसंबंध; ड्रिलिंग द्रव अपशिष्ट प्रबंधन; एर्गोनॉमिक्स और औद्योगिक सुरक्षा; भूसांख्यिकी; छिद्रपूर्ण सामग्री में एच 2 भंडारण; चोट की महामारी विज्ञान; खान योजना और डिजाइन; कोयला और धातुई; खान वेंटिलेशन योजना और डिजाइन; खनन पर्यावरण प्रबंधन; भू-तकनीकी प्रणालियों के संख्यात्मक मॉडलिंग; व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा; संचालन अनुसंधान अनुप्रयोगों; पेट्रोलियम उत्पादन इंजीनियरिंग; पॉलिमर संश्लेषण; रॉक मैकेनिक्स और ग्राउंड कंट्रोल; सुरक्षा डेटा विश्लेषण; अपरंपरागत गैस, शेल गैस; मशीन ऑपरेटर के पूरे शरीर का कंपन;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	09
सहयोग	06
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	08
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	02
पुरस्कार और सम्मान	02
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	10
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	35
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज्ञित	04
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	08
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	26
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	13



महासागर अभियांत्रिकी और नौशिल्प

विभागाध्यक्ष: प्रसाद कुमार भास्करन

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
देवव्रत सेन	पीएच.डी.	
हरि वी वारियर	पीएच.डी.	शारीरिक और गतिशील समुद्रशास्त्र; समुद्रशास्त्र में टर्बुलेंस मॉडलिंग; द्रव संरचना इंटरैक्शन; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी
ओम प्रकाश शॉ	पीएच.डी.	समुद्री डिजाइन और उत्पादन; उच्च प्रदर्शन समुद्री वाहन
प्रसाद कुमार भास्करन	पीएच.डी.	महासागर मॉडलिंग और विश्लेषण; समुद्री ध्वनिकी; महासागर लहर जलवायु अध्ययन; पोर्ट एंड हार्बर इंजीनियरिंग; तलछट परिवहन के यांत्रिकी
त्रिलोचन साहू	पीएच.डी.	तटीय इंजीनियरिंग; जलीय नमनीयता; पिछले झरझरा संरचनाओं की लहर; इंजीनियरिंग गणित और संगणना ; लचीली गुरुत्व तरंग अवरुद्ध

सह प्राध्यापक

अशोक भर	पीएच.डी.	
विश्वनाथ नागराजन	पीएच.डी.	द्रव संरचना इंटरैक्शन; समुद्री जलविद्युत; चुपके और पैतरेबाजी; शिप मोशन; समुद्री डिजाइन और उत्पादन

सहायक प्राध्यापक

अनिर्बान भट्टाचार्य	पीएच.डी.	समुद्री प्रणोदन; जहाज का डिजाइन; ऊर्जा बचत उपकरण
अरुणज्योति सरकार	पीएच.डी. स्टवानगर विश्वविद्यालय, नॉर्वे	सबसे स्थापना के लिए समुद्री ऑपरेशन; कम आरपीएमशुर्ट टरबाइन; ऑफशोर पवन टरबाइन; सबसे पाइपलाइन और राइजर्स
किरण विजयन	पीएच.डी.	समुद्री संरचनाओं का कंपन; द्रव संरचना इंटरैक्शन; शोर और कंपन नियंत्रण; ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग अनुप्रयोगों के दौरान मापन; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं
नबनता दत्त	पीएच.डी.	समुद्री संरचनाओं का कंपन; द्रव संरचना बातचीत
रणदेव दत्त	पीएच.डी.	द्रव संरचना इंटरैक्शन; फ्लोटिंग स्ट्रक्चर्स और जहाजों की हाइड्रोलास्टिकिटी; संख्यात्मक पोत हाइड्रोडायनामिक्स; ग्रीन वाटर लोडिंग, स्लैमिंग; अपतटीय संरचना और जहाज का आकार
ऋत्विक् घोषाल	पीएच.डी.	द्रव संरचना इंटरैक्शन; समुद्री संरचनात्मक इंजीनियरिंग; समुद्री संरचनाओं का कंपन; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कंपोजिट के मैकेनिक्स

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
ऋत्विक् घोषाल	पीएच.डी.	द्रव संरचना इंटरैक्शन; समुद्री संरचनात्मक इंजीनियरिंग; समुद्री संरचनाओं का कंपन; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; कंपोजिट के मैकेनिक्स

विजिटिंग फैकल्टी

सुब्रमण्यम नीलमणि	प्राध्यापक
-------------------	------------

अनुसंधान क्षेत्र

तटीय इंजीनियरिंग; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी; ऊर्जा बचत उपकरण; इंजीनियरिंग गणित और संगणना; फ्लेक्सिबल ग्रेविटी वेव ब्लॉकिंग; द्रव संरचना इंटरैक्शन; ग्रीन वाटर लोडिंग, स्लैमिंग; उच्च प्रदर्शन समुद्री वाहन; जलीय नमनीयता; फ्लोटिंग स्ट्रक्चर्स और जहाजों की



हाइड्रोलास्टिकिटी; कम आरपीएम वर्तमान टरबाइन; समुद्री ध्वनिकी; समुद्री डिजाइन और उत्पादन; समुद्री जलविद्युत; उप-स्थापना के लिए समुद्री संचालन; समुद्री प्रणोदन; समुद्री संरचनात्मक इंजीनियरिंग; ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग अनुप्रयोगों के दौरान मापन; कंपोजिट के मैकेनिक्स; तलछट परिवहन के यांत्रिकी; शोर और कंपन नियंत्रण; संख्यात्मक पोत हाइड्रोडायनामिक्स; महासागर मॉडलिंग और विश्लेषण; महासागर लहर जलवायु अध्ययन; अपतटीय पवन टरबाइन; शारीरिक और गतिशील समुद्रशास्त्र; पोर्ट एंड हार्बर इंजीनियरिंग; चुपके और पैंतरेबाज़ी; अपतटीय संरचना और जहाज का रिसाव; जहाज का डिजाइन; शिप मोशन; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं; सब्सिडी पाइपलाइन और राइजर; समुद्रशास्त्र में टर्बुलेंस मॉडलिंग; समुद्री संरचनाओं का कंपन; पिछले झरझरा संरचनाओं की लहर;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	18
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	03
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	02
फैलो - पेशेवर निकाय	03
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	06
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	05
पुरस्कार और सम्मान	06
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	18
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	18
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	07
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	03
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	44
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	33



भौतिक विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: कृष्ण कुमार

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अचिन्त्य धार	पीएच.डी.	कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स; सौर फोटोवोल्टिक; सेमीकंडक्टर पतली फिल्में; पतली फिल्म हेटरोस्ट्रक्चर
अजय कुमार सिंह	पीएच.डी.	परमाणु संरचना; गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी; परमाणु संसूचक
अनुश्री रॉय	पीएच.डी.	
अर्घ्य ताराफल	पीएच.डी.	
दीपक कुमार गोस्वामी	पीएच.डी.	कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण; बायोमेडिकल डिवाइस, लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स; कार्बनिक पतली फिल्म विकास; लचीली हेल्थकेयर डिवाइस
कमल लोचन पाणिग्रही	पीएच.डी.	उच्च ऊर्जा भौतिकी; स्ट्रिंग सिद्धांत; एडीए / CFT
कृष्ण कुमार	पीएच.डी.	हाइड्रोडायनामिक अस्थिरता; नॉनलाइनर डायनेमिक्स; इंटरफैसिअल तरंगें
पार्थ रॉय चौधरी	पीएच.डी.	फाइबर और एकीकृत प्रकाशिकी, फोटोनिक्स; प्रायोगिक जैव- फोटोनिक्स, इमेजिंग
प्रज्ञा शुक्ला	पीएच.डी.	जटिल प्रणालियों के सांख्यिकीय अध्ययन; सिस्टम आश्रित रैंडम मैट्रिक्स सिद्धांत; गणितीय भौतिकी; सांख्यिकीय भौतिकी
प्रसन्न कुमार दत्ता	पीएच.डी.	
समित कुमार रे	पीएच.डी.	
सयन कर	पीएच.डी.	
सोमनाथ भारद्वाज	पीएच.डी.	खगोल भौतिकी; ब्रह्मांड विज्ञान
सोनजॉय मजुमदार	पीएच.डी.	अल्ट्रा ठंड परमाणु के भौतिकी; प्रकाश पदार्थ बातचीत: परमाणु घड़ी; क्वांटम सूचना सिद्धांत; सापेक्षतावादी कई-इलेक्ट्रॉन सिद्धांत; खगोल भौतिकी: परमाणु डेटा
सुधांशु शेखर मंडल	पीएचडी, आईआईटी कानपुर	आंशिक क्वांटम हॉल प्रभाव; अव्यवस्थित सुपरकंडक्टर्स; चुंबकीय भंवर और Skyrmions; सामयिक सामग्री के भौतिकी
तपन कुमार नाथ	पीएच.डी.	कार्यात्मक सामग्री; इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; जीएमआर और मैग्नेटो-इलेक्ट्रिक और मैग्नेटो-कैलोरिक सामग्री; Spintronic नैनोमटेरियल्स और डिवाइस
सह प्राध्यापक		
अमल कुमार दास	पीएच.डी.	चुंबकत्व और स्पिंट्रोनिक्स
अमरेश चंद्रा	पीएच.डी.	
संजीव कुमार श्रीवास्तव	पीएच.डी.	हेवी आयन-पदार्थ इंटरैक्शन स्विफ्ट; परमाणु संघनित पदार्थ भौतिकी; स्थानीय चुंबकत्व; क्वांटम चरण संक्रमण और महत्वपूर्णता
शिवकिरण बीएन भक्त	पीएच.डी.	ग्लास फोटोनिक्स; यादृच्छिक लेजर; ऑप्टोप्लूडिक्स, फोटोनिक् क्रिस्टल्स, माइक्रोरेजोनेटर्स



सुगाता प्रतीक खस्तगीर	पीएच.डी.	गणितीय भौतिकी; आंतरिक मॉडल
सहायक प्राध्यापक		
अमर नाथ गुप्ता	पीएच.डी.	बायोफिजिक्स; नरम पदार्थ भौतिकी; एकल-अणु बल स्पेक्ट्रोस्कोपी; माइक्रोहिओलोजी; प्रोटीन की तह
देबमाल्या बनर्जी	पीएच.डी.	
देवराज चौधरी	पीएचडी, IISc बैंगलोर	जीएमआर और मैग्नेटो-इलेक्ट्रिक और मैग्नेटो-कैलोरिक सामग्री; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री
ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	पीएच.डी.	क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत; गुरुत्वाकर्षण; स्ट्रिंग सिद्धांत; सापेक्षवादी हाइड्रोडायनामिक्स; QFT में क्वांटम उलझाव
मारुति मनोज ब्रुंदवनम	पीएच.डी.	विलक्षण प्रकाशिकी; सहसंबंध प्रकाशिकी
पूर्णचंद्र सेखर बरदा	पीएच.डी.	नरम पदार्थ भौतिकी; गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; कम-रेनॉल्ड्स संख्या हाइड्रोडायनामिक्स; कम्प्यूटेशनल भौतिकी
सजल धरा	पीएच.डी.	नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स; इलेक्ट्रॉन परिवहन; प्रकाश-मामला बातचीत
समुंद्र रॉय	पीएच.डी.	नॉनलाइनियर फोटोनिक्स; नॉनलाइनियर कैविटी डायनेमिक्स, कैविटी सोलिटन; हवादार नाड़ी गतिकी
संदीपन सेनगुप्ता	पीएच.डी.	शास्त्रीय गुरुत्वाकर्षण; क्वांटम गुरुत्वाकर्षण
श्रीकांत ध्रुजाति दास	पीएच.डी.	
तीर्थ शंकर रे	पीएच.डी.	कण भौतिकी; मानक मॉडल भौतिकी से परे; इलेक्ट्रोएके सिमेट्री ब्रेकिंग; एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स

विजिटिंग फैकल्टी

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
भूपेंद्र नाथ देव	सहयक प्राध्यापक	
सिमोन पेली	सहयक प्राध्यापक	
उत्पल सरकार	प्राध्यापक	

पदोन्नति

ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	सहयक प्राध्यापक	क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत; गुरुत्वाकर्षण; स्ट्रिंग सिद्धांत; सापेक्षवादी हाइड्रोडायनामिक्स; QFT में क्वांटम उलझाव
श्रीकांत ध्रुजाति दास	सहयक प्राध्यापक	

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

भौतिकी विभाग निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है:

1. पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी।
2. संयुक्त M.Sc.-Ph.D.
3. दो साल एम टेक कार्यात्मक सामग्री और उपकरणों में
4. पीएच.डी.

विभाग के संकाय सदस्य शिक्षण के अलावा सैद्धांतिक और प्रायोगिक भौतिकी के क्षेत्र में अनुसंधान में शामिल हैं



अनुसंधान क्षेत्र

AdS / CFT द्वंद्व; हवादार नाड़ी गतिकी; एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स; खगोल भौतिकी; खगोल भौतिकी: परमाणु डेटा; मानक मॉडल भौतिकी से परे; बायोमेडिकल डिवाइस, लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स; बायोफिजिक्स; शास्त्रीय गुरुत्वाकर्षण; कम्प्यूटेशनल भौतिकी; सहसंबंध प्रकाशिकी; ब्रह्मांड विज्ञान; अव्यवस्थित सुपरकंडक्टर्स; इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री; इलेक्ट्रॉन परिवहन; इलेक्ट्रोएके सिमेट्री ब्रेकिंग; इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स प्रायोगिक जैव-फोटोनिक्स, इमेजिंग; फाइबर और एकीकृत प्रकाशिकी, फोटोनिक्स; लचीला स्वास्थ्य देखभाल उपकरण; आंशिक क्वांटम हॉल प्रभाव; कार्यात्मक सामग्री; गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी; ग्लास फोटोनिक्स; जीएमआर और मैग्नेटो-इलेक्ट्रिक और मैग्नेटो-कैलोरिक सामग्री; गुरुत्वाकर्षण; उच्च ऊर्जा भौतिकी; हाइड्रोडायनामिक अस्थिरता; इंटिग्रेबल मॉडल; इंटरफैसिअल तरंगें; प्रकाश-पदार्थ बातचीत; प्रकाश पदार्थ बातचीत: परमाणु घड़ी; स्थानीय चुंबकत्व; कम-रेनॉलड्स संख्या हाइड्रोडायनामिक्स; चुंबकीय भंवर और Skyrmions; चुंबकत्व और स्पिंट्रोनिक्स; गणितीय भौतिकी; Microresonators; माइक्रोहिओलोजी; नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स; गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; नॉनलाइनियर कैविटी डायनेमिक्स, कैविटी सोलिटॉन; नॉनलाइनर डायनेमिक्स; नॉनलाइनियर फोटोनिक्स; परमाणु संघनित पदार्थ भौतिकी; परमाणु डिटेक्टरों; परमाणु संरचना; Optofluidics; कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण; कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स; कार्बनिक पतली फिल्म विकास; कण भौतिकी; फोटोनिक क्रिस्टल; सामयिक सामग्री के भौतिकी; अल्ट्रा ठंड परमाणु के भौतिकी; प्रोटीन की तह; QFT में क्वांटम उलझाव; क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत; क्वांटम गुरुत्वाकर्षण; क्वांटम सूचना सिद्धांत; क्वांटम चरण संक्रमण और आलोचनात्मकता; यादृच्छिक पराबैंगनीकिरण; सापेक्षवादी हाइड्रोडायनामिक्स; सापेक्षतावादी कई-इलेक्ट्रॉन सिद्धांत; सेमीकंडक्टर पतली फिल्में; एकल-अणु बल स्पेक्ट्रोस्कोपी; विलक्षण प्रकाशिकी; नरम पदार्थ भौतिकी; सौर फोटोवोल्टिक; स्पिनट्रॉनिक नैनोमैटिरियल्स और डिवाइस; सांख्यिकीय भौतिकी; जटिल प्रणालियों के सांख्यिकीय अध्ययन; स्ट्रिंग सिद्धांत; हेवी आयन-पदार्थ इंटरैक्शन स्विफ्ट; सिस्टम आश्रित रैंडम मैट्रिक्स सिद्धांत; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; पतली फिल्म हेटरोस्ट्रक्चर;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	02
सहयोग	49
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	12
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	12
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	03
पुरस्कार और सम्मान	01
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	46
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	11
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	56
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	95
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	30



उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र

विभागाध्यक्ष: सुनंदो दासगुप्ता

सहायक प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अर्यंतिका चटर्जी	सहायक प्राध्यापक	सूचना सुरक्षा; बिग डेटा एनालिटिक्स; सिस्टम की सुरक्षा
सोमनाथ सेनगुप्ता	पीएच.डी.	औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव सिस्टम की मॉडलिंग; इलेक्ट्रिक वाहन: पावरट्रेन और बैटरी प्रबंधन; एल्गोरिदम

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अर्यंतिका चटर्जी	सहायक प्राध्यापक	सूचना सुरक्षा; बिग डेटा एनालिटिक्स; सिस्टम की सुरक्षा

विजिटिंग फैकल्टी

जतीन्द्र नाथ रॉय	प्राध्यापक	एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम; सौर और पवन ऊर्जा रूपांतरण
------------------	------------	---

पदोन्नति

सोमनाथ सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव सिस्टम की मॉडलिंग; इलेक्ट्रिक वाहन: पावरट्रेन और बैटरी प्रबंधन; एल्गोरिदम
------------------	------------------	--

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

पीएचडी और एमएस डिग्री के अलावा केंद्र ने एम। टेक शुरू किया है। एम्बेडेड नियंत्रण और सॉफ्टवेयर (ECS) पर पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्लेटफार्मों की एक विस्तृत श्रृंखला में जटिल बुद्धिमान नियंत्रण तंत्र को शामिल करते हुए उच्च गुणवत्ता, कार्यात्मक रूप से सटीक एम्बेडेड सॉफ्टवेयर का डिजाइन, विश्लेषण और कार्यान्वयन शामिल है। विधियाँ प्रदर्शन, शक्ति / ऊर्जा, दोष सहिष्णुता, वास्तविक समय संचालन, सुरक्षा-आलोचना, संचार, सुरक्षा, समानांतर / वितरित कार्यान्वयन, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आदि मुद्दों को संबोधित करती हैं। यह महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों को शामिल करेगी, CAD उपकरणों के विकास और प्रयोगशाला को शामिल करेगी। और उद्योग का अनुभव। यह पाठ्यक्रम इंटरडिसिप्लिनरी और प्रकृति में सहयोगात्मक है और उद्योग और अन्य बाहरी विशेषज्ञों के साथ कई विभागों के संकाय सदस्य कक्षाएं ले रहे हैं। इसमें उद्योग आधारित परियोजनाओं, प्रायोजित उम्मीदवारों और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भागीदारी की संभावनाएं शामिल हैं। शोधपूर्णता इस पाठ्यक्रम का एक केंद्र है, जिसका उद्देश्य बुद्धिमान नियंत्रण और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी के नए तरीकों को विकसित करना है। हाल ही में ECS कार्यक्रम के तहत केंद्र ने 'ऑटोमोटिव डायनामिक्स एंड कंट्रोल के सिद्धांत' पर एक नया वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किया है।

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र में अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है माइक्रोमैचिंग और एमईएमएस। इसके अलावा, ATDC के तहत विभिन्न प्रयोगशालाओं में सिलिकॉन और गैर सिलिकॉन आधारित माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक / माइक्रोफोटोनिक उपकरणों और आईसी के निर्माण भी अनुसंधान के क्षेत्र पर केंद्रित हैं। एनपीएसएम / एडीए, इसरो, डीआरडीओ, डीएसटी और बीएआरसी सहित कई सरकारी विभागों के पास विशेष अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट सेंसर और उनके इंटरफेसिंग सर्किट विकसित करने के लिए वित्त पोषित परियोजनाएं हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान प्रयोगशाला में विकसित एमईएमएस उपकरणों में सिलिकॉन पाइज़ोरेसिस्टिव, कैपेसिटिव और टनलिंग एक्सेलेरोमीटर शामिल हैं। बढ़ाया संवेदनशीलता और बंद लूप एमईएमएस कैपेसिटिव एक्सेलेरोमीटर के साथ एमईएमएस एक्सीलेरोमीटर का डिजाइन भी शुरू किया गया है। सिलिकॉन एक्सेलेरोमीटर के निर्माण की तकनीक सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लिमिटेड, चंडीगढ़ को हस्तांतरित की गई है। क्वांटम टनलिंग घटना



और सिलिकॉन एमईएमएस दबाव सेंसर के आधार पर उच्च संवेदनशील एमईएमएस एक्सेलेरोमीटर के विकास पर गतिविधियां शुरू की गई हैं। माइक्रो / नैनो उपग्रह कार्यक्रम के लिए एमईएमएस आधारित माइक्रोप्रॉपल्शन उपकरणों का डिजाइन और विकास जैसे एक्सेलेरोमीटर

सूक्ष्म और नैनो सामग्री और संरचनाओं के व्यापक क्षेत्र पर काम भी जारी है। ऑन-गोइंग गतिविधियों में मुख्य रूप से गैस चरण संश्लेषण के माध्यम से नैनोमेट्रिक्स का संश्लेषण और उत्पादित नैनोमैट्री के लक्षण वर्णन शामिल हैं।

एकीकृत प्रकाशिकी और माइक्रो-फोटोनिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास भी किया जाता है। एक एकीकृत-ऑप्टिक डिजाइन सॉफ्टवेयर विकसित और कॉपीराइट किया गया है। यह सॉफ्टवेयर झुका हुआ नुकसान और मोड प्रोफाइल के साथ सिंगल-मोड स्टेप-इंडेक्स और ग्रेडेड इंडेक्स वेवगाइड को डिजाइन कर सकता है। टाइटेनियम अप्रभाविता लिथियम नाइओबेट वेवगाइड्स, दिशात्मक कप्लर्स, पावर स्प्लिटर्स, फाइबर-ऑप्टिक संचार नेटवर्क के लिए स्विच का निर्माण और लक्षण वर्णन किया गया है। हाल ही में केंद्र में माइक्रोफोटोनिक्स अनुप्रयोगों के लिए बहुलक आधारित माइक्रोस्ट्रक्चर विकसित किए गए हैं। पॉलीमर इंटीग्रेटेड-ऑप्टिक वेवगाइड्स को पैसिव वेवगाइड उपकरणों में संभावित अनुप्रयोगों के लिए केंद्र में गढ़ा और चित्रित किया गया है।

पतली फिल्म नैनोस्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, फेरोइलेक्ट्रिक और मैग्नेटो-प्रतिरोधक फिल्मों पर शोध किया जा रहा है। भौतिकी और मौसम विज्ञान विभाग की माइक्रोसाइंस प्रयोगशाला में विभिन्न सरकारी प्रायोजित परियोजनाओं के तहत माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और सेंसर अनुप्रयोगाउन्नत वीएलएसआई प्रयोगशाला में उपलब्ध मुख्य योग्यता के आधार पर अब कई जोरदार क्षेत्र सामने आए हैं। इनमें एनालॉग और आरएफ सर्किट, वायरलेस संचार और बेसबैंड प्रसंस्करण, प्रत्यक्ष रूपांतरण रिसीवर, बिजली प्रबंधन सर्किट, प्रोसेसर और एम्बेडेड अनुप्रयोगों के लिए आईपी कोर और परीक्षण क्षमता के लिए डिजाइन शामिल हैं। 60 से अधिक विभिन्न चिप्स का निर्माण और परीक्षण किया गया है। 15 प्रमुख कंपनियां AVLSI कंसोर्टियम में शामिल हो गई हैं। 12 से अधिक चल रहे सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। भारत के और राष्ट्रीय अर्धचालक, इंटेल, Synopsys, Infineon, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, Si2 माइक्रोसिस्टम्स, Agilent, Tessolve, एनालॉग डिवाइसेस और जनरल मोटर्स सहित प्रमुख कंपनियां प्रयोगशाला IIT खड़गपुर के छात्रों को नियमित रूप से गहन प्रशिक्षण प्रदान करती है। इन प्रारंभिक सफलताओं से उत्साहित, प्रयोगशाला उत्कृष्टता के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। अनुसंधान निर्देश मिश्रित-सिग्नल वाले एसओसी के नए क्षेत्रों में विविधता ला रहे हैं, एम्बेडेड अनुप्रयोगों और एनालॉग डीएफटी के लिए आईपी कोर। सोलर पीवी पर शोध भी जारी है।

0.18μm तकनीक का उपयोग करके एक विकिरण 2.5GHz चरण लॉक लूप (PLL) को उच्च विकिरण वातावरण में बहुत कम घबराना के साथ एक घड़ी देने के लिए डिजाइन किया गया है। पीएलएल प्रदर्शन को कम करने वाले विकिरण प्रभावों को कम करने में मदद करने के लिए विशिष्ट वास्तुकला डिजाइन और तकनीकों को लागू किया जाता है। नीलम (एसओएस) पर यूएमसी 180 एनएम सिलिकॉन प्रक्रिया प्रौद्योगिकी का उपयोग विकसित विकिरण कठोर पीएलएल में किया जाता है। यह स्वदेशी रूप से विकसित आईसी एक उपन्यास तकनीक का उपयोग करता है जो 900Krad की कुल विकिरण खुराक तक काम कर सकती है जो व्यावसायिक रूप से उपलब्ध विकिरण कठोर PLL की तुलना में अधिक है। केंद्र का माइक्रोफ्लुइडिक्स समूह स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों, और ऑन-चिप बिजली उत्पादन जैसे कई अत्याधुनिक अनुसंधान विषयों पर केंद्रित है। वे वर्तमान में लैब-ऑन-ए-कॉम्पैक्ट-डिस्क (एलओसीडी) और 'पेपर एंड पेंसिल' आधारित माइक्रोफ्लुइडिक प्लेटफॉर्म पर दो उपकरणों पर काम कर रहे हैं। हमने मलेरिया के सस्ते निदान के उद्देश्य से लैब-ऑन-ए-सीडी डिवाइस विकसित किया है, जो स्टीरियोटाइप क्लिनिकल ईकोलॉजी को खत्म करने की क्षमता रखता है। वर्तमान में, हम रक्त के रियोलॉजिकल गुणों का दोहन करके हीमोग्लोबिन-आधारित विकारों के लिए लैब-ऑन-ए-सीडी डिवाइस के अनुकूलन की दिशा में काम कर रहे हैं। हमारे द्वारा विकसित 'पेपर-एंड-पेंसिल' आधारित उपकरण, बड़े पैमाने पर उपयोग को देखते हुए स्पॉट डायग्नोस्टिक्स के लिए एक सस्ती, कुशल उपाय प्रदान करते हैं। हमने सचित्र किया है।

इस तरह के 'पेपर-एंड-पेंसिल' उपकरणों पर प्रवाह की विशेषताएं और दो एनालिटिक्स के मिश्रण के लिए इसके बाद का उपयोग। हमने एक से अधिक एनालिटिक्स का एक साथ पता लगाने के लिए 'पेपर-एंड-पेंसिल' डिवाइस की उपयोगिता को भी चित्रित किया है। हम मानते हैं कि उपर्युक्त माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस स्टीरियोटाइप क्लिनिकल प्रैक्टिस के नुकसान को दरकिनार करने की क्षमता रखते हैं, और इस प्रकार कुशल और सस्ती निदान के एक नए प्रतिमान की शुरुआत करते हैं। हम वर्तमान में माइक्रो-नाली के भीतर एक इलेक्ट्रोलाइट समाधान के प्रवाह के कारण उत्पन्न होने वाली स्टीमिंग क्षमता का उपयोग करके, 'चिप-ऑनचिप' नामक एक और उपकरण विकसित करने की प्रक्रिया में हैं।

काम 'पतली तरल फिल्मों की गतिशीलता' में पतली तरल फिल्मों (टीएलएफ) की गतिशीलता का अध्ययन करना शामिल है, थर्मल, बिजली और चुंबकीय सहित गड़बड़ी के विभिन्न तरीकों के अधीन। पतली तरल फिल्मों की गतिशीलता पर चुंबकीय शरीर-बल के प्रभाव के बारे में एक



हालिया काम ने टीएलएफ हेरफेर का एक उपन्यास और अत्यधिक आशाजनक मोड प्रदान किया। डायनामिक्स का उपयोग पॉइंट ऑफ़ केयर डायग्नोस्टिक सिस्टम में एप्लिकेशन के लिए किया जा सकता है और सामान्य रूप से चिप उपकरणों पर लैब के विकास के लिए।

सुपरहाइड्रोफोबैसिस और गुलाब की पंखुड़ी के आसंजन की दोहरी कार्यक्षमता की जांच कोमल-लिथोग्राफिक रूप से पंखुड़ी की संरचनाओं की प्रतिकृति द्वारा की जाती है। इसके अलावा, इन प्रतिकृतियों पर गीला करने वाले राज्यों को confocal माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। इलास्टोमेरिक फिल्म की सतह पर झुर्रियों के निर्माण के माध्यम से अपनी गीली विशेषताओं का त्याग किए बिना एक इलास्टोमेरिक फिल्म को अत्यधिक चिपकने वाली सतह में बदलने के लिए एक अभिनव विधि विकसित की गई है। सिलवटित स्थलाकृति के साथ इन झुर्रीदार सतहों में छोटी बूंद हेरफेर, सेल आसंजन और प्रसार, और कोलाइडल कणों आदि को छानने में फायदे हैं।

सेल माइक्रोपैल्टरिंग और सेल छंटाई में बायोसेंसर और लैब-ऑन-ए-चिप डिवाइस, टिशू इंजीनियरिंग और मौलिक सेल बायोलॉजी अध्ययन के विकास में महत्वपूर्ण अनुप्रयोग हैं। कोलाइडल स्व असेंबली और जाली गठन अलग चौड़ाई के एक microchannel के अंदर मनाया जाता है। चैनल के अंदर प्रवाह चैनल के हाइड्रोफिलिसिस को बदलकर केशिका प्रवाह द्वारा प्राप्त किया जाता है। यह आगे उनके आकार और आकारों के आधार पर स्वस्थ आरबीसी से रोगग्रस्त आरबीसी को छानने में मदद कर सकता है।

रिंग की स्थिति में बायोमार्कर डिटेक्शन की संवेदनशीलता को बढ़ाने के लिए डायग्नोस्टिक एसेस में टूल के रूप में कॉफी रिंग इफेक्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। पॉलीस्टायरन मोतियों की उपस्थिति में प्रोटीन सुखाने के पैटर्न का अध्ययन किया गया है। सुखाने पैटर्न में भिन्नता का उपयोग प्रोटीन फाइब्रिलेशन की मात्रा निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।

परिपक्व अवस्था में रक्त की लाल रक्त कोशिकाएं (RBC) (~ 45% मात्रा) आमतौर पर ~ 8 माइक्रोन की एक विशेषता व्यास के साथ द्विभुज डिस्क होती हैं। आरबीसी-लादेन रक्त की बूंदों को विभिन्न कार्यात्मक समूहों वाले सबस्ट्रेट पर प्राकृतिक वाष्पीकरण के अधीन किया जाता है और सबस्ट्रेट संपत्ति के एक समारोह के रूप में आरबीसी विरूपण के कैनेटीक्स पर नजर रखी जाती है और सबस्ट्रेट संपत्ति में भिन्नता के लिए विशिष्ट विरूपण सूचकांक के लिए सहसंबद्ध होते हैं।

BioMEMS इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और घटकों के साथ जैविक सामग्री को प्रभावी ढंग से संसाधित करने या हेरफेर करने के लिए नए तरीकों / प्रणालियों के निर्माण और विकास के लिए एक तेजी से आगे बढ़ने वाला, अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान क्षेत्र है। बायोमेडिकल सेंसिंग रिसर्च को एक महत्वपूर्ण महत्व देते हुए, एमईएमएस और बायोसेंसर गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए एक अंतःविषय अनुसंधान और विकास कार्य शुरू किया गया है, जिसमें इसके विद्युत-शारीरिक लक्षण वर्णन के लिए बायोमेडिकल और माइक्रोएलाइडिक उपकरणों के डिजाइन, निर्माण और इंजीनियरिंग को शामिल किया गया है। उपयुक्त सूक्ष्म द्रव उपकरणों का उपयोग कर जैव अणुओं और कोशिकाओं के विद्युत और भौतिक गुणों के मूल्यांकन के लिए, बहुलक लेपित जैव-एमईएमएस के उपयुक्त निर्माण की जांच की जा रही है और इसकी उपयोगिता का मूल्यांकन विभिन्न सूक्ष्म और विद्युत प्रतिबाधा अध्ययन के तहत किया जाता है। अनुसंधान में विभिन्न बायोमेम्स ट्रांसड्यूसर्स और संबंधित तकनीकों का विकास भी शामिल है।

विद्युत प्रतिबाधा अध्ययन/अनुसंधान में विभिन्न बायोमेम्स ट्रांसड्यूसर और संबंधित तकनीकों के विकास के लिए सटीक और उचित निदान और चिकित्सीय के लिए विभिन्न जैव चिकित्सा संकेतों को शामिल करना शामिल है। जैव-चिकित्सा संबंधी संकेतों और इसके लक्षण वर्णन में इन-विवो की तैनाती और इन-विट्रो का पता लगाने के लिए विभिन्न लघु एमईएमएस उपकरणों को विकसित करने के लिए माइक्रोफैब्रिकेशन तकनीक का पता लगाया जा रहा है। एमईएमएस और बायोमेम्स पर शोध में यह भी शामिल है: एमईएमएस और इलेक्ट्रॉनिक त्वचा अनुप्रयोगों के लिए लचीले बहुलक की माइक्रो-लाइनिंग; मेडिकल रोबोटिक्स के लिए एमईएमएस आधारित दबाव सेंसर त्वचा का विकास; कार्डियक एप्लिकेशन के लिए लघु सक्रिय उपकरण; डिजिटल माइक्रोफ्लूइडिक्स का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक हॉटस्पॉट कूलिंग डिवाइस का विकास; और खुले और बंद डिजिटल माइक्रोफ्लूइडिक सिस्टम का तुलनात्मक अध्ययन।

केंद्र में जैव प्रौद्योगिकी पर हाल के शोध में शामिल हैं: श्रवण और मोटर कॉर्टिकल सर्किटरी का विकास: आत्मकेंद्रित मॉडल और सामान्य में; कार्यकारी निर्णय लेने के लिए ध्वनियों के फ्रंटल कोर्टिकल एन्कोडिंग; विभिन्न संदर्भों में स्वर संरचनाएं: आत्मकेंद्रित मॉडल और सामान्य में; ध्वनि कंट्रास्ट के श्रवण कोर्टिकल एन्कोडिंग; ललाट और संवेदी कोर्टिसिस में बहुक्रियात्मक एकीकरण।



अनुसंधान क्षेत्र

एल्योरिदम; बिग डेटा एनालिटिक्स; इलेक्ट्रिक वाहन: पावरट्रेन और बैटरी प्रबंधन; सूचना सुरक्षा; एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स; औद्योगिक प्रणालियों के मॉडलिंग और निदान; एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव सिस्टम की मॉडलिंग; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; सौर और पवन ऊर्जा रूपांतरण; सिस्टम की सुरक्षा; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	16
फैलो - पेशेवर निकाय	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	02
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	05
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	01
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	05
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	05



कृत्रिम बौद्धिकता केंद्र

विभागाध्यक्ष: सुदेष्णा सरकार

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

1। आउटरीच कोर्स: "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की नींव" पर काम कर रहे पेशेवरों के लिए प्रमाणपत्र कार्यक्रम

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

AI के लिए केंद्र AI में अनुसंधान और शिक्षण में संलग्न है। इसने मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग पर पाठ्यक्रम की पेशकश की है। इसने एआई से संबंधित पाठ्यक्रम देने के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम भी शुरू किया है। कामकाजी पेशेवरों के लिए 6 महीने का प्रमाणपत्र कार्यक्रम जारी है। सेंटर फॉर एआई विभिन्न भागीदारों के साथ अनुसंधान परियोजनाओं में लगा हुआ है।

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण

01



पी.के. सिन्हा जैव ऊर्जा केन्द्र

विभागाध्यक्ष: मकरंद माधव घांगरेकर

यह भारत का पहला एकीकृत जैव ऊर्जा (बायोएनर्जी) केंद्र है। केंद्र की गतिविधियों में सरकार, वाणिज्यिक संगठनों, शिक्षा, उद्योग और नीति निर्माताओं के माध्यम से ज्ञान प्रसार के साथ भागीदारी करके ज्ञान शामिल है। केंद्र के संकाय सदस्य वर्तमान में जैव-इथेनॉल, जैव-डीजल, जैव-हाइड्रोजन, जैव-मीथेन, अल्ट्रा जैव-रिफाइनरी और माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं और ऊर्जा फसलों की आनुवंशिक पूर्वविक्षण के क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।



संगणकीय एवं डाटा विज्ञान केन्द्र

विभागाध्यक्ष: संजोय बंदोपाध्याय

सहायक प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
दिव्य नायर	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; आणविक सिमुलेशन; सॉल्वेशन थर्मोडायनामिक्स; बायोफिजिकल केमिस्ट्री; सांख्यिकीय यांत्रिकी
संदीप कुमार रेड्डी	पीएच.डी.	संघनित चरण में NQE; आणविक मॉडलिंग और सिमुलेशन; मशीन लर्निंग; सामग्री इंटरफेस

अनुसंधान क्षेत्र

बायोफिजिकल केमिस्ट्री; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; मशीन लर्निंग; सामग्री इंटरफेस; आणविक मॉडलिंग और सिमुलेशन; आणविक सिमुलेशन; संघनित चरण में NQE; सॉल्वेशन थर्मोडायनामिक्स; सांख्यिकीय यांत्रिकी;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	04



शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र

विभागाध्यक्ष: राजीव मल्ल

सह प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
बानी भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
सहायक प्राध्यापक		
अतासी मोहंती	पीएच.डी.	
जियाउल होक पिक	पीएच.डी.	बिग डेटा एनालिटिक्स; सूचना पुनर्प्राप्ति; प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण; मशीन लर्निंग; लर्निंग एनालिटिक्स
कौशल कुमार भगत	पीएच.डी.	संवर्धित वास्तविकता; आभासी वास्तविकता; पलटी कक्षा; ऑनलाइन सीखने; रचनात्मक आकलन
मंजीरा सिन्हा	पीएच.डी.	पाठ पठनीयता, भाषा समझ; कंप्यूटर असिस्टेड एजुकेशन; सहायक तकनीक; सहायक और ऑगमेंटेटिव कम्युनिकेशन; टेक्स्ट माइनिंग, बिग डेटा
प्लाबन कुमार भौमिक	पीएच.डी.	प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण; कृत्रिम बुद्धिमता; डिजिटल लाइब्रेरी; कंप्यूटर असिस्टेड लैंग्वेज लर्निंग
राजलक्ष्मी गुहा	पीएच.डी.	सकारात्मक मनोविज्ञान; शारीरिक और संज्ञानात्मक डेटा विश्लेषण; शैक्षिक तंत्रिका विज्ञान संज्ञानात्मक न्यूरो मनोविज्ञान
श्यामल कुमार दास मंडल	पीएच.डी.	

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
कौशल कुमार भगत	सहायक प्रोफेसर	संवर्धित वास्तविकता; आभासी वास्तविकता; पलटी कक्षा; ऑनलाइन सीखने; रचनात्मक आकलन
मंजीरा सिन्हा	सहायक प्रोफेसर	पाठ पठनीयता, भाषा समझ; कंप्यूटर असिस्टेड एजुकेशन; सहायक तकनीक; सहायक और ऑगमेंटेटिव कम्युनिकेशन; टेक्स्ट माइनिंग, बिग डेटा

अनुसंधान क्षेत्र

कृत्रिम बुद्धिमता; सहायक और ऑगमेंटेटिव कम्युनिकेशन; सहायक तकनीक; संवर्धित वास्तविकता; बिग डेटा एनालिटिक्स; संज्ञानात्मक न्यूरो-मनोविज्ञान; कंप्यूटर असिस्टेड एजुकेशन; कंप्यूटर असिस्टेड लैंग्वेज लर्निंग; डिजिटल लाइब्रेरी; शैक्षिक तंत्रिका विज्ञान; पलटी कक्षा; रचनात्मक आकलन; सूचना पुनर्प्राप्ति; लर्निंग एनालिटिक्स; मशीन लर्निंग; प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण; ऑनलाइन सीखने; शारीरिक और संज्ञानात्मक डेटा विश्लेषण; सकारात्मक मनोविज्ञान; टेक्स्ट माइनिंग, बिग डेटा; पाठ पठनीयता, भाषा की समझ; आभासी वास्तविकता;

शैक्षिक प्रदर्शन

सदस्य - व्यावसायिक निकाय	05
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
पुरस्कार और सम्मान	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	22
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02



फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज़िट	03
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	15
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	03
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	04
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	05



महासागर, नदी, वायुमंडल और भूमि विज्ञान केंद्र

विभागाध्यक्ष : अनिल कुमार गुप्ता

प्राध्यापक

नाम

उच्चतम उपाधि

अनुसंधान क्षेत्र

अरुण चक्रवर्ती

पीएच.डी.

महासागर मॉडलिंग और प्रक्रिया अध्ययन; महासागर डेटा एसिमिलेशन; क्षेत्रीय युग्मित मॉडलिंग; 3 डी महासागर डेटा का विज़ुअलाइज़ेशन; जैव-जियोकेमिकल मॉडलिंग

सह प्राध्यापक

अचंता नागा वेंकट

पीएच.डी.

पीबीएल और एयर समुद्री इंटरैक्शन की मॉडलिंग; चरम घटनाओं की मॉडलिंग; शहरी सीमा परत, यूएचआई प्रभाव- जलवायु; परिशोधन-भूमि की सतह की प्रक्रियाएं; वायु प्रदूषण और क्षेत्रीय जलवायु मॉडलिंग

सी शाजी

पीएच.डी.

अपर इक्वेटोरियल हिंद महासागर गतिशीलता; महासागर मॉडलिंग और विश्लेषण; महासागर प्रक्रिया अध्ययन; वाटर मास और जलवायु परिवर्तन; बायोलोजी पर शारीरिक बला गतिविधि

मिहिर कुमार दाश

पीएच.डी.

मेसोस्केल महासागर प्रक्रियाओं की मॉडलिंग; मानसून की गतिशीलता; आरएस का उपयोग करके क्रायोस्फेरिक मॉडलिंग; महासागर सतहों का रिमोट सेंसिंग

मुकुंद देव बेहरा

पीएच.डी.

स्थलीय रिमोट सेंसिंग; स्थानिक जैव विविधता; पारिस्थितिक जलवायु विज्ञान; बायोमास और कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन; लैंड यूज और लैंड कवर डायनामिक्स

पार्थसारथी चक्रवर्ती

पीएच.डी.

सहायक प्राध्यापक

अभिषेक कुमार राय

मशीन लर्निंग; प्राकृतिक खतरों / तबाही मॉडलिंग; समुद्री / भूमि भूभौतिकी; भूकंपीय / भूकंपीय अन्वेषण; रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस.

जयनरायनन कुट्टीप्पूथ

डी.एस.सी., यूनिवर्सिटी ऑफ पियरे मैरी क्यूरी, पेरिस

वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और भौतिकी; जलवायु परिवर्तन और जलवायु मॉडलिंग; भौतिक समुद्रशास्त्र;

प्रणब देब

पृथ्वी के क्रायोस्फीयर का अतीत और भविष्य; जलवायु की गतिशीलता; वैश्विक दूरसंचार; अंटार्कटिक समुद्री बर्फ; ध्रुवीय जलवायु परिवर्तन और परिवर्तनशीलता

नई संकाय नियुक्ति

नाम

पद

अनुसंधान क्षेत्र

पार्थसारथी चक्रवर्ती

सह - प्राध्यापक

प्रणब देब

सहायक प्रोफेसर

पृथ्वी के क्रायोस्फीयर का अतीत और भविष्य; जलवायु की गतिशीलता; वैश्विक दूरसंचार; अंटार्कटिक समुद्री बर्फ; ध्रुवीय जलवायु परिवर्तन और परिवर्तनशीलता

अध्यक्ष प्रो

वी चंद्रशेखर

प्रोफेसर

विजिटिंग फैकल्टी



अभिषेक कुमार राय	सहेयक प्रोफेसर	मशीन लर्निंग; प्राकृतिक खतरों / तबाही मॉडलिंग; समुद्री / भूमि भूभौतिकी; भूकंपीय / भूकंपीय अन्वेषण; रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस.
प्रेम चंद पांडे	प्रोफेसर	

पदोन्नति

अभिषेक कुमार राय	सहेयक प्रोफेसर	मशीन लर्निंग; प्राकृतिक खतरों / तबाही मॉडलिंग; समुद्री / भूमि भूभौतिकी; भूकंपीय / भूकंपीय अन्वेषण; रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस.
सी शाजी	सह - प्राध्यापक	अपर इक्वेटोरियल हिंद महासागर गतिशीलता; महासागर मॉडलिंग और विश्लेषण; महासागर प्रक्रिया अध्ययन; वाटर मास और जलवायु परिवर्तन; बायोलोजी पर शारीरिक बला गतिविधि
पार्थसारथी चक्रवर्ती	सह - प्राध्यापक	
जयनरायनन कुट्टीप्पूथ	सहेयक प्रोफेसर	वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और भौतिकी; जलवायु परिवर्तन और जलवायु मॉडलिंग; भौतिक समुद्रशास्त्र; वायुमंडलीय प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव

अनुसंधान क्षेत्र

वायु प्रदूषण और क्षेत्रीय जलवायु मॉडलिंग; अंटार्कटिक समुद्री बर्फ; वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और भौतिकी; जैव-जियोकेमिकल मॉडलिंग; बायोमास और कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन; जलवायु परिवर्तन और जलवायु मॉडलिंग; जलवायु की गतिशीलता; आरएस का उपयोग करके क्रायोस्फेरिक मॉडलिंग; पारिस्थितिक जलवायु विज्ञान; वैश्विक दूरसंचार; भूमि उपयोग और भूमि कवर गतिशीलता; मशीन लर्निंग; समुद्री / भूमि भूभौतिकी; चरम घटनाओं की मॉडलिंग; पीबीएल और एयर समुद्री इंटरैक्शन की मॉडलिंग; मेसोस्केल महासागर प्रक्रियाओं की मॉडलिंग; मानसून की गतिशीलता; प्राकृतिक खतरों / तबाही मॉडलिंग; महासागर डेटा एसिमिलेशन; महासागर मॉडलिंग और विश्लेषण; महासागर मॉडलिंग और प्रक्रिया अध्ययन; महासागर प्रक्रिया अध्ययन; परिशोधन-भूमि की सतह की प्रक्रियाएं; पृथ्वी के क्रायोस्फीयर का अतीत और भविष्य; बायोलोजी पर शारीरिक बला गतिविधि; भौतिक समुद्रशास्त्र; ध्रुवीय जलवायु परिवर्तन और परिवर्तनशीलता; क्षेत्रीय युग्मित मॉडलिंग; रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; महासागर सतहों का रिमोट सेंसिंग; भूकंपीय / भूकंपीय अन्वेषण; स्थानिक जैव विविधता; स्थलीय रिमोट सेंसिंग; अपर इक्वेटोरियल हिंद महासागर गतिशीलता; शहरी सीमा परत, यूएचआई प्रभाव-जलवायु; 3 डी महासागर डेटा का विज्ञान अलाइजेशन; वाटर मास और जलवायु परिवर्तन;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	07
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	07
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	03
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	07
पुरस्कार और सम्मान	03
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	22
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज्ञित	01
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	12
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	04
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	40
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	49



पुनः जल अनुसंधान केंद्र

विभागाध्यक्ष: मकरंद माधव घांगरेकर

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

सीवेज सहित प्रदूषित जल प्रवाह से पुनः प्रयोज्य गुणवत्ता वाले पानी का उत्पादन करने के लिए अनुसंधान किया जा रहा है। इस केंद्र के तहत 1350 cu.m प्रति दिन और 300 cu.m प्रति दिन की क्षमता के साथ पीने योग्य गुणवत्ता वाले पानी का उत्पादन करने के लिए परिसर में दो मलजल उपचार संयंत्रों का निर्माण किया जा रहा है। एक और हाइब्रिड प्लांट पहले से ही कैम्पस में स्वच्छ पानी का उत्पादन करने के लिए कैंटेज से चालू है, जिसमें पोर्टेशियलिटी को छोड़कर ऑनसाइट रीस्यू का इस्तेमाल किया गया है।



सैद्धांतिक अध्ययन केंद्र

संयोजक : सोमनाथ भारद्वाज

संक्षिप्त चल रही गतिविधियों

1. सीटीएस नए उन्नत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है जो विभिन्न विभागों से संकाय की भागीदारी के माध्यम से विभागों में प्रासंगिक हैं। ये पाठ्यक्रम हैं: a) आणविक सिमुलेशन (TS70009) में विधियां, b) उन्नत डायनामिक्स (TS70002), c) निरंतर मीडिया में वेव प्रसार (TS70003) d) उन्नत गणितीय तकनीक (TS70004), e) उन्नत क्वांटम सिद्धांत (TS70005) f) क्वांटम यांत्रिकी और क्वांटम कंप्यूटिंग (TS70006) छ) हाइड्रोइंडनामिक्स कम रेनॉल्ड्स संख्या (TS61002) h) नैनोमैकेनिक्स (TS61004)।
2. CTS स्नातक छात्र के लिए "SIMULATION METHODS AND APPLICATIONS" में माइक्रो-स्पेशलाइजेशन की पेशकश भी करता है। कलाइडर भौतिकी और कॉस्मोलॉजी (TS62001) में सिमुलेशन
3. बी) इंजीनियरिंग में मोटे कार्लो सिमुलेशन (CE60103)
4. CTS संस्थान की अध्येतावृत्ति, CSIR अध्येतावृत्ति के माध्यम से पीएचडी छात्रों को भी प्रवेश दे रहा है। वर्तमान में ग्यारह ऐसे छात्र नामांकित हैं।

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण

विशेषज्ञों द्वारा विजिटिंग व्याख्यान 09

डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए



प्रशीतन अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: पार्थसारथी घोष

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
कंचन चौधरी	पीएच.डी.	क्रायोजेनिक वायु पृथक्करण; अस्पतालों में आग की रोकथाम; तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) परिवहन; तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाष्पीकरण; ऑक्सीजन युक्त वातावरण में सुरक्षा
वटुकुरु वासुदेव राव	पीएच.डी.	एप्लाइड सुपरकंडक्टिविटी; वैक्यूम प्रौद्योगिकी
सह प्राध्यापक		
इंद्रनील घोष	पीएच.डी.	हीट एक्सचेंज: प्लेटफिन, मिनिचनेल; धातु फोम में गर्मी हस्तांतरण; सॉलिड सोरशन कूलिंग; हाइड्रोजन का क्रायोसोरशन स्टोरेज
पार्थसारथी घोष	पीएच.डी.	क्रायोजेनिक प्रशीतन और द्रवीकरण; बड़े पैमाने पर हीलियम क्रायोजेनिक्स; क्रायोजेनिक द्रव हस्तांतरण प्रणालियों का सीएफडी; क्रायोजेनिक घूर्णन उपकरण; कम तापमान की प्रक्रिया और उपकरण
तापस कुमार नंदी	पीएच.डी.	क्रायोजेनिक प्रशीतन; छिद्रित प्लेट मैट्रिक्स हीट ई एक्सचेंजर क्रायोजेनिक रॉकेट प्रोपल्शन; थर्मोकैस्टिक्स इंजन
वेणीमाधव आदिम	पीएच.डी.	

सहायक प्राध्यापक

अभय सिंह गौर	सहायक प्रोफेसर	सेंसर और एक्चुएटर; एप्लाइड सुपरकंडक्टिविटी; बिजली वितरण प्रणाली; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट
पवित्रा सांडिल्य	पीएच.डी.	
नई संकाय नियुक्ति		
अभय सिंह गौर	सहायक प्रोफेसर	सेंसर और एक्चुएटर; एप्लाइड सुपरकंडक्टिविटी; बिजली वितरण प्रणाली; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट

पदोन्नति

इंद्रनील घोष	प्रोफेसर	हीट एक्सचेंज: प्लेटफिन, मिनिचनेल; धातु फोम में गर्मी हस्तांतरण; सॉलिड सोरशन कूलिंग; हाइड्रोजन का क्रायोसोरशन स्टोरेज
तापस कुमार नंदी	पीएच.डी.	क्रायोजेनिक प्रशीतन; छिद्रित प्लेट मैट्रिक्स हीट ई एक्सचेंजर; क्रायोजेनिक रॉकेट प्रोपल्शन; थर्मोकैस्टिक्स इंजन

अनुसंधान क्षेत्र

एप्लाइड सुपरकंडक्टिविटी; कार्बन को पकड़ने और भंडारण; क्रायोजेनिक द्रव हस्तांतरण प्रणालियों का सीएफडी; क्रायोजेनिक वायु पृथक्करण; क्रायोजेनिक प्रशीतन; क्रायोजेनिक प्रशीतन और द्रवीकरण; क्रायोजेनिक रॉकेट प्रोपल्शन; क्रायोजेनिक घूर्णन उपकरण; रासायनिक प्रक्रियाओं में क्रायोजेनिक्स; हाइड्रोजन का क्रायोसोरशन स्टोरेज; हीट एक्सचेंज: प्लेटफिन, मिनिचनेल; धातु फोम में गर्मी हस्तांतरण; नैनो-तरल पदार्थों का उपयोग करके गर्मी हस्तांतरण; बड़े पैमाने पर हीलियम क्रायोजेनिक्स; तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) परिवहन; तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाष्पीकरण; कम तापमान प्रक्रियाओं और उपकरण; छिद्रित प्लेट मैट्रिक्स हीट एक्सचेंजर; बिजली वितरण प्रणाली; अस्पतालों में आग की रोकथाम; प्रक्रिया गहनता; मॉडलिंग और सिमुलेशन प्रक्रिया; ऑक्सीजन में सुरक्षा- समृद्ध वातावरण; सेमीकंडक्टर डिवाइस और सर्किट; सेंसर और एक्चुएटर; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; सॉलिड सोरशन कूलिंग; क्रायोजेनिक का भंडारण; थर्मोकैस्टिक्स इंजन; वैक्यूम प्रौद्योगिकी;



शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	05
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	02
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	07
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
पुरस्कार और सम्मान	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	15
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज़िट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	08
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	03
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	28
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	49



पदार्थ विज्ञान केंद्र

विभागाध्यक्ष: पल्लव बनर्जी

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
भानु भूषण खटुआ	पीएच.डी.	पॉलिमर सुपरकैपेसिटर सामग्री; पॉलीमरिक पीजोइलेक्ट्रिक सामग्री; पॉलिमर कम्पोजिट ईएमआई-एसई अनुप्रयोग के लिए; पॉलिमर-ग्राफीन / सीएनटी / सीएनएच नैनोकोम्पोसाइट्स; पॉलिमर प्रसंस्करण और कंपोजिट
चाको जैकोब	पीएच.डी.	पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; nanofabrication; कार्यात्मक सामग्री; 2 डी संक्रमण धातु डीकैल्कोजिनाइड; नैनो
पल्लव बनर्जी	पीएच.डी.	
सुभाशीष बसु मजुमदार	पीएच.डी.	ऑक्साइड गैस सेंसर; फ्लाइं ऐश आधारित सिरेमिक उत्पाद; मल्टिफेरिक पतली मुट्टी और कंपोजिट; ली और ना आयन बैटरी; फाइबर प्रबलित सीमेंट कंपोजिट
सुसंता बनर्जी	पीएच.डी.	पॉलिमर संश्लेषण; झिल्ली जुदाई; उच्च प्रदर्शन वाले पॉलिमर; प्रवाहकीय पॉलिमर; ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक पॉलिमर

सह प्राध्यापक

देवव्रत प्रधान	पीएच.डी.	नैनो; ऊर्जा सामग्री; कार्यात्मक सामग्री
----------------	----------	---

सहायक प्राध्यापक

अयन रॉय चौधरी	पीएचडी, IISc बैंगलोर	इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स ऊर्जा सामग्री; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; nanofabrication; दो आयामी रैनिशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स
हेमकेश महापात्र	पीएच.डी.	उत्तेजनापूर्ण-उत्तरदायी पॉलिमर; पॉलिमर प्रसंस्करण और कंपोजिट; सेल्फ हीलिंग इलास्टोमर्स
रजत कुमार दास	पीएचडी, IISc बैंगलोर	आत्म-चिकित्सा हाइड्रोजेल; सेल्फ हीलिंग इलास्टोमर्स
शिबनयन रॉय	पीएचडी, IISc बैंगलोर	क्रिस्टलोग्राफिक बनावट और ईबीएसडी; यांत्रिक विशेषताएं; Additive और लेजर आधारित विनिर्माण; ग्लास और ग्लास-सिरेमिक; धातुओं और मिट्टी के पात्र की मॉडलिंग

विद्या कोचाट

पीएच.डी.

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
हेमकेश महापात्र	सहेयक प्रोफेसर	उत्तेजनापूर्ण-उत्तरदायी पॉलिमर; पॉलिमर प्रसंस्करण और कंपोजिट; सेल्फ हीलिंग इलास्टोमर्स

विद्या कोचाट

सहेयक प्रोफेसर

पदोन्नति

भानु भूषण खटुआ	प्रोफेसर	पॉलिमर सुपरकैपेसिटर सामग्री; पॉलीमरिक पीजोइलेक्ट्रिक सामग्री; पॉलिमर कम्पोजिट ईएमआई-एसई अनुप्रयोग के लिए; पॉलिमर-ग्राफीन / सीएनटी / सीएनएच नैनोकोम्पोसाइट्स; पॉलिमर प्रसंस्करण और कंपोजिट
----------------	----------	---



अनुसंधान क्षेत्र

2 डी संक्रमण धातु डीकैल्कोजिनाइड; Additive और लेजर आधारित विनिर्माण; प्रवाहकीय पॉलिमर; क्रिस्टलोग्राफिक बनावट और ईबीएसडी; ऊर्जा सामग्री; इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स फाइबर प्रबलित सीमेंट कंपोजिट; उच्च प्रदर्शन वाले पॉलिमर; फ्लाइ ऐश आधारित सिरेमिक उत्पाद; कार्यात्मक सामग्री; ग्लास और ग्लास-सिरेमिक; ली और ना आयन बैटरी; यांत्रिक विशेषताएं; झिल्ली जुदाई; धातुओं और सिरेमिक की मॉडलिंग; मल्टिफेरिक पतली मुट्टी और कंपोजिट; nanofabrication; नैनो; Optoelectronic पॉलिमर; ऑक्साइड गैस सेंसर; पॉलिमर कम्पोजिट ईएमआई-एसई अनुप्रयोग के लिए; पॉलिमर-ग्राफीन / सीएनटी / सीएनएच नैनोकॉम्पोजिट्स; पॉलीमरिक पीजोइलेक्ट्रिक सामग्री; पॉलिमर सुपरकैप इटर्स सामग्री; पॉलिमर प्रसंस्करण और कंपोजिट; पॉलिमर संश्लेषण; स्वयं चिकित्सा इलास्टोमर्स; आत्म-चिकित्सा हाइड्रोजेल; उत्तेजनापूर्ण-उत्तरदायी पॉलिमर; पतली फिल्म विकास और एपिटॉक्सी; दो आयामी रैनिशन मेटल डायक्लोजेनाइड्स;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	48
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	07
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	03
पुरस्कार और सम्मान	03
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	38
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	04
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	22
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	64
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	11



रबड़ प्रौद्योगिकी

विभागाध्यक्ष: निखिल कुमार सिंह

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
किंशुक नास्कर	पीएच.डी.	उच्च प्रदर्शन टीपीवी; ग्रीन टायर प्रौद्योगिकी; आकृति स्मृति बहुलक मिश्रण; पॉलिमर और रबर नैनोकम्पोजिट्स; इलेक्ट्रॉन बीम प्रसंस्करण / क्रॉसलिंग
निखिल कुमार सिंहा	पीएच.डी.	स्वयं चिकित्सा इलास्टोमर्स; पॉलिमर और रबर नैनोकम्पोजिट्स; सिंथेटिक पॉलिमर रसायन; पॉलिमर अभिलक्षण और संशोधन; उच्च प्रदर्शन वाले पॉलिमर
संतनु चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	रबरयुक्त नैनोकॉम्पोसाइट की विस्कोसैलिटी; उन्नत रबर यौगिक; बायोपॉलिमर और बायोकोम्पोसाइट्स; स्मार्ट कपड़ा / तकनीकी कपड़ा; रबर और उत्पाद डिजाइन के FEA

सह प्राध्यापक

नारायण चंद्र दास	पीएच.डी. IIT खड़गपुर	पॉलिमर और रबर नैनोकम्पोजिट्स; नई पीढ़ी के हरे टायर यौगिक; पॉलिमर खाद्य पैकेजिंग सामग्री; बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर; सेंसर के लिए कार्बन डॉट्स और नैनोमटेरियल्स
------------------	----------------------	--

एमेरिटस संकाय

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अनिल कुमार भौमिक	प्रोफेसर	

अनुसंधान क्षेत्र

उन्नत रबर यौगिक; बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर; बायोपॉलिमर और बायोकोम्पोसाइट्स; सेंसर के लिए कार्बन डॉट्स और नैनोमटेरियल्स; इलेक्ट्रॉन बीम प्रसंस्करण / क्रॉसलिंग; रबर और उत्पाद डिजाइन की एफईए; उच्च प्रदर्शन वाले पॉलिमर; ग्रीन टायर प्रौद्योगिकी; उच्च प्रदर्शन टीपीवी; नई पीढ़ी के हरे टायर यौगिक; पॉलिमर और रबर नैनोकम्पोजिट्स; पॉलिमर अभिलक्षण और संशोधन; पॉलिमर खाद्य पैकेजिंग सामग्री; स्वयं चिकित्सा इलास्टोमर्स; आकृति स्मृति बहुलक मिश्रण; स्मार्ट कपड़ा / तकनीकी कपड़ा; सिंथेटिक पॉलिमर रसायन; रबरयुक्त नैनोकॉम्पोसाइट की विस्कोसैलिटी;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	06
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	1 1
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	07
पुरस्कार और सम्मान	01
फैलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	18
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	09
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	21
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	01
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	03
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	55
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	22



ग्रामीण विकास केन्द्र

विभागाध्यक्ष: निरुपमा मलिक

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
प्रदीप कुमार भौमिक	पीएच.डी.	ग्रामीण और जनजातीय विकास योजना

सहायक प्राध्यापक

पीयूष कुमार सिंह	पीएच.डी.	कृषि उत्पादन और प्रबंधन; कृषि में मूल्य निर्धारण और जोखिम प्रबंधन; एग्रीवैल्यू चेन फाइनेंसिंग एंड मैनेजमेंट; वित्तीय समावेशन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म; खेती में संसाधन उपयोग क्षमता
सोमनाथ घोषाल	पीएच.डी.	ग्रामीण विकास और क्षेत्रीय योजना; नृवंशविज्ञान और गुणात्मक अनुसंधान; आदिवासी संस्कृति, विश्वास और व्यवहार; जैव विविधता और पर्यावरण; सामुदायिक वानिकी

अनुसंधान क्षेत्र

आदिवासी संस्कृति, विश्वास और व्यवहार; कृषि उत्पादन और प्रबंधन; एग्रीवैल्यू चेन फाइनेंसिंग एंड मैनेजमेंट; जैव विविधता और पर्यावरण; सामुदायिक वानिकी; वित्तीय समावेशन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म; नृवंशविज्ञान और गुणात्मक अनुसंधान; कृषि में मूल्य निर्धारण और जोखिम प्रबंधन; खेती में संसाधन उपयोग दक्षता; ग्रामीण और जनजातीय विकास योजना; ग्रामीण विकास और क्षेत्रीय योजना;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	05
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
पुरस्कार और सम्मान	01
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	08
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	01
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	02
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	04
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	04



स्टील प्रौद्योगिकी केंद्र

विभागाध्यक्ष- सूर्य कांत पाल

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

केंद्र को विभिन्न प्रकार की धातु के काम करने की प्रक्रियाओं, जैसे कि इंस्ट्रूमेंट रोलिंग मिल, फोर्जिंग प्रेस, विभिन्न प्रकार की भट्टियां, लक्षण वर्णन सेटअप, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, तन्य परीक्षण उपकरण आदि पर कला सुविधाओं का राज्य मिला है।

केंद्र सक्रिय रूप से टाटा स्टील जैसे लौह और इस्पात बनाने वाले संगठनों के साथ औद्योगिक अनुसंधान कर रहा है, और साथ ही लोहे और इस्पात बनाने की आर एंड डी प्रयोगशाला के साथ भी।



जीएस सान्याल दूर संचार स्कूल

विभागाध्यक्ष: राजा दत्त

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
सास्वत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
सह प्राध्यापक		
देबरती सेन	पीएच.डी.	5 जी संचार; मिलीमीटर वेव कम्युनिकेशंस; बड़े एमआईएमओ सिस्टम; मेघ रण; ग्रीन कम्युनिकेशंस
गौतम दास	पीएच.डी.	ऑप्टिकल संचार और नेटवर्क; सेलुलर नेटवर्क; संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क; औद्योगिक अर्थशास्त्र; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान
सुब्रा सेखर दास	पीएच.डी.	

सहायक प्राध्यापक

अमित कुमार दत्ता	सहायक प्रोफेसर	5 जी संचार; संचार प्रणाली; क्वांटम सूचना सिद्धांत; भौतिक परत संचार सिद्धांत
अनीक अधया	पीएच.डी.	लोचदार ऑप्टिकल नेटवर्क; कंप्यूटर संचार और नेटवर्क; हाइब्रिड वायरलेस-ऑप्टिकल एक्सेस नेटवर्क; शारीरिक परत हानि के मुद्दे

पार्थजित महापात्र

पीएच.डी.

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
अमित कुमार दत्ता	सहायक प्रोफेसर	5 जी संचार; संचार प्रणाली; क्वांटम सूचना सिद्धांत; भौतिक परत संचार सिद्धांत

नई संकाय नियुक्ति

असोकनाथ चटर्जी

प्रोफेसर

पदोन्नति

अमित कुमार दत्ता	सहायक प्रोफेसर	5 जी संचार; संचार प्रणाली; क्वांटम सूचना सिद्धांत; भौतिक परत संचार सिद्धांत
------------------	----------------	---

त्यागपत्र

पार्थजित महापात्र

पीएच.डी.

अनुसंधान क्षेत्र

5 जी संचार; सेलुलर नेटवर्क; मेघ रण; संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क; संचार प्रणाली; कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान; कंप्यूटर संचार और नेटवर्क; लोचदार ऑप्टिकल नेटवर्क; हरित संचार; हाइब्रिड वायरलेस-ऑप्टिकल एक्सेस नेटवर्क; औद्योगिक अर्थशास्त्र; बड़े एमआईएमओ सिस्टम; मिलीमीटर वेव कम्युनिकेशंस; ऑप्टिकल संचार और नेटवर्क; भौतिक परत संचार सिद्धांत; शारीरिक परत हानि के मुद्दे; क्वांटम सूचना सिद्धांत;



शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	07
सहयोग	12
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	03
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	05
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	03
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	09
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	04
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	06
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	26
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	16



रणबीर और चित्रा गुप्ता आधारिक सरंचना अभिकल्प एवं प्रबंधन विद्यालय

विभागाध्यक्ष: भार्गव मैत्रा

सहायक प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अंखी बनर्जी	पीएच.डी. (कानपुर)	आवासीय स्थान का विकल्प; हाउसिंग अफोर्डेबिलिटी; शहरी और क्षेत्रीय योजना; शहरी योजना; शहरी नियोजन: उपयोगिताएँ, सेवाएँ
अर्कपाल किशोर गोस्वामी	पीएच.डी.	शहरी परिवहन योजना और प्रबंधन; सड़क मार्ग के बुनियादी ढांचे का संरक्षण; निष्पादन प्रबंधन; मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट प्लानिंग
भरत हरिदास ऐथल	पीएच.डी.	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; शहरी योजना; मशीन लर्निंग; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; शहरी मिश्रित भूमि उपयोग के लिए मॉडलिंग आधारित कारक
स्वाति मैत्रा	पीएच.डी.	आवागमन बनावट; रेट्रोफिटिंग और पुनर्वास; कंक्रीट और सीमेंट सामग्री; टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर एंड मैनेजमेंट

पदोन्नति

भरत हरिदास ऐथल	पीएच.डी.	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; शहरी योजना; मशीन लर्निंग; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; शहरी मिश्रित भूमि उपयोग के लिए मॉडलिंग आधारित कारक
----------------	----------	--

अनुसंधान क्षेत्र

कंक्रीट और सीमेंट सामग्री; शहरी मिश्रित भूमि उपयोग के लिए मॉडलिंग आधारित कारक; हाउसिंग अफोर्डेबिलिटी; मशीन लर्निंग; मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट प्लानिंग; निष्पादन प्रबंधन; सड़क मार्ग के बुनियादी ढांचे का संरक्षण; रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; आवासीय स्थान का विकल्प; रेट्रोफिटिंग और पुनर्वास; नरम कम्प्यूटिंग और नियंत्रण; पर्यटन अवसंरचना और प्रबंधन; आवागमन बनावट; शहरी और क्षेत्रीय योजना; शहरी योजना; शहरी नियोजन: उपयोगिताएँ, सेवाएँ; शहरी परिवहन योजना और प्रबंधन;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	07
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	02
पुरस्कार और सम्मान	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	17
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विज्ञित	05
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	09
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	06
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	08
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	13
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	28



राजीव गांधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय

विभागाध्यक्ष- पद्मावती मंचिकांति

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
दीपा दुबे	पीएच.डी.	
इंद्रजीत दूबे	पीएच.डी.	
पद्मावती मंचिकांति	पीएच.डी.	संयंत्र माध्यमिक चयापचय रास्ते; पुनः संयोजक ड्रग विनियमन और आईपीस्पेक्ट; बायोएनेर्जी-आईपी और व्यावसायीकरण; आईपी कानूनों का कार्यान्वयन; जैव विविधता कानून
राजू केडी	पीएच.डी.	अंतरराष्ट्रीय कानून; बौद्धिक संपदा कानून; अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यापार कानून

सह प्राध्यापक

उदय शंकर	पीएच.डी.	संविधानिक कानून; सामाजिक-आर्थिक अधिकार; ऊर्जा कानून; श्रम और औद्योगिक कानून
----------	----------	---

सहायक प्राध्यापक

अरिंदम बसु	पीएच.डी.	
बलराज कौर सिद्धू	पीएच.डी.	अंतरराष्ट्रीय कानून; पर्यावरण कानून; कोर्ट और ट्रिब्यूनल; यौन और लिंग आधारित हिंसा; इंटरनेट गवर्नेंस
गौरव शुक्ला	पीएच.डी.	
गौरी अशोक गर्गे	पीएच.डी.	बौद्धिक संपदा प्रबंधन; बौद्धिक संपदा लेखा परीक्षा, मूल्यांकन; बौद्धिक संपदा विश्लेषण; तकनीकी हस्तांतरण; बौद्धिक संपदा कानून
निहारिका साहू भट्टाचार्य	पीएच.डी.	बौद्धिक संपदा कानून; फार्मास्यूटिकल्स और आईपीआर; भौगोलिक संकेत; पेटेंट कानून; प्रतियोगिता कानून और आईपीआर
श्रेया मातिलाल	पीएच.डी.	
एसआर सुब्रमण्यन	पीएच.डी. , नागपुर	अंतरराष्ट्रीय कानून; अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून; अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता; अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
गौरी अशोक गर्गे	पीएच.डी.	बौद्धिक संपदा प्रबंधन; बौद्धिक संपदा लेखा परीक्षा, मूल्यांकन; बौद्धिक संपदा विश्लेषण; तकनीकी हस्तांतरण; बौद्धिक संपदा कानून
निहारिका साहू भट्टाचार्य	पीएच.डी.	बौद्धिक संपदा कानून; फार्मास्यूटिकल्स और आईपीआर; भौगोलिक संकेत; पेटेंट कानून; प्रतियोगिता कानून और आईपीआर

विजिटिंग फैकल्टी

प्रबुद्ध गांगुली	विजिटिंग फैकल्टी
------------------	------------------

पदोन्नति

दीपा दुबे	पीएच.डी.	
इंद्रजीत दूबे	पीएच.डी.	
पद्मावती मंचिकांति	पीएच.डी.	संयंत्र माध्यमिक चयापचय रास्ते; पुनः संयोजक ड्रग विनियमन और



राजू केडी	पीएच.डी.	आईपीस्पेक्ट; बायोएनेर्जी-आईपी और व्यावसायीकरण; आईपी कानूनों का कार्यान्वयन; जैव विविधता कानून
उदय शंकर	पीएच.डी.	अंतरराष्ट्रीय कानून; बौद्धिक संपदा कानून; अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यापार कानून
त्यागपत्र		
गौरव शुक्ला	पीएच.डी.	संविधानिक कानून; सामाजिक-आर्थिक अधिकार; ऊर्जा कानून; श्रम और औद्योगिक कानून

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

शीर्षक और आयोजित सम्मेलनों की अवधि

राष्ट्रीय

1. 4 वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, (31 अगस्त, 2018 से 02 सितंबर, 2018)
2. कानूनी अनुसंधान पर राष्ट्रीय बोलचाल (15 मार्च 2019 और 16 मार्च 2019)
3. रिसर्च स्कॉलर्स डे (15 मार्च 2019 और 16 मार्च 2019)
4. जैव प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकार पर एआईसीटीई कार्यशाला (04 से 10 फरवरी, 2019)
5. शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान के आईपी प्रबंधन पर एआईसीटीई कार्यशाला (04 से 10 मार्च, 2019)
6. IPR सेल, IIT खड़गपुर के सहयोग से 'IPR के कई पहलू - एक इंजीनियरिंग के परिप्रेक्ष्य' पर कार्यशाला
7. पेटेंट आलेखन कार्यशाला - श्री दीपन बनर्जी, लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन अटॉर्नी (२ मार्च २०१९)
8. आईपी सेल, आईआईटी खड़गपुर के साथ 'आईपी पॉवर हाउस: फ्यूल फॉर स्टार्ट अप्स' - डॉ। मलथी लक्ष्मीकुमारन
9. "औद्योगिक संबंध - मेक इन इंडिया और कौशल और कौशल भारत" पर लघु अवधि का पाठ्यक्रम
10. 'अक्षय ऊर्जा पर कानून और नीति' पर GIAN पाठ्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय

1. आईआईटी खड़गपुर, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय लॉ स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका और गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, 3-6 अक्टूबर को संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय आईपी संगोष्ठी

संस्थान व्याख्यान

संगठित संस्थान ने आईपी सेल आईआईटी खड़गपुर के साथ संयुक्त रूप से 'कमर्शियल इनोवेशन: आविष्कारक अपने आविष्कारों का पेटेंट क्यों कराते हैं?' डॉ। मलथी लक्ष्मीकुमारन (2 मार्च, 2019)

अनुसंधान क्षेत्र

जैव विविधता कानून; बायोएनेर्जी-आईपी और व्यावसायीकरण; प्रतियोगिता कानून और आईपीआर; संविधानिक कानून; कोर्ट और ट्रिब्यूनल; ऊर्जा कानून; पर्यावरण कानून; भौगोलिक संकेत; आईपी कानूनों का कार्यान्वयन; बौद्धिक संपदा विश्लेषण; बौद्धिक संपदा लेखा परीक्षा, मूल्यांकन; बौद्धिक संपदा कानून; बौद्धिक संपदा कानून; बौद्धिक संपदा प्रबंधन; अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता; अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून; अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून; अंतरराष्ट्रीय कानून; इंटरनेट गवर्नेंस; श्रम और औद्योगिक कानून; पेटेंट कानून; फार्मास्यूटिकल्स और आईपीआर; संयंत्र माध्यमिक चयापचय रास्ते; पुनः संयोजक ड्रग विनियमन और आईपीस्पेक्ट; यौन और लिंग आधारित हिंसा; सामाजिक-आर्थिक अधिकार; तकनीकी हस्तांतरण;



शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	03
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	10
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	06
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	20
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	07
पुरस्कार और सम्मान	01
फेलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	09
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	14
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	56
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	07
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	04
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	11
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	04



राजेंद्र मिश्रा अभियांत्रिकी उद्यमशीलता विद्यालय

विभागाध्यक्ष: पार्थ प्रतिम दास

सह प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
बसब चक्रवर्ती	पीएच.डी.	
प्रणब कुमार दान	पीएच.डी.	ट्रांसमिशन और ड्राइवलाइन विश्लेषण; कुशल विनिर्माण प्रणाली डिजाइन; असफलता को कम करने के लिए मजबूत अनुकूलन; कार के लिए अनुकूली ट्रांसमिशन ईसीयू डिजाइन; वाहन ट्रांसमिशन डिजाइन और परीक्षण

सहायक प्राध्यापक

भास्कर भौमिक	पीएच.डी.	सामाजिक उद्यमिता; उद्यमिता विकास; फर्म पर्यावरण और नेतृत्व; प्रौद्योगिकी और सतत विकास; स्टार्ट-अप इकोसिस्टम
मामोनी बनर्जी	पीएच.डी.	फाइटोकेमिकल्स, जैव कीटनाशक; कीटनाशक जैव-प्रभावकारिता; ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास; स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन; उद्यमिता
मनोज कुमार मोंडल	पीएच.डी.	
मृगांक शरद	पीएच.डी.	सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन; न्यूरोमोर्फिक कम्प्यूटिंग के लिए वीएलएसआई; बायोमेडिकल सिस्टम; कृत्रिम होशियारी; बुद्धिमान इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)
प्रभा भोला	पीएच.डी.	उद्यमिता विकास; उत्पाद विश्लेषिकी और मॉडलिंग; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; ऊर्जा प्रबंधन
राम बाबू रॉय	पीएच.डी.	स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन; जटिल और सामाजिक नेटवर्क; बिग डेटा एनालिटिक्स
तैसा भट्टाचार्जी (रुद्र)	पीएच.डी.	वित्तीय प्रबंधन; निगम से संबंधित शासन प्रणाली; उद्यमिता, कृषि अर्थशास्त्र; कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग

पदोन्नति

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
बसब चक्रवर्ती	सह - प्राध्यापक	

अनुसंधान क्षेत्र

कार के लिए अनुकूली ट्रांसमिशन ईसीयू डिजाइन; कृषि अर्थशास्त्र; कृत्रिम होशियारी; बिग डेटा एनालिटिक्स; बायोमेडिकल सिस्टम; जटिल और सामाजिक नेटवर्क; निगम से संबंधित शासन प्रणाली; कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग; कुशल विनिर्माण प्रणाली डिजाइन; ऊर्जा प्रबंधन; उद्यमिता, उद्यमिता विकास; वित्तीय प्रबंधन; फर्म पर्यावरण और नेतृत्व; स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन; इंटेलिजेंट इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT); कीटनाशक जैव-प्रभावकारिता; फाइटोकेमिकल्स, जैव कीटनाशक; उत्पाद विश्लेषिकी और मॉडलिंग; असफलता को कम करने के लिए मजबूत अनुकूलन; ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास; सिग्नल कंडीशनिंग और मिश्रित-सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन; सामाजिक उद्यमिता; स्टार्ट-अप इकोसिस्टम; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; प्रौद्योगिकी और सतत विकास; ट्रांसमिशन और ड्राइवलाइन विश्लेषण; वाहन ट्रांसमिशन डिजाइन और परीक्षण; न्यूरोमोर्फिक कम्प्यूटिंग के लिए वीएलएसआई;



शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	11
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	01
फैलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	10
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	13
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	06
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	13
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	17



जैव विज्ञान विद्यालय

विभागाध्यक्ष: अमित कुमार दास

प्राध्यापक

निहार रंजन जन पीएच.डी. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार; प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र; अनुभव-निर्भर सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी

सहायक प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अभिजीत दास	टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान पीएचडी	विकासात्मक तंत्रिका विज्ञान; न्यूरो एपिजेनेटिक्स; बुढ़ापा और न्यूरो-डिजनरेटिव विकार
आरिंदम मॉडल	कलकत्ता विश्वविद्यालय, पीएच.डी.	आणविक वायरोलॉजी; जीव रसायन
दिब्येन्दु सामंत	पीएच.डी.	प्रोटीन इंजीनियरिंग; इम्यून रिसेप्टर्स; सेल आसंजन अणु; प्रोटीन-प्रोटीन / न्यूक्लिक एसिड इंटरैक्शन
रितोब्रत गोस्वामी	पीएचडी, इंडियाना यूनिवर्सिटी	इम्यूनोलॉजी; टी सेल बायोलॉजी
सौम्या दे	पीएच.डी.	एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी; संरचनात्मक जीवविज्ञान; बायोफिजिक्स; संकेत पारगमन और जीन अभिव्यक्ति; प्रोटीन इंजीनियरिंग

नई संकाय नियुक्ति

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
निहार रंजन जन	पीएच.डी.	न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार; प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र; अनुभव-निर्भर सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी

अनुसंधान क्षेत्र

एजिंग और न्यूरो-डिजनरेटिव विकार; जैव रसायन; बायोफिजिक्स; सेल आसंजन अणु; विकासात्मक तंत्रिका विज्ञान; अनुभव-निर्भर सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी; इम्यून रिसेप्टर्स; इम्यूनोलॉजी; आणविक वायरोलॉजी; न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार; न्यूरो एपिजेनेटिक्स; एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी; प्रोटीन इंजीनियरिंग; प्रोटीन-प्रोटीन / न्यूक्लिक एसिड इंटरैक्शन; प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र; संकेत पारगमन और जीन अभिव्यक्ति; संरचनात्मक जीवविज्ञान; टी सेल बायोलॉजी;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	04
सहयोग	04
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	03
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	01
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	04
पुरस्कार और सम्मान	01
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	16
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	04
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	10
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	02



ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: सुनील कुमार श्रीवास्तव

सहायक प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अमित घोष	पीएचडी, IISc बैंगलोर	
चिरोदीप बाकली	पीएच.डी.	माइक्रोफ्लूइडिक्स; माइक्रो / नैनो-स्केल परिवहन प्रक्रिया; नैनोफ्लूइडिक्स आणविक सिमुलेशन; पुनःप्राप्य ऊर्जा स्रोत
श्रीराज पुर्वकरा	पीएचडी, वेस्टफेलिया- विल्हेम विश्वविद्यालय, जर्मनी	ऊर्जा सामग्री; रिचार्जबल बैटरीज; संरचनात्मक रसायन विज्ञान; सोडियम आयन बैटरी; लिथियम आयन बैटरी मॉडलिंग
त्रिलोक सिंह	पीएच.डी.	ऊर्जा सामग्री; कार्यात्मक सामग्री; नैनो सामग्री; इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स; सौर फोटोवोल्टिक

अनुसंधान क्षेत्र

ऊर्जा सामग्री; इंजीनियर ऑक्साइड और अर्धचालक हैट्रोस्ट्रक्चर्स; कार्यात्मक सामग्री; लिथियम आयन बैटरी मॉडलिंग; नैनो सामग्री;
रिचार्जबल बैटरीज; सोडियम आयन बैटरी; सौर फोटोवोल्टिक; संरचनात्मक रसायन विज्ञान;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	01
फैलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	1 1
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	09
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	01
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	10
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	04



पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

विभागाध्यक्ष: मकरंद माधव घांगरेकर

सहयक प्रोफेसर

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
शमीक चौधरी	पीएच.डी.	

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
शमीक चौधरी	सहयक प्रोफेसर	

विजिटिंग फैकल्टी

बिनय कांति दत्ता	विजिटिंग फैकल्टी
------------------	------------------

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल भूजल प्रदूषण नियंत्रण, जल गुणवत्ता प्रबंधन, सीवेज उपचार और पुनः उपयोग, औद्योगिक जल प्रदूषण नियंत्रण, मृदा प्रदूषण, ठोस और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, और वायु प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान कर रहा है। स्कूल से जुड़े संकाय इस क्षेत्र में प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और नगरपालिकाओं, राज्य सरकारों और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर केंद्र सरकार के लिए परामर्श सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं।

अनुसंधान क्षेत्र

बायोगैस; पर्यावरण इंजीनियरिंग; प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	01
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	01
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	01
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	03



आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय

विभागाध्यक्ष: ज्योतिर्मय चटर्जी

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
ज्योतिर्मय चटर्जी	पीएच.डी.	मौखिक पूर्व-कैंसर चिकित्सीय पैच देवा; घाव भरने और शहद; स्टेम सेल डिफेा और हनी स्थित मैट्रिक्स; ओरल कैंसर डायग पर मल्टी-मोडल इमेजिंग; फेफड़े का कैंसर और डायबिटिक रेटिनोपैथी डायग
कोएल चौधरी	पीएच.डी.	गैर-इनवेसिव बायोमार्कर और सेंसर; metabolomics; नैनोऔषधि; महिलाओं का स्वास्थ्य; श्वसन संबंधी विकार
महितोष मंडल	पीएच.डी.	
मंजूनाथ महादेवप्पा	पीएच.डी.	
संगीता दास भट्टाचार्य	पीएच.डी.	
संतनु धरा	पीएच.डी.	
सौमेन दास	पीएच.डी.	BioMEMS, माइक्रोफ्लूइडिक्स सेंसर और एक्चुएटर; एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स; बायोमेडिकल डिवाइस, लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स

सहायक प्राध्यापक

गायत्री मुखर्जी	पीएच.डी.	इम्यूनोलॉजी; प्रतिरक्षाविज्ञानी का विकास; कैंसर में कॉमंसल माइक्रोबायोटा; एथेरोस्क्लेरोसिस में इम्यून मॉडुलन
निशांत चक्रवर्ती	पीएच.डी.	पुनर्योजी चिकित्सा; नैदानिक अनुसंधान; अस्थि उत्थान और अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग
प्रफुल्ल चंद्र शुक्ल	पीएच.डी.	एथेरोस्क्लेरोसिस और गैर-कोडिंग आरएनए; दिल और वाहिकाओं में प्रतिरक्षा बातचीत; कार्डिएक विकासात्मक जीव विज्ञान; दिल की विफलता और संवहनी जीव विज्ञान

विजिटिंग फैकल्टी

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
देबाश्री गुहा पालन	विजिटिंग फैकल्टी	
मार्क जे। Madou	विजिटिंग फैकल्टी	
सतदल साहा	विजिटिंग फैकल्टी	

सेवानिवृत्ति

अनलव मित्र	पीएच.डी.	
चंदन चक्रवर्ती	पीएच.डी.	बायोमेडिकल डेटा एनालिटिक्स; डिजिटल पैथोलॉजी; चिकित्सा छवि विश्लेषण; मेडिकल इमेजिंग के लिए मशीन लर्निंग



नए शैक्षणिक कार्यक्रम

तीन संयुक्त M.Sc. / Ph.D टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता के सहयोग से कार्यक्रम

- (i) मेडिकल भौतिकी,
- (ii) परमाणु चिकित्सा,
- (iii) आणविक चिकित्सा माइक्रोबायोलॉजी।

अनुसंधान क्षेत्र

एथेरोस्क्लेरोसिस और गैर-कोडिंग आरएनए; बायोमेडिकल डिवाइस, लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स; BioMEMS, अस्थि उत्थान और अस्थि ऊतक अभियांत्रिकी; कार्डिएक विकासात्मक जीव विज्ञान; नैदानिक अनुसंधान; कैंसर में कॉमैसल माइक्रोबायोटा; प्रतिरक्षाविज्ञानी का विकास; दिल की विफलता और संवहनी जीव विज्ञान; दिल और वाहिकाओं में प्रतिरक्षा बातचीत; एथेरोस्क्लेरोसिस में इम्यून मॉड्यूलेशन; इम्यूनोलॉजी; फेफड़े का कैंसर और डायबिटिक रेटिनोपैथी डायग्नोसिस; एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स; metabolomics; माइक्रोफ्लूइडिक्स ओरल कैंसर डायग्नोसिस पर मल्टी-मोडल इमेजिंग; नैनोऔषधि; गैर-इनवेसिव बायोमार्कर और सेंसर; मौखिक पूर्व-कैंसर चिकित्सीय पैच देवा; पुनर्योजी चिकित्सा; श्वसन संबंधी विकार; सेंसर और एक्चुएटर; स्टेम सेल डिफे & हनी आधारित मैट्रिक्स; महिलाओं का स्वास्थ्य; घाव भरने और शहद;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	26
विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान	02
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	07
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
फैलो - पेशेवर निकाय	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	04
पुरस्कार और सम्मान	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	32
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	10
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	15
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	10



नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विभागाध्यक्ष: राहुल मित्रा

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

1. पीएचडी कार्यक्रम 2014 से शुरू किया गया है। MS / M.Tech कार्यक्रम बाद में शुरू किया जाएगा।

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

नैनो-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्कूल अंतःविषय प्रकृति के विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं:

- (i) इलेक्ट्रॉनिक और फोटोनिक उपकरणों के लिए ग्रुप- IV और III-V सेमीकंडक्टर नैनोस्ट्रक्चर;
- (ii) एमईएमएस और माइक्रोसिस्टम्स, नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स, नैनो-स्केल आईओसिस्टम्स इंजीनियरिंग;
- (iii) जीएमआर और मैग्नेटो-इलेक्ट्रिक और मैग्नेटोकलोरिक सामग्री;
- (iv) पॉलिमर और रबर आधारित नैनोकम्पोजिट्स;
- (v) पॉलिमर पतली फिल्म अस्थिरता, स्व संगठन और मेसो-यांत्रिकी;
- (vi) कार्बन नैनोट्यूब, ग्राफीन, धातु नैनोवायरस और नैनो-कण;
- (vii) बायोइमेजिंग और डायग्नोस्टिक्स, ड्रग डिलीवरी, बायोसेंसर के लिए बायोकम्पैटिबल नैनोस्ट्रक्चर;
- (viii) इंटरमेटेलिक्स, थोक अनाकार मिश्र और नैनोकम्पोजिट्स;
- (ix) नैनोस्ट्रक्चर / नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों और कोटिंग्स;
- (x) ऑक्साइड गैस सेंसर, लिथियम आयन रिचार्जबल बैटरी;
- (xi) कम्प्यूटेशनल नैनोस्ट्रक्चर

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	13
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	02
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	01



जल संसाधन विद्यालय

विभागाध्यक्ष: अशोक कुमार गुप्ता

सह प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
भाबरग्राही साहू	पीएच.डी.	एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन; वास्तविक समय बाढ़ मॉडलिंग और पूर्वानुमान; सतही जल - भूजल संपर्क; मेसो-स्केल सॉल्यूट ट्रांसपोर्ट डायनेमिक्स; हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स में रिमोट सेंसिंग

सहायक प्राध्यापक

मनोज कुमार तिवारी	पीएच.डी.	जल और अपशिष्ट जल उपचार / पुनर्चक्रण; बायोरेमेडिएशन और बायोडिग्रेडेशन; प्रतिभागियों का भाग्य और परिवहन; दूषित साइट प्रबंधन; स्मार्ट जल वितरण प्रणाली;
पार्थ सारथी घोषाल	पीएच.डी.	पानी और अपशिष्ट जल उपचार; जियोजेनिक प्रदूषक हटाने; जल आपूर्ति नेटवर्क प्रबंधन; उन्नत अपशिष्ट जल उपचार; सोखना
रेणजी रेमेसन	पीएच.डी.	भूमि की सतह प्रक्रियाओं और पर्यावरण; जल संसाधनों पर जलवायु प्रभाव; कैचमेंट मॉडलिंग और प्रबंधन; हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
पार्थ सारथी घोषाल	सहायक प्रोफेसर	पानी और अपशिष्ट जल उपचार; जियोजेनिक प्रदूषक हटाने; जल आपूर्ति नेटवर्क प्रबंधन; उन्नत अपशिष्ट जल उपचार; सोखना

पदोन्नति

भाबरग्राही साहू	प्रोफेसर	एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन; वास्तविक समय बाढ़ मॉडलिंग और पूर्वानुमान; सतही जल - भूजल संपर्क; मेसो-स्केल सॉल्यूट ट्रांसपोर्ट डायनेमिक्स; हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स में रिमोट सेंसिंग
-----------------	----------	--

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

- ग्रेफाइट के पुनः उपयोग के लिए पारिस्थितिक उपचार प्रणाली
- रिसाव का पता लगाने और शहरी जल आपूर्ति नेटवर्क प्रबंधन
- मिथाइल ऑरेंज के इलेक्ट्रोकेमिकल ऑक्सीकरण के मार्ग की पहचान और विषाक्तता विश्लेषण
- 7-दिनों की अधिकतम लीड-टाइम के साथ रीयल-टाइम शॉर्ट-टू-मीडियम रेंज स्ट्रीमफ्लो और जलाशय प्रवाह के लिए विकसित दृष्टिकोण।
- विनिमय प्रवाह का अनुमान लगाने के लिए विरल डेटा-उपलब्धता परिदृश्यों के तहत एक स्ट्रीम-एक्वीफर इंटरैक्शन मॉडल विकसित किया
- रिमोट सेंसिंग डेटा का उपयोग करके नदी प्रदूषण की दैनिक पैमाने पर निगरानी के लिए एक तकनीक विकसित की
- तिलैया डैम में बाथमीट्रिक सर्वेक्षण और पानी की गुणवत्ता और तलछट की मात्रा का विश्लेषण
- कृष्णा नदी बेसिन में जूलस का उपयोग करते हुए भूमि की सतह की मॉडलिंग
- कोनार डैम कैचमेंट में तलछट फिंगर प्रिंटिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके तलछट लक्षण वर्णन



अनुसंधान क्षेत्र

बायोरेमेडिएशन और बायोडिग्रेडेशन; कैचमेंट मॉडलिंग और प्रबंधन; जल संसाधनों पर जलवायु प्रभाव; दूषित साइट प्रबंधन; प्रतिभागियों का भाग्य और परिवहन; हाइड्रोइन्फोर्मेटिक्स; एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन; भूमि सतह प्रक्रियाओं और पर्यावरण; मेसो-स्केल सॉल्यूट ट्रांसपोर्ट डायनेमिक्स; वास्तविक समय बाढ़ मॉडलिंग और पूर्वानुमान; हाइड्रोइन्फोर्मेटिक्स में रिमोट सेंसिंग; स्मार्ट जल वितरण प्रणाली; सतही जल - भूजल संपर्क; जल और अपशिष्ट जल उपचार / पुनर्चक्रण;

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	17
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	04
एमएस डिग्री पुरस्कार दिए	01
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	03
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	01
फैलोशिप	02
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	13
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	04
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	1 1
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	02
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	08
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	08



सुबीर चौधरी गुणवत्ता और विश्वसनीयता विद्यालय

विभागाध्यक्ष: संजय कुमार चतुर्वेदी

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
संजय कुमार चतुर्वेदी	पीएच.डी.	FMEA / FMECA, विश्वसनीयता विनियोग; नेटवर्क विश्वसनीयता; विश्वसनीयता आधारित डिजाइन; विश्वसनीयता डेटा विश्लेषण, रखरखाव; संकाय विश्वसनीयता मॉडलिंग और विश्लेषण
वीएन अच्युता नाइकन सह प्राध्यापक		स्थिरता अभियांत्रिकी; शर्त-आधारित रखरखाव; गुणवत्ता नियंत्रण; सिमुलेशन
नीरज कुमार गोयल		त्वरित जीवन परीक्षण; संभावित सुरक्षा आकलन; रेलवे सिस्टम के लिए RAMS; सिस्टम विश्वसनीयता मॉडलिंग; संचार नेटवर्क विश्वसनीयता

सहायक प्राध्यापक

मोनालिसा सरमा	पीएच.डी.	
राजीव नंदन राय	विजिटिंग फैकल्टी	RAMS विश्लेषण; निवारक रखरखाव; प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ मॉनिटरिंग, प्रोसेस विश्वसनीयता; TQM और Analytics के साथ; मरम्मत योग्य सिस्टम विश्वसनीयता विश्लेषण

विजिटिंग फैकल्टी

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
राजीव नंदन राय	विजिटिंग फैकल्टी	RAMS विश्लेषण; निवारक रखरखाव; प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ मॉनिटरिंग, प्रोसेस विश्वसनीयता; TQM और Analytics के साथ; मरम्मत योग्य सिस्टम विश्वसनीयता विश्लेषण

पदोन्नति

संजय कुमार चतुर्वेदी	पीएच.डी.	FMEA / FMECA, विश्वसनीयता विनियोग; नेटवर्क विश्वसनीयता; विश्वसनीयता आधारित डिजाइन; विश्वसनीयता डेटा विश्लेषण, रखरखाव; संकाय विश्वसनीयता मॉडलिंग और विश्लेषण
राजीव नंदन राय	विजिटिंग फैकल्टी	RAMS विश्लेषण; निवारक रखरखाव; प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ मॉनिटरिंग, प्रोसेस विश्वसनीयता; TQM और Analytics के साथ; मरम्मत योग्य सिस्टम विश्वसनीयता विश्लेषण

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

11 'स्कूल' बैनर के तत्वावधान में नया पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से शुरू हो गया है। स्कूल ने शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से संस्थान के अन्य विभागों के यूजी छात्रों के लिए गुणवत्ता इंजीनियरिंग में एक माइक्रो-विशेषज्ञता भी शुरू की है।

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

एम टेक सत्र 2018-19 से स्कूल का नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। नए पाठ्यक्रम में छात्रों का पहला बैच अब उनकी परियोजना और थीसिस चरण में है। स्कूल का नया भवन जल्द ही सौंपने की उम्मीद है और दिसंबर 2019 तक, स्कूल अपने नए स्थान से पूरी तरह से संचालन शुरू कर देगा। संकाय सदस्यों ने लगभग एक करोड़ की धुन में अनुसंधान परियोजनाएं (एसआरआईसी से एसआईआईसी के रूप में इम्प्लेंट -2 के तहत) को लाया है। 24 इंटर थे। पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान स्कूल द्वारा पत्रिकाओं और 13 सम्मेलन पत्रों का योगदान। टीवीएस मोटर



कंपनी के अनुरूप शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग मॉड्यूल के परिणाम आधारित श्रृंखला के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसे तीन साल की अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया है। 2018। संकाय सदस्यों ने पहले वर्ष को पूरा करने के लिए क्रमशः सितंबर'18, नवंबर'18 और फरवरी'19 में अपने परिसर का दौरा किया विश्वसनीयता, रखरखाव और रखरखाव इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की प्रतिबद्धता। इस पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले अपने परिचालन, आरएंडडी और रखरखाव विभागों के इंजीनियर थे। गुणवत्ता इंजीनियरिंग लैब का विकास पूरा हो गया है। पहले बैच ने नए पाठ्यक्रम के तहत लैब का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

वर्तमान स्नातक बैच के सभी नियमित छात्रों को 100% प्लेसमेंट का लक्ष्य प्राप्त करते हुए ओशनिंग इंटरनेशनल, कमिंस इंडिया लिमिटेड, ईटन टेक्नोलॉजीज, जॉन डीरे और प्रणव विकास, फरीदाबाद में रखा गया। इसके अलावा, वर्तमान बैच के नियमित छात्रों को 6-10 महीनों की अवधि के लिए विभिन्न बहु-नागरिकों से इंटरशिप की पेशकश मिली है। वर्तमान में स्कूल के रोल पर 24 शोध छात्र हैं जिनमें से 21 पीएचडी विद्वान हैं, तीन एमएस छात्र हैं और 'सर्टिफिकेट इन एक्सीलेंस प्रोग्राम (सीईआर)' के तहत आरआईएनएल, विशाखापत्तनम से एक इंजीनियर हैं। एक और दो शोध छात्रों ने पीएच के पुरस्कार के लिए अग्रणी अपने शोध का सफलतापूर्वक बचाव किया है। डी। की डिग्री जबकि तीन शोध अध्येता दोहरे पीएचडी के तहत कर्टिन यूनिवर्सिटी में शामिल हुए हैं। कर्टिन विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत डी। कार्यक्रम (DDDP)।

जनवरी 18, 2019 में हमारे छात्रों के लाभ के लिए एक उद्योग वार्ता आयोजित की गई थी। श्री प्रवीण कादकोडी, इंजीनियरिंग प्रबंधक - विश्वसनीयता और सुरक्षा के लिए केंद्र, ईटन इंडिया इनोवेशन सेंटर ने क्रमशः " प्रौद्योगिकी परिदृश्य को विकसित करने में विश्वसनीयता इंजीनियरिंग से उम्मीद" और " विश्वसनीयता इंजीनियरों द्वारा सामना की गई उद्योग की चुनौतियों " के नाम से अपनी वार्ता दी।

अनुसंधान क्षेत्र

त्वरित जीवन परीक्षण; संचार नेटवर्क विश्वसनीयता; शर्त-आधारित रखरखाव; FMEA / FMECA, विश्वसनीयता विनियोग; नेटवर्क विश्वसनीयता; निवारक रखरखाव; संभावित सुरक्षा आकलन; प्रोग्नॉस्टिक हेल्थ मॉनिटरिंग, प्रोसेस विश्वसनीयता; गुणवत्ता नियंत्रण; RAMS विश्लेषण; रेलवे सिस्टम के लिए RAMS; विश्वसनीयता आधारित डिजाइन; विश्वसनीयता डेटा विश्लेषण, रखरखाव; स्थिरता अभियांत्रिकी; मरम्मत योग्य सिस्टम विश्वसनीयता विश्लेषण; सिमुलेशन; सिस्टम विश्वसनीयता मॉडलिंग; संकाय विश्वसनीयता मॉडलिंग और विश्लेषण; TQM और Analytics के साथ;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	04
विशेषज्ञों का दौरा करके व्याख्यान	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
पुरस्कार और सम्मान	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	08
कंसल्टेंट्स प्रोजेक्ट्स	01
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	01
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	03
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	05
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	14
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	12



विनोद गुप्ता प्रबंधन विद्यालय

विभागाध्यक्ष: प्रबीना राजिब

प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
गौतम सिन्हा	पीएच.डी.	
प्रबीना राजिब	पीएच.डी.	
संगीता साहनी	पीएच.डी.	विपणन प्रबंध; उपभोक्ता व्यवहार; सेवाएँ विपणन; संगठनात्मक व्यवहार; गुणवत्ता प्रबंधन

सह प्राध्यापक

अरुण कुमार मिश्रा	पीएच.डी.	उत्पाद मूल्य निर्धारण और उत्पाद जोखिम; संसाधन उत्तरदायित्व प्रबंधन; जोखिम आधारित मूल्य-निर्धारण; बैंकों की पूंजी और तरलता प्रबंधन; मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर
बिप्लब दत्ता	पीएच.डी.	नेतृत्व; सोशल मीडिया मार्केटिंग [eWOM]; ग्राहक संबंध प्रबंधन; सेवाएँ विपणन
चंद्रशेखर मिश्रा	पीएच.डी.	
परमा बरै	पीएच.डी.	
रंजन चौधरी	पीएच.डी.	
रुद्र प्रकाश प्रधान	पीएच.डी.	बैंकिंग और निर्णय लेना; वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति
सुजॉय भट्टाचार्य	पीएच.डी.	सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग
सुस्मिता मुखोपाध्याय	पीएच.डी.	आध्यात्मिकता और कार्य खुशी को जगह देते हैं; लोग विश्लेषिकी; माइक्रोफाइनेंस में व्यवहार संबंधी मुद्दे; नेतृत्व; आचार विचार

सहायक प्राध्यापक

अभिजीत चंद्रा	पीएच.डी. जेएमआई नई दिल्ली	कंपनी वित्त; वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; ब्यवहारिक वित्त; वित्तीय बाजार और जोखिम प्रबंधन; संपत्ति मूल्य निर्धारण
अजय कुमार मिश्रा	सहयक प्रोफेसर	मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर; कंपनी वित्त; संपत्ति मूल्य निर्धारण; बैंकिंग विनियम; शॉर्ट सेलिंग और सूचित ट्रेडिंग
अमित उपाध्याय	पीएच.डी.	संचालन अनुसंधान (OR); परिवहन और रसद प्रबंधन; राजस्व अनुकूलन; रेलवे एनालिटिक्स
आराधना मलिक	पीएच.डी.	जराचिकित्सा कल्याण और जीवन देखभाल का अंत; सामाजिक उद्यमिता; मीडिया और संचार अध्ययन; कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी; संचार और सतत विकास
बरनाली नाग	पीएच.डी.	
सैनी दास	पीएच.डी.	सूचना सुरक्षा; सूचना सुरक्षा जोखिम प्रबंधन; प्रबंधन सूचना प्रणाली; ई-कॉमर्स प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग; साइबर नैतिकता: सुरक्षा और गोपनीयता
सरबंती मुखर्जी	पीएच.डी, आईआईईएससी एंड टी, शिबपुर	उपभोक्ता व्यवहार; सोशल मीडिया मार्केटिंग [eWOM]; सेवाएँ विपणन; हेल्थकेयर और उच्च शिक्षा; पिरामिड और ग्रामीण विपणन के नीचे
स्वगातो चटर्जी	पीएच.डी.	भविष्यिक विश्लेषण; खेल का सिद्धांत; बिग डेटा एनालिटिक्स; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग



तुहिना मुखर्जी	पीएच.डी.	
टूटन अहमद	पीएच.डी.	मानव विकास; एप्लाइड अर्थमिति; 51 सतत विकास के लिए शिक्षा; श्रम अर्थशास्त्र; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता
नई संकाय नियुक्ति		
नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
अजय कुमार मिश्रा	सहेयक प्रोफेसर	मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर; कंपनी वित्त; संपत्ति मूल्य निर्धारण; बैंकिंग विनियम; शॉर्ट सेलिंग और सूचित ट्रेडिंग
बिशवरूप घोष	विजिटिंग फैकल्टी	
सुरोजीत मुखर्जी	विजिटिंग फैकल्टी	ज्ञान प्रबंधन; विनिर्माण / उत्पादन योजना और नियंत्रण; संचालन प्रबंधन; परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी
विजिटिंग फैकल्टी		
बिशवरूप घोष	विजिटिंग फैकल्टी	
कुणाल कान्ति घोष	विजिटिंग फैकल्टी	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी; उत्पाद विश्लेषिकी और मॉडलिंग; इंजीनियरिंग सेवा आउटसोर्सिंग; वर्ल्ड क्लास मैनुफैक्चरिंग (WCM)
संजीव चौधरी	विजिटिंग फैकल्टी	
सुरोजीत मुखर्जी	विजिटिंग फैकल्टी	ज्ञान प्रबंधन; विनिर्माण / उत्पादन योजना और नियंत्रण; संचालन प्रबंधन; परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी
स्वगातो चटर्जी	विजिटिंग फैकल्टी	भविष्यिक विश्लेषण; खेल का सिद्धांत; बिग डेटा एनालिटिक्स; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग
टूटन अहमद	विजिटिंग फैकल्टी	मानव विकास; एप्लाइड अर्थमिति; 51 सतत विकास के लिए शिक्षा; श्रम अर्थशास्त्र; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता
विवेक कुमार दुबे	विजिटिंग फैकल्टी	भविष्यिक विश्लेषण; खेल का सिद्धांत; बिग डेटा एनालिटिक्स; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग
पदोन्नति		
परमा बैरे	सह - प्राध्यापक	
संगीता साहनी	प्रोफेसर	विपणन प्रबंध; उपभोक्ता व्यवहार; सेवाएँ विपणन; संगठनात्मक व्यवहार; गुणवत्ता प्रबंधन
स्वगातो चटर्जी	सहेयक प्रोफेसर	भविष्यिक विश्लेषण; खेल का सिद्धांत; बिग डेटा एनालिटिक्स; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग
पुनः - नियुक्ति		
गौतम सिन्हा	प्रोफेसर	
त्यागपत्र		
रंजन चौधरी	सह - प्राध्यापक	
अनुसंधान क्षेत्र		

सतत विकास के लिए शिक्षा; एप्लाइड अर्थमिति; संसाधन उत्तरदायित्व प्रबंधन; संपत्ति मूल्य निर्धारण; बैंकिंग और निर्णय लेना; बैंकिंग विनियम; बैंकों की पूंजी और तरलता प्रबंधन; व्यवहारिक वित्त; माइक्रोफाइनेंस में व्यवहार संबंधी मुद्दे; बिग डेटा एनालिटिक्स; पिरामिड और



ग्रामीण विपणन के नीचे; संचार और सतत विकास; उपभोक्ता व्यवहार; कंपनी वित्त; कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी; ग्राहक संबंध प्रबंधन; साइबर नैतिकता: सुरक्षा और गोपनीयता; ई-कॉमर्स प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग; इंजीनियरिंग सेवा आउटसोर्सिंग; आचार विचार; वित्तीय अर्थशास्त्र और संबंधित अध्ययन; वित्तीय बाजार और जोखिम प्रबंधन; खेल का सिद्धांत; जराचिकित्सा कल्याण और जीवन देखभाल का अंत; हेल्थकेयर और उच्च शिक्षा; मानव विकास; सूचना सुरक्षा; सूचना सुरक्षा जोखिम प्रबंधन; ज्ञान प्रबंधन; श्रम अर्थशास्त्र; नेतृत्व; मशीन लर्निंग और पैटर्न मान्यता; प्रबंधन सूचना प्रणाली; विनिर्माण / उत्पादन योजना और नियंत्रण; विपणन प्रबंध; मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर; मीडिया और संचार अध्ययन; संचालन प्रबंधन; संचालन अनुसंधान (OR); संगठनात्मक व्यवहार; लोग विश्लेषिकी; भविष्यिक विश्लेषण; उत्पाद विश्लेषिकी और मॉडलिंग; उत्पाद मूल्य निर्धारण और उत्पाद जोखिम; परियोजना प्रबंधन, रखरखाव और निगरानी; सार्वजनिक अर्थशास्त्र और नीति; गुणवत्ता प्रबंधन; रेलवे एनालिटिक्स; राजस्व अनुकूलन; जोखिम आधारित मूल्य-निर्धारण; सेवाएँ विपणन; शॉर्ट सेलिंग और सूचित ट्रेडिंग; सामाजिक उद्यमिता; सोशल मीडिया मार्केटिंग [eWOM]; आध्यात्मिकता और कार्य खुशी को जगह देते हैं; सांख्यिकीय निर्णय मॉडलिंग; आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी; परिवहन और रसद प्रबंधन; वर्ल्ड क्लास मैनुफैक्चरिंग (WCM);

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण	01
सहयोग	09
डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कार दिए	09
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	06
सदस्य - संपादकीय बोर्ड	05
पुरस्कार और सम्मान	02
फेलोशिप	01
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	09
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	06
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	10
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	03
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	33
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	50
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	18



शैक्षणिक केंद्र





रोबोटिक्स उत्कृष्टता केंद्र

विभागाध्यक्ष: दिलीप कुमार प्रतिहार

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण

01



डेसरकार पेट्रोलियम अभियांत्रिकी उत्कृष्टता केंद्र

विभागाध्यक्ष: अनन्ध सरकार

सह - प्राध्यापक

नाम	उच्चतम उपाधि	अनुसंधान क्षेत्र
संदीप डी कुलकर्णी	पीएच.डी.	ड्रिलिंग द्रव डिजाइन और विशेषता; वेलबोर प्रेशर मॉडलिंग; वेलबोर फ्लूइड्स रिओलॉजी एंड हाइड्रॉलिकसा; पूर्णता और फ्रैक्चरिंग तरल पदार्थ; खो परिसंचरण, साग और APB

सहायक प्रोफेसर

आदित्य व्यास	पीएच.डी.	
अंकुर रॉय	पीएच.डी.	जलाशय विशेषता; रॉक फ्रैक्चर और भूयांत्रिकी; भू सांख्यिकी भग्न मॉडल

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
संदीप डी कुलकर्णी	सह - प्राध्यापक	ड्रिलिंग द्रव डिजाइन और विशेषता; वेलबोर प्रेशर मॉडलिंग; वेलबोर फ्लूइड्स रिओलॉजी एंड हाइड्रॉलिकसा; पूर्णता और फ्रैक्चरिंग तरल पदार्थ; खो परिसंचरण, साग और APB

वेटिंग फैकल्टी

आदित्य व्यास	सहायक प्रोफेसर
--------------	----------------

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

- डायमंड जुबली इंस्टीट्यूट फंड्स (लगभग 20 लाख की खरीद) के माध्यम से खरीदे गए द्रवीभूत तरल उपकरणों की खरीद: एजिंग सेल, डिजिटल विस्कोमीटर, डिजिटल रिटोर्ट, फ्लुइड मिक्सर, एलटीएलपी निस्पंदन
- डायमंड जुबली इंस्टीट्यूट फंड (लगभग 41.8 लाख डॉलर (61,076 डॉलर) की खरीद) के माध्यम से जलाशय सिमुलेशन लैब वर्कस्टेशन 12 वर्कस्टेशन खरीदे और स्थापित किए गए।
- संयुक्त राज्य अमेरिका की PFP प्रौद्योगिकी के दान के माध्यम से फ्रैक्चर तरल पदार्थ: रु। 11 लाख का ऑयल फील्ड विस्कोमीटर और मिक्सर खरीदा और स्थापित किया। इसके अतिरिक्त, तीन दूसरे हाथ वाले एचटी वीक्षकों को दान के रूप में प्राप्त किया गया और स्थापित किया गया।
- विभागीय एसेट फंड (लगभग की खरीद के माध्यम से खरीदेंरुपये। 10 लाख) आइटम: कंप्यूटर (5), टेबल, यूपीएस और किताबें।
- टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्र इंटरशिप कार्यक्रम: 2 छात्रों ने ग्रीष्मकालीन 2019 इंटरशिप के लिए भेजा IIPE से 4 इंटरन, वैजैग ने ग्रीष्मकालीन 2019 के लिए केंद्र में काम किया।
- आईएसआईआरडी परियोजना (अनुमोदित): "फास्ट ऑयल एंड गैस वेल हिस्ट्री मैचिंग और उपन्यास उत्पादन सिमुलेशन और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करते हुए अच्छी तरह से उत्पादन की भविष्यवाणी।" PI: डॉ। आदित्य व्यास, संकाय, ADRACEPE।



- पैन-आईआईटी ओएनजीसी परियोजना (प्रक्रिया में): "कार्बोनेट जलाशयों की मल्टीस्केल मॉडलिंग - एक भ्रम दृष्टिकोण" (पीआई: डॉ। अंकुर रॉय, संकाय, ADRACEPE, सह-PI: प्रो। देब देब, समन्वयक, ADRACEPE)|
- पैन-आईआईटी ओएनजीसी परियोजना (प्रक्रिया में): "ड्रिलिंग तरल पदार्थ डिजाइन और ड्रिलिंग स्वचालन के लिए मॉडल डाउन होल (गहरा पानी, उच्च तापमान-उच्च दबाव और उप-हाइड्रोस्टैटिक परिदृश्य)"| PI: डॉ। संदीप डी। कुलकर्णी, संकाय, ADRACEPE|
- पैन-आईआईटी ओएनजीसी परियोजना (प्रक्रिया में): "१. and ५ से २.५ एसजी तक और उच्चतर तापमान के लिए १.५० से २.३५ एसजी तक घनत्व के तरल पदार्थ बनाने और बनाए रखने के लिए उपयुक्त भार सामग्री की पहचान करें।" PI: डॉ। संदीप डी। कुलकर्णी, फैकल्टी, ADRACEPE कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट विद टोटल (प्रगति में): "ड्रिलिंग द्रव-सूत्रीकरण सॉफ्टवेयर पैकेज"|PI: डॉ। संदीप डी। कुलकर्णी, संकाय, ADRACEPE

अनुसंधान क्षेत्र

पूर्णता और फ्रैक्चरिंग तरल पदार्थ; ड्रिलिंग द्रव डिजाइन और विशेषता; भ्रम मॉडल; भू सांख्यिकी खोया परिसंचरण, साग और एपीबी; जलाशय विशेषता; रॉक फ्रैक्चर और जियोमैकेनिक्स; वेलबोर फ्लूइड्स रिओलॉजी एंड हाइड्रॉलिकसा; वेलबोर प्रेशर मॉडलिंग;

शैक्षिक प्रदर्शन

सहयोग	02
सदस्य - व्यावसायिक निकाय	04
प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ	02
फैकल्टी सदस्यों द्वारा विदेश में विजिट	02
संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	07
सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन किया	01
लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं	02
पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर	01
सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर	03



आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र

विभागाध्यक्ष: प्रियदर्शी पटनायक

नई संकाय नियुक्ति

नाम	पद	अनुसंधान क्षेत्र
शमदु छेत्री	सहायक प्रोफेसर	

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

1. सूक्ष्मजीव विज्ञान में सूक्ष्म विशेषज्ञता

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

क) अनुसंधान और विकास क्रियाएँ

केंद्र में संकाय सदस्यों और छात्रों की एक बहु-अनुशासनात्मक टीम है जो विभिन्न विषयों और विशेषज्ञता से तैयार की गई है और सक्रिय रूप से (ए) जैविक, (बी) सामाजिक (सी) व्यवहारिक, और (डी) पारिस्थितिक से अनुसंधान में शामिल है

उद्देश्य-

यह कॉर्पोरेट क्षेत्रों और सरकारी एजेंसियों के लिए आनंद और कल्याण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, और यूजी इंडक्शन कार्यक्रम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह आनंद के विभिन्न पहलुओं पर 5 वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और "आनंद विज्ञान" पर एक सूक्ष्म विशेषज्ञता प्रदान करता है।

शैक्षिक प्रदर्शन

नए अधिग्रहण

01



डीएचआई उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र

विभागाध्यक्ष- सूर्य कांत पाल

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

देश में शीर्ष उद्योग के सदस्यों के संघ के साथ, भारी उद्योग मंत्रालय और सार्वजनिक उपक्रम, भारत सरकार के भारी उद्योग विभाग के समर्थन के माध्यम से IIT खड़गपुर में उत्कृष्टता केंद्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है। केंद्र का लक्ष्य पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में स्मार्ट मशीनों के निर्माण के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करना है। केंद्र इस क्षेत्र के विभिन्न उद्योगों को एक साथ लाएगा तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उल्लंघन के सामान्य लक्ष्य, और कम लागत के साथ उच्च उत्पादकता वाले स्थायी उत्पादों के लिए अनुसंधान और विकास के साथ आना।

यह केंद्र विनिर्माण क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकियों के सहयोगी, संघ द्वारा संचालित जलसेक के लिए एक अनुठा मंच प्रदान करता है, जो भारत सरकार की 'मेक-इन-इंडिया' पहल के साथ सामंजस्य रखता है। केंद्र विशेष सामग्री, डिजाइन और स्वचालन, Additive विनिर्माण, और डिजिटल विनिर्माण और औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर उद्योगों के लिए केंद्रित अभिनव और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान शुरू करेगा। केंद्र उच्च विनिर्माण, भारी उद्योगों और MSMEs और स्टार्ट-अप के संस्थानों के बीच एक पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करके उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में अभिनव हस्तक्षेप को बढ़ावा देगा। केंद्र प्रस्तावित क्षेत्रों में एक सहयोगी अनुसंधान के लिए इस पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय भागीदारी की तलाश करता है।

नवाचार की संस्कृति को सुविधाजनक बनाने और इंजीनियरिंग को खोलने के लिए केंद्र में एक इनोवेशन लैब भी है। इनोवेशन लैब MSME और स्टार्ट-अप को अपने उत्पाद के शुरुआती प्रोटोटाइप के लिए विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं तक पहुँच सहित विशेषज्ञों से अंत-टू-एंड समर्थन प्राप्त करने के अवसरों को प्राप्त करने के लिए आमंत्रित करता है। केंद्र अपनी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए उच्च मूल्य डॉक्टरेट फेलोशिप के साथ उज्ज्वल और प्रतिभाशाली विद्वानों का भी स्वागत करता है।

उत्कृष्टता केन्द्र के पास देश में उन्नत विनिर्माण पर प्राथमिक ज्ञान केंद्रों में से एक के रूप में ही स्थिति की बुलंद महत्वाकांक्षा है। केंद्र के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से भारत में पुनः निर्माण करना
- सामग्री, निर्माण प्रक्रियाओं, नई प्रौद्योगिकियों में नवाचारों के संदर्भ में मूल्य परिवर्धन, और औद्योगिक और संगठनात्मक प्रथाओं के लिए अकादमिक कठोरता लाना
- डिजिटल हस्तक्षेप, रोबोटिक्स और स्वचालन के माध्यम से IIoT की आधुनिक अवधारणाओं को शामिल करना, बुद्धिमान और जुड़ा हुआ निर्माण
- लघु और मध्यम स्तर के उद्यमों से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में स्वदेशीकरण और नवाचारों के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना
- दुनिया में सबसे अच्छा के साथ साझेदारी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता में लाना
- उद्योग के लोगों को कौशल प्रदान करना और स्टार्ट-अप संस्कृति को विकसित करना
- आईपी संरक्षण और लाइसेंस के माध्यम से बौद्धिक संपदा को सुरक्षित करना

केंद्र को कुल 65.19 करोड़ रुपये की परियोजना धनराशि मिली है। वर्तमान में, 6 उद्योग सदस्य कंसोर्टियम में शामिल हो गए हैं, जिनमें टाटा मोटर्स, टाटा संस, टाटा कंसल्टिंग सर्विसेज, टाटा स्टील, हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड शामिल हैं।



पूर्व छात्र मामलों

डीन: प्रो। सुब्रत चट्टोपाध्याय

एलुमनी अफेयर्स का कार्यालय वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। तब से कार्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों का विस्तार किया है जैसे कि पूर्व छात्र नेटवर्किंग, पूर्व छात्र धन उगाहने वाले, पूर्व छात्र कार्यक्रम आदि। 2018-19 के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं।

पूर्व छात्र संबंध और आउटरीच

पूर्व छात्रों से मिलने, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य पूर्व छात्रों की सगाई के कार्यक्रमों के दौरान, पूर्व छात्रों की वेबसाइट पर पंजीकरण सहित वित्तीय वर्ष के अंत तक 68% के करीब कनेक्टिविटी प्राप्त की गई है। 64316 पूर्व छात्रों की कुल संख्या में से, संस्थान 43000 पूर्व छात्रों के साथ जुड़ा हुआ है और उनके साथ नेटवर्क करने में सक्षम है।

पूर्व छात्रों और संस्थान की घटनाओं:

1. वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक

हम अपने दिन-प्रतिदिन जीते हैं जो हमारे आस-पास की सुंदरता से बेखबर रहता है और जब तक हम यह महसूस करते हैं कि वास्तव में यह है कि हम किसके साथ धन्य हो चुके हैं, आमतौर पर बहुत देर हो चुकी होती है। हालांकि, जब अच्छे पुराने दिन फिर से बुलाते हैं, तो उदासीनता हमें चारों ओर से घेर लेती है क्योंकि हम अपने युवाओं की पवित्र बुलरो से चलते हैं। वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक हमारे पूर्व छात्रों को उनके अल्मा मेटर के साथ फिर से जुड़ने का मौका देती है। इससे उन्हें अपने कॉलेज के लापरवाह दिनों से राहत मिलती है क्योंकि उन्हें उन सभी स्थानों पर जाने का मौका मिलता है, जहां वे एक बार आते हैं।

छात्रों के एलुमनी सेल ने ११ वीं वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक ११ जनवरी से १३ जनवरी २०१९ तक आयोजित की। इस वर्ष 1969, 1979 और 1994 के बैच विशिष्ट अतिथि थे। इस बैठक में विशिष्ट अतिथियों सहित 368 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। मीट अब पूर्व छात्रों और छात्रों दोनों द्वारा प्रत्याशित एक प्रमुख घटना है। जैसे-जैसे वर्ष बीतते हैं और परिवर्तन की हवाएँ बहती रहती हैं, पूर्व छात्रों की बैठक भी समय की गति के साथ विकसित होती रहेगी, पूर्व छात्रों के अनुभव को लाने की उम्मीद करते हुए कि वे अपने सभी जीवन को संजो सकते हैं।

2. घर वापसी

17 वें -19 अगस्त 2018 से घर वापसी के पहले संस्करण में 47 पूर्व छात्रों को पंजीकृत किया गया और कुल 90 लोगों को शामिल किया गया, जिसमें प्रौद्योगिकी गेस्ट हाउस में संगत शामिल थी। केंद्र सरकार ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की मृत्यु के बदले 7 दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित किया था और हमें डर था कि हम एक साथ अपना कार्य नहीं कर पाएंगे। कुणाल राव, पश्चिमी और पूर्वी प्रौद्योगिकी संगीत सोसायटी के साथ संगीत की रात के साथ उत्साह, दोस्ताना फुटबॉल घटनाओं है कि क्योंकि उसी के ऐसा नहीं सकते थे। हमें पता था कि हम अपने पूर्व छात्रों को निराश नहीं कर सकते, न कि तब जब हमें खड़े होकर अपने कर्तव्यों को पूरा करना था। एक मंथन सत्र के बाद, टीम रद्द किए गए कार्यक्रमों को बदलने के लिए 'आर्ट अटैक' और 'हॉल ऑफ फेम' के साथ आई। कैम्पस टूर के बाद नेटवर्किंग लंच का आयोजन किया गया, जहाँ सभी पूर्व छात्रों को उनके परिवार के साथ स्मृति लेन पर एक भावनात्मक सवारी पर ले जाया गया। विभाग की यात्रा ने शिक्षकों, चारपाई, अधूरी परियोजनाओं और रातों की नींद हराम रातों की यादें ताजा कर दीं। हॉल विजिट के माध्यम से हमारे पूर्व छात्रों को उनके हॉल से जुड़ी यादों को ताजा करने का सुनहरा मौका मिला। 18 अगस्त को IIT खड़गपुर के लिए स्थापना दिवस के रूप में चिह्नित किया गया और पूर्व छात्रों, शिक्षकों और छात्रों के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह के साथ मनाया गया। फाउंडेशन डे डिबेट में दोपहर में छात्रों और शिक्षकों द्वारा कुछ बौद्धिक तर्क देखे गए।

यहाँ हम अपने कभी उत्साही पूर्व छात्रों से प्राप्त कुछ प्यारी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं:

“यह घर वापस आने जैसा है, यह जगह समय में फंस गई है। नए बैच जगह और संस्कृति को जोड़ते हैं और उम्मीद है कि टेम्पो को ऊंचा रखें।”

-सोहेल खान



उन्होंने कहा, "कैंपिंग कैंपस में आना हमेशा एक अनुभव रहा है। मेरी इच्छा है कि इस तरह के आयोजन हमें करीब लाएँ, हमारे भाई-बहनों की एक बड़ी बिरादरी में हमारे जीवन को जीवंत बना दें।"

-पार्था सुर, २०० 2008

"टीम स्टूडेंट्स एलुमनी सेल, यह Kgp में एक शानदार समय था। मैं परियों और पिक्सी डस्ट की शक्ति पर विश्वास नहीं कर पा रहा था .. लेकिन आपके द्वारा बुने गए जादू के साथ, मैं एक मजबूत आस्तिक हूँ (पिक्सी डस्ट में और साथ ही इस तथ्य के साथ कि Kgp संभवतः सबसे प्रतिभाशाली और सबसे अधिक सक्रिय है छात्र समुदाय)। रॉक ऑन!"

-चंद्रशेखर केजी

"टीम स्टूडेंट्स के एलुमनी सेल, आप सभी ने अपने दिल की बात रखी है। यह वास्तव में एक घर वापसी थी। ऐसी 10 चीजें हैं जो आपने बहुत अच्छी कीं और 10 अन्य आपने बेहतर कीं। लेकिन ईमानदारी से, हम अपने समय में भी उतना अच्छा नहीं कर सकते थे जितना कि आप सभी ने किया है। हमारे हर छोटे से अनुरोध के लिए अथक प्रयास और जवाबदेही। टेंपो ऊपर रखें। आपकी आत्मा को खुश करता है। आप सभी को प्यार!"

-सौरभ मुखर्जी

3. अलविदा

"अलविदा केवल उन लोगों के लिए है जो अपनी आंखों से प्यार करते हैं ... क्योंकि जो लोग अपने दिल और आत्मा के साथ प्यार करते हैं, उनके लिए कोई बात नहीं है।"

माहौल 2018 के बैच के लिए इस बार वार्षिक विदाई डिनर, अलविदा में थोड़ी उदासी से भरा हुआ था। शाम एक अद्भुत नोट पर शुरू हुई और निदेशक और डीन, पूर्व छात्र मामलों ने छात्रों को संबोधित करना शुरू कर दिया। इसके बाद बेसब्री से प्रतीक्षित बैच के पुरस्कारों का पालन किया गया, जिससे गुजरने वाले बैच को अच्छी तरह से मजा आया। विक्रमशिला परिसर में जल्द ही एक सुंदर रात्रिभोज का आयोजन किया गया। उदासीनता की लहर ने डिनर को हिट कर दिया क्योंकि उन्होंने उन यादों की चर्चा की जो इस परिसर ने उन्हें दी थी। आईआईटीकेजीपी के प्रसिद्ध 'टेम्पो' पर नाचने और प्यार के साथ साइन करने की तुलना में रात को खत्म करने का कोई बेहतर तरीका नहीं था।

4. दीक्षांत समारोह

IIT खड़गपुर का 64 वां दीक्षांत समारोह कई मंच पर एक साथ आया - भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री राम नाथकोविंद, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल, श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, और पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। देश में इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा में अग्रणी भूमिका के लिए आईआईटी खड़गपुर की सराहना करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, "वर्षों से, आईआईटी खड़गपुर और वास्तव में, आईआईटी नेटवर्क और समुदाय पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण खिड़की बन गए हैं।" पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने छात्रों से तालियों की गड़गड़ाहट के साथ जीत हासिल की जब उन्होंने घोषणा की कि उनका मानना है कि आईआईटी खड़गपुर देश में नंबर एक आईआईटी था। IIT खड़गपुर ने 2616 छात्रों को डिग्री दी, जिनमें से 295 डॉक्टरेट और संयुक्त पीएचडी हैं।

5. स्थापना दिवस

आईआईटी खड़गपुर के 68 वें स्थापना दिवस ने यंग एलुमनी अचीव अवार्ड को 12 उत्कृष्ट KGPIans पर सम्मानित किया गया जो पेशेवर, शिक्षाविद, वैज्ञानिक और गुरु के रूप में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले हैं। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स चलाने वाले द चटर्जी ग्रुप (टीसीजे) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ। पूर्णदुचर्जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। तीन छात्र पुरस्कार और आठ स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार निर्देशक द्वारा दिए गए। जिस दिन नीना सक्सेना अवार्ड मिला, उसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में मेडिकल डिवाइस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कंपनी के फाउंडर्स ऑफ पाथसोथ हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने प्रदान किया। संस्थान में 25 साल की सेवा पूरी करने के लिए कई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

धन उगाहने वाले C ampaigns

के नीचे संस्थागत विकास (आईडी) कार्यक्रम लंबे समय में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए बंदोबस्ती और उपहार मोड के माध्यम से कॉर्पस के निर्माण के लिए कई पूर्व छात्रों के धन उगाहने वाले अभियान चलाए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए Rs.8.75 करोड़ को आईडी प्रोग्राम द्वारा चलाई जा रही विभिन्न पहल के तहत उल्लिखित किया गया था।



50 लाख रुपए दान करने वाले किसी भी बैच को 'फाउंडिंग बैच ऑफ एंडोमेंट' के रूप में मान्यता प्राप्त है और नवनिर्मित नालंदा क्लासरूम कॉम्प्लेक्स में एक क्लास रूम का नाम बैच के नाम पर रखा गया है, जिसमें प्रवेश द्वार पर सभी डोनर के नाम लिखे गए हैं। घास-जड़ों अभियान के योगदान का दीर्घकालिक प्रभाव है और साथ ही केजीपी को आने वाले वर्षों के लिए लाभ होता है। बैच बंदोबस्ती घास-मूल और प्रमुख दाताओं दोनों के लिए आदर्श है क्योंकि प्रमुख बरकरार रहेगा और केवल उत्पन्न ब्याज का उपयोग संस्थान की वृद्धि के लिए किया जाएगा।

१ ९९ १ बैच ने months फाउंडिंग बैच ऑफ एंडोमेंट 'बनने के लिए 3 महीने का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 50 लाख जुटाने की अपनी यात्रा पूरी कर ली है और फिर अन्य ग्रेडिंग बैचों ने सफलतापूर्वक धन जुटाया और वे हैं - 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1975, 1975। 1984, 1993, 1994 और 1997। 1962, 1963, 1964, 1965, 1987, 1988, 1989, 1996, 1990 जैसे विभिन्न शैलियों के बैच अगले एक होने की कोशिश कर रहे हैं। २०१ In-१९ में, १ ९ ६ ९ और १ ९९ ४ के बैच को "वार्षिक पूर्व छात्र मिलन" जनवरी २०१ ९ के दौरान नालंदा कॉम्प्लेक्स में संपन्न क्लास रूम मिले।

हॉल गिफ्ट एक और अभियान है जहां पूर्व छात्रों से अपने हॉल के विकास के लिए दान देने की अपील की गई थी। निष्ठा की एक प्रमुख भावना KGP'ians को उनके निवास के हॉल में बांधती है। यह वह जगह है जहां वे दोस्तों के साथ मिलकर अपने सबसे खुशी के पल बिताते हैं। पूर्व छात्र इन स्थानों की देखभाल के लिए लौट रहे हैं क्योंकि वे अपने परिवार के घरों में होंगे। हॉल के नवीकरण के लिए योगदान ने पुनर्निर्माण और नवीकरण ड्राइव में जमीनी स्तर पर भागीदारी को आगे बढ़ाने का रास्ता दिया है। राधा कृष्ण हॉल के लिए दान अभियान ने पटेल और राजेंद्र प्रसाद हॉल के बाद उनके सामूहिक रूप से वापस देने के लिए प्रवृत्ति निर्धारित की। विभिन्न हॉलों से पूर्व छात्रों ने लगभग रु। हॉल विकास गतिविधियों के लिए 50 लाख और पटेल हॉल प्रथम चरण, नेहरू हॉल मॉडल रूम पायलट प्रोजेक्ट के लिए काम पूरा हो गया है, और अन्य काम चल रहे हैं।

आईआईटी खड़गपुर छात्रों को खर्चों के बारे में चिंतित हुए बिना सीखने में मदद कर रहा है, अपने करियर को आकार दे रहा है और फिर **लर्न-अर्न-रिटर्न** के जमीनी अभियान के माध्यम से अपने अल्मा मेटर को वापस दे रहा है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों के लिए एक वित्तीय सहायता प्रणाली बनाना है ताकि वे वापस देने की संस्कृति को आत्मसात कर सकें। पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार के रूप में 4 साल के लिए प्रति माह 10,000 रुपये मिलते हैं। 1 वर्ष के पहले सेमेस्टर के अंत में, जेईई एडवांस्ड रैंक के आधार पर पुरस्कार दिया जाएगा। दूसरे सेमेस्टर के बाद से, पुरस्कार प्राप्त करने वालों को 9 का सीजीपीए बनाए रखना होगा। एलईआर छात्रों को वित्तीय बोझ की चिंता किए बिना अध्ययन करने में मदद करता है। विभिन्न बैचों से तीन सौ पूर्व छात्रों ने लगभग रु। इस पहल के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 तक 59 लाख।

एक नई पहल जो 2018 में विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों और प्रचार के लिए धन जुटाने के लिए शुरू की गई थी। **"एलुमनी डिपार्टमेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम - एडीईपी"** नाम के इस कार्यक्रम का उद्देश्य अपने विभागों के साथ पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ना है। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों और विभाग को सुविधा प्रदान करता है: जैसे - संकाय, विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं, विदेशी और उद्योग सहयोग, पीजी और आरएस प्लेसमेंट, इंटरशिप और लाइव प्रोजेक्ट। संस्थान के इतिहास में पहली बार इस अभियान के तहत पूर्व छात्रों द्वारा योगदान किए गए संसाधनों से पूरी तरह से भूविज्ञान और भूभौतिकी विभाग में एक जियोसाइंस सेमिनार का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी के दौरान भू-वैज्ञानिक पत्रिका - GEOS का एक विशेष खंड लॉन्च किया गया था। इसमें भारत और विदेश दोनों के योगदान के साथ 1956 से 2009 तक IIT खड़गपुर के पूर्व छात्रों के 28 तकनीकी लेख थे।

IIT KGP के स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम को मजबूत करने की पहल में। संस्थान के पूर्व छात्रों ने गतिशील रोगी आवश्यकताओं की सुरक्षा के लिए डिजाइन और अनुकूलित एम्बुलेंस की मदद की है और **KGP को एक एम्बुलेंस भेंट** की है और कल्याण कार्यक्रम के लिए और प्रयास किए हैं। लंबी दूरी की यात्रा के लिए सर्वश्रेष्ठ इन-क्लास आपातकालीन चिकित्सा फिटिंग और प्रभावी वाहन डिजाइन सुनिश्चित करने के लिए कई डॉक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों से परामर्श किया गया। कस्टम फिटिंग तैयार की गई, जैसे चिकित्सा उपकरण, आंतरिक पैनलों को अपग्रेड करना, अग्निरोधक के लिए विद्युत तारों और अग्निरोधी घटकों आदि।

क्लास गिफ्ट IIT KGP में बैक प्रोग्राम देने वाला एक और प्रेरणादायक है, जहाँ एक बैच संस्थान में एक हस्ताक्षर स्थान बनाने के लिए एक विशेष पहल करता है। 1970 का बैच पहला स्नातक वर्ग है जिसने अपने प्रिय संस्थान में स्थायी विरासत कायम की है। टिक्का सर्कल के बगल में एक विशिष्ट रूप से संरचित उद्यान, **ADDA** का प्रतिनिधित्व छात्रों, संकायों और अन्य परिसर के कर्मचारियों के लिए एक खुले हरे भरे स्थान पर चिंतन, मनन और चर्चा करने के लिए किया जाता है। इस तरह की एक और पहल आईआईटी केजीपी यूएस फाउंडेशन के माध्यम से विशेष रूप से अमेरिका के पूर्व छात्रों द्वारा की जाती है और विशिष्ट पूर्व छात्र विनोद गुप्ता द्वारा संचालित की जाती है। यह एक **क्लॉक टॉवर** के परिसर में एक और हस्ताक्षर स्थान जोड़ने के लिए है।

संपन्न चेयर प्रोफेसरशिप भी एक बेहतरीन पहल है, जहाँ पर शानदार पूर्व छात्र योगदान करते हैं। संपन्न प्रोफेसरशिप अकादमिक क्षेत्र में सम्मानित किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है और अनुसंधान और शिक्षण में उनके योगदान की स्वीकार्यता के रूप में सर्वश्रेष्ठ संकाय



सदस्यों के लिए आरक्षित है। संपन्न चेयर विभागों को एक अतिरिक्त प्रतिष्ठा भी प्रदान करता है। इस प्रकार, यह नियुक्ति के नामित धारक के लिए एक सम्मान है और इसे स्थापित करने वाले दाता को एक श्रद्धांजलि भी है। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र विनोद गुप्ता ने "ए। ए। एस। डेविस चेयर", शियन डेयसरकर [डॉ। असोक डेयसरकर के पुत्र, प्रतिष्ठित पूर्व छात्र IIT KGP] ने "प्रो। पीके भट्टाचार्य चेयर" और भी "प्रो। एनके रॉय चेयर।

छात्र छात्रवृत्ति और पुरस्कार भी संस्थान में योगदान करने का एक शानदार तरीका है। यह अक्सर छात्रों को उनके शैक्षणिक कैरियर में विभिन्न बिंदुओं पर एक महत्वपूर्ण धक्का प्रदान करता है, विशेष रूप से उन्हें एक बहुत ही आवश्यक वित्तीय तकिया और समर्थन प्रणाली देते हुए जब वे अपने लक्ष्य का पीछा करते हैं, अपने सपनों को जीते हैं और एक पूरा करियर बनाते हैं। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात, छात्रवृत्ति छात्रों को परोपकार के महत्व या वापस देने के बारे में जागरूक करती है। इस पहल के तहत, **करतुरी चक्रवर्ती** ने अपने पिता की याद में "**श्री करतुरी राममूर्ति एंडोमेंट अवार्ड**" की स्थापना की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग (बीटेक) के **1997 बैच** ने अपने बैच के साथी स्वर्गीय रितेश रंजन की याद में **रितेश रंजन मेमोरियल छात्रवृत्ति** शुरू की। प्रोफेसर और एलुमनाई पर जाने वाली संस्था, अमिता सिन्हा और उनके बैच के साथियों ने अपने दोस्त और साथी बैच के साथी स्वर्गीय प्रकाशम गुप्ता की याद में "**प्रकाशम गुप्ता बेस्ट थीसिस अवार्ड**" की स्थापना की।

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पार्थ घोष ने संस्थान द्वारा शुरू की गई एक अग्रणी परियोजना के लिए योगदान दिया - **पार्थ घोष लीडरशिप एकेडमी** (1 मिलियन यूएसडी के एंडोमेंट फंड के साथ)। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र अर्जुन मल्होत्रा **सेंटर फॉर क्लासिकल आर्ट्स के लिए** अभियान चला रहे हैं और उन्होंने योगदान दिया है और साथ ही, इस केंद्र की ओर योगदान करने के लिए पूर्व छात्रों के लिए एक जमीनी स्तर पर अभियान शुरू किया गया है।

आईआईटी केजीपी के अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र में, वरिष्ठ वर्ग उच्च शिक्षा के किसी अन्य संस्थान में आमतौर पर नहीं देखी गई भूमिका निभाते हैं। "**माई इम्प्रिंट**" पहल वास्तव में "स्टूडेंट्स द्वारा, स्टूडेंट्स के लिए" एक ऐसी पहल है, जिसमें स्नातक बैचों को संस्थान के कल्याण के लिए अपनी सावधानीपूर्वक धन जमा करने में योगदान करने का मौका दिया जाता है। इस प्रकार स्नातक करने वाले छात्रों को उनके अल्मा मेटर में योगदान की शुरुआत मिलती है, जिस क्षण वे आईआईटी केजीपी के पूर्व छात्र के रूप में दुनिया में कदम रखते हैं। 300+ स्नातक छात्रों ने माई इम्प्रिंट अभियान के तहत अपनी सावधानी के पैसे दान किए, जो कि रु के करीब था। कैंपस में बस स्टैंड बनाने के लिए 18 लाख।

आईआईटी खड़गपुर अपने नए लॉन्च किए गए **कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी** प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को अपने कई शोध परिणामों के लाभों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक मिशन पर है। सीएसआर, संस्थान कॉरपोरेट घरानों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है ताकि लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद मिल सके। संस्थान ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और टॉवर रिसर्च कैपिटल से आईडीपी के माध्यम से सीएसआर फंडिंग प्राप्त की। एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, भारत के एक प्रमुख निजी बैंक ने सतत विकास, सामुदायिक सशक्तिकरण और स्वच्छ / नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आईआईटी केजीपी में स्टार्ट-अप और ऊष्मायन का समर्थन करने के लिए ६५ लाख रुपये का फंड स्थापित किया है। जबकि प्रसिद्ध वित्तीय सेवा फर्म, टॉवर रिसर्च कैपिटल, ने दो साल के आठ छात्रों के लिए "टीआरसीआई मेधावी छात्रवृत्ति" के लिए दो साल में ६५ लाख रुपए का फंड स्थापित किया है।



बी सी रॉय प्रौद्योगिकी अस्पताल

प्रभारी प्राध्यापक प्रो.राजीव मल

संस्थान परिसर में रणनीतिक रूप से स्थित बीसी रॉय प्रौद्योगिकी अस्पताल के माध्यम से परिसर समुदाय को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है। बीसी रॉय अस्पताल में मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन और सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान की गतिविधियों में स्वास्थ्य देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनरल ओपीडी सेवा के अलावा, विभिन्न चिकित्सा सलाहकारों द्वारा जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, चैस्ट, स्किन, साइकियाट्री, जनरल सर्जरी, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, आई, ईएनटी और डेंटल में विशेष क्लीनिक प्रदान किए जाते हैं। आईसीयू और एक अलग आइसोलेशन वार्ड छात्रों और संस्थान के लाभार्थियों द्वारा पूरी तरह से उपयोग किया जाता है। फिजियोथेरेपी भी दी जाती है।

नियमित रूप से चिकित्सा अधिकारियों और चिकित्सा परिचारकों द्वारा संचालित राउंड-द-क्लॉक आपातकालीन और 24x7 फार्मसी विषम घंटे की आपात स्थिति को पूरा करता है। आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को जरूरत के अनुसार उच्च केंद्रों तक लाने या ले जाने के लिए महत्वपूर्ण देखभाल एम्बुलेंस सहायता प्रदान की जाती है। अस्पताल इन एम्बुलेंस की खरीद में पूर्व छात्रों से उदार योगदान को स्वीकार करने में प्रसन्न है। संस्थान के माध्यम से चिकित्सा बीमा कवरेज छात्रों के लिए उपलब्ध है।

ओपीडी सेवाएं सप्ताह में 6 दिन (रविवार और संस्थान की छुट्टियां बंद होने के दिन) प्रदान की जाती हैं। नैदानिक सेवाएं ओपीडी के समानांतर प्रदान की जाती हैं और ऑन-कॉल आधार पर लगातार आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। सभी संकायों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, हॉल कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के साथ IIT का पूरा छात्र समुदाय BCRTH से चिकित्सा उपचार प्राप्त करने वाले लाभार्थी हैं। इसके अलावा, बीसीआरटीएच में उपचार के बिना किसी भी मरीज को किसी भी आपात स्थिति के लिए मना नहीं किया जाता है और प्राथमिक तौर पर ईआर, बीसीआरटीएच में इलाज किया जाता है।

वर्तमान में परिसर के अंदर दो चिकित्सा दुकानें हैं जो रोगी को हकदार करने के लिए सेवा प्रदान करती हैं, एक अस्पताल परिसर के अंदर है, जो 365 दिनों के लिए 24 x 7 खुला रहता है।

सहकारी चिकित्सा स्टोर टेक मार्केट परिसर में स्थित है जो दिन के विशेष समय पर खुला रहता है। लाभार्थियों को इस 2 आउट लेट से, मुफ्त में अनुमोदित दवाएं प्रदान की जाती हैं।

छात्रों और समुदाय के अन्य सदस्यों के लिए व्यवस्था अनिवार्य रूप से समान है। एकमात्र अंतर यह है कि छात्रों और कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए इनडोर में अलग-अलग वार्ड हैं। लाभार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएं व्यावहारिक रूप से समान हैं, भले ही वे छात्र या कर्मचारी हों। अलगाव वार्ड हालांकि, संक्रामक रोगों के लिए आरक्षित है, आमतौर पर छात्रों के लिए आरक्षित है, हालांकि कभी-कभी, वास्तविक जरूरत के मामले में, एक कर्मचारी को भर्ती किया जा सकता है।

BCRTH उन सभी प्रकार के मामलों का इलाज करता है जिन्हें इसके दायरे में लाया जाता है। रेफरल की आवश्यकता वाले अधिकांश मामले किसी भी प्रकार के सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले मामले हैं, जो वर्तमान में BCRTH में नहीं किए जा सकते हैं। कुछ मेडिकल मामलों में रेफरल की आवश्यकता होती है, जो अत्यधिक जीवन के लिए खतरे की सूचना देते हैं या ऐसे मामलों में हस्तक्षेप के उच्च तरीकों की आवश्यकता होती है जो वर्तमान में BCRTH में अनुपलब्ध हैं।

चिकित्सा आपातकालीन रोगियों के मामलों में आमतौर पर कोलकाता के अस्पतालों को संदर्भित किया जाता है, जिनके साथ संस्थान का टाई अप होता है। रोगी एन मार्ग की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए उस रोगी के साथ प्रशिक्षित चिकित्सा सहायक को भेजा जाता है।

वर्तमान में BCRTH में 12 मेडिकल ऑफिसर, 29 विजिटिंग कंसल्टेंट, 10 ऑपरेटिव नर्स, 8 ATNM के साथ-साथ क्लेरिकल स्टाफ और अटेंडेंट (रेगुलर और आउटसोर्स) हैं।

अस्पताल का कुल मैन पावर :

- 1) आउट सोर्स मोड: 38
- 2) स्थायी जूनियर अटेंडेंट / अटेंडेंट: 13



3) मंत्रालयिक कर्मचारी: 3 4) पैथोलॉजी: 5 + 1

5) रेडियोलॉजी: 2 + 1

एमएमएसटी छात्र समय: शाम 6.30 बजे से 10.30 बजे तक कुल संख्या 10

ओपीडी टाइमिंग : सुबह 9 से दोपहर 12.30 और शाम 4.30 से 8 बजे

रोगी वाहन

संस्थान में पांच संख्या में एम्बुलेंस (4 संस्थान और 1 आउटसोर्स) हैं। संस्थान एम्बुलेंस PIC ऑटोमोबाइल सेक्शन के अंतर्गत हैं। ड्राइवर भी ऑटोमोबाइल सेक्शन के अंतर्गत हैं।

वर्तमान में हमारे पास 5 एम्बुलेंस (ए) क्रिटिकल केयर 2 नग हैं। एक एलुमनाई द्वारा दान किया जा रहा है (ख) आउटसोर्स एम्बुलेंस (सी) **सीसीयू एम्बुलेंस स्थानीय (डी)** के लिए टाटा सूमो जो खड़गपुर में और उसके आसपास परिसर के लिए उपयोग किया जाता है।

ऑपरेशन कक्ष

- | | | |
|--------------------|--------------------------|----------------------------|
| 1. ओटी टेबल | 2. ओटी लाइट | 3. एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन |
| 4. डायथर्मी कैटररी | 5. एचपी स्टीम स्टेरलाइजर | 6. सक्शन मशीन |

आईसीयू

- | | | |
|---------------------|--------------------------------|-------------------|
| 1. मल्टीपारा मॉनिटर | 2. ईसीजी मशीन का कम्प्यूटरीकरण | 3. पंखा |
| 4. डेफीब्रिलेटर | 5. सिरिज पंप | 6. दुर्घटना गाड़ी |
| 7. अंबू बैग | 8. सक्शन मशीन | |

आपातकालीन

- | | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|
| 1. मल्टीपारा मॉनिटर | 2. पल्स ऑक्सीमीटर | 3. दुर्घटना गाड़ी |
| 4. एम्बू बैग | 5. सक्शन मशीन | |

विकृति विज्ञान

- | | | |
|--|-----------------------|---------------------------|
| 1. पूरी तरह से स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक | 2. सेल काउंटर (3 भाग) | 3. इलेक्ट्रो माइक्रोस्कोप |
| 4. पटलीय प्रवाह | 5. अपकेंद्रित्र मशीन | 6. अण्डे सेने की मशीन |

रेडियोलोजी:

- | | | |
|---|-------------------------|---------------|
| 1. एक्स-रे मशीन (500mA) | 2. CRU (डिजिटल एक्स-रे) | 3. ईसीजी मशीन |
| 4. USG मशीन (तकनीकी कारण से संचालित नहीं हो रही है) | | |

नेत्र विज्ञान

- | | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| 1. रिफ्रेक्टोमीटर | 2. भट्टा दीपक | 3. नेत्रदर्शक |
|-------------------|---------------|---------------|

फिजियोथेरेपी

- | | | |
|---------------------|---|-----------------------------|
| 1. स्पंदित SWD मशीन | 2. IFT मशीन | 3. UST मशीन |
| 4. लाल इंफ्रा लैंप | 5. टखने का व्यायाम करने वाला / घुटने का व्यायाम करने वाला | 6. कंधे का व्यायाम करनेवाला |
| 7. मोम स्नान | 8. संकर्षण | |



वृत्ति विकास केंद्र

अध्यक्ष : प्रो. जी.पी. राजा शेखर

वृत्ति विकास केंद्र (सीडीसी) बीटेक की तीसरी साल, दोहरी डिग्री और एकीकृत एमएससी डिग्री के चौथे साल के छात्रों को उनके पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। सीडीसी ने पीएचडी छात्रों सहित संस्थान से स्नातक होने वाले अंतिम वर्ष के छात्रों के नौकरी की नियुक्ति में सहयोग किया है। केंद्र सक्रिय रूप से संस्थान और विभिन्न उद्योगों के बीच तालमेल संबंधों को बनाने में लगा हुआ है। इन इंटरैक्शन के आधार पर, सीडीसी शैक्षणिक कार्यक्रमों पर संस्थान को सह संबंध देता है।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण विवरण

तीसरी साल बीटेक, चौथी वर्ष दोहरी डिग्री और चौथी साल एकीकृत एमएससी के अंत में गर्मियों में इंटरशिप के आठ सप्ताह डिग्री आईआईटी खड़गपुर में पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसमें 2 क्रेडिट हैं। आईआईटी खड़गपुर के विभागों / स्कूलों / केंद्रों के सहयोग से कैरियर डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से समर इंटरशिप के लिए संबंधित छात्रों को भारत और विदेशों में सर्वश्रेष्ठ संगठनों में रखने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं। एक आकस्मिक प्रवृत्ति यह है कि अधिक से अधिक छात्र विदेशों में ग्रीष्मकालीन इंटरशिप की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों के कारण अवसरों का उपयोग करते हैं जिनके साथ IIT खड़गपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें एसएन बोस स्कॉलर का कार्यक्रम, विटबी-इंडिया कार्यक्रम, विद्वानों के लिए खुराना कार्यक्रम, डीएएडी छात्रवृत्ति कार्यक्रम, एमआईटीएसीएस, एनटीयू-सिंगापुर शामिल हैं।

मई-जुलाई 2019 के दौरान हमारे छात्रों की वर्तमान ग्रीष्मकालीन इंटरशिप के लिए, 93 कंपनियों ने परिसर का दौरा किया या टेलीफोनिक, स्काइप साक्षात्कारों के माध्यम से साक्षात्कार आयोजित किए और कंपनियों ने नामांकन की मांग के बाद सीटों का आवंटन किया। इंटरशिप का विवरण इस प्रकार है।

इंटरशिप की अवधि	इंटरशिप के लिए छात्रों की संख्या	भारत में इंटरशिप में भाग लेने वाले			विदेशी Univ./rg पर इंटरशिप।
		विभिन्न कंपनियों द्वारा चयनित	कंपनियों द्वारा स्वीकार किए गए नामांकन	स्व की व्यवस्था	
मई-जुलाई 2018	1232	461	26	644	101

प्लेसमेंट का विवरण

प्लेसमेंट वर्ष 2018-19 में 230 से अधिक कंपनियों ने परिसर का दौरा किया और रोजगार की पेशकश की। उन छात्रों की संख्या का विवरण जिन्होंने प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराया था और जिन्हें वास्तव में कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से रखा गया था, इस प्रकार है:

क्र.संख्या	विभाग	दर्ज कराई	रखा हे	प्रतिशत (%)
1	बी.आर्क	34	31	91
2	बीटेक	463	397	86
3	दोहरी डिग्री	457	432	95
4	एमएससी (5 वर्ष एकीकृत)	139	119	86
5	एलएलबी	17	14	82
6	संयुक्त M.Tech-PhD (2yr)	523	287	55
7	संयुक्त एम.एससी-पीएचडी	89	7	8
8	एमसीपी	21	1	5
9	एमएस	6	6	100 *
10	पीएचडी	23	23	100 *
	संपूर्ण	1772	1317	74



(* एसएल के लिए नहीं: 9 और 10 केवल रखे गए छात्रों को पंजीकृत के रूप में दिखाया गया है)

इस वर्ष संस्थान के छात्र 261 पीपीओ लाने में सक्षम हुए हैं, जिनमें से 213 पीपीओ स्वीकार किए गए हैं। सभी शाखाओं में कुल प्लेसमेंट प्रतिशत 74% है।

छात्र की भागीदारी

आईआईटी खड़गपुर में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर ने 2005-2016 से प्लेसमेंट सीजन के दौरान एक औपचारिक प्रणाली के माध्यम से छात्रों के प्रबंधन कौशल का दोहन करने के लिए एक पहल की है। इस प्रणाली में बहुत अच्छी प्रगति हुई है और वर्ष 2010 से, सीडीसी को प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेने वाले छात्रों से अत्यधिक लाभ हुआ है। सीडीसी छात्रों को प्लेसमेंट सीजन के लिए तैयार करने के लिए इन-हाउस प्री-असेसमेंट टेस्ट भी आयोजित करता है। इस टेस्ट स्कोर का उपयोग कुछ रिक्रूटर्स द्वारा उनके लघु लिस्टिंग मानदंडों में से एक के रूप में भी किया जाता है।

छात्रों के संगठनात्मक कौशल ने सीडीसी को शुरुआती दिनों के दौरान परिसर में 30-35 कंपनियों की मेजबानी करने और चौबीसों घंटे मदद करने में मदद की है। प्लेसमेंट सीजन के दौरान, छात्र और सीडीसी कर्मचारी संस्थान के सभी प्रभागों से एक निकट समन्वय के साथ पूर्ण लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करके कंपनियों से कैम्पस में अंतिम चयन तक संपर्क करने में एक सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

नई पहल

मौजूदा भूमिकाओं के अलावा, आईआईटी खड़गपुर में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर ने छात्रों को बेहतर करियर बनाने और रिक्रूटर्स के साथ रिश्ते को मजबूत करने में मदद करने के लिए कुछ पहल की हैं। ये हैं

1. विभिन्न कैरियर विकल्पों पर संकाय / कॉर्पोरेट और पूर्व छात्रों की बातचीत
2. CDC ने कॉर्पोरेट रिलेशनशिप इंडेक्स (CRI) की शुरुआत की है, जो कि कुछ मापदंडों के आधार पर एक कंपनी के साथ CDC के संबंध को दर्शाता है, जैसे इंटरशिप, PPOs, ऑफर के दौरान ऑफर, इंटरनेशनल ऑफर आदि जैसे बेहतर स्लॉट प्रदान करने के लिए।
3. इस वर्ष से सीडीसी ने एम.टेक डेस्क की स्थापना की है जो विशेष रूप से पीजी प्लेसमेंट इंडेक्स को बढ़ाने के लिए काम करेगा।

उपलब्धियाँ

1. पिछले तीन वर्षों से लगातार 1300 से अधिक प्लेसमेंट हासिल किए।
2. पिछले साल की तुलना में इंटरशिप ऑफर की संख्या को पार कर लिया है।
3. पिछले वर्ष की तुलना में पूर्व प्लेसमेंट प्रस्तावों की संख्या को पार कर गया।
4. प्लेसमेंट सीजन के दिन 6 में 1000 ऑफर सबसे तेज 1000 बनाते हैं।



केंद्रीय पुस्तकालय

अध्यक्ष : प्रो.सुनील कुमार श्रीवास्तव

केंद्रीय पुस्तकालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर एशिया के सबसे बड़े पुस्तकालय में से एक है। यह पूरी तरह से स्वचालित और वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसका उद्देश्य 12,000 से अधिक छात्रों और संस्थान के 1600 कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करना है। पुस्तकालय में अपनी डायनामिक वेबसाइट (<http://www.library.iitkgp.ac.in>) सामग्री से भरपूर है। केन्द्रीय पुस्तकालय में लगभग 8000 वर्ग मीटर के कारपेट एरिया के साथ दो बिल्डिंग (मुख्य और एनेक्स) आंतरिक रूप से जुड़ी हुई हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों और बाउंड वॉल्यूम पत्रिकाओं के प्रिंट दस्तावेजीकरण के लगभग 4.2 लाख कोष्ठक हैं। जहां तक ई-संसाधनों का संबंध है, ई-संसाधनों का विशाल संग्रह है, जहां तक सुविधाओं का संबंध है, जिसमें पूर्ण पाठ ई-पत्रिकाएं, ई-पुस्तकें, ऑनलाइन डेटाबेस (पूर्ण पाठ और ग्रंथ सूची) आदि शामिल हैं, केन्द्रीय पुस्तकालय में है। उपयोगकर्ताओं के लिए 1500 बैठने की क्षमता वाले दस वातानुकूलित रीडिंग हॉल। इसके अलावा, केंद्रीय पुस्तकालय आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित पुस्तकालय है।

शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द

अध्यक्ष

प्रो. एस.के. श्रीवास्तव पीएच डी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर), रसायन विज्ञान विभाग

पुस्तकालय अध्यक्ष

बबलू सुत्रधार पीएचडी (वीयू), एमएससी, एमएलआईएस, सीसीए

उपपुस्तकालय अध्यक्ष

समीर कुमार जलाल पीएचडी (बीयू), एम फिल, एमए (अर्थ), एडीआईएस (आईएसआई)

श्री अतीन नंदी, एमएलआईएस, एमएससी

सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष

श्री उमा शंकर, एमएलआईएस, एमए

श्री शरतगुहा रॉय एमएलआईएस, एमसीए, पीजीडीएलआईएम

श्री एम. मणिवन्नन एमएलआईएस, एमसीए

श्री हेमंत कृ बिस्वाल एम। फिल, एमएलआईएस

डॉ. तापस कुमार घोष पीएचडी (एसयू), एमएलआईएस, एमए

सेवानिवृत्ति

श्री एके गोस्वामी: सहायक लाइब्रेरियन

प्रिंट संग्रह: 2018-2019 के दौरान जोड़ा गया

पुस्तकें		जर्नल्स प्रिंट	पीएचडी थीस
सामान्य	पाठ्य पुस्तकें		
1690	1048	57	315

आईआईटी खड़गपुर द्वारा सदस्यता लिए गए ई-संसाधनों की सूची

क्र.संख्या	ई-डेटाबेस का नाम	प्रकाशक	टाइप / नहीं। ई-जर्नल्स का
1.	संचार और मास मीडिया पूरा	ईबीएससीओ प्रकाशन	1029 जर्नल
2.	मनोविज्ञान आलेख	अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संगठन	110 जर्नल
3.	हेन ऑनलाइन	विलियम एस हेन एंड कंपनी	2376 जर्नल
4.	विज्ञान प्रत्यक्ष	एलजिवियर	2738 जर्नल
5.	बिजनेस सोर्स पूरा	ईबीएससीओ प्रकाशन	3704 जर्नल



6.	जियोसाइंसवेयर और जियो रेफ डेटाबेस	जियो साइंस वर्ल्ड	46 जर्नल
7.	आईईईई इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय (IEL) ऑनलाइन	आईईईई	479 पत्रिकाएँ
8.	Proquest-ABI / सूचना पूर्ण	ProQuest	5440 जर्नल
9.	मैगिलन साहित्य प्लस	ईबीएससीओ प्रकाशन	साहित्यिक डेटाबेस
10.	मनुपात्रा ऑनलाइन	मैन्यूपत्र	ऑनलाइन डेटाबेस
11.	ब्लूमबर्ग व्यावसायिक सेवाएँ	मेसर्स ब्लूमबर्ग डेटा सर्विसेज	ऑनलाइन डेटाबेस
12.	CapEX (IP)	सीएमआईई	ऑनलाइन डेटाबेस
13.	आर्थिक आउटलुक (आईपी)	सीएमआईई	ऑनलाइन डेटाबेस
14.	Indiastat.com	दानेत इंडिया, नई दिल्ली	ऑनलाइन डेटाबेस
15.	उद्योग आउटलुक (आईपी)	सीएमआईई	ऑनलाइन डेटाबेस
16.	पीडीएफ -4 + 2018 (सीडी संस्करण) और आस्तीन + 2017	ICDD	ऑनलाइन डेटाबेस
17.	पियर्सन का क्रिस्टल डेटा	एसएम इंटरनेशनल	ऑनलाइन डेटाबेस
18.	प्रूव (LAN से IP)	सीएमआईई	ऑनलाइन डेटाबेस
19.	Sci Finder स्कॉलर	अमेरिकन केमिकल सोसायटी	ऑनलाइन डेटाबेस
20.	स्कोपस	एल्सेवियर साइंस	ऑनलाइन डेटाबेस
21.	वेस्टलाव इंडिया	थॉमसन रॉयटर्स	ऑनलाइन डेटाबेस
22.	विश्व बौद्धिक संपदा खोज (WIPS)	WIPS कंपनी लिमिटेड	ऑनलाइन डेटाबेस
23.	आईईसी पूरा सेट	इंटरनेशनल इलेक्ट्रोटेक्नीकल कमीशन	ऑनलाइन मानक
24.	पूरा सेट (ऑनलाइन) है	बीएसआई	ऑनलाइन मानक
25.	एसएई स्टैंडर्ड (ग्राउंड व्हीकल)	SAE इंटरनेशनल	ऑनलाइन मानक
26.	व्याकरण @ edu लेखन समर्थन सूट (250 उपयोगकर्ताओं)	Grammarly@ edu	सॉफ्टवेयर
27.	टर्मिनि 2 - - एंटी प्लाजिरिज्म वेब टूल	iParadigms, LLC	सॉफ्टवेयर
28.	ProQuest शोध प्रबंध और शोध	ProQuest	शोध करे

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर द्वारा प्रमुख ई-संसाधनों की सूची सदस्यता ली गई

एस.एन.	ई-संसाधन का नाम	प्रकाशक	ई-जर्नल्स की संख्या
1.	ACS- सभी प्रकाशन पैकेज (पुरालेख सहित)	अमेरिकन केमिकल सोसायटी	52
2.	एसएम पैकेज	अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी	11
3.	AMS पैकेज	अमेरिकन गणितीय सोसायटी	15
4.	ASME मानक (पूरा सेट)	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स	ऑनलाइन मानक
5.	एसटीएम मानक + इंजीनियरिंग डिजिटल पुस्तकालय	परीक्षण और सामग्री की अमेरिकी सोसायटी	ऑनलाइन मानक
6.	कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस	कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस	13
7.	ग्लोब ऑनलाइन पत्रिकाओं	ग्लोब पब्लिकेशन	32
8.	टेलर एंड फ्रांसिस कोर जर्नल्स	टेलर और फ्रांसिस	47
9.	टेलर एंड फ्रांसिस एस एंड टी कलेक्शन	टेलर और फ्रांसिस	448
10.	टेलर और फ्रांसिस SSH संग्रह	टेलर और फ्रांसिस	1280
11.	पन्ना ईएसएस संग्रह	पन्ना प्रकाशन	310



12.	IOP पत्रिकाओं	भौतिकी का संस्थान	75
13.	OnePetro पत्रिकाओं	पेट्रोलियम इंजीनियर्स का समाज	34
14.	ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका (प्रकाशिकी जानकारीबेस)	ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका	18
15.	PNAS	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	1
16.	RSC गोल्ड पैकेज	रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री	51
17.	SAE पत्रिकाओं + संग्रह	SAE इंटरनेशनल	13
18.	ऋषि (HSS)	साधु प्रकाशन	629
19.	ऋषि (ईएमएस)	साधु प्रकाशन	78
20.	विज्ञान ऑनलाइन (AAAS)	विज्ञान की प्रगति के लिए अमेरिकन एसोसिएशन	1
21.	सियाम - ईएसएस संग्रह	औद्योगिक और अनुप्रयुक्त गणित के लिए समाज	17
22.	SPIE डिजिटल पुस्तकालय	फोटोग्राफिक इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर्स का समाज	1 1
23.	कुल आईटी समाधान (ऑनलाइन पत्रिकाओं)	कुल आईटी समाधान	28
24.	विली पत्रिकाओं	विले	कस्टम- 223 और कोर- 75

ईएसएस कंसोर्टियम से उपलब्ध ई-संसाधनों की सूची

क्र.संख्या	ई-डेटाबेस का नाम	प्रकाशक	ई-जर्नल्स की संख्या
1	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स - ईएसएस संग्रह	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स	19
2	MathSciNet	अमेरिकन गणितीय सोसायटी	डेटाबेस
3	अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी - ईएसएस संग्रह	अमेरिकन फिजिकल सोसायटी	13
4	एससीई पत्रिकाओं ऑनलाइन	अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स	36
5	ASME पत्रिकाओं ऑनलाइन	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स	29
6	वार्षिक समीक्षा - ईएसएस संग्रह	वार्षिक समीक्षा इंक	43
7	एसीएम डिजिटल पुस्तकालय	संगणक तंत्र संस्था	1,143
8	औद्योगिक विकास संस्थान (ISID) डेटाबेस में अध्ययन के लिए संस्थान	आईएसआईडी	डेटाबेस
9	JGate प्लस (JCCC)	इंफॉर्मेटिक्स इंडिया लि।	ग्रंथ सूची डेटाबेस
10	परियोजना के संग्रहालय	जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस	676
1 1	JSTOR पूर्ण-पाठ	JSTOR	3,165
12	आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक	समीक्स ट्रस्ट	1
13	स्प्रिंगरलिंग 1700 संग्रह + प्रकृति पत्रिका	कॉपल	1,701
14	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ईएसएस संग्रह	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	262
15	वेब ऑफ साइंस	थॉमसन रॉयटर्स	ग्रंथ सूची डेटाबेस



प्रिंट जर्नल्स सदस्यता: 57

ई-पुस्तकें डेटाबेस

- 2019 तक स्प्रिंगर लिंक ई-पुस्तकें
- टेलर और फ्रांसिस ई-पुस्तकें (2004-2019)
- विली ई-पुस्तकें 2016-2018

ग्रंथ सूची संबंधी डेटाबेस

1. MathSciNet
2. SciFinder विद्वान
3. स्कोपस
4. वेब ऑफ साइंस

वित्तीय डेटाबेस

1. ब्लूमबर्ग डेटाबेस - एक्सेसिबल ऑनलाइन
2. IndiaStat
3. CMIE का डेटाबेस (Capex, आर्थिक आउटलुक, उद्योग आउटलुक, प्रूव)

कानून डेटाबेस

हेन ऑनलाइन

1. मनुपात्रा ऑनलाइन कानूनी डेटाबेस
2. सुप्रीम कोर्ट केस ऑनलाइन
3. वेस्टलाव इंडिया
4. WIPS - विश्वव्यापी बौद्धिक संपदा खोज

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सदस्यता मानकों की सूची

निष्क्रिय प्रॉक्सी के बाद लैन के भीतर पुस्तकालय वेबसाइटों के लिंक के माध्यम से निम्नलिखित मानकों तक पहुंचा जा सकता है:

1. ASME मानक
2. बीएसआई मानक
3. आईईसी मानक
4. एएसटीएम मानक
5. आईएसओ मानक
6. SAE मानक (ग्राउंड व्हीकल)

शोध और शोध प्रबंध

- प्रोक्वेस्ट के शोध और शोध प्रबंध

डेटाबेस और सॉफ्टवेयर

व्याकरणिक रूप से @.edu लेखन समर्थन सूट

1. ICDD की पीडीएफ -4 + 2016
2. Turnitin2 - एंटी प्लाजिजिज्म सॉफ्टवेयर
3. पियर्सन का क्रिस्टल डेटा

एनडीएलआई ई-संसाधन

- विश्व ई-बुक पुस्तकालय (सितम्बर वर्ष 2016 अगस्त 2017 तक)



- साउथ एशियन आर्काइव (SAA) (सदा)

डिजिटल पुस्तकालय

निम्नलिखित अनुभाग अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के लिए उपयोगकर्ताओं को डिजिटल पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

- दस्तावेज वितरण सेवा की कुल संख्या : 197 में से 75
- पुस्तक की कुल संख्या सीडी: 25
- टर्निंगटिन एंटी प्लेगिज्म जाँच सेवा की कुल संख्या
 - स्टूडेंट आईडी : 2756
 - प्रशिक्षक आईडी : 36
 - रिपोर्ट दी गई : 85
- ICDD की पीडीएफ -4 + (ऑफलाइन) की कुल संख्या: 271
- कुल पीएच.डी. थाइज डिजिटल: 562
- कृपया ई-बुक रीडर : 68
- ऑडियो विजुअल लाउंज: 38
- उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली व्याकरणिक सेवा : 498

संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (आईडीआर)

- केन्द्रीय पुस्तकालय ने एक इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी (IDR) विकसित किया है, जो ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर अर्थात् DSpace का उपयोग करता है। आईडीआर खड़गपुर अनुसंधान समुदाय के भीतर अनुसंधान आउटपुट (पीएचडी शोध, तकनीकी रिपोर्ट, संकाय प्रकाशन आदि) के डिजिटल प्रारूप में आईडीआर एकत्र, संरक्षित और प्रसारित करता है। यह संस्थान समुदाय को वेब इंटरफेस का उपयोग करके अपने पूर्व-प्रिंट, पोस्ट प्रिंट और अन्य विद्वानों के प्रकाशनों को (स्वयं संग्रह) करने में सक्षम बनाता है और इन प्रकाशनों को आसान पुनर्प्राप्ति के लिए व्यवस्थित करता है। हम अपने IDR में अपलोड किए गए पूर्ण पाठ और सार दोनों स्तर पर 4010 पीएचडी थीसिस कर रहे हैं जो दिन-प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। संस्थान के शोध विद्वान भी नियमित रूप से आईडीआर का उपयोग कर रहे हैं। पुस्तकालय को पीएचडी थीसिस की पूर्ण पाठ सामग्री तक पहुंच प्रदान करने के लिए अन्य विश्वविद्यालयों से भी कई अनुरोध मिलते हैं। IDR का वर्तमान URL <http://www.idr.iitkgp.ac.in/xmlui/> है
- वेब स्केल डिस्कवरी सेवा: इसे हमारी पुस्तकालय में पेश किया जा रहा है, जहां उपयोगकर्ता ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर VUFind का उपयोग करके पूर्ण पाठ सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को खोज और ब्राउज़ कर सकते हैं, जो ProQuest से Summon Solution के साथ एकीकृत है।
- eSearch पोर्टल लिंक : <http://www.library.iitkgp.ac.in/pages/eSearch2.1/>
- VuFind eBook Search : <http://www.library.iitkgp.ac.in/vufind>

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए बनाई गई सुविधाएं

- पुस्तकालय सुविधाएं- सेमेस्टर परीक्षा के दौरान 24 x7: केन्द्रीय पुस्तकालय ने स्नातक छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान 15 दिनों के लिए 24 x 7 घंटे पढ़ने के कमरे की सुविधा की शुरुआत की।
- डेबिट कार्ड के माध्यम से पुस्तकालय लायब्रेरी का भुगतान करें: पुस्तकालय उपयोगकर्ता डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अपने पुस्तकालय जर्नल, फोटोकॉपी, मुद्रण और स्कैनिंग के लिए भुगतान कर सकते हैं।
- वेब स्केल डिस्कवरी सेवा: इसे हमारी पुस्तकालय में पेश किया जा रहा है, जहां उपयोगकर्ता ई-खोज पोर्टल के माध्यम से ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर Vufind का उपयोग करके पूर्ण पाठ सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को खोज और ब्राउज़ कर सकते हैं: <http://library.iitkgp.ernet.in-sites/eSearch/index.html>
- आईडीआर सेवा और सीसीटीवी सेवा भी उपयोगकर्ता को प्रदान की जाती है

केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सूची



आईआईटी खड़गपुर के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 4 अक्टूबर, 2018 को "भारतीय उद्घरण सूचकांक और भारतीय पत्रिकाओं पर प्रदर्शन" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

- "पुस्तकालय प्रबंधन के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (OSSLM) " पर अंतर्राष्ट्रीय लघु अवधि पाठ्यक्रम "दिनांक 7-12 मई 2018 प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों से कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDL)

MHRD ने अपने NMEICT मिशन के तहत, IIT खड़गपुर को राष्ट्रीय संपत्ति निर्माण के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDL) की मेजबानी, समन्वय और स्थापना करने का काम सौंपा है। परियोजना का उद्देश्य राष्ट्र के शैक्षणिक संस्थानों में सभी मौजूदा डिजिटलीकृत और डिजिटल सामग्री को एकीकृत करना है, जो हमारे काउंटी के प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के उपयोगकर्ताओं के विभिन्न समूहों को ई-लर्निंग सुविधा के साथ एकल-खिड़की की सुविधा प्रदान करता है। NDL विश्वविद्यालयों और संस्थानों के सभी संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (IDR), अन्य सभी डिजिटल पुस्तकालय पहलों और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय सर्वर में NMEICT परियोजनाओं और अनुक्रमिका से मेटाडेटा और सामग्री की कटाई करेगा ताकि सभी ई-सामग्री को खोजा जा सके और उन तक पहुंचा जा सके। उपयोगकर्ताओं द्वारा एक ही विंडो के माध्यम से पूर्ण-पाठ। NDL प्रोजेक्ट वर्कस्टेशन केंद्रीय पुस्तकालय, एनेक्स बिल्डिंग में स्थित है। विवरण के लिए, NDL वेबसाइट: ndl.iitkgp.ac.in पर जाएं

प्रकाशन

1. जलाल , एस। के। (2019)। आईआईटी वेबसाइटों के वेब लिंक विश्लेषण की खोज। पुस्तकालय और सूचना Tec के DESIDOC जर्नल
2. ह्योलोजी, 39 (1), पी. 3-9। ISSN: 09740643
3. जलाल , एस। के। (2018)। 2001-2016 के दौरान भारत में नैनो विज्ञान अनुसंधान का दृश्य पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, वॉल्यूम के आरबीयू पत्रिकाओं। 20 ISSN: 0972-2750
4. मणिवन्नन , एम एंड सूत्रधार , बी (2018)। "डिजिटल रूपांतरण और पुराने पीएचडी का संरक्षण। Theses: ए स्टडी एट केंद्रीय पुस्तकालय, IIT खड़गपुर"। 11 वीं कन्वेंशन प्लानर 2018, इनफ्लिबनेट सेंटर एंड त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, अगरतला, त्रिपुरा , 15-17 नवंबर, 2018।
5. मणिवन्नन , एम एंड सूत्रधार , बी (2018)। "दस्तावेज वितरण सेवा: केंद्रीय पुस्तकालय, आईआईटी खड़गपुर में एक ऑनलाइन सेवा"। प्लानर -2008 में अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, I-KOAL-2018, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 26-27 नवंबर, 2018।
6. मणिवन्नन , एम एंड सूत्रधार , बी (2018)। " विभिन्न स्टैंडअलोन डिजिटल स्टोरेज माध्यम से ऑनलाइन सामग्री वितरण: एक सेवा"। IMANLIBNET 2018-लर्निंग पर्यावरण में पुस्तकालयों की लाइब्रेरियनशिप भूमिका में उभरते रूझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, IIM त्रिची , 10-12 दिसंबर, 2018।
7. नंदी , ए (2018)। विशेष रूप से विकलांग उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय सेवाएं पुस्तकालय से परे मार्चिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: केआईआईटी, भुवनेश्वर, 16-17 नवंबर, 2018, पीपी 581-588 द्वारा आयोजित प्रबंधकीय कौशल और तकनीकी दक्षताएं।
- 8 रॉय, एसजी (2018)। डीएसपीईएस और कोहा ट्यूटोरियल पर कार्यशाला मैनुअल, दिनांक 7-12 मई 2018 को पुस्तकालय प्रबंधन के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर पर अंतर्राष्ट्रीय लघु अवधि पाठ्यक्रम।

आमंत्रित व्याख्यान / कार्यशालाएँ

1. सूत्रधार , बी (2019)। 4-5 फरवरी, 2019 के दौरान पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब द्वारा आयोजित अकादमिक लेखन और अनुसंधान उत्पादकता पर दो दिनों के राष्ट्रीय कार्यशाला में अनुसंधान उत्पादन को मापने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और टूल पर आमंत्रित वार्ता को वितरित किया गया।
2. सूत्रधार , बी (2019)। 21-22 मार्च, 2019 के दौरान हेग, नीदरलैंड, WDL, CLR, CLIR और यूरोपीय फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिन की बैठक में भारत का राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय पर आमंत्रित वार्ता
3. सूत्रधार , बी (2019)। डिजिटल पुस्तकालय में लाइब्रेरियनशिप पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में डिजिटल पुस्तकालय और संसाधनों पर आमंत्रित वार्ता : विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा 28-29 मार्च, 2019 के दौरान शैक्षणिक, नैतिक और सामंजस्यपूर्ण



4. सूत्रधार , बी (2019)|IFLA -2018 में नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया पर आमंत्रित वार्ता : विश्व पुस्तकालय और सूचना कांग्रेस- 84^{वें} IFLA के 24-30 अगस्त, 2018 के दौरान कुआलालंपुर , मलेशियाई सम्मेलन और विधानसभा
5. सूत्रधार , बी (2019)|25-27 अप्रैल, 2019 के दौरान ईस्ट वेस्ट यूनिवर्सिटी और ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित सूचना और ज्ञान प्रबंधन (IKM-2019) पर 1^{सैंट} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया पर आमंत्रित वार्ता
6. जलाल , एसके (2019)|एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर, बालासोर, उड़ीसा में 25-26 मार्च 2019 को "पुस्तकालय ऑटोमेशन, डिजिटल पुस्तकालय सिस्टम और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर" पर व्याख्यान आमंत्रित ।
7. बिस्वाल , एचके (2019)|आईटीआर, डीआरडीओ, चांदीपुर, बालासोर द्वारा आयोजित 27^{वें} -28 मार्च 2019 को "डीआरडीओ के टीआरसी / केसी में ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के आवेदन" पर सीईपी के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
8. रॉय , सम्राट गुहा (2018)|6-7th अप्रैल 2018 को क्षेत्रीय (उत्तर-छठी) IDR कार्यशाला में टॉपिक "बिल्डिंग इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी ट्रेनिंग " पर लेक्चर देने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित , नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया और केन्द्रीय पुस्तकालय, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।
9. रॉय , सम्राट गुहा (2018)|दिनांक 7-12 मई, 2018 को पुस्तकालय मैनेजमेंट के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर पर इंटरनेशनल शॉर्ट टर्म कोर्स में टॉपिक "डीएसपीस, कोहा और वुफिड ट्रेनिंग" पर व्याख्यान देने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित , केन्द्रीय पुस्तकालय आईआईटी खड़गपुर और नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित।
10. रॉय , सम्राट गुहा (2018)|नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया और केन्द्रीय पुस्तकालय, IICA, IMT मानेसर द्वारा दिनांकित 7-8 सितंबर, 2018 को क्षेत्रीय (उत्तर VII) IDR कार्यशाला में टॉपिक "बिल्डिंग इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी ट्रेनिंग" पर व्याख्यान देने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित।



केंद्रीय शोध सुविधा

अध्यक्ष (सामग्री विज्ञान प्रभाग) : ज्योत्सना दत्ता मजूमदार

अध्यक्ष (जीवन विज्ञान प्रभाग) : अमित कुमार दास

अभिप्राय और उद्देश्य

उद्योग, आर एंड डी और अकादमिया के उपयोगकर्ताओं के लिए बहु-सूक्ष्म अत्याधुनिक अत्याधुनिक और नैनोटेक्नोलोजी तक पहुंच का विस्तार, या तो राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर।

यूजी / पीजी / आरएस स्तर पर छात्रों का प्रशिक्षण।

विशिष्ट उपकरणों पर संस्थान के बाहर इंजीनियरों को कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना।

सुविधाएं

सीआरएफ 30 संबद्ध संकाय सदस्यों और 30 तकनीकी कर्मचारियों के साथ 36 प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। हम परिष्कृत उपकरणों के साथ सुसज्जित हैं (जैसे संक्षिप्त रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए हैं):

- क्षेत्र उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- दोहरी बीम FIB-FEG सूक्ष्मदर्शी
- संचरण इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी
- एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर
- एक्स-रे माइक्रो-सीटी
- स्कैनिंग बरमा नैनोटॉप
- फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर
- परमाणु बल सूक्ष्मदर्शी
- नैनो-ट्राइबाइंडेंटर
- रमन स्पेक्ट्रोमीटर
- थर्मल विश्लेषक
- विद्रूप-वीएसएम
- हॉल-प्रभाव माप आदि।
- MALDI, X-ray, ITC, FACS।

सेमिनार / कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन आयोजित

3 डी छवियों से मॉडल तक - सरल वेयर सॉफ्टवेयर कार्यशाला का परिचया

कार्यशाला: रिट्वेल्ड एनालिसिस - एप्लीकेशन ट्रेनिंग।

उच्च संकल्प संचरण इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर उन्नति।



संगणक और सूचना विज्ञान केंद्र

प्रमुख: प्रो अरविंद गुप्ता (31.12.2018 तक)
प्रो. शमीक सुराल (01.01.2019 से)

CIC ने बिल्डिंग ओपन ओपनस्टैक आधारित क्लाउड सिस्टम (मेघमाला- II) द्वारा मौजूदा प्राइवेट क्लाउड कंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया है।

नेहरू, पटेल, आजाद, एलएलआर, आरके और आरपी हॉल में वाई-फाई अवसंरचना का उन्नयन किया गया है।

CIC ने संस्थान को एडुरोम से जोड़ा है, जो एक वैश्विक सेवा है जो छात्रों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों को कैम्पस भर में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए प्रतिभागी संस्थानों से और जब उनके लैपटॉप या वाई-फाई के माध्यम से उनके स्मार्टफोन या अन्य पोर्टेबल डिवाइस को सक्रिय करके अन्य सहभागी संस्थानों का दौरा करने में सक्षम बनाता है।

CIC ने आवासीय क्षेत्र और टेक्नोलॉजी गेस्ट हाउस से प्रॉक्सी सर्वर के बिना इंटरनेट का उपयोग शुरू कर दिया है।

केंद्र ने विभिन्न विभागों की विभिन्न प्रयोगशालाओं, नवनिर्मित एनेक्स बिल्डिंग (जेसीबी लैब कॉम्प्लेक्स की एनेक्स, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग की एनेक्स बिल्डिंग, और माइनिंग इंजीनियरिंग का विस्तार), रेजिडेंस हॉल (वीएसआरसी जी) के लिए संस्थान नेटवर्किंग सुविधा का विस्तार पूरा कर लिया है। लड़कों और लड़कियों के लिए +7 ब्लॉक और इमारतें (4 नग) एनएफए ब्लॉक), नए केंद्र (सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैपीनेस)। इसके अलावा एनडीएलआई परियोजना के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी और IIT खड़गपुर एक्सटेंशन सेंटर कोलकाता में मौजूदा नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया गया है।

सीआईसी ने डॉ। बीसी रॉय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च को ओएफसी के माध्यम से अनावश्यक रास्ते से जोड़ने के लिए भूमिगत केबल डक्ट बिछाया है। मौजूदा ओएफसी केबल प्लांट में डार्क फाइबर की उपलब्धता को देखते हुए, सीआईसी ने जेसी घोष और पीसी रॉय साइंस ब्लॉक, डायमंड जुबली कॉम्प्लेक्स, वीएसआरसी (जी + 7) ब्लॉक, नालंदा क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के लिए ओएफसी लिंक स्थापित करने के लिए अतिरिक्त केबल डक्ट भी बिछाया है। , E & ECE, सेंट्रल लाइब्रेरी, RMSoE, खनन इंजीनियरिंग विभाग और हॉल ऑफ रेजिडेंस के सर JC बोस प्रयोगशाला परिसर विभाग।

CIC ने SIH2019 सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संस्करणों, स्प्रिंग फेस्ट, क्षितिज, एलुमनी मीट, दीक्षांत समारोह और विभिन्न राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलनों जैसे कई आयोजनों के दौरान अस्थायी आईटी अवसंरचना प्रदान की।

CIC (5 नग) में प्रयोगशालाओं का उपयोग विभिन्न शैक्षणिक परीक्षणों जैसे गेट / जेएएम, जेईई-मेन, जेईई (एडवांस्ड), एनपीटीईएल, यूजीसी नेट, मूडल आधारित ऑनलाइन क्लास टेस्ट, एसीएम- जैसे प्रयोगशाला कक्षाओं के संचालन के लिए किया जाता है। ICPC एशिया क्षेत्रीय 2018 खड़गपुर और ऑनलाइन परीक्षाएं प्लेसमेंट के दौरान आयोजित की जाती हैं।



केंद्रीय कार्यशाला और उपकरण सेवा अनुभाग

अध्यक्ष: प्रो. ए रॉय चौधरी

एडब्ल्यूएस: डॉ एस पात्रा

आईआईटी, खड़गपुर का एक अनोखा सेवा केंद्र, सेंट्रल वर्कशॉप एंड इंस्ट्रूमेंट्स सर्विस सेक्शन (सीडब्ल्यूआईएसएस), 1965 में स्थापित किया गया था ताकि कस्टम इंस्ट्रूमेंट्स, प्रायोगिक सेट अप और प्रयोगशाला कार्यों के प्रावधान के लिए नमूनों और इंस्टीट्यूट में प्रायोगिक अनुसंधान गतिविधियों को सभी विभागों और केंद्रों के लिए तैयार किया जा सके।

यह निम्नलिखित इकाइयों वाले संस्थान के प्रमुख सेवा वर्गों में से एक है:

- (1) यांत्रिक
- (2) कांच उड़ाना
- (3) बढईगीरी
- (4) इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत अनुभाग
- (5) ऑडियो विजुअल

मैकेनिकल सेक्शन

a. डॉ. एस.पात्रा, सहायक कार्यशाला अधीक्षक

CWISS में मैकेनिकल सेक्शन में मैकेनिकल फैब्रिकेशन और ग्लास ब्लोइंग सेक्शन शामिल हैं।

b. यांत्रिक निर्माण अनुभाग

यह सीएनसी लेथ, टेबल माउंटेड सीएनसी लेथ, सीएनसी एनग्रेविंग, सीएनसी मिलिंग, ईडीएम, मिलिंग, कन्वेंशनल लेथ, बेंच लेथ, वॉच मेकर की लेथ, ड्रिलिंग, शेपिंग मशीन, बेंच ड्रिल, बेंच शेपर, ग्राइंडिंग मशीन जैसी विभिन्न प्रकार की मशीनों से लैस है। (सतह, बेलनाकार, पेडस्टल, बेल्ट और हाथ संचालित), जिग बोरिंग, पावर सॉ, बाल काटना मशीन, पॉलिशिंग, प्रेस, आर्क वेल्डिंग, टांकना और टांका लगाना, आदि सीएनसी WEDM और लेजर वेल्डिंग मशीन, हमारे निर्माण की मात्रा और गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। कुंआहाल ही में एक 5-एक्सिस सीएनसी मशीन खरीदी गई है जो संस्थान की सेवा के लिए स्विस् की क्षमता में काफी सुधार करेगी।

यांत्रिक फैब्रिकेशन अनुभाग संस्थान के सभी विभागों को किसी भी प्रकार की सटीक और जटिल मैकेनिकल निर्माण या विभिन्न प्रकार की धातुओं के साथ मरम्मत करने के लिए विभाग में उपलब्ध है, जो ज्यादातर शोध और परियोजना कार्यों और बीटेक और एम. टेक डिजाइन के अनुसार के लिए नियमित प्रयोग वर्गों में उपलब्ध हैं।

सीएनसी मशीनों में चित्र के लिए विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है, जैसे ऑटो कैड, गैंडा, 3 डी स्टूडियो मैक्स इत्यादि घटकों के निर्माण के लिए काम करते हैं और उनके निर्माण के लिए विभिन्न प्रकार के सीएएम सॉफ्टवेयर का भी उपयोग करते हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान मैकेनिकल सेक्शन ने सीएनसी वायर कट ईडीएम के अलावा 320 वर्कऑर्डर की नौकरियों का प्रदर्शन किया है और 101 वर्क ऑर्डर पूरे किए हैं।

स्विस् द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किए जाने वाले कुछ उल्लेखनीय निर्माण निम्नानुसार हैं:

- 1) विभिन्न आकारों के डाई-पंचों का निर्माण।
- 2) विभिन्न आकारों के तन्वता का निर्माण, विभिन्न सामग्रियों के साथ चिरपी का नमूना।
- 3) हीट सिंक का निर्माण।
- 4) वायर ग्रिप का निर्माण।



- 5) विभिन्न आकारों और पायदानों के सूक्ष्म चैनल का निर्माण।
- 6) विभिन्न प्रकार के पार किए गए सींग का निर्माण।
- 7) 3-डी प्रिंटर सपोर्ट का निर्माण।
- 8) मोल्ड भाग का निर्माण।
- 9) रोटरी फ्रीड नियंत्रण वाल्व का निर्माण।
- 10) एयरोस्पेस स्विचर (ब्लिस्क) का निर्माण।
- 11) प्रोपेलर का निर्माण।
- 12) ड्रोन बैलेंसिंग प्लेटफॉर्म।
- 13) मुखौटा निर्माण।
- 14) ट्रांसड्यूसर धोने।
- 15) लेजर लैब के लिए विभिन्न प्रकार के निर्माण।
- 16) इलेक्ट्रो रासायनिक खोल / सेल का निर्माण।
- 17) पीवी स्थापना पर धूल के प्रभाव का प्रयोगात्मक सेट।
- 18) 3 डी प्रिंटर के लिए कोष्ठक का निर्माण।
- 19) 9C इंजन लैब के लिए निकला हुआ किनारा प्लेट का निर्माण।
- 20) मिलिंग मशीन द्वारा कोणीय कटिंग।
- 21) SMST लैब के लिए डार्ई-पंच का निर्माण।
- 22) मेडिकल स्क्रीनिंग टूल का प्रोटोटाइप डिजाइन।
- 23) एरोडायनामिक एक्सिसिमेट्रिक का निर्माण: एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के रैंपेड स्पाइक और ब्लंट बॉडी (सामग्री - रॉक)।
- 24) M8 रेंगा / तनाव टूटना टेस्ट नमूना सामग्री का निर्माण - नी- Besc सुपर मिश्र धातु।
- 25) थकान नमूना परीक्षण का निर्माण।
- 26) जटिल मशीन स्थिरता का निर्माण,
- 27) एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के लिए रोलर होल्डर फैब्रिकेशन का निर्माण।
- 28) एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए काठी निर्माण। विभाग

ग्लास ब्लोइंग सेक्शन

{0} यह खंड ग्लास उड़ाने खराद, कांच का कांच, कांच की चक्की, ग्लास ऐनेलिंग कक्ष, आदि से लैस है। मुख्यतः बोरोसिलेट ग्लास का काम ऑक्सीजन और एलपीजी की सहायता से किया जाता है। मुख्य निर्माण कार्य में विभिन्न प्रकार के कंडेनसर, डेवार्स, विभिन्न मात्रा क्षमता एफबी, आरबी, फ्लास्क के साथ गर्दन जोड़ों, मणोमीटर, यू एंड एस ट्यूब, ग्लास बबलक, {/0} {1} तेल स्नान, गैस कलेक्टर आदि के {/1} {0} लिए गिलास कुंडल शामिल हैं {/0} {1} {/1} ग्लास वेयर आइटम्स का निर्माण उपकरणों की ड्राइंग और डिजाइन के अनुसार किया जाता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान इस विभाग ने लगभग 64 कार्यदेश संपन्न किए हैं।

बढ़ईगीरी धारा

केमिकल इंजीनियरिंग एंड ऑटोमोबाइल सेक्शन के पीछे वर्कशॉप कॉम्प्लेक्स में रखे गए, इस सेक्शन में वुड लेथ, ऑटो प्लानर, जॉइंट्स नेचर की मशीनरी, वर्टिकल बैंड साँ और मल्टीपर्पस मशीन है। संस्थान की आवश्यकता के अनुसार, बढ़ईगीरी नौकरियों के अलावा। मैं एमएस फ्रेम्स, हैंड पेंटिंग, स्प्रे पेंटिंग, पॉलिशिंग, नेम प्लेट्स की राइटिंग, डिस्प्ले बोर्ड और छात्रों के प्रोजेक्ट्स के अनुसार आवश्यकतानुसार जॉब भी करता है।

यह खंड संस्थान में फर्नीचर की प्रमुख आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। वर्ष २०११ the-१९ के दौरान, इस खंड ने विभिन्न क्षेत्रों की १०१ साल पूरी की है।

संस्थान के विभाग। इस खंड ने NCRC में 44 क्लास रूम के लिए शिक्षक की मेज और कुर्सियां बनाई हैं और कन्वोकेशन के लिए स्टेज के मरम्मत कार्य में भी भाग लिया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग



CWISS के इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग को पुनर्जीवित किया गया है और इसमें विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत की सुविधा है। यह उपयोगकर्ताओं को उनके डिजाइन और विकास गतिविधियों में भी मदद करता है। इस खंड में एक एलपीकेएफ पीसीबी प्रोटोटाइपिंग मशीन उपलब्ध है जो विभिन्न विभागों के उपयोगकर्ताओं को दो तरफा पीसीबी के निर्माण में मदद करती है।

वर्ष 2018-19 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग ने लगभग 24 कार्य आदेशों की नौकरियों का प्रदर्शन किया है।

ऑडियो विजुअल सेक्शन

ऑडियो विजुअल सेल मुख्य रूप से विभिन्न व्याख्यान हॉल (प्रति सप्ताह लगभग 1178 कक्षाएं) में नियमित कक्षाएं आयोजित करने के लिए ऑडियो विजुअल समर्थन प्रदान करने में शामिल है। यह निम्न श्रेणी के कमरों के लिए वायरलेस माइक्रोफोन के साथ मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, डॉक्यूमेंट कैमरा, पीसी और पीए सिस्टम के साथ दृश्य-श्रव्य सुविधाओं का समर्थन करता है: विक्रमशिला परिसर में V1, V2, V3 और V4, मुख्य भवन क्षेत्र में F116, F127, F142, F232 और F244 नालंदा कक्षा परिसर में 44 कक्षाएं।

AV सेल पूर्वोक्त कक्षाओं में वर्ष भर में लगभग 34,162 नियमित कक्षाओं को सहायता प्रदान करता था। इसके अलावा सेल सभी सेमिनारों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, लघु अवधि के पाठ्यक्रमों और गार्गी, मोड्रई, एसएन बोस सभागार और नेताजी, कालिदास सभागार, सीनेट हॉल, समिति कक्ष में संबंधित कार्यक्रमों के लिए एवी सुविधाएं प्रदान करता है। सभी टीएसजी गतिविधि कार्यक्रम भी सेल द्वारा समर्थित हैं। एवी सेल विभिन्न विभागों से विभिन्न छात्र गतिविधियों जैसे क्विज़, प्ले, स्प्रिंग फेस्टिवल, क्षितिज, इंटर हॉल प्रतियोगिताओं, टीएंडपी गतिविधियों और अन्य टेक फेस्ट को भी सहायता प्रदान करता है।

यह दीक्षांत समारोह, सीनेट की बैठक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं और जेईई और गेट कार्यक्रमों जैसे कई अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भी मदद करता है। एवी सेल कार्यालय-समय के दौरान और कार्यालयीन समय से परे और विशेष मामलों के लिए रात भर के दौरान पूर्व-प्लेसमेंट वार्ता के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

ऑडियो विजुअल सेल में मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, डॉक्यूमेंट कैमरा, उच्च गुणवत्ता वाले एम्पलीफायरों और मिश्रण, वायरलेस माइक्रोफोन और कॉन्फ्रेंस सिस्टम और अन्य परिधीय सहायक प्रणालियों जैसे परिष्कृत उपकरणों की अच्छी संख्या है। इन उपकरणों की प्राथमिक रखरखाव भी AVCeIl कर्मचारी अपने आप में इस बात पर जोर कर रहे हैं। नालंदा चरण II में, वर्चुअल क्लासरूम सुविधा और डिजिटल साइनेज के लिए वीडियो कैमरा और रिकॉर्डर के साथ अधिकांश आधुनिक AV उपकरणों के साथ ऑडियो विजुअल इंस्टॉलेशन भी प्रगति पर है। VGSOM की कक्षाएं पहले ही 4 नग में शुरू की जा चुकी हैं। नालंदा चरण II के कमरे। गार्गी और मैत्री में वीडियो दीवार के लिए खरीद प्रक्रिया चल रही है, कालिदास सभागार के लिए शक्तिशाली एमएम प्रोजेक्टर और रमन और भटनागर सभागार में आधुनिक ऑडियो सिस्टम।

आउटरीच

स्विस ने सीएडी-सीएएम आवेदनों और आईआईटी खड़गपुर में उन्नत सीएनसी प्रोग्रामिंग पर कई अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं। इन पाठ्यक्रमों ने टीईक्यूआईपी -2 कार्यक्रम के तहत टीईक्यूआईपी कॉलेजों के टीचिंग फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों के बीच ज्ञान का प्रसार किया है।

शॉर्ट टर्म कोर्स के प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर ए रॉय चौधरी (अध्यक्ष, सीडब्ल्यूआईएसएस) और सह-ऑर्डिनेटर डा. सुप्रकाश पात्रा (एडब्ल्यूएस, सीडब्ल्यूआईएसएस) और श्री संतनु दास / सीनियर टेक, अधीक्षक-स्विस।

स्विस ने प्रायोजित परियोजनाओं के लिए काम किया है और एसआरआईसी के माध्यम से परामर्श के लिए अन्य संस्थानों के लिए काम किया है।



सतत शिक्षा कार्यक्रम

संकायाध्यक्ष : प्रो. अद्रिजीत गोस्वामी

सतत शिक्षा कार्यक्रम संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि है। इन वर्षों में, इसने विभिन्न कार्यक्रमों, विषयों के कवरेज, शिक्षण के तरीके, अवधि और उद्योगों और अकादमियों की श्रेणी में विविधता ला दी है। गतिविधियों में उद्योगों, आर एंड डी संगठनों और शिक्षाविदों से पेशेवरों को निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना, इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों और छात्रों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने ज्ञान को अद्यतन करने और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी) के तहत एमटेक और पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करना शामिल है। ऑफिस ऑफ कंटिन्यूइंग एजुकेशन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं में कोलकाता, भुवनेश्वर और खड़गपुर में वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग स्टूडियो शामिल हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान सतत्क शिक्षा कार्यालय ने 14 (चौदह) QIP शॉर्ट टर्म कोर्सेज का आयोजन किया था जिसमें 312 प्रतिभागी थे, 13 (तेरह) टीईक्यूआईपी-419 प्रतिभागियों के साथ प्रायोजित पाठ्यक्रम; जबकि प्रायोजित और स्व-प्रायोजित लघु अवधि के पाठ्यक्रमों की संख्या 93 थी जिसमें 2412 प्रतिभागी थे। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान 1476 प्रतिभागियों के साथ 26 (छब्बीस) सम्मेलन / कार्यशालाएं आयोजित की गईं। यूनिट द्वारा आयोजित 3 (तीन) वर्ष के कार्यकारी EMBA कार्यक्रम में कोलकाता के केंद्र में 28 छात्र थे। इस वर्ष के दौरान 09 (नौ) क्यूआईपी विद्वानों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

TEQIP-III योजना के तहत आयोजित फैकल्टी इंडक्शन वर्कशॉप की संख्या 04 (चार) थी और प्रशिक्षित फैकल्टी प्रतिभागियों की संख्या 241 (दो सौ चालीस एक) थी। इसके अतिरिक्त, यूजी और पीजी छात्रों को कनाडा से टीईक्यूआईपी-तृतीय, एमएचआरडी के MITACs कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जाता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने अकादमिक नेटवर्क (जीआईएएन) के लिए वैश्विक पहल की शुरुआत की, जो सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। 2015 की सर्दियों में, 2 सप्ताह या 10 कार्य दिवसों की अवधि के इन पाठ्यक्रमों को प्रति दिन व्याख्यान और ट्यूटोरियल के विवेकपूर्ण मिश्रण के साथ विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और कानून के वर्तमान और बहु-विषयक विषयों के आसपास डिजाइन किया गया था। शिक्षा और उद्योग से कुल 577 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने 2018-2019 के दौरान 24 (चौबीस) GIAN पाठ्यक्रमों में भाग लिया। GIAN पाठ्यक्रम हमारे छात्रों, शिक्षकों और उद्योग के पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय संकाय से ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं। इसने उन्हें सहयोगी शिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से आला क्षेत्रों में विषयों को बातचीत करने और सीखने का अवसर भी प्रदान किया। उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रम सामग्री, प्रिंट और वीडियो के माध्यम से दोनों जीआईएएन कार्यक्रम के तहत विकसित किए जाते हैं ताकि छात्रों और शिक्षकों के बड़े समुदाय द्वारा उपयोग किया जा सके।

सूक्ष्म विशेषज्ञता पर एक क्रेडिट पाठ्यक्रम पिछले कुछ वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। 2018-2019 के दौरान 15 (पंद्रह) माइक्रो क्रेडिट पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे। हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के फाउंडेशन पर 6 (छह) महीने का सर्टिफिकेट कोर्स मार्च 2019 में शुरू किया गया है। लाइव, इंटरैक्टिव क्लासरूम सत्र कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद और खड़गपुर से एक साथ आयोजित किए जाते हैं।

आईआईटी खड़गपुर SWAYAM-NPTEL MOOCs प्लेटफॉर्म में ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों का सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा है। संस्थान संकाय सदस्यों द्वारा जूल-ऑक्ट 2018 (77 पाठ्यक्रम) और जन-अप्रैल 2019 (75 पाठ्यक्रम) सेमेस्टर के दौरान कुल 152 पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई है। जहां 9,24,619 शिक्षार्थियों ने इन मुफ्त खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन किया, वहीं 1,49,625 शिक्षार्थी प्रमाणित प्रमाणन परीक्षा के लिए उपस्थित हुए। MOOCs कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, पूर्वी क्षेत्र में 2018-2019 के दौरान 12 जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं।



सिविल निर्माण और रखरखाव अनुभाग

मुख्य अभियंता: विवेक प्रकाश श्रीवास्तव

चल रहे अवसंरचनात्मक विकास के एक हिस्से के रूप में, विभिन्न निर्माण परियोजनाओं को सिविल कंस्ट्रक्शन और रखरखाव अनुभाग द्वारा लिया गया है। उन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

जे.सी. घोष विज्ञान ब्लॉक और पी.सी. रॉय प्रयोगशाला ब्लॉक

कुल – 16 मंजिल . सभी 1 फर्श 2 मंजिलों के साथ SIDM, 2 मंजिलों को CORAL, 2 मंजिलों को पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और 10 मंजिलों को रसायन विज्ञान विभाग को सौंप दिया गया है। एचवीएसी कार्य प्रगति पर है।

शैक्षणिक भवनों में विस्तार कार्य

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग बिल्डिंग का विस्तार अगस्त 2018 में पूरा और सौंप दिया गया है।

खनन इंजीनियरिंग विभाग का नया अनुबंध भवन जुलाई 2018 में पूरा और सौंप दिया गया है।

जेसी बोस एनेक्सी प्रयोगशाला भवन जून, 2019 में सौंप दिया गया है।

बी-टाइप फैकल्टी अपार्टमेंट का निर्माण

आरसीसी संरचनात्मक कार्य अधोगति।

विक्रम साराभाई आवासीय आवास का विस्तार

लड़कों के लिए 164 कमरे और लड़कियों के लिए 164 कमरों वाली इमारत नवंबर, 2018 में सौंप दी गई है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण

मेन हॉस्पिटल बिल्डिंग, इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन, एसी प्लांट रूम, पंप हाउस और एसटीपी पूरा हो चुका है। MGMS, CSSD, साइनेज कार्य, लिफ्टों के परीक्षण कमीशन और HVAC कार्य प्रगति पर हैं। संस्थान ने सुविधाओं को संभालने की प्रक्रिया शुरू की है।

राजरहाट कोलकाता में अनुसंधान पार्क का निर्माण:

राजरहाट में IIT खड़गपुर रिसर्च पार्क के ऑडिटोरियम और सब-स्टेशन सहित मुख्य भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। एचवीएसी का परीक्षण कमीशन जारी है। ऑडिटोरियम और कक्षाओं के लिए ध्वनिक कार्य को CPWD द्वारा सम्मानित किया गया है।

66 नए संकाय आवास की इकाइयाँ

न्यू फैकल्टी आवास की 66 इकाइयों में से, 24 इकाइयों को मार्च, 2018 में सौंप दिया गया है।

शेष 42 इकाइयों को शीघ्र ही सौंप दिया जाएगा।

नई जल आपूर्ति परियोजना

कुल पाइप बिछाने 12.600 किमी में से 12.10 किलोमीटर किया गया। एसई रैली क्षेत्र में कार्य प्रगति पर है, जहां कुल 5.316 किमी 5.500 किमी पर बिछाया गया है। एप्रोच ब्रिज फैब्रिकेशन और ईजेशन प्रगति पर है।

डायमंड जुबली कॉम्प्लेक्स के नैनो सीआरएफ और लाइफ साइंस बिल्डिंग

लाइफ साइंस बिल्डिंग को सौंपने का काम चल रहा है।

पोस्ट डॉक्टरल आवास की 100 इकाइयाँ- सौंपने का काम चल रहा है।

विदेशी आगंतुकों के आवास- फिनिशिंग के काम चल रहे हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ऑफ टेक्नोलॉजी स्टूडेंट्स जिमखाना- सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक पूरा हो चुका है। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और टेनिस कोर्ट का कार्य प्रगति पर है।



शिक्षणेत्तर गतिविधियां

संस्थान में अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि (EAA) में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) और चार सेमेस्टर में खेल और फिटनेस गतिविधियों में स्नातक छात्र शामिल हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, छात्रों को ईएए में लगभग 45 घंटे के क्षेत्र में काम करना शामिल है। वर्ष में ईएए कार्यक्रम की विशिष्ट विशेषताएं इस प्रकार हैं:

राष्ट्रीय सेवा योजना

EAA की राष्ट्रीय सेवा योजना ने इस वर्ष लगभग 1000 छात्रों को शामिल किया। खड़गपुर और उसके आस-पास के गांवों और मलिन बस्तियों में सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले पूरे सेमेस्टर पर छात्रों ने आम तौर पर प्रति सप्ताह तीन घंटे बिताए। उन्होंने स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति, पुरस्कार, अध्ययन सामग्री, स्टेशनरी, साइकिल और बर्तनों का आयोजन करके शिक्षा की सुविधा के लिए भाग लिया। उन्होंने गांवों में पीने के पानी की गुणवत्ता की निगरानी की और आदिवासी आबादी के बीच स्थानिक कुपोषण को कम करने के लिए प्राथमिक स्कूल के बच्चों को पोषण संबंधी खुराक प्रदान की। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन, स्वास्थ्य और स्वच्छता और पोषण जैसे मुद्दों पर रक्तदान और चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए। उन्होंने पौधे लगाए और बनाए रखा और सुविधा और बुनियादी ढाँचे के रखरखाव में भाग लिया, जैसे, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, स्कूल की इमारतों और फर्नीचर की पेंटिंग और रखरखाव।

एनसीसी

3 बंगाल टेक एयर Sqn NCC और एक बंगाल EME Coy NCC इकाइयाँ NCC इकाइयाँ हैं, जिन्हें संस्थान के छात्रों को NAA प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो कि अंडरग्रेजुएट छात्रों (1 और दूसरा वर्ष) के लिए एक आवंटित EAA (अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि) विषय के रूप में है। प्रशिक्षण वर्ष 2017-18 के दौरान 3 बंगाल टेक एयर सकन एनसीसी और 161 कैडेट्स में से एक बंगाल ईएमई कोय एनसीसी में कुल 159 छात्रों को (129 बॉयज और 30 गर्ल कैडेट) नामांकित किया गया था।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

उनके महत्व और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस इकाई द्वारा प्रथम और द्वितीय वर्ष के कैडेटों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया गया। इन सभी गतिविधियों में शामिल हैं (i) ड्रिल; (ii) एनसीसी और विमान तकनीकी विषय; (iii) एरोमोडेलिंग;

संस्थागत प्रशिक्षण

- I. एनसीसी सिलेबस (सिद्धांत और व्यावहारिक): सभी नियोजित शनिवार को 05 अवधि
- II. संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर: 28 नवंबर 18 -07 दिसंबर 18
- III. रेंज फायरिंग (.22 "राइफल): 09 मार्च 19
- IV. 'बी' सर्टिफिकेट परीक्षा: 30 मार्च 19
(दिखाई -44, उत्तीर्ण -43)

सेरेमोनियल परेड

- I. स्वतंत्रता दिवस परेड: 15 अगस्त 18
- II. राष्ट्रीय एकता दिवस: 31 अक्टूबर 18
- III. गणतंत्र दिवस परेड: 26 जनवरी 19

सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास गतिविधियों का संचालन किया

- I. सद्भावना दिवस रन - 25 अगस्त 2018
- II. वृक्षारोपण (40 पौधे लगाए गए) - 25 अगस्त 18



- III. स्वच्छता ही सेवा – 29 सितम्बर 2018
- IV. साइकिल रैली पुरबापत्री गाँव और वापस आयोजित की गई
- V. रक्तदान शिविर (कुल 92 दाता) - 06 अक्टूबर 18
- VI. इको कंजर्वेशन ड्राइव और स्वच्छ भारत अभियान – 01 नवम्बर 2018
- VII. विश्व एड्स दिवस (जागरूकता व्याख्यान) - 01 दिसंबर 18
- VIII. राष्ट्रीय युवा दिवस (व्याख्यान आयोजित) - 12 जनवरी 19
- IX. कन्या भ्रूण हत्या और दहेज विरोधी अभियान - 16 फरवरी 19
- X. (जागरूकता रैली का आयोजन)
- XI. गोद लिए गए ग्राम पुरबापत्री में गतिविधियाँ -
(ए) स्वच्छ भारत अभियान – 29 सितम्बर , 01 नवम्बर 2018 एवं 09 फरवरी 2019 (b) स्कूली बच्चों को स्टेशनरी का वितरण - 09 फरवरी 19

एनसीसी प्रशिक्षण वर्ष 2018-19 सभी पहलुओं में सफल रहा। प्रशिक्षण के प्रति कैडेट्स की प्रतिक्रिया अत्यधिक उत्साही थी। इकाई बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता के लिए जीवित है ताकि वर्तमान परिवेश की जरूरतों के अनुरूप हो सके। समाज के वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिवेश को समायोजित करने के लिए प्रशिक्षण पद्धति को भी अद्यतन किया जाता है। IIT के छात्रों को जिम्मेदार और समझदार युवा नागरिकों को तैयार करने के लिए यूनिट द्वारा एक ईमानदार प्रयास किया जाता है जो भविष्य में लीडरशिप भूमिकाएं लेने में सक्षम होंगे और सामाजिक कारणों के राजदूत होंगे।

एनएसओ (सेहत एवं फुर्ती)

IIT खड़गपुर के NSO (स्वास्थ्य और फिटनेस) कार्यक्रम ने संस्थान की अनिवार्य अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि के एक भाग के रूप में वर्ष 2018-2019 में 890 UG छात्रों की सेवा की। कार्यक्रम का पर्यवेक्षण दस संकाय सदस्यों द्वारा किया गया था, जो लगभग 100 छात्रों में से प्रत्येक, एक कार्यक्रम सह-समन्वयक और एक कार्यक्रम समन्वयक शामिल व्यक्तिगत इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों के रूप में काम करते हैं। प्रत्येक बुधवार और शनिवार को, छात्र कसरत सत्र के लिए सूर्योदय के समय टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इकट्ठे होते थे। इसमें छात्रों के जिमखाना से प्राप्त योग्य शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षकों की कड़ी निगरानी में शारीरिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नियमित गतिविधियों के अलावा, छात्रों ने कई विशेष गतिविधियों में भाग लिया:

- स्थापना दिवस कार्यक्रम (18 अगस्त 2018, 890 छात्रों के लिए आयोजित)
- गांधी जयंती के एक भाग के रूप में परिसर क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे को हटाने के लिए साफ-सफाई ड्राइव (2 अक्टूबर 2018, 890 छात्रों के लिए आयोजित)
- सुमन कल्याण सामंत, रसायन विज्ञान विभाग (16 मार्च 2019, 45,000 छात्रों के लिए आयोजित) द्वारा आयोजित आर्ट ऑफ़ लिविंग योग कार्यक्रम
- आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा, पश्चिम बंगाल (16 मार्च 2019, 434 छात्रों के लिए आयोजित)
- हार्टफुलनेस मेडिटेशन (9^{वीं} और 10^{वीं} मार्च 2019, 890 छात्रों के लिए आयोजित)
- अर्पण ध्यान (31 मार्च, 2019, 100 छात्रों के लिए आयोजित)

इनके अतिरिक्त, आईआईटी खड़गपुर की भौतिक सीमाओं से परे स्वास्थ्य और फिटनेस के संदेश को प्रसारित करने का एक बड़ा उद्देश्य है। , इस कार्यक्रम के तहत URL <http://healthandfitnessiitkgp.blogspot.in/> का एक ब्लॉग बनाए रखा जाता है।



संस्थान सूचना प्रकोष्ठ

प्रमुख : प्रो. सौम्यकांति घोष, सीएसई

सह प्रमुख : डॉ. प्रलयमित्र, सीएसई

संस्थान सूचना प्रकोष्ठ (IIC) वर्ष भर संस्थान की शैक्षणिक सूचना सेवा का केंद्र रहा है। पिछले वर्ष में, IIC ने IIT खड़गपुर वेबसाइट बीटा को बनाए रखा है और नई सुविधाएँ जोड़ी हैं। यह प्रकोष्ठ लगातार विभागीय पृष्ठों, शैक्षणिक कार्यक्रमों, सभी संकायों के प्रोफाइल, आवासों के हॉल और संस्थान में प्रशासनिक पदों पर अधिक से अधिक जानकारी प्रदर्शित करने के लिए लगातार नई सुविधाएँ जोड़ रहा है। वेबसाइट डेटाबेस को संस्थान ईआरपी प्रणाली के साथ हस्तक्षेप किया गया है जिसने सहज तरीके से सूचना के रखरखाव और अपडेशन की सुविधा प्रदान की है।

मौजूदा आंतरिक सूचना-पत्र को *Apna वेबसाइट* (<http://www.apna.iitkgp.ac.in>) पर अपडेट किया गया है, जो नियमित अंतराल पर ईआरपी सिस्टम से डेटा प्राप्त करता है। आईआईटी खड़गपुर आंतरिक उपयोगकर्ताओं के समूह मेल सेवा की सामग्री को अब *अपना* वेबसाइट (आंतरिक वेबसाइट) में विशिष्ट श्रेणियों में सूचीबद्ध किया गया है। बीसी रॉय प्रौद्योगिकी अस्पताल के नवीनतम डॉक्टरों का रोस्टर संस्थान की ईआरपी के साथ उचित अंतराल के साथ आंतरिक वेबसाइट में प्रकाशित किया जाता है। अकादमिक / प्रशासनिक / एस्टेट / अस्पताल के नोटिस, दस्तावेज़ / प्रपत्र, नियम और विनियम जैसे आंतरिक नोटिसबोर्ड की अन्य सुविधाएं “अपना” (आंतरिक) वेबसाइट में भी उपलब्ध हैं। ईआरपी में नोटिस प्रदर्शित करने के लिए प्रावधान किए गए हैं ताकि इसे ईआरपी लॉगिन का उपयोग करके देखा जा सके।

सेल संस्थान को संस्थान की वेबसाइट और भारत सरकार के सीपीपीपी पोर्टल में निविदाएं अपलोड करने में भी मदद करता है। संस्थान सूचना केन्द्र ने दिसंबर 2019 में आईआईटी खड़गपुर की नई संचार निर्देशिका (द्विभाषी) प्रकाशित की है। संस्थान सूचना केन्द्र संकायाध्यक्ष (योजना और समन्वय) के मार्गदर्शन में संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट भी तैयार करता है।



अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय

संकायाध्यक्ष: प्रो बैद्युर्य भट्टाचार्य

अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। 2014 के बाद से, कार्यालय अंतरराष्ट्रीय एमओयू और सहयोग पर हस्ताक्षर करने, आउटरीच कार्यक्रमों, संकाय और छात्रों के दौरे की सुविधा आदि के संबंध में गतिविधियों की सीमा के साथ काफी बढ़ गया है। कार्यालय को संस्थान की ब्रांडिंग और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के लिए भी जिम्मेदार बनाया गया है। कार्यक्रमों अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के कार्यालय द्वारा 2018-19 के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं :

4 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को रूस, कोलंबिया और भूटान, दक्षिण कोरिया से डिग्री कार्यक्रमों के लिए और 29 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अल्पकालिक कार्यक्रमों के लिए होस्ट किया गया था। श्री गोपाल राजगढ़िया इंटरनेशनल प्रोग्राम (SGRIP), असोक डेयस्कर इंटरनेशनल प्रोग्राम, ICCR और अन्य फंडिंग कार्यक्रमों के तहत वित्त पोषण के अवसर उपलब्ध कराए गए। कार्यालय ऑफ़ इंटरनेशनल रिलेशंस का प्रमुख कार्यक्रम, SGRIP ने 9 अंतर्राष्ट्रीय संकाय, 2 अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान विद्वानों: 2, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 3 छात्रवृत्ति, 2 अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और बैठकों का समर्थन किया। अंतर्राष्ट्रीय एमओयू पर 35 विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षर किए गए, जिसमें छात्र विनिमय पर विशेष जोर दिया गया। जेम्स कुक यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, ऑकलैंड विश्वविद्यालय, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ, रटगर्स विश्वविद्यालय के साथ बहु-संस्थागत दोहरी डिग्री कार्यक्रमों के लिए कार्य प्रगति पर है। इनके अलावा, कई इनबाउंड विजिट थे, IIT खड़गपुर के छात्रों के लिए विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, समाचार प्रसार के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए ई-न्यूज़लेटर प्रकाशित किया गया था।

डीन, ब्रांडिंग और सीएसआर के लिए अंतर्राष्ट्रीय संबंधों द्वारा की गई गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

a) IIT खड़गपुर समाचार वेबसाइट, Kgp क्रॉनिकल, www.news.iitkgp.ac.in को लॉन्च करना, R & D और पूर्व छात्रों की पत्रिकाओं को फिर से जारी करना, फेसबुक, लिंकडइन और ट्विटर के माध्यम से सोशल मीडिया की पहुंच बढ़ाना, IIT खड़गपुर के लिए लघु फिल्म बनाना दूरदर्शन का राष्ट्रीय टेलीविज़न चैनल, स्कूल के छात्रों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता का अंतर्राष्ट्रीयकरण, यंग इनोवेटर्स प्रोग्राम और ब्रांड यादगार की एक बड़ी श्रृंखला की पेशकश।

ख) टॉवर रिसर्च कैपिटल से योग्यता छात्रवृत्ति, एचडीएफसी बैंक से नवाचार ऊष्मायन, ए.के.एस. सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड और मैजिक सॉफ्टवेयर से शास्त्रीय कला के लिए सीएसआर फंडिंग।



कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

अध्यक्ष : प्रो. दीपान्विता रॉय चौधरी, सीएसई (31.12.2018 तक)
प्रो. शांतनु चट्टोपाध्याय, ई एंड ईसीई (01.01.2019 से)

वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, आईआईटी खड़गपुर कल्पना चावला अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सेल का नाम दिया गया और औपचारिक रूप से 11 नवंबर 2004 को 17 अध्यक्ष इसरो द्वारा किया गया। उनकी सेल जून 1998 से अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सेल के अध्यक्ष की देखरेख में कार्य कर रही है। इसरो, बैंगलोर द्वारा सेल को वित्त पोषित किया जा रहा है। वर्तमान में, सेल 2018-2019 में पैंतीस चालू अनुसंधान परियोजनाओं को संभालता है, जो नई परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई है। ये सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएँ निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में की जाती हैं:

- 1) तरल दहन, प्रणोदन और क्रायोजेनिक्स
- 2) अंतरिक्ष संचार और ईएमआई / ईएमसी
- 3) माइक्रो-मशीन सेंसर्स
- 4) नियंत्रण, नेविगेशन और मार्गदर्शन
- 5) एंबेडेड सिस्टम और आईपी-कोर
- 6) क्रिप्टोग्राफी और सुरक्षा
- 7) सुदूर संवेदन
- 8) लाइफ सपोर्ट इंजीनियरिंग
- 9) स्मार्ट सामग्री और विदेशी सामग्री
- 10) बिजली के इलेक्ट्रॉनिक्स
- 11) अंतरिक्ष शिक्षा
- 12) इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण
- 13) क्वांटम संचार

अनुसंधान कार्य के परिणामस्वरूप, लगभग चालीस ऑनपेप्शेस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशित हुए। सेल ने 2018-2019 के शैक्षणिक वर्ष में 'रिमोट सेंसिंग डेटा की व्याख्या के लिए डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग की व्याख्या और एंटीना सिद्धांत और अभ्यास पर विशेष विषय' के लिए दो पाठ्यक्रमों की पेशकश की है।

अवसंरचना विकास और नए अधिग्रहण

KCSTC के अनुसंधान प्लेटफॉर्म के साथ-साथ विभिन्न विभागीय प्रयोगशालाओं को बढ़ाने के लिए KCSTC परियोजनाओं के तहत कई सॉफ्टवेयर और हार्डवेयरमॉडल्स की खरीद की गई है। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

1. विद्युत चुम्बकीय सिमुलेशन उपकरण के लिए सीएसटी सॉफ्टवेयर
2. GPU कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म
3. मैप डाउनलोडर सॉफ्टवेयर
4. जीपीएस एल 1 अगर डेटा रिकॉर्डर- सह - सॉफ्टवेयर
5. उच्च वोल्टेज अंतर जांच, 500 मेगाहर्ट्ज 12 बीआईटी एडीसी डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, रोजोस्की कोइल करंट प्रोब, 80 वी, 25 ए विनियमित डीसी बिजली की आपूर्ति
6. Potentiostat Galvanostat- प्रिंसटन एप्लाइड रिसर्च वर्सास्टैट 4, लीनियर माइक्रो / नैनो पॉजिशनर-स्मारक एसएलसी 2445
7. सॉफ्टवेयर डाउनलोड करें
8. GFSSP



राजभाषा विभाग

अध्यक्ष : प्रो वी आरदेसाई

वरिष्ठ हिंदी अधिकारी : डॉ. राजीव कुमार रावत

विभाग के वर्तमान क्रियाकलाप

अनुवाद

सभी दस्तावेजों, पत्राचार, संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा विवरण का अनुवाद राजभाषा विभाग द्वारा किया जाता है, इसके अलावा विभिन्न तकनीकी / गैर-तकनीकी दस्तावेजों, प्रशासनिक आदेशों, आरटीआई और अंग्रेजी से हिंदी और इसके विपरीत के नियमित अनुवाद के अलावा। दस्तावेजों के अनुवाद के अलावा, विभागाध्यक्ष संस्थान द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न नाम-पत्र, नोटिस बोर्ड, रबर स्टैम्प और डिग्रियों / डिप्लोमा प्रमाण पत्रों के द्विभाषी प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है।

हिंदी प्रशिक्षण

राजभाषा विभाग ने हिंदी शिक्षण योजना के तहत प्रवीण, प्रज्ञा और पारंगत कोर्स के लिए संस्थान के कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण शुरू किया है। श्री के के पाठक, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना की सहायता से संस्थान में कक्षाओं की व्यवस्था की जाती है। विभाग ने हिंदी शिक्षण कार्यक्रम के तहत हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण भी शुरू किया है और एक छोटा हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है जहां हमारे कर्मचारियों को द्विभाषी में अपने आधिकारिक काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस साल विभाग ने 76 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है, प्रवीण, प्रज्ञा और पारंगत में 15 कर्मचारी हैं जिन्हें हिंदी टंकण में प्रशिक्षित किया गया है।

हिंदी कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए तथा साथ ही हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि के उद्देश्य से राजभाषा विभाग संस्थान कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए वर्ष भर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का आयोजन करता है। वर्ष 2018-19 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पिछले वर्ष 2018-19 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए: -

14 सितंबर 2018 को, 18-22 जून 2018, 05-11 मार्च 2019 तक हिंदी कार्यशाला और मानव संसाधन प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित किए गए थे। इन डॉ. राजीव कुमार रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, श्री के के पाठक, श्री बालेन्दु शर्मा दाधीच, डॉ. ऋषि केश राय, श्री अरविंद कुमार तिवारी और अन्य आमंत्रित अतिथि वक्ताओं ने कर्मचारियों को अपने दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक काम करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। उन्हें हिंदी और कंप्यूटर पर काम करने में सक्षम होने के लिए हिंदी का प्रशिक्षण दिया गया। डीन के कार्यालय, स्थापना, समन्वय अनुभागों में काम करने वाले सभी सचिवों को हिंदी अधिकारी द्वारा उनके डेस्क पर जाकर हिंदी टाइपिंग का प्रशिक्षण दिया जाता था।

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस का उत्सव

सितम्बर 2018 के महीने के दौरान संस्थान ने 14 सितंबर 2018 को "हिंदी दिवस" मनाया। संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के साथ-साथ आसपास के स्कूलों के छात्रों के लिए हिंदी में कई कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र और हिंदी पुस्तकों से प्रेरित किया गया। आईआईटी जेईई श्री आनंद कुमार के लिए एक प्रसिद्ध वक्ता, प्रेरक और हिंदी आइकन, सुपर 30 के संस्थापक ने 14 सितंबर 2018 को हिंदी दिवस व्याख्यान दिया और प्रेरित किया कि आईआईटी और आसपास के स्कूलों के छात्रों के लिए "सब संभव है"। उन्होंने संस्थान के बी टेक, एम टेक और पीएचडी स्कॉलर्स के साथ बातचीत की और उन्हें अपनी मातृभाषा और हिंदी में अपना शोध करने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान ने 10 जनवरी 2019 को विश्व हिंदी दिवस मनाया और यूको बैंक कोलकाता के मुख्य प्रबंधक डॉ. एन त्रिवेदी को हिंदी के विश्व दृश्य पर व्याख्यान दिया।



प्रकाशन

राजभाषा विभाग संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं पाठ्यक्रमोत्तर गतिविधियों को शामिल करते हुए राजभाषा संबंधी नीति, नियम, निदेशों जानकारियों सहित एक मासिक पत्रिका " झरोखा " हिंदी में प्रकाशित करता है।

संसाधन और उपलब्धियां, सॉफ्टवेयर

राजभाषा विभा में आई-लीप, आईएसएम पब्लिशर, आईएसएम ऑफिस, लीप ऑफिस आदि जैसे कई हिंदी सॉफ्टवेयर हैं। विभागाध्यक्ष राजभाषा विभाग, MHA, भारत सरकार, C-DAC के विभाग द्वारा विकसित टूल, PARIVARTAK, MANTRA, TRANSLITERATION आदि का भी उपयोग करते हैं। और अन्य एजेंसियां। हाल ही में ISM V.6 की खरीद की गई थी जो यूनिकोड संगत है।

यूनिकोड

विभाग ने सभी विभागों के कंप्यूटरों में UNICODE को सक्रिय किया है और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया है।

राजभाषा पुस्तकालय

साहित्य, कथा, कविता, गद्य, नाटक और अनुवाद और भाषा के विभिन्न विषयों पर विभिन्न लेखकों की 1400 से अधिक पुस्तकों के संग्रह के साथ राजभाषा विभाग का एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय है।

द्विभाषी वेब साइट

राजभाषा विभाग ने अपनी वेबसाइट को द्विभाषी बनाया है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रोत्साहन योजनाओं, विभिन्न उपकरणों आदि के बारे में विभाग वेबसाइट पर उपयोगी जानकारी लिंक उपलब्ध हैं। राजभाषा विभा ने संस्थान की वेबसाइट को भी द्विभाषी बना दिया है और वेबसाइट की सामग्री को भी द्विभाषी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

समितियाँ

राजभाषा कार्यान्वयन समिति और प्रगति मापन समिति

संस्थान ने राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन के लिए और दिन के काम में संस्थान में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग की निगरानी के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) का गठन किया है। OLIC की एक बैठक त्रैमासिक आयोजित की जाती है और इसकी अध्यक्षता निदेशक द्वारा की जाती है। इस वर्ष विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए चार बैठकें आयोजित की गईं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी)

इसके अलावा, राजभाषा विभागाध्यक्ष, आईआईटी खड़गपुर, कस्बे में राजभाषा नीति को लागू करने के लिए समन्वय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के निदेशक के रूप में, खड़गपुर में तैनात केंद्र सरकार के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं, राजभाषा विभागाध्यक्ष, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने उन्हें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया है। सभी केंद्र सरकार के कार्यालय, बैंक, निगम, स्वायत्त निकाय और उद्यम TOLIC के सदस्य हैं। वर्तमान में समिति में 54 सदस्य कार्यालय हैं। समिति को राजभाषा नीतियों को लागू करने और सरकार के आदेशों और निदेशों को सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। अध्यक्ष TOLIC खड़गपुर TOLIC के सदस्य सचिव के रूप में डॉ राजीव कुमार रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी मनोनीत किया है समिति की नियमित काम के बाद देखने के लिए कैलेंडर के अनुसार, TOLIC खड़गपुर की बैठकें हर साल जनवरी और अगस्त में आयोजित की जाती हैं। पिछले वर्ष 13 अगस्त 2018 और 10 जनवरी 2019 को दो बैठकें आयोजित की गई थीं। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष TOLIC द्वारा की गई और इसमें सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों ने अपने हिंदी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भाग लिया। राजभाषा विभाग ने TOLIC सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों को IIT खड़गपुर में आयोजित कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।



प्रायोजित शोध और औद्योगिक सलाहकारिता

संकायाध्यक्ष : प्रो. पल्लव दासगुप्ता

प्रायोजित शोध एवं औद्योगिक सलाहकारिता (SRIC) सेल संस्थान में सभी प्रायोजित शोध और परामर्श के लिए प्राथमिक सेतु है। यह संस्थान के शोध रोडमैप को तैयार करने और उसके क्रियान्वयन में और अपने शोध कोषों के संवितरण के लिए संस्थान के आंतरिक तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूंकि शोध संस्थागत उत्कृष्टता के प्रमुख संकेतकों में से एक है, और जैसा कि सरकार ने औद्योगिक अनुप्रयोगों और सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए अपनी प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आईआईटी की ओर तेजी से झुकाव किया है, एसआरआईसी विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के लिए प्राथमिक संभाल बन गया है।

IIT खड़गपुर में इंजीनियरिंग और विज्ञान विषयों की विशाल विविधता उद्योग द्वारा आवश्यक सभी प्रकार की शैक्षिक और शोध सेवा के लिए एक एकल खिड़की प्रदान करती है। आईआईटी खड़गपुर में इन-हाउस विशेषज्ञता की विविधता ने एआई, एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजी, अफोर्डेबल हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी, जियोसाइंसेज ऑफ अर्थ ऑफ द फ्यूचर फॉर अर्थ सहित बहु-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर औद्योगिक सहयोग के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को उत्प्रेरित किया है, इनोवेटिव इन्फ्रास्ट्रक्चर डिजाइन, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, औद्योगिक रोबोटिक्स आदि।

SRIC IIT खड़गपुर ने उच्चतर आविष्कार योजना (UAY), IMPRINT के तहत IIT खड़गपुर से बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्रस्तुत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और स्वैचअभियानंद ने चयन प्रक्रिया को पूरा करने में अन्य IIT के साथ काम किया। UAY-I (2016-2017) के तहत, संस्थान को 12 परियोजनाओं में फैले रुपये 66 करोड़ के लिए धन प्राप्त हुआ है। 2017-2018 में, UAY-II के तहत, 14 परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और 7 का चयन किया गया, कुल राशि रुपये 11.85 करोड़ थी। इम्प्रिंट-1 और इम्प्रिंट-2 के तहत, संस्थान को पहले से ही 27 परियोजनाओं में फैले INR 123 करोड़ और 12 परियोजनाओं में फैले INR 9 करोड़ की निधि में एक प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है। संस्थान ने SPARC कार्यक्रम के तहत INR 251.09 करोड़ की निधि-प्रतिबद्धता भी प्राप्त की है।

2015-16 में ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से, आईआईटी खड़गपुर राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का समन्वय कर रहा है। दुनिया भर में वैज्ञानिकों और उद्यमियों के प्रतिभा पूल का दोहन करने और हमारी शिक्षा प्रणालियों में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से, GIAN पहल ने 2018-2019 में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से जुड़े एक आश्चर्यजनक उन्नत पाठ्यक्रम को आकर्षित किया है। ये पाठ्यक्रम सभी उपस्थित लोगों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। देश।

आईआईटी खड़गपुर के नेतृत्व में अतिरिक्त शैक्षिक पहलों में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी पहल, नेशनल इनोवेटिव फॉर डिजाइन इनोवेशन, शिक्षण शिक्षण केंद्र शिक्षा और डिजाइन के लिए एमओओसी अनुपालन ई-सामग्री निर्माण पहल शामिल हैं। प्रमुख एमएचआरडी समर्थित पहलों में ई-बिजनेस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, वर्चुअल लैब्स और रियल टाइम वर्चुअल लैब्स शामिल हैं।

वर्ष 2018-2019 के दौरान संस्थान को कुल मूल्य के लिए सरकार, निजी और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों / उद्यमों से 257 शोध परियोजनाएं प्राप्त हुईं INR 493.34 करोड़ और 154 कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स लायक हैं 30.56 करोड़ है। इसमें सरकार और उद्योग से कई उच्च-मूल्य और प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं, जैसे:

1. कंपाउंड हाइड्रोजन गैस के भंडारण के लिए फिलामेंट वाउंड टाइप 3 कम्पोजिट सिलेंडर का विकास
2. पश्चिम बंगाल राज्य में पांच (5) राज्य राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा
3. AMS डिजाइन सत्यापन के लिए एक औपचारिक कवरेज प्रबंधन ढांचा (GRC प्रस्ताव आईडी: P32524)
4. नवसृजित हल्दिया योजना क्षेत्र के लिए LUDCP (चरण 1)
5. माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता के मुख्य और अनुलग्नक भवन का स्वास्थ्य अध्ययन
6. हैनिडुआ कोलियरी के 04 क्षेत्रों से संबंधित वैज्ञानिक अध्ययन
7. क्रिप्टोग्राफी और क्रिप्टानालिसिस
8. मानव संसाधन (मानव संसाधन) की योजना SECL की योजना, जिसमें अगले पांच वर्षों के लिए कार्यकारी शामिल हैं, मान-मशीन संयोजन, अगले 05 (पांच) वर्षों के लिए उत्पादन और उत्पादकता को अलग करने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए



9. रानीगंज मास्टर प्लान के क्रियान्वयन के लिए ईसीएल के सलानपुर क्षेत्र के क्षेत्राधिकार के तहत डालमिया के पास एनएच -2 बाईपास के एक अस्थिर हिस्से के लिए स्थिरता का आकलन करने के लिए अध्ययन
10. उड़ीसा के परदीप में 1X800 TPD कैलक्लाइंड पेट्रोलियम कोक रोटरी भट्टा के लिए डी-डस्टिंग सिस्टम के डिजाइन के लिए विनिर्देशों

SRIC के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार और औद्योगिक संबंध (IPR & IR) सेल बौद्धिक संपदा अधिकारों के दाखिल और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है, और आईआईटी खड़गपुर में शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण और वाणिज्यिक क्षेत्र में स्थानांतरण भी है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में, कुल 63 बौद्धिक संपदा (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) दायर किए गए हैं और कुल 5 बौद्धिक संपदाएं प्रदान की गई हैं। कई प्रौद्योगिकियों को उद्योगों में स्थानांतरित किया गया है।

एक दो दिन पर आईपीआर कार्यशाला 'अभिनव, आविष्कार और रचनात्मकता - रोडमैप पेटेंट निर्माण के लिए राजीव गाँधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय, आईआईटी खड़गपुर, जहां व्याख्यान द्वारा दिया गया था के सहयोग से आईपीआर और आईआर सेल, SRIC, द्वारा 25^{वें} अगस्त और 5^{सितंबर} 2018 पर आयोजित किया गया था डॉ। गौरिअर्जेत, प्रोफेसर, आरजीएसओआईपीएल, आईआईटी खड़गपुर।

"आईपीआर के एकाधिक पक्षों: एक इंजीनियर के परिप्रेक्ष्य" पर फरवरी के 26, 2019 जो छात्रों को समृद्ध और पर बड़े पैमाने पर IIT खड़गपुर के संकाय के लिए एक आईपीआर विशेष व्याख्यान प्रो रविंदर डेविड कोलिपिल्लै, क्वालकॉम संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी चेन्नई विभाग द्वारा दिया गया था।

इक व्याख्यान " नवाचारों का व्यवसायीकरण - आविष्कारक अपने आविष्कार को पेटेंट क्यों करते हैं?" और "IP पावरहाउस: स्टार्टअप के लिए ईंधन" पर एक दिवसीय कार्यशाला 1 मार्च 2019 और 2 मार्च 2019 को क्रमशः IPR & IR सेल, SRIC द्वारा राजीव गाँधी बौद्धिक संपदा विधि विद्यालय, IIT खड़गपुर के सहयोग से आयोजित की गई थी, जो डॉ के व्याख्यानों का गवाह था। लक्ष्मी लक्ष्मी कुमारन और श्री लक्ष्मीन बनर्जी, लक्ष्मीश्री लॉ फर्म, नई दिल्ली के साथ-साथ संस्थान लॉ स्कूल के संकाय सदस्यों, PIC- IPR और IR सेल के साथ, दर्शकों के सदस्यों से प्रश्नों पर प्रोत्साहित और चर्चा की।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल 2019 को मनाया गया, छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच आईपी जागरूकता बढ़ाने और उन अन्वेषकों को सम्मानित किया गया जिनके पेटेंट को मंजूरी दी गई है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल 2018 को "शक्ति परिवर्तन: नवाचार और रचनात्मकता में महिला" विषय के साथ संस्थान के अधिक महिला आविष्कारकों को प्रोत्साहित करते हुए मनाया गया। आईपी दिवस समारोह की शुरुआत संस्थान के टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ब्रोशर के उद्घाटन के साथ हुई।

SRIC के तहत उद्यमी सेल सरकार द्वारा वित्त पोषित ऊष्मायन कार्यक्रमों की एक किस्म का समर्थन करता है।

SRIC के माध्यम से विभिन्न छात्र गतिविधियों को प्रोत्साहित और समर्थन किया जाता है। उल्लेखनीय गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्वायत्त जमीनी वाहनों के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए टीमएजीवी गतिविधि। टीम ने भारत और विदेशों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए परिष्कृत नियंत्रण चरणों को शामिल करते हुए कई सेंसर डेटा प्रोसेसिंग और फ्यूजन के साथ स्वायत्त वाहन को डिजाइन, निर्मित और संचालित किया है। यह वास्तव में गर्व की बात है कि टीम एजीवी, आईआईटी खड़गपुर ने 1 जून - 4 जून, 2018 को मिशिगन के रोचेस्टर में ओकलैंड यूनिवर्सिटी में आयोजित 26 वीं अंतर्राष्ट्रीय ग्राउंड व्हीकल कॉम्पिटिशन (IGVC) में दूसरा स्थान हासिल किया है, जिसे उन्होंने आयोजित किया है। मानव रहित वाहन प्रणाली अंतरराष्ट्रीय (AUVSI) के लिए एसोसिएशन।
- टीमकार्ट फॉर्मूला स्टाइल रेसिंग कारों का डिजाइन और निर्माण करता है। टीम ने 6 कारों को सफलतापूर्वक बनाया है और 7^{वें} कार बनाने के रास्ते में है। टीम ने फॉर्मूला भारत नियम पुस्तिका प्रश्नोत्तरी में 74 टीमों में से 9 वां स्थान हासिल किया। टीम 77 टीमों में से 16 टीमों में से एक थी, जिसने फॉर्मूला भारत 2019 में मैकेनिकल स्कूटरनी, झुकाव और शोर परीक्षण को हटाने के लिए भाग लिया था। साथ ही पहली बार टीम ने 3rd FSEV कॉन्सेप्ट चैलेंज में भाग लिया और ओवरऑल 4th रैंक हासिल की।
- रोबोट खेलने वाले रोबोट की एक टीम के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए रोबोसाइट्स गतिविधि। यह गतिविधि "खड़गपुर रोबोसिस्ट्स स्टूडेंट्स ग्रुप" (KRSSG) नामक एक छात्र समूह के तहत समन्वित है। यह तकनीकी-प्रबंधन उत्सव "क्षितिज" के दौरान नियमित रूप से रोबो-फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करता है। KRSSG Robo Cup SSL 2019 और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित ह्यूमनॉइड



सिमलेशन लीग के लिए योग्य है। जुलाई 2018 में, केआरएसएसजी ने मॉन्ट्रियल, कनाडा में गोलकी स्किल्स ऑफ ह्यूमनॉइड सिमुलेशन लीग का दूसरा स्थान जीता।

- झुंड रोबोटिक्स IIT खड़गपुर ने DRDO के DRUSE 2018 (DRDO Robotics & Unmanned Systems Exposition) में भाग लिया, जो 23 मई से 25 मई 2018 तक पुणे में आयोजित किया गया और आगे के शोध के लिए 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार जीतने के लिए फर्स्ट रनर अप का स्थान हासिल किया। कार्यान्वयनार्थ राष्ट्रीय स्तर की चुनौती की पराकाष्ठा थी, जिसमें 1000 से अधिक प्रविष्टियां थीं, जिनमें से 164 ने 28 मार्च 2018 को ज़ोनल के लिए क्वालीफाई किया, जहां उन्हें फाइनल के लिए चुनी गई 30 टीमों में उपविजेता का ताज पहनाया गया।
- एरियल रोबोटिक्स खड़गपुर (ARK) एक छात्रों का समूह है जो स्वायत्त हवाई वाहनों के निर्माण के लिए काम कर रहा है। समूह का गठन फरवरी 2015 में किया गया था। वे अंतर्राष्ट्रीय एरियल रोबोटिक्स प्रतियोगिता (IARC) में भाग लेने के लिए ड्रोन के उड़ान नियंत्रण के लिए एक प्रणाली विकसित कर रहे हैं।
- स्वायत्त पानी के नीचे वाहन के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए टीमएयूवी गतिविधिटीम ने भारत और विदेशों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कई सेंसर और परिष्कृत नियंत्रण कंप्यूटरों के साथ एक उन्नत पानी के नीचे के वाहन को डिजाइन और संचालित किया है।
- आईआईटी खड़गपुर में शोध के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र, लाइफ साइंस के लिए सिग्नल और सिस्टम ने इस वर्ष के चयनित आईसीएमआर-आईआईटीकेजीपी मेडटेक इंटर्न के लिए आईआईटी खड़गपुर में 8-12 मई, 2017 के दौरान एक सप्ताह लंबे अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। 8 सप्ताह लंबी इंटरनशिप में, 3 अलग-अलग AIIMS के 2 ICMR वैज्ञानिक और 4 मेडिकल कॉलेज के छात्रों को IIT खड़गपुर प्रयोगशालाओं में काम करना था, जबकि 7 IIT खड़गपुर इंजीनियरिंग छात्रों को ICMR के विभिन्न केंद्रों अर्थात् NCDIR, बेंगलूर, NIRRH, मुंबई, NARI को रिपोर्ट करना था, बेलगावी, आरएमआरसी, भुवनेश्वर।



विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (STEP)

प्रबंध निदेशक : सत्यहरि डे

प्रमुख गतिविधियाँ

आधारभूत संरचना की सुविधाएं:

- 1) एसटीईपी गोपाली परिसर में शेड क्षेत्र को सिविल कार्यों, जल कनेक्शन, विद्युतीकरण के लिए पुनर्निर्मित किया गया है ताकि इनक्यूबेटर्स को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें।
- 2) गोपाली मौजा में चरण- II की चारदीवारी का निर्माण STEP गोपाली परिसर के सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए किया जा रहा है।
- 3) पशु सेल संस्कृति आधारित परीक्षण प्रयोगशाला ऑपरेशन के लिए तैयार है।
- 4) मोनो-परमाणु परत ग्राफीन (हमारे देश में पहली बार) के लिए अल्ट्रा हाई टेम्प्रेचर भट्टी (3000 ° C), रमन स्पेक्ट्रोमीटर और यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन स्थापना की प्रक्रिया में हैं।
- 5) कपड़ा कॉलेजों के छात्रों के लिए इंटरशिप कार्यक्रम के लिए बुनियादी ढांचा तैयार है।
- 6) तीखे सुसंस्कृत अनानास और केले के बागान का विस्तार अब 40 एकड़ में किया जाएगा (सभी फल मुख्य रूप से निवास के हॉल में छात्रों को वितरित किए जाएंगे) और प्राकृतिक फाइबर आधारित कपड़े और जूते (ग्राफीन-डेरिवेटिव के साथ बंधे) का विकास किया जाएगा।

ऊष्मायन और बीज ऋण के लिए समिति की बैठक

ऊष्मायन के लिए एक स्क्रीनिंग समिति की बैठक 8 मई, 2018 को आयोजित की गई थी। पाँच कंपनियों ने अपना प्रस्ताव पेश किया, जिनका नाम मेसर्स भदोरिया था रूरल टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., मेसर्स विटे साइंस प्राइवेट लिमिटेड। लि., मेसर्स एनीजीन टेक्निकल टेक्सटाइल प्रा. लि., मेसर्स सेतु एग्रोबायोटेक एंड टेक्निकल टेक्सटाइल प्रा. लिमिटेड और मेसर्स जेलेस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड की बैठक में भाग लिया। उनमें से कोई भी ऊष्मायन या बीज समर्थन के लिए नहीं चुना गया है। समिति ने ऊपर सूचीबद्ध पहली चार कंपनियों को ऊष्मायन की मंजूरी दी, जिनमें से दो कंपनियाँ मेसर्स विटे साइंस प्राइंस प्रा. लि., मेसर्स एनीजीन टेक्निकल टेक्सटाइल प्रा. लिमिटेड ने एसटीईपी, आईआईटी खड़गपुर और अन्य दो कंपनियों मेसर्स भदोरिया में पंजीकरण की अपनी प्रक्रिया पूरी कर ली है रूरल टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड और मेसर्स सेतु एग्रोबायोटेक एंड टेक्निकल टेक्सटाइल प्रा. लिमिटेड ने अपना आवेदन वापस ले लिया है। आगे, मेसर्स जेलेस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के लिए बीज ऋण को मंजूरी दी गई। (रुपये 25 लाख)।

2^{एन डी} ऊष्मायन के लिए समिति की बैठक 11 सितंबर, 2018 को आयोजित की गई थी। दो कंपनियों ने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका नाम मेसर्स सेंसरड्रॉप नेटवर्क्स प्रा. लिमिटेड और मेसर्स डीओएस इंस्ट्रूमेंटेशन एंड ऑटोमेशन प्रा. लिमिटेड .. समिति ने दोनों कंपनियों के ऊष्मायन को मंजूरी दी और उन्होंने पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

3^{आरडी} ऊष्मायन के लिए समिति की बैठक 20 फरवरी, 2019 को आयोजित की गई थी। चार कंपनियों ने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका नाम मेसर्स लिग्निन बायोसाइंसेज प्रा. लि., मेसर्स Redpine सिग्नल इंक, मेसर्स कुशल दृष्टि समाधान प्रा. लि. और मेसर्स वेबर इलेक्ट्रोकार्प प्रा. लिमिटेड .. समिति ने सभी कंपनियों और मेसर्स लिग्निन बायोसाइंसेज प्रा. लिमिटेड ने पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

मेसर्स एचडीएफसी बैंक प्राइवेट लिमिटेड ने रु के साथ STEP के इनक्यूबेट का समर्थन किया है। 60 लाख का अनुदान। M / s Ansys Software Private Limited ने 8 लाख रुपये के अनुदान के साथ STEP ग्रीन हाउस प्रोजेक्ट का समर्थन किया है।

कार्यशाला / आउटरीच कैम्प [स्वयं सहायता समूह की 42 गांवों की महिलाओं को जैविक सीप मशरूम की खेती तकनीक पर प्रशिक्षित किया गया है।

क्र. संख्या	कार्यशाला का नाम	स्थान	दिनांक
1	PRISM आउटरीच	एस.एन. बोस सभागार, IIT खड़गपुर: निदेशक, उप निदेशक और डीन IIT खड़गपुर और MD, STEP, IIT खड़गपुर द्वारा प्रेरक व्याख्यान	2018/05/16



2	ENTREPRENEURSHIP-ZEAL भाग I	STEP, IIT खड़गपुर (इंजीनियरों की संस्था के सहयोग से)	2018/05/19
3	ENTREPRENEURSHIP-ZEAL भाग II	STEP, IIT खड़गपुर	2018/05/20
4	PRISM आउटरीच	बंगाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (BITM), शांतिनिकेतन	2018/06/02
5	PRISM आउटरीच	टेक्नो इंडिया, साल्ट लेक	2018/08/03
6	तकनीकी वस्त्रों पर उद्यमिता कार्यशाला	STEP, IIT खड़गपुर	2018/09/22
7	तकनीकी वस्त्रों पर उद्यमिता कार्यशाला	STEP, IIT खड़गपुर	2018/10/06
8	तकनीकी वस्त्रों पर उद्यमिता कार्यशाला	STEP, IIT खड़गपुर	2018/10/11
9	तकनीकी वस्त्र- ग्रामीण नवाचार	STEP, IIT खड़गपुर	2018/12/08
10	सीप मशरूम की खेती और टिशू कल्चर पर आधारित पादप प्रसार प्रौद्योगिकी पर कौशल विकास / उद्यमिता कार्यशाला	STEP, IIT खड़गपुर	2019/05/01
11	सीप मशरूम की खेती और टिशू कल्चर पर आधारित पादप प्रसार प्रौद्योगिकी पर कौशल विकास / उद्यमिता कार्यशाला	STEP, IIT खड़गपुर	2019/02/16
12	PRISM और FIC सीरियल वीकली वर्कशॉप	STEP, IIT खड़गपुर	2019/06/03
13	PRISM और FIC सीरियल वीकली वर्कशॉप	STEP, IIT खड़गपुर	2019/03/13
14	PRISM और FIC सीरियल वीकली वर्कशॉप	STEP, IIT खड़गपुर	2019/03/27

चल रही उद्यमशीलता गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

मौजूद कंपनियों की कुल संख्या: 16
2018-19 में पंजीकृत कंपनियों की संख्या: 5
STEP IIT खड़गपुर कैम्पस: 11
STEP गोपाली परिसर: 4

STEP-IIT खड़गपुर में नई कंपनियाँ शामिल

कंपनियों के नाम	प्रमुख उद्यमशीलता गतिविधि
मैसर्स मैसर्स सेंसरड्रॉप नेटवर्क प्रा। लिमिटेड	उन्नत निरंतरता के लिए बुद्धिमान कनेक्टिविटी प्रदान करना।

एसटीईपी-गोपाली परिसर में कंपनियों को लगाया गया

कंपनियों के नाम	प्रमुख उद्यमशीलता गतिविधि
मैसर्स वीट साइंस प्राइवेट लिमिटेड	ईपीएस बायोमास को बनाए रखने के लिए मिट्टी के बाह्य बहुलक पदार्थों और संबद्ध उपकरणों की निगरानी के लिए IOT आधारित सेंसर का विनिर्माण
मैसर्स एनीजीन टेक्निकल टेक्सटाइल प्रा लिमिटेड	चूहे के पिंजरे के नीचे एक बिस्तर का निर्माण: तकनीकी वस्त्र से संबंधित नवीन उत्पाद।
मैसर्स डीओएस इंस्ट्रूमेंटेशन एंड ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड	उद्योग के डिजाइन और विकास 4.0 सक्षम माइक्रो फिक्शन हलचल वेल्डिंग मशीन।
सुश्री। लिग्निन बायोसाइंसेज प्रा। लिमिटेड	एग्रो कचरे से चिकित्सा मशरूम आधारित पोषक तत्व और खाद्य मशरूम का उत्पादन



सेमिनार / कार्यशालाओं / सम्मेलनों

सेमिनार / कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी	दिनांक
कार्यशाला / संगोष्ठी	16 मई, 2018; 19 मई, 2018; 20 मई, 2018; 2 जून, 2018; 3 अगस्त, 2018; 22 सितंबर, 2018; 6 अक्टूबर 2018; 10 नवम्बर 2018; 8 दिसम्बर 2018; 5 जनवरी 2019; 16 फरवरी 2019; 6 मार्च, 2019; 13 मार्च, 2019 और 27 मार्च, 2019
STEP GBM और AGM	8 नवम्बर 2018
ऊष्मायन और बीज ऋण के लिए समिति की बैठक	8 मई, 2018, 11 सितंबर, 2018 और 20 फरवरी, 2019



प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना

अध्यक्ष : विलियम मोहंती प्रो

छात्र मामले

प्रौद्योगिकी छात्र जिमखाना आईआईटी खड़गपुर में खेल, सामाजिक-सांस्कृतिक से लेकर प्रौद्योगिकी तक कई पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का केंद्र है। 1952 में अपनी शुरुआत से, जिमखाना ने अपनी अतिरिक्त पाठ्येतर प्रतिभाओं की खेती और पोषण करने वाले Kgpians के रोजमर्रा के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीएसजी के तत्वावधान में छात्रों ने मनोरंजन, फिटनेस, आनंद के लिए अपने अवकाश के समय में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और शैक्षणिक कार्यभार के बाद और अपने समग्र विकास के लिए अपनी ऊर्जा को पुनर्जीवित किया। वर्ष 2018-19 की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

इंटर-आईआईटी मीट

34 वीं इंटर आईआईटी एक्वाटिक्स मीट और 53 वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट क्रमशः 03-07 अक्टूबर 2018 और 13-21 दिसंबर 2018 के दौरान आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित की गई। इंटर IIT एक्वाटिक मीट में संस्थान के भाग लेने वाले छात्रों ने 2 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक और पुरुषों के लिए 2 कांस्य पदक और IIT खड़गपुर की महिला टीम के लिए 2 कांस्य पदक के साथ शानदार प्रदर्शन का प्रदर्शन किया, जिसके कारण IIT खड़गपुर का स्थान समाप्त हुआ। तैराकी के लिए कुल मिलाकर जीसी में 2, इंद्रेश ने 4 रजत पदक जीतकर असाधारण प्रदर्शन किया। वाटर पोलो टीम ने भी प्रथम स्थान हासिल करके हमें गौरव दिलाया है। अमलान सिल को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के साथ और राज प्रभु को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर से सम्मानित किया गया है।

53 वीं अंतर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में, IIT खड़गपुर ने मार्च पास्ट में तीसरा स्थान हासिल किया, बैडमिंटन (पुरुष) ने स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स (लड़कों और लड़कियों), बैडमिंटन (लड़कियों), शतरंज, स्क्वैश, टेबल टेनिस (लड़कों) ने रजत पदक जीते। टेनिस (पुरुष) ने कांस्य पदक जीता।

IIT खड़गपुर सांस्कृतिक टीम ने 3 जी अंतर-आईआईटी सांस्कृतिक बैठक में तीसरा स्थान हासिल किया, जो दिसंबर 2018 में IIT रुड़की में आयोजित किया गया था। IIT खड़गपुर की टीम ने म्यूजिक कप- बैंड परफॉर्मंस, ड्रामेटिक्स- मोनोलॉग, क्विज- बिजनेस, इंडिया, मेला, फिल्म मेकिंग-ऑनलाइन फिल्म मेकिंग और लिटरेरी- पार्लियामेंटी डिबेट में ओवरऑल ट्रॉफी हासिल की। टीम ने म्यूजिक- पेयर ऑन स्टेज, डांस-स्ट्रीट बैटल, एफएडी- चारकोल आर्ट, क्विज- स्पोर्ट्स, क्यूलिनरी- कुक ऑफ, लिटरेरी- इंग्लिश पोएट्री स्लैम और स्टोरी राइटिंग, वर्ड गेम्स में सिल्वर मेडल हासिल किया। टीम ने क्विज- मेला, पाक-टैग टीम, साहित्यिक- ऑनलाइन हिंदी लेखन में कांस्य पदक भी हासिल किया।

जनवरी 2019 में 7 वें अंतर-आईआईटी टेक मीट को आईआईटी बॉम्बे द्वारा होस्ट किया गया था। पांच सफल इंटर- IIT टेक मीट के बाद, IIT खड़गपुर ने जीत की भावना जारी रखी और प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ लाने के लिए इस टेक मीट में तीसरा स्थान हासिल किया। दस स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 21 भाग लेने वाले IIT के साथ, यह मुलाकात पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक, उच्च गुणवत्ता और कठिन थी, जहाँ IIT खड़गपुर द्वारा 3 स्वर्ण पदक (केस स्टडी, बीईटीसी मेडिकल इनोवेशन चैलेंज और कुल 1465 अंक हासिल किए गए थे) टीवी ऑडियंस मेजरमेंट) और 1 कांस्य पदक (कैपस सस्टेनेबिलिटी चैलेंज)।

संस्थान पुरस्कार और पदक

प्रतिस्पर्धा	इंस्टीट्यूट ब्लू / ऑर्डर ऑफ मेरिट	माननीय उल्लेख	विशेष उल्लेख	पूर्व छात्र कप
खेल प्रतियोगिताएँ	22	20	09	02
सामाजिक सांस्कृतिक	06	1 1	13	01
प्रौद्योगिकी	12	1 1	-	01



भंडारकर कप को अबिन देवसिया पूवथोटाथिल (14NA30029) (एथलेटिक्स) से सम्मानित किया गया था। श्रीमति चंडीरामणि कप को सुक के लिए अर्कापूर्वो साहा (14ME33029) से सम्मानित किया गया। और पंथा जीएस सान्याल कप को प्रौद्योगिकी के लिए हर्ष अग्रवाल (15NA10001) से सम्मानित किया गया। रुपये के नकद पुरस्कार के रूप में अमृत बर्मन मेमोरियल अवार्ड। 15000 को विशाल कुमार सिंह को सम्मानित किया गया।

कुल मिलाकर सामान्य चैम्पियनशिप परिणाम

खेल और क्रीड़ा	सामाजिक और सांस्कृतिक	प्रौद्योगिकी
आजाद छात्रावास (पुरुष) और मदर टेरेसा छात्रावास (महिला)	राजेंद्र प्रसाद छात्रावास	राजेंद्र प्रसाद छात्रावास

पूर्व छात्र कप

खेलों में ALUMNI CUP को एथलेटिक्स में एस्लावथ जगदीश और बैडमिंटन में देवानुज डेका को सम्मानित किया गया। सामाजिक और सांस्कृतिक में ALUMNI CUP उत्कर्ष सिन्हा को प्रदान किया गया। प्रौद्योगिकी में ALUMNI CUP को TYSS संतोष से सम्मानित किया गया।

प्रमुख कार्यकलाप आयोजन

हर साल की तरह, टीएसजी ने 21 जून 2019 को राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया, जिसका संचालन श्री सुधीर कुमार ने किया। योगासन का आयोजन टीएसजी परिसर में भी किया गया है। योग, स्वास्थ्य और फिटनेस पर प्रश्नोत्तरी पूर्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम पर आयोजित किया गया था। TSG ने मानव संसाधन सरकार द्वारा दो एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का आयोजन किया है। भारत की। इस कार्यक्रम में कल्चरल एक्सचेंज एक्टिविटीज, फूड फेस्टिवल और मर्चेडाइज सेल शुरू की गईं। विभिन्न युग्मित राज्य अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और उत्तर प्रदेश और झारखंड और गोवा हैं। टीएसजी ने टेनिस में खड़गपुर ओपन, पानी में जीवन रक्षक कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवनीत मेमोरियल टूर्नामेंट, फुटबॉल में फैंसी दिवस पर फैंसी फुटबॉल टूर्नामेंट, वार्षिक बच्चों के एक्वेटिक्स मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। टीएसजी ने 31 अक्टूबर 2018, 26 जनवरी, 15 अगस्त, विश्व पर्यावरण दिवस और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एकता के लिए रन का आयोजन किया। मीर रंजन नेगी (पूर्व कप्तान इंडियन फील्ड हॉकी टीम) ने IIT खड़गपुर में फ्रेशमेन इंडक्शन के दौरान एक प्रेरक व्याख्यान दिया। प्रौद्योगिकी साहसिक समाज, टीएसजी ने साहसिक घटनाओं और ट्रेकिंग यात्राओं का आयोजन किया है। क्षितिज, स्प्रिंग फेस्ट, रोबोटिक्स इवेंट्स, रोबोसोकेर, इन-हाउस वर्कशॉप, भारतीय केस चैलेंज 2018, टीएसजी चुनाव पूरे साल सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। रंगोली और रोशनी 8 नवंबर 2018 को मनाई गई थी, जहां हॉल्स ऑफ रेजिडेंस में बनाए गए रंगोलिस के साथ-साथ अपने हॉस्टल को दिवाली के दिन रोशन करने के लिए एक महीने के लिए विभिन्न हॉल्स ऑफ रेजिडेंस ने भाग लिया था।



प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र

प्रभारी प्राध्यापक : प्रो. राजा दत्ता

प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र (टीटीसी) अकादमिक के साथ-साथ पारंपरिक तांबे के तारों पर आवासीय परिसर में वीडियोआईपी और डिजिटल टेलीफोनी के साथ-साथ आवासीय परिसर में आवाज संचार सेवाएं प्रदान करता है और मूल्य वर्धित सेवाएं जैसे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग पुल और मोबाइल एक्सटेंशन आदि। प्रौद्योगिकी दूरसंचार केंद्र में कला केंद्रीकृत EPABX और न्यू गेस्ट हाउस में एक उपग्रह विनिमय की स्थिति। यह संस्थान समुदाय को केंद्रीकृत फैक्स सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

वित्तीय वर्ष (2018-2019) में TTC ने सर्वर आधारित प्रणाली के साथ JCB लैब कॉम्प्लेक्स (अनुबंध भवन) में मौजूदा MD-110 EPABX के उन्नयन की स्थापना और कमीशनिंग पूरी की। Agfc और बीसी रॉय अस्पताल प्रौद्योगिकी विभाग में टेलीफोन केबल के पुनर्गठन पूरा एड था। कैंपस में पिलर बॉक्स (पेंटिंग और मरम्मत) का नवीनीकरण कार्य भी चल रहा है।

एक प्रमुख काम जो उठाया गया है वह आगामी "डॉ। बीसी रॉय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च"। टीटीसी ने वर्तमान ईपीएबीएक्स सिस्टम को अपग्रेड करने की योजना बनाई है ताकि वह भविष्य में बड़े पैमाने पर (2000 लाइनों में) और सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल के महत्वपूर्ण टेलीफोन कनेक्टिविटी का भार उठा सके। पहले से ही प्रणाली का उन्नयन शुरू किया गया है और संबंधित प्राधिकरण की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

नालंदा क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के एडमिन ब्लॉक में टेलीफोन केबल बिछाने के काम का अनुमान लगाया गया है और सीसीएम द्वारा एक समग्र कार्य पूरा किया गया है। इसी तरह टेलीफोन केबलों के पुनर्गठन का काम भी सीसीएम द्वारा समग्र कार्य के रूप में पूरा किया गया। निकट भविष्य में, डायमंड जुबली परिसर, नई संकाय आवास (NFAs), अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस, आदि जैसे नवनिर्मित भवनों पर टेलीफोन, केबल काम संबंधित पीएमसी के साथ ले जाया जाएगा।



जल कार्य प्रखण्ड

आईआईटी खड़गपुर का जल कार्य और स्वच्छता खंड सबसे महत्वपूर्ण वर्गों में से एक है। यह संस्थान के सभी खंडों के लिए उच्च गुणवत्ता के पानी के प्रबंधन और प्रदान करने के साथ-साथ जल निकासी का प्रबंधन करने के लिए प्रमुख जिम्मेदारी लेता है।

उपलब्धियों में हाल ही में निर्मित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी जल उपचार संयंत्र के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाला पेयजल शामिल है। पास की नदी, कंगाबाती से एक कुएं के आयन का निर्माण करके पानी के एक अन्य स्रोत की भी योजना है।

दृष्टि सभी उद्देश्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाला पानी प्रदान करना है।

भविष्य की योजनाएं:

- यहां तक कि समुदाय से पानी की अतिरिक्त मांग के लिए हम कड़ी मेहनत के माध्यम से मांग को पूरा करने के लिए चुनौती लेते हैं और हमारा उद्देश्य समुदाय के हर एक को संतुष्ट करना है।
- पीएमसी को सीवरेज नेटवर्क में सुधार के लिए एक मसौदा प्रस्ताव रिपोर्ट तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया है जो वर्तमान लोड (सीवर) को इलाज के लिए सक्षम करने के लिए काफी पुराना है। यह चर्चा के चरण में है और प्राधिकरण के निर्देशानुसार चीजें आगे बढ़ रही हैं।



सांख्यकीय सूचना





तालिका क-1
स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क. बी.टेक

क्रमांक	पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या			प्रवेश प्रस्तावित			वास्तविक प्रवेश			कुल
		सा.	अन्य पि.व.	अ.जा.	सा.	अन्य पि.व.	अ.जा.	सा.	अन्य पि.व.	अ.जा.	
1	वांतािक्ष अभियांत्रिकी	16	9	5	16	9	5	16	9	5	32+1*
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	18	11	5	18	11	5	18	11	5	36
3	जैव प्रौद्योगिकी	14	7	4	14	7	4	14	7	4	25
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	30	16	8	30	16	8	30	16	8	58+1*
5	सिविल अभियांत्रिकी	34	17	9	34	17	9	34	17	9	64+1*
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	31	16	9	31	16	9	31	16	9	61+1*
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	31	16	8	31	16	8	31	16	8	60
8	वैद्युतिक एवं ईसीई	35	19	10	35	19	10	35	19	10	69
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	16	9	5	16	9	5	16	9	5	31+1*
10	यंत्रिक अभियांत्रिकी	17	8	5	17	8	5	17	8	5	32
11	बिनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	17	10	5	17	10	5	17	10	5	34
12	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	37	20	11	37	20	11	37	20	11	76
13	धातुकार्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	24	13	7	24	13	7	24	13	7	46
14	खनन अभियांत्रिकी	23	13	5	23	13	5	23	13	5	44+2*
15	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	18	9	5	18	9	5	18	9	5	34
	कुल (क)	361	193	101	361	193	101	361	193	100	702+7*

ख. बी.आर्क

क्रमांक	पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या			प्रवेश प्रस्तावित			वास्तविक प्रवेश			कुल
		GN	OB	SC	GN	OB	SC	GN	OB	SC	
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	18		13	18	13	6	17	13	6	37+2*
	कुल (ख)	18		13	18	13	6	17	13	6	37



C. समोक्त एमएससी

क्रमांक	पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या					प्रवेश प्रस्तावित					प्रवेश प्रदत्त				
		GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल
1	रसायनशास्त्र	19	8	4	0	31	19	8	4	0	31	16	8	2	0	26+3*
2	अन्वे भूभौतिकी	18	8	5	0	31	18	8	5	0	31	17	8	5	0	30+1*
3	भूविज्ञान और भूभौतिकी	22	9	6	1	38	22	9	6	1	38	17	9	5	1	32+2*
4	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	22	13	6	3	44	22	13	6	3	44	21	13	6	3	43
5	गणित	27	14	8	4	53	27	14	8	4	53	27	14	8	4	53
6	भौतिकी	19	10	5	0	34	19	10	5	0	34	17	9	5	0	31+3*
	कुल (ग)	127	62	34	8	231	127	62	34	8	231	115	61	31	8	215+9

घ. द्वि उपाधि

क्रमांक	पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या					प्रवेश प्रस्तावित					प्रवेश प्रदत्त				
		GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल
1	वांतिरक्ष अभियांत्रिकी	9	5	5	4	19	9	5	4	1	19	9	5	4	1	19
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	17	9	4	0	30	17	9	4	0	30	17	9	3	0	29+3*
3	जैव प्रौद्योगिकी	13	7	7	4	24	13	7	4	0	24	13	7	3	0	23+2*
4	रसायनिक अभियांत्रिकी	14	7	7	4	27	14	7	4	2	27	14	7	4	2	27
5	सिविल अभियांत्रिकी	13	7	7	4	25	13	7	4	1	25	13	7	4	1	25
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	24	12	12	7	46	24	12	7	3	46	24	12	7	3	46
7	वैद्युतिक अभियांत्रिकी	13	7	7	4	26	13	7	4	2	26	13	7	4	2	26
8	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	23	12	12	7	45	23	12	7	3	45	23	12	7	3	45+1*
9	औद्योगिकी अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	12	6	6	4	23	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23
10	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	8	5	5	3	16	8	5	3	0	16	8	5	3	0	16+1*
11	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	27	15	15	8	55	27	15	8	5	55	26	15	8	5	54+1*
12	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	12	6	6	4	23	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23+1*
13	खनन अभियांत्रिकी	11	5	5	3	20	11	5	3	1	20	11	5	3	1	20+1*
14	खनन सुरक्षा अभि एवं खदानों में आपदा प्रबंधन	10	5	5	4	19	10	5	4	0	19	10	5	4	0	19+1*
15	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	13	7	7	3	24	13	7	3	1	24	11	7	3	1	22+2*
16	गुणवत्ता अभियांत्रिकी अभिकल्प एवं विनिर्माण	7	5	5	3	15	7	5	3	0	15	7	5	3	0	15+1*
	कुल (घ)	226	120	120	70	437	226	120	70	21	437	223	120	68	21	432+14*
	कुल (A+B+C+D)	732	388	388	211	1417	732	388	211	86	1417	1648	911	517	153	3229+32*

* तैयारी कर रहे विद्यार्थीगण



तालिकाएं-2
2- वर्षीय एम.एससी. पाठ्यक्रम में प्रवेश

क्रमांक	पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या						प्रवेश प्रस्तावित						प्रवेश प्रदत्त					
		GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल	GN	OB	SC	ST	कुल			
1	रसायनशास्त्र	22	14	6	4	46	22	14	6	4	46	23	13	4	4	44			
2	अन्वेषण भूभौतिकी	11	6	4	2	23	11	6	4	2	23	8	7	3	2	20			
3	भूविज्ञान और भूभौतिकी	15	8	5	2	30	15	8	5	2	30	14	8	4	2	28			
4	गणित	15	8	5	2	30	15	8	5	2	30	15	7	6	2	30			
5	भौतिकी	24	13	7	3	47	24	13	7	3	47	24	14	7	3	48			
6	जैव विज्ञान	9		1	1	11	9		1	1	11	9		1	1	11			
7	आयुर्विज्ञान भौतिकी (3 वर्ष एमएससी)	5	2	1		8	5	2	1		8	4	2	1		7			
8	नाभिकीय औषधि	4	4	1		9	4	4	1		9	4	2	1		7			
9	आणविक आयुर्विज्ञान सूक्ष्मजीवविज्ञान	6	4	3		13	6	4	3		13	5	2	1		8			
	कुल (C)	111	59	33	14	217	111	59	33	14	217	106	55	28	14	203			



तालिका ए-3
एमसीएम छात्रवृत्ति प्राप्त छात्र

क्रमांक	विभाग	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पंचम वर्ष	कुल
(क) बी .टेक . 4-वर्षीय							
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	5	2	3	3		13
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकीविभाग	2	3	3	8		16
3	जैवप्रौद्योगिकी	1	1	4	1		7
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	8	6	8	11		33
5	सिविल अभियांत्रिकी	7	9	11	9		36
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		13	8	12		33
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	6	15	16	20		57
8	वैद्युतिक एवं ईसीई	5	10	9	11		35
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	1	3	9	3		16
10	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	13	15	12	16		56
11	धातुकार्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	8	2	4	3		17
12	खनन अभियांत्रिकी	6	5	5	4		20
13	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	3	4		4		11
(ख) बी आर्क. 5-वर्षीय							
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	1	2	5	7	8	23
(ग) एम.एससी.समेकित 5-वर्षीय							
1	रसायनशास्त्र	5	2	4	9	2	22
2	भूविज्ञान और भूभौतिकी	8	5	6	7	9	35
3	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	10	8	9	11	7	45
4	गणित	4	1	5	5	6	21
5	भौतिकी	2	3	3	4	6	18
(घ) द्वि उपाधि 5-वर्षीय							
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	3	3	2	8		16
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकीविभाग	3	6	9	8		26
3	जैवप्रौद्योगिकी	5	1	2	6		14
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	4	4	4	8		20
5	सिविल अभियांत्रिकी	4	3	2	6		15
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	1	6	3	9		19
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	1	3	4	7		15
8	ई एवं ईसीई	6	11	7	5		29
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	5	3	11	4		23
10	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	5	6	11	17		39
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	1		1	7		9
12	खनन अभियांत्रिकी	4	7	8	21		40
13	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्पविभाग	1	1	3	4		9
14	विश्वसनीयता अभियांत्रिकी						
15	पेट्रोलियम अभियांत्रिकी						
	कुल	138	163	191	258	38	788



तालिका ए-4
मात्र अध्यापन शुल्क से मुक्त छात्र तालिका

क्रमांक	विभाग	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पाँचवाँ वर्ष	कुल
	(क) बी टैक- 4 वर्षीय						
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी			1			1
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग		2		4		6
3	जैवप्रौद्योगिकी		1	1			2
4	रासायनिक अभियांत्रिकी			2			2
5	सिविल अभियांत्रिकी		2	3			5
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी						0
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी			1	2		3
8	इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी			1			1
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन				1		1
10	यांत्रिक अभियांत्रिकी		2	2	4		8
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी						0
12	खनन अभियांत्रिकी			1			1
13	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्पविभाग		1	2	1		4
	(ख) बी आर्क 5 वर्षीय						0
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन		1	1			2
	(ग) 5 वर्षीय समेकित एम.एससी						0
1	रसायनशास्त्र		3		1		4
2	भूविज्ञान और भूभौतिकी		3	2	2	1	8
3	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान			1		2	3
4	गणित					2	2
5	भौतिकी			1	1		2
	(घ) एम.एससी. 2 वर्षीय						0
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी				5		5
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग			3	1		4
3	जैवप्रौद्योगिकी		1		2		3
4	रासायनिक अभियांत्रिकी			2			2
5	सिविल अभियांत्रिकी		1	2	1		4
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			3			3
7	वैद्युतिक अभियांत्रिकी				1		1
8	इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी			2	3		5
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन			1	3		4
10	यांत्रिक अभियांत्रिकी				2		2
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी						0
12	खनन अभियांत्रिकी		2	1	1		4
13	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग		1	1	1		3
14	गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता अभियांत्रिकी						0
15	पेट्रोलियम अभियांत्रिकी						0
	कुल	0	20	34	36	5	95



तालिका ए-5
आर्थिक सहायता प्राप्त छात्र (अ जा एवं अ ज जा)

रोल नंबर विभाग	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष		पंचम वर्ष		कुल अ.जा.
	अ.जा.	अ.जा.	अ.जा.	अ	अ.जा.	अ.जा.	विभाग	अ.जा.	अ.जा.	अ.जा.	
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी			1				1				2
कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग						1	2				3
वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	1										1
जैवप्रौद्योगिकी	1			1			1				3
रासायनिक अभियांत्रिकी							1	1			2
रासायन विज्ञान				1	1			1			3
सिविल अभियांत्रिकी				1	1		2				4
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी							1				1
वैद्युतिक अभियांत्रिकी		1									1
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं वैद्युतिक संचार अभियांत्रिकी							2				2
भूविज्ञान एवं भूभौतिकी	1		2								3
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान									1	1	2
औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी						2					2
गणित	3	1			1		1				6
यांत्रिक अभियांत्रिकी	1	1			1	1	1				5
धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	1										1
खनन अभियांत्रिकी	2	1									3
महासागर एवं नौशिल्प अभियांत्रिकी			2	1		1	1				5
भौतिक विज्ञान	1		1	1							3
गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता अभियांत्रिकी											
कुल											

तैयारी पाठ्यक्रम : ST-2

तालिका A-6

1. **संस्थान स्वर्ण पदक:**

क्रमांक	पदक / पुरस्कार का नाम	विजेता का नाम	संस्थान रोल न.	सीजीपीए
1.	राष्ट्रपति स्वर्ण पदक	15EC10026	कौस्तव ब्रह्मा	9.92
2.	प्रधानमंत्री स्वर्ण पदक	14EC35030	राजर्षि साहा	9.75
		14AE30017	शुभम जेना	9.75
3.	अध्यक्ष शासी मंडल स्वर्ण पदक	15CS10018	करि साई सतीश कुमार रेड्डी	9.09
4.	डॉ बिधान चन्द्र रॉय स्मारक स्वर्ण पद .	14AR10018	कोसाराजू अखिला	9.02
5.	डॉ ज्ञान चन्द्र घोष स्मारक स्वर्ण पदक .	14NA30029	अबिन देवसिया	8.44
6.	प्रो जे सी बोस स्मारक स्वर्ण पदक .	17CY40018	मनीष गुप्ता	9.84

2. **अक्षय स्वर्ण पदक**

क्रमांक.	पदक / पुरस्कार का नाम	विजेता का नाम	संस्थान रोल न.	सीजीपीए
1.	अनुकूल चन्द्र सरकार स्मारक स्वर्ण पदक	15CE10057	वैभव अग्रवाल	9.03
2.	प्रो चटर्जी स्मारक स्वर्ण पदक .जी .आर .	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37



3. रजत पदक :

A. 4 वर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातक (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

क्रमांक.	पाठ्यक्रम	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	15AE10025	शेठिया श्रेयांश राकेश कुमार	8.55
2.	जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव रसायन अभियांत्रिकी	15BT10015	रोहित रॉय	8.60
3.	सिविल अभियांत्रिकी	15CE10057	वैभव अग्रवाल	9.03
4.	रासायनिक अभियांत्रिकी	15CH10004	आलोक आनंद पात्रा	9.50
5.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	15CS10030	निसर्ग शाह	9.69
6.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	15EC10026	कौस्तव ब्रह्मा	9.92
7.	वैद्युतिक अभियांत्रिकी	15EE10045	सौरदीप पोद्दार	9.44
8.	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	15IE10037	अभिषेक गुप्ता	9.14
9.	औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी	15IM10005	बोया श्रीकरन रेड्डी	9.29
10.	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	15ME10051	सत्यम आनंद	9.55
11.	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	15MF10030	थोटा वेंकट दुर्गा सुमुगन स्वरूप	9.05
12.	खनन अभियांत्रिकी	15MI10010	अर्नब मन्ना	9.11
13.	धातुकार्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	15MT10035	सिबा सुंदर साहू	8.96

ख. 5 वर्षीय बी.आर्क (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

क्रमांक.	पाठ्यक्रम	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
14.	वास्तुकला	14AR10018	कोसाराजू अखिला	9.02

ग. 5-वर्षीय द्वि उपाधि पाठ्यक्रम

क्रमांक.	पाठ्यक्रम	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
15.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	14AE30017	शुभम जेना	9.75
16.	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी	14AG3FP05	अभिषेक सिवाच	8.77
17.	जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव रसायन अभियांत्रिकी	14BT30005	भूमिका सिंह राठौर	8.91
18.	सिविल अभियांत्रिकी	14CE3FP02	अरिहंत बुचा	9.15
19.	रासायनिक अभियांत्रिकी	14CH30012	देबांग्शु हलदार	9.72
20.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	14CS30041	रितम दत्त	9.71
	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	14CS30013	कुशाग्र अग्रवाल	9.71
21.	वैद्युतिक अभियांत्रिकी	14EC35030	राजर्षि साहा	9.75
22.	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	14EE32001	मनीष मुखर्जी	9.44
23.	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	14IM30006	जरुगु श्रीविष्णु	8.81
24.	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	14MF3IM07	मनप्रीत दाश	9.53
25.	खनन अभियांत्रिकी	14ME32008	जोशी निखिल विनायक	9.56
26.	धातुकार्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	14MI33004	अखिल जिष्णु पी	8.85
27.	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प	14MT3FP20	वेंकटेश पी	9.51
28.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	14NA30025	अपहरन्दे संकल्प प्रकाश	9.02



घ. . एम .एससी.(5-वर्षीय) पाठ्यक्रम

क्रमांक.	पाठ्यक्रम	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
29.	रसायन विज्ञान	14CY20007	अनुज कुमार गुप्ता	8.43
30.	अनुप्रयोग भूविज्ञान	14GG20037	वैभव अग्रवाल	8.82
31.	अर्थशास्त्र	14HS20035	शाश्वत गंगवाल	8.85
32.	गणित एवं अभिकलन	14MA20049	वैश्वराजु नयन राजू	9.20
33.	भौतिक विज्ञान	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37
34.	अन्वेषण भूभौतिकी	14EX20009	दत्तात्रेय दास	9.15

ड एम .एससी.(2-वर्षीय) पाठ्यक्रम

क्रमांक.	पाठ्यक्रम	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
35.	रसायन विज्ञान	17CY40018	मनीष गुप्ता	9.84
36.	भूभौतिकी	17EX40010	गौरिया कर्स्टन डेविड	9.09
37.	गणित	17MA40028	सुवोजीत धरा	9.68
38.	भौतिकी	17PH40011	देबजीत बोस	9.40
39.	भूविज्ञान	17GG40022	सैंड्रो चटर्जी	9.48
40.	रासायनिक एवं आणविक जीवविज्ञान	17BS4JP08	सुरश्री पाल	9.48

4.अक्षत पुरस्कार - (स्नातक)

क्रमांक.	Name of Prize	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	शरत स्मृति पुरस्कार	15CS10058	शर्मिला रेड्डी नान्नी	9.52
2.	सुहासिनी देवी स्मृति पुरस्कार	14AR10018	कोसाराजू अखिला	9.02
3.	पी के भट्टाचार्य स्मृति पुरस्कार	14EX20009	दत्तात्रेय दास	9.15
4.	सच्चिदानंद बसक स्मृति पुरस्कार	15HS20045	विशाल शर्मा	7.71
5.	स्वप्न कुमार साहा स्मृति पुरस्कार	15EC10026	कौस्तव ब्रह्मा	9.92
6.	मैदुर्य भानमूर्ती स्मृति पुरस्कार	15ME10073	हर्ष सराफ	8.60
7.	एच एन बोस स्मृति पुरस्कार	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37
8.	शर्मिला बोस स्मृति पुरस्कार	14CY20027	स्मिता मंडल	8.28
9.	बिग्यान सिन्हा स्मृति पुरस्कार	15EC10066	सौम्या महापात्रा	9.81
10.	उषा मार्टिन पुरस्कार	15MT10035	सिबा सुंदर साहू	8.96
11.	सिस्टम सोसायटी पुरस्कार	15EE10010	बैचू साई वैभव	9.36
12.	प्रो. के.एल. चोपड़ा पुरस्कार	14PH20020	फिलिप जैकब	9.15
13.	चारुबाला देवी स्मृति पुरस्कार	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
14.	गौरी बसक अभिकल्प पुरस्कार	15AR10010	गुंजल जैन	9.04
15.	प्रो. प्रबोध चंद्र सान्याल पुरस्कार	17MA40019	रोहित सरमा सरकार	9.26
16.	बी एल नागपाल स्मृति पुरस्कार	16CE10040	प्रशांत कुमार साहू	9.20
17.	उमेश कुमार भाटिया खेलकूद पुरस्कार	15BT10003	भाटिया गीतांशु टी	8.04
18.	प्रदीप कुमार चक्रवर्ती पुरस्कार	16MT10025	पार्थ खंडेलवाल	9.15
19.	जी बी मित्रा पुरस्कार	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37
20.	भारतीय कटलर हैमर पुरस्कार	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
21.	मंसारा पुरस्कार	15AR10010	गुंजल जैन	9.04
22.	आर.एम.लालवानी पुरस्कार	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
23.	एच पी भद्ररी स्मृति पुरस्कार	16ME10017	देबप्रिया दे	9.74



क्रमांक.	Name of Prize	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
24.	जॉन वॉन न्यूमान पुरस्कार	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
25.	प्रो. एस के नंदी स्मृति पुरस्कार	14CH30012	देबांगशु हल्दर	9.64
26.	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (माइक्रोवेव और संचार) 1 9 81 पुरस्कार	16EC10066	दिव्यांशु झुनझुनवाला	9.78
27.	1 9 70 के पूर्व छात्र (यूएस) एसोसिएशन पुरस्कार की कक्षा	17CS30035	सिद्धांत अग्रवाल	9.93
28.	प्रौद्योगिकी पूर्व छात्रों एसोसिएशन (दिल्ली अध्याय) पुरस्कार	18ME10061	सिबा स्मारक पाणिग्रही	9.96
29.	आईआईटी खड़गपुर पूर्व छात्रों (कैलिफोर्निया अध्याय) पुरस्कार	17CS30035	सिद्धांत अग्रवाल	9.93
30.	राम गोपाल काबरे स्मृति पुरस्कार	16AR10031	सचिन नंदकुमार उत्तरावर	8.32
31.	प्रो. एस पी सेनगुप्ता स्मृति पुरस्कार	15ME10071	श्रीजन नेगी	9.10
32.	के रामा राव एंडोवमेंट पुरस्कार	16AG10030	शिवम रोहिला	8.76
33.	श्रीमती अवा सान्याल स्मृति पुरस्कार	16MT10025	पार्थ खंडेलवाल	9.15
34.	प्रो. बी एन अवस्थी स्मृति खेल पुरस्कार	15BT10003	भाटिया गीतांशु टी	8.04
		16EC10025	हेमा स्वेथा एन	9.08
35.	प्रो. सुनील कांती सेन स्मृति पुरस्कार	18CS30049	अभिनव बोहरा	9.78
36.	प्रोफेसर सुधीररंजन सेनगुप्ता स्मृति पुरस्कार	15CE31003	राहुल देव कुंडू	9.27
37.	सर्वश्रेष्ठ बी. टेक. श्री मितराजित मुखोपाध्याय द्वारा परियोजना थीसिस पुरस्कार	15CH30003	1 अमित वर्मा	8.26
		15CH30043	2 एन डी गौरव अग्रवाल	9.06
		15CH30038	3 आरडी ओंकार रॉय	8.41
38.	ए.ए. हाकिम स्मृति अक्षय पुरस्कार	14AG38002	अनिन्द्र कुमार	7.18
39.	केशव क पार्थी अक्षय पुरस्कार	14EE33002	सयान सामंत	9.07
40.	नीलांजना गांगुली स्मृति पुरस्कार ई एंड ईसीई विभाग के लिए	15EC10023	जोशुआ पीटर एबेनेजर	9.77
41.	नीलांजना गांगुली स्मृति पुरस्कार भौतिकी विभाग के लिए	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37
42.	केदारनाथ सिंह स्मृति पुरस्कार	14PH20030	एस अरविंद स्वामीनाथन	9.37
43.	द्वारकानाथ सिंह स्मृति पुरस्कार	14ME32008	जोशी निखिल विनायक	9.56
44.	जुगल किशोर सिंह स्मृति पुरस्कार	15ME10051	सत्यम आनंद	9.6
45.	राजेंद्रकुमार खन्ना स्मृति पुरस्कार	15EE10045	सौरदीप पोद्दार	9.44
46.	रमणीक सोढी स्मृति पुरस्कार	15MT30018	स्वागता रॉय	9.56
47.	सुशील कुमार चौधरी स्मृति पुरस्कार	15AE10025	शेठिया श्रेयांशु राकेश कुमार	8.55
48.	आशीम रंजन गुहा स्मृति पुरस्कार	15AG10011	अनुकुल राज	8.32
49.	टीकेटी श्रीकृष्णन एंडोवमेंट पुरस्कार	15ME33028	यैरेला राम हेमंत	8.62
	प्रो. जेपी घोष स्मृति पुरस्कार	15ME33048	बोडेडा हेमंत साई संदीप	8.12
50.	सिखारिनि नाग स्मृति पुरस्कार	16NA30003	अनमेश चौधरी	8.56
51.	छात्राओं के लिए सिखारिनि नाग स्मृति पुरस्कार	15ME10069	गोकवरापु नागा वेंकट शिव श्रीकर	9.41
		14ME32008	जोशी निखिल विनायक	9.56
52.		16CH30029	आभा कुमारी	9.65
53.	प्रो. डी. वी. एस. मूर्ति मेरिट पुरस्कार	15IE10037	अभिषेक गुप्ता	9.14
54.	प्रो. पीके मुहुरी स्मृति पुरस्कार	14NA30025	अपहरन्दे संकल्प प्रकाश	9.02
55.	प्रो. आर के ब्रह्मा स्मृति पुरस्कार	14ME32008	जोशी निखिल विनायक	9.56
56.	प्रो. सोनाथ सेनगुप्ता स्मृति पुरस्कार	15EC10026	कौस्तुव ब्रह्मा	9.92
57.	प्रो. के वेंकटरामलन स्मृति पुरस्कार	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
58.	प्रो. अमिताभ चक्रवर्ती स्मृति पुरस्कार	17GG40022	सैंड्रो चटर्जी	9.48
59.	प्रो. सुप्रिया मोहन सेनगुप्ता स्मृति सम्मान	14EX20015	किलॉस्कर मिहिर मिलिंद	9.11
		14GG20037	वैभव अग्रवाल	8.82



क्रमांक.	Name of Prize	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
60.	प्रो. सुप्रिया मोहन सेनगुप्ता स्मृति सम्मान	17GG40012	कनिष्क शर्मा	8.43
61.	स्व. प्रो वी जी राऊ पुरस्कार	15EE10045	सौरदीप पोद्दार	9.44

5. जे सी घोष स्मारक पुरस्कार

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	16AE10010	नलापारेड्डी चारण रेड्डी	9.36
2.	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	16AG10030	शिवम रोहिला	8.76
3.	जैवप्रौद्योगिकी	16BT10001	आदर्श सिंह	9.00
4.	रासायनिक अभियांत्रिकी	16CH30029	आभा कुमारी	9.65
5.	सिविल अभियांत्रिकी	16CE10040	प्रशांत कुमार साहू	9.20
6.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	16CS10058	लविश चोपड़ा	9.92
7.	विद्युतिक अभियांत्रिकी	16EE10008	अर्कडेब सेनगुप्ता	9.99
8.	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	16IE10034	जितेंद्र भंडारी	9.44
9.	वैद्युतिक एवं विद्युत संचार अभियांत्रिकी	16EC10066	दिव्यांशु झुनझुनवाला	9.78
10.	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	16IM10034	भार्गव डी	9.36
11.	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	16ME10017	देवप्रिया दे	9.74
12.	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	16MF3IM16	सुधांशु तिवारी	8.95
13.	धातुकर्मिकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	16MT10025	पार्थ खंडेलवाल	9.15
14.	खनन अभियांत्रिकी	16MI31014	सयान गुहा	8.78
15.	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	16NA30003	अनमेश चौधरी	8.56
16.	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	16AR10005	अमलान कुमार साहू	8.96
17.	रसायनशास्त्र	15CY20007	एकरूप कौर चीमा	9.02
18.	अनुप्रयुक्त भूभौतिकी	15GG20013	इशिका अग्रवाल	8.64
19.	अन्वेषणीय भूभौतिकी	15EX20011	दिव्यांश मणि त्रिपाठी	7.97
20.	गणित एवं संगणन	15MA20051	हर्षित जितेंद्र मोटवानी	9.69
21.	भौतिकी	15PH20005	अनिरुद्ध देब	9.89
22.	अर्थशास्त्र (एचएस)	15HS20047	रिशव बागड़ी	9.14

6. सर्वोत्तम परियोजना (प्रोजेक्ट) पुरस्कार :

क. 4-वर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातक प्रतिष्ठा):

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	15AE10025	शेठिया श्रेयांश राकेश कुमार	8.55
2.	जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव रासायनिक अभियांत्रिकी	15BT30019	राजेंद्र के.सी.	8.47
3.	रासायनिक अभियांत्रिकी	15CH30003	अमित वर्मा	8.26
4.	सिविल अभियांत्रिकी	15CE31006	सुभदीप पाल	9.12
5.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	15CS10013	दुव्वुरी वेंकट साई सूर्या सुब्रमण्यम	8.98
6.		15EE10061	कुमार जॉय नाग	9.11
7.	विद्युतिक अभियांत्रिकी	15IE10033	अक्षत गुप्ता	8.73
8.	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	15IM10031	आकाश तिवारी जे	8.72
9.	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	15EC10066	सौम्या महापात्रा	9.81
10.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	15ME10014	बिग्यानसू बेहरा	9.03
11.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	15MF3IM16	आयुष मोहंती	8.51



क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
12.	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी .	15MT30004	बंदी नरसी रेड्डी	8.88
13.	खनन अभियांत्रिकी	15MI31031	आनंद कुमार	9.02
14.	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	15NA10016	नेली श्री विनय कृष्ण रायडू	8.33

ख .5-वर्षीय वास्तुकला स्नातक:

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	14AR10009	आशुतोष सुशील सारडा	8.27

ख. 5 वर्षीय द्विउपाधि कार्यक्रम

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	14AE30002	अदपा वेंकट साई चैतन्य	8.01
2.	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	14AG3FP05	अभिषेक सिवाच	8.77
3.	जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव रासायनिक अभियांत्रिकी	14BT30015	नूपुर जैन	8.32
4.	रासायनिक अभियांत्रिकी	14CH30033	मनीष आयुष्मान	9.24
5.	सिविल अभियांत्रिकी	14CE33013	टंगडू जगदीश	8.53
6.	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	14CS30015	माधव दत्त	9.11
7.	विद्युतिक अभियांत्रिकी	14EE35020	फ्रांसिस टॉम	9.31
8.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युतिक संचार अभियांत्रिकी	14EC35030	राजर्षि साहा	9.75
9.	औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी	14MF3IM07	मनप्रीत दाश	9.53
10.	औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी (यांत्रिकी अभियांत्रिकी शाखा)	14QM30001	अभिषेक पांडे	8.87
11.	यांत्रिक अभियांत्रिकी.	14ME33011	दानवे हृषिकेश गजानन	9.49
12.	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी.	14MT30016	सौविक भट्टाचार्य	8.86
		14MT30015	सौरव दास	9.24
13.	खनन अभियांत्रिकी	14MI33004	अखिल जिष्णु पी	8.85
14.	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग	14NA30025	अपहरन्दे संकल्प प्रकाश	9.02
15.	वित्तीय अत्रियांत्रिकी	14CE3FP02	अरिहंत बुचा	9.15

घ 5 .वर्षीय एम.एपाठ्यक्रम .एसी

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	रसायन विज्ञान	14CY20027	स्मिता मंडल	8.28
2.	अन्वेषण भूभौतिकी	14EX20015	किल्लोस्कर मिहिर मिलिंद	9.11
3.	अनुप्रयुक्त भूभौतिकी	14GG20037	वैभव अग्रवाल	8.82
4.	अर्थशास्त्र	14HS20041	सुमित पोद्दार	7.40
5.	गणित एवं अभिकलन	14MA20026	राहुल मिश्रा	7.74
6.	भौतिकी	14PH20020	फिलिप जैकब	9.15

ग. 2 वर्षीय एम.एससी पाठ्यक्रम :

क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
1.	रसायन विज्ञान	17CY40018	मनीष गुप्ता	9.84
2.	भूभौतिकी	17EX40010	गौरिया कस्टन डेविड	9.09



क्रमांक.	विभाग	क्रमांक	विजेता का नाम	सीजीपीए
3.	भूविज्ञान	17GG40012	कनिष्क शर्मा	8.43
4.	गणित	17MA40028	सुवोजीत धरा	9.68
5.	भौतिकी	17PH40011	देबजीत बोस	9.40
6.	जैव विज्ञान	17BS4JP08	सुरश्री पाल	9.48

तालिका ए-7

वाह्य एजेंसियों द्वारा स्नातक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति

क्रमांक	प्रदान करने वाला संगठन	प्राप्तकर्ताओं की संख्या
1	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गई इंस्पेयर छात्रवृत्ति	397 + 148
2	राजर्षि शाहू महाराज श्रेष्ठता छात्रवृत्ति, महाराष्ट्र	9
3	सेल छात्रवृत्ति, स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा	2
4	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति, आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई	6
5	राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त और विकास, फरीदाबाद	2
6	केवीपीवाई छात्रवृत्ति, आईआईएससी बैंगलोर	4
7	बीपीएल वर्ग / अ जा / अ जन जाति छात्रों को एफएईए छात्रवृत्ति, नई दिल्ली	8
8	विभिन्न राज्य से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	16
9	एसटी छात्रवृत्ति सिंगापुर टेक्नोलॉजीज इंजी लिमिटेड द्वारा समर्थित।	4
10	ओएनजीसी छात्रवृत्ति	4
11	ईआईएल छात्रवृत्ति, नई दिल्ली	8
12	एसटी के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति	26
13	इफको किसान सेवा	1
14	एमएमवीवाई छात्रवृत्ति, मध्यप्रदेश	5
15	एआईसीटीई जम्मू और कश्मीर छात्रवृत्ति	1
16	कोल इंडिया लि	1
17	सीएसबीएफ से शिक्षा सहायता	2
18	ईएसएसए छात्रवृत्ति	1
19	एफएफई छात्रवृत्ति	2
20	फिटजी जेईई छात्रवृत्ति	8
21	वित्तीय सहायता (एससी / एसटी) छात्रवृत्ति	54
22	छात्रावास की सब्सिडी	1
23	एलएएफबीए छात्रवृत्ति	1
24	आईएनबीए छात्रवृत्ति	1
25	ईशान उदय स्पेशल	2
26	जवारलाल नेहरू विज्ञान और प्रौद्योगिकी छात्रवृत्ति	2
27	पेशेवर और प्रौद्योगिकी के लिए एमसीएम छात्रवृत्ति	2
28	मिलेनियम छात्रवृत्ति	2
29	विधायक निधि	1
30	NTSE छात्रवृत्ति	54
31	एनआईएस छात्रवृत्ति	1
32	निस्वार्थ फाउंडेशन छात्रवृत्ति	1
33	NSF छात्रवृत्ति	1
34	सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति	4



35	पीएमएसएस छात्रवृत्ति	2
36	प्रधान मंत्री छात्रवृत्ति	11
37	रेलवे कर्मचारी कल्याण कोष	17
38	राजस्थान पुलिस कल्याण कोष	1
39	समाज सुरक्षा योजना	1
40	सैमसंग स्टार छात्रवृत्ति	26
41	एसबीआई स्टाफ चिल्ड्रन स्कॉलरशिप	7
42	एसजेवीएन छात्रवृत्ति	1
43	राज्य सरकार असम छात्रवृत्ति	1
44	स्वामी विवेकानंद एमसीएम छात्रवृत्ति	27
45	तेलंगाना सरकार छात्रवृत्ति	1
46	एसटी बच्चे की शिक्षा के लिए छाता योजना	1
	कुल	878

तालिकाए-8

ज्ञातक पाठ्यक्रमों में विदेशों से छात्र

क्रमांक	विभाग	1 st Year	2 nd Year	3 rd Year	4 th Year	5 th Year	कुल
	(A) 4 वर्षीय बी टैक						
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी						
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग						
3	जैवप्रौद्योगिकी						
4	रासायनिक अभियांत्रिकी						
5	सिविल अभियांत्रिकी						
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी						
7	वैद्युतिक अभियांत्रिकी						
8	वैद्युतिक एवं ईसीई						
9	औद्योगिकी अभियांत्रिकी						
10	यांत्रिकी अभियांत्रिकी						
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी						
12	खनन अभियांत्रिकी						
13	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प विभाग						
	(ख) बी आर्क . 5-वर्षीय						
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन						
	(ग) 5-वर्षीय समेकित एमएससी						
1	रसायनशास्त्र	1					
2	भूविज्ञान और भूभौतिकी						
3	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान						
4	गणित						
5	भौतिकी						
	(घ) एम .एससी.2-वर्षीय						
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी						
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग						
3	जैवप्रौद्योगिकी एवं जैवरासायनिक अभियांत्रिकी						
4	रासायनिक अभियांत्रिकी						
5	सिविल अभियांत्रिकी						
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी						
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी						
8	वैद्युतिक एवं ईसीई						
9	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन						



10	यांत्रिकी अभियांत्रिकी						
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभि .						
12	खनन अभि .						
13	महासागर अभि एवं नौशिल्प .						
	(ड) एम .एससी.2-वर्षीय						
1	रसायनशास्त्र						
2	रासायनिक और आणविक जीवविज्ञान						
3	भूविज्ञान और भूभौतिकी						
4	गणित						
5	भौतिकी	1					
6	आयुर्विज्ञान भौतिकी (3 वर्ष एम.एससी)						
7	नाभिकीय औषधि						
8	आण्विकी आयुर्विज्ञान सूक्ष्मजीव विज्ञान						
	कुल	2					2



तालिका ए-9
परिणाम विवरण (स्नातक)

क्रमां	पाठ्यक्रम	1st yr.		2nd yr.		3rd yr.		4th yr.		5th yr.		
		P	I	P	I	P	I	P	I	P	I	
	कुल											
1	अन्वेषण भूभौतिकी	0	0	0	0	1	1	2	0	0	0	4
2	भूविज्ञान एवं भूभौतिकी	3	0	2	0	0	0	2	0	0	0	7
(क) बी टैक												
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	22	6	27	5	11	7	17	4	0	0	99
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	22	9	16	15	12	14	32	2	0	0	122
3	जैवप्रौद्योगिकी	13	8	16	3	9	7	11	5	0	0	72
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	62	3	50	9	34	8	50	4	0	0	220
5	सिविल अभियांत्रिकी	47	11	37	17	43	4	50	7	0	0	216
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	65	5	55	9	52	7	64	5	0	0	262
7	वैद्युतिक अभियांत्रिकी	60	7	51	11	47	15	61	7	0	0	259
8	वैद्युतिक एवं ईसीई	68	7	61	9	58	4	64	1	0	0	272
9	औद्योगिकी अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	34	2	26	4	19	5	25	4	0	0	119
10	यंत्रिकी अभियांत्रिकी	28	9	30	6	26	4	27	5	0	0	135
11	विनिर्माण अभियांत्रिकी	26	6	15	9	18	8	25	7	0	0	114
12	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	74	11	64	12	41	14	59	12	0	0	287
13	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	27	4	29	11	16	5	24	1	0	0	117
14	खनन अभियांत्रिकी	30	4	19	14	10	11	26	2	0	0	116
15	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्पविभाग	18	7	18	13	14	8	16	0	0	0	94
कुल(A)		599	99	516	147	411	122	555	66	0	0	2515
(ख) बी.आर्क												
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	32	1	32	7	32	5	23	13	38	7	190
कुल(B)		32	1	32	7	32	5	23	13	38	7	190
(ग) एम.एससी. (2वर्ष)												
1	जैव विज्ञान	10	0	10	0	0	0	0	0	0	0	20
2	रसायनशास्त्र	39	2	39	0	0	0	0	0	0	0	80
3	अन्वेषण भूभौतिकी	14	4	16	0	0	0	0	0	0	0	34
4	भूविज्ञान और भूभौतिकी	30	0	30	0	0	0	0	0	0	0	60
5	गणित	26	1	28	1	0	0	0	0	0	0	56
6	भौतिकी	37	4	41	2	0	0	0	0	0	0	84
7	आयुर्वेदान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	22	0	0	0	0	0	0	0	0	0	22
कुल(C)		178	11	164	3	0	0	0	0	0	0	356
(घ) एम.एससी (5 वर्ष)												
1	रसायनशास्त्र	19	7	20	6	15	6	26	3	14	1	117
2	अन्वेषण भूभौतिकी	16	4	24	7	26	5	18	5	25	4	134
3	भूविज्ञान और भूभौतिकी	21	7	21	10	18	6	13	9	21	4	130
4	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	47	3	40	11	44	6	43	8	33	5	240
5	गणित	53	5	45	10	42	17	43	9	55	7	286
6	भौतिकी	25	5	25	12	19	12	26	9	24	5	162
कुल(घ)		कुल(31	175	56	164	52	169	43	172	26	1069
(ड) Dual Degree												
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	19	3	14	4	28	5	32	5	26	1	137
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	24	5	13	19	27	14	28	3	29	3	165



3	जैवप्रौद्योगिकी	जैवप्रौद्योगिकी	7	13	7	24	7	30	4	28	4	137	
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी	1	29	1	42	5	37	6	40	3	194	
5	सिविल अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी	2	18	6	28	6	27	2	34	1	148	
6	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	41	3	46	4	42	7	45	1	240	
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	विद्युतिक अभियांत्रिकी	2	23	3	18	7	29	3	34	3	149	
8	वैद्युतिक एवं विद्युतिक संचार अभि.	वैद्युतिक एवं विद्युतिक संचार अभि.	4	38	8	46	8	47	5	53	4	261	
9	औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी	औद्योगिक एवं संकाय अभियांत्रिकी	5	20	7	30	3	19	8	29	2	143	
10	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	यंत्रिकरण अभियांत्रिकी	0	0	0	3	0	8	3	0	0	14	
11	विनिर्माण अभियांत्रिकी	विनिर्माण अभियांत्रिकी	2	15	2	20	2	16	5	16	3	97	
12	यांत्रिक अभियांत्रिकी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	6	40	15	57	17	70	8	68	9	346	
13	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	0	17	5	27	6	21	5	30	2	128	
14	खनन अभियांत्रिकी	खनन अभियांत्रिकी	7	22	17	37	11	45	2	38	2	209	
15	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्पविभाग	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्पविभाग	5	10	13	16	7	20	1	32	0	119	
16	गुणवत्ता अभिअभिकल्प एवं . - विनिर्माण औद्योगिक वैद्युतिक वर्तिकल	7	2	8	0	5	2	5	2	3	2	36	
17	गुणवत्ता अभिअभिकल्प एवं . विनिर्माण-यांत्रिक अभि वर्तिकल .	9	0	4	2	7	2	1	2	9	0	36	
कुल(E)			402	51	325	112	461	106	477	71	514	40	2559
कुल(A+B+C+D+E)			1392	193	1212	325	1068	285	1224	193	724	73	6689



तालिका ए -10
विभागानुसार विद्यार्थियों की सूची (स्नातक)

क्रमांक	विभाग	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष		पंचम वर्ष		कुल
		M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
	(क) बी टैक 4 वर्षीय											
1	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	23	5	28	3	13	3	13	0			88
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	26	5	25	3	10	2	24	1			96
3	जैवप्रौद्योगिकी	16	4	18	2	12	2	9	1			64
4	सिविल अभियांत्रिकी	55	10	55	2	39	3	42	3			209
5	रासायनिक अभियांत्रिकी	50	8	48	4	44	2	43	4			203
6	संगणक विज्ञान एवं अभि.	61	9	59	2	53	4	54	5			247
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	86	16	86	10	82	9	70	8			367
8	वैद्युतिक एवं विद्यु.अभि .सं .	65	10	65	3	52	10	47	10			262
9	औद्योगिक अभि .	31	5	30	0	21	2	22	1			112
10	यांत्रिक अभियांत्रिकी	98	17	95	2	81	1	74	3			371
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभि.	26	5	32	4	20	2	20	1			110
12	खनन अभियांत्रिकी	30	4	32	0	19	0	18	0			103
13	महासागर अभिएवं नौशिल्प .विभाग	22	3	27	1	19	0	14	2			88
	कुल (A)	589	101	600	36	465	40	450	39	0	0	2320
	(ख) बी आर्क 5 वर्षीय											
1	वास्तुकला एवं क्षेत्रीय नियोजन	27	8	24	13	34	3	25	9	31	5	179
	कुल (ख)	27	8	24	13	34	3	25	9	31	5	179
	(ग) समेकित एम एससी 5 वर्षीय											
1	रसायनशास्त्र	22	3	22	4	18	4	23	4	12	3	115
2	भूविज्ञान और भूभौतिकी	18	2	24	6	28	1	21	3	26	3	132
	मानविकी एवं सामा.वि .	22	4	28	1	22	5	18	2	21	1	124
3	गणित	44	6	40	10	37	12	36	11	36	2	234
4	भौतिकी	50	8	50	5	48	7	50	5	53	2	278
5	रसायनशास्त्र	25	5	30	3	32	2	30	0	22	6	155
	कुल (ग)	181	28	194	29	185	31	178	25	170	17	1038
	(घ) 5 वर्षीय द्विउपाधि											
1	वांतरिक्ष अभिसांत्रिकी	19	3	15	2	25	3	34	3	30	2	136
2	कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग	27	2	24	6	37	3	26	5	31	4	165
3	जैवप्रौद्योगिकी	17	3	14	5	27	4	28	4	25	10	137
4	रासायनिक अभियांत्रिकी	25	6	27	3	39	6	35	5	43	3	192



5	सिविल अभियांत्रिकी	21	4	21	2	32	1	27	1	35	4	148
6	संगणक विज्ञान एवं अभि.	44	7	43	1	45	3	42	4	48	4	241
7	विद्युतिक अभियांत्रिकी	24	5	24	0	27	2	27	4	39	3	155
8	वैद्युतिक एवं विद्यु.अभि .सं .	45	7	43	1	43	7	52	1	53	9	261
9	औद्योगिक एवं संकाय अभि /. आईईएम	36	5	37	3	45	2	31	3	47	5	214
10	यांत्रिक अभियांत्रिकी	67	13	66	4	88	4	96	1	100	2	441
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभिधातुकर्म /. .अभि	12	3	20	0	28	2	24	2	35	3	129
12	खनन अभियांत्रिकी	30	5	35	0	46	1	49	0	42	0	208
13	महासागर अभिएवं नौशल्य विभाग .	18	2	19	1	24	1	19	1	31	2	118
	कुल (D)	385	65	388	28	506	39	490	34	559	51	2545
	(ड) द्वि वर्षीय एमएससी											
1	रसायनशास्त्र	30	11	32	7							80
2	रासायनिक एवं आण्विक जीवविज्ञान-	4	6	4	6							20
3	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	10	12									22
4	अन्वेषण भूभौतिकी	14	4	9	7							34
5	भूविज्ञान	22	8	24	6							60
6	गणित	21	6	18	10							55
7	भौतिकी	118	39	116	38	0	0	0	0	0	0	311
	कुल(E)	219	86	203	74	0	0	0	0	0	0	582
	कुल A-E	1401	288	1409	180	1190	113	1143	107	760	73	6664



तालिका - B-1
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश 2018-19

विभाग /केन्द्र /स्कूल	विशेषज्ञता	स्वीकृत	प्रवेशित	नियमित	प्रायो.	क्यूआईपी	रक्षा	सा.	अन्य बर्ग	अ.जा.	अ.ज.जा.	वि.	पु.	म.
ईई	वांतिरक्ष अभियांत्रिकी	24	21	01	00	00	00	09	03	00	00	06	18	03
	फार्म मशीनरी एवं शक्ति (एजी1)	19	20	00	00	00	00	06	03	00	00	10	18	02
एजी	भूमि एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी	18	19	00	00	00	00	07	04	00	00	07	16	03
	खाद्य प्रक्रमण अभियांत्रिकी (एजी3)	30	28	00	00	00	00	11	04	2	00	11	26	02
	कृषि जैवप्रौद्योगिकी (एजी4)	20	12	00	00	00	00	05	03	01	00	03	04	08
	जलसंस्कृति अभियांत्रिकी (एजी5)	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
	जलसंस्कृति अभियांत्रिकी (एजी5)	19	15	00	00	00	00	05	04	01	00	05	12	03
एटी	अन्तः स्थापित नियंत्रण एवं	12	6	01	00	00	00	04	00	00	00	02	05	01
बीटी	जैवप्रौद्योगिकी एवं जैवसायनिक	24	22	00	00	00	00	07	04	03	00	08	14	08
सीएच	रसायनशास्त्र	75	53	00	00	00	00	24	08	02	02	17	42	11
	जलीय एवं जल संसाधन	20	11	00	00	00	00	04	02	01	01	03	11	00
सीई	यातायातीय अभियांत्रिकी (सीई2)	20	20	00	00	00	00	09	03	02	01	05	20	00
	पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं	18	13	01	00	00	00	07	01	00	00	05	13	01
	भूतकनीकी अभियांत्रिकी (सीई4)	18	10	00	00	00	00	05	01	00	00	04	10	00
	संरचनात्मक अभियांत्रिकी (सीई5)	20	12	00	00	00	00	09	01	00	01	01	12	00
	संरणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	67	74	01	00	00	00	43	10	04	02	15	61	13
सीआर	परिशीतन अभियांत्रिकी (सीआर)	21	4	00	00	00	01	00	00	01	00	02	04	00
सीएल	पृथ्वी निकाय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	31	10	00	00	00	00	02	01	03	00	04	08	02
	मशीन ड्राइव्स एवं शक्ति वैद्युतिक	18	11	00	00	00	00	02	02	01	01	05	09	02
ईई	नियंत्रण पद्धति अभियांत्रिकी (ईई2)	18	17	00	00	00	00	07	01	00	01	08	13	04
	शक्ति एवं ऊर्जा पद्धति (ईई3)	18	16	01	00	00	00	10	02	01	00	03	14	02
	यंत्रिकरण एवं संकेत प्रक्रमण (ईई4)	18	19	00	00	00	00	10	03	01	01	04	15	04



विभाग / केन्द्र / स्कूल	विशेषज्ञता	स्वीकृत	प्रवेशित	नियमित	प्रायो.	क्यूआईपी	रक्षा	सा.	अन्य वर्ष	अ.जा.	अ.ज.जा.	वि.	पु.	म.	विभाग / केन्द्र / स्कूल
ईसी	सूक्ष्मवैद्युतिक एवं वीएलएसआई अभिकल्प (ईसी2)	29	23	23	00	00		00	11	05	01	01	05	20	03
	आरएफ एवं सूक्ष्मतरंग अभियांत्रिकी (ईसी3)	28	16	12	00	00	04	00	07	02	02	00	05	15	01
	दूरसंचार पद्धति अभियांत्रिकी (ईसी4)	28	17	12	00	00	05	00	07	01	01	01	07	13	04
ईएस	दृश्यिक सूचना एवं अन्तःस्थापित पद्धति अभियांत्रिकी (ईसी5)	28	18	17	00	00	01	00	08	03	01	00	06	16	02
	ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (ईएस)	15	6	5	00	00	01	00	03	01	01	00	01	06	00
ईटी	बहुमाध्यम सूचना प्रक्रमण (ईटी1)	15	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
जीजी	अन्वेषण भूविज्ञान (जीजी1)	24	21	20	00	00	00	01	07	05	01	00	08	17	04
आईएम	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन (आईएम)	10	5	5	00	00	00	00	02	01	00	00	02	04	01
एमएम	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एमएम)	25	10	08	02	00	00	00	06	00	00	00	04	10	00
एमएस	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमएस)	15	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
सीएस	संगणक विज्ञान एवं ऑकड़ा प्रक्रमण (एमए)	29	21	18	00	00	03	00	10	02	01	00	08	16	05
एमए	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई1)	34	25	25	00	00	00	00	13	03	02	01	06	19	06
एमई	ताप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई2)	26	11	11	00	00	00	00	04	01	01	00	05	11	00
	यांत्रिक निकाय अभिकल्प (एमई3)	33	9	09	00	00	00	00	03	03	00	00	03	09	00
एमटी	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी (एमटी1)	44	27	23	02	00	02	00	13	04	02	00	08	27	00
	खनन अभियांत्रिकी	54	41	38	00	01	01	01	17	05	03	01	15	37	04
एमएन	महासागर अभि. एवं नौशिल्प (एनए)	22	13	13	00	00	00	00	04	02	01	00	06	13	00
एनए	सॉलिड स्टेट प्रौद्योगिकी (पीएच2)	20	14	12	00	00	02	00	07	00	01	00	06	14	00
पीएच	आधारिक संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन (आईडी)	25	16	16	00	00	00	00	08	02	00	00	06	09	07
आईडी	विश्वसनीयता अभियांत्रिकी (आरई)	31	14	14	00	00	00	00	07	02	01	01	03	13	01
आई	रेलवे अभियांत्रिकी	20	17	09	00	00	08	00	12	02	01	00	02	17	00
आरआर	रबर प्रौद्योगिकी (आरटी)	10	4	00	04	00	00	00	02	00	00	01	01	04	00
आरटी	जल अभि. एवं प्रबंधन (डब्ल्यूएम)	24	19	19	00	00	00	00	05	02	02	00	10	17	02
डब्ल्यूएम	नगर नियोजन (एआर)	12	8	08	00	00	00	00	02	01	01	00	04	06	02



विभाग / केन्द्र / स्कूल	विशेषज्ञता	स्वीकृत	प्रवेशित	नियमित	प्रायो.	क्यूआईपी	रक्षा	सा.	अन्य वर्ग	अ.जा.	अ.ज.जा.	वि.	पु.	म.	विभाग / केन्द्र / स्कूल
एआर	नगर नियोजन (एमसीपी)	42	37	37	00	00	00	00	15	06	02	01	13	22	15
एमएम	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एमएम)	15	06	06	00	00	00	00	05	01	00	00	00	06	00
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (विधि स्नातक)	80	41	41	00	00	00	00	26	09	00	00	06	28	13
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (विधि निष्णात)	30	17	17	00	00	00	00	11	02	00	00	04	06	11
बीएम	व्यवसाय प्रबंधन (बीएम)	160	130	130	00	00	00	00	72	15	00	00	43	113	17
एचएस	मानव संसाधन प्रबंधन (एचएस1)	30	16	16	00	00	00	00	12	02	00	00	02	09	07
ईएमबीए	कार्यपालक एमबीए (कोलकाता कैंपस) + भुवनेश्वर	50	28	28	00	00	00	00	27	01	00	00	00	27	01
पीजीडीबीए	व्यवसाय विश्लेषण स्नात्कोत्तर डिप्लोमा	60	57	57	00	00	00	00	27	09	01	00	20	50	06



तालिका B-2 वर्ष 2018-2019 स्नातकोत्तर छात्र सूची

विभाग/केन्द्र/ स्कूल	विशेषज्ञता	कोड	1st year		2nd year		3rd year		Total	
			M	F	M	F	M	F	M	F
एई	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	AE	19	03	15	03	-	-	34	6
एजी	फार्म मशीनरी एवं शक्ति (एजी1)	AG1	22	2	16	03	-	-	38	5
एजी	भूमि एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी (एजी2)	AG2	15	3	14	4	-	-	29	7
एजी	खाद्य प्रक्रमण अभियांत्रिकी (एजी3)	AG3	30	3	20	09	-	-	50	12
एजी	कृषि जैवप्रौद्योगिकी (एजी4)	AG4	12	04	6	6	-	-	18	10
एजी	जलसंस्कृति अभियांत्रिकी (एजी5)	AG5	-	-	8	3	-	-	8	3
एजी	कृषि पद्धति एवं प्रबंधन (एजी6)	AG6	14	3	12	6	-	-	26	9
एटी	अन्तःस्थापित नियंत्रण एवं सॉफ्टवेयर (एटी1)		7	1	5	3	-	-	12	4
बीटी	जैवप्रौद्योगिकी एवं जैवरासायनिक अभियांत्रिकी (बीटी)	BT	16	7	18	7	-	-	34	14
सीएच	रासायनिक अभियांत्रिकी (सीएच)	CE1	09	0	08	0	-	-	17	0
सीई	जलीय एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी (सीई1)	CE2	20	0	14	4	-	-	34	4
सीई	यातायातीय अभियांत्रिकी (सीई2)	CE3	14	1	6	2	-	-	20	3
सीई	पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन (सीई3)	CE4	8	0	7	3	-	-	15	3
सीई	भूतकनिकी अभियांत्रिकी (सीई4)	CE5	10	0	13	2	-	-	23	2
सीएच	रसायनिक अभियांत्रिकी	CH	40	11	47	13	-	-	87	24
सीएल	पृथ्वी पद्धति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (सीएल)	CL	5	2	12	0	-	-	17	2
सीआर	मशीन ड्राइव्स एवं शक्ति वैद्युतिक (ईई1)	CR	2	0	20	1	-	-	22	1
सीएस	नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी (ईई2)	CS	58	13	49	09	-	-	107	22
ईसी	शक्ति एवं ऊर्जा पद्धति (ईई3)	EC2	28	04	26	2	-	-	54	6
ईसी	यंत्रिकरण एवं संकेत प्रक्रमण (ईई4)	EC3	16	0	9	2	-	-	25	2
ईसी	पृथ्वी पद्धति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (सीएल)	EC4	18	5	25	1	-	-	43	6
ईसी	मशीन ड्राइव्स एवं शक्ति वैद्युतिक (ईई1)	EC5	15	2	18	3	-	-	33	5
ईई	नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी (ईई2)	EE1	8	2	13	2	-	-	21	4
ईई	शक्ति एवं ऊर्जा पद्धति (ईई3)	EE2	11	2	12	0	-	-	23	2
ईई	यंत्रिकरण एवं संकेत प्रक्रमण (ईई4)	EE3	12	2	9	2	-	-	21	4
ईई	पृथ्वी पद्धति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (सीएल)	EE4	15	3	12	2	-	-	27	5
जीजी	अन्वेषणीय भूविज्ञान (जीजी1)	GG1	20	3	11	6	-	-	31	9
जीएस	बेतार संचार एवं नेटवर्क	GS/GS1	4	1	5	1	-	-	9	2



तालिका B-2 वर्ष 2018-2019 स्नातकोत्तर छात्र सूची 2018-2019

विभाग/ केन्द्र/ स्कूल	विशेषज्ञता	कोड	1st year		2nd year		3 rd year		Total	
			M	F	M	F	M	F	M	F
आईडी	आधारिक संरचना अभिकल्प एवं प्रबंधन	ID	14	1	11	00	-	-	25	1
आईएम	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन (आईएम)	IM	10	1	10	3	-	-	20	4
आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी	IT	1	0	1	00	-	-	2	0
एमए	संगणक विज्ञान एवं आंकड़ा प्रक्रमण (एमए)	MA	19	5	20	7	-	-	39	12
एमई	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई1)	ME1	13	0	12	1	-	-	25	1
एमई	ताप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई2)	ME2	10	0	16	0	-	-	26	0
एमई	यांत्रिक पद्धति अभिकल्प (एमई3)	ME3	33	0	27	0	-	-	60	0
एमआई	खनन अभियांत्रिकी (एमआई)	MI	14	0	17	0	-	-	31	0
एमएस	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	MS	15	5	16	4	-	-	31	9
एमटी	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	MT1	35	3	31	6	-	-	66	9
एनए	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प (एनए)	NA	14	0	21	1	-	-	35	1
पीएच	सॉलिड स्टेट प्रौद्योगिकी (पीएच2)	PH2	9	6	10	4	-	-	19	10
आरई	विश्वसनीयता अभियांत्रिकी (आरई)	RE	14	0	12	0	-	-	26	00
आरआर	रेलवे अभियांत्रिकी	RR	6	0	11	0	-	-	17	00
आरटी	रबर प्रौद्योगिकी (आरटी)	RT	17	2	9	3	-	-	26	5
डब्ल्यूएम	जल प्रबंधन (डब्ल्यूएम)	WM	6	2	7	3	-	-	13	5
एआर	नगर नियोजन (एआर)	MCP	22	14	22	16	-	-	44	30
एमएम	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	MM	8	1	8	0	8	2	24	3
बीएम	विपणन प्रबंधन	BM	113	18	88	36	-	-	201	54
एचएस	मानव संसाधन प्रबंधन	HS	11	7	8	9	-	-	19	16
बीएम	अधिशासी एमबीए (तीन वर्षीय)	EMBA	27	1	16	1	34	2	77	4
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (स्नातक)	IP	29	13	27	7	14	16	70	36
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (परास्नातक)	IP	05	12	2	11	-	-	7	23
पीजीडीबीए	व्यवसाय विश्लेषण स्नातकोत्तर डिप्लोमा		50	7	42	10	-	-	92	17



तालिका बी-3 स्नातकोत्तर परीक्षा परिणाम का विवरण 2019

विभाग/ केन्द्र/स्कूल	विशेषज्ञता	कोड	पंजीकृत	सफल	असफल
एई	वांतरिक्ष अभियांत्रिकी (एई)	AE	18	18	0
एजी	फार्म मशीनरी एवं शक्ति (एजी1)	AG1	15	15	0
एजी	भूमि एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी (एजी2)	AG2	15	15	0
एजी	खाद्य प्रक्रमण अभियांत्रिकी (एजी3)	AG3	25	25	0
एजी	कृषि जैवप्रौद्योगिकी (एजी4)	AG4	12	12	0
एजी	जलसंस्कृति अभियांत्रिकी (एजी5)	AG5	10	10	0
एजी	कृषि पद्धति एवं प्रबंधन (एजी6)	AG6	18	18	0
एटी	अन्तःस्थापित नियंत्रण एवं सॉफ्टवेयर (एटी1)	AT	8	8	0
बीटी	जैवप्रौद्योगिकी एवं जैवरासायनिक अभियांत्रिकी (बीटी)	BT	24	24	0
सीएच	रासायनिक अभियांत्रिकी (सीएच)	CH	51	50	1
सीई	जलीय एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी (सीई1)	CE1	7	5	2
सीई	यातायातीय अभियांत्रिकी (सीई2)	CE2	15	13	2
सीई	पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन (सीई3)	CE3	8	8	0
सीई	भूतकनिकी अभियांत्रिकी (सीई4)	CE4	9	9	0
सीई	संरचनात्मक अभियांत्रिकी (सीई5)	CE5	13	13	0
सीएस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (सीएस)	CS	53	53	0
सीआर	परिशीतन अभियांत्रिकी (सीआर)	CR	20	20	0
सीएल	पृथ्वी निकाय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (सीएल)	CL	12	12	0
ईई	मशीन ड्राइव्स एवं शक्ति वैद्युतिक (ईई1)	EE1	15	14	1
ईई	नियंत्रण निकाय अभियांत्रिकी (ईई2)	EE2	9	9	0
ईई	शक्ति एवं ऊर्जा पद्धति (ईई3)	EE3	8	8	0
ईई	यंत्रिकरण एवं संकेत प्रक्रमण (ईई4)	EE4	12	12	0
ईसी	सूक्ष्मवैद्युतिकी एवं वीएलएसआई अभिकल्प (ईसी2)	EC2	20	20	0
ईसी	आरएए एवं सूक्ष्मतरंग अभियांत्रिकी (ईसी3)	EC3	9	9	0
ईसी	दूरसंचार निकाय अभियांत्रिकी (ईसी4)	EC4	19	19	0
ईसी	दृश्यिक सूचना एवं अन्तःस्थापित पद्धति अभियांत्रिकी (ईसी5)	EC5	17	15	2
जीजी	अन्वेषणीय भूविज्ञान (जीजी1)	GG1	15	13	2
जीएस	बेतार संचार एवं नेटवर्क	GS	6	6	0
आईएम	औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन (आईएम)	IM	12	12	0
एमएस	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	MS	18	18	0
एमए	संगणक विज्ञान एवं आंकड़ा प्रक्रमण (एमए)	MA	26	26	0
एमई	विनिर्माण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई1)	ME1	10	10	0
एमई	ताप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमई2)	ME2	12	12	0
एमई	यांत्रिक पद्धति अभिकल्प (एमई3)	ME3	22	20	2
एमआई	खनन अभियांत्रिकी (एमआई)	MT	35	33	2
एमएस	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	MI	15	12	3
एमटी	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	NA	20	20	0
एनए	महासागर अभियांत्रिकी एवं नौशिल्प (एनए)	PH2	14	14	0
पीएच	सॉलिड स्टेट प्रौद्योगिकी (पीएच2)	ID	10	10	0
आरई	विश्वसनीयता अभियांत्रिकी (आरई)	RE	12	12	0
आरआर	रेलवे अभियांत्रिकी	RR	10	8	2
आरटी	रबर प्रौद्योगिकी (आरटी)	RT	22	22	0



तालिका बी-3 स्नातकोत्तर परीक्षा परिणाम का विवरण 2019

विभाग/ केन्द्र/ स्कूल	विशेषज्ञता	कोड	पंजीकृत	सफल	असफल
डब्ल्यूएम	जल प्रबंधन (डब्ल्यूएम)	WM	8	7	1
एआर	नगर नियोजन (एआर)	MCP	37	37	0
बीएम	विपणन प्रबंधन	MBA	123	123	0
एमएम	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	MMST	9	9	0
एचएस	मानव संसाधन प्रबंधन	MHRM	16	16	0
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (स्नातक)	IP3	30	30	0
आईपी	बौद्धिक संपदा विधि (परास्नातक)	IP2	12	12	0
बीएम	विपणन प्रबंधन	EMBA	32	32	0
बीएम	पीजीडीबीए	PGDBA	52	52	0
	कुल		1020	1000	20



तालिका C-2 एमएस विद्यार्थियों की सूची 2018-19

विभाग	सामान्य		ओबीसी		कुल
	Female	Male	Female	Male	
एजी		1		1	2
एटी	2	8		2	12
बी.एम.	1				1
सीई		1			1
सीएस	5	4		1	10
ईई		3			3
ईटी			1		1
जी एस				1	1
आईडी	2				2
आईएम	1				1
एमई		2		1	3
एमआई	1				1
एम.एम.	1				1
आरई		1		1	2
कुल योग	13	20	1	7	41



तालिका C-2a पोस्ट डॉक्टरल फैलो की संख्या 31/05/2019

विभाग केन्द्र /विद्यालय	केन्द्र	पुरुष	महिला
बी एस	2		2
सीडी	1		1
सीई	1		1
सीएच	2	1	1
सीएल	1		1
सीआर	1	1	
सीएस	2	2	
सीवाई	7	6	1
एफई	1	1	
जी एस	1		1
एमए	3		3
एमई	3	2	1
एम.एम.	11	5	6
एमएस	1	1	
एमटी	2	2	
पीएच	2	2	
टीएस	5	5	
कुल योग	46	28	18



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

(राशि रुपये में)

निधि का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थाई निधि/मूलधन एवं देयताएँ			
समग्र निधि / मूलधन निधि	1	20133061850	18187455879
विनिर्धारित / अक्षय निधि	2	7908885197	7419752426
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	3	12401248568	12003094027
कुल		40443195615	37610302332
निधि का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियां	4		
- मूर्त परिसंपत्तियां		12543398075	11810220336
- अमूर्त परिसंपत्तियां		144580794	114523842
- कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस		5207486783	4264425375
निवेश- विनिर्धारित / अक्षय निधि से	5	7014157556	6298735399
- दीर्घ अवधि			
- लघु अवधि			
निवेश- अन्य	6	6551877198	6940133897
चालू परिसंपत्तियां	7	2352254105	2209735132
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	6629441104	5972528350
कुल		40443195615	37610302332
विशिष्ट लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियां	24		
<p>(पी.के.साह) (सीए. बी.भट्टाचार्य) (प्रो. बी.एन.सिंह) (प्रो. पी.पी.चक्रवर्ती) सहायक कुलसचिव (वित्त) उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा) कुलसचिव निदेशक</p> <p>दिनांक : 17 जून 2019</p>			



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

(राशि रुपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	253743837	518422425
अनुदान / रियायतें	10	4823409381	4895800000
निवेश से आय	11	18178163	9965489
अर्जित ब्याज	12	34260848	95752431
अन्य आय	13	203527818	172605247
पिछले कालखंड की आय	14	10973007	2314868
कुल(A)		5344093053	5694860460
व्यय			
स्टाफ वेतन एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	3719827314	4139440196
शैक्षणिक खर्च	16	1076233916	971071540
प्रशासनिक एवं सामान्य खर्च	17	797077061	751645095
यातायात प्रभार	18	6524067	6298625
मरम्मत एवं रख रखाव	19	211818513	251971040
वित्त लागत	20	6471057	3433738
अवमूल्यन	4	951940876	857862360
अन्य खर्च	21	6702633	493223
पिछले कालखंड के खर्च	22	3708389	497622
कुल(B)		6780303826	6982713440
अवमूल्यन समायोजन से पूर्व आय से अधिक व्यय कुल(B-A)		1436210773	1287852979
परिसंपत्तियों को योजना निधि/परियोजना/परिसंपत्तियों आदि का स्वामित्व स्थानांतरण आदि से परिसंपत्तियों के क्रय हेतु समतुल्य राशि के लिए अक्षय निधि/मूल आरक्षित में स्थानांतरण		951103548	857348082
आधिक्य / (घाटा) मूल निधि में ले जाने से शेष		-485107225	-430504898
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखांकन टिप्पणियां	24		
(पी.के.साह) सहायक कुलसचिव (वित्त)	(सीए. बी.भट्टाचार्य) उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)	(प्रो. बी.एन.सिंह) कुलसचिव	(प्रो. पी.पी.चक्रवर्ती) निदेशक
दिनांक : 17 जून 2019			



"31 मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण"
 INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
 RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राशि रुपये में	राशि रुपये में	राशि रुपये में	राशि रुपये में		राशि रुपये में	राशि रुपये में	राशि रुपये में	राशि रुपये में
प्रारंभिक कुल राशि	82								
बैंक में कुल राशि	165283363		82	2639366470		4105702423		1386390670	157053268
बैंक में कुल राशि	76097			731816227		786597013		4612884	6364694
अनुदान बचत एसीआई	14241667		199316429	1251803		193431466		2946196	256120413
पीओएस एसीआई	9631235		24284378	परिवहन व्यय		5359059648		3103548	6375320038
स्थापना एसीआई	214476		84208715	मरम्मत एवं अनुरक्षण		850888793		0	834668838
मुख्य एसीआई	701328		98387	पूर्व काल व्यय		3001241807		0	3700657564
पीओएस पीएनबी	1449408		10042	विनिधित / विनिधित निधि के लिए भुगतान		461930096		0	735380031
पेंशन खाता पीएनबी	1724740		450488	प्रायोजित परियोजना/योजना के लिए भुगतान		433687258		0	276755426
आयकर खाता आईआईटी केजीपी	3293922		3537905	प्रायोजित क्लेशिप / छात्रवृत्तियों के लिए भुगतान		578542104		1292297236	600911791
एसीआई एटी टैक्स	2139752		2950515	विनिधित / विनिधित निधि में से		43500000		3035262	0
अन्य शुल्क एसीआई खाता	492066		100000	a) विनिधित / विनिधित निधि में से					0
पेंशन खाता सिंडिकेट	17499493		450436	b) अपनी निधि में से (अन्य)					0
एसीआई एमओपीएस		216747628	419752	कार्य प्रगति पर हैं					0
प्राप्त अनुदान				सांविधिक सहित अन्य भुगतान					
भारत सरकार से				अनुदान वापसी					
गैर आवधिक अनुदान-सह-सहायता		1334300000	1281900000	जमा एवं अग्रिम					
आवधिक अनुदान-सह-सहायता		6423400000	4765980860	हेफा ऋण भुगतान					
अन्य अनुदान-सह-सहायता		6086939		हेफा ऋण पर व्याज					
शैक्षणिक प्राप्तियाँ		1480910381	1326654624	अंतिम कुल					
प्रायोजित परियोजना/योजना अंतर्गत प्राप्तियाँ		5359074648	6076175284	नकद कुल					
निवेशों से आय		0	0	बैंक कुल					
क) विनिधित/अक्षयनिधि									
ख) अन्य निवेश		1749779	4121092	एसीआई एटी टैक्स खाता					
प्राप्त व्याज		125994	19516150	एसीआई अनुदान बचत					
बैंक जमा		1740178	995279	आईआईटी खंडण आयकर खाता					
ऋण एवं अग्रिम		10038025	15730258	एमएसएसी अनुदान आईआईटी केजीपी					
बचत खाते		2152078352	2416652078	एसीआई अन्य शुल्क खाता					
निवेश नकदीकरण		662034864	675540155	पेंशन खाता पीएनबी					
अनुसूची बैंक में जियादी जमा नकदीकरण		49127066	30814970	सिंडिकेट पेंशन खाता					
अन्य आय (अवधि पूर्व आय सहित)		11372453	56274510	एसीआई पेंशन					
जमा एवं अग्रिम		500000000	0	पीओएस पीएनबी					
जमा में जमा		0	0	एसीआई पीओएस					
हेफा से प्राप्त ऋण		1349548177	6717070010	पीओएस एसीआई					
सांविधिक एवं अन्य प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियाँ				प्रा एफको 3 आईआईटी केजीपी					
				एसीआई एमओपीएस (सीए)					
				छात्रवृत्ति एवं भत्ता एसीआई (सीए)					
				शिक्षण शुल्क आईआईटी केजीपी एसीआई (एसबी)					
कुल		19558334483	23704504202	कुल		19558334483		23704504202	

(पी.पी.पी.चक्रवर्ती)
कुलसचिव

(पी.बी.एन.सिंह)
कुलसचिव

(सीए.बी.भद्राचार्य)
उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)

(पी.के.साहू)
सहायक कुलसचिव (वित्त)

दिनांक : 17 जून 2019

Annual Report

2018 - 2019



Indian Institute of Technology
Kharagpur

September 2019



Contents

Subject	Page No.
Organisation	
Members, Council of Indian Institutes of Technology	5
Board of Governors	7
Finance Committee	8
Building and Works Committee	9
Administrative Heads	10
The Senate	15
Director's Report	19
Courses of Study	66
PART-I	
Departments, Centres and Schools	
Academic Programmes	
Departments (19)	
Aerospace Engineering	72
Agricultural and Food Engineering	75
Architecture and Regional Planning	79
Biotechnology	82
Chemical Engineering	84
Chemistry	87
Civil Engineering	90
Computer Science and Engineering	93
Electrical Engineering	96
Electronics and Electrical Communication Engineering	99
Geology and Geophysics	103
Humanities and Social Sciences	106
Industrial & Systems Engineering	109
Mathematics	111
Mechanical Engineering	114
Metallurgical and Materials Engineering	117
Mining Engineering	120
Ocean Engineering and Naval Architecture	122
Physics	124
Centers (12)	
Advanced Technology Development Centre	128
Centre for Artificial Intelligence	131
P K Sinha Centre for Bio-Energy	132
Centre for Computational and Data Sciences	133
Centre for Educational Technology	134
Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Sciences	135
Center for Re-Water Research	137
Centre for Theoretical Studies	138
Cryogenic Engineering Centre	139
Materials Science Centre	141
Rubber Technology Centre	143
Rural Development Centre	144



Steel Technology Centre	145
-------------------------	-----

Schools (12)

G. S. Sanyal School of Telecommunications	147
Ranbir & Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Management	149
Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	150
Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship	152
School of Biosciences	154
School of Energy Science and Engineering	155
School of Environmental Science and Engineering	156
School of Medical Science & Technology	157
School of Nano Science and Technology	159
School of Water Resources	160
Subir Chowdhury School of Quality and Reliability	162
Vinod Gupta School of Management	164

Centers of Excellence (5)

Centre of Excellence in Robotics	168
Deysarkar Centre of Excellence in Petroleum Engineering	169
Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness	171
DHI Centre of Excellence on Advanced Manufacturing Technology	172

PART-II

Centralised Services, Programmes and Units (19)

Alumni Affairs & Institutional Development	173
B.C.Roy Technology Hospital	177
Career Development Centre	179
Central Library	181
Central Research Facility	188
Computer and Informatics Centre	189
Central Workshop & Instruments Service Section	190
Continuing Education Centre	193
Estate Civil, Construction & Maintenance Section	194
Extra Academic Activities (NSO, NCC, NSS)	195
Institute Information Cell	197
Office of International Relations	198
Kalpana Chawla Space Technology Cell	199
Rajbhasha Vibhag	200
Science & Technology Entrepreneurs' Park	202
Sponsored Research and Industrial Consultancy	204
Technology Students Gymkhana	207
Technology Telecom Centre	209
Water Works Section	210

PART- III

Statistical Information

Table A-1: Admission to Undergraduate Courses	212
Table A-2: Admission to 2-Year M.Sc. Courses	214
Table A-3: Students Awarded M.C.M. Scholarship	215



Table A-4: Students Awarded only Free Tuitionship	216
Table A-5: Students (SC & ST) Awarded Financial Assistance	217
Table A-6: Endowment Prizes - (Under Graduate)	218
Table A-7: Students Awarded Scholarships by External Agencies	226
Table A-8: Students from Foreign Countries on Roll – Undergraduate	227
Table A-9: Statement of Results (Undergraduate)	228
Table A-10: Students on Roll (Department wise) – Undergraduate	230
Table B-1: Admission to Postgraduate Courses	232
Table B-2: Postgraduate Students on Roll	235
Table B-3: Statement of Results of Postgraduate Examination	237
Table C-1: Number of Research Scholars Enrolled	239
Table C-2: Number of MS Students Enrolled	241
Table C-2a: Number of PDF	242
Table C-3: Number of Research Scholars on roll	243
Financial Information	245

PART – IV

Detailed reports of Departments, Centers, Schools, Sections and Units
(on attached CD)



Members of the Council of Indian Institutes of Technology (Till date)

Sl. No.	Name and Designation
1.	Shri Ramesh Pokhriyal (from 31.05.2019) Shri Prakash Javadekar, (Chairperson, IIT Council) Minister for Human Resource Development
2.	Shri Dhotre Sanjay Shamrao, Minister of State for Higher Education
3.	Shri. R. Subrahmanyam, Secretary, Department of Higher Education Chairperson, BOG of six new IITs at Tirupati, Jammu, Goa, Dharwad, Bhilai-Durg and Palakkad
4.	Shri. Dilip Shanghvi, Board of Governors, IIT Bombay
5.	Shri R.C. Bhargava, Chairperson, Board of Governors, IIT Kanpur
6.	Dr. Pawan Goenka, Chairperson, BoG, IIT Madras
7.	Dr. Sanjib Goenka, Chairman, Board of Governors, IIT Kharagpur
8.	Prof. Ashok Misra, Chairperson, Board of Governors, IIT Roorkee
9.	Prof. D.D. Mishra, Chairperson, Board of Governors, I.I.T.(ISM) Dhanbad
10.	Shri Ajai Chowdhry, Chairperson, BOG IIT Patna
11.	Mrs. Lila Poonawalla, Chairperson, Board of Governors, IIT Ropar
12.	Shri. Subodh Bhargava, Chairperson, Board of Governors, IIT Mandi
13.	Dr. B.V.R. Mohan Reddy, Chairperson, Board of Governors, IIT Hyderabad
14.	Prof. Devang V. Khakhar, Director, IIT Bombay
15.	Prof. V. Ramgopal Rao, Director, IIT Delhi
16.	Prof. Partha P. Chakrabarti, Director, IIT Kharagpur Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya, Director (Officiating Present)
17.	Prof. Bhaskar Ramamurthi, Director, IIT Madras
18.	Prof. Gautam Biswas, Director, IIT Guwahati
19.	Prof. Ajit Kumar Chaturvedi, Director, IIT, Roorkee
20.	Prof. C.V.R. Murty, Director, IIT Jodhpur
21.	Prof. Pushpak Bhattyacharya, Director IIT Patna
22.	Prof. Sudhir K. Jain, Director, IIT Gandhinagar
23.	Prof. U.B. Desai, Director, IIT Hyderabad
24.	Prof. Sarit Kumar Das, Director, IIT Ropar
25.	Prof. R.V. Rajakumar, Director, IIT Bhubaneswar
26.	Prof. Timothy A. Gonsalves, Director, IIT Mandi
27.	Prof. Pradeep Mathur, Director, IIT Indore
28.	Prof Rajiv Shekhar, Director, IIT(ISM) Dhanbad
29.	Prof. K.N. Satyanarayana, Director, IIT, Tirupati, Tirupati(AP)
30.	Prof. P.B. Sunil Kumar, Director, IIT, Palakkad, Palakkad(Kerala)
31.	Prof. B.K. Mishra, Director, IIT, Goa
32.	Prof. Rajat Moona, Director, IIT Bhilai-Durg



33. Prof. Seshu Pasumarhy, Director, IIT Dharwad (Karnataka)
34. Prof. Anil D. Shahsrabudhe, Chairperson, AICTE.
35. Dr. (Mrs.) Tessa Thomas, Director, ASL, Hyderabad.
36. Prof. Vijayalakshmi Ravaindranathm, IISc Bangalore
37. Prof. Vikram M. Gadre, Deptt. Of Elect. Engg., IIT Bombay
38. Secretary, Department of Information Technology
39. Prof. Anurag Kumar, Director, IISc Bangalore
40. Dr. S.S. Sandhu, AS (TE), MHRD
41. Ms. Darshana M. Dabral, JS&FA, MHRD
42. Dr. Sandeep Chaterjee, Registrar, IIT Delhi
43. Shri. Prashant Agarwal, Director (IITs), MHRD, New Delhi
44. Shri Kundan Nath, Under Secretary (IITs), MHRD
45. Shri V.K. Wadhwa, Project Officer, Secretariat of Council of IITs
46. Shri Mohit Gupta, A.S.O. MHRD
47. Shri Arun Karan, A.S.O. MHRD
48. Mrs. Henna Kumar, A.S.O. MHRD
49. Shri Abhinav Pandey, A.S.O. MHRD

New Members of the Council

1. Dr. R. Chidambaran, Chairperson, BOG IIT Jodhpur
2. Shri. R. Subrahmanyam, Secretary (HE), MHRD
3. Prof. Rajiv Shekhar, Director, IIT (ISM) Dhanbad
4. Prof. Abhay Karandikar, Director, IIT Kanpur
5. Prof. Manoj Singh Gour, Director, IIT Jammu
6. Prof. Vikram M. Gadre, Deptt. Of Elect. Engg., IIT Bombay
7. Dr. G. Satheesh Reddy, Director General, DRDO, Ministry of Defence, Director, IIT Dharwad
8. Prof. H.C. Verma, Retired Professor, Deptt. Of Physics, IIT Kanpur
9. Prof. Pramod Kumar Jain, Director, IIT (BHU) Varanasi

Outgoing Members of the Council

1. Prof. Ashok Misra, Chairperson, Board of Governors, IIT Roorkee
2. Sh. K.K. Sharma, Secretary(HE), MHRD
3. Prof. D.C. Panigrahi, Director, IIT (ISM) Dhanbad
4. Prof. Indranil Manna, Director, IIT Kanpur
5. Prof. Ashok Jhunjhunwala, Deptt. of Elect. Engg., IIT Madras
6. Prof. R.C. Bhudhani, Director, NPL
7. Dr. S.K. Joshi, Ex-DG, CSIR
8. Dr. Srikumar Banerji, Chairman, Board of Governors, IIT Kharagpur
9. Prof. Girish Chandra Tripathi, Chairperson, BOG IIT (BHU) Varanasi



**Board of Governors, IIT Kharagpur
(From 1st April, 2018 to 31st March, 2019)**

Sl. No	Name & Address	Position
1.	Shri Sanjiv Goenka Chairman, RP-Sanjiv Goenka Group, CESC House, 1, Chowringhee Square, Kolkata – 700001	Chairman
2.	Smt. Arundhati Bhattacharya Former Chairperson, State Bank of India Corporate Centre, 6 th Floor, State Bank Bhavan, Madame Cama Road, Mumbai-400021	Member
3.	Dr. (Smt.) Sudha N. Murty Chairperson, Infosys Foundation, III Floor, Infosys Tower, 27, Bannerghatta Road Bangalore-560076	Member
4.	Prof.(Dr.) Jai Pal Mittal M.N. Saha Distinguished Professor(NASI) 11-B, Rohini Coop. Housing Society Vashi, Navi Mumbai, Maharashtra-400703	Member
5.	Prof. N. Balakrishnan Supercomputer Education and Research Centre, Indian Institute of Science Bangalore - 560012	Member
6.	Prof. Partha P. Chakrabarti Director IIT Kharagpur	Member
	Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya Director (Officiating Present) IIT Kharagpur	Member
7.	Prof. Sunando Dasgupta Dept. of Chemical Engineering IIT Kharagpur.	Member
8.	Prof. Sudeshna Sarkar Dept. of Computer Science & Engineering IIT Kharagpur	Member
9.	Prof. B N Singh Registrar (Officiating) IIT Kharagpur	Secretary



Constitution of Finance Committee, IIT Kharagpur (From 1st April, 2018 to 31st March, 2019)

SI No	Name and Address	Position
1	Shri Sanjiv Goenka Chairman, RP-Sanjiv Goenka Group CESC House, 1, Chowringhee Square Kolkata – 700001	Chairman
2	Joint Secretary & Financial Adviser Government of India Ministry of Human Resource Development Department of Higher Education Shastri Bhawan, New Delhi -110001	Member
3	Director(IITs) Govt. of India Ministry of Human Resource Development Department of Higher Education Shastri Bhawan, New Delhi -110001	Member
4	Prof. N. Balakrishnan Supercomputer Education and Research Centre, Indian Institute of Science Bangalore - 560012	Member
5	Prof. Partha P. Chakrabarti Director, IIT Kharagpur	Member
	Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya Director (Officiating Present) IIT Kharagpur	Member
6	Prof. B N Singh Registrar (Officiating) IIT Kharagpur	Secretary



Constitution of Building & Works Committee, IIT Kharagpur
(From 1st April, 2018 to 31st March, 2019)

Sl No	Name and Address	Position
1	Prof. Partha P. Chakrabarti Director IIT Kharagpur	Chairman
	Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya Director (Officiating Present) IIT Kharagpur	Chairman
2	Superintending Engineer & Circle Manager Midnapore Distribution Circle West Bengal State Electricity Distribution Co. Ltd. (WBSEDCL) 190, S. K.Bose Road Paschim Medinipur, PIN - 721101	Member
3	Superintending Engineer South Western Circle Public Works Department (PWD) Saheed Mangal Pandey Sarani Paschim Medinipur, PIN- 721101	Member
4	Head Department of Civil Engineering IIT Kharagpur.	Member
5	Head Department of Electrical Engineering IIT Kharagpur.	Member
6	Head Department of Architecture & Regional Planning IIT Kharagpur.	Member
7	Prof. B N Singh Registrar (Officiating) IIT Kharagpur	Secretary



Administrative Heads

Director	Prof. Partha Pratim Chakrabarti, CSE	
Director (Officiating Present)	Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya, CE	
Deputy Director	Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya, CE	
Deans		
Alumni Affairs	Prof Subrata Chattopadhyay (A&RP)	
Continuing Education	Prof. Adrijit Goswami, Maths	
Faculty	Prof. Subhasish Tripathy, GG	
Human Resource	Prof. B. N. Singh, Aero	
International Relations	Prof. Baidurya Bhattacharya, CE	
Planning & Coordination	Prof. Manoj Kumar Tiwari, ISE	
Postgraduate Studies & Research	Prof. Prasanta Kumar Das, ME	
Students' Affair	Prof. Somesh Kumar, Maths	
Sponsored Research & Industrial Consultancy	Prof. Pallab Dasgupta, CSE	
Undergraduate Studies	Prof. Sudhir Kumar Barai, CE	
VGSOM	Prof. Prabina Rajib	
RGSOIPL	Dr. Padmavati Manchikanti	
Associate Dean (AA)	Prof. Surjya Kanta Pal, ME	From 22.10.2018
Associate Dean (CE)	Prof. Swagata Dasgupta, Chem	
Associate Dean (IR)	Dr. Anandaroop Bhattacharya, ME	From 01.07.2018
Associate Dean, SRIC	Prof. Suman Chakraborty, ME	
Associate Dean, SRIC	Prof. Gour Gopal Roy, MT	
Heads of the Departments		
Aerospace Engineering	Prof. Dipak Kumar Maiti	
Agricultural & Food Engineering	Prof. Nirupama Mallick	
Architecture & Regional Planning	Prof. Joy Sen	
Biotechnology	Prof. Sudip Kumar Ghosh Prof. Ramkrishna Sen	Upto 31.12.2018 From 01.01.2019
Chemical Engineering	Prof. Gargi Das	
Chemistry	Prof. Manish Bhattacharjee	
Civil Engineering	Prof. Kusam Sudhakar Reddy Prof. Nirjhar Dhang	Upto 31.12.2018 From 01.01.2019
Computer Science & Engineering	Prof. Sudeshna Sarkar	
Electrical Engineering	Prof. Pranab Kumar Dutta	



Electronics & Communication Engineering	Prof. Prabir Kumar Biswas	
Geology & Geophysics	Prof. Anindya Sarkar Prof. Saibal Gupta	Upto 31.12.2018 From 01.08.2019
Humanities & Social Sciences	Prof. Priyadarshi Patnaik	
Industrial & Systems Engineering	Prof. Jhareswar Maiti Prof. Sarada Prasad Sarmah	Upto 31.12.2018 From 01.08.2019
Mathematics	Prof. Mahendra Prasad Biswal	
Mechanical Engineering	Prof. Sukanta Kumar Dash	
Metallurgical & Materials Engineering	Prof. Rahul Mitra	
Mining Engineering	Prof. Debasis Deb	
Ocean Engineering & Naval Architecture	Prof. Prasad K. Bhaskaran	
Physics	Prof. Krishna Kumar	

Heads of Centres

Advanced Technology Development Centre	Prof. Sunando DasGupta	
Centre for Computational and Data Sciences	Prof. Sanjoy Bandyopadhyay, Chem	
Centre for Artificial Intelligence	Prof. Sudeshna Sarkar, CSE	From 19.04.2018
Centre for Educational Technology	Prof. Swagata Dasgupta, CET Prof. Rajib Mall, CSE	Upto 31.07.2018 From 01.08.2018
Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere & Land Sciences	Prof. Arun Chakraborty Prof. Anil Kumar Gupta, G&G	Upto 05.08.2018 From 06.08.2018
Centre for Theoretical Studies	Prof. Somnath Bharadwaj, Phy	
Centre for Re-Water Research	Prof. M M Ghangrekar, Civil	
Cryogenic Engineering	Prof. Parthasarathi Ghosh	
Material Science Centre	Prof. Pallab Banerji	
Rubber Technology Centre	Prof. Nikhil Kumar Singha	
Rural Development Centre	Prof. Nirupama Mallick, AgFE	
Steel Technology Centre	Prof. Surjya Kanta Pal, ME	

Heads of Schools

G. S. Sanyal School of Telecommunication	Prof. Saswat Chakrabarti	
Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship	Prof. Partha Pratim Das, CSE	
Ranbir & Chitra Gupta School of Infrastructure Design & Management	Prof. Bhargab Maitra, CE	
School of Bioscience	Prof. Amit Kumar Das, BT	



School of Energy Science & Engg.	Prof. Suneel Kumar Srivastava	
School of Environment Science and Engineering	Prof. Makarand Madhao Ghangrekar, CE	
School of Medical Science & Technology	Prof. Suman Chakraborty	
School of Nano-Science and Technology	Prof. Rahul Mitra, Met & Mat	
School of Water Resources	Prof. A K Gupta, Civil Engg	
Subir Chowdhury School of Quality and Reliability	Prof. V. N. Achutha Naikan Prof. Sanjay Kumar Chaturvedi	Upto 30.11.2018 From 01.12.2018
Heads of Centre of Excellence		
Centre for Robotics, PIC	Prof. Dilip Kumar Pratihar, ME	From 08.08.2018
DHI Centre of Excellence on Advanced Manufacturing Technology	Prof. Surjya Kanta Pal, ME	
P. K. Sinha Centre for Bio Energy	Prof. M M Ghangrekar, Civil	
Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness	Prof. Priyadarshi Patnaik, HSS	
Heads of Sections		
Computer & Informatics Centre	Prof. Arobinda Gupta Prof. Shamik Sural(CSE)	Upto 31.12.2018 From 01.01.2019
Institute Information Cell Asso. Head, IIC	Prof. Ghosh, CSE Dr. Pralay Mitra, CSE	
Administrative Computer Service Support Centre (ACSSC)	Prof. Adrijit Goswami, Maths	
Chairman, Vice-Chairman		
Civil Construction & Maintenance CCM, Vice-Chairman	Prof. Debasis Roy, CE Dr. Nilanjan Mitra, CE Dr. Haimanti Banerji, ARP	
Hall Management Centre	Prof. Surjya Kanta Pal, ME Prof. Partha Saha (ME)	Upto 13.09.2018 From 14.09.2018
Career Development Centre	Prof. G.P.Raja Sekhar Prof. P A Deshpande, ChE	
CDC, Vice-Chairman	Prof. Uday Shankar, RGSolPL Prof. Mamata Jenamani, ISE	From 01.01.2018
Central Library	Prof. Suneel Kumar Srivastava	
GATE – JAM	Prof. Ramkrishna Sen Prof. Manjunatha Mahadevappa, SMST Prof.	Upto 26.05.2018 From 27.05.2018
GATE – JAM, Vice-Chairman	Madan Kumar Jha, AgFE Prof. Prasanta Kumar Datta	
JEE	Prof. Pallab Banerjee, MSC	Upto 25.08.2018
JEE, Vice-Chairman	Dr. Rabibrata Mukherjee, ChE Dr. Mihir Kumar Dash, CORAL	From 26.08.2018



Enterprise Resource Planning ERP, Vice-Chairman	Prof. Adrijit Goswami, Math Prof. Shamik Sural, CSE Prof. Soumya Kanti Ghosh, CSE	
Central Research Facility, Mat. Sc. Central Research Facility, Life Sc.	Prof. Jyotsna Dutta Majumder Prof. Amit Kumar Das, BT	
Central Workshop & Instruments Service (CWISS)	Prof. Asimava Roy Choudhury, ME	
Rajbhasha Vibhag	Prof. Venkappayya R Desai, CE	
Nehru Museum of Science & Technology	Prof. Dhrubajyoti Sen, CE	
Kalpana Chawla Space Technology Cell (KCSTC)	Prof. Dipanwita Roy Chowdhury, CSE Prof. Santanu Chattopadhyay, E&ECE	Upto 31.12.2018 From 01.01.2019
House Allotment Committee (HAC)	Prof. Ashok Kumar Gupta, CE	
Commercial Establishments & Licencing Committee (CELC)	Prof. Madan Kumar Jha, AgFE	
Campus Schools Advisory (CSA) Committee	Prof. Somnath Sen, ARP	
Campus Green Cover (CGC)	Prof. Bhabani Sankar Das, AgFE	
Computer Purchase and Network Maintenance Committee	Prof. Arobinda Gupta, CSE	
Vice-Chairman, Technology Aquatic Society (TAS)	Dr. Alok Kanti Deb, EE	
Vice-chairman, Technology Film Society (TFS)	Dr. Amreesh Chandra, Phy	
Treasurer, TFS	Dr. A K Goswami, RCGSIDM	
President, Technology Students' Gymkhana (TSG)	Prof. William Kumar Mohanty, GG	
Treasurer, TSG	Prof. Kingshook Bhattacharyya, ME	
Principal Medical Officer (Acting)	Dr. Samir Dasgupta, SMO	From 12.10.2018
Chief Vigilance Officer	Prof. Sujoy Ghose, CSE Prof. Biswajit Mahanty, ISE	Upto 23.06.2018 From 24.06.2018
Managing Director, STEP	Prof. Satyahari Dey, Biotechnology	
Professors-in-Charge		
Chief Engineer, Electrical Works	Mr. Vivek Prakash Srivastava	
Refrigeration & AC Unit	Prof. M. Ramgopal, ME Dr. Parthasarathi Ghosh, Cryo	Upto 31.07.2018 From 01.08.2018
Horticulture	Prof. Bhabani Sankar Das, AgFE	
Water Works & Sanitation	Prof. Chandranath Chatterjee, AgFE	
Institute Guest Houses	Prof. B. C. Meikap, ChE	
Technology Telecom Centre	Prof. Raja Datta, E&ECE	
Time Table	Prof. Jyotsna Dutta Majumdar, MT	
Audio Visual Cell	Prof. Asimava Roy Choudhury, ME	



Examinations	Prof. Dilip Kumar Baidya, CE	
Advanced VLSI Laboratory	Prof. T.K.Bhattacharyya, E&ECE	
IPR & IR	Prof. C Retna Raj , Chemistry	
IIT Kharagpur Kolkata Campus	Prof. B C Meikap, ChE	
IIT Kharagpur Bhubaneswar Ext.	Prof. Subhasish Tripathy, GG	
ALPGE	Prof. Sudip Kumar Ghosh, BT	
Incubation & Entrepreneurship	Prof. Satyahari Dey, BT	
B.C.Roy Technology Hospital	Prof. Rajib Mall, CSE	
Centre for Railway Research, CRR	Prof. Subhransu Roy, ME	
Outsourced Manpower	Prof. Santanu Kumar Bhowmik, GG	
Counseling Centre	Prof. Sangeeta Das Bhattacharya, SMST	Upto 11.08.2018
	Prof. Siddhartha Sen, EE	From 12.08.2018
Transport & Automobile Section	Prof. Arun Kumar Majumder, MI	Upto 25.05.2018
	Dr. Mihir Sarangi, ME	From 26.05.2018
Rajarhat Research Park	Prof. Partha Pratim Das, CSE	
HR Training & Development	Prof. Trilochan Sahoo, Naval	

Miscellaneous Assignment

Faculty Coordinator, International Relations	Dr. Sanjay Gupta, ME	
NSS Programme Coordinator	Dr. Arghya Deb, Civil Engg	
Programme Coordinator, NSO (Health & Fitness)	Dr. Shivakiran B N Bhaktha, Phy	
Programme Coordinator, NCC	Dr. Kamal Lochan Panigrahi, Phy	
Institute's Representative at the Indian Member Council	Prof.Om Prakash Sha, Naval	
Coordinator for Rural Technology Action Group (RuTAG) Cell	Prof. P B S Bhadoria, AgFE	
Public Information Officer (PIO)	Shri Achintya Kumar Mandal, Deputy Registrar (S&P)	
Assistant Public Information Officer (APIO)	Shri A K Naskar, DR (Acad) Shri P C Das, DR (E) Shri B Bhattacharyya, DR (F&A) Shri S K Biswas, DR (SRIC)	



List of Senate Members

The 328th Meeting of the Senate held on 14th March 2019 at 3.30 P.M. in the Senate Hall

Section 14(A) - Director

Prof. Partha P. Chakrabarti
Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya (Officiating)

Section 14(B) Deputy Director

Prof. Sriman Kumar Bhattacharyya

Section 14(C) Professors of the Institute

Aerospace Engineering

Prof. Kalyan P. Sinhamahapatra
Prof. Bhrigu Nath Singh
Prof. Dipak Kumar Maiti
Prof. Manoranjan Sinha

Architecture & Regional Planning

Prof. Uttam K. Banerjee
Prof. Jaydip Barman
Prof. Subrata Chattopadhyay
Prof. Joy Sen
Prof. Sanghamitra Basu

Biotechnology

Prof. D. Das
Prof. Satyahari Dey
Prof. Ananta K. Ghosh
Prof. Amit K. Das
Prof. Tapas K. Maiti
Prof. Sudip Kumar Ghosh
Prof. Ramkrishna Sen
Prof. Pinaki Sar
Prof. Anindya Sundar Ghosh
Prof. Mrinal Kumar Maiti

Chemical Engineering

Prof. A.N. Samanta
Prof. Sunando Dasgupta
Prof. N. C. Pradhan
Prof. Sirshendu De
Prof. Gargi Das
Prof. Sudarsan Neogi
Prof. Jayanta Kumar Basu
Prof. Goutam Kundu
Prof. B.C. Meikap
Prof. Swati Neogi
Prof. Sudipto Chakraborty
Prof. Rabibrata Mukherjee

Civil Engineering

Prof. Dhruvajyoti Sen
Prof. Sriman K. Bhattacharyya (Officiating Dir.)
Prof. K.S. Reddy
Prof. L.S. Ramachandra
Prof. Subhasish Dey

Agricultural & Food Engineering

Prof. Rajendra Singh
Prof. Virendra K. Tewari
Prof. Kamlesh Narayan Tiwari
Prof. R.K. Panda (On Lien)
Prof. Rintu Banerjee
Prof. P.B.S. Bhadoria
Prof. Ashis K. Datta
Prof. Hari Niwas Mishra
Prof. N. S. Raghuwanshi (On Lien)
Prof. S. N. Panda (On Lien)
Prof. Tridib K. Goswami
Prof. Nirupama Mallick
Prof. Madan Kumar Jha
Prof. Hifjur Raheman
Prof. Snehasish Dutta Gupta
Prof. Adinpunya Mitra
Prof. Chandranath Chatterjee
Prof. Bhabani Sankar Das
Prof. E. V. Thomas
Prof. P. Srinivasa Rao
Prof. Dillip Kumar Swain
Prof. Ashok Mishra

Bioscience

Prof. Nihar Ranjan Jana

Centre for Ocean, Rivers, Atmosphere & Land

Prof. P. C. Pandey
Prof. Arun Chakraborty

Chemistry

Prof. Pratim K. Chattaraj
Prof. Tanmaya Pathak
Prof. Amit Basak
Prof. Debashis Ray
Prof. M. Bhattacharjee
Prof. S. K. Srivastava
Prof. Nilmoni Sarkar
Prof. Swagata Dasgupta
Prof. Srabani Taraphder
Prof. Sanjoy Bandyopadhyay
Prof. Joykrishna Dey
Prof. Kumar Biradha
Prof. C. R. Raj
Prof. N. D. Pradeep Singh
Prof. Samik Nanda

Computer Science & Engineering

Prof. Sujoy Ghose
Prof. Partha P. Chakrabarti (Director)



Prof. Dilip K. Baidya
Prof. Nirjhar Dhang
Prof. S. K. V. Barai
Prof. V. R. Desai
Prof. Ashok Kumar Gupta
Prof. M. M. Ghangrekar
Prof. Baidurya Bhattacharya
Prof. Damodar Maity
Prof. Debasis Roy
Prof. Bhargab Maitra
Prof. Aniruddha Sengupta
Prof. Anjali Pal
Prof. M. Amarnatha Reddy
Prof. Arghya Deb
Prof. Sujit Kumar Dash

Cryogenic Engineering

Prof. Parthasarathi Ghosh
Prof. V. Rao Vutukuru
Prof. Kanchan Chowdhury

Electrical Engineering

Prof. S.K. Das
Prof. Amit Patra
Prof. N.K. Kishore
Prof. Siddhartha Mukhopadhyay
Prof. Siddhartha Sen
Prof. Pranab K. Dutta
Prof. B.M. Mohan
Prof. Debapriya Das
Prof. Tapas K. Bhattacharya
Prof. Chandan Chakraborty
Prof. Ashok Kumar Pradhan
Prof. Debaprasad Kastha
Prof. Aurobinda Routray

Geology & Geophysics

Prof. Sankar K. Nath
Prof. Biswajit Mishra
Prof. Anil K. Gupta
Prof. Debashish Sengupta
Prof. Abhijit Bhattacharya
Prof. Subhasish Tripathy
Prof. Anindya Sarkar
Prof. Subhasish Das
Prof. Mruganka K. Panigrahi
Prof. Santanu K. Bhowmik
Prof. Saibal Gupta
Prof. Shashi Prakash Sharma
Prof. Manish A Mamtani
Prof. William K. Mohanty
Prof. Ravikant Vadlamani
Prof. Arindam Basu

Prof. Anupam Basu (On Lien)
Prof. Indranil Sengupta
Prof. Jayanta Mukhopadhyay
Prof. Indranil Sengupta
Prof. Sudebkumar Prasant Pal
Prof. Rajib Mall
Prof. Dipanwita Roy Chowdhury
Prof. Pallab Dasgupta
Prof. Sudeshna Sarkar
Prof. Chittaranjan Mandal
Prof. Arobinda Gupta
Prof. Partha Pratim Das
Prof. Niloy Ganguly
Prof. Shamik Sural
Prof. Soumya Kanti Ghosh
Prof. K. Sreenivasa Rao
Prof. Sudip Misra
Prof. Partha Bhowmick
Prof. Pabitra Mitra
Prof. Debdeep Mukhopadhyay
Prof. Abhijit Das

Electronics & Electrical Comm. Engineering

Prof. R V R Kumar (On Lien)
Prof. Prabir K. Biswas
Prof. Mrityunjoy Chakraborty
Prof. Sant Sharan Pathak
Prof. D. Biswas (Long Absent)
Prof. Santanu Chattopadhyay
Prof. Tarun Kanti Bhattacharyya
Prof. Goutam Saha
Prof. Anindya Sundar Dhar
Prof. Raja Datta
Prof. Indrajit Chakrabarti
Prof. Sudipta Mukhopadhyay
Prof. Pradip Mandal
Prof. Amitabha Bhattacharya
Prof. Bratin Ghosh

G S Sanyal School of Telecommunucations

Prof. Saswat Chakraborti

Humanities & Social Sciences

Prof. Damodar Suar
Prof. Anjali Gera Roy
Prof. K.B.L. Srivastava
Prof. Suhita Chopra Chatterjee
Prof. Vijai Nath Giri
Prof. Chhanda Chakraborti
Prof. Priyadarshi Patnaik
Prof. Narayan Chandra Nayak
Prof. Manas K Mandal
Prof. Kishor Goswami



Prof. Paresh Nath Singha Roy

Industrial & Systems Engineering

Prof. Biswajit Mahanty

Prof. Pradip K. Ray

Prof. Manoj K. Tiwari

Prof. Jhareswar Maiti

Prof. Sarada Prasad Sarmah

Prof. Mamata Jenamani

Mathematics

Prof. Umesh Chandra Gupta

Prof. Mahendra Prasad Biswal

Prof. Somnath Bhattacharyya

Prof. Adrijit Goswami

Prof. Somesh Kumar

Prof. Rajni Kant Pandey

Prof. G. P. Raja Sekhar

Prof. P.V.S.N. Murthy

Prof. Pratima Panigrahi

Prof. Chandan Nahak

Prof. Debjani Chakraborty

Prof. Geetanjali Panda

Metallurgical & Materials Engineering

Prof. N. Chakraborti

Prof. Indranil Manna

Prof. Siddhartha Das

Prof. Karabi Das

Prof. Gour Gopal Roy

Prof. Rahul Mitra

Prof. P.K. Sen

Prof. Jyotsna Dutta Majumdar

Prof. Shiv Brat Singh

Prof. Sudipto Ghosh

Prof. Tarun Kumar Kundu

Prof. Shampa Aich

Prof. Tapas Laha

Prof. Debalay Chakrabarti

Prof. Koushik Biswas

Mining Engineering

Prof. S.S. Bhamidipati

Prof. Ashis Bhattacharyya

Prof. K. U. M. Rao (On Lien)

Prof. Samir K. Das

Prof. Khanindra Pathak

Prof. Jayanta Bhattacharyya

Prof. Samir Kumar Pal

Prof. Debasis Deb

Prof. Biswajit Samanta

Prof. Debashish Chakravarty

Prof. Arun Kumar Majumder

Prof. Bhagirath Behera

Prof. Jitendra Mahakud

Prof. Pulak Mishra

Materials Science

Prof. Pallab Banerjee

Prof. Chako Jacob

Prof. Susanta Banerjee

Prof. Subhasish Basu Majumder

Prof. Bhanu Bhusan Khatua

Mechanical Engineering

Prof. Biswajit Maiti

Prof. S Bhattacharya (On Lien)

Prof. Ranjan Bhattacharyya

Prof. Sukanta K. Dash

Prof. Prasanta K. Das

Prof. Amiya Ranjan Mohanty

Prof. Sati Nath Bhattacharyya

Prof. Soumitra Paul

Prof. Manas Chandra Ray

Prof. A. K. Nath

Prof. Subhansu Roy

Prof. Dilip K. Pratihar

Prof. Suman Chakraborty

Prof. Anirvan Dasgupta

Prof. Abhijit Guha

Prof. Maddali Ramgopal

Prof. Ashimava Roy Choudhury

Prof. Manab Kumar Das

Prof. Surjya Kanta Pal

Prof. Arun Kumar Samantaray

Prof. Kumar Siva Cheruvu

Prof. Sanjay Gupta

Prof. Sandipan Ghosh Moulic

Prof. Partha Pratim Bandyopadhyay

Prof. Partha Saha

Prof. Goutam Chakraborty

Ocean Engineering & Naval Architecture

Prof. Debabrata Sen

Prof. O. P. Sha

Prof. Trilochan Sahoo

Prof. Prasad Kumar Bhaskaran

Prof. Hari V Warrior

Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

Prof. Padmavati Manchikanti

Prof. Dipa Dube

Prof. K. D. Raju

Prof. Indrajit Dube

Rubber Technology

Prof. Nikhil Kumar Singha

Prof. Santanu Chattopadhyay



Physics

Prof. Samit K. Ray (On Lien)
Prof. Arghya Taraphder (On Deputation)
Prof. Krishna Kumar
Prof. Somnath Bharadwaj
Prof. Sayan Kar
Prof. Anushree Roy
Prof. Prasanta Kumar Datta
Prof. Tapan Kumar Nath
Prof. Achintya Dhar
Prof. Pragya Shukla
Prof. Sudhansu Sekhar Mandal
Prof. Utpal Sarkar
Prof. Dipak Kumar Goswami
Prof. Sonjoy Majumder
Prof. Partha Roy Chaudhuri
Prof. Ajay Kumar Singh
Prof. Kamal Lochan Panigrahi
Prof. Bhupendra Nath Dev

Under Section 14 (1)(a) Heads of the Deptts./Centres/Schools other than Professors

Already included under 'C' above

Under Section 14 (1)(b) The Librarian of the Institute

Dr. Bablu Sutradhar

Under Section 19 (2) The Registrar (Secretary)

Prof. Bhrigu Nath Singh

Prof. Kinsuk Naskar

School Of Medical Science & Technology

Prof. Soumen Das
Prof. Koel Chaudhury
Prof. Sangeeta Das Bhattacharya
Prof. Mahitosh Mandal
Prof. Manjunatha Mahadevppa
Prof. Jyotirmoy Chatterjee
Prof. Santanu Dhara

Subir Chowdhury School Of Quality & Reliability

Prof. V.N.A. Naikan
Prof. Sanjay Kumar Chaturvedi

Vinod Gupta School Of Management

Prof. Prabina Rajib
Prof. Sangeeta Sahney

Students' Representatives :

Mr. Vishal Kumar Singh, Vice President, TSG

Ms. Aruja Rustagi, PG Representative

Ms. Jyayasi Nath, Women Representative

Mr. Sujit Madhab Ghosh



Director's Report

Honourable President of India **Shri Ram Nath Kovind** Chief Guest of 64th Convocation, Honourable Governor of West Bengal **Shri Keshari Nath Tripathi**, Honourable Chief Minister of West Bengal, **Respected Mamata Banerjee**, Minister-in-charge, Irrigation and Waterways Department, Government of West Bengal, **Dr Saumen Kumar Mahapatra**, **Shri Sanjiv Goenka**, Chairman, Board of Governors, IIT Kharagpur and Chairman, *R. P. Sanjiv Goenka Group*, Members of the Board of Governors, Members of the Senate, Distinguished Alumni, Guests, Dear Faculty and Staff Colleagues, Students, Degree and Award Recipients, Media Persons, Ladies and Gentlemen!

I stand here with great pride to extend a warm welcome to you on this solemn occasion of the 64th Convocation of our prestigious Institute that bear fond memories of the great sacrifices by multitude of great patriots. On this auspicious day, I feel overwhelmed and privileged to be in the august presence of many eminent men and women, visionaries, parents and our dear graduates *the future of our great Nation*.

Education is the key to success in life, and teachers make a lasting impact on the lives of students who define the future of India. Convocations are solemn occasions for both faculty members and students alike. Graduates are at the threshold of embarking on a new phase of the journey in the real world as these bright, young minds get ready to face the challenges that await them in the real world outside in contributing to the cause of humanity and development. True education helps learners to transform challenges into opportunities and be unfazed in the face of failure, until success is reached.

It has been mentioned in an ancient piece of literature: "Education, Logic, Science, Memory, Initiation and Work, a person who has these six virtues, for him nothing is unachievable." As an institution, we take pride in our teaching tradition, which provides education to students not only to become scholars with specialized skills in their domain, but we inculcate in them social responsibility and creative and critical thinking abilities to transform them into citizens of the world, who can meet national needs and global expectations.

For the independent India, the foremost challenge was to be industrially evolved. For this, it was critical to train our own engineers and technocrats on our soil. With this deep desire to be a truly independent nation, the Indian Institutes of Technology were conceived as a symbol of progress and a beacon of hope. IIT Kharagpur is the first to be founded in its class, which embodied the aspirations of a New India; an India with its own human resource, trained in specialized skills to contribute to nation-building, research and development in ushering a brighter future. Since its inception, this pioneer Institution has been dedicated to the cause of excellence and has contributed immensely in a wide array of fields, such as engineering and technology, architecture, arts, culture, medicine, law and management. The rich and long tradition of teaching and research of this Institution is well known around the globe which has expanded into a wider range of areas of national importance, current relevance and happiness; maintaining highest ethical values, environmental concern and societal goodness.

We are proud of our alumni who are spread across the globe. They have proved themselves in leadership and trendsetting in various fields. International and national business leaders, renowned scientists, technologists and administrators, lauded journalists, celebrated actors and artistes, cultural activists, architects, political leaders who have played important roles in shaping the destiny of our Country and our alumni have left their imprints in all walks of life. They are the true ambassadors of this Institution of excellence who continue to give back to their Alma Mater. They did selfless service in taking forward our relentless striving to achieve higher goals set; be it as infrastructural support or as being the true flag bearer of this Institute both in the country and around the globe. I thank each one of them from the depth of my heart.

Over the years, the Institute has built its reputation as a leading centre for higher learning. Our efforts to achieve excellence in all fields of science and technology have been recognised by different ranking agencies, both at National and International levels. We have taken a series of steps to bring closer ties between our Institute and industries, either by developing focussed research centres with close collaboration with industries or by developing new courses keeping the industrial requirements in mind. To foster young minds with scientific enthusiasm and instil an urge to solve problems, we have initiated the Young Innovators Program that has attracted the attention of the nation. I am glad that corporate houses and industries continue to employ our bright graduates, proving, again and again, the merit of the education and learning we impart.



It is noteworthy to state that the Institute has responded timely by introducing a course on Happiness under the 'Rekhi Centre of Excellence'. In addition, an MOU has already been signed with the Rajya Anandam Sansthan of Government of Madhya Pradesh. It is important to note that the researchers at IIT Kharagpur have achieved innovative breakthrough on production of bio-fuel.

Let me now have privilege of introducing our Chief Guest, and the Guests of Honour who however do not need any introduction.

Shri Ram Nath Kovind, honorable President of India is lawyer, veteran political representative and long-time advocate of egalitarianism and integrity in Indian public life and society. Before assuming charge of the office of the 14th President of India on July 25, 2017, Shri Kovind served as the 36th Governor of the state of Bihar from August 16, 2015, to June 20, 2017. Shri Kovind completed his school education in Kanpur and obtained the degrees of B.Com and LL.B. from Kanpur University and enrolled as Advocate with the Bar Council of Delhi in 1971. Shri Kovind was Union Government Advocate in the Delhi High Court from 1977 to 1979 and Union Government Standing Counsel in the Supreme Court from 1980 to 1993. He became Advocate-on-Record of the Supreme Court of India in 1978. He practiced at the Delhi High Court and Supreme Court for 16 years till 1993. Shri Kovind was elected as a member of the Rajya Sabha from Uttar Pradesh in April 1994. He served for two consecutive terms of six years each till March 2006. Shri Kovind served on various Parliamentary Committees like Parliamentary Committee on Welfare of Scheduled Castes/Tribes; Parliamentary Committee on Home Affairs; Parliamentary Committee on Petroleum and Natural Gas; Parliamentary Committee on Social Justice and Empowerment; and Parliamentary Committee on Law and Justice.

Shri Keshari Nath Tripathi, His Excellency the Governor of West Bengal has been a Senior Advocate by profession, Keshari Nath Tripathi's professional acumen, nationalistic fervour, social commitment and moral values took shape under the guidance of his revered parents and elder brother. He graduated from Allahabad University in 1953 and passed LL.B Examinations in 1955. His long association with judicature in general and Allahabad High Court in particular was acclaimed by the Allahabad High Court when he was unanimously designated as a Senior Advocate in 1989 by Full Court. Known as an eminent Lawyer on the Civil Side, Shri Tripathi was regarded as an expert in election law. Shri Tripathi has been conferred many Honoris Causa Degrees by various Universities and Institutes. Shri Tripathi is not only a social and political worker but is also associated with a number of educational, cultural and literary institutions. He is a revered and widely acclaimed poet. Shri Tripathi has also written an exhaustive commentary on the Representation of the People Act, 1951.

Respected Mamata Banerjee is the first woman Chief Minister of West Bengal and has been serving as the Chief Minister since 2011. She completed her education from Calcutta University. She has dedicated her life in the service of the society and empowerment of the downtrodden. Prior to being the Chief Minister, she held various portfolios as Union Minister and has been a longtime parliamentarian. She has represented the country in various International forums. The Times Magazine named her as one of the 100 Most Influential People in the World in 2012.

Dr Saumen Kumar Mahapatra, Dr Mahapatra did his Bachelor, Masters, and PhD from Calcutta University in Zoology and was Associate Professor in Pingla College. I am happy to inform that Dr Mahapatra was associated with IIT Kharagpur. He did a training program in National IT Service Scheme at IIT Kharagpur.

Shri Sanjiv Goenka Chairman, Board of Governors of IIT Kharagpur is the Chairman of the *RP-Sanjiv Goenka Group* with an asset base of over USD 4.3 billion, and over 50,000 employees and over a hundred thousand shareholders. Born in 1961, Sanjiv Goenka is currently the Honorary Consul of Canada in Kolkata. In April 2001, he took over as the youngest-ever President of the Confederation of Indian Industry (CII), was appointed Chairman of the Board of Governors of the Indian Institute of Technology, Kharagpur and currently serves on the board of the Indian Institute of Management, Kolkata (IIM, Kolkata). Shri Sanjiv Goenka was a former President of the All India Management Institute (AIMA), and a member of the Prime Minister's Council on Trade & Industry. He is also the current Chairman of the Board of Directors of Woodlands Medical Centre Ltd, Kolkata.

HIGHLIGHTS OF ACHIEVEMENTS DURING THE PAST YEAR

I take this opportunity to present before you some of the key achievements of the Institute in the past year.



Institute's Leading Role in National Initiatives

Ever since its inception, the Institute has always made its willing and whole-hearted contribution to the growth of the nation. Our continuous effort to live up to the founding motto of our Institute, "Dedicated to the Service of the Nation" has strengthened us to lead several national initiatives with far-reaching benefits to the country and its citizens.

The Institute, as the host and the coordinator of the *National Digital Library of India* (NDLI) initiative, has accomplished more than 30 million contents with single-window access to all the existing digitized and digital contents of the nation. In the last year, with the guidance of the Ministry of Shipping of the Government of India, the Institute started its journey with a new *Centre for Inland and Coastal Maritime Technology* under the *Sagarmala programme*. The newly created Centre for Computation and Data Science of the Institute has been playing a leading role in establishing the 1.3 peta-flop supercomputing facility under the *National Supercomputing Mission* (NSM) of the Government of India. The Institute took a leading role as the co-coordinator of the *Smart Indian Hardware Hackathon* (SIHH) program and as the nodal centre for the Grand Finale, which provided a unique platform to the budding innovators to initiate unique solutions that can be converted to tangible products and business.

With an aim of improving the research ecosystem of India's higher educational institutions by facilitating academic and research collaborations between top-ranked Indian Institutions and globally ranked Foreign Institutions, through joint research projects involving mobility of students and faculty, the Government of India recently launched the *Scheme for Promotion of Academic and Research Collaboration* (SPARC). Our Institute, acting as the *National Coordinating Institute*, successfully implemented the scheme that has created collaborative networks involving top Universities from 28 countries. To help educational institutions of the country to achieve excellence, our Institute has initiated the implementation of *Software for Managing Institutions of Learning and Education* (SMILE), an ERP for Academic Institutions.

The *Young Innovators Program 2019* launched by our Institute has received International attraction, where young students from both inside and outside the country participated in this unique program offered by the Institute that aims to ignite the innovative young minds of school children. To encourage students from neighbouring countries to study in Indian institutes, our Institute has launched a full scholarship programme for students from the SAARC region for full-time enrolment at undergraduate, postgraduate, and doctoral levels.

Recognitions

The Institute's excellence in teaching and research in diverse areas of academics has been recognised by the *National Institutional Ranking Framework* (NIRF) 2019, where for two consecutive years IIT Kharagpur is the only Institute to be ranked in the top list in overall category (*fifth rank*) as well as in Engineering (*fourth rank*), Management (*sixth rank*), Architecture (*first rank*), and Law (*fourth rank*), in addition to the newly developed innovation Ranking (*fifth rank*) in the *Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements* (ARIIA). The institute made the highest rate of improvement for top-ranked Indian Institutions in the latest *QS Rankings* by moving up 14 places. The tri-Institute programme on Business Analytics (PGDBA) co-offered by the Institute ranked 14th in the world by QS Ranking. The Institute ranked as India's Best in the *Times Higher Education Impact Ranking* and among World's top 50 in Industry, Innovation & Infrastructure category. The Institute has been conferred Excellence Award by *National Backward Classes Finance & Development Corporation* for efficient implementation of clean energy in several backward villages through CSR funding. We have also been adjudged the winner of the *DSCI Excellence Award* for Cyber Security Education at the NASSCOM-DSCI Annual Information Security Summit 2018. It is a matter of great pride that IIT Kharagpur has been recommended for MHRD's *Institution of Eminence* status by the University Grants Commission.

Research with Impact on Society

The Institute with its dedicated teams of students and faculty members makes persistent efforts to carry out research that reaches the society. Researchers from the Institute have developed AI-based mobile app for elderly care-giving that addresses accidental falls, mental health and physical wellbeing, an app to help smokers quit, tools to detect interstitial lung diseases and lung cancer, technology to filter fake news about disasters, methods to boost LPG distribution, development of the 'Potable Water Project' that provides 1000 litres of purified water to 60 families every day at Re 1, model to predict variability and trends in rainfall in India, battery-free implantable medical devices, and city-level maps to help cut damage from earthquakes, among many other exciting technologies that received wide attention. We are proud to have supplied employment generating rural technologies and equipment, developed under the Design Innovation Centre and RuTAG at IIT Kharagpur, to the North East Region of India. With our commitment to the development of rural technologies, the Institute organized the *Rural Technology Hackathon 2018*.



New Initiatives in Teaching

Institute has launched the first of its kind *Undergraduate Research Programme* (UGRP) that aims to give new incentives to students to carry out project ideas of their own and have it as part of their transcripts. The initiative is aimed to encourage and nurture the spirit of research and innovation among UG students early on. The UGRP funds select research ideas proposed by the students on a competitive basis and each successful proposal is guided by a member of the Institute's faculty. To impart teaching through learning, the institute has introduced a Do It (DIY) laboratory, where young minds can nurture their innovative ideas; and we are set to make this as a part of our curricula. The Institute has introduced *Amazon Web Services* (AWS) Educate programme to provide AWS Cloud Computing experience and AI-enablement for all our students, irrespective of their branch of study.

Academia-Industry Collaboration

To focus our research more towards real-world problems, the Institute closely interacts with several industrial partners in different technological areas. In a first of its kind project in India towards the *development of Cancer Image Data Bank* for harnessing Artificial Intelligence Technology in Cancer research, a project on Cancer Image Data bank (Chavi) is being carried out by the National Digital Library, IIT Kharagpur and Tata Medical Centre, Kolkata. The Centre for Artificial Intelligence and the EPINET Data Science team of ONGC are jointly developing the *Knowledge Architecture for Data Analytics of ONGC*. The Institute has joined hands with Wipro to carry out joint research on *5G and artificial intelligence*. Research outcomes from this partnership would be used by Wipro to develop solutions for its customers, across industry verticals, while we would benefit from the commercialization of the joint research insights and Wipro's real-world industry expertise. In collaboration with Jindal Stainless Limited, the Institute has started a 3-credit *course on stainless steel* as a part of the institute's undergraduate and postgraduate curriculum. The Rekhi Centre for the Science of Happiness of the Institute is collaborating with the Pullela Gopichand Badminton Academy for *development of excellence, happiness and science & technology in sports*. I am very glad to inform that today the Hon'ble Minister will inaugurate and dedicate to the nation 'IIT Kharagpur Research Park' at Rajarhat Campus, Kolkata. This research park will spur innovation, start-up and boost Industry-Academia Interaction for successful translation of IIT's innovative technologies for the benefit of the society and is in line with Make-in-India initiative.

Waste to Wealth

The Institute has initiated a project to re-imagine discarded and obsolete items of different departments and Central Stores, to an *Engineering Design and Innovation Centre*, by scavenging, salvaging, restoring, repairing and reusing parts and components, materials and other accessories to carry out innovative projects and teach hands-on Engineering product development. This Scrap-yard Design Innovation Laboratory will be a unique facility for Engineering Designers and Innovators and a wonderful training ground for IIT Kharagpur students.

The "Aditya Choubey Centre for Re-Water Research (CRW)" to develop and demonstrate affordable technologies to produce reusable quality treated water from polluted waters has been established with generous support from our alumni Shri Aneesh Reddy and Shri Anant Choubey. The centre will connect with the Government and the public sector for implementation of the technologies to curb the problem of water pollution and to reduce the stress on the freshwater resources by encouraging reuse of the treated water.

ACADEMIC PROGRAMMES

Various academic programmes at IIT Kharagpur are run by 19 Academic Departments, 17 centres, 13 schools, and more than 25 Industries & Research Labs, Research Centres and Centres of Excellence.

The Institute offers B. Tech. (Honours) programme in 15 different disciplines, B. Arch. (Honours) Programme in Architecture, 6 five-year Integrated M. Sc. programmes, 16 Dual Degree programmes, nine two-year joint M. Sc.-Ph. D. programmes and 54 Postgraduate Degree programmes leading to Joint M. Tech. /MCP-Ph. D., MBA, MHRM, EMBA, PGDBA, LLB, LLM and MMSR Degrees. The Curricula and Syllabi are updated periodically to meet the changing demands of the world. In addition, the Institute offers a number of micro specializations from diverse disciplines. In its continuous endeavour to make course curricula flexible, IIT Kharagpur has introduced several micro-credit courses. Eminent Visiting Experts (denoted as Adjunct or Visiting faculty) from national/international academic Institution/industry/R&D Laboratories associated with a faculty member from IIT Kharagpur have been teaching in these courses.

The Institute has introduced a number of new academic programmes, namely M. Tech. in Quality and Reliability Engineering, M. Tech. in Functional Materials and Devices and three Master of Science (two year) programmes under the Joint M. Sc. - Ph. D. programme to be offered by IIT Kharagpur in association with Tata Medical Centre (TMC), Kolkata in the areas of Nuclear Medicine, Molecular Medical Microbiology, and Medical Physics. Besides, the Institute has also decided to offer Certificate of Excellence in Research (CER) for the PDF and Visiting Fellows



at IIT Kharagpur, and Ph. D. Programme for the working professionals with minimum residential requirements. Introduction of the Prime Minister's Fellowship Scheme for Doctoral Research by the Government of India is expected to encourage bright students to pursue doctoral research in the areas of Science, Technology, Engineering, Agriculture and Medicine. Other new academic initiatives by the Institute include Short-term Reciprocal Student Exchange Programme between Foreign University and IIT Kharagpur, Learn-Earn-Return (LER) programme for awarding of LER merit scholarships to the top 02 JEE Advanced rankers, and Undergraduate Research Platform (UGRP) to increase the culture of research among the undergraduates.

In our pursuit to offer prompt quality services to the IIT community, the ERP system has been further revamped. All academic issues including students' registration, enrolment, course allocation, annual progress report, synopsis submission, examination results, students' feedback, sponsored research, faculty recruitment and salary and income tax details are now available online.

Today, at this function we will be conferring **295 Ph. D.** (i.e., 264 Ph. D. + 02 Joint MS - Ph. D. + 12 Joint M. Tech./MCP - Ph. D. + 17 Joint M. Sc. - Ph. D.), 30 MS, 624 M. Tech., 39 MCP, 112 MBA, 27 EMBA, 10 MMST, 18 MHRM, 8 LLM, 29 LLB, 52 PGDBA (a tri-institute programme with IIM Kolkata and ISI Kolkata), 529 Dual Degree, 475 B. Tech. (Hons.), 36 B. Arch. (Hons.), 178 five - year integrated M. Sc. and 154 two-year M. Sc. degrees.

DISTINGUISHED ALUMNI AWARDS

I am honoured and privileged to announce that in this convocation the Senate and Board of Governors of the Institute will confer the Distinguished Alumnus Award to the following eminent personalities.

Prof. Ashim Kumar Datta [1979/B. Tech./AG/NH], Prof. Ashim Kumar Datta of the Department of Biological and Environmental Engineering at Cornell University is a path-breaking researcher and a dedicated teacher. Prof. Datta completed his B. Tech. in Agricultural and Food Engineering from IIT Kharagpur in 1979. He did his M. S. (1982) from the University of Illinois at Urbana-Champaign and his PhD (1985) from the University of Florida, Gainesville. He joined Cornell University in 1987.

Prof. Haresh Lalvani [1967/B. Arch./AR/RP], Prof. Haresh Lalvani is an internationally recognized architect, artist-inventor and design scientist. He is currently Professor, School of Architecture and Director, Center for Experimental Structures at Pratt Institute, USA. Prof. Lalvani completed his B. Arch. from IIT Kharagpur in 1967 and was awarded Silver Medal for being department topper. He did M. S. in Architecture from Pratt Institute in 1971 and PhD from the University of Pennsylvania in 1981 under the legendary architect, systems theorist, inventor and futurist, Richard Buckminster Fuller.

Dr Samir V. Kamat [1985/B. Tech./MT/RK], Dr Samir V. Kamat has been conducting cutting-edge research and development on materials for various defence applications for the past three decades. He is presently Distinguished Scientist and Director General, Naval Systems and Materials, Defence Research and Development Organization (DRDO), and posted at Visakhapatnam. Dr Kamat completed his B. Tech. in Metallurgical Engineering in 1985 from IIT Kharagpur and was a recipient of the Institute Silver Medal as department topper. He obtained PhD from Ohio State University, USA in Materials Science and Engineering in 1988 and did Post-Doctoral Fellowship from the Washington State University, Pullman, USA.

Dr Parag V. Havaladar [1991/B. Tech./CS/LLR], Dr Parag V. Havaladar is a pioneering computer vision and graphics specialist who has won a Technical Oscar for his animation technology. He is currently Lead Manager, Software Research and Development, at Blizzard Entertainment, and adjunct professor in the Department of Computer Science at the University of Southern California. Dr Havaladar completed his B. Tech. in Computer Science and Engineering from IIT Kharagpur in 1991, and obtained his PhD in computer vision and graphics from the University of Southern California in 1996.

Prof. Ramesh Jain [1975/PhD/EC/BCR], Prof. Ramesh Jain is a well-known researcher, entrepreneur and a leading academician in various fields of computer science with a career spanning over 45 years. He is currently Professor and Director, Institute for Future Health, Department of Computer Science, University of California, Irvine, USA. Prof. Jain completed his PhD in Electronics and Electrical Communication Engineering from IIT Kharagpur in 1975. He did his B.E. in Electrical Engineering from Nagpur University in 1969. Prof. Jain joined the University of California, Irvine, as the first Bren Professor in Bren School of Information and Computer Sciences in 2005.



Prof. Santanu Chaudhury [1984, 1989/B. Tech., PhD/EC, CS/RP], Prof. Santanu Chaudhury is an eminent academician well known for his contributions in the field of computer vision and pattern recognition. He is currently Director, CSIR-CEERI, Pilani. Prof. Chaudhury completed his B. Tech. in Electronics and Electrical Communication Engineering from IIT Kharagpur in 1984 and PhD in Computer Science and Engineering in 1989. He was Lecturer at the Electronics and Electrical Communication Engineering Department of IIT Kharagpur before joining IIT Delhi, where he continues as Professor, Electrical Engineering Department.

Dr Sudipta Seal [1990/B. Tech./MT/RK], Dr Sudipta Seal is an eminent scientist, distinguished professor and entrepreneur. He is currently Trustee Chair, Pegasus and University Distinguished Professor at the University of Central Florida (UCF), and Chair, Materials Science & Engineering, Advanced Materials Processing Analysis Center (AMPAC), Nanoscience Technology Center (NSTC), UCF College of Medicine, University of Central Florida, USA. Dr Seal completed his B. Tech. in Metallurgical and Materials Engineering in 1990 and won the Institute Blue for outstanding performance in sports and games. He did his M. Met. from the University of Sheffield, UK and PhD in Materials Science and Engineering from the University of Wisconsin, Milwaukee, USA in 1996.

Lieutenant-General Utpal Bhattacharyya [1969/B. Tech./CE/VS], Lieutenant- General Utpal Bhattacharyya is a distinguished former army officer and management expert. He retired from the Indian Army after serving it for 40 years, having reached the highest possible rank for an Indian Army Engineer (Three Star General – Lieutenant General). He is currently Board Director in West Coast Paper Mills, which is one of the oldest and largest producers of paper for printing, writing, and packaging in India. Lt. Gen. Bhattacharyya earned his B. Tech. in Civil Engineering from IIT Kharagpur in 1969. He did M. Sc. in Defence Studies and M. Phil. from Madras University, and Master of Management Studies from Osmania University, Hyderabad.

Swami Smaranananda (Dr N Sridhar Reddy) [1980/PhD/EC/JCB], Swami Smaranananda Giri (Dr N. Sridhar Reddy) is the General Secretary of Yogoda Satsanga Society of India, founded by Sri Sri Paramahansa Yogananda in 1917. The Society renders spiritual, humanitarian, and charitable services, and disseminates the Kriya Yoga teachings of Yoganandaji for the holistic development of man. Swamiji did his PhD in Digital Signal Processing from IIT Kharagpur in 1980. He completed his B. E. from Sri Venkateswara College, Delhi University and secured University First rank. He did his postdoctoral fellowship from Concordia University, Montreal, Canada.

Dr V Narayanan [1990, 2001/M. Tech., PhD/CR, AE/VS, GH], Dr V. Narayanan is an expert in cryogenic rocket propulsion technology. He joined the Indian Space Research Organization (ISRO) in 1984 and has held various positions during the last 34 years. Currently, he is Outstanding Scientist and Director, Liquid Propulsion System Centre (LPSC), ISRO, Thiruvananthapuram. LPSC is the lead centre of ISRO and is responsible for the development of liquid propulsion systems for satellite launch vehicles and spacecraft. Dr Narayanan did his M. Tech. in Cryogenic Engineering from IIT Kharagpur in 1990 and won the Institute Silver as department topper. He completed his PhD in Aerospace Engineering, specializing in cryogenic propulsion, from IIT Kharagpur in 2001.

Prof. Pushpak Bhattacharyya [1984/B. Tech./EE/RP], Prof. Pushpak Bhattacharyya is a pioneering researcher in Natural Language Processing, Machine Learning and Artificial Intelligence, and a keen educator. He is presently Director and Professor of Computer Science and Engineering, IIT Patna and Professor (on lien), Department of Computer Science and Engineering, IIT Bombay. Prof. Bhattacharyya did B. Tech. in Electrical Engineering from IIT Kharagpur in 1984. He completed his M. Tech. from IIT Kanpur in 1986 and PhD from IIT Bombay in 1994. He has been a visiting scholar and faculty member in three American universities - Massachusetts Institute of Technology, Stanford University, University of Houston, and University Joseph Fouriere (France).

Prof. Chaitali Chakrabarti [1984/B. Tech./EC], Prof. Chaitali Chakrabarti is an acclaimed scientist, teacher and mentor. She is currently Professor of the School of Electrical, Computer and Energy Engineering, Ira A. Fulton Schools of Engineering, Arizona State University, Tempe, USA and Associate Director of ASU's Centre for Wireless Information Systems and Computational Architectures (WISCA). Prof. Chakrabarti received her B. Tech. in Electronics and Electrical Communication Engineering from IIT Kharagpur in 1984. She received her M. S. and PhD in Electrical Engineering from the University of Maryland in 1986 and 1990 respectively.

Prof. Narayan B. T. Mandayam [1989/B. Tech./EE/NH], Prof. Narayan B.T. Mandayam is a much-acclaimed scientist known for his contribution to wireless data communication. He is currently Distinguished Professor of Electrical & Computer Engineering and Associate Director, Wireless Information Network Laboratory (WINLAB), Rutgers



University, USA. Prof. Mandayam did his B. Tech. in Electrical Engineering from IIT Kharagpur in 1989 and earned the Institute Silver medal as department topper. He completed his M.S. in Electrical Engineering in 1991 and PhD in 1994 from Rice University, Houston, Texas.

RESEARCH AND DEVELOPMENT ACTIVITIES

I shall now outline some of the research and development activities various Departments, Schools and Centres are carrying out.

Aerospace Engineering

The Department is involved in various Sponsored project such as: Optimal design of thin-walled beam/plate structures for maximum elasto-plastic buckling load funded by Science and Engineering Research Board (SERB), DST, Govt. of India; An Investigation of the Unconventional Tandem Flapping Foil Propulsion Mechanism for Underwater Vehicles sponsored by Science and Engineering Research Board (SERB). Other Research Projects are: investigation on the propulsive performance of the tubercle flapping aerofoil, development of IB-LBM solver for the fluid-structure interaction and development of Robotic Jelly Fish.

Agriculture and Food Engineering

As one of the leading departments of the country in the field of agricultural research, the Department of Agriculture and Food Engineering has treaded new heights in the realm of Sensor-based technology interventions for precision farming; Solar energy operated farm machinery and micro-irrigation systems; Remote sensing and GIS applications for integrated watershed management; Soil and crop health monitoring; Simulation-optimization and climate modelling for holistic water management; High pressure processing of high-value perishables and nutraceuticals; Targeted metabolomics of floral scents for value-added products; Microalgal biofuel production; Waste utilization in aquaculture; Development of autonomous tractor; Organic farming; RTE-Health food for malnourished children; and Vacuum frying of food.

Architecture and Regional Planning

The Department of Architecture and Regional Planning IIT Kharagpur has made a very significant headway in front-line research collaboration with the Massachusetts Institute of Technology, USA, Ivy League Graduate school of Architecture, Planning and Preservation (GSAPP), Columbia University, NYC, USA, The School of Urban and Regional Planning, Georgia Tech, Atlanta, USA, Tokyo Metropolitan University, Japan and others and been accordingly earmarked as *NIRF RANKING ONE for two consecutive years: 2017-18 and 2018-19 as the top architectural school in the country*. The department has also organised several workshops and guest lectures by leading researchers in academia and industries from across the world.

Biotechnology

The Department has explored several research areas in the last years such as: Antimicrobial chemotherapy, bacterial morphology and biofilm formation, Bioremediation of heavy metals, radionuclides and organic pollutants, Molecular analysis of microbial community structure and function at contaminated sites, Molecular cloning, expression and characterization of *E. invadens* encystation specific proteins, Recombinant protein expression in plant, animal and microbial systems, Structural and functional studies of protein from *M. tuberculosis* and *S. aureus* aiming at drug and inhibitor design, Improvement of hydrogen production from industrial waste using hybrid bioreactor, Continuous hydrogen production by immobilized recombinant *E. coli* BL-21, Molecular analysis of cypovirus infecting tasar silkworm, Phytomedicine and molecular farming, Development of low fat content transgenic oilseed plant, Biomicrofluidics and Biochip development, Identification and characterization of immunomodulator from natural sources, Microbial fuel cell, Characterization of Antarctic microbiota, Probiotic based nutraceutical product development, Cellular microbiology and immunobiology, Systems biology of genetic and nongenetic variations, Host-pathogen interactions, Green Process & Product Development in Microalgal-Microbial Biorefinery Models for anticancer lipopeptides, biosurfactants, biopolymers and bio oil & biofuels with carbon capture and waste valorization.

Chemical Engineering

The major areas of research in the Department includes Environmental Pollution Control, Polymer Processing and Composites, Plasma Engineering and Surface Science, Computational Materials Science, Colloid and Interface Engineering, Molecular Simulation, Computational Fluid Dynamics and Thermal Engineering, Catalysis and Reaction Engineering, Bioenergy, Coal Science and Engineering, Petroleum Production Engineering, Carbon Capture and Storage, Fine Particle Engineering, Crystallisation Engineering, Process Optimization, Dynamics and Control, Membrane Separation, Bio and Energy Materials, Soft Nanotechnology, Complex Fluids, Microfluidics and Microscale Transport Engineering, Porous Media and Structured Fluids and also Multiphase Flow.



Chemistry

The Department is engaged in frontier research embracing both basic and applied areas of Chemistry, such as, advanced materials, Synthetic Chemistry, Colloids and Macromolecules, Biomolecules and Biomimics and Theoretical and Computational Chemistry. The Department is equipped with state-of-the art experimental and computational facilities, namely, (only major equipments) Bruker APEX SMART CCD Single Crystal Diffractometer, Bruker 500 MHz NMR, Bruker AVANCE II 400 MHz and AVANCE II 200 MHz spectrometer, Shimadzu DT-40 model 883 IR Spectrometer, PW-17291710 X-Ray, Diffractometer, Cyclic Voltammeter Model P9001, Chrompac Gas Chromatograph and JASCO DIP 370 digital polarimeter, SpexFluorolog 3 fluorimeter, Time Resolved Fluorescence Measurements (TRFM), Fluorescence lifetime imaging microscopy (FLIM), Easy Life lifetime apparatus, BET Surface Area Analyser, Perkin Elmer C, H, N Analyser and CPU-GPU hybrid HPC cluster, and High Resolution Mass Spectrometer. Currently, the Department is handling a large number of sponsored projects from various agencies, including major research grants from DST as FIST level-II support and the Seed Grant for Research Infrastructure in an area of Emerging Thrust (SGDRI) of the Institute.

Civil Engineering

The Department is actively engaged in carrying out research in Structural Health Monitoring, Finite Element Model Updating, Reliability of Structures, Seismic Analysis of Dams, Recycled Construction Materials, Low Cost and Sustainable Housing, Biomechanics, Stability of Plates and Shells, Computational Nanostructures, Molecular Simulations, Fluid-structure Interaction, Soil-structure Interaction, Sustainable Ground Engineering, Erosion Control and Mechanical Stabilization of Soils using Natural Fibers, Geosynthetics, Industrial By-products, Ground Improvement, Soil-microbe Interaction, In-situ Testing, Geotechnical Earthquake Engineering, Landslides and Slope Stabilization, Tunnelling, Road Safety Analysis, Transport Economics, Sustainable Transport Planning, Traffic Engineering and Operations, Evaluation of Pavements, Pavement Materials, Pavement Analysis, Environmental Impact Assessment, Air Quality Management, Environmental Monitoring and Planning, Bio Electrochemical Processes, Integrated Waste Management, Life Cycle Analysis and Sustainable Engineering, Environmental Risk and Impact Assessment, MSW Management for Smart Cities, Water and Waste Water Treatment, Industrial Effluent Treatment and Reuse, Anaerobic Waste Water Treatment, Groundwater Hydrology, Analytical and Computational Hydrodynamics, Computational Fluid Dynamics, Flow on Turbulent Submerged Jets, River Hydraulics and Engineering, Urban Flood Monitoring and Management, Models for Flood Forecasting, Hydro Climatology and Water Resources Engineering, Climate Change Impacts on Water Resource, Recycling of Asphalt Pavements, Short panelled Concrete Pavements of high volume Roads, Evaluation of Pavement Surface characteristics for road safety and Development of High modulus of bituminous mixes for Indian highways.

Computer Science and Engineering

The Department is extensively working in the field of algorithms and theory that were derived on problems about bounding sizes of bisecting and separating families for set systems, approximation algorithms for vertex guarding for various classes of simple polygons, optimal-time combinatorial algorithms for computation of inner and isothetic polygons and polyhedra, orthogonal convex skulls and hulls, inner and outer triangular covers, and triangular hulls of point sets in the integer space and In the field of Artificial Intelligence and Machine Learning. The Department has also worked on Opinion Dynamics on Social Networks, representation learning for NLP and temporal, point-processes for computational advertising. In Cryptography and Security, we have been working on optimization of real-time encryption performance for high volume storage data, traffic and verification challenges in compression and cryptographic stacks in Quick Assist Technology. In the mobile context, the Department leverage on the user's smartphone engagement to recognize her physical activities, group activities as well as to detect the emotional state of the user. We also work on sensor networks and sensor systems converging to IoT. In visual information processing, some of the research problems that we have worked on include Automated Representation and Analysis and Interpretation of Indian Classical Dance (Bharatanatyam) using Multimedia Data.

Electrical Engineering

The Department is involved in two major activities: Hybrid Electrical Vehicle and Management and grid connectivity of solar PV units. The Department also has strong presence in Signal Processing and Machine Learning funded from some of the leading industries. Some of the research areas are AC and DC Microgrids, Biomedical Image Processing, Computer Vision, Control Allocation, Control of MIMO systems, Control of Power Converter Circuits, Converter design for solar PV, Cyber Physical and Human Systems, Cyber physical systems, Electric Vehicles, Powertrain & Battery Management, Energy Harvesting for Powering Microsys, Fractional order Circuits and Systems, FRA Diagnostics of Power Transformer, High Voltage AC/DC systems and FACTS, Hybrid AC-DC microgrids, Motor controller & battery charger for EV, Multilevel Converters, Networked Control, Optical Imaging and image processing, Pattern Recognition, Reconstruction of 3D architecture, Deep learning networks, Brain signal processing and brain mapping, Power Converters for DC micro grid, Power Management IC, Robust Control,



Contamination and environmental Sensor Development, Smart Grid and Renewable, Solar Photovoltaics, Solar PV Systems, Switched Mode Power Converters, Synchrophasor Technology, Wide Area Measurement Application and Converters for wind Power Generation.

Electronics and Electrical Communication Engineering

The Department is working on various topics like MEMS/NEMS based sensors, Medical Electronics, Nano Devices, Nanobio Electronics, Network/System on Chip, Adaptive Signal Processing, Biomedical Signal Processing, Medical Imaging, Deep Learning and Applications, Microwave and Millimetre-Wave Circuits, Miniaturized Antennas, Microwave Imaging, Metamaterials, Fibre optics and Nano Photonics, Quantum Communication, Computational Neuroscience, Systems Biology, Intelligent Internet of Things, Eye Movement Analysis, Ground Penetrating Radar, Low Power Digital Design and Testing, Low temperature and High Frequency Electronic Circuits, Gas sensor, Water contaminant sensor, Video Coding/QoE Aware Video Streaming, Super capacitor based energy device, VLSI and Embedded Systems, UAV networks, Thermal Aware Testing, Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design, Queuing theory and Computational Science, Synthetic Aperture Radar, Speech Processing, Structural Health Monitoring, Wireless Communication Networks, Network Security, 5G Network, MIMO Communication, Optical wireless communication.

Geology and Geophysics

The emerging areas of departmental research activities are application of fractals in earth science, Bengal Basin, Bone Histology, Cenozoic Himalaya, Computational Seismology, Cosmochemistry, Crustal deformation monitoring with GPS, Crustal Fluids, Earthquake forecasting, Electrical & Electromagnetic Geophysics, Engineering Geology, Engineering Seismology, Exploration, Geochemistry, Geochronology, Geomorphology, Geophysical optimizations, Geophysical signal processing, Gondwana Stratigraphy, Isotope Geology, Landslide Susceptibility, Slope Stability, Microtectonics, Mineral and Groundwater Exploration, Modeling and Simulation, Numerical Modeling, Ore Deposits, Palaeobiology, Pattern recognition in earth sciences, Petrology, Remote sensing and GIS, Rock Mechanics, Sedimentology, Seismic attenuation tomography, Seismic Hazard, Seismic Microzonation & Risk, Seismic Prospecting, Seismic wave propagation, Sequence Stratigraphy, Stable Isotope Geochemistry, Structural Geology and Vertebrate Palaeontology.

Humanities & Social Sciences

The Department is extensively involved in research areas: Quantitative economics and Financial economics; Economics of growth; Industrial economics; Development economics, Environmental and resource economics; Developing world bioethics; Gender and trade; financial institutions and markets; Sociology of health and medicine; Human resource development; Brain and behaviour; Interpersonal, intercultural and organizational communication; Visual aesthetics; Business ethics; Corporate social responsibility; Economics of biofuels; Bioethics and Public Health Ethics. The Department also conducts training and development programmes in the areas of Aesthetics, Interpersonal communication, Recent trends in human resource development, Strategic management, Emotional intelligence, Logic and applications of logic, Research methodology and data analysis, Financial modelling and risk management, Leadership and teambuilding, Language, cognition and communication, Understanding culture and practising cross-cultural communication, Creative writing, Critical thinking, reading and writing skills, Environmental humanities, Sanskrit and French. The Department also undertakes a number of projects addressing a wider range of research interests including socially inclusive and sustainable development, environmental and resource economics, HR, music perception, generosity, end of life care, environmental history, food security, and popular culture and literary theory.

Industrial & Systems Engineering

The Department is carrying out research in various areas of industrial & systems engineering, such as, Real Time Monitoring and Embedded Analytics for Quality Traceability on Cold Chains for Sea Export of Agricultural Produce (IMPRINT-2) Science and Engineering Research Board (SERB); Digital Manufacturing and Industrial Internet of Things for Enhanced Supply Chain Coordination, Quality and Maintenance sponsored by Department of Heavy Industries (DHI), Govt. of India and Consortium of Indian manufacturing industry; Manufacturing of Shells for Field Guns with Improved Design and Performance (IMPRINT -1) MHRD, Govt. of India; Safety analytics: save people at work from accidents and injuries data sponsored by MHRD, Ministry of Steel, and Tata Steel, Jamshedpur, under Uchhatar Avishkar Yojana (UAY); Development of Reinforcement Learning Methods for Cyber-security and Reliability for a Fleet of Remote Unmanned Mobile Units ISIRD, SRIC, IIT Kharagpur, Development of Large Scale Optimization Techniques to Study the Survivable Network Design for Digital Content Supply Chain ISIRD, SRIC, IIT Kharagpur, Data driven sustainable and resilient safety management system for Tata Steel, Jamshedpur TATA STEEL LIMITED and E Business Center of Excellence sponsored by MHRD, Govt. of India. The Department published eighty-one journal and eighteen conference publications in the year 2018-2019.



Mathematics

The Department of Mathematics is exploring research and development activities in the five major areas: Theoretical Computer Science, Operations Research, Pure Mathematics, Applied Mathematics and Statistics namely, TOPAS. In theoretical Computer Science major results are developed in the Graph Theory, Cryptography and Machine learning. In Optimization major thrust on Robust Optimization jointly with National University of Singapore. More computational works have been completed in Applied Mathematics. Finally, Statistics is very well used in Artificial Intelligence.

Mechanical Engineering

The Department has set up unique research facilities on microfluidics and nanofluidics towards developing ultra-low cost medical devices to perform on-spot diagnostics of diseases by testing one drop of blood, deploying technologies appropriate for resource-poor settings. These devices have been validated successfully under clinical settings and in extreme challenging conditions on-field. An elaborate research facility on this has also been established in the Department. Design and development of various types of intelligent and autonomous robots Mechanical and Metallurgical properties of the difficult-to-weld materials using electron beam welding.

Metallurgical and Materials Engineering

The R&D program of the Department encompasses various areas like Corrosion Science and Technology, Extractive Metallurgy, Mechanical Metallurgy, Melting, Casting and Solidification Processing, Modelling, Simulation, Physical Metallurgy, Powder Metallurgy, Surface Engineering, etc. Investigations related to structure-property relationship have been performed on various ceramic and metal-matrix composites, high temperature materials and advanced alloys. Further, activities involving development of newer grades of dual phase and micro alloyed steels, super alloys, high strength light weight alloys, and composites remained the quest areas of research. Moreover, studies related to the development of bulk nano-crystalline materials, severe plastic deformation process, metastable alloys through non-equilibrium processing, thin films and functionally graded materials, as well as studies emphasizing the principles of processing and correlation of structural defects with the macroscopic structural and functional properties have been carried out. Significant research has been conducted on modelling and simulation to elucidate various metallurgical aspects. Concepts of computational fluid dynamics, heat and mass transfer, thermodynamic modelling and dislocation dynamics have been applied successfully to model various complex metallurgical and materials phenomena. Further, atomistic simulation, molecular dynamic simulation, genetic algorithm, and neural networks have received significant attention.

Mining Engineering

Assessment and Implementation of Complex Image Co-registration and Phase unwrapping and Wavelet Based Phase Noise Reduction for Interferometric SAR Processing, Study of Blind Backfilling of Unapproachable Underground Mine Workings/Voids Using Suitable Mix of Fill Material and Method of Filling, Development of 3D Geomechanical Model for Stability Analysis of Production Bore well. Development of a Novel Underground Mining Method for Exploitation of Chromite Deposits from Friable Orebody and Host Rocks of Sukinda Valley, Odisha, Study of Effect of Pore Structure of Indian Gas Shales on its Methane and CO₂ Adsorption Behaviour, Fault Mapping and Facies Prediction using BIG Data Analytics, Investigation on In Situ Leaching of Uranium, and Integrated Information System and Knowledge Discovery Platform for ONGC.

Ocean Engineering & Naval Architecture

The Department is actively involved in various research activities and industrial projects sponsored by government, research organizations, and industry. The academic and research programs are designed emphasizing on cutting edge knowledge in the subject areas such as ocean hydrodynamics, marine structures, ocean environment, hydro-elasticity, offshore technology, design of marine vehicles & systems, coastal engineering, marine production & planning, and other niche areas. Recently the Centre for Inland and Coastal Maritime Technology (CICMT) was established at our institute supported by the Sagarmala Cell, a flagship programme under the Ministry of Shipping, Government of India. Focus of the CICMT will be on key domain areas: Ship Design for Coastal/Inland waterways, Ship building Technology and Structural Design, Transport Systems & Logistics, Cryogenic Cargo Handling, Green/Renewable Energy harvesting from Coastal and Inland waters, Automation and AI for Maritime Operations. As a part of this major programme, the Infrastructure to be created are: Modern Shallow water seakeeping and Manoeuvring basin, Wave-Current Flume, Setup for studying sloshing characteristics in LNG Tanks. The Centre will provide innovative research and development for inland and coastal waterways.

Physics

Ultrafast Science (UFS) Laboratory of Physics Department produced a number of research papers in high quality journals in collaboration with several leading researchers from within and outside the country.



Advanced Technology Development Centre

This Centre of excellence is promoting MEMS and Biosensor activity that encompasses design, fabrication and engineering of biomedical & microfluidic devices for electro-physiological characterization of living cells and also Design, fabrication and characterization of Integrated-Optic, Waveguides and Devices on Silicon and Lithium Niobate substrates. Established a state of the art characterization set up for measurement of electrical characteristics of installed Solar PV installations, evaluation and modelling of various SPV module's real life performance, image analysis of drying patterns of blood as a diagnostic tool, modelling of ADVANCED MOSFET Devices, development of Junction less Solar photovoltaic device, studying the policy aspect of distributed solar PV plants, initiation of study on soiling characteristics of glass used in solar module, study on technical and social aspects of "Solar Dome" system, design and development of dynamic model and controllers for Automated Manual Transmission for xEVs.

Center for Excellence in Robotics

The Centre for Excellence has Designed and developed of various types of intelligent and autonomous robots.

Centre for Artificial Intelligence

The Centre has undertaken several major sponsored projects. The Centre has received funding from Capillary Technologies and TCG Foundations to set up infrastructure and for initiating various activities. The activities include use of AI in modelling and decision making task related to a chemical process plant. The Centre is running a project funded by ONGC to develop an integrated information system for ONGC to enable machine learning and knowledge discovery. The AI Centre is working to set up an AI resource platform in collaboration with the National Digital Library. It is working with Amazon AWS for some solutions related to making an AI platform.

Centre for Computational and Data Sciences

Professors and students of this centre are involved in various Research activities, such as, studying the driving forces underlying macromolecular crowding effects on biological processes using molecular simulations and optimizing the current computational methods to investigate such large-sized complex systems, and predicting the molecular properties, structure and dynamics of material interfaces using machine learning approaches.

Centre for Educational Technology

A major research agenda of the Centre for Educational Technology is to enhance and improve the teaching learning experience with technological aids. The focus of Centre for Educational Technology is on improving the Instructional Systems Design and to introduce ICT in Education to a larger community. The faculty members engage in research on Augmented Reality and Virtual Reality in education, Speech and Natural Language Processing, Educational Data analytics, Cognitive and physiological parameters in learning and problem solving, and the teaching learning processes for Special children with Dyslexia and Attention Deficit. In addition, several faculty members also work in structuring a formal framework for designing curricula and learning objectives. In collaboration with TCS Innovation Lab the Centre is focused on building high end Smart classrooms that shall address the individual needs of the learner in the ICT age. The Centre has also been actively involved in creating and generating Teaching Learning material for Science Maths and Languages for Secondary school level and development of automated assessment techniques using text processing. Another major research agenda of the department is to develop an efficient distributed search paradigm for very large volume of unstructured data using multicore processors.

Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Sciences

The Centre is actively engaged in carrying out research in frontal areas of Atmospheric, Ocean, Cryosphere and Land System Studies. Approximately, sixty research publications have been published in international journals of repute by the faculty of CORAL, besides forty important conference publications. Seven Ph. D. degrees awarded to the students CORAL. Faculty members are actively working in the area of cyclone research and vulnerability area which are of national interests. Centre has also initiated discussions to offer an integrated M. Sc. programme of Climate Science in the coming year. Centre has received almost four crores EMR research grants from different research organizations.

Centre for Theoretical Studies

This Centre is involved in variety Research work such as in the areas of Astrophysics and Gravity, Condensed Matter Physics, Mathematics, Nonlinear Sciences, High Energy Physics, Dynamics and Control, Theoretical Chemistry, Quantum computation and Quantum information, Materials and Fluid Mechanics.

Cryogenic Engineering Centre

The Centre is actively engaged in carrying out research in Cryogenic two phase flow, Cryogenic fluid management systems for space propulsion, Cryogenic turbo expander, Cryocooler for HTS applications, Space applications of metal foam, Cryogenic compact and miniaturized heat exchangers, LNG technologies, High temperature



superconductivity applications, HTS Cables for power applications, Cryogenic air separation, Cryogenic bubble cooling, Thermo acoustic coolers and wave expanders, Developed Cryosorption pump for scanning probe microscope and Superconductivity based cryogenic liquid level sensor developed and submitted for patent.

Deysarkar Centre of Excellence in Petroleum Engineering

Research activities of the Centre include projects, invited talks and publishing the research articles in Journal/conference. The Centre has also invited the faculty and industry persons to improve the research activities.

Materials Science Centre

The Centre is engaged in the development and application of novel polymers, ceramics, and semiconductor materials. Currently, major research and development activities carried out at the Centre include the following: Nanostructured and bulk materials for energy (Li-ion batteries, fuel cells, supercapacitors, thermoelectrics, photovoltaics, and photocatalytic H₂ generation) and environment (degradation of organic pollutants), Synthesis of new polymers and composites, polymer membrane for fuel cells and also Materials for gas sensors, cement, and concrete.

Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness

The Centre has a multi-disciplinary team of faculty members and students drawn from various disciplines and specializations and is actively involved in research from biological, social, behavioural, and ecological orientations. Optimism and Nudge Creating Happiness through Technologies, Measurement of Happiness, Happiness and Wellbeing through GNH, Relationship and Values, Resilience and Failure Management, Self-improvement, Generosity and Compassion, Cultures and Traditions in Happiness, Practice of Happiness: Mindfulness and Meditation, Happiness Analytics, Culture, Community and Positive Relationships. MoUs and Partnership for training and collaborative activities with: Zurich University of Applied Science, Switzerland, SEED, University of Waterloo, SAIL India, and CRPF India.

Subir Chowdhury School of Quality and Reliability

The faculty members have brought large research projects under IMPRINT-2, published 24 papers in International Journals and 13 conference papers. Three research scholars have joined Curtin University under the dual Ph. D. program (DDDP). All regular M. Tech. students are placed in reputed industries and students of the current batch are hired as interns. The new course curriculum under the aegis of School banner has started from the academic year 2018-19. A micro-specialization in Quality Engineering for the UG students of other departments of the Institute has also been offered. A customized reliability engineering training programs, consisting of four modules, and tailored to the TVSE Motor Company, Hossur to train their 30-40 engineers. Another course RAMS for railway systems has also been running successfully.

Rubber Technology Centre

Research at the Centre focuses on: Design of rubber products, like tire, seal etc.; Rubber composites and nano-composites; Development of polymers for, biomedical and electronic applications; Polymer foam and microcellular rubber composite for various critical and industrial applications; Polymer nano-composites for food packaging; Controlled radical polymerization; Green tire technology; Rheology and process ability of rubber compounds and polymer blends; Conductive rubber composites for electrical and electronics application; Smart and Stimuli responsive flexible materials; and Block copolymers in drug delivery.

Rural Development Centre

The research and development of this school mainly focused on two aspects: Research Collaborations and Research projects. The centre is actively engaged in research collaboration with leading researchers from across the world. Various research projects are also carried out of by this department, e.g., Adoption of Technology - Oriented Drinking Water Facilities in Rural India, Drinking Water Purification System for Rural People by Using Readily Available Products and Open Engineering Techniques in Dakshin Arashini Village (funded by TATA Steel), Development of Digital Platform for Financial Inclusion and Rural Women Empowerment, and Strengthening the Marketing and Credit Linkage for small and Marginal Vegetable Farmers in West Medinipur District of West Bengal.

School of Bioscience

The School presently has 29 Ph. D. students; one student has completed Ph. D. in 2018-19 academic year. The School has enrolled its 4th batch of students of Integrated M. Sc. - Ph. D. program in Chemical and Molecular Biology. Our professors have been awarded with DST Early Career Research Awards, DST BRICS multinational projects and DBT extramural projects. Our students attended various International Conferences.



Energy Science and Engineering

The Department has established a state of the art characterization set up for measurement of electrical characteristics of installed Solar PV installations and carried out evaluation and modelling of various SPV module's real life performance, Modelling of ADVANCED MOSFET Devices, Development of Junction less Solar photovoltaic device, studied the policy aspect of distributed solar PV plants, Initiation study on soiling characteristics of glass used in solar module and Study on technical and social aspects of "Solar Dome" system, Simulations to demonstrate structuration effect in nano- confinements under shear (paper published in RSC Nanoscale), modelling of dual-axis sensor less solar cooker (Patent submitted to IPR office), study of molecular mechanism of heat transport in nanofluids, restored the wind tunnel facility that was stationed in the school, study on the aspects of desalination and water purification using low grade energy and study on ion concentration polarization in membranes to explore its impact on energy conversion at nanoscales.

G. S. Sanyal School of Telecommunications

G. S. Sanyal School of Telecommunication is doing cutting edge research in 5G and associated areas. Few areas where the school is currently focusing are in the areas of: Millimetre Wave Communications, Massive MIMO Systems, C-RAN, Visible Light Communication (VLC), High Speed Vehicular Communication Network, Techno-economic Analysis of Wireless and Optical Access Networks, Flexible and Secure Optical Access Network Design, Design and Performance Analysis of Elastic Optical Network Simulation Environment using NKN Infrastructure in India, Performance Analysis of Wireless Communication System, Energy harvesting based communications, Physical Layer Based Secret Key Generation under User Anonymity, Self-Similar Traffic in disruption tolerant vehicular networks and Network Function Virtualization for 5G. Further, the School has developed a Mobile App NerQuake for Telecommunication mobile tower locations under danger due to natural disaster in North-East India. Recently a modification of the Contact Graph Routing (CGR) for Deep Space Inter-Planetary Networks named fragmentation Aware CGR has been published in CCSDS.

Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

The research and development of this School is mainly focused on Sustainable development and legal aspects of Climate change, Contract theories and their application in Indian mercantile laws, IP licensing: Intricacies and legal dimensions, IP Management, Environmental Law, Policy and Governance, Sexual and Gender based Violence and Victims of Crimes, Internet Governance, Direct and Indirect Taxation, Corporate & International Taxation, Procedural Laws & Land Laws, Corporate Law & Governance, Competition Policy & Law, Recombinant Drug Regulation, Implementation of IP Laws, Biodiversity Law Implementation, International Economic and Trade Law, Copyright Infringement and Liability, International Investment Law aspects, International Commercial Arbitration, International Human Rights Law, Municipal Governance, Socio-Economic Rights, Energy Law, Bioenergy-IP and commercialization and Labour and Industrial Law.

Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Management

The School has developed an integrated land use transport emissions model utilizing emerging big data sources for quantifying energy and environmental impacts of ridesharing services, with University of Leeds, supported by MHRD/SPARC. Faculty member of this school involved in various research and grant like Assessment of emissions from thermal power plants due to energy demand from electric vehicles: policy recommendations for renewable energy integration, ICCSR/IMPRESS, Promoting stronger road safety regulations in India with an emphasis on safe speed, speed management, enforcement, and public Awareness, IFRC Switzerland, Developing a spatial data infrastructure with application in Urban Transport, NRDMS, DST, Gol., Transit oriented development (tod): Developing an integrated, Housing and transport model with Queens University, UK, MHRD and UKERI, Technology innovations and pilot projects for alternatives to HMA in Road construction, Kolkata Municipal Corporation, 2019-2020: A pilot study for Design, Construction and Performance Evaluation, PWD, Govt. of West Bengal with Ultratech Cement Ltd. 2018-2020.

Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship

The School has focused research areas like Health care service delivery, Digital Technology applications, Smart-Grid and energy management, Manufacturing & System Design, Grass-roots innovation, and Entrepreneurship. Energy Lab initiated research project on alternative design of the safest and the most reliable mode of energy storage, that is, the lead acid battery to decrease the dead weight of the conventional battery thereby making it more efficient in terms of specific energy and power. The Analytics Lab advanced research on Behaviour Monitoring and Analysis for Personalized Preventive Care, Application of Visual-Inertial Fusion for Large-Scale Scene Reconstruction, Resource Allocation and Scheduling in Emergency Medical Services, Planning Interventions for Cardiovascular Disease Prevention. The Products Analytics and Modelling lab initiated research on Design and



development of transmission and control system for Hybrid electric vehicle (HEV) and Imaging and Rapid Prototyping based Product Engineering.

The Agri-preneurship Lab inducted research in Insecticidal Formulation development from locally available indigenous Plant materials, Development of Nutraceutical and cosmeceuticals products and processing of Non-edible oil seeds for production of bio Diesel, Bio-lubricants and Oleo chemicals. The Social Research Group also progressed with the importance and knowledge of understanding grass-root innovation and use of appropriate technology in Indian context, research on agricultural extension.

The Centre has a multi-disciplinary team of faculty members and students drawn from various disciplines and specializations and is actively involved in research from biological, social, behavioural, and ecological orientations. Optimism and Nudge Creating Happiness through Technologies, Measurement of Happiness, Happiness and Wellbeing through GNH, Relationship and Values, Resilience and Failure Management, Self-improvement, Generosity and Compassion, Cultures and Traditions in Happiness, Practice of Happiness: Mindfulness and Meditation, Happiness Analytics, Culture, Community and Positive Relationships. MoUs and Partnership for training and collaborative activities with: Zurich University of Applied Science, Switzerland, SEED, University of Waterloo, SAIL India, and CRPF India.

Kalpana Chawla Space Technology Cell

The Cell carries out collaborative research projects in the following broad areas: Liquid Combustion, Propulsion and Cryogenics; Space Communications and EMI/EMC; Micro-machine Sensors; Control, Navigation and Guidance; Embedded Systems and IP-Cores; Cryptography and Security; Remote Sensing; Life Support Engineering; Smart Materials & Exotic Materials; Power Electronics; Space Education; Electronics Devices; Cryogenics; and Quantum Communication. As an outcome of the research work, approximately forty one papers have been published in reputed national and international journals and conferences. The cell has offered two courses on 'Fundamental Concepts of Digital Image Processing for Interpretation of Remote Sensing Data' & 'Special Topics on Antenna Theory & Practice' in the academic year of 2018-2019.

School of Medical Science and Technology

The School is engaged in interdisciplinary teaching, research and development in medical science and technology. MOU between Institute and TMC Kolkata was signed to carry out collaborative academic and medical research activities & spearheaded by SMST. SMST launched three Joint M. Sc. - Ph. D. program and successfully completed first year of new academic collaboration with Tata Medical Center, Kolkata and the second batch of students are currently being admitted via JAM exam. SMST and TMC Kolkata have jointly initiated Advance Research Certificate Program for clinical oncologists. The school has begun the exercise to face-lift the existing MMST program to adjust according to the current global requirements. Significant number of scholars (>85) are pursuing fundamental and translational research in the areas of cancer biology and early diagnostics, wound healing, regenerative medicine, biomaterials, tissue engineering, neuro-rehabilitation prostheses, epidemiology, proteomic/ metabolomic dimensions of health and disease, reproductive health, herbal medicine, medical informatics, MEMS and microfluidics-based biosensors, immunology and cardiovascular diseases. Several R&D projects are being supported by West Bengal Govt. and Govt. of India (e.g., MHRD, DBT, DST, ICMR, CSIR, IMPRINT, DRDO) and other funding agencies. Students of this school have received awards with various international scholarships (e.g., DAAD, Khorana, and Fulbright Fellowships).

School of Nanoscience and Technology

The School of Nano-Science and Technology is involved in diverse research activities of interdisciplinary nature, such as, Group-IV and III-V semiconductor nanostructures for electronic and photonic devices, MEMS and microsystems, Nano-electronics, Nano-scale biosystems engineering, GMR & magneto-electric and magnetocaloric materials, Polymer and rubber based nanocomposites, Polymer thin film instability, self-organization and meso-mechanics, Carbon nanotubes, graphene, metallic nanowires, and nano-particles, Biocompatible nanostructures for bioimaging & diagnostics, drug delivery, biosensor, Intermetallics, bulk amorphous alloys and nanocomposites, Nanostructured or nanocomposite thin films and coatings, Oxide gas sensors, Lithium ion rechargeable batteries, and Computational nanostructure.

School of Water Resources

The School has set up eco-friendly treatment systems for reuse of greywater, Leak detection and urban water supply network management, Pathway identification & toxicity analysis of electrochemical oxidation of methyl orange and also developed various approaches for real-time short-to-medium range streamflow and reservoir inflow forecasting with a maximum lead-time of 7-days, a stream-aquifer interaction model under sparse data-availability scenarios to estimate the exchange flux and a technique for daily-scale monitoring of river pollution using remote



sensing data by Bathymetric survey and water quality and sediment quantity analysis in Tilaiya Dam, Land surface process modeling using JULES in Krishna River basin and Sediment characterization using sediment finger printing approaches in the Konar Dam Catchment.

Vinod Gupta School of Management

VGSoM Faculty have been quite productive with their research and development activities. They have collectively published over 45 papers in SCOPUS indexed Journals and Journals listed through the Australian Business Deans Council, with about 25% of their publications featuring in the top ranked Journals (A and A*). Three Current and one past faculty at VGSoM have earned the sponsorship of a total of 2 projects through the coveted IMPRESS initiative of ICSSR with a consolidated budget of Rs. 26 Lacs. The School has also re-designed the MBA Curriculum, which was approved by the Senate in spring 2019, and is being implemented for the 2019-21 batch of MBA students. The new curriculum has been designed futuristically to include a diverse basket of elective courses, and a number of micro-specializations in areas that are increasingly becoming an integral part of management education in top business schools worldwide. Since July 2018, VGSoM has inducted 5 new faculty members in various functional areas to cope with this additional teaching load. The faculty at VGSoM are also routinely offering courses through the NOC portal of NPTEL. Seven (7) of these courses are being re-run regularly, and some more are in various stages of development.

INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

As a modern technological institution, we constantly upgrade our existing infrastructure to accommodate growing number of campus residents and to facilitate state-of-the art methods of teaching and research. Listed below are some recent additions and development.

Aerospace Engineering

The Department has developed various experimental setup like low speed tandem bladed axial flow compressor, low speed nozzle turbine blade linear cascade tunnel, pressure probe calibration facility, cobra shaped 3 hole probes, Characterization and Mitigation of Boundary Layer in Convergent Flow Passage and variety of Spares of spectrometer: Time Correlated Single Photon Counting (TCSPC) Electronics, Emission detector (Peltier cooled Photo-multiplier (PMT) and EasyTau 2-Fluorescence Spectrometer Control and Data analysis software Make: M/S PicoQuant GmbH. Beside the above facilities Department possessed Optical filter: UVFS reflective Neutral Density filter (Make: Thorlabs) Optical filter: UV-VIS band pass filter (Supplier: Edmund optics), Lens: Visible Achromatic Doublet lens (Supplier: M/S Advanced Photonics,) and Laser energy meter, energy sensor (Make: Ophir Optronics). A state of the art recirculating water tunnel facility in the Department has been built for low speed aerodynamics experimental studies. Department has recently procured Miniature wire hot wire probes, Pitot static tube-4 mm dia, NI based data acquisition system and Pressure pump for pressure scanner calibration.

Architecture and Regional Planning

The School has updated its Geo-Informatics Lab, Transportation engineering and Innovative communication Lab, and a Digital Iconographic Lab. The presence of a senior Fulbright fellow Prof. Amita Sinha from the School of Planning, University of Illinois, Urbana Champagne, USA (2018-19) had great impact on Cultural mapping exercises on Santiniketan to be earmarked as UNESCO world heritage site. State-of-the art software and advanced Simulation/computing/digital Adobe systems have been procured to advance the laboratory activities.

Biotechnology

The Department has set up facilities like Real-time PCR (BioRad), Floor Model High Speed Centrifuge (Beckmann Coulter India Pvt. Ltd.), Fermenter with sophisticated process control and accessories (Biojenik Engineering), Multiparameter controlled refrigerated shaker incubator (Scigenic Biotech Pvt. Ltd.), Ultrasonic Sonicator (Indo Scientific & Surgical Pvt. Ltd.), Laminar Hood (Lab Solution), (Packed bed reactors (K C Engineers Ltd.) and Continuous Stirred Tank Reactors (Creative Lab).

Chemical Engineering

The Department has recently acquired facilities like High Performance Computing Server, COMSOL Software, Direct Mercury Analyser, Rheometer and also Time-resolved Micro PIV.

Chemistry

The Department has enhanced the facilities by acquiring Agilent High-Resolution Mass Spectrometer, Bruker Auto-sampler and Bruker Cooling Unit for 500 MHz NMR spectrometer, and Bruker Single Crystal X-Ray Diffractometer.

Civil Engineering

The Department has installed variety of facilities like 1000 kN Creep Testing RIG, 400 litre Carbonation Test Chamber for accelerated ageing tests of concrete, 400 litre steam curing humidity test chamber, Accelerometers for



high frequency impact testing, Rapid Chloride penetration test equipment for concrete, Digital Flat Jack testing equipment for strength evaluation of masonry and stone structures, Light Weight Accelerometers for 6 degrees of freedom shake table and also Heat Source Modulated Halogen Lamp for IT Thermography. The department has also upgraded and installed some facilities like 60t Tinius Olsen UTM, Models to serve as Teaching Aids for undergraduate Structural Engineering Courses, Concrete Test Hammer and UPV Meter, Hydrocarbon Fire Furnace, Pressure Sensor for Shock Waves, Data Acquisition systems (DAQ), Accessories and Sensors, SARA (Saturates, Asphaltenes, Resins and Aromatics) Analyzer, Video Based Contact Angle Meter/ Goniometer and also Accelerated Polishing Stone Testing Machine.

Computer Science and Engineering

The Department installed a new GPU-based server cluster with one master node and ten computation nodes. Each server has 2 no. Xeon Gold 5118 CPUs, 128 GB RAM, 4TB hard disk, and either dual NVIDIA Tesla P-100 or NVIDIA Quadro P4000 GPU cards.

Electrical Engineering

The Department upgraded the laboratory by installing a Solar PV system lab and Hardware in loop.

Electronics and Electrical Communication Engineering

Magnetron Reactive Co-sputtering System, Electron Beam Evaporation System, Furnace, Tip Enhanced Raman Spectroscopy, Electrochemical Workstation (Bi-potentiostat/Galvanostat), Bench Top Centrifuge, UV VIS Spectrophotometer, Steady State Fluorescence Spectrometer (PL), Humidity Control Probe Station, Frequency Converter ACP series for Load lock Pump of D.R.I.E., Biological Safety Cabinet and Wafer Cleaning System, Nano IR spectroscopy; Tunable femto-second laser; Quantum communication setup; Microscope enabled FTIR; High-resolution digital microscope; Rack-based EDFA.

Geology and Geophysics

The Department has recently set up a High Pressure Experimental Petrology Laboratory, simulating conditions deep within the earth's mantle and also recently procured a state-of-the-art Digital Polarizing Microscopy facility.

Humanities & Social Sciences

The Department is now equipped with CANTAB for Cognitive Assessment. It has bought Eye-tracker and Polygraph for conducting intensive behavioural research.

Industrial and Systems Engineering

The Department has installed software ANYLOGIC and STATA for simulation and data analysis to the department laboratory.

Metallurgical and Materials Engineering

The Department upgraded the characterization laboratory by acquired facilities like, High resolution X-Ray Diffraction facility, Pin-on-disc and ball-on-disc Tribometer, High power ultrasonic testing instrument, Optical microscope and High temperature furnaces.

Mining Engineering

New Mining Engineering Annexe Building was completed and inaugurated.

Ocean Engineering and Naval Architecture

The Department has upgraded the laboratory facilities for the UG/PG and RS students. New software's are also procured for the ongoing R&D activities in the Department. Computational systems were upgraded and new servers were also acquired to enhance the computational skills.

Physics

The Department has excellent research facilities like a femto-second Laser with output power 2.5W at 800nm and 80MHz is procured in Ultrafast studies (UFS) laboratory for development of Up-conversion set-up with time correlated single photon counting system and an innovative laboratory is being developed for undergraduate students. It has already procured a 3D printer and a portable lathe machine.

Advanced Technology Development Centre

The Centre has various facilities like Optical Lithography System along with Mask Aligner and Precision Spin Coater, Diffusion Furnaces for Photonics, Inverted Microscope and Embedded Control System lab for M. Tech, ECS.

Center for Excellence in Robotics

The Centre has purchased two serial manipulators, one humanoid robot, one tracked vehicle, one drone, one 3D printer, a few workstations, and also developed set-up for orthotic and prosthetic devices.



Centre for Artificial Intelligence

The Centre has been set up at a temporary location in Nalanda Administrative Complex. Several computing servers and systems have been acquired. A GPU Cluster has been acquired with one master node, 2 compute nodes with 2 x NVIDIA QUADRO P4000 with 8 GB memory and 2 compute nodes with 2 x Nvidia Tesla P100 with 16 GB Memory, 2 x 2 TB 512n SATA HDD, 12 Gbps RAID controllers, 100 GBPS Infiniband Adapters, 18-port unmanaged 100 Gbps Infiniband switch and a server rack.

Centre For Computational and Data Sciences

The Centre has a few high-end GPU-based servers with hybrid 2CPU-1GPU architecture are being procured by the center. Each of the servers consists of two Intel Xeon-Gold 6126 (2.6GHz/12-core) CPU processors with one NVIDIA Tesla V100 PCIe 32 GB card, 256 GB memory and 40 TB of hard disk space. Each server is expected to have a computational performance of 7 TeraFLOPs. These servers will be dedicated for research activities of the center.

Centre for Educational Technology

The Centre for Educational Technology is in the process of developing an AR -VR Laboratory for Educational Technology. Specific research equipment such as EEG (32 channel), a mobile eye tracker and a Galvanic Skin Response Recorder with PPG settings have been purchased. The department has also developed a Cognitive, Language and Information Processing Lab (CLIP) equipped with explicit bio-markers like the 32 channel EEG machine and Tobii 120 Eye Tracker. For the development of improved content for Secondary education, the Centre has also further developed the state of art Mobile Studio.

Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Science

The Centre has augmented video conference facility, reprography laboratory and seminar hall facilities. The Centre also initiated to establish a state of art Marine biogeochemistry Laboratory, Marine Seismograph Laboratory and Laboratory for Himalayan Research. A high quality camera for Digital hemispherical Photographs is another acquisition at the Centre.

Centre for Theoretical Studies

The Centre has Facility of Rack Mountable Computing Server (Intel® Xeon® Gold Series): PRIMERGY RX2540 M4.

Cryogenic Engineering

The Centre has recently equipped with Scanning probe microscopy (AFM, MFM, PFM) with high vacuum and low temperature capability

Deysarkar Centre of Excellence in Petroleum Engineering

The Department is now equipped with Drilling Fluid Lab Equipment Purchased through Diamond Jubilee Institute Funds Purchase of Approx. 20 lakhs along with existing equipment like Ageing cells, Digital viscometer, Digital Retort, Fluid mixer and LTLF filtration. Modernised the laboratory by acquiring Reservoir Simulation Lab Workstations through Diamond Jubilee Institute Funds Purchase of approx. 41.8 lakhs (\$ 61,076). In this project 12 workstations were purchased and installed. The Department further enhance the research activities by procured advanced equipment like Fracturing Fluids Equipment through donation of PfP Technology of USA: Donation received of Rs. 11 lakhs from this fund department purchased and installed Oilfield viscometer & mixer. Additionally, three 2nd-hand HT viscometers were received as donation and installed.

Materials Science Centre

The Department has upgraded the laboratory by procurement of Field Emission Scanning Electron Microscope (DST FIST Grant).

Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness

The Centre is in the process of setting up three laboratories focusing on: Psychometry and data analytics, Virtual reality and immersion, Physiological measures, Equipment and software: CANTAB, 64 Channel EEG, Wearable Eye-Tracker, 16 Channel Polygraph.

Rubber Technology Centre

The Department has procured Mooney viscometer DIN Abrader.

Rural Development

The Department enhanced the research activities by developing of Conference Room, Agripreneurship and Rural Development (ARD) Lab and GIS Lab.

School of Bioscience



The School has acquired Fluorescence microscope, Computer cluster and established fly genetics laboratory.

G.S. Sanyal School of Telecommunication

The School has recently acquired state of the art GPU servers and Work Stations, L2 and L3 switches, Routers for the development of Distributed Radio Access Network (DRoNA) with Wireless Access. The School has also procured USRP boards, Directional Antennas, Omni-directional Antennas. It will explore the Cloud Radio Access Network (C-RAN) and Fog-RAN concept. The School is in the process of acquiring infrastructure under IMPRINT to design and develop phased array antenna with beam-forming module for 5G communications. The School has procured Xilinx Vertex Ultra Scale plus evaluation kits for development of a test bed for passive optical network based cellular infrastructure. It is also in the process of acquiring AWG, Power Splitter, Optical Fibre cables, Measuring Instrument and Work Stations for optical back haul network.

Nano Science and Technology

The School now has Rack server system facilities like Intelligent gas sensing System, Screen printer, Nfapt- leap-apt accessed jointly with IITM, Chennai Remotely, Atomic Force Microscope, 3D-Confocal Raman Imaging System, CCR Based Cryogen free probe station, Semiconductor parameter analyser, DPSS laser, Data Acquisition System, Electron Beam Lithography, High Vacuum Dual Deposition System and Digital mass flow controller.

Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

The School has established the Legal Aid and IP Facilitation Cell which was inaugurated by the Hon'ble Justice Aniruddha Bose, Judge, High Court at Calcutta and Executive Chairman, West Bengal State Legal Services Authority.

Ranbir & Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Management

A new state of the art laboratory developed for Non-destructive Testing with 15 Basic and Advanced Equipment along with a new state of the art laboratory developed for Infrastructure Monitoring and Assessment with IOT Framework, sensor network, etc. for acquisition of temporal and spatial data from heterogeneous data sources and visualization of the data. The School has also acquired portable air quality monitoring system to measure the transport users' exposure to air quality while using various modes of transport, and assessing the impact pedestrianization has on the air quality of the street environment and Laser temperature sensor, for assessment of surface temperature.

Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship

The analytics lab at RMSoEE has augmented its computational resources with the help of SRIC project LRI_ICG_2017_SGSIS grant and other Institutional grants. It will be used for intensive data processing applications such as large collection of numerical, text, images and video data and implementation of various computer vision and machine learning based algorithms for 3D scene reconstruction project and healthcare data analytics applications. School are using Rotary Evaporator (Stuart) for separating solute from the solvent controlling temperature and pressure. Separation, Isolation and Characterization of phytochemicals and biocompounds is done by HPLC or High Pressure Liquid Chromatography (Agilent). In case of volatile compounds, Separation, Isolation and characterization is done by Gas Chromatography or GC (Thermo Fisher). Micro and histopathological examination for determination of bio-efficacy of phytocompound on plant or animal tissue is done by high resolution optical microscope with camera (Olympus). A peristaltic pump (Masterflex) is procured to test the efficiency of nanomaterial based bio-implants. Distilled and analytical grade water is obtained from Millipore water purification system (Merck Lifesciences) for chromatographic systems installed in the laboratory.

Kalpana Chawla Space Technology Cell

A number of software and hardware modules have been procured under KCSTC projects to enhance the research platform of KCSTC as well as different departmental laboratories: CST software for Electromagnetic simulation tool (2) GPU Computing Platform, (3) Map Downloader software (4) GPS L1 IF data recorder- cum – software (5) High voltage differential probe, 500MHz 12 BIT ADC Digital Storage Oscilloscope, Rogowski Coil Current Probe, 80V, 25A Regulated DC Power Supply (6) Potentiostat Galvanostat- Princeton Applied Research VersaSTAT4, Linear Micro/Nano Positioner-Smar Act SLC 2445 (7) FLOWNEX Software (8) GFSSP.

School of Medical Science and Technology

The School has acquired a new 4-laser Multicolour, Multiparameter flow cytometer and Mobile health care unit through institute funding for facilitated development of inter-departmental research facilities.

School of Water Resources

The School has developed an Acoustic Doppler Current Profiler (ADCP) for research.

Subir Chowdhury School of Quality and Reliability



The first phase of development of the Quality Engineering Lab is complete and next phase will have a focus on developing automated quality control systems.

School of Energy Science and Engineering

The School has installed a Solar Cooker in a village school for mid-day meal scheme. Improved version has been designed. It has conducted evaluation and modelling of various SPV modules' real life performance. Improvement of heat transfer of fluids mixed with nanoparticles for solar thermal applications and efficiency of a-Si solar cells are ensured. It has developed Dye Sensitized solar cell (DSSC) fabrication and characterization. A light-harvesting model to describe microalgal growth kinetics, a green-cathode for generation of bioelectricity using microalgae, an in-situ trans-esterification method for biodiesel production directly from yeast biomass, and the proof of the concept of a yeast bio refinery for deriving multiple products and benefits using yeast biomass as feedstock have been developed.

Vinod Gupta School of Management

VGSoM has focussed a majority of its efforts towards maintaining the existing infrastructure, and updating it to meet the evolving needs of the students and faculty. One of the MBA classrooms has undergone significant renovation with a new lectern, and updated projection and sound systems have been installed. A research scholars' room has been refurbished with cubicles along with computers and printing facilities for the Ph. D. students at various stages of their program.

INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT IN THE INSTITUTE

The Civil Construction and Maintenance section has taken up several construction projects to cater to the infrastructural requirements of the Institute. Vikram Sarabhai residential accommodation with 164 rooms for Boys and 164 rooms for Girls has been completed and handed over. All 88 rooms of Nalanda class room complex have been handed over. In the J. C. Ghosh Science Block and P. C. Ray Laboratory Block, 16 Floors have been handed over to SIDM, CORAL, Petroleum Engineering and Department of Chemistry. Currently, HAVC work is in progress. For 100 units of post-doctoral accommodation and foreign visitor accommodation handing over is under progress. Out of 66 units of New Faculty Accommodation, 24 units have been handed over. RCC structural work is under progress for B-Type faculty accommodation.

Expansion of Aerospace Engineering building, new Annex Building in Mining Engineering Department and JC Bose Annex Laboratory building is completed and handed over. For the Super Speciality Hospital, main hospital building, Electrical substation, AC Plant room, and pump house and STP have been completed. MGMS, CSSD, Signage work, testing commissioning of lifts & HVAC work are in progress. The Institute has initiated the process of taking over of the facilities.

The Main Building including Auditorium and sub-station of IIT Kharagpur Research Park at Rajarhat has been completed. The testing commissioning of HVAC is in progress. The Acoustic work for Auditorium and Classrooms has been awarded by CPWD.

Under the new water supply project of the Institute, total pipe laying has been done for 11.04 km out of 12.60 km. The work is in progress in the SE Rly Goods yard Area where total of 5.316 km has been laid out of 5.50 km. Currently, Approach Bridge Fabrication and Erection is in progress.

For NANO CRF and Life Science Building of Diamond Jubilee Complex, the RCC Structure has been completed and handing over is under progress. Work has been completed for development of synthetic athletic track. Basketball, Volleyball and Tennis Court works are under progress.

Technology Telecom Centre

Technology Telecom Centre (TTC) provides the voice communication services to subscribers in the academic as well as in the residential campus on conventional copper wires as well VoIP and Digital Telephony and the value added services like Audio Conferencing bridge and mobile extensions etc. It is having the state of art Centralized EPABX at Technology Telecom Centre and a satellite exchange at New Guest House. It is also providing the centralized fax services to Institute community.

In the financial year (2018-2019) TTC completed the installation and commissioning of upgrading of existing MD-110 EPABX at JCB lab complex (Annex building) with server based system. Restructuring of telephone cables in Department of Agricultural and Food Engineering and BC Roy Technological Hospital was completed. The Renovation work of Pillar boxes (painting and repairing) in the Campus is also going on.



One major work that has been taken up is the voice communication in the upcoming “Dr. B. C. Roy Institute of Medical Science and Research”. TTC has planned to upgrade the present EPABX system so that it can take up the load of the massive (2000 lines in future) and important telephone connectivity of the super-speciality hospital. Already the upgradation of the system has been initiated and is waiting for approval of the concerned authority.

Estimation of telephone cabling work at admin block of Nalanda Class Room Complex is done and a composite work has been completed by CCM. In the same manner restructuring of telephone cables work also completed by CCM as composite work. In near future, telephone-cabling work at the newly constructed buildings like Diamond Jubilee Complex, New Faculty Accommodations (NFAs), International Guest House, etc. will be taken up with respective PMC.

Central Research Facility

Central Research Facility (CRF) aims to extend access to multi-material state-of-the-art micro and nanotechnologies for users from industry, R&D and academia, either national or international level; providing training to students at the UG/PG/RS level and organizing workshop/training program to the engineers outside Institute on specific equipment.

CRF is equipped with 36 laboratories with 30 associated faculty members and 30 technical staff. We are equipped with sophisticated instrumentations like: Field emission scanning electron microscopes; Dual beam FIB-FEG microscopes; Transmission electron microscopes; X-ray diffractometers; X-Ray Micro-CT; Scanning Auger Nanoprobe; Fourier Transform Infrared Spectrometer; Atomic Force Microscope; Nano- triboindenter; Raman Spectrometer; Thermal Analyzers; SQUID-VSM; Hall- effect measurement, MALDI, X-ray, ITC, FACS.

CRF organized various seminars, workshops, training in last academic year on topics such as: From 3D Images to Models - Introduction to Simple ware Software Workshop, Rietveld Analysis – Application Training, Advancement on High Resolution Transmission Electron Microscopy.

Alumni Affairs and Institutional Development (ID) Program

The Office of International Relations was set up in the year 2003. Since 2014, the Office has grown significantly with the range of activities with regards to the signing of international MoUs and collaborations, outreach programs, facilitation of faculty and students visits etc. The Office has also been made responsible for the Institute’s branding and corporate social responsibility program. Following are the major activities undertaken during 2018-19 by the Office of International Relations:

four international students were hosted for degree programs from Russia, Columbia and Bhutan, South Korea, and 29 international students for short-term programs. Funding opportunities were made available under Shri Gopal Rajgarhia International Program (SGRIP), Asoke Deysarkar International Program, ICCR and other funding programs. The flagship program of Office of International Relations, SGRIP supported 9 International Faculty, 2 International Research Scholars: 2, 3 scholarships for international students, 2 International Workshops and Meetings. International MoUs were signed with 35 foreign universities including with special emphasis on student exchange. Work is in progress for Multi-institutional Dual Degree programs with James Cook University, Australia, University of Auckland, University of Alberta, University of Massachusetts, Dartmouth, and Rutgers University. Apart from these, there were several inbound visits, the foreign training program was conducted for students of IIT Kharagpur, and e-newsletter was published for students and faculty for news dissemination.

Activities undertaken by Dean, International Relations for Branding and CSR include the following:

- a) Launching the IIT Kharagpur news website, The KGP Chronicle, www.news.iitkgp.ac.in, relaunching R&D and alumni magazines, increasing the reach of social media through Facebook, LinkedIn and Twitter, making of IIT Kharagpur short film for the national television channel of Doordarshan, internationalization of the science and technology competition for school students, Young Innovators Program and offering a large range of brand memorabilia.
- b) Raising CSR funding for merit scholarship from Tower Research Capital, innovation incubation from HDFC Bank, for Centre for Classical Arts from AKS System Pvt Ltd. and Magic Software.

Alumni Relations and Outreach

Close to 68% connectivity with the alumni has been achieved by the end of the financial year including registrations on the alumni website, during annual alumni meet, visits, social media platforms and other alumni engagement programs. Out of a total number of 64316 alumni, the Institute is connected with close to 43000 alumni and is able to network with them.



Alumni and Institute Events

Annual Alumni Meet

Students' Alumni Cell organized the 16th Annual Alumni Meet from 11th Jan to 13th Jan 2019. This year the batches of 1969, 1979 and 1994 were the special guests of honor. The meet was attended by 368 alumni including special guests. The Meet is now a major event anticipated by both the alumni and the students. As the years pass by and winds of change keep blowing, the Alumni Meet too shall keep evolving with the pace of time, hoping to bring to the alumni an experience that they may cherish all their lives.

Homecoming

The first ever edition of Homecoming from 17th-19th August 2018 saw 47 Alumni registered and a total of 90 people including the accompaniments occupied the Technology Guest House.

Alvida

The atmosphere was tinged with a bit of sadness at Alvida, the annual farewell dinner, this time for the Batch of 2019. The evening started off on an amazing note as the Director and Dean, Alumni Affairs, began addressing the students. This was followed by the eagerly awaited Batch awards which the passing batch thoroughly enjoyed. A lovely dinner followed soon after at the Vikramshila complex. A wave of nostalgia hit the diners as they discussed the unending memories this campus had given them. There was no better way to end the night than dancing to IITKGP's famous 'tempo', and signing off with love.

Convocation

The 64th Convocation of IIT Kharagpur brought together on stage several luminaries - Honourable President of India, Shri Ram Nath Kovind, the Honourable Governor of West Bengal, Shri Keshari Nath Tripathi, and the Honourable Chief Minister of West Bengal, Mamata Banerjee. Commending IIT Kharagpur for its pioneering role in engineering and technical education in the country, President Kovind said, "Over the years, IIT Kharagpur, and in fact the IIT network and community, has become an important window to the entire world." The Chief Minister of West Bengal, Mamata Banerjee, won a thundering applause from students when she announced that she believed IIT Kharagpur was the number one IIT in the country. IIT Kharagpur gave out degrees to 2616 students, 295 of them doctoral and joint Ph. D.

FoundationDay

The 68th Foundation Day of IIT Kharagpur saw the Young Alumni Achiever Award being conferred on 12 outstanding KGPIans who are high achievers as professionals, academics, scientists, and mentors. Dr. Purnendu Chatterjee, Founder Chairman of The Chatterjee Group (TCJ) that runs Haldia Petrochemicals, was Chief Guest on the occasion. Three student awards and eight staff excellence awards were given away by the Director. The day saw the Nina Saxena Award being conferred upon the Founders of Pathshodh Healthcare Pvt Ltd, a medical device research and development company incubated at the Indian Institute of Science. Several staff were also honoured for completing 25 years of service at the Institute.

Fundraising Campaign

Under the Institutional Development (ID) Program several alumni fundraising campaigns are being carried out to build corpus through endowment and gift mode to ensure self-sustainability in the long run. For FY 2018-19 Rs. 8.75 Crore was raised from the under mentioned various giving back initiative run by the ID Program.

Any batch together donating Rs. 50 Lakhs is recognized as '**Founding Batch of Endowment**' and a class-room in the newly built Nalanda Classroom complex is named after the batch with all the donor names displayed at the entrance. Grass-roots campaign contribution has long term impact as well as benefit KGP for years to come. Batch Endowment is ideal for both grass-roots and major donors as the principal would remain intact and only the interest generated would be used for institute's growth.

1991 Batch has completed their journey of raising 50 Lakhs in a record breaking 3 months to become the first 'Founding Batch of Endowment' and then other grad batches successfully raised funds and they are - 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1975, 1984, 1993, 1994 and 1997. Batches from different genres like 1962, 1963, 1964, 1965, 1987, 1988, 1989, 1996, 1990 are vying to be the next one. In 2018-19, the batch of 1969 and 1994 received endowed class rooms at the Nalanda Complex during "Annual Alumni Meet" January 2019.

Hall Gift is another campaign where alumni were appealed to donate for the development of their Halls. A primeval sense of loyalty binds KGP'ians to their respective Halls of Residence. This is where they spend their most joyous moments together with friends. The alumni are returning to care for these spaces as they would their family homes. Contribution for hall renovation has given way to an outpouring of grassroots involvement in reconstruction and



renovation drives. The donation drive for Radha Krishnan hall set the trend for giving back followed by Patel and Rajendra Prasad halls for their collective giving back. Alumni from various halls raised about Rs. 50 Lakh for hall development activities and the work is completed for Patel hall first phase, Nehru Hall model room pilot project, and others are underway.

IIT Kharagpur is helping students to learn without being unduly worried about expenses, shape their career and then give back to their Alma Mater through the grassroots campaign of **Learn-Earn-Return**. This scheme aims to create a financial support system for students so that they imbibe the culture of giving back. The awardees receive Rs. 10,000 per month for 4 years as cash award. At the end of the first semester of the 1st year, the award will be given out on the basis of JEE Advanced rank. From the second semester onward, the recipients of the award would have to maintain a CGPA of 9. LER helps students to study without worrying about financial burden. Three hundred alumni from various batches raised about Rs. 59 Lakh till FY 2018-19 under this initiative.

A new initiative which was started in 2018 to raise funds for various departmental events and campaigning, named as **“Alumni Department Engagement Program - ADEP”**, is aimed to reconnect alumni with their departments. This program facilitates alumni and dept: for initiatives like - visiting faculty, special lectures, workshops, foreign and industry collaboration, PG and RS placement, internships and live projects. Under this campaign for the first time in the history of the Institute, a Geoscience seminar was organized at the Geology and Geophysics Dept totally from the resources contributed by the alumni. A special volume of the Geoscientific magazine - GEOS was launched during the seminar. It had 28 technical articles from the IIT Kharagpur alumni from 1956 to 2009, with contribution from both India and abroad.

In an initiative to strengthen the health and wellness program of IIT KGP. The alumni of the Institute have helped design and customize ambulance for safeguarding dynamic patient requirements and gifted an **Ambulance to KGP** and putting more efforts for the wellness program. Several doctors and super specialty hospitals were consulted to ensure best-in-class emergency medical fittings and effective vehicle design for long-distance journey. Custom fittings were fabricated, such as medical equipments, upgrading internal panels, electrical wiring for fireproofing and fire retardant components etc.

Class Gift is another inspiring giving back program at IIT KGP, where a batch funds a special initiative to create a signature place at the Institute. The batch of 1970 is the first graduating class who has endowed a lasting legacy at their beloved Institute. A uniquely structured garden beside Tikka circle, **ADDA** is represented as place for students, faculties and other campus staffs to contemplate, meditate and discuss in an open lush green space. One more such initiative is undertaken by the alumni specially, from the US side through IIT KGP US Foundation and driven by Distinguished Alumnus Vinod Gupta. This is to add one more signature place to the campus a **Clock Tower**.

Endowed Chair Professorships are also a great initiative where illustrious alumni contribute. Endowed Professorship is one of the highest honors awarded in the academic arena and is reserved for the best faculty members as an acknowledgement of their contributions to research and teaching. Endowed Chair also lends an additional prestige to the departments. Thus, it is both an honor to the named holder of the appointment and also an enduring tribute to the donor who establishes it. Distinguished Alumnus Vinod Gupta instituted “Prof. A. S. Davis Chair”, Shion Deysarkar [son of Dr. Asoke Deysarkar, Distinguished Alumnus of IIT KGP] instituted “Prof. P. K. Bhattacharya Chair” and also “Prof. N. K. Roy Chair”.

Student Scholarships and Awards are also a great way to contribute to the institute. It often provides students a critical push in their academic career at different junctures, especially by giving them a much-needed financial cushion and support system while they pursue their goals, live their dreams and have a fulfilling career. Perhaps most importantly, scholarships make students aware of the importance of philanthropy or giving back. Under this initiative, **Karuturi Chakravarthy**, instituted the **“Shri Karuturi Ramamurty Endowment Award”** in the memory of his father. **The 1997 batch** of Mechanical Engineering (B. Tech.) instituted the **Ritesh Ranjan Memorial Scholarship** in the memory of their batch mate, late Ritesh Ranjan. Institute visiting Professor and alumnae, Amita Sinha and her batch mates instituted “Prakasham Gupta Best Thesis Award” in memory of their friend and fellow batch mate Late Prakasham Gupta.

Distinguished alumnus Partha Ghosh made contributions for a pioneering project launched by the Institute - **Partha Ghosh Leadership Academy** (with an endowment fund of 1 million USD). Distinguished alumnus Shri Arjun Malhotra is driving the campaign for the **Center for Classical Arts** and made a contribution and also, a grassroots campaign has been launched for the alumni to contribute towards this Center.

In the unique ecosystem of IIT KGP, senior classes play a role not commonly seen in any other institution of higher learning. **“My Imprint”** initiative is actually a “By the Students, for the Students” giving back initiative where



graduating batches are given the chance to contribute their caution money deposits to the welfare of the Institute. Graduating students thus get a head start in contribution to their alma mater almost from the moment they step out into the world as IIT KGP alumni. 300+ graduating students donated their caution money under the My Imprint campaign which amounted close to Rs. 18 Lakh for building bus stands in the campus.

IIT Kharagpur is on a mission to help people reap the benefits of several of its research outcomes through its newly launched **Corporate Social Responsibility (CSR)** program. The Institute is gearing up to partner with corporate houses and NGOs to help people to have a better life. The Institute received CSR funding through IDP from HDFC Bank Ltd and Tower Research Capital. HDFC Bank Ltd., a leading private bank in India has instituted a fund of Rs. 60 Lakh for supporting start-up and incubation at the IIT KGP in the area of sustainable development, community empowerment and clean/renewable energy. Whereas Tower Research Capital, the renowned financial services firm, has instituted a fund of Rs. 60 Lakh over two years for the "TRCI Meritorious Scholarships" for eight students of 2nd or 3rd year B. Tech. of Computer Sciences and Engineering.

International Relations, Branding and CSR

The Office of International Relations was set up in the year 2003. Since 2014, the Office has grown significantly with the range of activities with regards to the signing of international MoUs and collaborations, outreach programs, facilitation of faculty and students visits etc. The Office has also been made responsible for the Institute's branding and corporate social responsibility program. Following are the major activities undertaken during 2018-19 by the Office of International Relations:

four international students were hosted for degree programs from Russia, Columbia and Bhutan, South Korea, and 29 international students for short-term programs. Funding opportunities were made available under Shri Gopal Rajgarhia International Program (SGRIP), Asoke Deysarkar International Program, ICCR and other funding programs. The flagship program of Office of International Relations, SGRIP supported 9 International Faculty, 2 International Research Scholars 3 scholarships for international students, 2 International Workshops and Meetings. International MoUs were signed with 35 foreign universities including with special emphasis on student exchange. Work is in progress for Multi-institutional Dual Degree programs with James Cook University, Australia, University of Auckland, University of Alberta, University of Massachusetts, Dartmouth, and Rutgers University. Apart from these, there were several inbound visits, the foreign training program was conducted for students of IIT Kharagpur, and e-newsletter was published for students and faculty for news dissemination.

Activities undertaken by Dean, International Relations for Branding and CSR include the following:

- (a) Launching of the IIT Kharagpur news website, *TheKgp Chronicle*, www.news.iitkgp.ac.in, relaunching R&D and alumni magazines, increasing the reach of social media through Facebook, LinkedIn and Twitter, making of IIT Kharagpur short film for the national television channel of Doordarshan, internationalization of the science and technology competition for school students, Young Innovators Program and offering a large range of brand memorabilia.
- (b) Raising CSR funding for merit scholarship from Tower Research Capital, innovation incubation from HDFC Bank, for Centre for Classical Arts from AKS System Pvt Ltd. and Magic Software.

Sponsored Research & Industrial Consultancy (SRIC)

The Sponsored Research and Industrial Consultancy (SRIC) Cell is the primary conduit for all sponsored research and consultancy in the institute. It also plays a pivotal role in the preparation and execution of the research roadmap of the institute, and in managing the internal mechanism of the institute for disbursement of its research funds. As research is one of the key indicators of institutional excellence, and as the government increasingly leans towards the IITs to infuse its technology towards industrial application and social responsibilities, SRIC has become primary handle for a wide variety of technology interventions.

The huge diversity of engineering and science disciplines at IIT Kharagpur offers a single window for all types of educational and research service required by the industry. The diversity of in-house expertise at IIT Kharagpur has also catalyzed the development of a healthy ecosystem for large-scale industrial collaborations in multi-disciplinary areas including AI, Advanced Manufacturing Technology, Intelligent Transportation Technology, and Affordable Healthcare Technology, Geosciences for the Future of Earth, Innovative Infrastructure Design, Industrial Internet of Things, and Industrial Robotics etc.

SRIC played a key role in catalyzing the submission of a large number of proposals from IIT Kharagpur under the Uchcharat Avishkar Yojana (UAY), IMPRINT, and Swachh Bharat Abhiyan and worked with the other IITs in carrying out the selection process. Under UAY-I (2016-2017), the institute has received funding to the tune of INR



66 crores spread over 12 projects. In the year 2017-2018, under UAY-II, 14 projects were submitted and 7 were selected, total amount being INR 11.85 crores. Under IMPRINT-1 and IMPRINT-2, the Institute has already received a fund-commitment in the tune of INR 123 crores spread over 27 projects and INR 9 crores spread over 12 projects. The Institute has also received a fund-commitment of INR 251.09 crores under SPARC Programme.

Since inception of Global Initiative of Academic Networks (GIAN) program in 2015-16, IIT Kharagpur is coordinating this program nationwide. Aimed at tapping the talent pool of scientists and entrepreneurs worldwide and garnering the best international experience into our systems of education, the GIAN initiative has attracted an astonishing 18 advanced courses involving international experts in 2018-2019. These courses have been made available online for attendees across the nation.

Additional educational initiatives under the leadership of IIT Kharagpur include the National Digital Library initiative, the National Initiative for Design Innovation, the Teaching Learning Center for Pedagogy Design & Research, and the MOOC compliant e-content creation initiative. Major MHRD supported initiatives include the E-Business Centre of Excellence, Virtual Labs, and Real Time Virtual Labs.

During the year 2018-2019 the Institute received 257 research projects from the Government, private and international funding agencies/enterprises for a total value of INR 493.34 crores and 154 consultancy projects worth 30.56 crores. This includes a number of high-value and flagship projects from the government and the industry, such as:

1. Development of Filament Wound Type 3 Composite Cylinder for the Storage of Compressed Hydrogen Gas
2. Road Safety Audit on Five (5) State Highways in the State of West Bengal
3. A Formal Coverage Management Framework for AMS Design Verification (GRC Proposal ID: P32524)
4. LUDCP for Newly Added Haldia Planning Area (Phase 1)
5. Health Study of Main and Annex Building of Honourable High Court, Kolkata
6. Scientific Study Related to 04 Zones of Handidhua Colliery
7. Cryptography and Cryptanalysis
8. Preparation of Human Resources (HR) Plan of SECL Including Executives for Next Five Years taking into Consideration the Man-Machine Combination, Training Needs for Different Disciplines to Augment the Production and Productivity for the Next 05 (five) Years
9. Study to Assess Stability for an Unstable Part of NH-2 Bypass near Dalmia under the Jurisdiction of Salanpur Area of ECL for Implementation of Raniganj Master Plan
10. Specifications for Design of De-dusting System for 1X800 T. P. D. Calcined Petroleum Coke Rotary Kiln at Paradeep, Orissa.

The Intellectual Property Rights and Industrial Relations (IPR & IR) Cell under SRIC is responsible for the filing and maintenance of Intellectual Property Rights, and also for licensing and the transfer of technologies developed by researchers at IIT Kharagpur to the commercial sector. In the financial year 2018-19, a total number of 63 intellectual properties (national and international) have been filed and a total of 5 intellectual properties were granted. Several technologies have been transferred to industries.

A two day IPR Workshop on 'Innovation, Invention and Creativity – Roadmap for Patent Creation' was organized on 25th August and 5th September 2018 by IPR & IR Cell, SRIC, in association with RGSolPL, IIT Kharagpur. An IPR Special Lecture on "The multiple facets of IPR: An Engineers's Perspective" was delivered by Prof. Ravinder David Koilpillai, Qualcomm Institute Chair Professor, Department of Electrical Engineering, IIT Chennai, on 26th of February, 2019 which enriched the students and faculties of IIT Kharagpur at large. An Institute lecture on "Commercializing Innovations – why do inventors patent their invention?" and a one day Workshop on "IP Powerhouse: the fuel for startups" was organized on 1st March 2019 and 2nd March 2019 respectively, by IPR & IR Cell, SRIC, in association with RGSolPL, IIT Kharagpur. The world Intellectual Property day was celebrated on 26th April 2019, raising IP awareness among students and researchers and felicitating the inventors whose patent has been granted. The world Intellectual Property day was celebrated on 26th April 2018 with the theme "Powering change: Women in innovation and creativity" encouraging more women inventors of the Institute. The IP day celebration started with the inauguration of the Technology Transfer Brochure of the Institute.

The Entrepreneur Cell under SRIC supports a variety of incubation programs funded by the Government.

Various student activities are encouraged and supported through SRIC. Notable activities include the following:



- Design and implementation of autonomous ground vehicles. The team has designed, fabricated and operated autonomous vehicle with multiple sensors data processing and fusion incorporating sophisticated control steps to participate in various competitions in India and abroad. It is indeed a matter of pride to note that Team AGV, IIT Kharagpur has secured second position in 26th International Ground Vehicle Competition (IGVC) held at Oakland University in Rochester, Michigan on June 1 - June 4, 2018, organized by the Association for unmanned vehicle system international (AUVSI).
- TeamKART designs and manufactures formula style racing cars. The team has successfully made 6 cars and is on its way to make the 7th car. The team bagged 9th position out of 74 teams in the Formula Bharat rulebook quiz. The team was one of the 16 teams out of 77 teams that participated, to clear the Mechanical Scrutiny, tilt and the noise test in Formula Bharat 2019. Also for the first time team participated in the 3rd FSEV Concept Challenge and bagged overall 4th rank.
- RoboSoccer activity for design and implementation of a team of soccer playing robots. This activity is coordinated under a students' group named "Kharagpur Robosoccer Students' Group" (KRSSG). It regularly organizes robo-soccer competition during the techno-management fest "Kshitij". KRSSG qualified for RoboCup SSL 2019 and Humanoid Simulation League held in Sydney, Australia. In July 2018, KRSSG won the second place in Goalie Skills Challenge of Humanoid Simulation League, in Montreal, Canada.
- Swarm Robotics IIT Kharagpur took part in DRDO's DRUSE 2018 (DRDO Robotics & Unmanned Systems Exposition) which was held in Pune from 23rd May to 25th May 2018 and won the First Runners Up position to win a cash prize of 1 Lakh Rupees for further research and implementation. This was the culmination of the national level challenge which had over 1000 entries out of which 164 qualified for the Zonals on 28th March 2018, where they were crowned the runners-up in the 30 teams selected for the finals.
- Aerial Robotics Kharagpur (ARK) is a students' group working for building autonomous aerial vehicles. The group was formed in February 2015. They are developing a system for flight control of a drone for participating in International Aerial Robotics Competition (IARC).
- TeamAUV activity for design and implementation of autonomous underwater vehicle. The team has designed and operated an upgraded underwater vehicle with multiple sensors and sophisticated control computers to participate in various competitions in India and abroad.
- Signals and systems for Life Science, a thrust area of Research at IIT Kharagpur, organized a one week long orientation programme during May 8-12, 2017 at IIT Kharagpur for selected ICMR-IITKGP MedTech interns of this year. In the 8 week long internship, 2 ICMR Scientists and 4 medical college students from 3 different AIIMS worked at IIT Kharagpur laboratories while 7 IIT Kharagpur engineering students reported to different centers of ICMR namely, NCDIR, Bangalore, NIRRH, Mumbai, NARI, Belgavi, RMRC, Bhubaneswar.

Computer and Informatics Centre

CIC has extended the existing private cloud computing infrastructure by building a new OpenStack based cloud system (Meghamala-II). Wi-Fi infrastructures at Nehru, Patel, Azad, LLR, RK and RP halls have been upgraded. CIC has connected the Institute to eduroam, a global service that enables students, researchers and staff from participating institutions to obtain Internet connectivity across campus and when visiting other participating institutions by simply opening their laptop or activating their smartphone or other portable device through Wi-Fi. CIC has started Internet access without proxy servers from the residential area and Technology Guest House. The centre has completed the extension of Institute networking facility to various laboratories of different departments, newly constructed Annex Buildings (Annex of JCB Lab Complex, Annex Building of the Department of Aerospace Engineering, and Extension of Mining Engineering), hall of residences (VSRC G+7 blocks for Boys and Girls) and buildings (4 nos. NFA Blocks), new centers (Centre for Artificial Intelligence, Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness). In addition to these the existing network infrastructure has been upgraded at Central Library and IIT Kharagpur extension centre Kolkata for NDLI project. CIC has laid the underground cable duct to connect Dr. B. C. Institute of Medical Science & Research through OFC with redundant path. Considering the availability of dark fiber in the existing OFC cable plant, CIC has also laid the additional cable duct to setup OFC links for J. C. Ghosh and P. C. Roy Science Block, Diamond Jubilee Complex, VSRC (G+7) blocks, Nalanda Class Room Complex, Sir J. C. Bose Laboratory Complex, Department of E&ECE, Central Library, RMSoE, Department of Mining Engineering and Halls of Residence. CIC also provided temporary IT infrastructure during several events like SIH2019 software and hardware editions, Spring Fest, Kshitij, Alumni meet, Convocation and different



national/international academic conferences. The laboratories in CIC (5 Nos) have been utilized for Institute academic activities like conducting lab classes along with various online tests like GATE/JAM, JEE-Main, JEE (advanced), NPTEL, UGC NET, Moodle based online class tests, ACM-ICPC Asia Regionals 2018 Kharagpur and online examinations conducted during placement.

Science and Technology Entrepreneurship Park (STEP)

STEP, IIT Kharagpur is one of the oldest and most successful innovation and incubation Centre in the country, having supported the entrepreneurship endeavour of our graduates and others in establishing the start-ups for over three decades. During year 2018-19, five new companies were inducted. During the year, three Committee Meetings for Incubation and Seed Loan, 14 workshops and outreach camps have been conducted. Among the major activities, a shed area at STEP Gopali Campus has been renovated for civil works, water connection, electrification to provide better facilities to incubates, Phase-II boundary wall in Gopali mouza is being constructed to improve security measures of STEP Gopali campus, Animal Cell Culture Based Testing Laboratory is ready for operation, Ultra High Temperature furnace (3000 °C) for mono-atomic layer graphene (first in the country), Raman Spectrometer and Universal Testing Machine are in the process of installation, Infrastructure for internship program for students from textile colleges is ready. The tissue cultured pineapple and banana plantation will now be expanded to 40 acres and development of natural fibre based clothes and footwear (bonded with graphene-derivatives) will be undertaken.

Rajbhasha Vibhag

The Rajbhasha Vibhag translates all Institute documents and correspondence including Institute's Annual Report and Annual Accounts statement along with the routine translation of various technical / non-technical documents, administrative orders, RTI and letters from English to Hindi and vice versa. In addition to the translation of documents, the Vibhag ensures the bilingual display of different nameplates, notice boards, rubber stamps, and preparation of Degrees / Diplomas certificates awarded by the Institute. Rajbhasha Vibhag has initiated Hindi Training to Institute employees for Praveen, Pragya and Parangat course under Hindi Teaching Scheme. In the last academic year, the department has trained 76 employees in Praveen, Pragya and Parangat with 15 employees trained in Hindi typing.

Hindi workshops and HR Training were organized for the Officers and employees of the Institute on 14 Sep 2018, 18-22 Jun 2018, and 05-11 March 2019. The Institute celebrated "Hindi Divas" on 14th Sep 2018. Several programmes and competitions in Hindi were organised for employees and students of the Institute as well as for the students of nearby schools. Rajbhasha Vibhag publishes a monthly News Magazine "Jharokha" in Hindi covering all the academic, cultural, extra-curricular activities of the institute with the rules, regulations, and policy matters related to Rajbhasha. Rajbhasha Vibhag has several Hindi Software like i-leap, ISM Publisher, ISM Office, Leap Office etc. Vibhag also uses the tools, PARIVARTAK, MANTRA, TRANSLITERATION, etc. developed by Department of Official Language, MHA, Government of India, C-DAC and other agencies. Recently ISM V.6 was procured which is Unicode compatible. The Vibhag has activated UNICODE in all the computers of departments and trained the employees to work in Hindi. The Rajbhasha Vibhag has made its website bilingual. The Rajbhasha Vibhag has also made the Institute's website bilingual and efforts are being made to make the contents of the website bilingual. The Institute has constituted Official Language Implementation Committee (OLIC) for the implementation of Rajbhasha Policies and to monitor the progressive use of Hindi in the Institute in day-to-day work. In addition to this, Rajbhasha Vibhag, IIT Kharagpur plays a vital role in co-ordination for implementing the Official Language policy in the town. As the Director of the Institute is the senior most officer of the Central government posted in Kharagpur, Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home Affairs, Government of India has nominated him as Chairman of Town Official Language Implementation Committee (TOLIC). In the last academic year two meetings were held on 13 Aug 2018 and 10 Jan 2019.

Conferences, Seminars, Symposia and Workshops

Listed below department wise are the conferences, seminars, symposia and workshops organized by the Institute.

Aerospace Engineering

- National Conference on: National Aerospace Propulsion Conference, December 17-19, 2018.
- Symposium on: Aero elasticity and Unsteady Aerodynamics in Turbomachinery, May 06-10, 2019.
- Workshop on: Applications of gradient grating period guided mode resonance filter by Prof. Cheng Sheng Huang from the Department of Mechanical Engineering, NCTU Taiwan, November 27, 2018.



- Seminar on: MEMS Logic Gate by Prof. Tsung Lin Chen from the Department of Mechanical Engineering, NCTU Taiwan, November 27, 2018.
- Seminar on: “Experimental work on insect aerodynamics and flight”, March 15, 2019.
- Workshop on: Experimental Flow Visualisation and Measurement Techniques for both Incompressible and Compressible Flow Regimes, March 12-15, 2019.

Agricultural & Food Engineering

- Workshop on: Prakriti-2019: “Sustainability”, March 15-17, 2019.
- Workshop on: Agricultural Watersheds: Hydrologic and water quality data collection and analysis, December 10-14, 2018.
- Workshop on: Micro-irrigation and Fertigation, January 21-22, 2019.
- Symposium on: Technology Demonstration Mela under Unnat Bharat Abhiyan, February 16, 2019.
- Workshop on: Advanced Training in Agricultural Engineering, June 03-21, 2019.
- Workshop on: Organic Farming for Sustainable Agricultural Production, August 06-30, 2019.

Biotechnology

- Conference on: 2nd International Conference on Contemporary Antimicrobial Research (ICCAR-2018), December 15-17, 2018.
- Conference on: 6th Molecular Virology Meeting, March 01-02, 2019.

Chemical Engineering

- Workshop on: International Workshop on Rural Water Quality and Management (in association with Global Challenge Research of University of Edinburgh), May 14-16, 2019
- Workshop on: Heterogeneous Catalysis for Chemical Engineers (TEQIP Short), December 10-14, 2018.
- Workshop on: Pollution Prevention in Process Industries, May 05-12 2018.
- Workshop on: Modeling and Computational Techniques for Multiphase Systems (AICTE QIP Short), April 30-May 06, 2018.

Chemistry

- Sir J. C. Ghosh Memorial Lecture 2019 by Bernard L Feringa, Nobel Laureate, Chemistry 2016 on March 18, 2019.
- Workshop on: Towards Smart Functional Materials: An Interdisciplinary Approach, March 19, 2019.
- Conference on: Chemistry Alumni Meet 2019, March 30, 2019.

Civil Engineering

- Conference on: Session on Hydrologic Extremes in a Changing Climate in 15th Annual Meeting of Asia Oceania Geosciences Society (AOGS 2018), June 03-08, 2018.
- Workshop on: A general guideline for preparation and management of a sustainable water supply system with special emphasis on DPR preparation, tendering, execution and operation/maintenance of the project, August 23-26, 2018.
- Workshop on: A sustainable water supply system with special emphasis on DPR preparation, tendering, execution and operation/maintenance of the project, February 04-07, 2019.
- Workshop on: Design and maintenance of sewerage network and sewage treatment plant: special emphasis on recycle and reuse perspective, April 23-25, 2018.
- Workshop on: Practical hydraulics: Applications in free surface and pressurized flows, February 04-16, 2019.
- Workshop on: Recent Trends in Industrial Pollution Control and Regulation, November 19-23, 2018.

Computer Science & Engineering

- Conference on: 5th Annual International Conference on Algorithms and Discrete Applied Mathematics (CALDAM 2019), February 14-16, 2019.
- Workshop on: CALDAM Indo- Italian Pre- Conference School on Algorithms and Combinatorics, February 11-12, 2019.

Electrical Engineering

- Workshop on: Workshop on Machine learning for Medical Image Analysis, September 17-21, 2018.



Energy Science and Engineering

- Workshop on: International course on “Bioproduction in Photosynthetic Microbes” under the GIAN program of MHRD, India, May 21-25, 2018.

Geology & Geophysics

- Conference on: Climate Change Impacts, Vulnerabilities, and Adaptation, February 26-March 02, 2019.

Humanities and Social Science

- International workshop on Landscape Urbanism: From Adi Ganga to Tolly's Nullah, December 21-22, 2018.
- GIAN: Managing and Governing Resource in the Anthropocene: Political Ecological Explorations from South Asia, November 26-28, 2018.
- Symposium for Development of Shared Knowledge on Inclusive Development and Growth Dynamics, February 14-15, 2019.
- TEQIP Training Program, July 01-05 2019.
- International Workshop on Rural Water Quality and Management, May 14-15, 2019.

Industrial & Systems Engineering

- Workshop on: Environmental performance of manufacturing system: Modelling and Application, March 25-29, 2019.
- Workshop on: Quality Engineering in Products and processes for Ordnance factory officials, June 17-28, 2019.
- Workshop on: Sustainable production management: Concept and practices, May 13-24, 2019.

Mathematics

- International Conference on Computational Fluid Mechanics, November 23-25, 2018.

Metallurgical and Materials Engineering

- Conference on: Congress of Metallurgical Professionals involving Students, Industry and Teachers, March 16-17, 2019.
- Workshop on: Fracture, Fatigue and Failure of Materials, June 16-22, 2019.
- Workshop on: Rietveld Analysis -Application Training, March 14-15, 2019.
- Workshop on: Non-destructive Testing for Failure Analysis and Prevention, May 20-22, 2019.

Nano Science and Technology

- Workshop on: Laser-Assisted Atom Probe Tomography, July 10, 2019.

Ocean Engineering & Naval Architecture

- Workshop on: Analysis and Design of Coastal Structures, December 10-14, 2018.
- Workshop on: High Fidelity Computational Fluid Dynamics Simulations for Marine Applications, December 10-15, 2018.
- Workshop on: Large Eddy Simulations (LES) for Ship research, December 17-26, 2018.

Centre for Educational Technology

- International workshop on Technology Enhanced Learning, February 28 - March 1, 2019.
- Workshop on Argument Driven Inquiry, November 11-18, 2018.
- Workshop on Understanding Concepts in Mathematics through Origami, March 18-20, 2019.
- Pedagogy Innovation Workshop for In Service Teachers, July 21-25, 2019.

Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Sciences

- Workshop on: Analysis and Design of Coastal Structures, December 10-14, 2018.
- Workshop on: High Fidelity Computational Fluid Dynamics Simulations for Marine Applications, December 10-15, 2018.
- Workshop on: Large Eddy Simulations (LES) for Ship research, December 17-26, 2018.



Centre for Theoretical Studies

- Seminar on: Lecture series on combinatorial commutative algebra (Mathematics), July 02-06, 2018.
- Seminar on: An Hour with Leonhard Euler, The Music of the Primes by Prof. A. K. Mallik, July 17-18, 2018.
- Seminar on: Effect of flexibility in fish- type propulsion by Prof. Jaywant H Arakeri, March 08, 2019.
- Seminar on: 17th S. Datta Majumdar Memorial Lecture by Prof. Raghavendra, Gadagkar, October 25, 2018.
- Symposium on: Frontiers of Fluid Mechanics 2019, March 16, 2019.
- Seminar on: The Bicycle: A Technological Marvel and Great Social Reformer by Prof. Amitabha Ghosh, March 27, 2019.

Cryogenic Engineering

- Conference on: ICEC27-ICMC 2018, September 03-07, 2018.
- Conference on: International Conference on Cryogenic and Refrigeration (ICCR18), April 12-14, 2018.
- Conference on: International Conference on Computational Methods, Simulation and Optimization (ICCMO-2018), June 22-24, 2018.

Deysarkar Centre of Excellence in Petroleum Engineering

- Conference on: Energy Resources: Advances in Technology and Future Outlook, November 24-25, 2018.
- Workshop on: Data Driven Digital Twin for Asset Integrity Management, March 22-24, 2019.
- Seminar on: Climate Change, the Transitional Role of Fossil Fuels and Geopolitics, January 31, 2019.

G. S. Sanyal School of Telecommunication

- Seminar on: Efficient Detection of OTFS Modulation by Prof. Emanuele Viterbo, fellow IEEE, Monash University, Melbourne, Australia, May 16-18, 2019.
- Seminar on: 5G Communications by Dr. Subhas Mondal Chief Architect – 5G, CTO Team, WIPRO Ltd., January 11, 2019.
- Seminar on: 5G Networks by Mr. Indrajit Sanyal, Senior Director, Ericson, Kolkata, January 11, 2019.

Rural Development Centre

- Seminar on: Contribution of Prof. Probodh Kumar Bhowmick in the field of Action and Applied Anthropology, December 06-07, 2018.
- Conference on: 4th International Conference on Public Policy, June 25-28, 2019.
- Workshop on: Arsenic in the Food Chain, June 25-28, 2019.
- Workshop on: Rural Drinking Water Technology Hackathon 2019, May 13-14, 2019.
- Workshop on: International Workshop on Rural Water Quality and Management, May 13-14, 2019.
- Conference on: Climate Change Impacts, Vulnerabilities, and Adaptation: Emphasis on India and Neighbourhood (CCIVA 2019, February 26-May 14, 2019).
- Conference on: Sustainability of Smallholder Agriculture in Developing Countries under changing Climatic Scenario, February 14-May 14, 2019.

Bio Science

- Conference on: 6th Molecular Virology Meeting, February 28-March 02, 2019.

Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship

- Workshop on: Entrepreneurship Awareness Program (PMY MSDE, GOI), July 30, 2018-July 09, 2019.
- Workshop on: Mentoring student entrepreneurs at IIT Kharagpur, July 30, 2018-July 09, 2019.
- Workshop on: PRISM workshop organized at Techno India, July 30, 2018-July 09, 2019.

Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

- Workshop on: 4th National Moot Court Competition, August 31-September 02, 2018.
- Conference on: National Colloquium on Legal Research, March 15-16, 2019.
- Workshop on: Research Scholars Day, March 15, 2019.
- Workshop on: AICTE Workshop on Biotechnology and Intellectual Property Rights, February 04-March 09, 2019.



- Workshop on: The Multiple Facet of IPR: An Engineering's Perspective with collaboration with IPR Cell, February 26, 2019.
- Workshop on: Patent drafting workshop – Mr. Dipan Banerjee, Lakshmikumaran and Sridharan Attorneys, February 02, 2019.
- Workshop on: IP Power house: Fuel for start-ups, Dr. Malath Lakshmikumaran, March 01, 2019.
- Conference on: Industrial relations, Make in India and Skills and Skill India, May 27-31, 2018.
- Conference on: GIAN course on 'Law and Policy on Renewable energy', May 07-18, 2018.
- Symposium on: International IP Symposium October 3-6, 2018.
- Workshop on: Roadmap for Patent Creation, August 25, 2018.
- Workshop on: Roadmap for Patent Creation, August 25, 2018.
- Workshop on: Road Map for Patent creation, September 08, 2018.

Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Management

- Workshop on: Sustainable Cities: Planning & Designing for Green Urban Mobility, October 12, 2018-July 19, 2019.
- Workshop on: GIAN course on Information Technology Applications in Transportation Planning and Management, March 11-15, 2019.
- Workshop on: Smart Infrastructure Planning to Connect People and Jobs, March 18-22, 2019.
- Workshop on: GIAN course on Smart Urban Multimodal Transport Planning, Operations and Management, July 08-12, 2019.
- Workshop on: AICTE Course on Using Free and Open Source Geospatial (FOSS4G) Tools in Urban management, February 28-March 03, 2019.
- Workshop on: GIAN course on Land Cover Land Use change and its Impacts on Climate with Prof. Atul Jain, University of Illinois, USA, October 29-November 02, 2018.
- Workshop on: TEQIP Course on Sustainable Urban Transport: Design of Road infrastructure and Facilities, February 15-17, 2018.
- Workshop on: Latest Trends in Structural Repairs and Retrofits by Dr. Mangesh Joshi, CEO, Sanrachana Structural Strengthening Pvt. Ltd, Mumbai, March 18, 2019.
- Workshop on: Communication by Commander Veerendra Jaitly, two day course, February 14-15, 2019.
- Workshop on: GIAN course on Space is the Machine: SPACE SYNTAX METHODOLOGY, October 19-23, 2018.
- Symposium on: Curtin University- IIT Kharagpur Joint Symposium, December 12-14, 2018.
- Symposium on: Infrastructure Development and Management in Future Cities, April 17-18, 2019.

School of Medical Science and Technology

- Seminar on: Research Scholars Day cum Visiting Seminar, December 11, 2018.
- Seminar on: Medical Device Regulation: How and Why, December 21, 2018.

Continuing Education Program

The Continuing Education Programme is a significant academic activity of the Institute. Over the years, it has diversified in terms of variety of programmes, coverage of disciplines, mode of teaching, duration, and the range of industries and academia served. The activities includes providing continuing education and training to professionals from industries, R&D organisations and academia, providing opportunities to teachers and students of Engineering Colleges to update their knowledge through short term courses and for pursuing M. Tech. and Ph. D. programme under Quality Improvement Programme (QIP) of MHRD. Facilities provided by the Office of Continuing Education include Video Conferencing Studios at Kolkata, Bhubaneswar and Kharagpur.

During 2018-2019 the Office of Continuing Education organised 14 QIP short term courses with 312 participants, 13TEQIP-III sponsored courses with 419 participants; while the number of sponsored and self-sponsored short term courses conducted were 93 with as many as 2412 participants. Also, during this period 26 conferences/workshops were conducted with 1476 participants. The three year executive E MBA programme organised by the unit had 28 students in its Kolkata centre. During this year 9 QIP scholars were awarded Ph. D. degrees.



Under the scheme TEQIP- III, four Faculty Induction Workshops were conducted with 241 faculty participants. Additionally UG and PG students from CANADA are also trained under the MITACs programme of TEQIP-III, MHRD. *GIAN Courses*: A flagship programme of the Govt. of India. These courses of 2 weeks or 10 working days duration were designed around current and multidisciplinary themes of Science, Engineering, Management and Law with a judicious blend of lectures and tutorials per day. A total of 577 national and international participants from the academia and industry participated in the 24 GIAN courses during 2018-2019. The GIAN courses provide an excellent platform to our students, faculty and industry professionals to seek knowledge and experience from international faculty. It also provided them an opportunity to interact and learn subjects in niche areas through collaborative learning process. High quality course material, both through print and video are developed under the GIAN programme so as to be used by a larger body of students and teachers.

One credit courses on micro specializations are being conducted successfully for the last few years. 15 micro credit courses were conducted during 2018-2019. Recently a six month certificate course on Foundations of Artificial Intelligence and Machine Learning has been launched in March 2019. Live, interactive classroom sessions are conducted simultaneously from Kolkata, Bangalore, Hyderabad and Kharagpur.

Laurels and Distinctions Awarded to Faculty

Last year, like every other year, faculty members and students of the Institute received a number of awards and honours, laurels and distinctions in recognition to their excellence. Faculty members were honoured with prestigious awards and elected as Fellows of the National Science and Engineering Academies. The students were rewarded with various scholarships and their excellent contributions were acknowledged in various conferences, symposia etc.

Fellowships

Prof. Nirupama Mallick, Department of Agricultural and Food Engineering	Fellow, National Academy of Sciences (NASI), India.
Prof. Adinpunya Mitra, Department of Agricultural and Food Engineering	Fellow, West Bengal Academy of Science and Technology, West Bengal.
Prof. D. K. Pratihar, Department of Mechanical Engineering	Shastri Fellowship (Indo-Canadian) to work on Humanoid Robots.
Prof. Nilmoni Sarkar, Department of Chemistry	Fellow of the National Academy of Sciences, India (NASI) 2018.
Prof. Niloy Ganguly, Department of Computer Science and Engineering	Fellow of Indian National Academy of Engineers (INAE).
Prof. Shamik Sural, Department of Computer Science and Engineering	Fulbright Nehru Academic and Professional Excellence Fellowship (FNAPE).
Prof. Sudip Misra, Department of Computer Science and Engineering	Fellow of Abdul Kalam Technology Innovation National Fellowship by Indian National Academy of Engineers (INAE).
Prof. Dewashish Upadhyay, Department of Geology and Geophysics	Fellow of Alexander von Humboldt.
Prof. Santanu Bhowmick, Department of Geology and Geophysics	Fellow of the Indian Academy of Sciences.
Prof. Ayan Roy Chaudhuri, Materials Science Centre	Fellow of Alexander von Humboldt fellowship (Alumni program) 2018.
Prof. Suman Chakraborty, Department of Mechanical	Sir J. C. Bose National Fellowship, by the Department



Engineering	of Science and Technology, Government of India.
Prof. D. K. Pratihar, Department of Mechanical Engineering	Fellow of Shashtri (Indo-Canadian Research Fellowship).
Dr. Indrani Sen, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Fellow of Alexander von Humboldt Fellowship for renewed research stay.
Dr. Somjeet Biswas, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Fellow of Alexander von Humboldt Fellowship for renewed research stay.
Dr. Swati Maitra, School of Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Mngt.	Fellow of Bilateral Exchange of Academics, for the visit to Technical University, Darmstadt, Germany for research, funded by German Academic Exchange Service, 2019.
Prof. Mahitosh Mandal, School of Medical Science and Technology	Fellow of Indian National Academy of Science, New Delhi (FNA).
Prof. Ashok K. Gupta, School of Water Resources	Fellow of Indian National Academy of Engineers.
Prof. Mahitosh Mandal, School of Medical Science and Technology	Sir J. C. Bose Fellowship, Science & Engineering Research Board, Department of Science and Technology, Government of India.

Awards

Prof. Partha Pratim Chakrabarti Professor, Department of Computer Science & Engineering and our Director	Honored with D. Sc. (Honoris Causa) by University of Kalyani, West Bengal in their 29th Annual Convocation of the University.
Prof. J. N. Roy, Advanced Technology Development Centre	Selected one of the INAE Sectional committee members and member of Scientific Committee of EUPVSEC-2018.
Dr. Joydeep Banerjee, Department of Agricultural and Food Engineering	Young Scientist Award, Crop and Weed Science Society (CWSS), Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalay, Mohanpur, Nadia, West Bengal.
Prof. Ramkrishna Sen, Department of Biotechnology	Received Shastri Indo-Canada Institute Award.
Prof. Sirshendu De, Department of Chemical Engineering	NRDC National Societal Innovation Award - 2018, for invention of "Low Cost Arsenic Removal Filter for Drinking Water"
Prof. Ian Griffiths, Prof. Sirshendu De, Dr. Sourav Mondal, Dr. Raka Mandal, and Mrs. K V Krishnasri, Department of Chemical Engineering	University of Oxford Vice-Chancellor's Innovation Award for Team Work on modeling of upscaled arsenic filter.
Prof. N. D. Pradeep Singh, Department of Chemistry	Selected for the membership of the National Academy of Sciences, India.
Prof. Pratim K. Chattaraj, Department of Chemistry	Selected as Distinguished Visiting Professor at the Department of Chemistry, IIT Bombay.
Prof. N. D. Pradeep Singh, Department of Chemistry	Received the SERB Distinguished Investigator Award
Prof. Dibakar Dhara, Department of Chemistry	Received the Challenge Grant on Collaborative International Research of IIT Kharagpur.



Prof. Pratim K. Chattaraj, Department of Chemistry	Nominated as "Bentham Ambassador" by the Bentham Publication group.
Prof. Pratim K. Chattaraj, Department of Chemistry	Awarded the Acharya P. C. Ray Memorial Award of the Indian Chemical Society 2017.
Prof. Swagata Dasgupta, Department of Chemistry	Awarded Dr. Basudev Banerjee Memorial Award 2017 by the Indian Chemical Society.
Prof. Srabani Tara Ph. D. er, Department of Chemistry	Awarded the INSA Teachers Award 2018.
Prof. B. B. Pandey (Late), Department of Civil Engineering	Received IRC Life Time Achievement Award for the year 2018.
Prof. Subhasish Dey, Department of Civil Engineering	J. C. Bose Fellowship.
Dr. Rajib Maity, Department of Civil Engineering	Received Faculty Excellence Award 2018.
Dr. Debarghya Chakraborty, Department of Civil Engineering	Received IEI Young Engineers Award 2018-19 of The Institution of Engineers (India) in Civil Engineering Discipline.
Prof. Bhargab Bhattacharya, Department of Computer Science and Engineering	Received the 2018 IEI-IEEE Joint Award for Engineering Excellence.
Prof. Aritra Hazra, Department of Computer Science and Engineering	Received the IEI Young Engineers Award 2018-19.
Prof. Chandan Chakraborty, Department of Electrical Engineering	Received IEEE Bimal Bose Award.
Prof. J N Roy, School of Energy Science and Engineering	Moderated a workshop on "Clean and Renewable Energies" at Taj Bengal Kolkata on Oct. 3, 2018 organized by French Embassy under their Academic-Industry Partnership Program.
Prof. J. N. Roy, School of Energy Science and Engineering	Chaired a technical session on "National Workshop on Photovoltaic Modul Reliability" Organised by IEST-Shibpur on Mar. 28, 2019 at Hotel Hindustan International- Kolkata,
Prof. J. N. Roy, School of Energy Science and Engineering	Engaged in consultancy with SM technologies-Kolkata.
Dr. Amit Ghosh, School of Energy Science and Engineering	Invited speaker for Synthetic Biology Workshop at Institute of Bioinformatics and Applied Biotechnology (IBAB), Bengaluru under Building Bharat-Boston Biosciences (B4) Program, funded by Department of Biotechnology (DBT).
Dr. Amit Ghosh, School of Energy Science and Engineering	Invited Speaker at Symposium on Metabolic Bioengineering for production of small molecules during 16-17 November 2018 at NIPER Kolkata.
Prof. P. K. Ray, Department of Industrial and Systems Engineering	Received P C Mahalanobis Award given by Operational Research Society, India
Prof. Indranil Manna, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Selected as Institute Chair Professor
Prof. Manoj Kumar Tiwari, Department of Industrial and Systems Engineering	Selected as Institute Chair Professor
Prof. S. P. Sarmah, Department of Industrial and Systems Engineering	Received 2018 IEOM outstanding researcher award in the field of IE and Operations Management in 8th IEOM conference held



in Malaysia in March 7, 2018 by IEOM Society International.

Prof. Indranil Manna, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Selected for the National Metallurgist Award 2018 of the Ministry of Steel, Government of India.
Dr. Indrani Sen, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Awarded with Venus International Women.
Dr. Chandra Sekhar Tiwary, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Received the Alain Reza Yavari - ISMANAM Junior Researcher Award in recognition of the promising research contributions at the 26th International Symposium on Metastable, Amorphous and Nanostructured Materials (ISMANAM-2019).
Prof. Trilochan Sahoo, Department of Ocean Engg and Naval Architecture	Outstanding Reviewer: JFS, EABE.
Dr. Gouri, School of Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	Awarded the Y. V. Chandrachud Award, by Yashwantrao Chavan Pratisthan, Mumbai, December 15, 2018.
Dr. Arkopal K Goswami, Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Mngt.	Received Springer Best Paper Presentation Award at International Conference on Transportation Infrastructure Projects Conception to Execution (TIPCE), along with Anand, S., and Kavita, K. for the paper titled "Predicting Trends in Roadway Crashes and Forecasting Crash Frequency in Developing Countries: A Case of Mumbai-Pune Expressway", IIT Roorkee, January 2019.
Dr. Bharath H Aithal, School of Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Mngt.	Received Best Paper award, International Conference on Smart Cities along with Nimish Gupta and Sudeep Banad for the paper titled "Spatial-temporal impacts of urban land use land cover on land surface temperature: Coimbatore" at Jamia Milia Islamia, March 2019.
Prof. Mahitosh Mandal, School of Medical Science and Technology	Received Prof. S. S. Katiyar Endowment Lecture - Indian Science Congress.
Prof. V. N. A. Naikan, Subir Chowdhury School of Quality and Reliability	Awarded the Certificate of outstanding contribution in reviewing by Elsevier Publisher (2018).
Prof. R. N. Rai, Subir Chowdhury School of Quality and Reliability	Awarded Certificate of Outstanding contribution in reviewing by the International Journal of Reliability Engineering and System Safety (RESS), Elsevier in 2019.
Prof. Susmita Mukhopadhyay, Vinod Gupta School of Management	World Human Resource Development Congress, Mumbai–Best Professor Award (Human Resource Management) (2019).
Prof. Subhashish Tripathy, Department of Geology & Geophysics	Samanta Chandra Sekhar Award of the Odisha Bigyan Academy 2019.
Dr. Puneet Kumar Patra, Department of Civil Engineering	Awarded the INSA Medal for Young Scientists for 2019.
Prof. Saibal Gupta, Department of Geology & Geophysics	Awarded the INSA Teachers Award for 2019.
Prof. Debabrata Pradhan, Centre of Materials Science Centre	MRSI Medal 2019.

Membership of Editorial Boards and Professional Bodies

Prof. Suneel Kumar Srivastava, Member of Editorial Board Scientific Reports.
Department of Chemistry

Prof. Swagata Dasgupta, Department of Chemistry Appointed Associate Editor of the journal ACS Omega.



Prof. Pratim K. Chattaraj, Department of Chemistry	Selected to feature in ACS Editors' Choice.
Prof. V. Vasudeva Rao, Centre of Cryogenic Engineering	Member of Board of Research of Siksha 'O' Anusandhan (Deemed to be a University).
Prof. Chandan Chakrabarty, Department of Electrical Engineering	Appointed as Chief Editor of IEEE Journal of Emerging and Selected Topic in Industrial Electronics.
Prof. J. N. Roy, School of Energy Science and Engineering	Member of Scientific Committee of EUPVSEC-2018 and INAE Sectional committee.
Prof. J. Maiti, Department of Industrial and Systems Engineering	Elected as Editorial Board member of Safety and Health at Work and International Journal of Injury Control and Safety Promotion.
Prof. J. Thakkar, Department of Industrial and Systems Engineering	Elected as Editorial Board Member of Journal of Manufacturing and Technology Management and Associate Editor of OPSEARCH.
Prof. J. K. Jha, Department of Industrial and Systems	Elected as Editorial Board member of International journal of Industrial Engineering, Theory and application.
Prof. Nirupam Chakraborti, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Invited to serve as a Member of Editorial Board of Taylor and Francis.
Prof. Prodip Kumar Sen, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Invited to serve as a Member of Editorial board of Steel Tech Journal.
Prof. Shiv Brat Singh, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Invited to serve as a Member of the Editorial board of Taylor and Francis.
Dr. Tapas Kumar Bandyopadhyay, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Invited to serve as a Member in the Editorial Board of Bentham Science.
Prof. Prasad Kumar Bhaskaran, Department of Ocean Engg and Naval Architecture	Expert Panel Member, NRB, DRDO.
Prof. Prasad Kumar Bhaskaran, Department of Ocean Engg and Naval Architecture	Expert Panel Member, PMRF.
Prof. Prasad Kumar Bhaskaran, Department of Ocean Engg and Naval Architecture	Expert Panel Member, PAMC, DST.
Prof. Prasad Kumar Bhaskaran, Department of Ocean Engg and Naval Architecture	Research Advisor, NAS Singapore.
Prof. P Ganguli, School of Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	Selected as Chairman of the Jury of Screening-cum-Selection Committee (SSC) Atal Innovation Mission, Niti Aayog.
Dr. Uday Shankar, School of Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	Max Planck Alumni Ambassador, Ad Hoc Committee of Max Planck Alumni Association.
Dr. Balraj K. Sidhu, School of Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	Inducted as editorial board member of the Journal - Environmental Policy and Law published by IOS Press (The Netherlands).
Prof. M. Padmavati, School of Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law	Scientific Panel on Labelling and Claims/Advertising, FSSAI, GOI.



Prof. Soumen Das, School of Medical Science and Technology	Member of associate editorial board of Nanobiotechnology journal, Published by IET
Prof. Santanu Dhara, School of Medical Science and Technology	Member of American Chemical Society.
Dr. Nishant Chakravorty, School of Medical Science and Technology	Member of Royal Society of Biology, UK.
Prof. S. K. Chaturvedi, Subir Chowdhury School of Quality and Reliability	Nominated as the member, Specialist National Committee for defining the Certification Mechanism for Gaganyaan, ISRO (2019).
Dr. A. Ayyappan, Department of Chemistry	Elected as Member, The National Academy of Sciences India in 2019.
Dr. A. Rajakumar, Department of Chemistry	Elected as Member, The National Academy of Sciences India in 2019.
Dr. S. K. Srivastava, Department of Physics	Elected as Member, The National Academy of Sciences India in 2019.
Prof. Suman Chakraborty, Department of Mechanical Engineering	Commended by the Royal Society of Chemistry for being in top 10% of their highly cited authors in the Physical Portfolio Journals.
Dr. Chandra Sekhar Tiwary, Metallurgical & Materials Engineering	Selected for "ASM-IIM Visiting Lecture" jointly by the Indian Institute of Metals (IIM) and American Society of Materials International (ASM International) for the year 2019.
Prof. Siddhartha Das, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Selected by the Indian Institute of Metals for delivering the prestigious A. K. Seal Memorial Lecture on the topic "Next Generation Energy Storage Devices: A metallurgist's perspective".

Achievements by the Students

Laurels

Dash SM, Chavda S, Lua KB, Department of Aerospace Engineering	Received Best Conference Paper award for the following paper in the Fluid Mechanics session in the conference International Conference on Recent Innovations & Developments in Mechanical Engineering-2018, Shillong, Meghalaya, India.
Manojit Ray, School of Rajendra Mishra School of Engg.	Accorded the prestigious RISE Worldwide Research Host for the year 2017-18 by The RISE Worldwide, DAAD, Germany. Selection is based on a global competition with most awardees located in top Universities and Research Centers of Developed Countries. A German Scholar would soon be joining Manojit for research on Cryptocurrency Anchored Distributed Energy Transaction Platform.
Ms. Akanksha Jaiswal, School of Rajendra Mishra School of Engg. Entrepreneurship	Awarded the Mitacs Globalink Research Award - To Canada to participate in the SFU-IIT India initiative in the summer of 2019, three months internship offer from Beedie School of Business, Simon Fraser University, Canada.
Sourabh Arora and Sangeeta Sahney, School of Vinod Gupta School of Management	Best Paper award for paper titled "Applying Push-Pull-Mooring Framework to Investigate Consumers' Webrooming Behavior: An Empirical Investigation", Colloquium on European Research in Retailing 2018, held at the University of Surrey, UK from the 11th July- 13th July 2018.
Sadrita Deb and Abhijeet Chandra, School of Vinod Gupta School of Management	Best Paper award for paper titled "Corporate Governance Mechanism in India: Thematic Analysis of the Recent Developments", at the "Qualitative Research in Financial Markets (QRFM) Conference" held in June 2019 at University of Dundee, Scotland (with a cash prize of £100 prize).
Mr. Arijit Mitra,	Selected for the Best prize for poster presentation in "Advances in Materials



Department of Metallurgical and Materials Engineering	Science” division at the 72nd Annual Technical Meeting of the Indian Institute of Metals held during 15-16 November, 2018 at Kolkata. The title of his presentation was, “Effect of microstructure and bulk macro-texture on the electrical resistivity of electrodeposited Pb-free Sn-Cu solder films”.
Mr. Sudipta Patra, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Selected for the Best prize for oral presentation in “Product” division at the 72nd Annual Technical Meeting of the Indian Institute of Metals held during 15-16 November, 2018 at Kolkata. The title of his presentation was, “Development of high strength high toughness alloy steel for defence application”.
Ms. Anwesha Basu, Department of Physics	Received best experimental poster award in a conference “Shapes and Symmetries in Nuclei: from Experiment to Theory” (SSNET’18) held in Gif-Sur-Yvette, France, from November 5th to 9th, 2018.
Ms. Shreya Mukherjee, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Selected for the for the 3rd prize in Metallography Contest under the category of SEM/SPM division at the 72nd Annual Technical Meeting of the Indian Institute of Metals held during 15-16 November, 2018 at Kolkata. The caption of her micrograph-poster was, “In-situ Tensile Deformation”.
Mr. Debabrata Ganguly, Center for Rubber Technology	Has received one of the best posters award in the National Rubber Conference 2018 held at Kolkata at The Lalit Great Eastern Hotel (27-28 November 2018). The conference was organized by the All India Rubber Industries Association, Eastern Region. The title of the poster was "Smart Stimuli-responsive cement-rubber composites". His Supervisor is Prof. Santanu Chattopadhyay, Rubber Technology Center.
Mr. Amartya Pani, Department of Humanities and Social Science	Selected as an Early Career Scientist (ECS) for the Science Forum, 2018 on "Win more, lose less: Capturing synergies between SDGs through agricultural research". The event was organized by the FAO-CGIAR'S Independent Science and Partnership Council (ISPC) and co-hosted by the South African Agricultural Research Council during 10-12 October 2018 in Stellenbosch, South Africa. He was also a recipient of funding granted by Tata-Cornell Institute, Cornell University, USA and Food and Agriculture Organization (FAO) of the United Nations for attending the Forum. In addition, he received prize money of USD 152 from the FAO. His Supervisor is Prof. Pulak Mishra, Dept. of HSS.
Ms. Reddhy Mahle, Department of Agricultural & Food Engineering	Received the Best Young Researchers Presentation (YRP) Award for the paper entitled "Impact of microbial consortia on CdS nanoparticle synthesis for Bio-energy generation" in the category of Energy and Environmental Biotechnology (EEB) at International Conference on Biotechnological Research and Innovation for Sustainable Development (BioSD-2018), organized by CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad, India in association with The Biotech Research Society, India (BRSI) and IBA-International Forum for Industrial Bioprocesses (IBA-IFIBiop), Franch from November 22-25, 2018. Her Supervisor is Professor Rintu Banerjee, Dept. of AgFE.
Ms. Akanksha Rastogi, Department of Agricultural & Food Engineering	Received the Best Young Researchers Presentation (YRP) Award for the paper entitled "In silico microbial cellulose synthesis: an existing global wonders" in the category of Food, Agriculture and Medical Biotechnology (FAMB) at International Conference on Biotechnological Research and Innovation for Sustainable Development (BioSD-2018), organized by CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad, India in association with The Biotech Research Society, India (BRSI) and IBA-International Forum for Industrial Bioprocesses (IBA-IFIBiop), Franch from November 22-25, 2018. Her Supervisor is Professor Rintu Banerjee, Dept. of AgFE.
Mr. Ayon Karmakar, Department of Chemistry.	Received 2nd Best oral presentation award at the International Conference on Materials for Energy Applications (ICME-2018) held during 6-8th December, 2018 at Jaipur. The title of his presentation was, “Hydrated Nickel Cobalt Molybdate Nanorods as Superior Positive Electrode Material for Supercapacitors”. His Ph.D supervisor is Prof. S.K. Srivastava.



Mr. Utsav Ghosh, Department of Chemistry.	Awarded one of the best three oral presentations in RDC-2018 conference (Recent Developments in Chemistry) held at NIT Durgapur (17-19 Dec, 2018).
Mrs. Lakshmi E Jayachandran, Department of Agricultural & Food Engineering	Received best oral presentation award (First and Best) during 12th International Working Conference on Stored Product Protection held during 6-11, October, 2018 at Berlin Germany.
Mr. Shyam Kumar Singh, Department of Agricultural & Food Engineering	Awarded third prize in "Process Engineering & Optimization" category for the Poster entitled "Solar Pasteurization of Milk". Title: 11th National Convention and Seminar on Dairy Process Engineering from Farm to Table. Organized by: Indian Dairy Engineers Association (IDEA) Venue: Labh Ganga Convention centre Indore (Madhya Pradesh) Date: 21-22 oct 2018.
Mr. Rajdeep Mondal, Department of Metallurgical and Materials Engineering	Awarded the A.K. Bose Memorial Award for the Best M.Tech thesis in 2018 during the 56th National Metallurgists' Day celebration on 14th November, 2018 held at Kolkata. Mr. Rajdeep Mandal completed his M.Tech thesis under the guidance of Prof. S.B. Singh in May, 2018, and received his degree in 64th Annual Convocation 2018.
Mr. Pratap Pal, Department of Physics	Received the following best poster awards in two conferences that he has attended in the month of December, 2018. (1) Best Poster Award in International Conference on Complex and Functional Materials (ICCFM 2018) organized by S.N.Bose National Center for Basic Sciences. (2) C.V.Raman Prize (Innovation in Experiment) in National Conference on Electronic Structures (NCES 2018) organized by SRM Institute of Science and Technology for best poster presentation. This award includes a certificate, 50gm gold plated silver medal and a memento.
Mr. Sujit Sharma, Center for Rubber Technology	Received the best paper award in the IRMRA's 23rd Rubber Conference and International Workshops on Emerging Trends in Rubber Materials, Technology, Testing and Analysis for Future Generation held at the Lalit Great, Mumbai during December 14-15, 2018. The title of the poster was "Simulation of Extrusion Dies for Rubber Profiles" His Supervisor is Dr. Santanu Chattopadhyay, Rubber Technology Center.
Mr. Sukanta Chakrabarty, Department of Chemistry.	Received Best Paper Award (II Prize) in the recently held International Symposium on Advances in Electrochemical Science and Technology held during January 8-10, 2019 at Hotel Trident, Chennai, Tamil Nadu, India. His Supervisor is Prof. C. R. Raj, Dept. of Chemistry.
Mr. Lakhinder Marandi, Dept. of Metallurgical and Materials Engineering	Awarded 2nd prize for poster presentation at the "Indo-German Bilateral Workshop on Additive Manufacturing of Metals" held on 05-02-2019 at NML, Jamshedpur. The topic of his poster presentation was "Microstructure-property correlation of Laser Engineered Net Shaping (LENS) processed NiTi". The certificate is attached herewith. His Ph. D. Supervisor is Dr. Indrani Sen.
Mr Sankalp Arpit, School of Energy Science and Engineering	Selected for best paper award on work entitled "Thermodynamic Analysis of GT Cycle with Naphtha or Natural Gas as the Fuel: A Thermodynamic Comparison" in International Conference on Energy, Environment and Sustainable Development, Paris. This work has been carried out under the supervision of Prof. P. K. Das and Prof. S. K. Dash of Mechanical Engineering Department.
Mr. Mopidevi Manikanta Kumar, Department of Chemistry	Awarded Best Poster Prize in the CRSI National Symposium in Chemistry held during February 7-10, 2019 at CSIR-CLRI, Chennai. The Poster is entitled "Nitrogen-Doped Carbon Embedded Cobalt phosphide Nanostructure for Oxygen Electrocatalysis". His Supervisor is Prof. C. Retna Raj, Department of Chemistry.
Ms. Ramya Veerubotla, Dept. of Biotechnology	Received the Best paper presentation award in the 8th International Conference on Clean and Green Energy (ICCGE 2019) held at Milan, Italy on February 13-15, 2019. Her Supervisor is Prof. Debabrata Das, Department of Biotechnology.
Mr. Vikash Sharma, Department of Physics	Awarded the Best Oral Presentation Award at "5th International Conference on Nanoscience and Nanotechnology (ICONN-2019)" held from January 28-30, 2019



and organized by SRM Institute of Science and Technology in association with Shizuoka University-Japan, NCTU-Taiwan, GNS-New Zealand, ACCMS, CSIR-NPL-India and IET. Title of the paper: Porous nanospheres of Cu₂O supported by redox additive modified electrolytes to achieve high performance supercapacitors in the temperature window 25 to 65 oC. Authors: Mr. Vikas Sharma and Prof. Amreesh Chandra. His Supervisor is Prof. Amreesh Chandra, Department of Physics.

Ms Snigdha Maiti, School of Bioscience	Won the Best Student Poster Award on work entitled "Identification of structurally rigid segments with important biological functions in intrinsically disordered regions of HOX transcription factors by solution NMR spectroscopy" at National Magnetic Resonance Society (NMRS) Silver Jubilee Conference held at AIIMS New Delhi, Feb 13 to 16 2019.
Dr Subhrajit Mukherjee, Dept. of Physics	Research Associate has received the Excellent Poster Award in The International Conference in Fiber Optics and Photonics (Photonics-2018), held at IIT Delhi during December 12-15, 2018. This is a part of his Ph. D. work carried out at ATDC under the joint supervision of Professor Samit Kumar Ray, Department of Physics and Professor Soumen Das, School of Medical Science & Technology.
Mr. Mrinmoy Mondal, Department of Chemical Engineering.	Awarded for best poster presentation in Indo-German Joint Scientific Workshop on Membranes for Water and Energy held during February 18-20, 2019 organized by CSIR-Central Salt and Marine Chemicals Research Institute, Bhavnagar, Gujrat, India, Sponsored by Indo-German Science & Technology Centre. His Supervisor was Professor Sirshendu De, Department of Chemical Engineering.
Mr. Sumanta Kumar Karan, Materials Science Center	Awarded a Certificate and a Cash Prize of INR 2000 for Best Oral Presentation in the "International Conference on Frontiers in Materials from Basic Science to Real-time Applications" (F2DM-2019) held during March 13-16, 2019 at Center for Nano and Material Sciences (CNMS), JAIN University, Ramanagra, Bangalore Rural, India. The title of his Oral Presentation was "Bio-waste materials based piezoelectric nanogenerator for green energy harvesting applications". His Supervisor is Professor Bhanu Bhusan Khatua, Materials Science Center.
Mr. Raktim Bhattacharya Department of Agricultural and Food Engineering	Conferred the "BEST INTERACTIVER POSTER AWARD" at the International Conference on Trends in Plant and Agrobiotechnology 2019 held during February 14-16, 2019 at IIT Guwahati. His Supervisor is Professor Adinpunya Mitra, Dept. of Agricultural and food Engineering.
Mr. Arnab Acharya and Mr. Hariharan K. Department of Electrical Engineering	Awarded Best Presentation Awards in Applied Power Electronics Conference and Exposition (APEC) 2019 which is in top ten conference list of Electrical Engineering Department. The Supervisor of Mr. Acharya is Professor Santanu Kapat, Dept. of Electrical Engineering and the Supervisors of Mr. Hariharan are Professor Santanu Kapat and Professor Siddhartha Mukhopadhyay, Dept. of Electrical Engineering.
Ms. Manisha Kahar Department of Electronics and Electrical Communication Engineering	Awarded "Dr. NNSR K Prasad Award for Best Female Student Paper" for the paper titled "A Compact Circularly Polarized Annular Ring Antenna with Wide Effective Bandwidth" presented at 2018 IEEE Indian Conference on Antennas & Propagation (InCAP 2018) Hyderabad held during December 16-19, 2018. Her Supervisor is Professor Mrinal Kanti Mandal, Dept. of E & ECE.
Ms. Manikuntala Mukhopadhyay	Received the Gandhian Young Technological Innovation (GYTI) Award/Appreciation 2019, for her work on "Image Analyzing Drying Patterns of Blood and Plasma Droplets for the Rapid Detection of Thalassaemia Carriers". Her Supervisor is Prof. Sunando Dasgupta, Dept. of Chemical Engineering.
Ms. Ellora Padhi, Department of Civil Engineering	Won the best paper presentation award in the XXXVII International School of Hydraulics held in Poland (21-24th May 2019). The Award Certificate is attached. Her Supervisor is Prof. Subhasish Dey and Joint Supervisor is Prof. Venkappayya R. Desai, Dept. of Civil Engineering.
Ms. Sumita Sahoo,	Selected for the "European School on Nano Science & Nano Technology" to be



Department of Chemical Engineering	held in Grenoble, France in August 2019. She has also been offered complete fee waiver of the tune of Euro 2400, which will be borne by CEFIPRA. Her Supervisor is Prof. Rabibrata Mukherjee, Dept. of Chemical Engineering.
Mr. Imon Kalyan School of Nanoscience and Technology	Won prize for the best Poster (No.P.2.15) presentation on Symposium P titled "Soft-template mediated silver nanoparticles formation via galvanic replacement reaction of As(0) and its catalytic application" at EMRS 2019 in Nice, France during May 26-31, 2019 and will receive a Certificate and a contribution of 270€. His Supervisors are Prof. Anjali Pal (Dept. of Civil Engineering) and Prof. Tarasankar Pal (Dept. of Chemistry).
Dr. Narendra Singh Chandel, Dept. of Agricultural and Food Engineering	Ex-Research Scholar Dr. Narendra Singh Chandel (Roll No. 09AG9701) has received the following two awards: (1) Jawaharlal Nehru Award for P.G. Outstanding Doctoral Thesis Research in Agricultural and Allied Sciences 2018 – Agricultural Engineering. (2) NASI-ICAR Award for Innovation and Research on Farm Implements-2018. His Supervisor was Prof. Virendra Kumar Tewari, Department of Agricultural and Food Engineering.
Ms. Gayatri Mishra, Ms. Ranjana Rani, Ms. Shubhangi Goswami, Mr. C. G. Dalbhagat, Ms. Jayshree Majumdar, Ms. Anjali Thakur and Ms. Pooja Pandey, Dept. of Agricultural and Food Engineering	Ms. Gayatri Mishra (14AG92R04), Ms. Ranjana Rani (13AG32005) and Ms. Shubhangi Goswami (16HS91R01) have been awarded Gandhian Young Technological Innovation Award 2019. The name of the research project carried in the Food Chemistry and Technology Laboratory was "Sensor for detecting infestation in food grains" under Professor Hari Niwas Mishra, Department of Agricultural and Food Engineering. Mr. C. G. Dalbhagat (15AG92P05), Ms. Jayshree Majumdar (16AG92P05), have been awarded Gandhian Young Technological Innovation Appreciation Award 2019. The name of the research project carried in the Food Chemistry and Technology Laboratory was "Fortified rice manufacturing technology" under Professor Hari Niwas Mishra, Department of Agricultural and Food Engineering. Ms. Anjali Thakur (18AG90J02) and Ms. Pooja Pandey (17AG91P01) have been awarded Gandhian Young Technological Innovation Appreciation Award 2019. The name of the research project carried in the Food Chemistry and Technology Laboratory was "Carbonated grain beverage premix manufacturing technology" under Professor Hari Niwas Mishra, Department of Agricultural and Food Engineering.
Mr. Sankha Karmakar and Mr. Debashis Roy, Department of Chemical Engineering Mr. Vishu Sidana, Mr. Kapgate Nitin Chopram,	Won "DST-Lockheed Martin-Tata Trusts IIGP 2.0 - University Challenge 2019 Award" in the consecutive year (Prize Money 10 Lakhs). Their Supervisor is Prof. Sirshendu De, Dept. of Chemical Engineering.
Mrs. Bijaylaxmi Das, Ms. Pranjali Khandekar, Mr. Karale Vikrant Anilrao, Mr. Saikat Sahoo, Department of Electronics and Electrical Communication	The team has won "DST-Lockheed Martin-Tata Trusts IIGP 2.0 - University Challenge 2019" for their innovation of "Real Time Glare and Shadow Removal Algorithm for Image and Video Enhancement". The India Innovation Growth Programme (IIGP) 2.0 is a unique tripartite initiative of the Department of Science and Technology (DST), Government of India, Lockheed Martin and Tata Trusts. The award ceremony for the same was held at New Delhi on 17th of July 2019 and was attended by esteemed guests from the government, IIGP partners, and the Indian start-up and innovation ecosystem. The work on the idea was initiated by Mr. Vishu Sidana (14EC35024) The team was represented by Mr. Kapgate Nitin Chopram (18EC65R04) at the screening and down-select event held at IIT Bombay during 28-29 June 2019. As one of the winners of IIGP2.0 University Challenge 2019, the team will be provided with up to INR 10 Lacs for developing a concept/prototype, opportunities to participate in a Design Thinking workshop, mentorship and periodic feedback through monthly/quarterly reviews. Their Supervisor is Professor Sudipta Mukhopadhyay, Dept. of E & ECE.



List of Scholarships availed by students in 2018-19 session

SI No.	Awarding organization/Institute endowment scholarships	29	Rajeshwari Sahu Memorial Scholarship
1	ABS Scholarship	30	Ritesh Ranjan Memorial Scholarship
2	American Business List Humanities Scholarship	31	Shyamal Ghosh and Sunanda Ghosh Endowment Scholarship
3	Arjun Das Datta Memorial MCM Endowment Scholarship	32	Sushma Mukhija Memorial Scholarship
4	B. P. Poddar Scholarship	33	Swapan Gupta Memorial Scholarship
5	Batch of '85 Scholarship (2nd Year)	34	Technology Alumni Association (Calcutta Chapter) Scholarship
6	Batch of '85 Scholarship (3rd Year)	35	Technology Alumni Association (Kharagpur Chapter) Scholarship
7	Devi Mahamaya Mallick Memorial Scholarship	36	Vinod Gupta Leadership Scholarship
8	Dr. Arunabha Chatterjee Memorial Scholarship	37	Inspire Scholarship Awarded by Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi to the Students of 5-Yr. Integrated M. Sc. Course (Science Stream Only)
9	Dr. J. C. Ghosh Memorial Scholarship	38	Rajarshee Shahu Maharaj Merit Scholarship, Director of Social Welfare, Maharashtra State, Pune
10	Gora Lal Syngal Memorial Scholarship	39	Sail Scholarship Being Awarded by Steel Authority of India Ltd. Through Vishakhapatnam Steel Plant
11	Gour Chandra Saha Memorial Scholarship	40	Aditya Birla Scholarship, Aaditya Birla Group, Aditya Birla Management Corporation, Mumbai
12	Guru Kripa Educational Loan Scholarship	41	Boeing Scholarship to the Students of Aero Space Engg. Department from the ongoing Research Project "Boeing University Relations"(Bur) Sponsored by Boeing Company, U.S.A
13	Hem Chandra Raut Scholarship	42	Scholarship Under Scheme (Trust Fund) for Differently Abled Students Being Awarded by National Handicapped Finance & Development Corporation, (NHFDC), Faridabad
14	Hindustan Petroleum Corporation (HPCL) Start-Up Scholarship	43	KVPY Scholarship, IISC, Bangalore
15	Indian Women's Association, BONN Scholarship	44	FAEA Scholarship to BPL Cat. SC/ST Students Being Awarded by Foundation for Academic Excellence & Access, New Delhi
16	Institute MCM Scholarship	45	Post Matric Scholarship to SC/ST Students, Awarded Through Different District Welfare Officers in A.P. State, Govt. of Anhdra Pradesh
17	K. K. Agrawal Memorial Scholarship	46	Directorate of Technical Education, Chattisgarh
18	Kumud Monorama Scholarship		
19	M. K. Sircar Memorial Scholarship		
20	Madan Sundar Sahu Memorial Scholarship		
21	MB Scholarship		
22	Ministry of Steel Scholarship		
23	Mrinal Chandra Basu Memorial Scholarship		
24	Mrs. Minoti Bagchi Scholarship		
25	Partha Roy Choudhury Memorial Scholarship		
26	Prova Basu Memorial Scholarship		
27	Puri Memorial Scholarship		
28	Rajendranath Das Memorial Award		



47	ST Scholarship Awarded by Singapore Technologies Eng. Ltd., to Students of Computer Science Engg. and Ocean Engineering & Naval Arch.	55	AICTE Jammu and Kashmir Scholarship
48	NTPC Scholarship	56	SCICSR Scholarship (Shipping Corporation of India - for Naval Student)
49	ONGC Scholarship	57	DRDO Scholarship for Girl Through AR&DB
50	EIL Scholarship, Engineers India Ltd., HRD, New Delhi	58	Swamy Vivakananda MCM Scholarship
51	STEEL Scholarship	59	Dr. B. R. Ambedker Merit Scholarship
52	Post-Matric Scholarship, Bihar	60	Samsung Star Scholarship
53	Central Sector Scholarship for ST	61	Ishan Uday Scholarship
54	Mukhyamantri Medhavi Vidyarthi Yojana		

Central Library

The Central Library, IIT Kharagpur is one of the largest technical libraries in Asia. It is fully automated and air-conditioned library with an aim to serve more than 12,000 students and 1600 number of employee of the institute. The Library has its dynamic website (<http://www.library.iitkgp.ac.in>) with rich content. The Central Library is having two buildings (main and annex) internally connected with a carpet area of about 8000 sq.m. The Central Library houses and maintains nearly 4.2 lakh print documents comprising of books and bound volume journals. As far as e-resources are concerned, there are huge collection of e-resources comprising of full text e-journals, e-books, online databases (full text and bibliographic) etc. As far as facilities are concerned, the Central Library has ten air-conditioned reading halls with 1500 seating capacity for the users. Moreover, the Central Library is ISO 9001:2015 certified library.

The Central Library has developed an Institutional Digital Repository (IDR) using open source software namely DSpace. The IDR collects, preserves and disseminates in digital format of the research output (Ph. D. theses, Technical Reports, Faculty Publications, etc.) within IIT Kharagpur Research Community. It enables the Institute community to deposit (self-archiving) their pre-prints, post prints and other scholarly publications using a web interface and organize these publications for easy retrieval. We are having 4010 Ph. D. thesis both full text and abstract level uploaded in our IDR which is rapidly growing day by day. The Institute research scholars are also using the IDR regularly. The Library also gets many requests from other universities to provide access to full text content of Ph. D. thesis. The present URL of the IDR is <http://www.idr.iitkgp.ac.in/xmlui/>. Web Scale Discovery Service: It is being introduced in our library where the users can search and browse the full text subscribed e-resources using open source software VuFind integrated with Summon Solution from ProQuest.

MHRD, under its NMEICT mission, has entrusted IIT Kharagpur to host, coordinate and set-up National Digital Library (NDL) towards building a national asset. The objective of the project is to integrate all the existing digitized and digital contents across educational institutions of the nation to provide a single-window access with e-learning facility to different groups of users ranging from primary level to higher education level of our county. NDL will harvest metadata and contents from all the Institutional Digital Repositories (IDR) of Universities and Institutions, all other digital library initiatives, and NMEICT projects and index in the National Digital Library Server so that all the e-contents can be searched and accessed in the full-text by the users through a single window. The NDL project workstation is situated in the Central Library, Annex Building. For details, visit NDL website: ndl.iitkgp.ac.in

Career Development Centre

The Career Development Centre (CDC) is responsible for arranging Industrial training for 3rd year B. Tech., 4th year Dual Degree and 4th year Integrated M. Sc. degree students as part of their curriculum. CDC also facilitates the job placement of final year students graduating from the Institute including Ph. D. students. The Centre is actively engaged in forging synergistic relationships between the Institute and various industries. Based on these interactions, CDC gives feedback to the Institute on the academic programmes.



Summer Training Details

Eight weeks of summer Internship at the end of 3rd year B. Tech., 4th year Dual Degree and 4th year Integrated M. Sc. degree is a compulsory part of the curriculum at IIT Kharagpur, carrying 2 credits. All efforts are made to place the concerned students in the best of organizations in India and abroad for summer Internship through Career Development Centre with the support of departments/ schools/ centres of IIT Kharagpur. An emergent trend is that more and more students are seeking summer Internship abroad. Also students utilize opportunities various Universities with which IIT Kharagpur had signed MoU. These include S. N. Bose Scholar's Program, Viterbi-India Program, Khurana Program for Scholars, DAAD Scholarship Program, MITACS and NTU-Singapore.

For the current summer internships of our students during May- July 2019, 93 companies either visited the campus or conducted interviews through telephonic, Skype interviews and companies allotted seats after seeking nominations. The details of internship are as follows.

Period of Internship	Nos. of students enlisted for Internship	Nos. attending Internship in India			Internship at foreign Univ./Org.
		Selected by various companies	Nominations accepted by the companies	Self-arranged	
May-July 2019	1232	461	26	644	101

Placement Details

In the placement year 2018-19 more than 230 companies visited the campus and offered employment. The details of number of the students who had registered for placement and those actually placed through campus interviews are as follows:

Sl. No.	Department	Registered	Placed	Percentage Placed
1	B. Arch.	34	31	91
2	B. Tech.	463	397	86
3	Dual Degree	457	432	95
4	M. Sc. (5Yr Integrated)	139	119	86
5	LLB	17	14	82
6	Joint M. Tech. - Ph. D. (2yr)	523	287	55
7	Joint M. Sc. - Ph. D.	89	7	8
8	MCP	21	1	5
9	MS	6	6	100*
10	Ph. D.	23	23	100*
	Total	1772	1317	74

(*For Sl. No: 9 and 10 only placed students are shown as registered)

This year the students of the Institute have been able to fetch 261 PPOs, out of which 213 PPOs have been accepted. The overall placement percentage across all branches stands at 74%.

Student Participation

Career Development Centre at IIT Kharagpur has taken an initiative to harness the students' management skills through a formal system during the placement season since 2005-2006. The system has progressed extremely well and from year 2010 onwards, the CDC has immensely benefitted from students participating in placement process. CDC also conducts an in-house pre assessment test to prepare the students for the placement season. This test score is also used by some of the recruiters as one of their short listing criteria.



The organizational skill of students has helped CDC to host 30-35 companies on campus on a given day during the initial days and round the clock. During the placement season, students and CDC staffs play an active role from contacting the companies to the final selection at campus by providing complete logistic support with a close coordination from all the divisions of the Institute.

New Initiatives

In addition to the existing roles, Career Development Centre at IIT Kharagpur has taken some initiatives to help student take up a better career and also to strengthen the relation with the recruiters. These are

1. Faculty/ Corporate & Alumni interactions on various career options
2. CDC has introduced the Corporate Relationship Index (CRI) which reflects the relationship of CDC with a company based on certain parameters, like number of offers in internship, PPOs, offers during placement, International offers etc. for providing better slots to them
3. From this year CDC has established M. Tech. Desk which will specifically work for enhancing the PG placement index.

Achievements

1. Continuously achieved more than 1300 placements for the last three years.
2. Crossed the number of Internship offers as compared to last year.
3. Surpassed the number of Pre placement offers in comparison to previous year.
4. 1000 offers in day 6 of placement season making fastest 1000.

Nehru Museum of Science and Technology

The Nehru Museum of Science & Technology is the only museum of its kind in the entire IIT System. Located in the historic Hijli Shaheed Bhavan Building, it preserves the rich heritage of its association with the Indian freedom struggle movement and subsequently the journey of the Institute from its inception in 1951. The museum has several galleries on various themes of science and technology and historical facts related to the freedom struggle of India and the developmental history of the Institute. Recently, 'Exploration Hub', intended mainly for school children has been added. The facility contains mechanical, electrical, electronics, chemistry, and basic physics and mathematics setups for hands-on experiments. After the renovation with the financial assistance from the Ministry of Culture, Government of India, the footfall of the museum has increased significantly in recent times. Various participants of the short-term courses and seminars, the students and their guardians, along with the visitors from the local community and many schools and colleges visit the museum regularly. The documentary movie on the history of the IIT Old Building is screened regularly in the audio-visual room of the museum. The history galleries and the ladies jail gallery of the museum are under renovation and will be reopened soon. The museum also organises training programmes and workshops for the school and college students. As a part of the outreach programme, last year the museum has organised Summer Camp in association with the 'Midnapur Science Center' and two days of Winter Workshops for the students of the various school of Kharagpur and Midnapur in association with our B.Tech. NSS volunteers. The 'Exploration Hub', located on the 1st floor of the museum with facilities containing mechanical, electrical, electronics, chemistry, and basic physics and mathematics setups for hands-on experiments provides great support for the training and motivational programmes organised by the museum. The documentary movie on the history of the Hijli Shaheed Bhavan is screened regularly in the audio-visual room of the museum, which is appreciated by the visitors. Like every year the museum observes the Hijli Martyrs' Day on 16th September to commemorate the great sacrifices of our patriots' roles for the freedom struggle of India. The museum published its thematic calendar like previous years and the current year's theme was "The seasons' colour on campus canvas". During the time span on Kshitij to Spring Fest, the museum conducted a photo exhibition on campus photography in association with the 'ClickKgp' photographic group of the students' community.

Technology Students' Gymkhana

Students' Affairs

Technology Students' Gymkhana is the hub of the numerous extra-curricular and co-curricular activities in IIT Kharagpur ranging from Sports, Socio-Cultural to Technology. From its inception in 1952, the Gymkhana has played a key role in the everyday lives of Kgpians cultivating and nurturing their extra-curricular talents. The students under the auspices of TSG participated in a variety of activities during their leisure time for fun,



fitness, enjoyment and reviving their energy after academic workload and also for their overall development. The highlights of the year 2018-19 are as follows:

Inter-IIT Meet

The 34th Inter IIT Aquatics Meet and 53rd Inter-IIT Sports Meet held at IIT Guwahati during 03-07 October 2018 and 13-21 December 2018, respectively. The participating students of the Institute in the Inter IIT Aquatic Meet exhibited great performance with 2 gold medals, 7 silver medals and 2 bronze medals for men and 2 silver medals and 1 bronze medal for women's team of IIT Kharagpur, leading IIT Kharagpur to finish at 2nd in Overall G.C for swimming. Indresh Performed exceptionally well by bagging 4 silver medals. Water Polo team has also brought us glory by securing 1st Position. Amlan Sil has been awarded with best player of the tournament and Raj Prabhu has been awarded with best scorer of the tournament.

In 53rd Inter-IIT Sports Meet, IIT Kharagpur secured 3rd position in March past, Badminton (Men) won Gold medal. Athletics (Boys & Girls), Badminton (girls), Chess, Squash, Table Tennis (Boys) won Silver medals. Tennis (Men) won Bronze medal.

IIT Kharagpur Cultural team secured 3rd Position in the 3rd Inter-IIT Cultural Meet which was held at IIT Roorkee in December 2018. IIT Kharagpur team bagged overall trophies in Music Cup- Band Performance, Dramatics- Monologue, Quiz- Business, India, Mela, Film Making-Online Film Making and Literary-Parliamentary Debate. Team secured silver medal in Music- Pair on Stage, Dance- Street Battle, FAD-Charcoal Art, Quiz- Scitech, Sports, Culinary- Cook off, Literary- English Poetry Slam and story writing, Word Games. Team also secured bronze medal in Quiz- Mela, Culinary- Tag Team, Literary- Online Hindi Writing.

The 7th Inter-IIT Tech Meet was hosted by IIT Bombay in Jan 2019. After five successful Inter-IIT Tech meets, IIT Kharagpur continued the winning spirit and secured 3rd position in this Tech meet bringing out the best in each category. With 21 participating IITs competing in ten events, this meet was grander in scale, higher in quality and tougher in competition than ever before where a total of 1465 points were scored by IIT Kharagpur with 3 Gold medals (Case Study, BETiC Medical Innovation Challenge and TV Audience Measurement) & 1 bronze medal (Campus Sustainability Challenge).

Institute Awards and Medals

Event	Inst. Blue/ Order of Merit	Honorable Mention	Special Mention	Alumni Cup
Sports & Games	22	20	09	02
Social & Cultural	06	11	13	01
Technology	12	11	-	01

Bhandarkar Cup was awarded to Abin Devassia Poovathottathil (14NA30029) (Athletics). Shrimati Chandiramani Cup was awarded to Arkapravo Saha (14ME33029) for Soc. and Cult. G.S. Sanyal Cup was awarded to Harsh Agarwal (15NA10001) for Technology. Amrit Barman Memorial Award as cash prize of Rs. 15000 was awarded to Vishal Kumar Singh.

Overall General Championship Results

Sports and Games	Social and Cultural	Technology
Azad Hall of Residence (Men) and Mother Teresa Hall of Residence (Women)	Rajendra Prasad Hall of Residence	Rajendra Prasad Hall of Residence

Alumni Cup

ALUMNI CUP in sports was awarded to Eslavath Jagadeesh in Athletics and Devanuj Deka in Badminton.

ALUMNI CUP in Social and Cultural was awarded to Utkarsh Sinha.

ALUMNI CUP in Technology was awarded to TYSS Santosh.



Major Events

Like every year, the TSG organized National Yoga Day on 21 June 2019 which was conducted by Mr. Sudhir Kumar. Yogathan has also been organized at TSG premises. Quiz on Yoga, Health & Fitness was organized on the pre International Yoga Day Program. TSG has organized two EK BHARAT SHRESTH BHARAT program an initiative by MHRD govt. of India. In this program Cultural Exchange Activities, Food Festival and Merchandise Sell were initiated. The different paired states are Arunachal Pradesh, Meghalaya and Uttar Pradesh and Jharkhand and Goa. TSG has successfully organized Kharagpur Open in Tennis, Training Program on Life saving skills in water, Navneet Memorial Tournament, Fancy Football Tournament on Foundation day in Football, Annual children's Aquatics meet. TSG successfully organized Run for unity on 31st October 2018, 26th January, 15th August, World Environment day and Vigilance awareness week with South Eastern Railway. Mir Ranjan Negi (Former Captain Indian Field Hockey Team) delivered a motivational lecture during Freshmen induction at IIT Kharagpur. Technology Adventure society, TSG has organized adventure events and trekking trips. Kshitij, Spring Fest, Robotix events, Robosoccer, in-house workshops, Indian case challenge 2018, TSG elections were successfully conducted throughout the year. Rangoli and Illumination was celebrated on 8th November 2018 where different Halls of Residence participated for a month to get their hostels illuminated on the day of Diwali along with the signature Rangolis created in the Halls of Residence.

Extra Academic Activities

The extra academic activity (EAA) at the Institute involves undergraduate students in the National Service Scheme (NSS), National Cadet Corps (NCC) and sports and fitness activities over four semesters. In each semester, students get involved in approximately 45 hours of field work in EAA. Specific Highlights of the EAA program in the year are as follows:

National Service Scheme of EAA covered about 1000 students in this year. The students typically spent three hours per week over entire semesters working on social issues in the nearby villages and slums in and around Kharagpur. They participated in facilitating education for the underprivileged school children by organizing scholarships, prizes, study materials, stationery, bicycles and utensils. They monitored drinking water quality at villages and provided nutritional supplements to primary school children to ameliorate endemic malnutrition among tribal population. They also organized blood donation and medical camps and awareness programs on issues such as substance abuse, health and hygiene and nutrition. They planted and maintained saplings and participated in facility and infrastructure maintenance, e.g., repair of rural roads, painting and maintaining school buildings and furniture.

Both 3 Bengal Tech Air Sqn NCC and one Bengal EME Coy NCC units are dedicated NCC units designed to impart NCC training to students of the Institute as an allotted EAA subject for undergraduate students (1st & 2nd Year). During the training year 2018-19 a total number of 186 students were enrolled in 3 Bengal Tech Air Sqn NCC and 181 cadets in one Bengal EME coy NCC.

Considering their importance and requirement various training activities were conducted by this unit for first and second year cadets. All these activities include Drill; NCC & Aircraft Technical subjects; Aeromodelling; Independence Day parade; Rastriya Ekta Diwas; Combined Annual Training Camp; Republic Day Parade; Range Firing (22" Rifle) and 'B' Certificate examination. This unit also conducted various social and community development activities, such as Blood Donation Camp; Tree Plantation; Swachh Bharat Abhiyaan; Sadbhavana Run; and World AIDS Day.

The NSO (Health and Fitness) program served 890 UG students in the year 2018-2019 as a part of Institute's mandatory extra academic activity. The program was supervised by ten faculty members who serve as program officers of individual units comprising of about 100 students each, and another faculty as program coordinator. Every Wednesday and Saturday, the students assembled in the Jnan Ghosh stadium / Tata Sports Complex at sunrise for workout sessions. In this, physical training was conducted under strict supervision of qualified physical training instructors drawn from Students' Gymkhana. Apart from routine activities, the students took part in several special activities: Foundation Day Programme (18th August 2018, conducted for 890 students); Cleanliness drive for plastic waste removal in the campus area as a part of Gandhi Jayanti (2nd October 2018, conducted for 890 students); Art of Living Yoga Programme conducted by Prof. Suman Kalyan Samanta, Dept. of Chemistry (16th March 2019, conducted for 456 students); Disaster Management Training Programme by Sri Sathya Sai Seva Organisation, West Bengal (16th March



2019, conducted for 434 students); Heartfulness Meditation (9th and 10th March 2019, conducted for 890 students); Anapana Meditation (31st March 2019, conducted for 100 students)

In addition to these, to serve a greater cause of spreading the message of health and fitness beyond the physical reach of the Institute, a blog with URL: <http://healthandfitnessiitkgp.blogspot.in/> is maintained under this program.

GRADUATES OF THE YEAR

In this Convocation, we are going to confer degrees on outgoing students. I am very glad to announce that the following students are recipients of Institute Gold Medals for their academic excellence and all round performance in the year 2017-2018.

- **Shri Abhishek Panigrahi** of the Department of Computer Science and Engineering is the recipient of the President of India Gold Medal 2017- 2018 for the best academic performance among the outgoing B. Tech. (Hons.) and B. Arch. (Hons.) students.
- **Miss Soumya Dubey** of the Department of Mechanical Engineering has won the Dr Bidhan Chandra Roy Memorial Gold Medal 2017- 2018 for the best all-round performance among the B. Tech. (Hons.) and B. Arch. (Hons.) outgoing students.
- **Shri Jeenu Grover** of the Department of Computer Science and Engineering has been awarded The Prime Minister of India Gold Medal 2017-2018 for the best academic performance among the Dual Degree and Integrated M. Sc. outgoing students.
- **Shri Rishabh Kumar Shrivastava** of the Department of Electrical Engineering has been awarded the Dr Jnan Chandra Ghosh Memorial Gold Medal 2017-2018 for the best all-round performance among the outgoing Dual Degree and Integrated M. Sc. students.
- **Miss Parnashree Ghosh** of the Department of Mathematics has been awarded the Professor Jagadish Chandra Bose Memorial Gold Medal 2017-2018 for the best academic performance among the outgoing students of all 2-year M. Sc. courses in the Science Disciplines.
- **Shri Pramod Kumar Jangir** of the Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Sciences and **Shri Mohammad Luqman** of the Department of Computer Science and Engineering are the joint recipients of The Director's Gold Medal 2017-2018 for the best academic performance among the students completing M. Tech. and MCP courses.
- **Shri Sandeep Rana** of the Department of Industrial and Systems Engineering has been awarded the Dr Shankar Dayal Sharma Gold Medal 2017-2018 for the best all-round performance among the M. Tech. and MCP outgoing students.

I offer my heartiest congratulations to all the Medal Winners and the graduating students.

Wisdom is not a product of schooling, *but the product of a lifelong attempt to acquire it*, therefore, my friends, while you go out and conquer the world; *motivated by an irresistible longing to understand the secrets of nature*, please do so with tender care for our fellow countrymen who have supported your education in the sincere hope that you will make their world better. Please try your best to ensure a smile in the face of fellow citizens through social justice, societal sustainability with due respect to the *indianness*, which is our great culture. Let's *live our lives to the fullest and die empty*.

Jai Hind

Kharagpur
July 20, 2018

Professor Partha Pratim Chakrabarti
Director, IIT Kharagpur



Courses of Study

Department of Aerospace Engineering

- B.Tech in Aerospace Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Aerospace Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Aerospace Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Aerospace Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M.Tech. in Aerospace Engineering

Department of Agricultural and Food Engineering

- B.Tech..in Agricultural and Food Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Agricultural and Food Engineering and M.Tech in Farm Machinery and Power
- Dual Degree - B.Tech in Agricultural and Food Engineering and M.Tech in Food Process Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Agricultural and Food Engineering and M.Tech in Land and Water Resources Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Agricultural and Food Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Agricultural and Food Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M. Tech. in Farm Machinery and Power
- M. Tech. in Land and Water Resources Engineering
- M. Tech. in Food Process Engineering
- M. Tech. in Agricultural Biotechnology
- M. Tech. in Aquacultural Engineering
- M. Tech. in Agricultural Systems and Management

Department of Architecture and Regional Planning

- Bachelor of Architecture (B.Arch)
- Master of City Planning (MCP)

Department of Biotechnology

- B.Tech .in Biotechnology and Biochemical Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Biotechnology and Biochemical Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Biotechnology and Biochemical Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Biotechnology and Biochemical Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M. Tech. in Biotechnology and Biochemical Engineering

Department of Chemical Engineering

- B.Tech. in Chemical Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Chemical Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Chemical Engineering and M.Tech in Petroleum Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Chemical Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M. Tech. in Chemical Engineering

Department of Chemistry

- M.Sc. in Chemistry (2 Years.)
- Integrated M.Sc. in Chemistry (5 Years.)

Department of Civil Engineering

- B.Tech .in Civil Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Civil Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Civil Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Civil Engineering and M.Tech in Structural Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Civil Engineering and M.Tech in Environmental Engineering and Management



- Dual Degree - B.Tech in Civil Engineering and M.Tech in Transportation Engineering
- M. Tech. in Hydraulic and Water Resources Engineering
- M. Tech. in Transportation Engineering
- M. Tech in Environmental Engineering and Management
- M. Tech. in Geotechnical Engineering
- M. Tech. in Structural Engineering
- M.Tech in Railway Engineering (Mechanical)
- M.Tech in Railway Engineering (Civil)
- M.Tech in Railway Engineering (Electrical)

Department of Computer Science and Engineering

- B.Tech in Computer Science and Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Computer Science and Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Computer Science and Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Computer Science and Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M. Tech. in Computer Science and Engineering

Department of Electrical Engineering

- B.Tech .in Electrical Engineering
- B.Tech..in Instrumentation Engineering
- Dual Degree - B .Tech in Electrical Engineering and M.Tech in Machine Drives and Power Electronics
- Dual Degree - B.Tech in Electrical Engineering and M.Tech in Control System Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electrical Engineering and M.Tech in Power and Energy Systems Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electrical Engineering and M.Tech in Instrumentation Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electrical Engineering and M.Tech in Instrumentation and Signal Processing Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Instrumentation Engineering and M.Tech in Instrumentation and Signal Processing Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Instrumentation Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Instrumentation Engineering and M.Tech in Control System Engineering
- M. Tech.in Machine Drives and Power Electronics
- M. Tech. in Control System Engineering
- M. Tech. in Power and Energy Systems
- M. Tech. in Instrumentation and Signal Processing

Department of Electronics and Electrical Communication Engineering

- B.Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B .Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electronics Electrical Communication Engineering and M.Tech in Microelectronics and VLSI Design
- Dual Degree - B.Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering and M.Tech in RF and Microwave Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering and M.Tech in Visual Information and Embedded Systems
- Dual Degree - B.Tech in Electronics and Electrical Communication Engineering and M.Tech in Telecommunications System Engineering
- M. Tech. in Microelectronics and VLSI Design
- M. Tech. in RF and Microwave Engineering
- M. Tech. in Telecommunication Systems Engineering
- M. Tech. in Visual Information and Embedded Systems Engineering



Department of Geology and Geophysics

- Integrated M.Sc. in Exploration Geophysics (5 Years)
- Integrated M.Sc. in Applied Geology (5 Years)
- M.Sc. in Geophysics (2 Years.)
- M.Sc. in Geology (2 Years.)
- Integrated M.Sc. in Applied Geology and M.Tech in Petroleum Engineering (6 Years)
- Integrated M.Sc. in Exploration Geology and M.Tech in Petroleum Engineering (6 Years)
- M. Tech. in Exploration Geosciences

Department of Humanities and Social Sciences

- Integrated M.Sc. in Economics (5 Years)
- Master of Human Resource Management

Department of Industrial and Systems Engineering

- B.Tech in Industrial Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Industrial Engineering and Management
- Dual Degree - B.Tech in Engineering Product Design and Manufacturing and M.Tech in Design and Quality Engineering (Industrial Electronics)
- Dual Degree - B.Tech in Engineering Product Design and Manufacturing and M.Tech in Design and Quality Engineering (Mechanical Engineering)
- Dual Degree - B.Tech in Industrial Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Industrial Engineering and M.Tech in Industrial Engineering and Management
- M. Tech. in Industrial Engineering and Management

Department of Mathematics

- Integrated M.Sc. in Mathematics and Computing (5 Years)
- M.Sc. in Mathematics (2 Years.)
- M. Tech. in Computer Science and Data Processing

Department of Mechanical Engineering

- B.Tech .in Mechanical Engineering
- B.Tech .in Manufacturing Science and Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Manufacturing Science and Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Thermal Science and Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Mechanical Systems Design
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mechanical Engineering and M.Tech in Petroleum Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Manufacturing Science and Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Manufacturing Science and Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Manufacturing Science and Engineering and M.Tech in Industrial Engineering and Management
- M. Tech in Manufacturing Science and Engineering
- M. Tech. in Thermal Science and Engineering
- M. Tech. in Mechanical Systems Design

Department of Metallurgical and Materials Engineering

- B.Tech in Metallurgical and Materials Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Metallurgical and Materials Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Metallurgical and Materials Engineering and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Metallurgical and Materials Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- M. Tech. in Metallurgical and Materials Engineering



Department of Mining Engineering

- B.Tech .in Mining Engineering
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Mining Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mining Engineering and M.Tech in Safety Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mining Engineering and M.Tech in Financial Engineering
- Dual Degree - B.Tech in Mining Engineering and M.Tech in Petroleum Engineering
- M. Tech. in Mining Engineering

Department of Ocean Engineering and Naval Architecture

- B.Tech.in Ocean Engineering and Naval Architecture
- Dual Degree - B.Tech and M.Tech in Ocean Engineering and Naval Architecture
- Dual Degree - B.Tech in Ocean Engineering and Naval Architecture and M.Tech in Engineering Entrepreneurship
- Dual Degree - B.Tech in Ocean Engineering and Naval Architecture and M.Tech in Financial Engineering
- M.Tech.in Ocean Engineering and Naval Architecture

Department of Physics

- Integrated M.Sc. in Physics (5 Years.)
- M.Sc. in Physics (2 Years)
- M.Tech.in Solid State Technology

Advance Technology Development Centre

- M.Tech.in Embedded Controls and Software

Centre for Educational Technology

- M.Tech.in Multimedia Information Processing

Centre for Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Sciences

- M.Tech in Earth System Science and Technology

Cryogenic Engineering Centre

- M.Tech in Cryogenic Engineering

Materials Science Centre

- M. Tech. in Materials Science and Engineering.

Rubber Technology Centre

- M. Tech. in Rubber Technology

Rajendra Mishra School of Engineering Entrepreneurship

- Dual Degree - B.Tech. in Parent Dept and M.Tech in Entrepreneurship Engineering

Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

- Bachelor of Laws with Honours in Intellectual Property Law (LLB) (3 Years)
- Master of Laws (LLM) (2 Years)

Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Management

- M.Tech. in Infrastructure Design and Management

School of Bioscience

- M.Sc. in Chemical and Molecular Biology (Jointly Offered by IIT Kharagpur and IACS Kolkata)

Subir Chowdhury School of Quality and Reliability

- M. Tech. in Reliability Engineering

School of Energy Science and Engineering

- M.Tech in Energy Science and Engineering

School of Medical Science and Technology

- Master of Medical Science and Technology (3 Years)
- M.Tech in Medical Imaging and Informatics (2 Years)

School of Water Resources

- M. Tech. in Water Engineering and Management

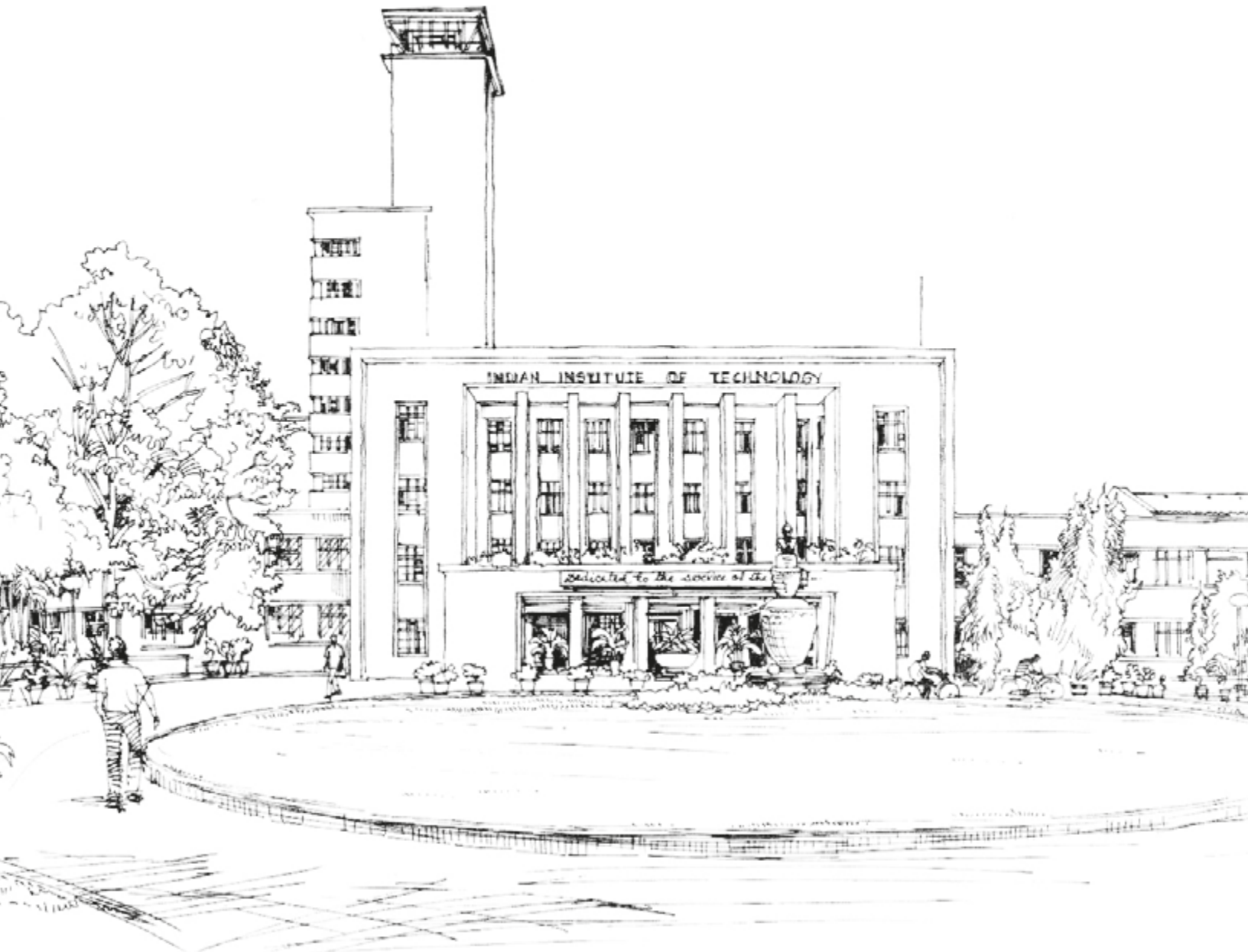


Vinod Gupta School of Management

- Master of Business Administration (2 Years)
- Master of Business Administration in the Executive MBA Programme (3 Years)
- Post Graduate Diploma in Business Analytics (2 Years) [Jointly offered by IIT Kharagpur, IIM Calcutta and ISI]



ACADEMIC DEPARTMENT





Aerospace Engineering

Head of the Department : Dipak Kumar Maiti

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Bhriagu Nath Singh	Ph.D.	Smart and Composite Structures; Uncertainty quantification; Dynamics and Aeroelasticity; Mechanics of Composites; Structural Health Monitoring
Dipak Kumar Maiti	Ph.D.	Aerospace Structures; Composite and Smart Structures; Structural Dynamics and Aeroelasticity; Structural Health Monitoring
Kalyan Prasad Sinhamahapatra	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; DNS and LES; Fluid Structure Interaction; Jet Control and Aeroacoustics; Low Reynolds No. Aerodynamics

Manoranjan Sinha	Ph.D.
	Ph.D.
	Ph.D.

Associate Professors

Arnab Roy	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; DNS and LES; Low Reynolds No. Aerodynamics; Single and Multiphase Fluid Dynamics; Jet Control and Aeroacoustics
-----------	-------	---

Manas Kumar Laha	Ph.D.
Mira Mitra	Ph.D.
Ratan Joarder	Ph.D.

		Chemically Reacting flows; Droplet and Spray Combustion; Single and Multiphase Fluid Dynamics; Heat Transfer; Computational Fluid Dynamics
--	--	--

Somnath Ghosh	Ph.D.	DNS and LES; Computational Fluid Dynamics
Srinibas Karmakar	Ph.D., Louisiana Sate University	Droplet and Spray Combustion; Combustion of solid fuels and propellant; Experimental methods in combustion

Suresh Chandra Pradhan

Assistant Professors

Akshay Prakash	Ph.D.
----------------	-------

Amardip Ghosh	Ph.D.
---------------	-------

Anup Ghosh	Ph.D.	Aircraft Structures; Composite and Smart Structures; Micro Air Vehicle; UAV
------------	-------	---

Chetankumar Sureshbhai Mistry	Ph.D., IIT Bombay	Design of Turbomachines; Turbomachines performance augmentation; Experimental & CFD study of turbomachine; Fluid mechanic and Heat transfer; Experimental aerodynamics
-------------------------------	-------------------	--

Mohammed Rabius Sunny	Ph.D.	Fluid Structure Interaction; Dynamics and Aeroelasticity; Structural Health Monitoring; Smart Materials and Structures; Tensegrity Structures
-----------------------	-------	---

Mrinal Kaushik	Ph.D., IIT Kanpur	Shock-Boundary Layer Interactions; Active and Passive Control of Jets; Aerothermodynamics of Hypersonic Flows; Hydrodynamics of Hydrofoils
----------------	-------------------	--

Naba Kumar Peyada	Ph.D.
Prasun Jana	Ph.D.

		Aerospace Structures; Computational Solid Mechanics; Composite & Functionally Graded Material; Vibration Damping; Elastic Stability
--	--	---

Sandeep Saha	Ph.D.	Hydrodynamics Stability; Low Reynolds No. Aerodynamics; Chemically Reacting flows; Theoretical & Computational Differential Equations; Solar and Wind Energy Conversion
--------------	-------	---



Sikha Hota	Ph.D.	Path planning of unmanned vehicles; optimal trajectory planning; Collision avoidances; Obstacle avoidances; Three dimensional path generations
Sunil Manohar Dash	Ph.D.	Low Reynolds No. Aerodynamics; Fluid Structure Interaction; Computational Fluid Dynamics; Lattice Boltzmann Method; Flapping Aerodynamics
Susmita Bhattacharyya	Ph.D.	Satellite Navigation Systems; Fault detection; Sensor fusion

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Prasun Jana	Assistant Professor	Aerospace Structures; Computational Solid Mechanics; Composite & Functionally Graded Material; Vibration Damping; Elastic Stability
Sunil Manohar Dash	Assistant Professor	Low Reynolds No. Aerodynamics; Fluid Structure Interaction; Computational Fluid Dynamics; Lattice Boltzmann Method; Flapping Aerodynamics

Promotion

Akshay Prakash	Assistant Professor	
Prasun Jana		Aerospace Structures; Computational Solid Mechanics; Composite & Functionally Graded Material; Vibration Damping; Elastic Stability
Susmita Bhattacharyya	Assistant Professor	Satellite Navigation Systems; Fault detection; Sensor fusion

Re Appointment

Navtej Singh	Professor
--------------	-----------

Retirement

Navtej Singh	Professor
--------------	-----------

Brief Description of on-going activities

1. Sponsored project title: Optimal design of thin-walled beam/plate structures for maximum elasto-plastic buckling load. Sponsoring agency: SERB, DST, Govt. of India. Project value: 20.08 Lakhs
2. An Investigation of the Unconventional Tandem Flapping Foil Propulsion Mechanism for Underwater Vehicles. Science and Engineering Research Board (SERB)

Other Research Projects

- a) Investigation on the propulsive performance of the tubercle flapping aerofoil.
- b) Development of IB-LBM solver for the fluid-structure interaction.
- c) Development of Robotic Jelly Fish.

Research Areas

Active and Passive Control of Jets; Aerospace Structures; Aerothermodynamics of Hypersonic Flows; Aircraft Structures; Chemically Reacting flows; Collision avoidances; Combustion of solid fuels and propellant; Composite and Smart Structures; Composite & Functionally Graded Material; Computational Fluid Dynamics; Computational Solid Mechanics; Design of Turbomachines; DNS and LES; Droplet and Spray Combustion; Dynamics and Aeroelasticity; Elastic Stability; Experimental aerodynamics; Experimental & CFD study of turbomachine; Experimental methods in combustion; Fault detection; Flapping Aerodynamics; Fluid mechanic and Heat transfer; Fluid Structure Interaction; Heat Transfer; Hydrodynamics of Hydrofoils; Hydrodynamics Stability; Jet Control and Aeroacoustics; Lattice Boltzmann Method; Low Reynolds No. Aerodynamics; Mechanics of Composites; Micro Air Vehicle; Obstacle avoidances; optimal trajectory planning; Path planning of unmanned vehicles; Satellite Navigation Systems; Sensor fusion; Shock-Boundary Layer Interactions; Single and Multiphase Fluid Dynamics; Smart and Composite Structures; Smart



Materials and Structures; Solar and Wind Energy Conversion; Structural Dynamics and Aeroelasticity; Structural Health Monitoring; Tensegrity Structures; Theoretical & Computational Differential Equations; Three dimensional path generations; Turbomachines performance augmentation; UAV; Uncertainty quantification; Vibration Damping;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	10
Doctoral Degrees Awarded	07
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	11
Member - Editorial Board	03
Awards & Honours	03
Sponsored Research Projects	29
Consultancy Projects	01
Visits Abroad by Faculty Members	05
Invited Lectures by Faculty Members	07
Seminars, Conferences and Workshops Organized	09
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	03
Papers Published in Journals	40
Papers Presented in Conferences	30



Agricultural and Food Engineering

Head of the Department : Nirupama Mallick

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Adinpunya Mitra	Ph.D.	Biochemistry of floral scent volatiles; Natural products from root cultures; Secondary metabolism - molecular biology; Physiology of plant volatiles; Histochemistry of plant metabolites
Ashis Kumar Datta	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; Process Simulation, Optimization & Control; Bio-energy & Development of Relevant Materials; Thermoelectric materials; Extractive metallurgy
Ashok Mishra	Ph.D.	Hydrological Modelling & Watershed Manag; Crop Yield Modelling; Climate Change & Adaptation Analysis
Bhabani Sankar Das	Ph.D.	Soil Physics; Unsaturated flow and transport; Hyperspectral Sensing; Solute Transport
Chandranath Chatterjee	Ph.D.	Flood hazard and risk analysis; Flood forecasting; Impact of climate change on flood risk; Design flood estimation; Application of UAV and Geo-informatics
Dillip Kumar Swain	Ph.D.	Sustainable Production Agriculture; Climate Change Adaptation & Mitigation; Crop Modeling and Simulation; Organic Farming & Crop Quality
Hari Niwas Mishra	Ph.D.	RTE Health Foods & Nutraceuticals; Food Storage & Shelf Life Extension; Novel Food Product & Process Development; Food Fortification & Bioactives; Food Safety & Quality Control
Hifjur Raheman	Ph.D.	Renewable energy operated agri-machinery; Combination offset disc harrow; Rubber tracks for walking tractor; Use of robotic arm for transplanting
Kamlesh Narayan Tiwari	Ph.D.	Micro Irrigation; Protected Cultivation Technology; RS & GIS Applications in Water Resources; Hydrology of Horticultural Plantations; Solar PV Operated Irrigation Systems
Madan Kumar Jha	Ph.D.	Basin-wide Groundwater Modeling; Water Harvesting and Artificial Recharge; GW Management using RS, GIS and MCDA; Field Investigation & Seawater Intrusion; Goundwater-Surface Water Interaction
Narendra Singh	Ph.D.	
Raghuwanshi	Ph.D.	Microalgal Biofuels; Biodegradable films from cyanobacteria; Bioactives from microalgae; Algal Refinery; Climate Change and Soil Health
Nirupama Mallick	Ph.D.	
P Srinivasa Rao	Ph.D.	Nonthermal method of food processing; Process Equipment Design and Development; Post Harvest Engineering; Innovation and Business Incubation
Rabindra Kumar Panda	Ph.D.	
Rajendra Singh	Ph.D.	
Rintu Banerjee	Ph.D.	
Snehasish Dutta Gupta	Ph.D.	
Sudhindra Nath Panda	Ph.D.	
Thomas E V	Ph.D.	Rice transplanter and sowing equipments; Tea processing; Harvesting of rice and wheat
Tridib Kumar Goswami	Ph.D.	
Virendra Kumar Tewari	Ph.D.	Farm Machinery Systems Design; Ergonomics & Industrial



Safety; Precision Agriculture

Associate Professors

Arunabha Mitra	Ph.D.	
Peeyush Soni	Ph.D.	Sustainable Agricultural Mechanization; Soil Tillage and Traction Research; Precision Agriculture; Management of Mechanized Agriculture; Automation in Protected Cultivation
Prem Prakash Srivastav	Ph.D.	Functional Food Development; Herbal Neutaceuticals Extraction; Design of food processing machineries
Proshanta Guha	Ph.D.	Agronomy; Post-harvest Technology
Shanker Lal Shrivastava	Ph.D.	Dairy & Food Process Engineering; Post Harvest Engineering; Low cost food processing equipment

Assistant Professors

Amey Pathak	Ph.D.	Eco-Hydro-Climatology; Indian Monsoon Rainfall, Extreme Events; Precipitation Recycling; Ocean–Land–Atmosphere Interactions
Chanchal Kumar Mukherjee		
Damodhara Rao Mailapalli	Ph.D.	
Jayeeta Mitra	Ph.D., IIT Kharagpur	Food Packaging and Storage; Mathematical Modeling and Simulation; Equipment for Rural Food Processing; Microwave Extraction; pesticide residue determination in food
Joydeep Banerjee	Ph.D.	Plant Molecular Biology; Signal transduction and gene expression; Promoter Characterization; Abiotic Stress in Plants; Nutritional Quality
Kanishka Bhunia	Ph.D.	Functional Food Packaging; Food Safety and Risk Assessment; Nonthermal Surface Sanitization of Food; Food Stability and Shelf life; Process Modeling and Simulation
Poulomi Ganguli	Ph.D.	Hydroclimatology and Water Resources Eng; hydrological extremes; Statistical hydrology
Punyardarshini Punam Tripathy	Ph.D.	
Rajendra Machavaram	Ph.D.	Machine Design and Design Optimization; Structural Health Monitoring; Artificial Intelligence; Renewable energy operated agri-machinery; Numerical Optimization in Non-linear problems
Somsubhra Chakraborty	Ph.D., Louisiana State University, USA	Hyperspectral Proximal Soil Sensors; Portable XRF Applications in Soil; Digital Soil Mapping; Data Mining; Non-invasive Sensors

Name

Highest Degree

Research Areas

Promotion

Ashok Mishra	Professor	Hydrological Modelling & Watershed Manag; Crop Yield Modelling; Climate Change & Adaptation Analysis
Dillip Kumar Swain	Professor	Sustainable Production Agriculture; Climate Change Adaptation & Mitigation; Crop Modeling and Simulation; Organic Farming & Crop Quality
P Srinivasa Rao	Assistant Professor	Nonthermal method of food processing; Process Equipment Design and Development; Post Harvest



Engineering; Innovation and Business Incubation

Peeyush Soni

Assistant Professor

Sustainable Agricultural Mechanization; Soil Tillage and Traction Research; Precision Agriculture; Management of Mechanized Agriculture; Automation in Protected Cultivation

Brief Description of on-going activities

- Sensor-based technology interventions for precision farming
- Solar energy operated farm machinery and micro-irrigation systems
- Remote sensing and GIS applications for integrated watershed management, and soil and crop health monitoring.
- Simulation-optimization and climate modelling for holistic water management
- High pressure processing of high-value perishables and nutraceuticals
- Targeted metabolomics of floral scents for value-added products
- Microalgal biofuel production
- Waste utilization in Aquaculture
- Development of autonomous tractor
- Organic farming
- Solar energy utilization in food processing
- RTE-Health Food for malnourished children
- Vacuum frying of food

Research Areas

Abiotic Stress in Plants; Agronomy; Algal Refinery; Application of UAV and Geo-informatics; Artificial Intelligence; Automation in Protected Cultivation; Basin-wide Groundwater Modeling; Bioactives from microalgae; Biochemistry of floral scent volatiles; Biodegradable films from cyanobacteria; Bio-energy & Development of Relevant Materials; Climate Change & Adaptation Analysis; Climate Change Adaptation & Mitigation; Climate Change and Soil Health; Combination offset disc harrow; Computational Fluid Dynamics; Crop Modeling and Simulation; Crop Yield Modelling; Data Mining; Design flood estimation; Design of food processing machineries; Digital Soil Mapping; Eco-Hydro-Climatology; Ergonomics & Industrial Safety; Extractive metallurgy; Farm Machinery Systems Design; Field Investigation & Seawater Intrusion; Flood forecasting; Flood hazard and risk analysis; Food Fortification & Bioactives; Food Safety and Risk Assessment; Food Safety & Quality Control; Food Stability and Shelf life; Food Storage & Shelf Life Extension; Functional Food Development; Functional Food Packaging; Groundwater-Surface Water Interaction; GW Management using RS, GIS and MCDA; Harvesting of rice and wheat; Herbal Nutraceuticals Extraction; Histochemistry of plant metabolites; Hydroclimatology and Water Resources Eng; hydrological extremes; Hydrological Modelling & Watershed Manag; Hydrology of Horticultural Plantations; Hyperspectral Proximal Soil Sensors; Hyperspectral Sensing; Impact of climate change on flood risk; Indian Monsoon Rainfall, Extreme Events; Innovation and Business Incubation; Machine Design and Design Optimization; Management of Mechanized Agriculture; Microalgal Biofuels; Micro Irrigation; Natural products from root cultures; Non-invasive Sensors; Nonthermal method of food processing; Nonthermal Surface Sanitization of Food; Novel Food Product & Process Development; Numerical Optimization in Non-linear problems; Nutritional Quality; Ocean–Land–Atmosphere Interactions; Organic Farming & Crop Quality; Physiology of plant volatilome; Plant Molecular Biology; Portable XRF Applications in Soil; Post Harvest Engineering; Post-harvest Technology; Precipitation Recycling; Precision Agriculture; Process Equipment Design and Development; Process Modeling and Simulation; Process Simulation, Optimization & Control; Promoter Characterization; Protected Cultivation Technology; Renewable energy operated agri-machinery; Rice transplanter and sowing equipments; RS & GIS Applications in Water Resources; RTE Health Foods & Nutraceuticals; Rubber tracks for walking tractor; Secondary metabolism - molecular biology; Signal transduction and gene expression; Soil Physics; Soil Tillage and Traction Research; Solar PV Operated Irrigation Systems; Solute Transport; Statistical hydrology; Structural Health Monitoring; Sustainable Agricultural Mechanization; Sustainable Production Agriculture; Tea processing; Thermoelectric materials; Unsaturated flow and transport; Use of robotic arm for transplanting; Water Harvesting and Artificial Recharge;



Academic Performance

Collaboration	20
Doctoral Degrees Awarded	23
Fellow - Professional Bodies	10
Member - Professional Bodies	30
Member - Editorial Board	09
Awards & Honours	09
Fellowships	03
Sponsored Research Projects	59
Consultancy Projects	08
Technology Transferred	01
Visits Abroad by Faculty Members	10
Invited Lectures by Faculty Members	32
Seminars, Conferences and Workshops Organized	03
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	16
Papers Published in Journals	144
Papers Presented in Conferences	57



Architecture and Regional Planning

Head of the Department : Joy Sen

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Jaydip Barman	Ph.D.	Urban design; Landscape and landscape planning; Creative Eco-tourism & Heritage based Tourism; Community & Behavioral Studies in Planning
Joy Sen	Ph.D.	Community and Regional planning; Cultural Heritage documentation; Regional analysis and programming
Sanghamitra Basu	Ph.D.	Smartness of Traditional Indian cities; Mixed use development model; Heat Stress on MSME workers; Pri Urban Dynamics; Impact of settlement on flash flood
Subrata Chattopadhyay	Ph.D.	
Uttam Kumar Banerjee	Ph.D.	

Associate Professors

Abraham George	Ph.D.	Transportation Planning & Routing Services; Public Transportation, Traffic Management & Safety; Community & Behavioral Studies in Planning; Urban Planning: Utilities, Services; IT based Infrastructure, Information System
Debapratim Pandit	Ph.D.	
Haimanti Banerji	Ph.D.	Sustainable Community Planning; Residential Satisfaction in Post Disaster Housing; Urban design; Human Factors Engineering
Saikat Kumar Paul	Ph.D., IIT Kharagpur	Disaster management
Somnath Sen	Ph.D., IIT Kharagpur	
Tarak Nath Mazumder	Ph.D.	

Assistant Professors

Arjun Mukerji	Ph.D.	History and Theory of Architecture; Urban Culture, Conservation & Heritage Planning; Urban design; Landscape and landscape planning
Arup Das	Ph.D.	Disaster Management & Environmental Resilience; Disaster Risk Mapping of Urban Areas; Urban Planning: Utilities, Services
Shankha Pratim Bhattacharya	Ph.D.	Service quality assessment; Human Crowd study; Housing and Community planning; Facility Planning for Religious events
Sumana Gupta	Ph.D.	
Sutapa Das	Ph.D.	Energy Studies of Buildings; Critical Infrastructure Protection in Disaster; Healthy workplace; Intelligent buildings; Building information modeling
Tapan Kumar Majumdar	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Arjun Mukerji	Assistant Professor	History and Theory of Architecture; Urban Culture, Conservation & Heritage Planning; Urban design; Landscape and landscape planning



Visiting Faculty

Amita Sinha Assistant Professor

Promotion

Arjun Mukerji Assistant Professor History and Theory of Architecture; Urban Culture, Conservation & Heritage Planning; Urban design; Landscape and landscape planning

Retirement

Tapan Kumar Majumdar Assistant Professor

Re Appointment

Sanghamitra Basu Professor

Brief Description of on-going activities

The Department of Architecture and Regional Planning IIT Kharagpur has made a very significant headway in front-line research collaboration with the Massachusetts Institute of Technology, USA; IvyLeage Graduate school of Architecture, Planning and Preservation (GSAPP), Columbia University, NYC, USA; The School of Urban and Regional Planning, GeorgiaTECh Atlanta, USA; Tokyo Metropolitan University, Japan and others and been accordingly earmarked as NIRF ranking #1 for two consecutive years: 2017-18 and 2018-19 as the top architectural school in the country.

Additionally, there are some major events like;

a) Workshops on Urban Informatics and AI driven analytics by TCS; on BIM by V Construct, a Pune based organisation; on Stainless Steel BY Jindal Group; on sustainable architecture by Rabie Omar are few mentionable.

b) Invited lectures by Prof. Amit Srivastava, The University of Adelaide, Australia ; Dr. Monobina Mukherjee and Mr. Ambarish Mukherjee from USA on Transportation modelling; Prof. Arun Menon of IIT Chennai Prof. Ravindra Vasavada of CEPT Ahmedabad and Ar. Vikas Dilwari in area of conservation; are a few mentionable.

c) Visit of Prof. Amita Srivastava as Full Bright Fellow from University of Illinois at Urbana Champaign USA. The students have received major grants for conferences in Japan, USA; and Australia.

Research Areas

Building information modeling; Community and Regional planning; Community & Behavioral Studies in Planning; Critical Infrastructure Protection in Disaster; Cultural Heritage documentation; Disaster management; Disaster Management & Environmental Resilience; Disaster Risk Mapping of Urban Areas; Energy Studies of Buildings; Healthy workplace; Heat Stress on MSME workers; History and Theory of Architecture; Human Factors Engineering; Impact of settlement on flash flood; Intelligent buildings; IT based Infrastructure, Information System; Landscape and landscape planning; Mixed use development model; Pri Urban Dymanics; Public Transportation, Traffic Management & Safety; Regional analysis and programming; Residential Satisfaction in Post Disaster Housing; Smartness of Traditional Indian cities; Sustainable Community Planning; Transportation Planning & Routing Services; Urban Culture, Conservation & Heritage Planning; Urban design; Urban Planning: Utilities, Services;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	16
Lectures by Visiting Experts	04
Doctoral Degrees Awarded	07



Fellow - Professional Bodies	02
Member - Professional Bodies	09
Member - Editorial Board	07
Awards & Honours	03
Sponsored Research Projects	46
Consultancy Projects	08
Visits Abroad by Faculty Members	06
Invited Lectures by Faculty Members	10
Seminars, Conferences and Workshops Organized	05
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops Organised	02
Papers Published in Journals	05
Papers Presented in Conferences	16



Biotechnology

Head of the Department : Ramkrishna Sen

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Amit Kumar Das	Ph.D.	
Ananta Kumar Ghosh	Ph.D.	Recombinant DNA Technology; Immunotechnology; Antimicrobial peptides; Virology
Anindya Sundar Ghosh	Ph.D.	Bacterial biofilm formation; Antibiotic Resistance mechanisms; Penicillin-interactive enzymes; Multi-drug resistance efflux pumps; Bacterial cell shape
Debabrata Das	Ph.D.	
Mrinal Kumar Maiti	Ph.D.	Plant Molecular Biology; Functional Genomics of Rice Crop; Biotechnology of Plants, Fungi and Algae; Lipid Metabolic Engineering; Bioprospecting of Endophytic Microbes
Pinaki Sar	Ph.D.	Microbial genomics and metagenomics; Microbiology of deep biosphere; Geomicrobiology; Bioremediation and Biodegradation
Ramkrishna Sen	Ph.D.	Green Process & Product Development; Microalgal & Microbial Biorefinery; Biofuels Bio-CCR & Waste Valorization; Antimicrobial & Anticancer Lipopeptides; Marine & Environmental Biotechnology
Satyahari Dey	Ph.D.	
Sudip Kumar Ghosh	Ph.D.	Plant Molecular Biology; nanobiotechnology; Molecular Cell biology of Parasite
Tapas Kumar Maiti	Ph.D.	

Associate Professors

Ranjit Prasad Bahadur	Ph.D.	Bioinformatics and Computational Biology
-----------------------	-------	--

Assistant Professors

Agneyo Ganguly	Ph.D.	Mechanistic studies of RecQ helicases; Protein protein interactions
Riddhiman Dhar	Ph.D., University of Zurich, Switzerland	Drug resistance evolution; Non-genetic variation; Gene-environment interaction
Somdeb Bose Dasgupta	Ph.D	

Visiting Faculty

Name	Designation	Research Areas
Tapas Kumar Maiti	Professor	
Debabrata Das	Professor	Biohydrogen Production; Biohythane Process Development; Microbial Fuel Cell; CO ₂ sequestration by microalgae; Photo-bioreactor and biodiesel production

Brief Description of on-going activities

Antimicrobial chemotherapy, bacterial morphology and biofilm formation; Bioremediation of heavy metals, radionuclides and organic pollutants; Molecular analysis of microbial community structure and function at contaminated sites; Molecular cloning, expression and characterization of *E. invadens* encystation specific proteins; Recombinant protein expression in plant, animal and microbial systems; Structural and functional studies of protein from *M. tuberculosis* and *S. aureus* aiming at drug and inhibitor design; Improvement of hydrogen production from industrial waste using hybrid bioreactor. Continuous hydrogen production by immobilized recombinant *E. coli* BL-21; Molecular analysis of cypovirus infecting tasar silkworm;



Phytomedicine and molecular farming; Development of low fat content transgenic oilseed plant; Biomicrofluidics and Biochip development; Identification and characterization of immunomodulator from natural sources; Microbial fuel cell; Characterization of Antarctic microbiota; Probiotic based nutraceutical product development; Cellular microbiology and immunobiology; Systems biology of genetic and nongenetic variations; Host-pathogen interactions; Green Process & Product Development in Microalgal-Microbial Biorefinery Models for anticancer lipopeptides, biosurfactants, biopolymers, biooil & biofuels with carbon capture and waste valorization

Research Areas

Antibiotic Resistance mechanisms; Antimicrobial & Anticancer Lipopeptides; Antimicrobial peptides; Bacterial biofilm formation; Bacterial cell shape; Biofuels Bio-CCR & Waste Valorization; Biohydrogen Production; Biohythane Process Development; Bioinformatics and Computational Biology; Bioprospecting of Endophytic Microbes; Bioremediation and Biodegradation; Biotechnology of Plants, Fungi and Algae; CO₂ sequestration by microalgae; Drug resistance evolution; Functional Genomics of Rice Crop; Gene-environment interaction; Geomicrobiology; Green Process & Product Development; Immunotechnology; Lipid Metabolic Engineering; Marine & Environmental Biotechnology; Mechanistic studies of RecQ helicases; Microalgal & Microbial Biorefinery; Microbial Fuel Cell; Microbial genomics and metagenomics; Microbiology of deep biosphere; Molecular Cell biology of Parasite; Multi-drug resistance efflux pumps; nanobiotechnology; Non-genetic variation; Penicillin-interactive enzymes; Photo- bioreactor and biodiesel productio; Plant Molecular Biology; Protein protein interactions; Recombinant DNA Technology; Virology;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	23
Lectures by Visiting Experts	05
Doctoral Degrees Awarded	11
Member - Professional Bodies	12
Member - Editorial Board	06
Awards & Honours	01
Sponsored Research Projects	59
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	10
Invited Lectures by Faculty Members	22
Seminars, Conferences and Workshops Organized	05
Papers Published in Journals	48
Papers Presented in Conferences	32



Chemical Engineering

Head of the Department : Gargi Das

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Amar Nath Samanta	Ph.D., IIT Kharagpur	Carbon capture and storage; Robust, Nonlinear and Adaptive control; Waste Water Treatment
Bhim Charan Meikap	Ph.D.	Pollution MONitoring and Control; Pollution Control Technologies; Coal science and technology; Fluidization; Renewable Energy Sources
Gargi Das	Ph.D.	Multiphase flow and complex fluids; Process Intensification; Mutiphase Flow in reduced dimensions; Sensor Development for Multiphase system; Computational Fluid Dynamics (CFD)
Gautam Kundu	Ph.D.	
Jayanta Kumar Basu	Ph.D.	Adsorption and Separation Science; Waste Water Treatment; Advance Oxidation Processes; Reaction Engineering
Narayan Chandra Pradhan	Ph.D.	
Rabibrata Mukherjee	Ph.D.	
Sirshendu De	Ph.D.	Membrane separation; Water and waste water treatment; Microfluidics; Transport Phenomena
Sudarsan Neogi	Ph.D.	
Sudipto Chakraborty	Ph.D.	Ultrafast Cooling (Spray, Jet, Coolants); Process modelling and simulation; CFD and Heat transfer, Carbon based nano-materials
Sunando Dasgupta	Ph.D.	Microfluidics; Microscale Transport Processes; Interfacial Phenomena
Swati Neogi	Ph.D.	
Associate Professors		
Amiya Kumar Jana	Ph.D.	
Arnab Atta	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; Single and Multiphase Fluid Dynamics; Microfluidics; Computational nanostructures
Debasis Sarkar	Ph.D.	Computational System Biology; Crystallization Engineering; Multi-objective Optimization
Jayanta Chakraborty	Ph.D.	
Parag Arvind Deshpande	Ph.D.	Computational chemistry; Computational material science; Molecular simulation
Saikat Chakraborty	Ph.D.	Bio-energy & Development of Relevant Materials; Microalgal Biofuels; Lignocellulosic Biofuels; Chemical Reactor Modeling; Catalysis and reaction engineering
Somenath Ganguly	Ph.D.	Porous Media; Structured Fluid
Sonali Sengupta	Ph.D.	Petroleum engineering; Catalysis and reaction engineering

Assistant Professors

Harikrishnan G	Ph.D.
Koustuv Ray	Ph.D.



Manish Kaushal	Ph.D.	Electrorheology; Soft-Glassy-Rheology; Drainage of vertical liquid thin films; Microfluidics; Rheology of molecularly thin liquid-film
Monojit Chakraborty	Ph.D.	Microfluidics and microscale transport; Interfacial Phenomena; Liquid Thin Films; Microscale Heat Transfer; Biomimetics
Sourav Mondal	Ph.D.	Transport in porous medium; Science of the Liquid crystal; Hydrodynamics of low Reynolds number; Chemically Reacting flows; Heat and Mass Transfer
Subhabrata Ray	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Koustuv Ray	Assistant Professor	
Monojit Chakraborty	Assistant Professor	Microfluidics and microscale transport; Interfacial Phenomena; Liquid Thin Films; Microscale Heat Transfer; Biomimetics
Sourav Mondal	Assistant Professor	Transport in porous medium; Science of the Liquid crystal; Hydrodynamics of low Reynolds number; Chemically Reacting flows; Heat and Mass Transfer

Promotion

Manish Kaushal	Assistant Professor	Electrorheology; Soft-Glassy-Rheology; Drainage of vertical liquid thin films; Microfluidics; Rheology of molecularly thin liquid-film
----------------	---------------------	--

Re Appointment

Gautam Kundu	Ph.D.	
--------------	-------	--

Brief Description of on-going activities

Teaching and Research at Undergraduate, M.Tech/M.S., Ph.D., and Post-Doctoral Level

Research Areas

Adsorption and Separation Science; Advance Oxidation Processes; Bio-energy & Development of Relevant Materials; Biomimetics; Carbon based nano-materials; Carbon capture and storage; Catalysis and reaction engineering; CFD and Heat transfer; Chemically Reacting flows; Chemical Reactor Modeling; Coal science and technology; Computational chemistry; Computational Fluid Dynamics; Computational Fluid Dynamics (CFD); Computational material science; Computational nanostructures; Computational System Biology; Crystallization Engineering; Drainage of vertical liquid thin films; Electrorheology; Fluidization; Heat and Mass Transfer; Hydrodynamics of low Reynolds number; Interfacial Phenomena; Lignocellulosic Biofuels; Liquid Thin Films; Membrane separation; Microalgal Biofuels; Microfluidics; Microfluidics and microscale transport; Microscale Heat Transfer; Microscale Transport Processes; Molecular simulation; Multi-objective Optimization; Multiphase flow and complex fluids; Multiphase Flow in reduced dimensions; Petroleum engineering; Pollution Control Technologies; Pollution Monitoring and Control; Porous Media; Process Intensification; Process modelling and simulation; Reaction Engineering; Renewable Energy Sources; Rheology of molecularly thin liquid-film; Robust, Nonlinear and Adaptive control; Science of the Liquid crystal; Sensor Development for Multiphase system; Single and Multiphase Fluid Dynamics; Soft-Glassy-Rheology; Structured Fluid; Transport in porous medium; Transport Phenomena; Ultrafast Cooling (Spray, Jet, Coolants); Waste Water Treatment; Water and wastewater treatment;



Academic Performance

New Acquisitions	05
Collaboration	23
Lectures by Visiting Experts	06
Doctoral Degrees Awarded	16
MS Degrees Awarded	01
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	04
Member - Editorial Board	02
Awards & Honours	02
Sponsored Research Projects	56
Consultancy Projects	29
Visits Abroad by Faculty Members	11
Invited Lectures by Faculty Members	28
Seminars, Conferences and Workshops Organized	02
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops Organized	02
Papers Published in Journals	76
Papers Presented in Conferences	18



Chemistry

Head of the Department : Manish Bhattacharjee

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
C Retna Raj	Ph.D.	Functional materials; Electrocatalysis; Biosensors; Energy conversion and storage; Energy materials
Debashis Ray	Ph.D.	
Joykrishna Dey	Ph.D.	Organized assemblies; Macromolecules; Drug Delivery Systems; Molecular Gels; Biomacromolecule-Ligand Interactions
Kumar Biradha	Ph.D.	Structural Chemistry; Polymer synthesis; Functional materials; Organized assemblies; Energy materials
Manish Bhattacharjee	Ph.D.	
Narayan Dhuleep Pradeep Singh	Ph.D.	Design and Development of FPRPG.; Development of One and Two-Photon PRPG.; Organic Nanocarrier for Image Guided DDS; PRPG for release of Gasotransmitters.; Photocatalysis for Organic Synthesis
Nilmoni Sarkar	Ph.D.	FCS, FLIM, FRET, Ultrafast Spectroscopy; Graphene oxide -Protein interaction
Pratim Kumar Chattaraj	Ph.D.	
Samik Nanda	Ph.D.	Asymmetric Synthesis; Total Synthesis of Natural Products; Biocatalysis in Organic synthesis;
Sanjoy Bandyopadhyay	Ph.D.	
Srabani Taraphder	Ph.D.	
Suneel Kumar Srivastava	Ph.D.	
Swagata Dasgupta	Ph.D.	Protein-protein/nucleic acid interaction; Protein protein interactions; Protein aggregation Studies; Protein Chemistry
Tanmaya Pathak	Ph.D.	
Assistant Professors		
Ahindra Nag	Ph.D.	
Amita (Pathak) Mahanty	Ph.D.	
Anoop Ayyappan	Ph.D.	Computational chemistry; Software Development; Modelling Reaction Mechanism; Chemical Evolution; Nanocluster modelling
Dibakar Dhara	Ph.D.	Physical Chemistry of Macromolecules; Synthetic Polymer Chemistry; Polymers for Biomedical Applications; Stimuli Responsive Polymers; Colloids and Nanomaterials
Ganesan Mani	Ph.D.	Organometallic, Main Group and Catalysis
Mintu Halder	Ph.D.	Experimental Physical Chemistry; Biophysics; Spectroscopy; Single Molecule Spectroscopy; Spectroscopy of Materials
Rajakumar Ananthakrishnan	Ph.D.	Photocatalytic Organic Transformations; Analytical Methods for pollutant/radical; Nano Coordination Polymer photocatalysts; Materials for Photocatalysis/Gas Sensing
Sabyashachi Mishra	Ph.D.	Enzyme Catalysis with Hybrid QM/MM; Molecular Spectroscopy; Molecular Magnetism
Sanjib Kumar Patra	Ph.D.	Synthetic inorganic chemistry; Macromolecules; Photovoltaics; Polymer synthesis; Organometallic chemistry



Assistant Professors

Debabrata Mukherjee	Ph.D.	Synthetic inorganic chemistry; Organometallic, Main Group and Catalysis
Ganesh Venkataraman	Ph.D.	Synthetic Organic Chemistry; Asymmetric Synthesis; Transition Metal Catalysis; Total Synthesis of Natural Products; Photoredox Catalysis
Madhab Chandra Das	Ph.D. (IIT Bombay)	Porous Metal Organic Frameworks (MOFs); Porous Covalent Organic Framework (COFs); Crystal Engineering; Proton Conducting Materials; Functional Porous Materials
Modhu Sudan Maji	Ph.D.	
Partha Pratim Jana	Ph.D.	Structural Chemistry; Energy materials; Computational chemistry
Pradip Kumar Chakraborty	Ph.D.	Structural Chemistry; Electronic & magnetic materials; Functional materials; Nano materials
Rajarshi Samanta	Ph.D.	Synthetic Organic Chemistry; Transition Metal Catalysis; Asymmetric Synthesis
Santanu Panda	Ph.D.	
Sukanta Mandal	Ph.D. (IIT Kanpur)	Synthetic inorganic chemistry
Suman Kalyan Samanta	Ph.D.	Functional materials; Organized assemblies; Macromolecules; Conductive polymers; Energy materials

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Ganesh Venkataraman	Ph.D.	Synthetic Organic Chemistry; Asymmetric Synthesis; Transition Metal Catalysis; Total Synthesis of Natural Products; Photoredox Catalysis
Pradip Kumar Chakraborty	Ph.D.	Structural Chemistry; Electronic & magnetic materials; Functional materials; Nano materials
Rajarshi Samanta	Ph.D.	Synthetic Organic Chemistry; Transition Metal Catalysis; Asymmetric Synthesis
Santanu Panda	Ph.D.	
Suman Kalyan Samanta	Ph.D.	Functional materials; Organized assemblies; Macromolecules; Conductive polymers; Energy materials

Brief Description of on-going activities

The faculty members of the department are involved in all the frontier areas of research. Large number of publications in high impact factor journals shows the quality of ongoing research carried out in the department. A large number of research projects are operational in the department.

Research Areas

Analytical Methods for pollutant/radical; Asymmetric Synthesis; Biocatalysis in Organic synthesis; Biomacromolecule-Ligand Interactions; Biophysics; Biosensors; Chemical Evolution; Colloids and Nanomaterials; Computational chemistry; Conductive polymers; Crystal Engineering; Design and Development of FPRPG.; Development of One and Two-Photon PRPG.; Drug Delivery Systems; Electrocatalysis; Electronic & magnetic materials; Energy conversion and storage; Energy materials; Enzyme Catalysis with Hybrid QM/MM; Experimental Physical Chemistry; FCS, FLIM, FRET, Ultrafast Spectroscopy; Functional materials; Functional Porous Materials; Graphene oxide -Protein interaction; Macromolecules; Materials for Photocatalysis/Gas Sensing; Modelling Reaction Mechanism; Molecular Gels; Molecular Magnetism; Molecular Spectroscopy; Nanocluster modelling; Nano Coordination Polymer photocatalysts; Nano materials; Organic Nanocarrier for Image Guided DDS; Organized assemblies; Organometallic chemistry; Organometallic, Main Group and Catalysis; Photocatalysis for Organic Synthesis.; Photocatalytic Organic Transformations; Photoredox Catalysis; Physical Chemistry of Macromolecules; Polymers for Biomedical Applications; Polymer synthesis; Porous Covalent Organic Framework (COFs); Porous Metal



Organic Frameworks (MOFs); Protein aggregation Studies; Protein Chemistry; Protein protein interactions; Protein - small molecule interactions; Proton Conducting Materials; PRPG for release of Gasotransmitters.; Single Molecule Spectroscopy; Software Development; Spectroscopy; Spectroscopy of Materials; Stimuli Responsive Polymers; Structural Chemistry; Synthetic inorganic chemistry; Synthetic Organic Chemistry; Synthetic Polymer Chemistry; Total Synthesis of Natural Products; Transition Metal Catalysis;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	23
Doctoral Degrees Awarded	27
Fellow - Professional Bodies	05
Member - Professional Bodies	14
Member - Editorial Board	09
Awards & Honours	10
Fellowships	08
Sponsored Research Projects	51
Consultancy Projects	01
Visits Abroad by Faculty Members	07
Invited Lectures by Faculty Members	51
Seminars, Conferences and Workshops Organized	07
Papers Published in Journals	153
Papers Presented in Conferences	09



Civil Engineering

Head of the Department : Nirjhar Dhang

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Aniruddha Sengupta	Ph.D.	Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Unsaturated Soilmechanics; Soil-Structure Interaction
Anjali Pal	Ph.D.	
Arghya Deb	Ph.D.	Discrete Elements; Size effect in concrete; Micromechanics of Concrete
Ashok Kumar Gupta	Ph.D.	Water and wastewater treatment; Industrial Effluent Treatment and Reuse; Environmental Impact Assessment; Air Quality Management; Environmental Monitoring and Planning
Baidurya Bhattacharya	Ph.D.	Structural Safety; Computational material science; Probabilistic Safety Assessment; Molecular simulation; Reliability Engineering
Bhargab Maitra	Ph.D.	
Damodar Maity	Ph.D.	Structural Health Monitoring; Vibration Control of Highrise Structures; Cost Effective Housing; Seismic Safety of Dams
Debasis Roy	Ph.D.	Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization; Sustainable ground engineering; Numerical Modelling of Geotechnical Systems
Dhrubajyoti Sen	Ph.D.	River hydraulics and engineering; Urban flood monitoring and management; Hydraulic structures: design /operation
Dilip Kumar Baidya	Ph.D.	Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Machine Foundations; Pile Foundations; Reliability in Geotechnical Engineering; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization
Kusam Sudhakar Reddy	Ph.D.	Pavement Materials; Pavement Analysis; Pavement Evaluation
Lingadahally S Ramachandra	Ph.D.	Stability of Structures; Brittle Material Failure under Impact; Nonlinear Dynamics
Makarand Madhao Ghangrekar	Ph.D.	Water & Wastewater Treatment / Recycling; Anaerobic Wastewater treatment; Bioelectrochemical processes, MFC, MDC,; Waste to Energy
M Amarnatha Reddy	Ph.D.	
Nirjhar Dhang	Ph.D.	Structural Health Monitoring and Control; Micromechanics of Concrete; Dynamics of bridges; Biomechanics
Sriman Kumar Bhattacharyya	Ph.D. (IIT Kharagpur)	
Subhasish Dey	Ph.D.	Turbulence and Fluvial Hydraulics; Analytical & Computational Hydrodynamics
Sudhir Kumar Barai	Ph.D.	Structural Health Monitoring; Sustainable Structures; Big Data Analytics; Machine Learning
Sujit Kumar Dash	Ph.D.	
Venkappayya R Desai	Ph.D.	



Associate Professors

Amit Shaw

Anirban Dhar Ph.D. Groundwater Hydrology; Analytical & Computational Hydrodynamics; Computational Fluid Dynamics; Flow Through Porous Media

Biswanath Banerjee Ph.D.

Brajesh Kumar Dubey Ph.D., University of Florida Environmental Engineering; Integrated Waste Management; Life Cycle Analysis & Sustainable Engg; Environmental Risk Assessment; MSW Management for Smart Cities

Kousik Deb Ph.D. Soil-Structure Interaction; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization; Numerical Modeling; Foundation on Soft Soil; Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering

Nilanjan Mitra Ph.D.

Prashanth Reddy Ph.D. Turbulence and Fluvial Hydraulics; Mechanics of Sediment Transport; Unsteady Flows in Pipelines; Open Channel Flow Hydraulics

Rajib Maity Ph.D. Hydroclimatology and Water Resources Eng; Remote Sensing Applications; Climate Change Impacts on Water Resource; Time Series Analysis and Forecasting; ML and AI in Hydrology

Shubha Verma Ph.D.

Sudeshna Mitra Ph.D.

Sudha Goel Ph.D. Environmental Engineering; Water Quality and treatment; Solid and Hazardous Waste Management; Environmental Risk Assessment; Environmental Impact Assessment

Sushanta Chakraborty Ph.D. Development of Nobel Numerical Analysis Tools

Assistant Professors

Debarghya Chakraborty Ph.D., IISc Bangalore Numerical Modelling of Geotechnical Systems; Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization; Reliability in Geotechnical Engineering

Kranthi Kumar Kuna Ph.D.

Mohammad Saud Afzal Ph.D.

Paramita Bhattacharya Ph.D., IISc Bangalore Numerical Modelling of Geotechnical Systems; Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization

Puneet Kumar Patra Ph.D. Nonlinear Dynamics; Computational material science; Computational nanostructures; Molecular simulation

Shaikh Jahangir Hossain Ph.D.

Promotion

Biswanath Banerjee Associate Professor

Prashanth Reddy Ph.D. Turbulence and Fluvial Hydraulics; Mechanics of Sediment Transport; Unsteady Flows in Pipelines; Open Channel Flow Hydraulics



Research Areas

Air Quality Management; Anaerobic Wastewater treatment; Analytical & Computational Hydrodynamics; Big Data Analytics; Bioelectrochemical processes, MFC, MDC,; Biomechanics; Brittle Material Failure under Impact; Climate Change Impacts on Water Resource; Computational Fluid Dynamics; Computational material science; Computational nanostructures; Cost Effective Housing; Development of Nobel Numerical Analysis Tools; Discrete Elements; Dynamics of bridges; Environmental Engineering; Environmental Impact Assessment; Environmental Monitoring and Planning; Environmental Risk Assessment; Flow Through Porous Media; Foundation on Soft Soil; Ground Improvement & Soil/Rock Stabilization; Groundwater Hydrology; Hydraulic structures: design /operation; Hydroclimatology and Water Resources Eng; Industrial Effluent Treatment and Reuse; Integrated Waste Management; Life Cycle Analysis & Sustainable Engg; Machine Foundations; Machine Learning; Mechanics of Sediment Transport; Micromechanics of Concrete; ML and AI in Hydrology; Molecular simulation; MSW Management for Smart Cities; Nonlinear Dynamics; Numerical Modeling; Numerical Modelling of Geotechnical Systems; Open Channel Flow Hydraulics; Pavement Analysis; Pavement Evaluation; Pavement Materials; Pile Foundations; Reliability in Geotechnical Engineering; Remote Sensing Applications; River hydraulics and engineering; Seismic Safety of Dams; Size effect in concrete; Soil Dynamics, Geotechnical Earthquake Engineering; Soil-Structure Interaction; Solid and Hazardous Waste Management; Stability of Structures; Structural Health Monitoring; Structural Health Monitoring and Control; Sustainable ground engineering; Sustainable Structures; Time Series Analysis and Forecasting; Turbulence and Fluvial Hydraulics; Unsaturated Soilmechanics; Unsteady Flows in Pipelines; Urban flood monitoring and management; Vibration Control of Highrise Structures; Waste to Energy; Water and wastewater treatment; Water Quality and treatment; Water & Wastewater Treatment / Recycling;

Academic Performance

Visits Abroad by Faculty Members	14
Invited Lectures by Faculty Members	21
Seminars, Conferences and Workshops Organized	04
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	05
Papers Published in Journals	116
Papers Presented in Conferences	74



Computer Science and Engineering

Head of the Department : Sudeshna Sarkar

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Abhijit Das	Ph.D. IISc Bangalore	
Anupam Basu	Ph.D.	
Arobinda Gupta	Ph.D.	Systems and Networking
Chittaranjan Mandal	Ph.D.	
Debdeep Mukhopadhyay	Ph.D.	
Dipanwita Roy Chowdhury	Ph.D.	
Indranil Sengupta	Ph.D.	CAD for VLSI & Embedded Systems; Information Security; Nanoelectronics and Devices
Jayanta Mukhopadhyay	Ph.D.	Image and Video Processing; Bioinformatics; Medical Informatics; Biomedical instrumentation; Robotics
Krothapalli Sreenivasa Rao	Ph.D.	Signal Processing; Speech Processing; Audio, Music and Multimedia; Machine Learning and Pattern Recognition; Big Data Analytics
Niloy Ganguly	Ph.D.	
Pabitra Mitra	Ph.D.	
Pallab Dasgupta	Ph.D.	Formal Methods; CAD for VLSI & Embedded Systems; Artificial Intelligence;
Partha Bhowmick	Ph.D.	Algorithms; Theoretical Computer Science; Computer Graphics; Image and Video Processing; Computer Vision
Partha Pratim Chakrabarti	Ph.D.	
Partha Pratim Das	Ph.D.	Computer Vision; Machine Learning; Software Engg; Digital Heritage; Technology Enabled Learning
Rajeev Kumar	Ph.D.	
Rajib Mall	Ph.D.	Program analysis; Program testing
Shamik Sural	Ph.D.	Data Science; Data and Application Security
Soumya Kanti Ghosh	Ph.D.	Spatial Informatics; Machine Learning; Spatial Web services; Spatio-Temporal Data Analysis; Cloud Computing
Sudebkumar Prasant Pal	Ph.D.	Design and analysis of algorithms; Computational geometry; Combinatorics and Graph Theory
Sudeshna Sarkar	Ph.D.	Artificial Intelligence; Information Retrieval; Machine Learning; Natural Language Processing
Sudip Misra	Ph.D.	
Sujoy Ghose	Ph.D.	
Associate Professors	Ph.D.	
Animesh Mukherjee	Ph.D.	Artificial Intelligence; Big Data Analytics; Natural Language Processing; Information Retrieval; Machine Learning
Debasis Samanta	Ph.D.	
Rajat Subhra Chakraborty	Ph.D.	Hardware Security; VLSI and Embedded Systems; Digital Content Protection; Digital Image Forensics



Assistant Professors

Abir Das	Ph.D.	Computer Vision; Artificial Intelligence; Machine Learning; Image and Video Processing; Pattern Recognition
Aritra Hazra	Ph.D.	Formal Methods; CAD for VLSI & Embedded Systems; VLSI and Embedded Systems; Embedded Systems; Design Verification
Bivas Mitra	Ph.D.	Network science, Multilayer networks; Social networks, Data science; Anomaly detection; Mobile affective computing; Socio-mobile applications, Social-IoT
Palash Dey	Ph.D.	Algorithms; Theoretical Computer Science
Pawan Goyal	Ph.D.	Natural Language Processing; Information Retrieval; Data and Web Mining; Complex and Social Networks
Pralay Mitra	Ph.D. (IISc, Bangalore)	Computational Biology; Bioinformatics; Molecular simulation; Computational Data Science
Rogers Mathew	Ph.D.	
Sandip Chakraborty	Ph.D. (IIT Guwahati)	Computer Networks; Assistive Systems; Systems and Networking
Saptarshi Ghosh	Ph.D.	Information Retrieval; Data Mining; Natural Language Processing; Machine Learning; Complex and Social Networks
Somindu Chaya Ramanna	Ph.D.	Cryptography; Theoretical Computer Science; Algorithms
Soumyajit Dey	Ph.D.	Formal Methods; CAD for VLSI & Embedded Systems; Embedded Systems
Sourangshu Bhattacharya	Ph.D.	Artificial Intelligence; Machine Learning; Information Retrieval; Big Data Analytics; Spatial Informatics
Swagato Sanyal	Ph.D.	Algorithms; Theoretical Computer Science

New Faculty Appointment

Bhargab Bikram Bhattacharya	Professor	
Palash Dey	Assistant Professor	Algorithms; Theoretical Computer Science
Saurabh Bagchi	Assistant Professor	
Swagato Sanyal	Assistant Professor	Algorithms; Theoretical Computer Science

Visiting Faculty

Bhargab Bikram Bhattacharya	Professor	
-----------------------------	-----------	--

Promotion

Somindu Chaya Ramanna	Assistant Professor	Somindu Chaya Ramanna
-----------------------	---------------------	-----------------------

Retirement

Dipankar Dasgupta	Professor	
-------------------	-----------	--



Research Areas

Algorithms; Anomaly detection; Artificial Intelligence; Assistive Systems; Audio, Music and Multimedia; Big Data Analytics; Bioinformatics; Biomedical instrumentation; CAD for VLSI & Embedded Systems; Cloud Computing; Combinatorics and Graph Theory; Complex and Social Networks; Computational Biology; Computational Data Science; Computational geometry; Computer Graphics; Computer Networks; Computer Vision; Cryptography; Data and Application Security; Data and Web Mining; Data Mining; Data Science; Design and analysis of algorithms; Design Verification; Digital Content Protection; Digital Heritage; Digital Image Forensics; Embedded Systems; Formal Methods; Hardware Security; Image and Video Processing; Information Retrieval; Information Security; Machine Learning; Machine Learning and Pattern Recognition; Medical Informatics; Mobile affective computing; Molecular simulation; Nanoelectronics and Devices; Natural Language Processing; Network science, Multilayer networks; Pattern Recognition; Program analysis; Program testing; Robotics; Signal Processing; Social networks, Data science; Socio-mobile applications, Social-IoT; Software Engineering; Spatial Informatics; Spatial Webservices; Spatio-Temporal Data Analysis; Speech Processing; Systems and Networking; Technology Enabled Learning; Theoretical Computer Science; VLSI and Embedded Systems;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	46
Lectures by Visiting Experts	10
Doctoral Degrees Awarded	10
MS Degrees Awarded	11
Member - Professional Bodies	24
Member - Editorial Board	13
Awards & Honours	12
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	136
Consultancy Projects	19
Visits Abroad by Faculty Members	38
Invited Lectures by Faculty Members	59
Seminars, Conferences and Workshops Organized	16
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	04
Papers Published in Journals	73
Papers Presented in Conferences	115



Electrical Engineering

Head of the Department : Pranab Kumar Dutta

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Alok Barua	Ph.D.	
Amit Patra	Ph.D.	Control of Power Converter Circuits; Rechargeable batteries; VLSI and Embedded Systems; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling & Diagnostics of Biomedical Systems
Ashok Kumar Pradhan	Ph.D.	Power System Protection; Wide Area Measurement Application; Synchrophasor Technology; Smart Grid Technology; Machine Learning Techn for Power Systems
Aurobinda Routray	Ph.D.	
Chandan Chakraborty	Ph.D.	Brushless and Magnetless Machines; Multilevel Converters; AC and DC Microgrid; Solar PV Systems
Debaprasad Kastha	Ph.D.	Wind Power Generation; Switched Mode Power Converters; Power Converters for DC micro grid; Machine Drives
Debapriya Das	Ph.D.	
Murali Mohan Bosukonda	Ph.D.	
N K Kishore	Ph.D.	Electrical Overstress Studies; Healthcare application of Electrostatics; Industrial Application of High Voltages; Engineering Education; Electric Power and Energy Systems
Pranab Kumar Dutta	Ph.D.	Optical Imaging and image processing; Biomedical Image Processing; Machine Learning and Pattern Recognition
Sarit Kumar Das	Ph.D.	Embedded Systems; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Soft Computing and Control
Siddhartha Mukhopadhyay	Ph.D.	Embedded Systems; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Soft Computing and Control; Electric Vehicles: Powertrain & Battery Management
Siddhartha Sen	Ph.D.	Fractional order Circuits and Systems; MEMS Capacitive Accelerometers; Sensor Development; Robust Control; Control Allocation
Tapas Kumar Bhattacharyya	Ph.D.	
Associate Professors		
Alok Kanti Deb	Ph.D.	Control Systems; Computational Intelligence; Fault Diagnosis and Prognosis
Anirban Mukherjee	Ph.D.	
Gautam Poddar	Ph.D.	
Karabi Biswas	Ph.D.	Study of Fractional Order system; Sensor Design; Instrumentation System Design
Prabodh Bajpai	Ph.D.	Hybrid AC-DC microgrids; Smart Grid and Renewable Integration; Solar Photovoltaics; Power System Analysis, Dynamics & Control; Electricity markets
Santanu Kapat	Ph.D.	
	IIT Kharagpur	



Assistant Professors

Arun Ghosh	Ph.D. IIT Kharagpur	Control of MIMO systems; Periodic control; Robust control; Control applications
Ashis Ranjan Hota	Ph.D.	Game Theory; Network Security; Smart Grid and Renewable Integration; Cyber-Physical and Human Systems; Data-Driven Control and Optimization
Ashis Maity	Ph.D.	Power Management IC; Energy Harvesting for Powering Microsys; Analog Electronics
Avishek Chatterjee	Ph.D.	
Debdoot Sheet	Ph.D.	Machine Learning; Computer Vision; Image and Video Processing; Biomedical Systems; Medical Informatics
Dheeman Chatterjee	Ph.D.	
Dipankar Debnath	Ph.D.	Motor design for EV application; Motor controller & battery charger for EV; Power electronics converter topologies; Converter design for solar PV
Nirmalya Ghosh	Ph.D.	Image and Video Processing; Medical Informatics; Machine Learning; Computer Vision; Pattern Recognition
Rajiv Ranjan Sahay	Ph.D.	
Sanand Dilip Amita Athalye	Ph.D.	Networked Control; Cyber physical systems; Applied Linear Algebra; Control and Optimization; Algebraic Riccati equations
Saurav Pramanik	Ph.D.	FRA Diagnostics of Power Transformer
Sourav Patra	Ph.D.	
Souvik Chattopadhyay	Ph.D.	
Suman Maiti	Ph.D.	High Performance Industrial Drives; High Voltage AC/DC systems and FACTS
Tanmoy Bhattacharya	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Ashis Ranjan Hota	Assistant Professor	Game Theory; Network Security; Smart Grid and Renewable Integration; Cyber-Physical and Human Systems; Data-Driven Control and Optimization
Sanand Dilip Amita Athalye	Assistant Professor	Networked Control; Cyber physical systems; Applied Linear Algebra; Control and Optimization; Algebraic Riccati equations

Visiting Faculty

Tangali S Sudarshan	Professor
---------------------	-----------

Promotion

Name	Designation	Research Areas
Ashis Maity	Assistant Professor	Power Management IC; Energy Harvesting for Powering Microsys; Analog Electronics
Ashok Kumar Pradhan	Professor	Power System Protection; Wide Area Measurement Application; Synchrophasor Technology; Smart Grid Technology; Machine Learning Techn for Power Systems
Aurobinda Routray	Professor	
Dipankar Debnath	Assistant Professor	Motor design for EV application; Motor controller & battery charger for EV; Power electronics converter topologies; Converter design for solar PV
Nirmalya Ghosh	Assistant Professor	Image and Video Processing; Medical Informatics; Machine Learning; Computer Vision; Pattern Recognition

Retirement

Alok Barua	Professor
------------	-----------



Re Appointment

Sarit Kumar Das

Professor

Brief Description of on-going activities

The Department has two very major activities- one in Hybrid Electrical Vehicle and another in Management and grid connectivity of solar PV units. Both these activities multiple departments of various Institutes in India and Abroad with multi-crore sponsored funding. Apart from this, there is a strong activity in Signal Processing and Machine Learning funded from some of the leading industries.

Research Areas

AC and DC Microgrid; Algebraic Riccati equations; Analog Electronics; Applied Linear Algebra; Biomedical Image Processing; Biomedical Systems; Brushless and Magnetless Machines; Computer Vision; Control Allocation; Control and Optimization; Control applications; Control of MIMO systems; Control of Power Converter Circuits; Converter design for solar PV; Cyber- Physical and Human Systems; Cyber physical systems; Data-Driven Control and Optimization; Electrical Overstress Studies; Electricity markets; Electric Power and Energy Systems; Electric Vehicles: Powertrain & Battery Management; Embedded Systems; Energy Harvesting for Powering Microsys; Engineering Education; Fractional order Circuits and Systems; FRA Diagnostics of Power Transformer; Game Theory; Healthcare application of Electrostatics; High Performance Industrial Drives; High Voltage AC/DC systems and FACTS; Hybrid AC-DC microgrids; Image and Video Processing; Industrial Application of High Voltages; Instrumentation System Design; Machine Drives; Machine Learning; Machine Learning and Pattern Recognition; Machine Learning Techn for Power Systems; Medical Informatics; MEMS Capacitive Accelerometers; Modelling & Diagnostics of Biomedical Systems; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Motor controller & battery charger for EV; Motor design for EV application; Multilevel Converters; Networked Control; Network Security; Optical Imaging and image processing; Pattern Recognition; Periodic control; Power Converters for DC micro grid; Power electronics converter topologies; Power Management IC; Power System Analysis, Dynamics & Control; Power System Protection; Rechargeable batteries; Robust control; Robust Control; Sensor Design; Sensor Development; Smart Grid and Renewable Integration; Smart Grid Technology; Soft Computing and Control; Solar Photovoltaics; Solar PV Systems; Study of Fractional Order system; Switched Mode Power Converters; Synchrophasor Technology; VLSI and Embedded Systems; Wide Area Measurement Application; Wind Power Generation;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	38
Doctoral Degrees Awarded	17
MS Degrees Awarded	01
Fellow - Professional Bodies	02
Member - Professional Bodies	16
Member - Editorial Board	09
Awards & Honours	02
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	55
Consultancy Projects	08
Visits Abroad by Faculty Members	20
Invited Lectures by Faculty Members	34
Seminars, Conferences and Workshops Organized	03
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	03
Papers Published in Journals	70
Papers Presented in Conferences	54



Electronics and Electrical Communication Engineering

Head of the Department : Prabir Kumar Biswas

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Ajoy Kumar Ray	Ph.D.	
Amitabha Bhattacharya	Ph.D.	Microwave Imaging; Microwave Stealth; Ground Penetrating Radar; Microwave Propagation; High Power Microwaves
Anindya Sundar Dhar	Ph.D.	
Bratin Ghosh	Ph.D.	Electromagnetics; Antenna and Arrays; RF and Microwave Circuits
Dhrubes Biswas	Ph.D.	
Goutam Saha	Ph.D.	Biomedical Signal Processing; Speech Processing
Indrajit Chakrabarti	Ph.D.	
Mrityunjay Chakraborty	Ph.D.	Digital Signal Processing; Adaptive Signal Processing; VLSI Signal Processing; Compressed Sensing; Applied Linear Algebra
Prabir Kumar Biswas	Ph.D.	Image and Video Processing; Multimedia; Sensor Networks; Structural Health Monitoring; Machine Learning and Pattern Recognition
Pradip Mandal	Ph.D.	
Raja Datta	Ph.D.	Sensor Networks; Optical Communication and Networks; Telecommunication Systems and Networks; Network Security; Algorithms
Ratnam Varada Raja Kumar	Ph.D.	
Santanu Chattopadhyay	Ph.D.	VLSI and Embedded Systems; Network-on-Chip Design and Test; Low Power Digital Design and Testing; Thermal Aware Testing; Logic Encryption
Sant Sharan Pathak	Ph.D.	
Sudipta Mukhopadhyay	Ph.D.	Medical Image Processing; Video Postprocessing; Biometric Authentication; Biomedical Signal Processing; Machine Learning
Tarun Kanti Bhattacharyya	Ph.D.	BioMEMS; Electro-chemical, Electro-mechanical & MEMS Sensor; MEMS and Microsystems; Circuits, Devices and Sensors; Nanofabrication

Associate Professors

Akhilesh Mohan	Ph.D.	RF and Microwave Circuits; Antenna and Arrays
Arijit De	Ph.D.	
Bibhudatta Sahoo	Ph.D.	Nanoelectronics and Devices; RF and Microwave Circuits; Semiconductor Devices and Circuits; Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design; Machine Learning
Mrinal Kanti Mandal	Ph.D.	Microwave and Millimeter-Wave Circuits; Antenna and Arrays; Six-port receiver; Radar systems
Prasanta Kumar Guha	Ph.D.	Sensor on CMOS MEMS platform; thermal accelerometer; Water contaminant sensor; super capacitor based energy device; Metal oxide/2D layered mat. gas sensor
Rajarshi Roy	Ph.D.	Queuing theory and Computational Science; 5G Communications; Telecommunication Systems and



Networks; Sensor Networks; Wireless and Optical Networking

Rajat Roy Ph.D.

Ritwik Kumar Layek Ph.D., Texas A&M University Systems Biology

Shailendra Kumar Varshney Ph.D. Microphotronics; Fiber Optics and Photonics; Nonlinear Photonics; Quantum photonics; Optical wireless communication

Sudipta Mahapatra Ph.D. Parallel and Distributed Computing; Wireless and Optical Networking; Video Coding/QoE Aware Video Streaming; Intelligent Internet of Things (IoT)

Assistant Professors

Aniket Singha Ph.D. Micro/nano-scale transport processes; Quantum Transport modeling; Topological insulators and materials; Thermoelectric energy harvesting; Spin based devices

Basudev Lahiri Ph.D. Nanofabrication; Microphotronics; Catalysis & Spectroscopy using Metal Nanoparticles; Nano materials

Chetna Singhal Ph.D. Wireless Networks; Wireless Communications; Multimedia systems; Multimedia Communication; UAV networks

Debashis Sen Ph.D. Jadavpur University Image and Video Processing; Vision; Uncertainty Handling; Bio-Inspired Computing; Eye Movement Analysis

Gourab Dutta Ph.D. Semiconductor Devices and Circuits; Nanoelectronics and Devices; Modeling of Semiconductor Devices

Kapil Debnath Ph.D. Photonic Crystals; Fiber Optics and Photonics; Nanoscale optoelectronics; Nanofabrication; Solar Photovoltaics

Sarang Pendharker Ph.D. Reconfigurable microwave circuits; Photonics: metamaterials and topology; Electromagnetic waves in complex media; Optical microscopy techniques

Sharba Bandyopadhyay Ph.D., Johns Hopkins University, Baltimore, USA Neuroscience; Computational Neuroscience; Physiological & Cognitive Data Analysis

Sudip Nag Ph.D. Neuroscience; Bioelectronic Systems

Vivek Dixit Ph.D., National University of Singapore

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Aniket Singha	Ph.D.	Micro/nano-scale transport processes; Quantum Transport modeling; Topological insulators and materials; Thermoelectric energy harvesting; Spin based devices
Sarang Pendharker	Ph.D.	Reconfigurable microwave circuits; Photonics: metamaterials and topology; Electromagnetic waves in complex media; Optical microscopy techniques

Promotion

Name	Designation	Research Areas
Basudev Lahiri	Assistant Professor	Nanofabrication; Microphotronics; Catalysis &



		Spectroscopy using Metal Nanoparticles; Nano materials
Bibhudatta Sahoo	Associate Professor	Nanoelectronics and Devices; RF and Microwave Circuits; Semiconductor Devices and Circuits; Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design; Machine Learning
Chetna Singhal	Assistant Professor	Wireless Networks; Wireless Communications; Multimedia systems; Multimedia Communication; UAV networks
Kapil Debnath	Assistant Professor	Photonic Crystals; Fiber Optics and Photonics; Nanoscale optoelectronics; Nanofabrication; Solar Photovoltaics
Mrinal Kanti Mandal	Associate Professor	Microwave and Millimeter-Wave Circuits; Antenna and Arrays; Six-port receiver; Radar systems
Sudip Nag	Assistant Professor	Neuroscience; Bioelectronic Systems

Retirement

Ajoy Kumar Ray	Professor
----------------	-----------

Research Areas

5G Communications; Adaptive Signal Processing; Algorithms; Antenna and Arrays; Applied Linear Algebra; Bioelectronic Systems; Bio-Inspired Computing; Biomedical Signal Processing; BioMEMS; Biometric Authentication; Catalysis & Spectroscopy using Metal Nanoparticles; Circuits, Devices and Sensors; Compressed Sensing; Computational Neuroscience; Digital Signal Processing; Electro-chemical, Electro-mechanical & MEMS Sensor; Electromagnetics; Electromagnetic waves in complex media; Eye Movement Analysis; Fiber Optics and Photonics; Ground Penetrating Radar; High Power Microwaves; Image and Video Processing; Intelligent Internet of Things (IoT); Logic Encryption; Low Power Digital Design and Testing; Machine Learning; Machine Learning and Pattern Recognition; Medical Image Processing; MEMS and Microsystems; Metal oxide/2Dlayered mat. gas sensor; Micro/nano-scale transport processes; Microphotonics; Microwave and Millimeter-Wave Circuits; Microwave Imaging; Microwave Propagation; Microwave Stealth; Modeling of Semiconductor Devices; Multimedia; Multimedia Communication; Multimedia systems; Nanoelectronics and Devices; Nanofabrication; Nano materials; Nanoscale optoelectronics; Network-on-Chip Design and Test; Network Security; Neuroscience; Nonlinear Photonics; Optical Communication and Networks; Optical microscopy techniques; Optical wireless communication; Parallel and Distributed Computing; Photonic Crystals; Photonics: metamaterials and topology; Physiological & Cognitive Data Analysis; Quantum photonics; Quantum Transport modeling; Queuing theory and Computational Science; Radar Systems; Reconfigurable microwave circuits; RF and Microwave Circuits; Semiconductor Devices and Circuits; Sensor Networks; Sensor on CMOS MEMS platform; Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design; Six-port receiver; Solar Photovoltaics; Speech Processing; Spin based devices; Structural Health Monitoring; super capacitor based energy device; Systems Biology; Telecommunication Systems and Networks; thermal accelerometer; Thermal Aware Testing; Thermoelectric energy harvesting; Topological insulators and materials; UAV networks; Uncertainty Handling; Video Coding/QoE Aware Video Streaming; Video Postprocessing; Vision; VLSI and Embedded Systems; VLSI Signal Processing; Water contaminant sensor; Wireless and Optical Networking; Wireless Communications; Wireless Networks;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	31
Lectures by Visiting Experts	04
Doctoral Degrees Awarded	17
MS Degrees Awarded	04
Fellow - Professional Bodies	03
Member - Professional Bodies	24
Member - Editorial Board	14
Awards & Honours	06
Fellowships	04



Sponsored Research Projects	90
Consultancy Projects	04
Technology Transferred	01
Visits Abroad by Faculty Members	13
Invited Lectures by Faculty Members	32
Seminars, Conferences and Workshops Organized	05
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	06
Papers Published in Journals	91
Papers Presented in Conferences	62



Geology and Geophysics

Head of the Department : Saibal Gupta

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Abhijit Bhattacharya	Ph.D.	
Anil Kumar Gupta	Ph.D.	
Anindya Sarkar	Ph.D.	
Arindam Basu	Ph.D. University of Hong Kong	Engineering Geology; Rock Mechanics
Biswajit Mishra	Ph.D.	
Debashish Sengupta	Ph.D.	
Manish A Mamtani	Ph.D.	Structural Geology; Microtectonics
Mruganka Kumar Panigrahi	Ph.D.	Crustal Fluids; Ore Deposits; Geochemistry; Modeling and Simulation
Paresh Nath Singha Roy		Application of fractals in earth science; Geophysical signal processing; Pattern recognition in earth sciences; Crustal deformation monitoring with GPS; Earthquake forecasting
Ravikant Vadlamani	Ph.D.	
Saibal Gupta	Ph.D.	
Sankar Kumar Nath	Ph.D.	Computational Seismology; Engineering Seismology; Seismic Prospecting; Seismic Microzonation & Risk; Landslide Susceptibility Slope Stability
Santanu Kumar Bhowmik	Ph.D.	
Shashi Prakash Sharma	Ph.D.	Electrical & Electromagnetic Geophysics; Geophysical optimizations; Numerical Modeling; Mineral and Groundwater Exploration
Subhasish Das	Ph.D.	
Subhasish Tripathy	Ph.D.	
William Kumar Mohanty	Ph.D.	

Associate Professors

Abhijit Mukherjee	Ph.D.	
Arun Singh	Ph.D.	
Chandrani Singh	Ph.D.	Seismic attenuation tomography; Seismic Hazard; Seismic wave propagation
Dewashish Upadhyay	Ph.D.	Geochemistry; Isotope Geology; Geochronology; Petrology; Cosmochemistry
Kamal Lochan Pruseth	Ph.D.	
Sanghamitra Ray	Ph.D.	Vertebrate Palaeontology; Palaeobiology; Bone Histology; Gondwana Stratigraphy

Assistant Professors

Melinda Kumar Bera	Ph.D.	Sedimentology; Sequence Stratigraphy; Stable Isotope Geochemistry; Cenozoic Himalaya; Bengal Basin
Probal Sengupta	Ph.D.	
Sabyasachi Maiti	Ph.D.	Remote sensing and GIS; Geomorphology; Exploration
Shubhabrata Paul	Ph.D.	Palaeobiology; Invertebrate Paleontology
Sudha Agrahari	Ph.D.	
Sujoy Kanti Ghosh	Ph.D.	



New Faculty Appointment

Name	Highest Degree	Research Areas
Paresh Nath Singha Roy	Professor	Application of fractals in earth science; Geophysical signal processing; Pattern recognition in earth sciences; Crustal deformation monitoring with GPS; Earthquake forecasting
Shubhabrata Paul	Assistant Professor	Palaeobiology; Invertebrate Paleontology

Visiting Faculty

Sourendra Kumar Bhattacharya	Professor
---------------------------------	-----------

Brief Description of on-going activities

The Department of Geology and Geophysics of IIT Kharagpur offers two five-year integrated M.Sc. programs in Applied Geology and Exploration Geophysics, two 2-year M.Sc. programs in Geology and M.Sc. Geophysics, and a 2 year M.Tech. program in Exploration Geosciences. The department has past and presently active collaborative work with various organisations like ONGC, GSI, OIL, UCIL, DAE etc. The sponsored projects undertaken by the department include crustal evolution and geochronology of Singbhum, central, Rajasthan and southern Indian cratons, experimental petrology, gold and uranium mineralisation, mineral magnetics, Himalayan orogeny and sedimentation, stable isotopes in Phanerozoic climate change, evolution of Ganges delta, hydrology of Bengal basin and coastal aquifers, seismic tomography and deep crustal structure, engineering geology, seismic hazard and microzonation, near surface geophysics, archaeology of eastern India and Indus valley civilisation, planetary investigation of meteorites and Mars, and consultancy projects in ground water assessment, river chemistry, seismic hazard and mining geology. The department hosts two DST national facilities of stable isotope and electron probe microanalysis, and a state of the art non-traditional and radiogenic MC-ICP MS laboratory. Besides, the department hosts a spectrum of modern analytical and field equipment namely, X-ray diffractometer, Raman laser, FTIR, gas and ion chromatographs, liquid scintillation counter, fluid inclusion stages, magnetic susceptibility Kappa bridge etc. The geophysics laboratory hosts magneto-telluric, and array of geophysical equipment including gravimeter and resistivity meters, radiation dosimeters, large number of seismometers and a nationally networked broadband seismic observatory. The department has well equipped engineering geology and remote sensing laboratories. The department has made fundamental contributions in dating oldest rocks in India, Precambrian orogeny and metamorphism, Himalayan evolution and Cenozoic climate change, arsenic pollution in Bengal basin, crustal structure below Himalayas, seismic microzonation of major cities, geotechnical properties of rocks, coastal geomorphology, theoretical electromagnetics, discovering martian analogues and unravelling the oldest roots of Indus valley civilisation. The faculty members are fellows of national science academies, recipient of national geoscience award, and in editorial boards of prestigious international journals.

Research Areas

Application of fractals in earth science; Bengal Basin; Bone Histology; Cenozoic Himalaya; Computational Seismology; Cosmochemistry; Crustal deformation monitoring with GPS; Crustal Fluids; Earthquake forecasting; Electrical & Electromagnetic Geophysics; Engineering Geology; Engineering Seismology; Exploration; Geochemistry; Geochronology; Geomorphology; Geophysical optimizations; Geophysical signal processing; Gondwana Stratigraphy; Isotope Geology; Landslide Susceptibility Slope Stability; Microtectonics; Mineral and Groundwater Exploration; Modeling and Simulation; Numerical Modeling; Ore Deposits; Palaeobiology; Pattern recognition in earth sciences; Petrology; Remote sensing and GIS; Rock Mechanics; Sedimentology; Seismic attenuation tomography; Seismic Hazard; Seismic Microzonation & Risk; Seismic Prospecting; Seismic wave propagation; Sequence Stratigraphy; Stable Isotope Geochemistry; Structural Geology; Vertebrate Palaeontology;

Academic Performance

New Acquisitions	02
Collaboration	18
Lectures by Visiting Experts	07
Doctoral Degrees Awarded	04
MS Degrees Awarded	01
Fellow - Professional Bodies	03
Member - Professional Bodies	23



Member - Editorial Board	11
Awards & Honours	03
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	37
Consultancy Projects	05
Visits Abroad by Faculty Members	03
Invited Lectures by Faculty Members	09



Humanities and Social Sciences

Head of the Department : Priyadarshi Patnaik

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Anjali Roy	Ph.D.	Postcolonial Literature and Theory; Partition 1947; Media Studies; Popular Culture; Diaspora Studies
Bhagirath Behera	Ph.D.	Environmental Economics; Development Economics
Chhanda Chakraborti	Ph.D.	
Damodar Suar	Ph.D.	
Jitendra Mahakud	Ph.D.	Corporate Finance; Investment Management; Financial Markets and Risk Management; Banking; Behavioral Finance
Kailash Bihari Lal Srivastava	Ph.D.	Human Resources Development & Management; Social & Organizational Psychology & Behavior; Performance Management; Knowledge Management; Change management
Kishor Goswami	Ph.D.	Development Economics; Agricultural Economics; Economics of Biofuels
Narayan Chandra Nayak	Ph.D.	Public Economics & Policy
Priyadarshi Patnaik	Ph.D.	
Pulak Mishra	Ph.D.	Industrial Economics; Public Economics & Policy; Economics of Rural Development;
Suhita Chopra Chatterjee	Ph.D.	Sociology of Health; Medical Sociology; End-of-Life Care
Vijai Nath Giri	Ph.D.	

Associate Professors

Gourishankar S Hiremath	Ph.D.	Efficiency of Financial Markets; International Capital Flows; Open economy macroeconomics; Macro-Finance Interlinkages
H S Komalesha	Ph.D.	
Jayashree Chakraborty	Ph.D.	Syntax; Semantics; Language Communication; Sociolinguistics; Discourse Analysis
Rabindra Kumar Pradhan	Ph.D.	Industrial and Organisational Psychology; Organisational Behaviour; Human Resources Development & Management; Positive Psychology; Health Psychology
Saswat Samay Das	Ph.D.	
Seema Singh	Ph.D.	Language Studies & Literary Theories; Literature; Media & Communication Studies; Translation & Culture
Zakir Husain	Ph.D.	

Assistant Professors

Anuradha Choudry	Ph.D.	
Anwasha Aditya	Ph.D., Jadavpur University	International Economics; Development Economics
Archana Patnaik	Ph.D.	Natural Resource Management; Commons and Community; Sociology of Science and Technology; Law and Society; Gender and Society
Bimal Kishore Sahoo	Ph.D.	
Dripta Piplai (Mondal)	Ph.D.	Language Conflict in classroom; Language Technology, Minority Languages; Syntactic Variation; Endangered Language; Ethnomusicology, Language Documentation
Inder Sekhar Yadav	Ph.D.	Financial Economics and related Studies; Labour Economics; Financial Macroeconomics; Development and Agricultural Issues



Jenia Mukherjee	Ph.D.	Ecological Humanities & Anthropocene Studies
Mantu Kumar Mahalik	Ph.D.	Open Empirical Macroeconomics; Monetary Economics; Housing Economics; Energy Economics; Financial Economics
Rishabh Rai	Ph.D.	
Siddhartha Chattopadhyay	Ph.D.	Applied Econometrics; Economics of Growth; Development Economics; Monetary Economics
Somdatta Bhattacharya	Ph.D.	Urban Cultures; Crime Fiction; Indian writing in English; Social theories of space and spatiality; Public digital humanities
Sree Vinutha Venkataraman	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Archana Patnaik	Assistant Professor	Natural Resource Management; Commons and Community; Sociology of Science and Technology; Law and Society; Gender and Society
Dripta Piplai (Mondal)	Assistant Professor	Language Conflict in classroom; Language Technology, Minority Languages; Syntactic Variation; Endangered Language; Ethnomusicology, Language Documentation
Mantu Kumar Mahalik	Assistant Professor	Open Empirical Macroeconomics; Monetary Economics; Housing Economics; Energy Economics; Financial Economics
Somdatta Bhattacharya	Assistant Professor	Urban Cultures; Crime Fiction; Indian writing in English; Social theories of space and spatiality; Public digital humanities

Visiting Faculty

Chhanda Chakraborti	Professor
Damodar Suar	Professor
Manas Kumar Mandal	Professor

Promotion

Bhagirath Behera	Professor	Environmental Economics; Development Economics
Dripta Piplai (Mondal)	Assistant Professor	Language Conflict in classroom; Language Technology, Minority Languages; Syntactic Variation; Endangered Language; Ethnomusicology, Language Documentation
Inder Sekhar Yadav	Assistant Professor	Financial Economics and related Studies; Labour Economics; Financial Macroeconomics; Development and Agricultural Issues
Jitendra Mahakud	Professor	Corporate Finance; Investment Management; Financial Markets and Risk Management; Banking; Behavioral Finance
Kishor Goswami	Professor	Development Economics; Agricultural Economics; Economics of Biofuels
Pulak Mishra	Professor	Industrial Economics; Public Economics & Policy; Economics of Rural Development;

Resignation

Sree Vinutha Venkataraman	Assistant Professor
---------------------------	---------------------

Brief Description of on-going activities

Research and Development on: 1. Quantitative economics, 2. Financial economics, 3. Economics of growth, 4. Industrial economics, 5. Development economics, 6. Environmental and resource economics, 7. Developing world bioethics, 8. Gender and trade, 9. Financial institutions and markets, 10. Sociology of health and medicine, 11. Human resource development, 12. Brain and behavior, 13. Interpersonal, intercultural and



organizational communication, 14. Visual aesthetics, 15. Business ethics, corporate social responsibility, 16. Economics of biofuels, 17. Bioethics and Public Health Ethics, Human Resource Development 18. Literary Theory 19. Developmental Sociology 20. Environmental Humanities and Social Sciences 21. Indian Psychology 22. Organizational Psychology 23. Translation Studies, etc.

Training and development programmes on: Communication, Literary Theory and Practice, Human resource development, Strategic management, Emotional intelligence, Logic, Research methodology and data analysis, Financial modelling and risk management, Leadership and team building, 1anguage, cognition and communication, Culture and Cross-cultural communication, Creative writing, etc.

Invited talks:

Dr. Monojit Choudhry, Microsoft Research Labs, Bangalore (by Dr. D. Piplai); Prof. Satyapriya Rout on "Discourses of Water:

Post-Structuralist Critique" (by A. Patnaik); Workshop by the 1947 Partition Archive team, An Interaction with the 1947 Partition Archive (by Dr. S. Bhattacharya) Prof. Anol Bhattacharya, University of South Florida: Research Methodology (by Dr. P Mishra)

Research Areas

Agricultural Economics; Applied Econometrics; Banking; Behavioral Finance; Change management; Commons and Community; Corporate Finance; Crime Fiction; Development and Agricultural Issues; Development Economics; Diaspora Studies; Discourse Analysis; Ecological Humanities & Anthropocene Studies; Economics of Biofuels; Economics of Growth; Economics of Rural Development; Efficiency of Financial Markets; Endangered Language; End-of-Life Care; Energy Economics; Environmental Economics; Ethnomusicology, Language Documentation; Financial Economics; Financial Economics and related Studies; Financial Macroeconomics; Financial Markets and Risk Management; Gender and Society; Health Psychology; Housing Economics; Human Resources Development & Management; Indian writing in English; Industrial and Organisational Psychology; Industrial Economics; International Capital Flows; International Economics; Investment Management; Knowledge Management; Labour Economics; Language Communication; Language Conflict in classroom; Language Studies & Literary Theories; Language Technology, Minority Languages; Law and Society; Literature; Macro-Finance Interlinkages; Media & Communication Studies; Media Studies; Medical Sociology; Monetary Economics; Monetary Economics; Natural Resource Management; Open economy macroeconomics; Open Empirical Macroeconomics; Organisational Behaviour; Partition 1947; Performance Management; Popular Culture; Positive Psychology; Postcolonial Literature and Theory; Public digital humanities; Public Economics & Policy; Semantics; Social & Organizational Psychology & Behavior; Social theories of space and spatiality; Sociolinguistics; Sociology of Health; Sociology of Science and Technology; Syntactic Variation; Syntax; Translation & Culture; Urban Cultures;

Academic Performance

Collaboration	19
Doctoral Degrees Awarded	13
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	28
Member - Editorial Board	17
Awards & Honours	05
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	38
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	24
Invited Lectures by Faculty Members	52
Seminars, Conferences and Workshops Organized	14
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	05
Papers Published in Journals	55
Papers Presented in Conferences	22



Industrial and Systems Engineering

Head of the Department : Jhareswar Maiti

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Biswajit Mahanty	Ph.D. IIT Kharagpur	Operations management; Systems Dynamics & Simulation; Operations Research (OR); Project Management, Maintenance & Monitoring
Jhareswar Maiti	Ph.D.	Data Science; Risk Assessment and Uncertainty Analysis; Prognostic and Health Monitoring; Digital Twins & Virtual Reality; Safety Analytics
Mamata Jenamani	Ph.D.	E- Business, Information Systems; Operations & Supply Chain Management; Web data analytics; Online auctions and e-procurement
Manoj Kumar Tiwari	Ph.D.	Manufacturing Operations Planning; Supply Chain Management and Logistics; Intelligent Decision Modeling; Operations Analysis and Management; Product and Process Improvements
Pradip Kumar Ray	Ph.D.	Ergonomics and product design; Performance Management; Operations & Supply Chain Management; Quality and Safety Engineering; TQM and with Analytics
Sarada Prasad Sarmah	Ph.D.	Supply Chain Management and Logistics; Reverse Logistics; Manufacturing/Production Planning & Control; Operations management

Associate Professors

Jitendra Kumar Jha	Ph.D.	Supply Chain Management and Logistics; Operations Research (OR); Inventory Control; Facility Location
Jitesh J Thakkar	Ph.D.	Project Management, Maintenance & Monitoring; Supply Chain Management and Logistics; Lean Six Sigma; Operations management; Operations Research (OR)

Assistant Professors

Akhilesh Kumar	Ph.D. Wayne State University, Detroit, Michigan	Business Analytics; Closed-loop Supply Chains; Product Returns and Remanufacturing; Condition-Based Maintenance
Goutam Sen	Ph.D.	
Sayak Roychowdhury	Assistant Professor	Reinforcement Learning; Process Simulation, Optimization & Control; Statistical Decision Modeling; Cybersecurity
Sri Krishna Kumar	Ph.D.	Supply Chain and Logistics; Operations Research (OR); Game Theory; Non Linear Programming

New Faculty Appointment

Name	Highest Degree	Research Areas
Sayak Roychowdhury	Assistant Professor	Reinforcement Learning; Process Simulation, Optimization & Control; Statistical Decision Modeling; Cybersecurity

Chair Professor

Jyoti Mukherjee	Professor
Soumyanath Chatterjee	Professor

Visiting Faculty



O. Bala Krishna Assistant Professor

Promotion

Akhilesh Kumar	Assistant Professor	Business Analytics; Closed-loop Supply Chains; Product Returns and Remanufacturing; Condition-Based Maintenance
Jitendra Kumar Jha	Associate Professor	Supply Chain Management and Logistics; Operations Research (OR); Inventory Control; Facility Location
Mamata Jenamani	Professor	E- Business, Information Systems; Operations & Supply Chain Management; Web data analytics; Online auctions and e-procurement

Resignation

Jyoti Mukherjee Professor

Research Areas

Business Analytics; Closed-loop Supply Chains; Condition-Based Maintenance; Cybersecurity; Data Science; Digital Twins & Virtual Reality; E- Business, Information Systems; Ergonomics and product design; Facility Location; Game Theory; Intelligent Decision Modeling; Inventory Control; Lean Six Sigma; Manufacturing Operations Planning; Manufacturing/Production Planning & Control; Non Linear Programming; Online auctions and e-procurement; Operations Analysis and Management; Operations management; Operations Research (OR); Operations & Supply Chain Management; Performance Management; Process Simulation, Optimization & Control; Product and Process Improvements; Product Returns and Remanufacturing; Prognostic and Health Monitoring; Project Management, Maintenance & Monitoring; Quality and Safety Engineering; Reinforcement Learning; Reverse Logistics; Risk Assessment and Uncertainty Analysis; Safety Analytics; Statistical Decision Modeling; Supply Chain and Logistics; Supply Chain Management and Logistics; Systems Dynamics & Simulation; TQM and with Analytics; Web data analytics;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	38
Lectures by Visiting Experts	03
Doctoral Degrees Awarded	02
MS Degrees Awarded	02
Fellow - Professional Bodies	04
Member - Professional Bodies	18
Member - Editorial Board	27
Awards & Honours	13
Fellowships	03
Sponsored Research Projects	21
Consultancy Projects	10
Visits Abroad by Faculty Members	04
Invited Lectures by Faculty Members	21
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	05
Papers Published in Journals	59
Papers Presented in Conferences	26



Mathematics

Head of the Department : Mahendra Prasad Biswal

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Adrijit Goswami	Ph.D.	Data and Web Mining; Cryptography; Operations Research (OR); Supply Chain Management and Logistics; Fuzzy Sets and Applications
Chandal Nahak	Ph.D.	
Debjani Chakraborty	Ph.D.	
Dharmendra Kumar Gupta	Ph.D.	
Geetanjali Panda	Ph.D.	Numerical Optimization; Optimization with uncertainty; Portfolio Optimization; Convex Optimization
G P Raja Sekhar	Ph.D.	Biphasic mixture theory; Boundary integral methods; Flow through anisotropic porous media; Transport phenomena of viscous drops
Mahendra Prasad Biswal	Ph.D.	
Parmeshwary Dayal Srivastava	Ph.D.	
Pratima Panigrahi	Ph.D.	Combinatorics and Graph Theory
P V S N Murthy	Ph.D.	Bio Fluid Mechanics; Double diffusive convective instability
Rajni Kant Pandey	Ph.D.	
Somesh Kumar	Ph.D.	Estimation in Restricted Parameter Space; Estimating in selected populations; Estimation in directional distributions; Classification of observations; Measures of Entropy and Reliability
Somnath Bhattacharyya	Ph.D.	
Umesh Chandra Gupta	Ph.D.	
Associate Professors		
Bappaditya Bhowmik	Ph.D.	Geometric Function Theory
Gnaneshwar Nelakanti	Ph.D.	
Jitendra Kumar	Ph.D.	Particle Technology; Mathematical Modelling and Simulations; Development of Numerical Methods; Mathematical and Numerical Analysis
Koeli Ghoshal	Ph.D.	Mechanics of Sediment Transport; Mathematical Modeling of Fluid Flow; Turbulent flow in open channels; Maximum Entropy Approach to Channel Flow; Homotopy Analysis Method
Pawan Kumar	Ph.D.	
Ratna Dutta	Ph.D.	Obfuscation and multilinear maps; Functional Encryption & cloud computing; Multivariate public key crypto- system; Lattice and Code Based Cryptography; Elliptic curves and bilinear pairings
Rupanwita Gayen	Ph.D.	Linear water waves; Integral equations
Sourav Mukhopadhyay	Ph.D.	Algebraic Cryptanalysis; Digital Rights Managements; Key pre-distribution for WSN; Time/Memory Trade-off Cryptanalysis; Functional Encryption & cloud computing
T Raja Sekhar	Ph.D.	



Assistant Professors

Asish Ganguly	Ph.D.	Quantum Mechanics; Quantum Information; Non-linear Dynamics; Soliton Theory & Inverse Scattering; Fluid Dynamics
Bibhas Adhikari	Ph.D. IIT Guwahati	Applied Linear Algebra; Theory of Complex Networks; Quantum Information Theory
Bodhayan Roy	Assistant Professor	Theoretical Computer science; Combinatorics and Graph Theory; Algorithms
Buddhananda Banerjee	Assistant Professor	Surrogate Endpoint Analysis in Clinical Trials; Functional data analysis; Goodness-of-fit test for survival data; Change point problem
Debapriya Biswas	Ph.D.	Calculus and Functional Analysis; Calculus and Topology; Groups of symmetries, Analysis, Geometry; Mathematical Physics & Parabolic Analytic Function; Vector Spaces and Topology
Hari Shankar Mahato	Ph.D.	Partial Differential Equations; Applied Analysis; Homogenization Theory; Transport in Heterogeneous Media; Mathematical Biology
Mousumi Mandal	Ph.D.	
Nitin Gupta	Ph.D.	Applied Probability; Reliability Theory; Mathematical Statistics
Prateep Chakraborty	Assistant Professor	Calculus and Topology; Vector Spaces and Topology; Groups of symmetries, Analysis, Geometry
Rajesh Kannan	Ph.D.	Linear Algebra; Combinatorics and Graph Theory; Applied Functional Analysis & Optimization
Ramakrishna Nanduri	Ph.D.	Commutative Algebra
Swanand Ravindra Khare	Ph.D., IIT Bombay	Applied Mathematics

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Biswa Nath Datta	Assistant Professor	
Bodhayan Roy	Assistant Professor	Theoretical Computer science; Combinatorics and Graph Theory; Algorithms
Prateep Chakraborty	Assistant Professor	Calculus and Topology; Vector Spaces and Topology; Groups of symmetries, Analysis, Geometry

Visiting Faculty

Buddhananda Banerjee	Assistant Professor	Surrogate Endpoint Analysis in Clinical Trials; Functional data analysis; Goodness-of-fit test for survival data; Change point problem
----------------------	---------------------	--

Promotion

Bibhas Adhikari	Assistant Professor	Applied Linear Algebra; Theory of Complex Networks; Quantum Information Theory
Buddhananda Banerjee	Assistant Professor	Surrogate Endpoint Analysis in Clinical Trials; Functional data analysis; Goodness-of-fit test for survival data; Change point problem

Retirement

Dharmendra Kumar Gupta	Professor
Parmeshwary Dayal Srivastava	Professor



Research Areas

Algebraic Cryptanalysis; Applied Analysis; Applied Linear Algebra; Applied Mathematics; Applied Probability; Bio Fluid Mechanics; Biphasic mixture theory; Boundary integral methods; Calculus and Functional Analysis; Calculus and Topology; Change point problem; Classification of observations; Combinatorics and Graph Theory; Commutative Algebra; Convex Optimization; Cryptography; Data and Web Mining; Development of Numerical Methods; Digital Rights Managements; Double diffusive convective instability; Elliptic curves and bilinear pairings; Estimating in selected populations; Estimation in directional distributions; Estimation in Restricted Parameter Space; Flow through anisotropic porous media; Functional data analysis; Functional Encryption & cloud computing; Fuzzy Sets and Applications; Geometric Function Theory; Goodness-of-fit test for survival data; Groups of symmetries, Analysis, Geometry; Homogenization Theory; Homotopy Analysis Method; Integral equations; Key pre-distribution for WSN; Lattice and Code Based Cryptography; Linear Algebra; Linear water waves; Mathematical and Numerical Analysis; Mathematical Biology; Mathematical Modeling of Fluid Flow; Mathematical Modelling and Simulations; Mathematical Physics & Parabolic Analytic Function; Mathematical Statistics; Maximum Entropy Approach to Channel Flow; Mechanics of Sediment Transport; Measures of Entropy and Reliability; Multivariate public key crypto-system; Numerical Optimization; Obfuscation and multilinear maps; Operations Research (OR); Optimization with uncertainty; Partial Differential Equations; Particle Technology; Portfolio Optimization; Quantum Information Theory; Reliability Theory; Supply Chain Management and Logistics; Surrogate Endpoint Analysis in Clinical Trials; Theory of Complex Networks; Time/Memory Trade-off Cryptanalysis; Transport in Heterogeneous Media; Transport phenomena of viscous drops; Turbulent flow in open channels; Vector Spaces and Topology;

Academic Performance

New Acquisitions	01
International Collaborations	10
Doctoral Degrees Awarded	16
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	03
Member - Editorial Board	07
Awards & Honours	04
Sponsored Research Projects	24
Visits Abroad by Faculty Members	04
Invited Lectures by Faculty Members	25
Seminars, Conferences and Workshops Organized	02
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	01
Papers Published in Journals	02



Mechanical Engineering

Head of the Department : Sukanta Kumar Dash

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Abhijit Guha	Ph.D. University of Cambridge	
Amiya Ranjan Mohanty	Ph.D.	
Anirvan Dasgupta	Ph.D.	Mechanics of inflatable structures; Vibration induced transport; Discrete and continuous system dynamics; Rail vehicle dynamics
Arun Kumar Samantaray	Ph.D.	Nonlinear Dynamics; Fault Diagnosis and Prognosis; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Rail vehicle dynamics; Systems and Control
Asimava Roy Choudhury	Ph.D.	Thin/thick Coatings & Nano-polymer Composites; Additive and Laser based Manufacturing; Computer control of machine tools; Design & development of machines; Non traditional manufacturing
Biswajit Maiti	Ph.D.	
Cheruvu Siva Kumar	Ph.D.	
Dilip Kumar Pratihar	Ph.D.	Optimization & Modeling of Manufacturing Processes; Robotics & Computer-Aided Engineering (CAE)
Goutam Chakraborty	Ph.D.	Mechanics of Advanced Materials; Vibration and Noise Control; Dynamics of MEMS and NEMS devices; Vibration of Electromechanical Systems
Maddali Ramgopal	Ph.D.	
Manab Kumar Das	Ph.D.	Surface engineering and coated materials
Manas Chandra Ray	Ph.D.	
Partha Pratim Bandyopadhyay	Ph.D.	Surface engineering and coated materials
Partha Saha	Ph.D.	
Prasanta Kumar Das	Ph.D.	Single and Multiphase Fluid Dynamics; Heat Transfer; Thermal Engineering; Computational Fluid Dynamics; Flow of granular material
Ranjan Bhattacharyya	Ph.D.	
Rathindranath Maiti	Ph.D.	
Sandipan Ghosh Moulic	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; Hydrodynamic and Thermal Instability; Spectral Methods in Fluid Dynamics; Perturbation Methods in Fluid Dynamics; Convective Heat Transfer
Sanjay Gupta	Ph.D.	Bio Mechanics
Sati Nath Bhattacharyya	Ph.D.	
Soumitra Paul	Ph.D.	Machining; Grinding; Cutting tool Coating; Residual Stress; Manufacturing
Souvik Bhattacharyya	Ph.D.	
Subhransu Roy	Ph.D.	Heat Transfer; Computational Fluid Dynamics; Melting and Solidification; Train Aerodynamics
Sukanta Kumar Dash	Ph.D.	
Suman Chakraborty	Ph.D.	Microfluidics and microscale transport
Surjya Kanta Pal	Ph.D.	Friction Stir Welding and Processing; Industry 4.0;

**Associate Professors**

Anandaroop Bhattacharya	Ph.D. University of Colorado	Thermal Engineering; Microfluidics; Thermal management of Li-ion batteries; Electronic Packaging and cooling
Kingshook Bhattacharyya	Ph.D.	
Kumar Ray	Ph.D.	
Mihir Sarangi	Ph.D.	
Somnath Roy	Ph.D.	
Sovan Lal Das	Ph.D.	
Sushanta Kumar Panda	Ph.D.	
Vikranth Racherla	Ph.D.	Friction Stir Welding and Processing; Optimization & Modeling of Manufacturing Processes; Mechanics of Composites; Computational Weld Mechanics & Welding Technology

Assistant Professors

Aditya Bandopadhyay	Ph.D.	
Ajay Muljibhai Sidpara	Ph.D. IIT Kanpur	Surface finishing; Micromachining; Tribology
Atul Jain	Ph.D.	
Chirag Deepak Kalelkar	Ph.D.	Porous materials and structured fluids; Single and Multiphase Fluid Dynamics
Dhananjay Srivastava	Kumar Ph.D.	
Jeevanjyoti Chakraborty	Ph.D.	Microfluidics; Lithium-ion battery modelling; Fuel cells modelling; Flow through deformable confinements
Jinu Paul	Ph.D.	Thin/thick Coatings & Nano-polymer Composites; Friction Stir Welding and Processing
Rajaram Lakkaraju	Ph.D.	
Sankha Deb	Ph.D.	Computer Integrated Manufacturing; Automation and Robotics; Flexible Manufacturing Systems; Soft Computing techniques; Micromanufacturing Processes
Sourav Mitra	Ph.D.	Adsorption; Refrigeration; Thermal energy storage; Thermal desalination
S Ramanujam	Ph.D.	

Promotion

Name	Designation	Research Areas
Somnath Roy	Associate Professor	
Sourav Mitra	Assistant Professor	

Retirement

Rathindranath Maiti	Professor
---------------------	-----------

Research Areas

Automation and Robotics; Bio Mechanics; Computational Fluid Dynamics; Computational Weld Mechanics & Welding Technology; Computer Integrated Manufacturing; Convective Heat Transfer; cutting tool coating; Discrete and continuous system dynamics; Dynamics of MEMS and NEMS devices; Electronic Packaging and cooling; Fault Diagnosis and Prognosis; Flexible Manufacturing Systems; Flow of granular material; Flow through deformable confinements; Friction Stir Welding and Processing; Fuel cells modelling; grinding; Heat Transfer; Hydrodynamic and Thermal Instability; Industry 4.0; Lithium-ion battery modelling; machining; manufacturing; Mechanics of Advanced Materials; Mechanics of Composites; Mechanics of inflatable structures; Melting and Solidification; Microfluidics; Microfluidics and microscale transport;



Micromachining; Micromanufacturing Processes; Modelling and Simulation; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Nonlinear Dynamics; Optimization & Modeling of Manufacturing Processes; Perturbation Methods in Fluid Dynamics; Porous materials and structured fluids; Rail vehicle dynamics; residual stress; Robotics & Computer-Aided Engineering (CAE); Single and Multiphase Fluid Dynamics; Soft Computing techniques; Spectral Methods in Fluid Dynamics; Surface engineering and coated materials; Surface finishing; Systems and Control; Thermal Engineering; Thermal management of Li-ion batteries; Thin/thick Coatings & Nano-polymer Composites; Train Aerodynamics; Tribology; Ultrafast Cooling methodologies; Vibration and Noise Control; Vibration induced transport; Vibration of Electromechanical Systems;

Academic Performance

Collaboration	22
Doctoral Degrees Awarded	22
MS Degrees Awarded	02
Fellow - Professional Bodies	02
Member - Professional Bodies	06
Member - Editorial Board	10
Awards & Honours	03
Fellowships	03
Sponsored Research Projects	93
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	17
Invited Lectures by Faculty Members	25
Seminars, Conferences and Workshops Organized	05
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	05
Papers Published in Journals	164
Papers Presented in Conferences	75



Metallurgical and Materials Engineering

Head of the Department : Rahul Mitra

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Debalay Chakrabarti	Ph.D.	Physical metallurgy; Mechanical metallurgy; Iron & steel technology; Structural Safety; Advanced Materials Processing
Gour Gopal Roy	Ph.D.	Computational Fluid Dynamics; Electron beam welding; Sponge iron technology by RHF; Extractive metallurgy; NMI control in steel
Indranil Manna	Ph.D.	
Jyotsna Dutta Majumdar	Ph.D.	
Karabi Das	Ph.D.	Advanced Materials Processing; Bulk nanocomposites and nanocomposite thin films; Surface Engineering; Functionally Graded Materials; Wear Resistant Steels
Koushik Biswas	Ph.D.	Energy materials; Modelling of metals and ceramics; Multifunctional ceramics; cement
Nirupam Chakraborti	Ph.D.	Extractive metallurgy; Process Simulation, Optimization & Control; Soft Computing and Control; Computational material science; Iron & steel technology
Rahul Mitra	Ph.D.	Advanced Alloys & Superalloys; Mechanical metallurgy; Thin film growth and epitaxy; Corrosion & environmental degradation; Advanced Materials Processing
Shampa Aich	Ph.D.	Magnetic Materials (Permanent Magnet); NiTi-based Shape Memory Alloy Thin Film; Magnetic Shape Memory Alloy; Bio-Materials; Surface engineering and coated materials
Shiv Brat Singh	Ph.D.	Physical metallurgy of steel
Siddhartha Das	Ph.D.	Energy materials; Surface engineering and coated materials; Failure Analysis; Characterization of Materials; Nano Materials
Sudipto Ghosh	Ph.D.	
Tapas Laha	Ph.D.	
Tarun Kumar Kundu	Ph.D.	

Associate Professors

Amit Bhaduri	Ph.D.	
Jayanta Das	Ph.D.	Metastable alloys, Bulk Metallic Glasses; Non-equilibrium Processing; Bulk Nanocrystalline Metals and Alloys; Low Stacking Fault Energy Materials; High Temperature Oxidation
Narendra Nath Acharya	Ph.D.	
Sujoy Kumar Kar	Ph.D.	Processing-Structure-Texture-Property; Neural network & Thermo-kinetic modeling; TiAl based high temperature materials; Additive and Laser based Manufacturing; Ti alloys, Ni based superalloys, Steels
Sumantra Mandal	Ph.D. IIT Madras	Alloy Design; Grain Boundaries and Interfaces; Aqueous and High Temperature Corrosion; Creep, Fatigue and Fracture; Computational Materials Modeling



Tapas Kumar Ph.D.
Bandyopadhyay

Assistant Professors

Amlan Dutta Ph.D. Computational material science; Modelling of dislocation dynamics; Elastoplastic behaviour of nanomaterials; Bulk metallic glasses

Chandra Sekhar Tiwary Ph.D.

Indrani Sen Ph.D. Shape memory alloys and smart materials; Improved Structural materials; Additive and Laser based Manufacturing; Marine Structural Engineering

Mangal Roy Ph.D. Bone Regeneration & Bone Tissue Engineering; Powder metallurgy; Advanced Alloys & Superalloys

Siddhartha Roy Ph.D. Mechanics of Composites; Mechanical metallurgy

Somjeet Biswas Ph.D. Thermomechanical processing and SPD; Quantitative Microscopy and Texture; Advanced light metals and alloys; Mechanical & Physical Metallurgy; Recrystallization and related phenomena

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Chandra Sekhar Tiwary	Assistant Professor	
Siddhartha Roy	Assistant Professor	Mechanics of Composites; Mechanical metallurgy

Visiting Faculty

Gour Prasad Das	Professor
Prodip Kumar Sen	Professor

Promotion

Amlan Dutta	Assistant Professor	Computational material science; Modelling of dislocation dynamics; Elastoplastic behaviour of nanomaterials; Bulk metallic glasses
Chandra Sekhar Tiwary	Assistant Professor	
Debalay Chakrabarti	Associate Professor	Physical metallurgy; Mechanical metallurgy; Iron & steel technology; Structural Safety; Advanced Materials Processing
Koushik Biswas	Associate Professor	Energy materials; Modelling of metals and ceramics; Multifunctional ceramics; cement
Shampa Aich	Professor	Magnetic Materials (Permanent Magnet); NiTi-based Shape Memory Alloy Thin Film; Magnetic Shape Memory Alloy; Bio-Materials; Surface engineering and coated materials
Tapas Laha	Professor	
Tarun Kumar Kundu	Professor	

Research Areas

Additive and Laser based Manufacturing; Advanced Alloys & Superalloys; Advanced light metals and alloys; Advanced Materials Processing; Alloy Design; Aqueous and High Temperature Corrosion; Bio-Materials; Bone Regeneration & Bone Tissue Engineering; Bulk metallic glasses; Bulk nanocomposites and nanocomposite thin films; Bulk Nanocrystalline Metals and Alloys; cement; Characterization of Materials; Computational Fluid Dynamics; Computational material science; Computational Materials Modeling; Corrosion & environmental degradation; Creep, Fatigue and Fracture; Elastoplastic behaviour of nanomaterials; Electron beam welding; Energy materials; Extractive metallurgy; Failure Analysis; Functionally Graded Materials; Grain Boundaries and Interfaces; High Temperature Oxidation; Improved



Structural materials; Iron & steel technology; Low Stacking Fault Energy Materials; Magnetic Materials (Permanent Magnet); Magnetic Shape Memory Alloy; Marine Structural Engineering; Mechanical metallurgy; Mechanical & Physical Metallurgy; Mechanics of Composites; Metastable alloys, Bulk Metallic Glasses; Modelling and simulation; Modelling of dislocation dynamics; Modelling of metals and ceramics; Multifunctional ceramics; Nano Materials; Neural network & Thermo-kinetic modeling; NiTi-based Shape Memory Alloy Thin Film; NMI control in steel; Non-equilibrium Processing; Physical metallurgy; Physical metallurgy of steel; Powder metallurgy; Processing-Structure-Texture-Property; Process Simulation, Optimization & Control; Quantitative Microscopy and Texture; Recrystallization and related phenomena; Shape memory alloys and smart materials; Soft Computing and Control; Sponge iron technology by RHF; Structural Safety; Surface Engineering; Surface engineering and coated materials; Thermomechanical processing and SPD; Thin film growth and epitaxy; TiAl based high temperature materials; Ti alloys, Ni based superalloys, Steels; Wear Resistant Steels;

Academic Performance

Collaboration	43
Doctoral Degrees Awarded	09
Fellow - Professional Bodies	03
Member - Professional Bodies	09
Member - Editorial Board	08
Awards & Honours	03
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	59
Consultancy Projects	13
Visits Abroad by Faculty Members	10
Invited Lectures by Faculty Members	24
Seminars, Conferences and Workshops Organized	04
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	04
Papers Published in Journals	96
Papers Presented in Conferences	24



Mining Engineering

Head of the Department : Debasis Deb

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Arun Kumar Majumder	Ph.D.	
Ashis Bhattacharjee	Ph.D.	Occupational health and safety; Injury epidemiology; Safety data analytics; operations research applications; Whole-body vibration of machine operator
Biswajit Samanta	Ph.D.	Mine Planning & Design : Coal & Metalliferous; Mine Ventilation Planning and Design; Geostatistics
Debashish Chakravarty	Ph.D.	
Debasis Deb	Ph.D.	Rock Mechanics and Ground Control; Numerical Modelling of Geotechnical Systems; Digital Image Correlation
Jayanta Bhattacharyya	Ph.D.	
Karanam Uma	Ph.D.	
Maheshwar Rao		
Khanindra Pathak	Ph.D. London University	
Samir Kumar Das	Ph.D.	
Samir Kumar Pal	Ph.D.	
S Suryanarayana Bhamidipati	Ph.D.	

Associate Professors

Abhiram Kumar Verma	Ph.D.	
Aditya Kumar Patra	Ph.D.	Air quality measurement and modelling; Whole-body vibration of machine operator; Ergonomics & Industrial Safety
Basanta Kumar Prusty	Ph.D.	Coalbed methane and coal mine methane; unconventional gas, shale gas; CO ₂ sequestration; mining environmental management
Bibhuti Bhusan Mandal	Ph.D.	
Srikant Annavarapu		

Assistant Professors

Kaushik Dey	Ph.D. (Kanpur)
-------------	----------------

New Academic Programmes

1. M.Tech (Geomechanics for Mineral and Energy Resources (MI1))
2. M.Tech (Safety, Health and Environment (MI2))

Research Areas

Air quality measurement and modelling; CO₂ sequestration; Coalbed methane and coal mine methane; Digital Image Correlation; Drilling Fluid Waste Management; Ergonomics & Industrial Safety; Geostatistics; H₂ storage in porous materials; Injury epidemiology; Mine Planning & Design : Coal & Metalliferous; Mine Ventilation Planning and Design; mining environmental management; Numerical Modelling of



Geotechnical Systems; Occupational health and safety; operations research applications; Petroleum production engineering; Polymer synthesis; Rock Mechanics and Ground Control; Safety data analytics; unconventional gas, shale gas; Whole-body vibration of machine operator;

Academic Performance

New Acquisitions	09
Collaboration	06
Member - Professional Bodies	08
Member - Editorial Board	02
Awards & Honours	02
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	10
Consultancy Projects	35
Visits Abroad by Faculty Members	04
Invited Lectures by Faculty Members	08
Papers Published in Journals	26
Papers Presented in Conferences	13



Ocean Engg and Naval Architecture

Head of the Department : Prasad Kumar Bhaskaran

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Debabrata Sen	Ph.D.	
Hari V Warrior	Ph.D.	Physical and Dynamical Oceanography; Turbulence Modeling in Oceanography; Fluid Structure Interaction; Computational Fluid Dynamics
Om Prakash Sha	Ph.D.	Marine Design and Production; High Performance Marine Vehicles
Prasad Kumar Bhaskaran	Ph.D.	Ocean Modeling and Analysis; Marine Acoustics; Ocean Wave Climate Studies; Port & Harbour Engineering; Mechanics of Sediment Transport
Trilochan Sahoo	Ph.D.	Coastal Engineering; Hydroelasticity; Wave past porous structures; Engineering Mathematics and Computation; Flexural gravity wave blocking

Associate Professors

Ashoke Bhar	Ph.D.	
Vishwanath Nagarajan	Ph.D.	Fluid Structure Interaction; Marine Hydrodynamics; Seakeeping and Maneuvering; Ship Motion; Marine Design and Production

Assistant Professors

Anirban Bhattacharyya	Ph.D.	Marine propulsion; Ship design; Energy Saving Devices
Arunjyoti Sarkar	Ph.D. University of Stavanger, Norway	Marine operation for subsea installation; Low RPM current turbine; Offshore wind turbine; Subsea pipelines and risers
Kiran Vijayan	Ph.D.	Vibration of marine structures; Fluid Structure Interaction; Noise and Vibration Control; Measurement While Drilling, Blasting Applications; Smart Materials and Structures
Nabanita Datta	Ph.D.	Vibration of marine structures; Fluid Structure Interaction
Ranadev Datta	Ph.D.	Fluid Structure Interaction; Hydroelasticity of Floating Structures & Ships; Numerical Ship Hydrodynamics; Green Water Loading, Slamming; Seakeeping of Offshore Structure & Ship
Ritwik Ghoshal	Ph.D.	Fluid Structure Interaction; Marine Structural Engineering; Vibration of marine structures; Computational Fluid Dynamics; Mechanics of Composites

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Ritwik Ghoshal	Ph.D.	Fluid Structure Interaction; Marine Structural Engineering; Vibration of marine structures; Computational Fluid Dynamics; Mechanics of Composites

Visiting Faculty

Subramaniam Neelamani Professor

Research Areas

Coastal Engineering; Computational Fluid Dynamics; Energy Saving Devices; Engineering Mathematics and Computation; Flexural gravity wave blocking; Fluid Structure Interaction; Green Water Loading, Slamming; High Performance Marine Vehicles; Hydroelasticity; Hydroelasticity of Floating Structures & Ships; Low RPM current turbine; Marine Acoustics; Marine Design and Production; Marine Hydrodynamics;



Marine operation for subsea installation; Marine propulsion; Marine Structural Engineering; Measurement While Drilling, Blasting Applications; Mechanics of Composites; Mechanics of Sediment Transport; Noise and Vibration Control; Numerical Ship Hydrodynamics; Ocean Modeling and Analysis; Ocean Wave Climate Studies; Offshore wind turbine; Physical and Dynamical Oceanography; Port & Harbour Engineering; Seakeeping and Maneuvering; Seakeeping of Offshore Structure & Ship; Ship design; Ship Motion; Smart Materials and Structures; Subsea pipelines and risers; Turbulence Modeling in Oceanography; Vibration of marine structures; Wave past porous structures;

Academic Performance

Collaboration	18
Doctoral Degrees Awarded	03
MS Degrees Awarded	02
Fellow - Professional Bodies	03
Member - Professional Bodies	06
Member - Editorial Board	05
Awards & Honours	06
Sponsored Research Projects	18
Consultancy Projects	18
Invited Lectures by Faculty Members	07
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	03
Papers Published in Journals	44
Papers Presented in Conferences	33



Physics

Head of the Department : Krishna Kumar

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Achintya Dhar	Ph.D.	Organic Electronics; Solar Photovoltaics; Semiconductor Thin Films; Thin Film Heterostructure
Ajay Kumar Singh	Ph.D.	Nuclear Structure; Gamma-ray spectroscopy; Nuclear detectors
Anushree Roy	Ph.D.	
Arghya Taraphder	Ph.D.	
Dipak Kumar Goswami	Ph.D.	Organic Electronic Devices; Biomedical devices, Flexible electronics; Organic thin film growth; Flexible healthcare devices
Kamal Lochan Panigrahi	Ph.D.	High Energy Physics; String Theory; AdS/CFT duality
Krishna Kumar	Ph.D.	Hydrodynamic Instabilities; Nonlinear Dynamics; Interfacial Waves
Partha Roy Chaudhuri	Ph.D.	Fiber & Integrated Optics, Photonics; Experimental Bio-Photonics, Imaging
Pragya Shukla	Ph.D.	Statistical Studies of Complex Systems; System Dependent Random matrix theory; Mathematical Physics; Statistical Physics
Prasanta Kumar Datta	Ph.D.	
Samit Kumar Ray	Ph.D.	
Sayan Kar	Ph.D.	
Somnath Bharadwaj	Ph.D.	Astrophysics; Cosmology
Sonjoy Majumder	Ph.D.	Physics of ultra cold atom; Light matter interaction: Atomic clock; Quantum Information Theory; Relativistic many-electron theory; Astrophysics: Atomic data
Sudhansu Sekhar Mandal	Ph.D., IIT Kanpur	Fractional Quantum Hall Effect; Disordered Superconductors; Magnetic Vortices and Skyrmions; Physics of Topological Materials
Tapan Kumar Nath	Ph.D.	Functional materials; Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Thin film growth and epitaxy; GMR & Magneto-electric & Magneto-caloric Materials; Spintronic nanomaterials and devices

Associate Professors

Amal Kumar Das	Ph.D.	Magnetism and Spintronics
Amreesh Chandra	Ph.D.	
Sanjeev Kumar Srivastava	Ph.D.	Swift heavy ion-matter interaction; Nuclear Condensed Matter Physics; Local Magnetism; Quantum phase transitions & criticality
Shivakiran B N Bhaktha	Ph.D.	Glass Photonics; Random Lasers; Optofluidics; Photonic Crystals; Microresonators
Sugata Pratik Khastgir	Ph.D.	Mathematical Physics; Integrable Models

Assistant Professors

Amar Nath Gupta	Ph.D.	Biophysics; Soft Matter Physics; Single-Molecule Force Spectroscopy; Microrheology; Protein folding
-----------------	-------	---



Debamalya Banerjee	Ph.D.	
Debraj Choudhury	Ph.D., IISc Bangalore	GMR & Magneto-electric & Magneto-caloric Materials; Thin film growth and epitaxy; Electronic & magnetic materials
Jyotirmoy Bhattacharya	Ph.D.	Quantum field theory; Gravity; String Theory; Relativistic hydrodynamics; Quantum entanglement in QFTs
Maruthi Manoj Brundavanam	Ph.D.	Singular Optics; Correlation Optics
Poornachandra Sekhar Burada	Ph.D.	Soft Matter Physics; Non-equilibrium Statistical Mechanics; Low-Reynolds number Hydrodynamics; Computational Physics
Sajal Dhara	Ph.D.	Nanoscale optoelectronics; Electron transport; Light- matter interaction
Samudra Roy	Ph.D.	Nonlinear Photonics; Nonlinear Cavity Dynamics, Cavity Soliton; Airy pulse dynamics
Sandipan Sengupta	Ph.D.	Classical gravity; Quantum gravity
Sitikantha Dhurjati Das	Ph.D.	
Tirtha Sankar Ray	Ph.D.	Particle Physics; Beyond Standard Model Physics; Electroweak Symmetry Breaking; Astroparticle Physics

Visiting Faculty

Name	Highest Degree	Research Areas
Bhupendra Nath Dev	Assistant Professor	
Simone Peli	Assistant Professor	
Utpal Sarkar	Professor	

Promotion

Jyotirmoy Bhattacharya	Assistant Professor	Quantum field theory; Gravity; String Theory; Relativistic hydrodynamics; Quantum entanglement in QFTs
Sitikantha Dhurjati Das	Assistant Professor	

Brief Description of on-going activities

Department of Physics runs the following academic programs:

1. Five year Integrated M.Sc.
2. Joint M.Sc.-Ph.D.
3. Two year M. Tech. in Functional Materials and Devices
4. Ph.D.

The faculty members of the Department are involved in research in frontiers of theoretical and experimental physics in addition to teaching

Research Areas

AdS/CFT duality; Airy pulse dynamics; Astroparticle Physics; Astrophysics; Astrophysics: Atomic data; Beyond Standard Model Physics; Biomedical devices, Flexible electronics; Biophysics; Classical gravity; Computational Physics; Correlation Optics; Cosmology; Disordered Superconductors; Electronic & magnetic materials; Electron transport; Electroweak Symmetry Breaking; Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Experimental Bio-Photonics, Imaging; Fiber & Integrated Optics, Photonics; Flexible healthcare devices; Fractional Quantum Hall Effect; Functional materials; Gamma-ray spectroscopy; Glass Photonics; GMR & Magneto-electric & Magneto-caloric Materials; Gravity; High Energy Physics; Hydrodynamic Instabilities; Integrable Models; Interfacial Waves; Light-matter interaction; Light matter interaction: Atomic clock; Local Magnetism; Low-Reynolds number Hydrodynamics; Magnetic Vortices and Skyrmions; Magnetism and Spintronics; Mathematical Physics; Microresonators; Microrheology; Nanoscale optoelectronics; Non-equilibrium Statistical Mechanics; Nonlinear Cavity Dynamics, Cavity Soliton; Nonlinear Dynamics; Nonlinear Photonics; Nuclear Condensed Matter Physics; Nuclear detectors; Nuclear Structure;



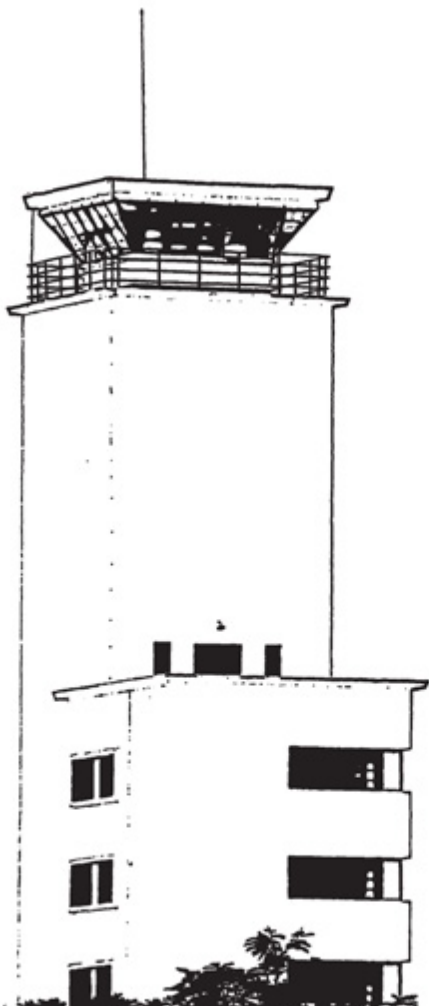
Optofluidics; Organic Electronic Devices; Organic Electronics; Organic thin film growth; Particle Physics; Photonic Crystals; Physics of Topological Materials; Physics of ultra cold atom; Protein folding; Quantum entanglement in QFTs; Quantum field theory; Quantum gravity; Quantum Information Theory; Quantum phase transitions & criticality; Random Lasers; Relativistic hydrodynamics; Relativistic many-electron theory; Semiconductor Thin Films; Single-Molecule Force Spectroscopy; Singular Optics; Soft Matter Physics; Solar Photovoltaics; Spintronic nanomaterials and devices; Statistical Physics; Statistical Studies of Complex Systems; String Theory; Swift heavy ion-matter interaction; System Dependent Random matrix theory; Thin film growth and epitaxy; Thin Film Heterostructure;

Academic Performance

New Acquisitions	02
Collaboration	49
Doctoral Degrees Awarded	12
Member - Professional Bodies	12
Member - Editorial Board	03
Awards & Honours	01
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	46
Visits Abroad by Faculty Members	11
Invited Lectures by Faculty Members	56
Papers Published in Journals	95
Papers Presented in Conferences	30



ACADEMIC CENTERS





Advanced Technology Development Centre

Head of the Department : Sunando Dasgupta

Assistant Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Ayantika Chatterjee	Assistant Professor	Information Security; Big Data Analytics; System Security
Somnath Sengupta	Ph.D.	Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Electric Vehicles: Powertrain & Battery Management; Algorithms

New Faculty Appointment

Name	Designaion	Research Areas
Ayantika Chatterjee	Assistant Professor	Information Security; Big Data Analytics; System Security

Visiting Faculty

Jatindra Nath Roy	Professor	MEMS and Microsystems; Semiconductor Devices and Circuits; VLSI and Embedded Systems; Solar and Wind Energy Conversion
-------------------	-----------	--

Promotion

Somnath Sengupta	Assistant Professor	Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Electric Vehicles: Powertrain & Battery Management; Algorithms
------------------	---------------------	--

New Academic Programmes

Apart from PhD and M.S. degrees the centre has started a M. Tech. course on embedded control and software (ECS). The course covers Design, Analysis and Implementation of high quality, functionally accurate embedded software incorporating complex intelligent control mechanisms across a wide range of hardware and software platforms. The methods address issues to Performance, Power / Energy, Fault Tolerance, Real-Time Operations, Safety-Criticality, Communication, Security, Parallel / Distributed Implementations, Software Engineering, etc. It will incorporate important applications, development of CAD tools and include Laboratory and Industry experience. The course is Interdisciplinary and Collaborative in nature and faculty members from several departments along with industry and other external experts are taking classes. It includes possibilities of industry based projects, sponsored candidates and participation in national level programmes. Researchorientation is a focus of this course which aims at developing new methods of intelligent control and software technology. Recently the centre has started a new elective course on 'Principles of Automotive Dynamics & Control', under the ECS program.

Brief Description of on-going activities

Micromachining and MEMS are one of the major areas of research at Advanced Technology Development Centre. In addition to that, the fabrication of silicon and non silicon based microelectronic / microphotonic devices and ICs are also focused area of research at different laboratories under ATDC. Several government departments including NPSM/ADA, ISRO, DRDO, DST and BARC have funded projects to develop smart sensors and their interfacing circuits for special applications. During the last one year the MEMS devices developed in the laboratory include silicon piezoresistive, capacitive as well as tunneling accelerometer. Design of MEMS acclerometer with enhanced sensitivity and Closed loop MEMS capacitive accelerometer have also been undertaken. The technology for fabrication of silicon accelerometer has been transferred to Semiconductor Complex Limited, Chandigarh. Activities have been started on development of high sensitive MEMS accelerometer based on quantum tunneling phenomena and silicon MEMS pressure sensor. Design and development of MEMS based micropropulsion devices for micro/nano satellite programme such as accelerometer

The work on the broad area of micro and nano materials and structures are also continued. On-going activities include synthesis of nanomaterials primarily through gas phase synthesis and characterization of the nanomaterials produced.



Research and development is also undertaken in the field of Integrated Optics & Micro-Photonics. An integrated-optic design software have been developed and copyrighted. This software can design single-mode step-index and graded index waveguides along with bending losses and mode profiles. Fabrication and characterization of titanium indiffused lithium niobate waveguides, directional couplers, power splitters, switches for fiber-optic communication networks have been performed. Recently polymer based microstructures for microphotonic applications have been developed in the centre. Polymer integrated-optic waveguides have been fabricated and characterized in the centre for possible applications in passive waveguide devices.

Research is being carried out on thin film nanostructures, semiconductor, ferroelectric and magneto-resistive films for

microelectronics and sensor applications under various government sponsored projects at MicroScience Laboratory of Dept. of Physics & Meteorology. A number of thrust areas have now emerged based on core competency available in the Advanced VLSI Laboratory. These include analog and RF circuits, wireless communication and Baseband processing, direct conversion receivers, power management circuits, processors and IP cores for embedded applications and design for testability. More than 60 different chips have been fabricated and tested. 15 leading companies have joined the AVLSI Consortium. More than 12 ongoing collaborative research projects funded by the Govt. of India and leading companies including National Semiconductors, Intel, Synopsys, Infineon, Texas Instruments, Si2 Microsystems, Agilent, Tessolve, Analog Devices and General Motors. The laboratory also offers regular intensive training to students of IIT Kharagpur. Buoyed by these initial successes, the laboratory is striving to attain still higher levels of excellence. Research directions are diversifying to new areas of mixed-signal SOCs, IP cores for embedded applications and analog DFT. Research on Solar PV is also continued.

A radiation hardened 2.5GHz Phase Lock Loop (PLL) using 0.18 μ m technology has been designed to deliver a clock with very low jitter in high radiation environment. Specific architectural design and techniques are implemented to help mitigate the radiation effects that degrade the PLL performance. UMC 180 nm Silicon on Sapphire (SOS) CMOS process technology is used in the developed radiation hardened PLL. This indigenously developed IC uses a novel technology which can work up to a total radiation dose of 900Krad which is higher compared to the commercially available radiation hardened PLL. Microfluidics group of the centre focuses on several cutting edge research topics like healthcare technologies, and on-chip power generation. They are currently working on two devices namely lab-on-a-compact-disk (LOCD) and 'paper and pencil' based microfluidic platform. We have developed lab-on-a-CD device aiming towards inexpensive diagnosis of malaria, which holds the potential of eliminating the stereotype clinical methodologies. Currently, we are working towards the optimization of lab-on-a-CD device for haemoglobin-based disorders by exploiting the rheological properties of blood. The 'paper-and-pencil' based devices, developed by us, provide an inexpensive, efficient remedy for spot diagnostics considering the mass usage. We have illustrated the

flow characteristics on such 'paper-and-pencil' devices and its subsequent use for mixing of two analytes. We have also delineated the utility of the 'paper-and-pencil' device for simultaneous detection of multiple analytes. We believe that the aforementioned microfluidic devices hold the potential of circumventing the disadvantages of the stereotype clinical practices, and thus ushering in a new paradigm of efficient and affordable diagnostics. We are currently in process of developing another device namely 'plant-onchip' aiming on-chip power generation, by utilizing the streaming potential generated, due to the flow of an electrolyte solution within the micro-conduit.

The work 'dynamics of thin liquid films' includes studying the dynamics of thin liquid films (TLF's), subject to various modes of perturbation including thermal, electric and magnetic. A recent work regarding the effect of magnetic body-force on the dynamics of thin liquid films provided a novel and highly promising mode of TLF manipulation. The dynamics could be used for applications in Point of care diagnostic systems and towards development of lab on chip devices in general.

Dual functionalities of superhydrophobicity and adhesion of a rose petal are investigated by soft-lithographically replicating the structures of the petal. Moreover, the wetting states on these replicas are determined using confocal microscopy. An innovative method has been developed for transforming an elastomeric film in to a highly adhesive surface without sacrificing its wetting characteristics via the creation of wrinkles on the elastomeric film surface. These wrinkled surfaces with tailored topography have advantages in droplet manipulation, cell adhesion and proliferation, and sorting of the colloidal particles etc.

Cell micropatterning and cell sorting has important applications in the development of biosensors and lab-on-a-chip devices, tissue engineering and fundamental cell biology studies. The colloidal self assembly and lattice formation are observed inside a microchannel of varying width. The flow inside the channel is



achieved by capillary flow by altering the hydrophilicity of the channel. This can further help in sorting of diseased RBCs from healthy RBCs based on their shapes and sizes.

Coffee ring effect can be used as a tool in diagnostic assays to enhance the sensitivity of biomarker detection at the ring position. Protein drying pattern in presence of polystyrene beads has been studied. The variation in the drying pattern can be used to quantify protein fibrillation.

Red blood cells (RBCs) of blood (~ 45% by volume) in matured state are typically biconcave discs with a characteristic diameter of ~ 8 microns. RBC-laden blood droplets are subjected to natural evaporation over substrates possessing different functional groups and the kinetics of RBC deformation as a function of substrate property are monitored and correlated to a deformation index specific to variation in substrate property.

BioMEMS is a rapidly advancing, inter-disciplinary research field for creation and development of new methods/systems to effectively process or manipulate biological materials with electronic devices and components. Giving a prior importance to the biomedical sensing research, an interdisciplinary R&D work has been initiated to promote MEMS and Biosensor activity that encompasses design, fabrication and engineering of biomedical & microfluidic devices for its electro-physiological characterisation. For the evaluation of electrical and physical properties of bio molecules and cells using suitable micro-fluidic devices, appropriate fabrication of polymeric coated bio-MEMS are being investigated and its utility are evaluated under different microscopic and electrical impedance study. The research also involves development of different BioMEMS transducers and related technologies for electrical impedance study. The research also involves development of different BioMEMS transducers and related technologies for sensing various biomedical signals for precise and appropriate diagnostics and therapeutics. Microfabrication technology is being explored to develop various miniature MEMS devices for deployment of in-vivo and in-vitro detection of biomedical signals and its characterisation. Research on MEMS and BioMEMS also includes: Micromachining of flexible polymer for MEMS and electronic skin applications; Development of MEMS based pressure sensor skin for medical robotics; Miniature active devices for cardiac application; Development of Electronic Hotspot cooling device by using Digital Microfluidics; and Comparative study of open and closed Digital Microfluidic System.

Recent research on biotechnology in the centre includes: Development of Auditory and Motor Cortical Circuitry: In Autism Models and Normal; Frontal Cortical Encoding of Sounds for Executive Decision Making; Vocalizations Structure in Different Contexts: In Autism Models and Normal; Auditory Cortical Encoding of Sound Contrast; Multisensory Integration in Frontal and Sensory Cortices.

Research Areas

Algorithms; Big Data Analytics; Electric Vehicles: Powertrain & Battery Management; Information Security; MEMS and Microsystems; Modelling & Diagnostics of Industrial Systems; Modelling of Aerospace & Automotive Systems; Semiconductor Devices and Circuits; Solar and Wind Energy Conversion; System Security; VLSI and Embedded Systems;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Doctoral Degrees Awarded	16
Fellow - Professional Bodies	02
Member - Professional Bodies	02
Member - Editorial Board	01
Sponsored Research Projects	05
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	01
Invited Lectures by Faculty Members	01
Papers Published in Journals	05
Papers Presented in Conferences	05



Centre for Artificial Intelligence

Head of the Department : *Sudeshna Sarkar*

New Academic Programmes

1. Outreach Course: Certificate program for working professionals on "Foundations of Artificial Intelligence and Machine Learning"

Brief Description of on-going activities

The Centre for AI engages in research and teaching in AI. It has offered courses on Machine Learning and Deep Learning. It has also started an Outreach program for delivering AI related courses. A 6-month Certificate program for working professionals is ongoing. The Centre for AI has engaged in research projects with various partners.

Academic Performance

New Acquisitions

01



P K Sinha Centre For Bioenergy

Head of the Department : Makarand Madhao Ghangrekar

This is India's first integrated Bioenergy center. The activities of the centre include knowledge in action by partnering with the government, commercial organizations, knowledge dissemination through academia, industry and policy makers. The center's faculty members are currently working in the areas of bio-ethanol, bio-diesel, bio-hydrogen, bio-methane, algal bio-refinery and microbial fuel cells and genetic prospecting of energy crops.



Centre for Computational and Data Sciences

Head of the Department : Sanjoy Bandyopadhyay

Assistant Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Divya Nayar	Ph.D.	Computational chemistry; Molecular simulation; Solvation thermodynamics; Biophysical chemistry; Statistical Mechanics
Sandeep Kumar Reddy	Ph.D.	NQE in Condensed Phase; Molecular Modelling and Simulation; Machine learning; Material Interfaces

Research Areas

Biophysical chemistry; Computational chemistry; Machine learning; Material Interfaces; Molecular Modelling and Simulation; Molecular simulation; NQE in Condensed Phase; Solvation thermodynamics; Statistical Mechanics;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Invited Lectures by Faculty Members	05
Papers Published in Journals	04



Centre For Educational Technology

Head of the Department : Rajib Mall

Associate Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Bani Bhattacharya	Ph.D.	

Assistant Professors

Atasi Mohanty	Ph.D.	
Jiaul Hoque Paik	Ph.D.	Big Data Analytics; Information Retrieval; Natural Language Processing; Machine Learning; Learning Analytics
Kaushal Kumar Bhagat	Ph.D.	Augmented Reality; Virtual Reality; Flipped classroom; Online learning; Formative assessment
Manjira Sinha	Ph.D.	Text Readability, Language Comprehension; Computer Assisted Education; Assistive Technology; Assistive and Augmentative Communication; Text Mining, Big Data
Plaban Kumar Bhowmick	Ph.D.	Natural Language Processing; Artificial Intelligence; Digital Library; Computer Assisted Language Learning
Rajlakshmi Guha	Ph.D.	Positive Psychology; Physiological & Cognitive Data Analysis; Educational Neuroscience Cognitive Neuro- psychology
Shyamal Kumar Das Mandal	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Kaushal Kumar Bhagat	Assistant Professor	Augmented Reality; Virtual Reality; Flipped classroom; Online learning; Formative assessment
Manjira Sinha	Assistant Professor	Text Readability, Language Comprehension; Computer Assisted Education; Assistive Technology; Assistive and Augmentative Communication; Text Mining, Big Data

Research Areas

Artificial Intelligence; Assistive and Augmentative Communication; Assistive Technology; Augmented Reality; Big Data Analytics; Cognitive Neuro-psychology; Computer Assisted Education; Computer Assisted Language Learning; Digital Library; Educational Neuroscience; Flipped classroom; Formative assessment; Information Retrieval; Learning Analytics; Machine Learning; Natural Language Processing; Online learning; Physiological & Cognitive Data Analysis; Positive Psychology; Text Mining, Big Data; Text Readability, Language Comprehension; Virtual Reality;

Academic Performance

Member - Professional Bodies	05
Member - Editorial Board	01
Awards & Honours	03
Sponsored Research Projects	22
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	03
Invited Lectures by Faculty Members	15
Seminars, Conferences and Workshops Organized	03
Papers Published in Journals	04
Papers Presented in Conferences	05



Centre For Oceans, Rivers, Atmosphere and Land Science

Head of the Department : Anil Kumar Gupta

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Arun Chakraborty	Ph.D.	Ocean Modelling and Process Studies; Ocean Data Assimilation; Regional coupled Modelling; Visualization of 3D Ocean Data; Bio-geochemical modelling

Associate Professors

Achanta Naga Venkata Satyanarayana	Ph.D.	Modeling of PBL & Air sea Interactions; Modeling of Extreme Events; Urban Boundary Layer, UHI Impact-Climate; Parameterization- Land Surface Processes; Air Pollution&Regional Climate Modeling
C Shaji	Ph.D.	Upper Equatorial Indian Ocean Dynamics; Ocean Modeling and Analysis; Ocean Processes Studies; Water Masses & Climate Variations; Physical Forcing on Biologi. Activity
Mihir Kumar Dash	Ph.D.	Modelling of Mesoscale Ocean Processes; Monsoon dynamics; Cryospheric Modeling using RS; Remote Sensing of the Ocean Surfaces
Mukunda Dev Behera	Ph.D.	Terrestrial Remote Sensing; Spatial Biodiversity; Ecological Climatology; Biomass and Carbon Sequestration; Land Use and Land Cover Dynamics
Parthasarathi Chakraborty	Ph.D.	

Assistant Professors

Abhishek Kumar Rai		Machine Learning; Natural Hazards/Catastrophe Modelling; Marine/Land Geophysics; Seismology/Seismic Exploration; Remote sensing and GIS
Jayanarayanan Kuttippurath	D.Sc., University of Pierre Marie Curie, Paris	Atmospheric Chemistry and Physics; Climate Change and Climate Modelling; Physical Oceanography;
Pranab Deb		Past and future of Earth's Cryosphere; Climate dynamics; Global teleconnection; Antarctic sea ice; Polar climate change & variability

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Parthasarathi Chakraborty	Associate Professor	
Pranab Deb	Assistant Professor	Past and future of Earth's Cryosphere; Climate dynamics; Global teleconnection; Antarctic sea ice; Polar climate change & variability

Chair Professor

V Chandrasekar	Professor
----------------	-----------

Visiting Faculty

Abhishek Kumar Rai	Assistant Professor	Machine Learning; Natural Hazards/Catastrophe Modelling; Marine/Land Geophysics; Seismology/Seismic Exploration; Remote sensing and GIS
Prem Chand Pandey	Professor	



Promotion

Abhishek Kumar Rai	Assistant Professor	Machine Learning; Natural Hazards/Catastrophe Modelling; Marine/Land Geophysics; Seismology/Seismic Exploration; Remote sensing and GIS
C Shaji	Associate Professor	Upper Equatorial Indian Ocean Dynamics; Ocean Modeling and Analysis; Ocean Processes Studies; Water Masses & Climate Variations; Physical Forcing on Biologi. Activity
Parthasarathi Chakraborty	Associate Professor	
Jayanarayanan Kuttippurath	Assistant Professor	Atmospheric Chemistry and Physics; Climate Change and Climate Modelling; Physical Oceanography; Atmospheric Pollution and Health effects

Research Areas

Air Pollution&Regional Climate Modeling; Antarctic sea ice; Atmospheric Chemistry and Physics; Bio-geochemical modelling; Biomass and Carbon Sequestration; Climate Change and Climate Modelling; Climate dynamics; Cryospheric Modeling using RS; Ecological Climatology; Global teleconnection; Land Use and Land Cover Dynamics; Machine Learning; Marine/Land Geophysics; Modeling of Extreme Events; Modeling of PBL & Air sea Interactions; Modelling of Mesoscale Ocean Processes; Monsoon dynamics; Natural Hazards/Catastrophe Modelling; Ocean Data Assimilation; Ocean Modeling and Analysis; Ocean Modelling and Process Studies; Ocean Processes Studies; Parameterization- Land Surface Processes; Past and future of Earth's Cryosphere; Physical Forcing on Biologi. Activity; Physical Oceanography; Polar climate change & variability; Regional coupled Modelling; Remote sensing and GIS; Remote Sensing of the Ocean Surfaces; Seismology/Seismic Exploration; Spatial Biodiversity; Terrestrial Remote Sensing; Upper Equatorial Indian Ocean Dynamics; Urban Boundary Layer, UHI Impact-Climate; Visualization of 3D Ocean Data; Water Masses & Climate Variations;

Academic Performance

Collaboration	07
Doctoral Degrees Awarded	07
Member - Professional Bodies	03
Member - Editorial Board	07
Awards & Honours	03
Sponsored Research Projects	22
Visits Abroad by Faculty Members	01
Invited Lectures by Faculty Members	12
Seminars, Conferences and Workshops Organized	04
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	02
Papers Published in Journals	40
Papers Presented in Conferences	49



Center for Re-Water Research

Head of the Department : Makarand Madhao Ghangrekar

Brief Description of on-going activities

Research is being undertaken to produce reusable quality treated water from polluted water stream, including sewage. Under this centre two sewage treatment plants are getting constructed on campus to produce potable quality treated water, with the capacities of 1350 cu.m per day and 300 cu.m per day. Another hybrid plant is already commissioned on campus to produce clean water from sewage for onsite reuse except potability.



Centre for Theoretical Studies

Convenor: Somnath Bharadwaj

Brief Descriptions on-going activities

1. CTS is offering new advanced post-graduate courses which are relevant across departments through involvement of faculty from various departments. These courses are: a) Methods in molecular simulations (TS70009), b) Advanced dynamics (TS70002), c) Wave propagation in continuous media (TS70003) d) Advanced Mathematical techniques (TS70004), e) Advanced quantum theory (TS70005) f) Quantum mechanics and quantum computing (TS70006) g) Hydrodynamics at Low Reynolds Number (TS61002) h) Nanomechanics (TS61004) .
2. CTS also offering Micro-Specialization in "SIMULATION METHODS AND APPLICATIONS" for under graduate student a) Simulations in Collider Physics and Cosmology (TS62001)
3. b) Monte Carlo Simulation in Engineering (CE60103)
4. CTS is also admitting PhD students through institute fellowships, CSIR fellowships. Currently eleven such students are enrolled.

Academic Performance

New Acquisitions	01
Lectures by Visiting Experts	09
Doctoral Degrees Awarded	01



Cryogenic Engineering

Head of the Department : Parthasarathi Ghosh

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Kanchan Chowdhury	Ph.D.	Cryogenic air separation; Prevention of Fire in hospitals; Liquefied Natural Gas (LNG) transport; Liquefied Natural Gas (LNG) vaporization; Safety in oxygen-rich environment
Vutukuru Vasudeva Rao	Ph.D.	Applied Superconductivity; Vacuum Technology

Associate Professors

Indranil Ghosh	Ph.D.	Heat Exchanges: PlateFin, Minichannel; Heat Transfer in Metal Foam; Solid Sorption Cooling; Cryosorption Storage of Hydrogen
Parthasarathi Ghosh	Ph.D.	Cryogenic refrigeration and liquefaction; Large scale helium cryogenics; CFD of cryogenic fluid transfer systems; Cryogenic rotating equipments; Low temperature processes and equipment
Tapas Kumar Nandi	Ph.D.	Cryogenic refrigeration; Perforated plate matrix heat exchanger; Cryogenic rocket propulsion; Thermoacoustics engine
Venimadhav Adyam	Ph.D.	

Assistant Professors

Abhay Singh Gour	Assistant Professor	Sensors & Actuators; Applied Superconductivity; Power Distribution System; Soft Computing and Control; Semiconductor Devices and Circuits
Pavitra Sandilya	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Abhay Singh Gour	Assistant Professor	Sensors & Actuators; Applied Superconductivity; Power Distribution System; Soft Computing and Control; Semiconductor Devices and Circuits
------------------	---------------------	---

Promotion

Indranil Ghosh	Professor	Heat Exchanges: PlateFin, Minichannel; Heat Transfer in Metal Foam; Solid Sorption Cooling; Cryosorption Storage of Hydrogen
Tapas Kumar Nandi	Ph.D.	Cryogenic refrigeration; Perforated plate matrix heat exchanger; Cryogenic rocket propulsion; Thermoacoustics engine

Research Areas

Applied Superconductivity; Carbon capture and storage; CFD of cryogenic fluid transfer systems; Cryogenic air separation; Cryogenic refrigeration; Cryogenic refrigeration and liquefaction; Cryogenic rocket propulsion; Cryogenic rotating equipments; Cryogenics in chemical processes; Cryosorption Storage of Hydrogen; Heat Exchanges: PlateFin, Minichannel; Heat Transfer in Metal Foam; Heat transfer using nano-fluids; Large scale helium cryogenics; Liquefied Natural Gas (LNG) transport; Liquefied Natural Gas (LNG) vaporization; Low temperature processes and equipment; Perforated plate matrix heat exchanger; Power Distribution System; Prevention of Fire in hospitals; Process Intensification; Process modelling and simulation; Safety in oxygen-rich environment; Semiconductor Devices and Circuits; Sensors & Actuators; Soft Computing and Control; Solid Sorption Cooling; Storage of cryogenics; Thermoacoustics engine; Vacuum Technology;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	05



Lectures by Visiting Experts	02
Doctoral Degrees Awarded	01
Member - Professional Bodies	07
Member - Editorial Board	01
Awards & Honours	01
Sponsored Research Projects	15
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	08
Seminars, Conferences and Workshops Organized	03
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	02
Papers Published in Journals	28
Papers Presented in Conferences	49



Materials Science Centre

Head of the Department : Pallab Banerji

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Bhanu Bhusan Khatua	Ph.D.	Polymeric Supercapacitors Materials; Polymeric Piezoelectric Materials; Polymer Composite for EMI-SE Application; Polymer-Graphene/CNT/CNH Nanocomposites; Polymer processing and composites
Chacko Jacob	Ph.D.	Thin film growth and epitaxy; Nanofabrication; Functional materials; 2D Transition Metal Dichalcogenides; Nanotechnology
Pallab Banerji	Ph.D.	
Subhasish Basu Majumder	Ph.D.	Oxide gas sensors; Fly ash based ceramic products; Multiferroic thin films and composites; Li and Na ion batteries; Fiber reinforced cement composites
Susanta Banerjee	Ph.D.	Polymer synthesis; Membrane separation; Fluorinated high performance polymers; Conductive polymers; Optoelectronic polymers

Associate Professors

Debabrata Pradhan	Ph.D.	Nanotechnology; Energy materials; Functional materials
-------------------	-------	--

Assistant Professors

Ayan Roy Chaudhuri	Ph.D., Bangalore	IISc Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Energy materials; Thin film growth and epitaxy; Nanofabrication; Two Dimensional Transition Metal Dichalcogenides
Hemakesh Mohapatra	Ph.D.	Stimuli-responsive polymers; Polymer processing and composites; Self healing elastomers
Rajat Kumar Das	Ph.D., Bangalore	IISc Self-healing hydrogels; Self healing elastomers
Shibayan Roy	Ph.D., Bangalore	IISc Crystallographic texture and EBSD; Mechanical Properties; Additive and Laser based Manufacturing; Glass and glass-ceramics; Modelling of metals and ceramics
Vidya Kochat	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Hemakesh Mohapatra	Assistant Professor	Stimuli-responsive polymers; Polymer processing and composites; Self healing elastomers
Vidya Kochat	Assistant Professor	

Promotion

Bhanu Bhusan Khatua	Professor	Polymeric Supercapacitors Materials; Polymeric Piezoelectric Materials; Polymer Composite for EMI-SE Application; Polymer-Graphene/CNT/CNH Nanocomposites; Polymer processing and composites
---------------------	-----------	--

Research Areas

2D Transition Metal Dichalcogenides; Additive and Laser based Manufacturing; Conductive polymers; Crystallographic texture and EBSD; Energy materials; Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Fiber reinforced cement composites; Fluorinated high performance polymers; Fly ash based ceramic products; Functional materials; Glass and glass-ceramics; Li and Na ion batteries; Mechanical Properties; Membrane separation; Modelling of metals and ceramics; Multiferroic thin films and composites; Nanofabrication; Nanotechnology; Optoelectronic polymers; Oxide gas sensors; Polymer Composite for EMI-



SE Application; Polymer-Graphene/CNT/CNH Nanocomposites; Polymeric Piezoelectric Materials; Polymeric Supercapacitors Materials; Polymer processing and composites; Polymer synthesis; Self healing elastomers; Self-healing hydrogels; Stimuli-responsive polymers; Thin film growth and epitaxy; Two Dimensional Transition Metal Dichalcogenides;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	48
Doctoral Degrees Awarded	07
Member - Professional Bodies	04
Member - Editorial Board	03
Awards & Honours	03
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	38
Visits Abroad by Faculty Members	04
Invited Lectures by Faculty Members	22
Papers Published in Journals	64
Papers Presented in Conferences	11



Rubber Technology

Head of the Department : Nikhil Kumar Singha

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Kinsuk Naskar	Ph.D.	High Performance TPV; Green Tyre Technology; Shape memory polymer blends; Polymer and rubber nanocomposites; Electron beam processing/crosslinking
Nikhil Kumar Singha	Ph.D.	Self healing elastomers; Polymer and rubber nanocomposites; Synthetic Polymer Chemistry; Polymer Characterizations & Modifications; Fluorinated high performance polymers
Santanu Chattopadhyay	Ph.D.	Viscoelasticity of rubbery nanocomposite; Advanced Rubber Compounds; Biopolymer and Biocomposites; Smart Textiles/ Technical Textiles; FEA of rubber and product design

Associate Professors

Narayan Chandra Das	Ph.D. IIT Kharagpur	Polymer and rubber nanocomposites; New generation green tire compounds; Polymeric food packaging materials; Biodegradable polymers; Carbon dots & nanomaterials for sensors
---------------------	---------------------	---

Emeritus Faculty

Name	Designation	Research Areas
Anil Kumar Bhowmick	Professor	

Research Areas

Advanced Rubber Compounds; Biodegradable polymers; Biopolymer and Biocomposites; Carbon dots & nanomaterials for sensors; Electron beam processing/crosslinking; FEA of rubber and product design; Fluorinated high performance polymers; Green Tyre Technology; High Performance TPV; New generation green tire compounds; Polymer and rubber nanocomposites; Polymer Characterizations & Modifications; Polymeric food packaging materials; Self healing elastomers; Shape memory polymer blends; Smart Textiles/ Technical Textiles; Synthetic Polymer Chemistry; Viscoelasticity of rubbery nanocomposite;

Academic Performance

Collaboration	06
Doctoral Degrees Awarded	11
Member - Professional Bodies	04
Member - Editorial Board	07
Awards & Honours	01
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	18
Consultancy Projects	09
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	21
Seminars, Conferences and Workshops Organized	01
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	03
Papers Published in Journals	55
Papers Presented in Conferences	22



Rural Development

Head of the Department : Nirupama Mallick

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Pradip Kumar Bhowmick	Ph.D.	Rural and Tribal Development Planning

Assistant Professors

Piyush Kumar Singh	Ph.D.	Agricultural Production and Management; Pricing & Risk management in Agriculture; AgriValue Chain Financing and Management; Digital Platform for Financial Inclusion; Resource Use Efficiency in Farming
Somnath Ghosal	Ph.D.	Rural Development and Regional Planning; Ethnographic and Qualitative Research; Aboriginal Culture, Believes & Practices; Biodiversity and Environment; Community Forestry

Research Areas

Aboriginal Culture, Believes & Practices; Agricultural Production and Management; AgriValue Chain Financing and Management; Biodiversity and Environment; Community Forestry; Digital Platform for Financial Inclusion; Ethnographic and Qualitative Research; Pricing & Risk management in Agriculture; Resource Use Efficiency in Farming; Rural and Tribal Development Planning; Rural Development and Regional Planning;

Academic Performance

Collaboration	02
Member - Professional Bodies	05
Member - Editorial Board	01
Awards & Honours	01
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	08
Visits Abroad by Faculty Members	01
Seminars, Conferences and Workshops Organized	02
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	01
Papers Published in Journals	04
Papers Presented in Conferences	04



Steel Technology Centre

Head of the Department : Surjya Kanta Pal

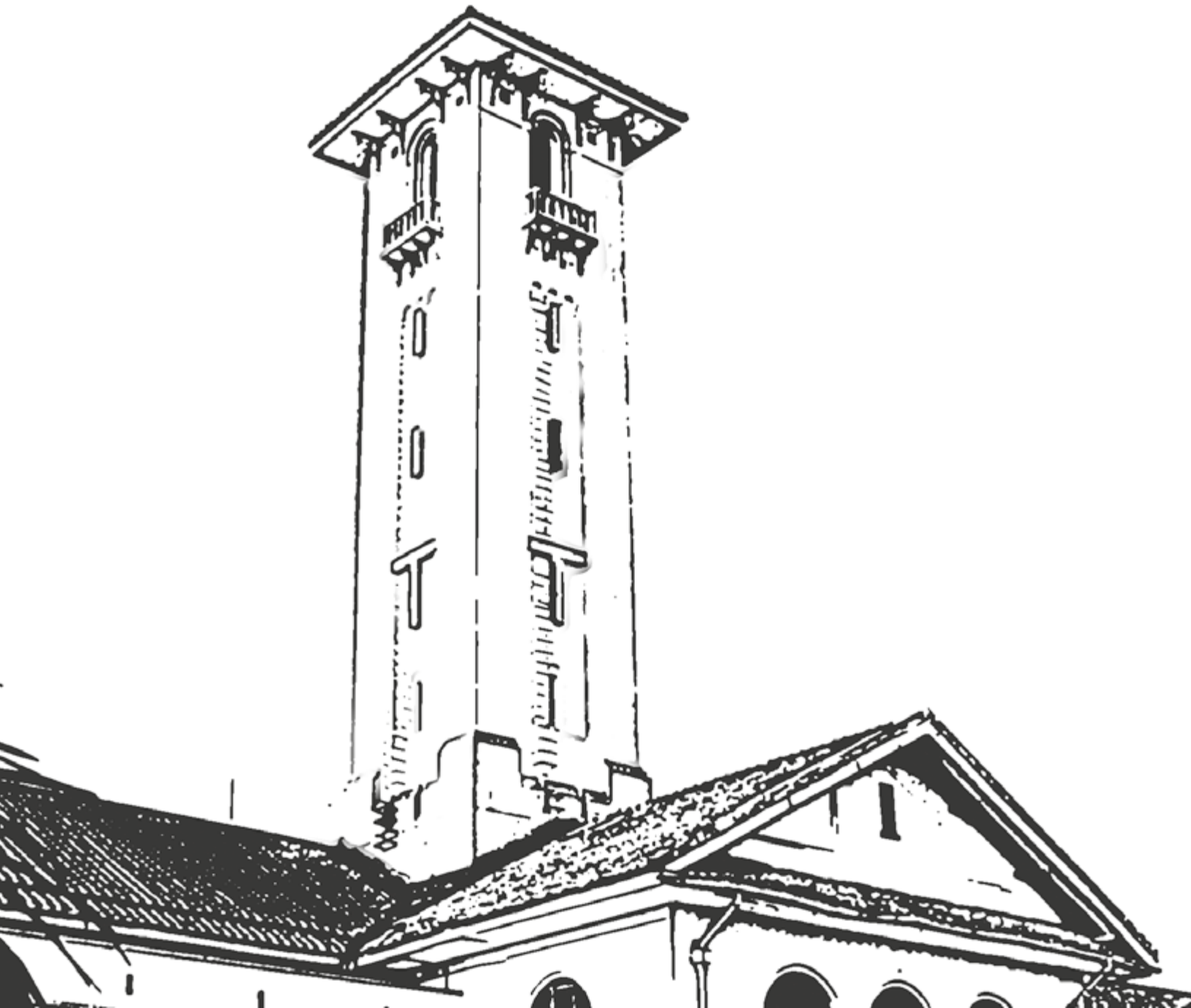
Brief Description of on-going activities

The centre has got the state of the art facilities on different types of metal working processes, such as instrumented rolling mills, forging press, different types of furnaces, characterization setups, optical microscopes, tensile testing instruments etc.

The centre is actively doing industrial research with iron and steel making organizations such as Tata Steel, and also with R&D laboratory of Iron and Steel making.



ACADEMIC SCHOOL





G.S Sanyal School of Telecommunication

Head of the Department : Raja Datta

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Saswat Chakrabarti	Ph.D.	

Associate Professors

Debarati Sen	Ph.D.	5G Communications; Millimeter Wave Communications; Large MIMO Systems; Cloud RAN; Green Communications
Goutam Das	Ph.D.	Optical Communication and Networks; Cellular Networks; Cognitive Radio Networks; Industrial Economics; Computational chemistry
Suvra Sekhar Das	Ph.D.	

Assistant Professors

Amit Kumar Dutta	Assistant Professor	5G Communications; Communication systems; Quantum Information Theory; Physical Layer communication theory
Aneek Adhya	Ph.D.	Elastic optical networks; Computer Communication and Networks; Hybrid Wireless-Optical Access Networks; Physical Layer Impairment Issues
Parthajit Mohapatra	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Amit Kumar Dutta	Assistant Professor	5G Communications; Communication systems; Quantum Information Theory; Physical Layer communication theory

New Faculty Appointment

Asoknath Chatterjee	Professor	
---------------------	-----------	--

Promotion

Amit Kumar Dutta	Assistant Professor	5G Communications; Communication systems; Quantum Information Theory; Physical Layer communication theory
------------------	---------------------	---

Resignation

Parthajit Mohapatra	Ph.D.	
---------------------	-------	--

Research Areas

5G Communications; Cellular Networks; Cloud RAN; Cognitive Radio Networks; Communication systems; Computational chemistry; Computer Communication and Networks; Elastic optical networks; Green Communications; Hybrid Wireless-Optical Access Networks; Industrial Economics; Large MIMO Systems; Millimeter Wave Communications; Optical Communication and Networks; Physical Layer communication theory; Physical Layer Impairment Issues; Quantum Information Theory;

Academic Performance

New Acquisitions	07
Collaboration	12
Lectures by Visiting Experts	03
Doctoral Degrees Awarded	05
MS Degrees Awarded	01
Member - Professional Bodies	03



Member - Editorial Board	01
Sponsored Research Projects	09
Consultancy Projects	01
Visits Abroad by Faculty Members	04
Invited Lectures by Faculty Members	06
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	02
Papers Published in Journals	26
Papers Presented in Conferences	16



Ranbir and Chitra Gupta School of Infrastructure Design and Mngt.

Head of the Department : Bhargab Maitra

Assistant Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Ankhi Banerjee	Ph.D. (Kanpur)	Residential Location Choice; Housing Affordability; Urban and Regional Planning; Urban design; Urban Planning: Utilities, Services
Arkopal Kishore Goswami	Ph.D.	Urban Transport Planning and Mgmt; Preservation of Roadway Infrastructure; Performance Management; Multimodal Transport Planning
Bharath Haridas Aithal	Ph.D.	Remote sensing and GIS; Urban design; Machine Learning; Soft Computing and Control; Factor based Modelling for Urban Mixed Land Use
Swati Maitra	Ph.D.	Transport Infrastructure; Retrofitting and Rehabilitation; Concrete and Cementitious materials; Tourism Infrastructure and Management

Promotion

Bharath Haridas Aithal	Ph.D.	Remote sensing and GIS; Urban design; Machine Learning; Soft Computing and Control; Factor based Modelling for Urban Mixed Land Use
------------------------	-------	---

Research Areas

Concrete and Cementitious materials; Factor based Modelling for Urban Mixed Land Use; Housing Affordability; Machine Learning; Multimodal Transport Planning; Performance Management; Preservation of Roadway Infrastructure; Remote sensing and GIS; Residential Location Choice; Retrofitting and Rehabilitation; Soft Computing and Control; Tourism Infrastructure and Management; Transport Infrastructure; Urban and Regional Planning; Urban design; Urban Planning: Utilities, Services; Urban Transport Planning and Mgmt;

Academic Performance

Collaboration	07
Member - Professional Bodies	02
Awards & Honours	02
Sponsored Research Projects	17
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	05
Invited Lectures by Faculty Members	09
Seminars, Conferences and Workshops Organized	06
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	08
Papers Published in Journals	13
Papers Presented in Conferences	28



Rajiv Gandhi School of Intellectual Property Law

Head of the Department : Padmavati Manchikanti

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Dipa Dube	Ph.D.	
Indrajit Dube	Ph.D.	
Padmavati Manchikanti	Ph.D.	Plant secondary metabolic pathways; Recombinant Drug Regulation and IPAspect; Bioenergy-IP and commercialisation; Implementation of IP Laws; Biodiversity Law
Raju K D	Ph.D.	International Law; Intellectual property law; International Economic and Trade Law

Associate Professors

Uday Shankar	Ph.D.	Constitutional Law; Socio-Economic Rights; Energy Law; Labour and Industrial Law
--------------	-------	--

Assistant Professors

Arindam Basu	Ph.D.	
Balraj Kaur Sidhu	Ph.D.	International Law; Environmental Law; Courts and Tribunals; Sexual and Gender based Violence; Internet Governance
Gaurav Shukla	Ph.D.	
Gouri Ashok Gargate	Ph.D.	Intellectual property management; Intellectual property audit, valuation; Intellectual property analytics; Technology transfer; Intellectual property law
Niharika Sahoo Bhattacharya	Ph.D.	Intellectual property law; Pharmaceuticals and IPR; Geographical Indication; Patent Law; Competition Law and IPR
Shreya Matilal	Ph.D.	
S R Subramanian	Ph.D. , Nagpur	International Law; International Investment Law; International Commercial Arbitration; International Human Rights Law

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Gouri Ashok Gargate	Ph.D.	Intellectual property management; Intellectual property audit, valuation; Intellectual property analytics; Technology transfer; Intellectual property law
Niharika Sahoo Bhattacharya	Ph.D.	Intellectual property law; Pharmaceuticals and IPR; Geographical Indication; Patent Law; Competition Law and IPR

Visiting Faculty

Prabuddha Ganguli	Visiting Faculty
-------------------	------------------

Promotion

Dipa Dube	Ph.D.	
Indrajit Dube	Ph.D.	
Padmavati Manchikanti	Ph.D.	Plant secondary metabolic pathways; Recombinant Drug Regulation and IPAspect; Bioenergy-IP and commercialisation; Implementation of IP Laws; Biodiversity Law
Raju K D	Ph.D.	International Law; Intellectual property law; International Economic and Trade Law
Uday Shankar	Ph.D.	Constitutional Law; Socio-Economic Rights; Energy



Resignation

Gaurav Shukla

Ph.D.

Brief Description of on-going activities

Title and duration of Conferences organized

National

1. 4th National Moot Court Competition, (31st August, 2018 to 02nd September, 2018)
2. National Colloquium on Legal Research (15th March 2019 and 16th March 2019)
3. Research Scholars Day (15th March 2019 and 16th March 2019)
4. AICTE Workshop on Biotechnology and Intellectual Property Rights (04th to 10th February, 2019)
5. AICTE Workshop on IP Management of Academic and Research Institute (04th to 10th March, 2019)
6. Workshop on 'The Multiple Facet of IPR – An Engineering's Perspective' with collaboration with IPR Cell, IIT Kharagpur
7. Patent Drafting workshop – Mr Dipan Banerjee, Lakshmikumaran and Sridharan Attorneys (2nd March 2019)
8. Organized IP workshop along with IP Cell, IIT Kharagpur on 'IP power house: Fuel for start ups' – Dr Malathi Lakshmikumaran
9. Short term course on "industrial relations – Make in India and Skills and Skill India
10. GIAN course on 'Law and Policy on Renewable energy'

International

1. International IP Symposium jointly conducted by IIT Kharagpur, George Washington University Law School, USA and Gujrat National Law University, October 3-6

Institute Lecture

Organised Institute lecture jointly with IP Cell IIT Kharagpur on 'Commercializing Innovation: Why do inventors patent their inventions?' By Dr Malathi Lakshmikumaran (March 2nd, 2019)

Research Areas

Biodiversity Law; Bioenergy-IP and commercialisation; Competition Law and IPR; Constitutional Law; Courts and Tribunals; Energy Law; Environmental Law; Geographical Indication; Implementation of IP Laws; Intellectual property analytics; Intellectual property audit, valuation; Intellectual property law; Intellectual property law; Intellectual property management; International Commercial Arbitration; International Human Rights Law; International Investment Law; International Law; Internet Governance; Labour and Industrial Law; Patent Law; Pharmaceuticals and IPR; Plant secondary metabolic pathways; Recombinant Drug Regulation and IP aspect; Sexual and Gender based Violence; Socio-Economic Rights; Technology transfer;

Academic Performance

Collaboration	03
Lectures by Visiting Experts	10
Doctoral Degrees Awarded	06
Member - Professional Bodies	20
Member - Editorial Board	07
Awards & Honours	01
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	09
Visits Abroad by Faculty Members	14
Invited Lectures by Faculty Members	56
Seminars, Conferences and Workshops Organized	07
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	04
Papers Published in Journals	11
Papers Presented in Conferences	04



Rajendra Mishra School of Engg Entrepreneurship

Head of the Department : Partha Pratim Das

Associate Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Basab Chakraborty	Ph.D.	
Pranab Kumar Dan	Ph.D.	Transmission and Driveline Analysis; Efficient Manufacturing System Design; Robust Optimisation to Reduce Failure; Adaptive Transmission ECU Design for Car; Vehicle Transmission Design and Testing

Assistant Professors

Bhaskar Bhowmick	Ph.D.	Social Entrepreneurship; Entrepreneurship Development; Firm Environment and Leadership; Technology and Sustainable Development; Start-up Ecosystem
Mamoni Banerjee	Ph.D.	Phytochemicals, Bio pesticides; Pesticidal bio-efficacy; Rural Technology Development; Health Care Management; Entrepreneurship
Manoj Kumar Mondal	Ph.D.	
Mrigank Sharad	Ph.D.	Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design; VLSI for Neuromorphic Computing; Biomedical Systems; Artificial Intelligence; Intelligent Internet of Things (IoT)
Prabha Bhola	Ph.D.	Entrepreneurship Development; Product Analytics and Modelling; Statistical Decision Modeling; Energy Management
Ram Babu Roy	Ph.D.	Health Care Management; Complex and Social Networks; Big Data Analytics
Titas Bhattacharjee (Rudra)	Ph.D.	Financial Management; Corporate Governance; Entrepreneurship; Agricultural Economics; Corporate Reporting

Promotion

Name	Highest Degree	Research Areas
Basab Chakraborty	Associate Professor	

Research Areas

Adaptive Transmission ECU Design for Car; Agricultural Economics; Artificial Intelligence; Big Data Analytics; Biomedical Systems; Complex and Social Networks; Corporate Governance; Corporate Reporting; Efficient Manufacturing System Design; Energy Management; Entrepreneurship; Entrepreneurship Development; Financial Management; Firm Environment and Leadership; Health Care Management; Intelligent Internet of Things (IoT); Pesticidal bio-efficacy; Phytochemicals, Bio pesticides; Product Analytics and Modelling; Robust Optimisation to Reduce Failure; Rural Technology Development; Signal Conditioning & Mixed-Signal VLSI Design; Social Entrepreneurship; Start-up Ecosystem; Statistical Decision Modeling; Technology and Sustainable Development; Transmission and Driveline Analysis; Vehicle Transmission Design and Testing; VLSI for Neuromorphic Computing;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	11
Doctoral Degrees Awarded	01
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	04
Member - Editorial Board	10



Sponsored Research Projects	13
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	06
Seminars, Conferences and Workshops Organized	02
Papers Published in Journals	13
Papers Presented in Conferences	17



School of Bio Science

Head of the Department : Amit Kumar Das

Professors

Nihar Ranjan Jana	Ph.D.	Neurodegenerative disorders; Protein quality control mechanisms; Experience-dependent synaptic plasticity
-------------------	-------	---

Assistant Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Abhijit Das	Ph.D., Tata Institute of Fundamental Research	Developmental neurobiology; Neuro-epigenetics; Ageing and neuro-degenerative disorders
Arindam Mondal	Ph.D., University of Calcutta	Molecular Virology; Biochemistry
Dibyendu Samanta	Ph.D.	Protein engineering; Immune receptors; Cell adhesion molecules; Protein-protein/nucleic acid interaction
Ritobrata Goswami	Ph.D., Indiana University	Immunology; T cell biology
Soumya De	Ph.D.	NMR Spectroscopy; Structural Biology; Biophysics; Signal transduction and gene expression; Protein engineering

New Faculty Appointment

Name	Highest Degree	Research Areas
Nihar Ranjan Jana	Ph.D.	Neurodegenerative disorders; Protein quality control mechanisms; Experience-dependent synaptic plasticity

Research Areas

Ageing and neuro-degenerative disorders; Biochemistry; Biophysics; Cell adhesion molecules; Developmental neurobiology; Experience-dependent synaptic plasticity; Immune receptors; Immunology; Molecular Virology; Neurodegenerative disorders; Neuro-epigenetics; NMR Spectroscopy; Protein engineering; Protein-protein/nucleic acid interaction; Protein quality control mechanisms; Signal transduction and gene expression; Structural Biology; T cell biology;

Academic Performance

New Acquisitions	04
Collaboration	04
Lectures by Visiting Experts	03
Doctoral Degrees Awarded	01
Member - Editorial Board	04
Awards & Honours	01
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	16
Invited Lectures by Faculty Members	04
Seminars, Conferences and Workshops Organized	01
Papers Published in Journals	10
Papers Presented in Conferences	02



Energy Science and Engineering

Head of the Department : Suneel Kumar Srivastava

Assistant Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Amit Ghosh	Ph.D., IISc Bangalore	
Chirodeep Bakli	Ph.D.	Microfluidics; Micro/nano-scale transport processes; Nanofluidics; Molecular simulation; Renewable Energy Sources
Sreeraj Puravankara	Ph.D., Westphalia-Wilhelms University, Germany	Energy materials; Rechargeable batteries; Structural Chemistry; Sodium ion batteries; Lithium-ion battery modelling
Trilok Singh	Ph.D.	Energy materials; Functional materials; Nano materials; Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Solar Photovoltaics

Research Areas

Energy materials; Engineered oxide & semiconductor heterostructures; Functional materials; Lithium-ion battery modelling; Nano materials; Rechargeable batteries; Sodium ion batteries; Solar Photovoltaics; Structural Chemistry;

Academic Performance

Collaboration	01
Member - Professional Bodies	01
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	11
Consultancy Projects	01
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	09
Seminars, Conferences and Workshops Organized	01
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	01
Papers Published in Journals	10
Papers Presented in Conferences	04



Environmental Science and Engineering

Head of the Department : Makarand Madhao Ghangrekar

Assistant Professor

Name	Highest Degree	Research Areas
Shamik Chowdhury	Ph.D.	

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Shamik Chowdhury	Assistant Professor	

Visiting Faculty

Binay Kanti Dutta	Visiting Faculty
-------------------	------------------

Brief Description of on-going activities

School of Environmental engineering is undertaking leading edge research in the area of ground water pollution control, Water quality management, sewage treatment and reuse, industrial water pollution control, Soil pollution, solid and hazardous waste management, and air pollution control. The faculty associated with the School are undertaking the sponsored research projects in this area and extending consultancy services to the municipalities, State Governments and Central Government on Environmental Related issues.

Research Areas

Biogas; Environmental Engineering; Pollution Control Technologies;

Academic Performance

Collaboration	01
Consultancy Projects	02
Invited Lectures by Faculty Members	01
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	01
Papers Published in Journals	03



School of Medical Science and Technology

Head of the Department : Jyotirmoy Chatterjee

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Jyotirmoy Chatterjee	Ph.D.	Oral Pre-cancer Therapeutic Patch Dev.; Wound Healing & Honey; Stem cells Diffe. & Honey based Matrix; Multi-modal Imaging on Oral cancer Diag; Lung Cancer & Diabetic Retinopathy Diag
Koel Chaudhury	Ph.D.	Non-invasive biomarkers and sensors; Metabolomics; Nanomedicine; Women's health; Respiratory disorders
Mahitosh Mandal	Ph.D.	
Manjunatha Mahadevappa	Ph.D.	
Sangeeta Das Bhattacharya	Ph.D.	
Santanu Dhara	Ph.D.	
Soumen Das	Ph.D.	BioMEMS; Microfluidics; Sensors & Actuators; MEMS and Microsystems; Biomedical devices, Flexible electronics

Assistant Professors

Gayatri Mukherjee	Ph.D.	Immunology; Development of Immunotherapeutics; Commensal Microbiota in Cancer; Immune modulation in atherosclerosis
Nishant Chakravorty	Ph.D.	Regenerative Medicine; Clinical Research; Bone Regeneration & Bone Tissue Engineering
Praphulla Chandra Shukla	Ph.D.	Atherosclerosis and non-coding RNAs; Immune interaction in heart and vessels; Cardiac developmental biology; Heart failure and vascular biology

Visiting Faculty

Name	Designation	Research Areas
Debashree Guha Adhya	Visiting Faculty	
Marc J. Madou	Visiting Faculty	
Satadal Saha	Visiting Faculty	

Retirement

Analava Mitra	Ph.D.	
Chandan Chakraborty	Ph.D.	Biomedical Data Analytics; Digital Pathology; Medical Image Analysis; Machine Learning for Medical Imaging

New Academic Programmes

Three joint M.Sc./Ph.D. programs in collaboration with Tata Medical Center, Kolkata in

- (i) Medical Physics,
- (ii) Nuclear Medicine,
- (iii) Molecular Medical Microbiology.

Research Areas

Atherosclerosis and non-coding RNAs; Biomedical devices, Flexible electronics; BioMEMS; Bone Regeneration & Bone Tissue Engineering; Cardiac developmental biology; Clinical Research; Commensal Microbiota in Cancer; Development of Immunotherapeutics; Heart failure and vascular biology; Immune interaction in heart and vessels; Immune modulation in atherosclerosis; Immunology; Lung Cancer & Diabetic Retinopathy Diag; MEMS and Microsystems; Metabolomics; Microfluidics; Multi-modal Imaging



on Oral cancer Diag; Nanomedicine; Non-invasive biomarkers and sensors; Oral Pre-cancer Therapeutic Patch Dev.; Regenerative Medicine; Respiratory disorders; Sensors & Actuators; Stem cells Diffe. & Honey based Matrix; Women's health; Wound Healing & Honey;

Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	26
Lectures by Visiting Experts	02
Doctoral Degrees Awarded	07
MS Degrees Awarded	01
Fellow - Professional Bodies	01
Member - Professional Bodies	04
Member - Editorial Board	04
Awards & Honours	02
Sponsored Research Projects	32
Invited Lectures by Faculty Members	10
Papers Published in Journals	15
Papers Presented in Conferences	10



Nano Science and Technology

Head of the Department : Rahul Mitra

New Academic Programmes

1. Ph.D program has been started from 2014 . MS/M.Tech Program will be started later .

Brief Description of on-going activities

The School of Nano-Science and Technology is involved in diverse research activities of interdisciplinary nature:

- (i) Group-IV and III-V semiconductor nanostructures for electronic and photonic devices;
- (ii) MEMS and microsystems, Nano-electronics, Nano-scale systems engineering;
- (iii) GMR & magneto-electric and magnetocaloric materials;
- (iv) Polymer and rubber based nanocomposites;
- (v) Polymer thin film instability, self organization and meso-mechanics;
- (vi) Carbon nanotubes, graphene, metallic nanowires, and nano-particles;
- (vii) Biocompatible nanostructures for bioimaging & diagnostics, drug delivery, biosensor;
- (viii) Intermetallics, bulk amorphous alloys and nanocomposites;
- (ix) Nanostructured/nanocomposite thin films and coatings;
- (x) Oxide gas sensors, Lithium ion rechargeable batteries;
- (xi) Computational nanostructures

Academic Performance

New Acquisitions	13
Lectures by Visiting Experts	02
Doctoral Degrees Awarded	01



School of Water Resources

Head of the Department : Ashok Kumar Gupta

Associate Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Bhabagrahi Sahoo	Ph.D.	Integrated River Basin Management; Real-time flood modeling and forecasting; Surface water - Groundwater interaction; Meso-scale Solute Transport Dynamics; Remote Sensing in Hydroinformatics

Assistant Professors

Manoj Kumar Tiwari	Ph.D.	Water & Wastewater Treatment / Recycling; Bioremediation and Biodegradation; Fate and Transport of Contaminants; Contaminated Site Management; Smart Water Distribution Systems;
Partha Sarathi Ghosal	Ph.D.	Water and wastewater treatment; Geogenic pollutant removal; Water supply network management; Advanced wastewater treatment; Adsorption
Renji Remesan	Ph.D.	Land surface processes & environment; Climate Impacts on Water Resources; Catchment modelling and management; Hydroinformatics

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Partha Sarathi Ghosal	Assistant Professor	Water and wastewater treatment; Geogenic pollutant removal; Water supply network management; Advanced wastewater treatment; Adsorption

Promotion

Bhabagrahi Sahoo	Professor	Integrated River Basin Management; Real-time flood modeling and forecasting; Surface water - Groundwater interaction; Meso-scale Solute Transport Dynamics; Remote Sensing in Hydroinformatics
------------------	-----------	--

Brief Description of on-going activities

- Ecofriendly treatment systems for reuse of greywater
- Leak detection and urban water supply network management
- Pathway identification & toxicity analysis of electrochemical oxidation of methyl orange
- Developed approaches for real-time short-to-medium range streamflow and reservoir inflow forecasting with a maximum lead-time of 7-days.
- Developed a stream-aquifer interaction model under sparse data-availability scenarios to estimate the exchange flux
- Developed a technique for daily-scale monitoring of river pollution using remote sensing data
- Bathymetric survey and water quality and sediment quantity analysis in Tilaiya Dam
- Land surface process modeling using JULES in Krishna River basin
- Sediment characterization using sediment finger printing approaches in the Konar dam catchment

Research Areas

Bioremediation and Biodegradation; Catchment modelling and management; Climate Impacts on Water Resources; Contaminated Site Management; Fate and Transport of Contaminants; Hydroinformatics; Integrated River Basin Management; land surface processes & environment; Meso-scale Solute Transport Dynamics; Real-time flood modeling and forecasting; Remote Sensing in Hydroinformatics; Smart Water Distribution Systems; Surface water - Groundwater interaction; Water & Wastewater Treatment / Recycling;



Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	17
Doctoral Degrees Awarded	04
MS Degrees Awarded	01
Member - Professional Bodies	03
Member - Editorial Board	01
Fellowships	02
Sponsored Research Projects	13
Consultancy Projects	04
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	11
Seminars, Conferences and Workshops Organized	02
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	02
Papers Published in Journals	08
Papers Presented in Conferences	08



Subir Chowdhury School of Quality and Reliability

Head of the Department : Sanjay Kumar Chaturvedi

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Sanjay Kumar Chaturvedi	Ph.D.	FMEA/FMECA, Reliability Apportionment; Network Reliability; Reliability based Design; Reliability data Analysis, Maintenance; System Reliability Modelling and Analysis
V N Achutha Naikan		Reliability Engineering; Condition-Based Maintenance; Quality Control; Simulation

Associate Professors

Neeraj Kumar Goyal		Accelerated Life Testing; Probabilistic Safety Assessment; RAMS for Railway Systems; System Reliability Modeling; Communication Network Reliability
--------------------	--	---

Assistant Professors

Monalisa Sarma	Ph.D.	
Rajiv Nandan Rai	Visiting Faculty	RAMS analysis; Preventive Maintenance; Prognostic Health Monitoring, Process Reliability; TQM and with Analytics; Repairable Systems Reliability Analysis

Visiting Faculty

Name	Designation	Research Areas
Rajiv Nandan Rai	Visiting Faculty	RAMS analysis; Preventive Maintenance; Prognostic Health Monitoring, Process Reliability; TQM and with Analytics; Repairable Systems Reliability Analysis

Promotion

Sanjay Kumar Chaturvedi	Ph.D.	FMEA/FMECA, Reliability Apportionment; Network Reliability; Reliability based Design; Reliability data Analysis, Maintenance; System Reliability Modelling and Analysis
Rajiv Nandan Rai	Visiting Faculty	RAMS analysis; Preventive Maintenance; Prognostic Health Monitoring, Process Reliability; TQM and with Analytics; Repairable Systems Reliability Analysis

New Academic Programmes

1. The new course curriculum under the aegis of 'School' banner has started from the academic year 2018-19. The School has also started a Micro-specialization in Quality Engineering for the UG students of other departments of the Institute from the academic year 2018-19.

Brief Description of on-going activities

The M. Tech. new course curriculum of the school has been started from the session 2018-19. First batch of students in the new curriculum are now in their project and thesis phase. The new building of the School is expected to be handed over soon and by December 2019, the School will start operating in its entirety from its new location. The faculty members have brought the research projects (under IMPRINT-2 as Co-PI, from SRIC as PI) in the tune of about a crore. There were 24 Int. Journals and 13 conference papers contributed by the School during the last academic year. A MoU for development of outcome based series of short term training modules tailored to TVSE Motor Company, Hossur has been signed for a period of three years w. e. f. 2018. The faculty members visited their premises in September'18, November'18 and February'19, respectively to complete the first year commitment to train their engineers in the area of reliability, maintainability and maintenance engineering. The participants in this course were engineers from their operations, R&D, and maintenance departments. Development of Quality Engineering Lab is completed. First batch has successfully completed the lab work under the new curricula.

All regular students of current graduating batch got placed in Oceaneering International, Cummins India Limited, Eaton Technologies, John Deere and Pranav Vikas, Faridabad, achieving a target of 100%



placement. Besides, the regular students of the current batch have got internship offer from various multi-nationals for a period of 6-10 months. Currently there are 24 research students on roll of the School out of which 21 are PhD scholars, three are MS students and one engineer from RINL, Visakhapatnam under 'Certificate in Excellence Program (CER)'. Another two research students have successfully defended their research leading to the award of Ph. D. degree whereas three research scholars have joined Curtin University, under the dual Ph. D. program (DDDP) under an MoU with Curtin University.

An industry talk was organized for the benefits of our students in January 18, 2019. Mr. Pravin Kadekodi, Engineering Manager – Center for Reliability & Safety, Eaton India Innovation Center delivered his talks entitled "Expectation from reliability engineering in evolving technology landscape" and "Industry challenges faced by reliability engineers", respectively.

Research Areas

Accelerated Life Testing; Communication Network Reliability; Condition-Based Maintenance; FMEA/FMECA, Reliability Apportionment; Network Reliability; Preventive Maintenance; Probabilistic Safety Assessment; Prognostic Health Monitoring, Process Reliability; Quality Control; RAMS analysis; RAMS for Railway Systems; Reliability based Design; Reliability data Analysis, Maintenance; Reliability Engineering; Repairable Systems Reliability Analysis; Simulation; System Reliability Modeling; System Reliability Modelling and Analysis; TQM and with Analytics;

Academic Performance

Collaboration	04
Lectures by Visiting Experts	02
Member - Professional Bodies	04
Awards & Honours	01
Sponsored Research Projects	08
Consultancy Projects	01
Visits Abroad by Faculty Members	01
Invited Lectures by Faculty Members	03
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	05
Papers Published in Journals	14
Papers Presented in Conferences	12



Vinod Gupta School of Management

Head of the Department : Prabina Rajib

Professors

Name	Highest Degree	Research Areas
Gautam Sinha	Ph.D.	
Prabina Rajib	Ph.D.	
Sangeeta Sahney	Ph.D.	Marketing management; Consumer Behavior; Services Marketing; Organizational Behavior; Quality Management

Associate Professors

Arun Kumar Misra	Ph.D.	Product Pricing and Product Risk; Asset-Liability Management; Risk-Based Pricing; Banks' Capital and Liquidity Management; Market Microstructure
Biplab Datta	Ph.D.	Leadership; Social Media Marketing [eWOM]; Customer Relationship Management; Services Marketing
Chandra Sekhar Mishra	Ph.D.	
Parama Barai	Ph.D.	
Ranjan Chaudhuri	Ph.D.	
Rudra Prakash Pradhan	Ph.D.	Banking and Decisions making; Financial Economics and related Studies; Statistical Decision Modeling; Public Economics & Policy
Sujoy Bhattacharya	Ph.D.	Statistical Decision Modeling
Susmita Mukhopadhyay	Ph.D.	Spirituality and Work place happiness; People Analytics; Behavioural issues in Microfinance; Leadership; Ethics

Assistant Professors

Abhijeet Chandra	Ph.D. JMI New Delhi	Corporate Finance; Financial Economics and related Studies; Behavioral Finance; Financial Markets and Risk Management; Asset Pricing
Ajay Kumar Mishra	Assistant Professor	Market Microstructure; Corporate Finance; Asset Pricing; Banking Regulations; Short Selling and Informed Trading
Amit Upadhyay	Ph.D.	Operations Research (OR); Transportation and Logistics Management; Revenue Optimization; Railway Analytics
Aradhna Malik	Ph.D.	Geriatric Well-being & End of Life Care; Social Entrepreneurship; Media & Communication Studies; Corporate Social Responsibility; Communication & Sustainable Development
Barnali Nag	Ph.D.	
Saini Das	Ph.D.	Information Security; Information security risk management; Management Information Systems; E-commerce Technology and Applications; Cyber ethics : security and privacy
Srabanti Mukherjee	Ph.D., IIESc&T, Shibpur	Consumer Behavior; Social Media Marketing [eWOM]; Services Marketing; Healthcare and Higher Education; Bottom of Pyramid and Rural Marketing
Swagato Chatterjee	Ph.D.	Predictive Analytics; Game Theory; Big Data Analytics; Statistical Decision Modeling
Tuheena Mukherjee	Ph.D.	
Tutan Ahmed	Ph.D.	Human Development; Applied Econometrics; 5. Education for Sustainable Development; Labour Economics; Machine Learning and Pattern Recognition

New Faculty Appointment

Name	Highest Degree	Research Areas
Ajay Kumar Mishra	Assistant Professor	Market Microstructure; Corporate Finance; Asset Pricing;



		Banking Regulations; Short Selling and Informed Trading
Biswarup Ghosh	Visiting Faculty	
Surojit Mookherjee	Visiting Faculty	Knowledge Management; Manufacturing/Production Planning & Control; Operations management; Project Management, Maintenance & Monitoring
Visiting Faculty		
Biswarup Ghosh	Visiting Faculty	
Kunal Kanti Ghosh	Visiting Faculty	Supply Chain Analytics; Product Analytics and Modelling; Engineering Services Outsourcing; World Class Manufacturing (WCM)
Sanjib Chowdhury	Visiting Faculty	
Surojit Mookherjee	Visiting Faculty	Knowledge Management; Manufacturing/Production Planning & Control; Operations management; Project Management, Maintenance & Monitoring
Swagato Chatterjee	Visiting Faculty	Predictive Analytics; Game Theory; Big Data Analytics; Statistical Decision Modeling
Tutan Ahmed	Visiting Faculty	Human Development; Applied Econometrics; 5. Education for Sustainable Development; Labour Economics; Machine Learning and Pattern Recognition
Vivek Kumar Dubey	Visiting Faculty	Predictive Analytics; Game Theory; Big Data Analytics; Statistical Decision Modeling
Promotion		
Parama Barai	Associate Professor	
Sangeeta Sahney	Professor	Marketing management; Consumer Behavior; Services Marketing; Organizational Behavior; Quality Management
Swagato Chatterjee	Assistant Professor	Predictive Analytics; Game Theory; Big Data Analytics; Statistical Decision Modeling
Re-Appointment		
Gautam Sinha	Professor	
Resignation		
Ranjan Chaudhuri	Associate Professor	

Research Areas

Education for Sustainable Development; Applied Econometrics; Asset-Liability Management; Asset Pricing; Banking and Decisions making; Banking Regulations; Banks' Capital and Liquidity Management; Behavioral Finance; Behavioural issues in Microfinance; Big Data Analytics; Bottom of Pyramid and Rural Marketing; Communication & Sustainable Development; Consumer Behavior; Corporate Finance; Corporate Social Responsibility; Customer Relationship Management; Cyber ethics : security and privacy; E-commerce Technology and Applications; Engineering Services Outsourcing; Ethics; Financial Economics and related Studies; Financial Markets and Risk Management; Game Theory; Geriatric Well-being & End of Life Care; Healthcare and Higher Education; Human Development; Information Security; Information security risk management; Knowledge Management; Labour Economics; Leadership; Machine Learning and Pattern Recognition; Management Information Systems; Manufacturing/Production Planning & Control; Marketing management; Market Microstructure; Media & Communication Studies; Operations management; Operations Research (OR); Organizational Behavior; People Analytics; Predictive Analytics; Product Analytics and Modelling; Product Pricing and Product Risk; Project Management, Maintenance & Monitoring; Public Economics & Policy; Quality Management; Railway Analytics; Revenue Optimization; Risk-Based Pricing; Services Marketing; Short Selling and Informed Trading; Social Entrepreneurship; Social Media Marketing [eWOM]; Spirituality and Work place happiness; Statistical Decision Modeling; Supply Chain Analytics; Transportation and Logistics Management; World Class Manufacturing (WCM);

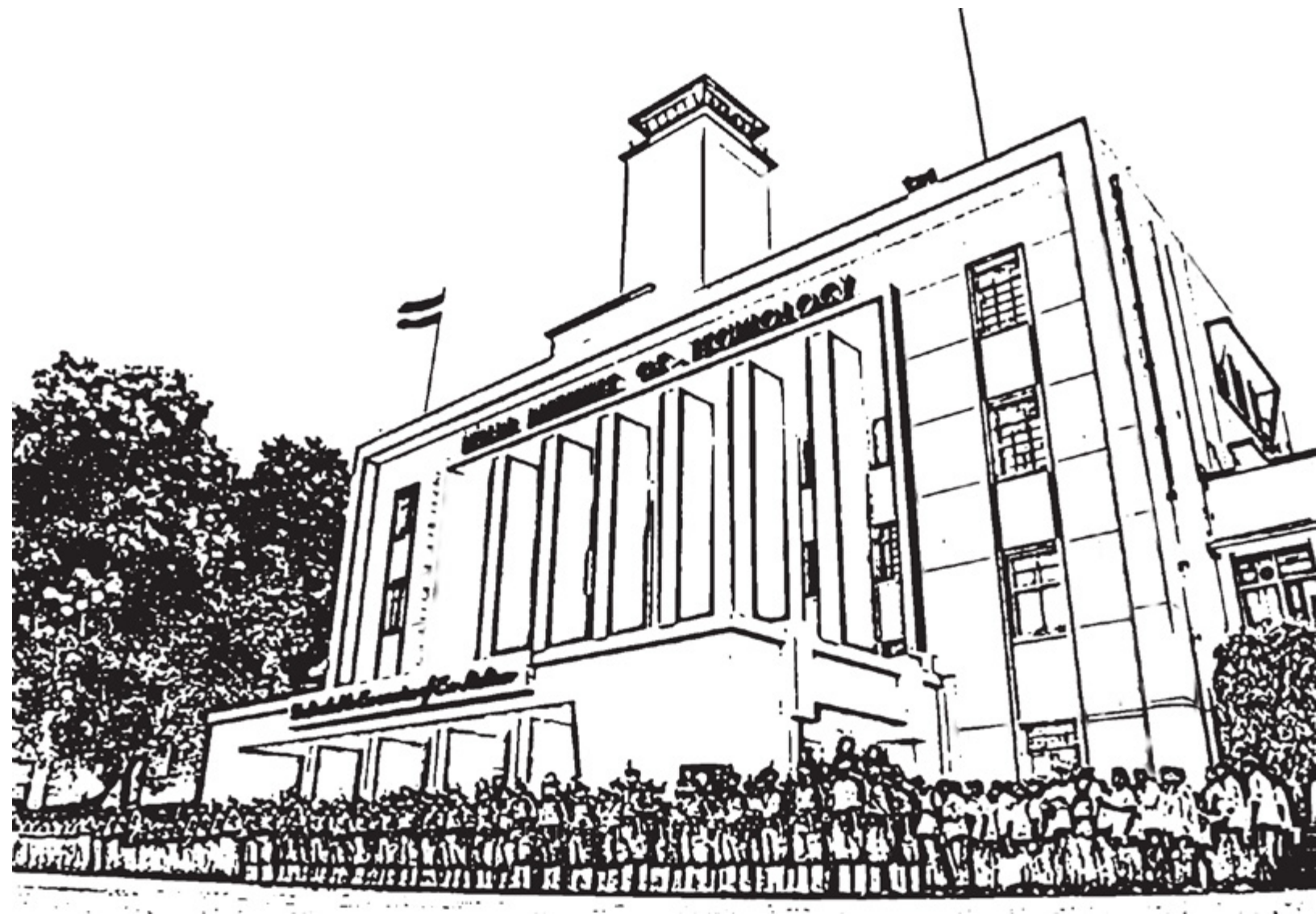


Academic Performance

New Acquisitions	01
Collaboration	09
Doctoral Degrees Awarded	09
Member - Professional Bodies	06
Member - Editorial Board	05
Awards & Honours	02
Fellowships	01
Sponsored Research Projects	09
Consultancy Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	06
Invited Lectures by Faculty Members	10
Seminars, Conferences and Workshops Organized	03
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	33
Papers Published in Journals	50
Papers Presented in Conferences	18



CENTERS OF EXCELLENCE





Center for Excellence in Robotics

Head of the Department : Dilip Kumar Pratihar

Academic Performance

New Acquisitions

01



Deysarkar Centre of Excellence in Petroleum Engineering

Head of the Department : Anindya Sarkar

Associate Professor

Name	Highest Degree	Research Areas
Sandeep D Kulkarni	Ph.D.	Drilling Fluid Design & Characterization; Wellbore Pressure Modeling; Wellbore Fluids Rheology and Hydraulics.; Completion and Fracturing Fluids; Lost circulation, Sag and APB

Assistant Professor

Aditya Vyas	Ph.D.	
Ankur Roy	Ph.D.	Reservoir Characterization; Rock Fractures and Geomechanics; Geostatistics; Fractal Models

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Sandeep D Kulkarni	Associate Professor	Drilling Fluid Design & Characterization; Wellbore Pressure Modeling; Wellbore Fluids Rheology and Hydraulics.; Completion and Fracturing Fluids; Lost circulation, Sag and APB

Viting Faculty

Aditya Vyas	Assistant Professor
-------------	---------------------

Brief Description of on-going activities

- Drilling Fluid Lab Equipments Purchased through Diamond Jubilee Institute Funds (Purchase of Approx. 20 lakhs) Equipments: Ageing cells, Digital viscometer, Digital Retort, Fluid mixer, LTLF filtration
- Reservoir Simulation Lab Workstations through Diamond Jubilee Institute Funds (Purchase of Approx. 41.8 lakhs (\$ 61,076)) 12 workstations purchased and installed.
- Fracturing Fluids Equipments through donation of P&P Technology of USA: Donation received of Rs. 11 lakhs Oil field viscometer & mixer purchased and installed. Additionally, three 2nd-hand HT viscometers were received as donation and installed.
- Purchase through Departmental Asset Funds (Purchase of approx. Rs. 10 lakhs) Items: Computers (5), tables, UPS and books.
- International Student internship program with Texas A&M Universities: 2 students sent for summer 2019 internships 4 interns from IIT Kharagpur worked at the Centre for summer 2019.
- ISIRD project (approved): "Fast oil and Gas Well history matching and well production prediction using novel reservoir simulation and machine learning techniques." PI: Dr. Aditya Vyas, Faculty, ADRACEPE.
- Pan-IIT ONGC project (in process): "Multiscale Modeling of Carbonate Reservoirs – A Fractal Approach" (PI: Dr. Ankur Roy, Faculty, ADRACEPE, Co-PI: Prof. Debasis Deb, Coordinator, ADRACEPE).
- Pan-IIT ONGC project (in process): "Modelling down hole (Deep water, High-temperature-high-pressure and Sub-hydrostatic scenarios) rheology for drilling fluids design and drilling automation." PI: Dr. Sandeep D. Kulkarni, Faculty, ADRACEPE.
- Pan-IIT ONGC project (in process): "Identify Suitable Weighting Material to Make and Maintain Water-based Drilling Fluids of Densities from 1.50 to 2.35 SG for temperatures up to 180 oC and higher." PI: Dr. Sandeep D. Kulkarni, Faculty, ADRACEPE Consultancy Project with Total (in



progress): "Drilling Fluid-Formulation Software Package". PI: Dr. Sandeep D. Kulkarni, Faculty, ADRACEPE

Research Areas

Completion and Fracturing Fluids; Drilling Fluid Design & Characterization; Fractal Models; Geostatistics; Lost circulation, Sag and APB; Reservoir Characterization; Rock Fractures and Geomechanics; Wellbore Fluids Rheology and Hydraulics.; Wellbore Pressure Modeling;

Academic Performance

Collaboration	02
Member - Professional Bodies	04
Sponsored Research Projects	02
Visits Abroad by Faculty Members	02
Invited Lectures by Faculty Members	07
Seminars, Conferences and Workshops Organized	01
Short-Term Courses, Training Programmes and Workshops organised	02
Papers Published in Journals	01
Papers Presented in Conferences	03



Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness

Head of the Department : Priyadarshi Patnaik

New Faculty Appointment

Name	Designation	Research Areas
Saamdu Chetri	Assistant Professor	

New Academic Programmes

1. Micro Specialization in SCIENCE OF HAPPINESS

Brief Description of on-going activities

A. Research and Development Activities

The Centre has a multi-disciplinary team of faculty members and students drawn from various disciplines and specializations and is actively involved in research from (a) biological, (b) social (c) behavioural, and (d) ecological orientations.

It organizes training programs for corporate sectors and government agencies on happiness and well being, and plays a key role in the UG Induction program as well.

It offers 5 elective courses on different aspects of happiness and offers a micro-specialization on "Science of Happiness."

Academic Performance

New Acquisitions

01



DHI Centre of Excellence on Advanced Manufacturing Technology

Head of the Department : Surjya Kanta Pal

Brief Description of on-going activities

The Centre of Excellence in Advanced Manufacturing Technology has been established at IIT Kharagpur through the support of the Department of Heavy Industry of Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises, Government of India, along with a consortium of top industry members in the country. The centre aims to stimulate the innovation to manufacture smart machines in the capital goods sector. The center will bring together various industries in this area to work in a synergistic way towards the common goals of infusing cutting edge technologies, and to come up with research and development for sustainable products having higher productivity with reduced cost.

This centre offers a unique platform for collaborative, consortium driven infusion of advanced technologies in the manufacturing area, which is in harmony with the 'Make-in-India' initiative of the Government of India. The centre will initiate innovative and top-quality research focused to the industries on Specialty materials, Design and automation, Additive manufacturing, and Digital manufacturing and Industrial Internet of Things. The centre will boost innovative interventions in the advanced manufacturing domain by enabling an ecosystem among Institutes of higher repute, heavy industries, and also the MSMEs and start-ups. The centre looks for active participation in this ecosystem for a collaborative research in the proposed areas.

The centre also houses an Innovation Lab to facilitate the culture of innovation and open engineering. The Innovation Lab invites MSMEs and the Start-ups to grab opportunities of getting an end-to-end support from the experts including access to various state-of-the-art facilities for early prototyping of their product. The centre also welcomes bright and talented scholars with high value doctoral fellowship to support its activities.

The Centre of Excellence has the lofty ambition of positioning itself as one of the primary knowledge centers on advanced manufacturing in the country. The broad objectives of the centre are as follows:

- Reinvigorating manufacturing in India through technological interventions
- Value additions in terms of innovations in materials, manufacturing processes, new technologies, and bringing academic rigor to industrial and organizational practices
- Inculcating modern concepts of IIoT, intelligent, and connected manufacturing through digital interventions, robotics and automation
- Creating an ecosystem for indigenization and innovations in the manufacturing sector involving small and medium scale enterprises
- Bringing in international expertise through partnerships with the best in the world
- Imparting skilling to industry people and inculcating start-up culture
- Securing Intellectual Property through IP protection and licensing

The Centre has got a total project funding of Rs 65.19 Cr. Presently, 6 industry members have joined the consortium, including Tata Motors, Tata Sons, Tata Consulting Services, Tata Steel, Heavy Engineering Corporation, Bharat Heavy Electricals Limited.



Alumni Affairs

Dean: Prof. Subrata Chattopadhyay

The Office of Alumni Affairs was set up in the year 2003. Since then the Office has expanded its activities across various domains such as alumni networking, alumni fundraising, alumni events etc. Following are the major activities undertaken during 2018-19 are given below.

Alumni Relations and Outreach

Close to 68% connectivity with the alumni has been achieved by the end of the financial year including registrations on the alumni website, during annual alumni meet, visits, social media platforms and other alumni engagement programs. Out of a total number of 64316 alumni, the Institute is connected with close to 43000 alumni and is able to network with them.

Alumni and Institute Events:

1. Annual Alumni Meet

We live our day to day lives oblivious to the beauty that surrounds us and by the time we do realize what exactly it is that we've been blessed with, it's generally too late. However, when the good old days call yet again, nostalgia surrounds us as we walk the hallowed boulevards of our youth. The Annual Alumni Meet brings to our alumni a chance to reconnect with their Alma Mater. It lets them relive the carefree days of their college lives as they get a chance to visit all the locations they once frequented.

Students' Alumni Cell organized the 16th Annual Alumni Meet from 11th Jan to 13th Jan 2019. This year the batches of 1969, 1979 and 1994 were the special guests of honor. The meet was attended by 368 alumni including special guests. The Meet is now a major event anticipated by both the alumni and the students. As the years pass by and winds of change keep blowing, the Alumni Meet too shall keep evolving with the pace of time, hoping to bring to the alumni an experience that they may cherish all their lives.

2. Homecoming

The first ever edition of Homecoming from 17th-19th August 2018 saw 47 Alumni registered and a total of 90 people including the accompaniments occupied the Technology Guest House. The Central Government had declared national mourning for 7 days in lieu of the death of Shri Atal Bihari Vajpayee and we feared that we would not be able to pull our act together. The exuberance with Kunal Rao, Musical Night with the Western and Eastern Technology Music Society, Friendly Football were the events that could not happen because of the same. We knew we couldn't let our alumni down, not when we had to stand up and fulfill our duties. After a brainstorming session, the team came up with 'Art Attack' and 'Hall of Fame' to replace the canceled events. Networking Lunch was followed by Campus Tour where all the alumni along with their families were taken on an emotional ride down the memory lane. Department Visit brought back memories of teachers, bunked classes, unfinished projects and sleepless nights. Through Hall Visit our Alumni got a golden chance to relive those memories associated with their halls. 18th August marked the Foundation Day for IIT Kharagpur and was celebrated with an award distribution ceremony for alumni, faculty, and students. The afternoon witnessed some intellectual arguments by students and teachers at the Foundation Day Debate.

Here are some of the lovely responses we received from our ever enthusiastic alumni:

"It's been like coming back home, this place is stuck in time. The new batches add to the place and culture and hopefully keep the tempo high."

-Sohail Khan



“Coming to kgp campus has always been an experience. I wish such events get us closer, make our life liveable in a larger fraternity of our brothers and sisters.”

-Partha Sur,2008

“Team Students’ Alumni Cell, it was a fantastic time at Kgp. I wouldn’t have been able to believe in the power of fairies and pixie dust.. but with the magic you weaved, I’m a strong believer (in pixie dust as well as the fact that Kgp holds possibly the brightest and most active student community). Rock on!”

-Chandrashekhar KG

“Team Students’ Alumni Cell, you all have put your heart on the job. It was a homecoming indeed. There are 10 things you did great and 10 others you could have done better. But honestly, we in our times could not have done even half as good as you all did. Relentless effort and responsiveness to every small bit of our request. Keep up the tempo. Cheers to your spirit. Love you all!”

-Saurabh Mukherjee

3. Alvida

"Goodbyes are only for those who love with their eyes... because for those who love with their heart and soul, there is no such thing as separation."

The atmosphere was tinged with a bit of sadness at Alvida, the annual farewell dinner, this time for the Batch of 2019. The evening started off on an amazing note as the Director and Dean, Alumni Affairs, began addressing the students. This was followed by the eagerly awaited Batch awards which the passing batch thoroughly enjoyed. A lovely dinner followed soon after at the Vikramshila complex. A wave of nostalgia hit the diners as they discussed the unending memories this campus had given them. There was no better way to end the night than dancing to IITKGP’s famous 'tempo' and signing off with love.

4. Convocation

The 64th Convocation of IIT Kharagpur brought together on stage several luminaries – Honourable President of India, Shri Ram NathKovind, the Honourable Governor of West Bengal, ShriKeshariNathTripathi, and the Honourable Chief Minister of West Bengal, Mamata Banerjee. Commending IIT Kharagpur for its pioneering role in engineering and technical education in the country, President Kovind said, “Over the years, IIT Kharagpur, and in fact the IIT network and community, has become an important window to the entire world.” The chief minister of West Bengal, Mamata Banerjee, won a thundering applause from students when she announced that she believed IIT Kharagpur was the number one IIT in the country. IIT Kharagpur gave out degrees to 2616 students, 295 of them doctoral and joint PhDs.

5. Foundation Day

The 68th Foundation Day of IIT Kharagpur saw the Young Alumni Achieve Award being conferred on 12 outstanding KGPIans who are high achievers as professionals, academics, scientists, and mentors. Dr PurnenduChatterjee, Founder Chairman of The Chatterjee Group (TCJ) that runs Haldia Petrochemicals, was Chief Guest on the occasion. Three student awards and eight staff excellence award were given away by the Director. The day saw the Nina Saxena Award being conferred upon the Founders of Pathshodh Healthcare Pvt Ltd, a medical device research and development company incubated at the Indian Institute of Science. Several staff were also honoured for completing 25 years of service at the Institute.

Fundraising Campaigns

Under the Institutional Development (ID) Program several alumni fundraising campaigns are being carried out to build corpus through endowment and gift mode to ensure self-sustainability in the long run. For FY 2018-19 Rs.8.75 Crore was raised from the under mentioned various giving back initiative run by the ID Program.

Any batch together donating Rs 50 Lakhs is recognized as '**Founding Batch of Endowment**' and a classroom in the newly built Nalanda Classroom complex is named after the batch with all the donor names



displayed at the entrance. Grass-roots campaign contribution has long term impact as well as benefit KGP for years to come. Batch Endowment is ideal for both grass-roots and major donors as the principal would remain intact and only the interest generated would be used for institute's growth.

1991 Batch has completed their journey of raising 50 Lakhs in a record breaking 3 months to become the first 'Founding Batch of Endowment' and then other grad batches successfully raised funds and they are - 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1975, 1984, 1993, 1994 and 1997. Batches from different genres like 1962, 1963, 1964, 1965, 1987, 1988, 1989, 1996, 1990 are vying to be the next one. In 2018-19, the batch of 1969 and 1994 received endowed class rooms at the Nalanda Complex during "Annual Alumni Meet" January 2019.

Hall Gift is another campaign where alumni were appealed to donate for the development of their Halls. A primeval sense of loyalty binds KGP'ians to their respective Halls of Residence. This is where they spend their most joyous moments together with friends. The alumni are returning to care for these spaces as they would their family homes. Contribution for hall renovation have given way to an outpouring of grassroots involvement in reconstruction and renovation drives. The donation drive for Radha Krishna hall set the trend for giving back followed by Patel and Rajendra Prasad hall for their collective giving back. Alumni from various halls raised about Rs. 50 Lakh for hall development activities and the work is completed for Patel hall first phase, Nehru Hall model room pilot project, and others are underway.

IIT Kharagpur is helping students to learn without being unduly worried about expenses, shape their career and then give back to their Alma Mater through the grassroots campaign of **Learn-Earn-Return**. This scheme aims to create a financial support system for students so that they imbibe the culture of giving back. The awardees receive Rs 10,000 per month for 4 years as cash award. At the end of the first semester of the 1st year, the award will be given out on the basis of JEE Advanced rank. From the second semester onward, the recipients of the award would have to maintain a CGPA of 9. LER helps students to study without worrying about financial burden. Three hundred alumni from various batches raised about Rs. 59 Lakh till FY 2018-19 for under this initiative.

A new initiative which was started in 2018 to raise funds for various departmental events and campaigning. This program named as "**Alumni Department Engagement Program - ADEP**" is aimed to reconnect alumni with their departments. This program facilitate alumni and dept: for initiatives like - visiting faculty, special lectures, workshops, foreign and industry collaboration, PG and RS placement, internships and live projects. Under this campaign for the first time in the history of the Institute, a Geoscience seminar was organized at the Geology and Geophysics Dept totally from the resources contributed by the alumni. A special volume of the Geoscientific magazine - GEOS was launched during the seminar. It had 28 technical articles from the IIT Kharagpur alumni from 1956 to 2009, with contribution from both India and abroad.

In an initiative to strengthen the health and wellness program of IIT KGP. The alumni of the Institute have helped design and customized ambulance for safeguarding dynamic patient requirements and gifted an **Ambulance to KGP** and putting more efforts for the wellness program. Several doctors and super specialty hospitals were consulted to ensure best-in-class emergency medical fittings and effective vehicle design for long-distance journey. Custom fittings were fabricated, such as medical equipment, upgrading internal panels, electrical wiring for fireproofing and fire retardant components etc.

Class Gift is another inspiring giving back program at IIT KGP, where a batch funds a special initiative to create a signature place at the Institute. The batch of 1970 is the first graduating class who has endow a lasting legacy at their beloved Institute. An uniquely structured garden beside Tikka circle, **ADDA** is represented as place for students, faculties and other campus staffs to contemplate, meditate and discuss in an open lush green space. One more such initiative is undertaken by the alumni specially from the US side through IIT KGP US Foundation and driven by Distinguished Alumni Vinod Gupta. This is to add one more signature place to the campus a **Clock Tower**.

Endowed Chair Professorships are also a great initiative where illustrious alumni contribute. Endowed Professorship is one of the highest honors awarded in the academic arena and is reserved for the best faculty members as an acknowledgement of their contributions to research and teaching. Endowed Chair also lends an additional prestige to the departments. Thus, it is both an honor to the named holder of the appointment and also an enduring tribute to the donor who establishes it. Distinguished Alumnus Vinod



Gupta instituted "Prof A .S. Davis Chair", Shion Deysarkar [son of Dr. Asoke Deysarkar, Distinguished Alumni IIT KGP] instituted "Prof. P.K. Bhattacharya Chair" and also "Prof. N.K. Roy Chair.

Student Scholarships and Awards are also a great way to contribute to the institute. It often provide students a critical push in their academic career at different junctures, especially by giving them a much-needed financial cushion and support system while they pursue their goals, live their dreams and have a fulfilling career. Perhaps most importantly, scholarships make students aware of the importance of philanthropy or giving back. Under this initiative, **Karuturi Chakravarthy**, instituted the "**Shri Karuturi Ramamurty Endowment Award**" in the memory of his father. **The 1997 batch** of Mechanical Engineering (BTech) instituted the **Ritesh Ranjan Memorial Scholarship** in the memory of their batch mate, late Ritesh Ranjan. Institute visiting Professor and alumnae, Amita Sinha and her batch mates instituted "Prakasham Gupta Best Thesis Award" in memory of their friend and fellow batch mate Late Prakasham Gupta.

Distinguished alumni Partha Ghosh made contributions for a pioneering project launched by the Institute - **Partha Ghosh Leadership Academy** (with an endowment fund of 1 million USD). Distinguished alumni Arjun Malhotra is driving the campaign for the **Center for Classical Arts** and made a contribution and also, a grassroots campaign has been launched for the alumni to contribute towards this Center.

In the unique ecosystem of IIT KGP, senior classes play a role not commonly seen in any other institution of higher learning. "**My Imprint**" initiative is actually a "By the Students, for the Students" giving back initiative where graduating batches are given the chance to contribute their caution money deposits to the welfare of the Institute. Graduating students thus get a head start in contribution to their alma mater almost from the moment they step out into the world as IIT KGP alumni. 300+ graduating students donated their caution money under the My Imprint campaign which amounted close to Rs. 18 Lakh for building bus stands in the campus.

IIT Kharagpur is on a mission to help people reap the benefits of several of its research outcomes through its newly launched **Corporate Social Responsibility** program. The CSR, Institute is gearing up to partner with corporate houses and NGOs to help people to have a better life. The Institute received CSR funding through IDP from HDFC Bank Ltd and Tower Research Capital. HDFC Bank Ltd, a leading private bank in India has instituted a fund of Rs.60 Lakh for supporting start-up and incubation at the IIT KGP in the area of sustainable development, community empowerment and clean/renewable energy. Whereas Tower Research Capital, the renowned financial services firm, has instituted a fund of Rs.60 Lakh over two years for the "TRCI Meritorious Scholarships" for eight students of 2nd or 3rd year B.Tech of Computer Sciences and Engineering students.



B C Roy Technology Hospital

Prof-in-Charge : Prof. Rajib Mall

The Institute provides primary and emergency health care to the campus community through B C Roy Technology Hospital located strategically within the campus. Constant efforts are on to upgrade and improve the existing facilities at the B. C. Roy Hospital. Health Care remains a top priority in the activities of the Institute.

In addition to General OPD service, **special clinics are provided in General Medicine, Cardiology, Paediatrics, Chest, Skin, Psychiatry, General Surgery, Obstetrics & Gynaecology, Orthopaedics, Eye, ENT and Dental by various visiting consultants .32 Indoor Beds including 2 Bedded ICU and a separate Isolation Ward are fully utilized by students & institute beneficiaries.** Physiotherapy is also offered.

Round-the-clock emergency manned by regular medical officers and medical attendants and a 24x7 pharmacy caters to the odd hour emergencies. Critical care ambulance support is provided in emergency situations to bring in or transport patients to higher centres as per need. The hospital is glad to acknowledge the generous contribution from the alumni in procuring these ambulances.

Medical Insurance coverage through the Institute is available for the students

OPD services are provided 6 days a week (Sunday and institute holidays being off days). Diagnostic services are provided in parallel with the OPD and frequent emergency services are also provided on On-call basis. The entire student community of IIT along with all faculty, non-teaching staff, hall employees and pensioners are the beneficiaries who receive medical treatment from BCRTH. Apart from that, any patient, even without treatment entitlement at BCRTH, is never refused in case of any emergency and are primarily treated at ER, BCRTH.

Presently there are two medical shops inside the campus which provides service to entitled patient, one being inside the hospital premises, which remains open 24 x 7 for 365 days.

Cooperative medical store is located in the tech market premises which remains open at particular times of the day. Beneficiaries are provided approved medicines free of cost, from this 2 outlets.

The arrangements for students and other members of the community are essentially same. The only difference being that there are separate wards in the indoor for students and employees and pensioners. The facilities extended to the beneficiaries are practically the same, irrespective of them being students or employees. The isolation ward though, reserved for contagious diseases is reserved usually for the students, though occasionally, in case of genuine need, an employee might be admitted .

BCRTH treats all kinds of cases that are brought under its purview. Most of the cases that require referral are the cases requiring surgical intervention of any sort, which cannot be done at BCRTH presently. Few medical cases requiring referral are cases of extreme life threatening emergency or cases requiring higher modalities of intervention which are presently unavailable at BCRTH.

In cases of medical emergency patients are usually referred to hospitals in Kolkata with whom the institute has tie ups. Trained medical assistant is sent along with that patient for tending to medical needs of the patient en route.



BCRTH presently has 12 Medical Officers, 29 visiting consultants, 10 operative nurses, 8 ATNM along with clerical staff and attendants (Regular and Outsource).

Total Man Power of the Hospital:

- | | |
|-------------------------|---|
| 1) Out source Mode : 38 | 2) Permanent Jr. Attendant/Attendant : 13 |
| 3) Ministerial Staff: 3 | 4) Pathology: 5+1 |
| 5) Radiology: 2+1 | |

MMST Student Time : 6.30pm to 10.30 pm Total No. 10 as of now

OPD Timing : 9am to 12.30 pm & 4.30 pm to 8 pm

Ambulance

Institute has five number of ambulance (4 Institutes and 1 outsource). Institute Ambulance are under PIC Automobile Section. Drivers are also under Automobile Section. .

At present we have 5 ambulance (a) Critical Care 2 nos. one being donated by Alumni's (b) Outsource Ambulance (c) **CCU ambulance for local** (d)Tata Sumo which is used for campus in and around Kharagpur.

Operation Theater

- | | | |
|----------------------|------------------------|-----------------------------|
| 1. OT Table | 2. OT Light | 3. Anaesthesia Work Station |
| 4. Diathermy Cautery | 5. HP Steam Steriliser | 6. Suction Machine |

ICU

- | | | |
|----------------------|----------------------------|---------------|
| 1. Multipara Monitor | 2. Computerise ECG Machine | 3. Ventilator |
| 4. Defibrillator | 5. Syringe Pump | 6. Crash Cart |
| 7. Ambu bag | 8. Suction Machine | |

Emergency

- | | | |
|----------------------|--------------------|---------------|
| 1. Multipara Monitor | 2. Pulse Oxymeter | 3. Crash Cart |
| 4. Ambubag | 5. Suction Machine | |

Pathology

- | | | |
|--|---------------------------|-----------------------|
| 1. Fully automatic biochemistry Analyser | 2. Cell Counter (3 Parts) | 3. Electro Microscope |
| 4. Laminar Flow | 5. Centrifuge Machine | 6. Incubator |

Radiology:

- | | | |
|---|------------------------|----------------|
| 1. X-ray Machine (500mA) | 2. CRU (Digital X-ray) | 3. ECG Machine |
| 4. USG Machine (not being operated due to technical reason) | | |

Ophthalmology

- | | | |
|------------------|--------------|-------------------|
| 1. Refractometer | 2. Slit Lamp | 3. Ophthalmoscope |
|------------------|--------------|-------------------|

Physiotherapy

- | | | |
|-----------------------|-----------------------------------|-----------------------|
| 1. Pulsed SWD Machine | 2. IFT Machine | 3. UST Machine |
| 4. Red Infra Lamp | 5. Ankle Exerciser/Knee Exerciser | 6. Shoulder Exerciser |
| 7. Wax Bath | 8. Traction | |



Career Development Centre

Chairman : Prof. G.P.Raja Sekhar

The Career Development Centre (CDC) is responsible for arranging Industrial training for 3rd year B. Tech, 4th year Dual Degree and 4th year Integrated M.Sc. degree students as part of their curriculum. CDC also facilitates the job placement of final year students graduating from the Institute including PhD students. The Centre is actively engaged in forging synergistic relationships between the Institute and various industries. Based on these interactions, CDC gives feedback to the Institute on the academic programmes.

Summer Training Details

Eight weeks of summer Internship at the end of 3rd year B. Tech, 4th year Dual Degree and 4th year Integrated M.Sc. degree is a compulsory part of the curriculum at IIT Kharagpur, carrying 2 credits. All efforts are made to place the concerned students in the best of organizations in India and abroad for summer Internship through Career Development Centre with the support of departments/ schools/ centres of IIT Kharagpur. An emergent trend is that more and more students are seeking summer Internship abroad. Also students utilize opportunities due to various Universities with which IIT Kharagpur had signed MoU. These include S. N. Bose Scholar's Program, Viterbi-India Program, Khurana Program for Scholars, DAAD Scholarship Program, MITACS, NTU-Singapore.

For the current summer internships of our students during May- July 2019, 93 companies either visited the campus or conducted interviews through telephonic, Skype interviews and companies allotted seats after seeking nominations. The details of internship are as follows.

Period of Internship	Nos. of students enlisted for Internship	Nos. attending Internship in India			Internship at foreign Univ./Org.
		Selected by various companies	Nominations accepted by the companies	Self-arranged	
May-July 2018	1232	461	26	644	101

Placement Details

In the placement year 2018-19 more than 230 companies visited the campus and offered employment. The details of number of the students who had registered for placement and those actually placed through campus interviews are as follows:

Sl.No	Department	Registered	Placed	Percentage Placed (%)
1	B.Arch.	34	31	91
2	B.Tech.	463	397	86
3	Dual Degree	457	432	95
4	M.Sc.(5Yr Integrated)	139	119	86
5	LLB	17	14	82
6	Joint M.Tech-PhD (2yr)	523	287	55
7	Joint M.Sc.-PhD	89	7	8
8	MCP	21	1	5
9	MS	6	6	100*
10	PhD	23	23	100*
	Total	1772	1317	74



(*For Sl. No: 9 and 10 only placed students are shown as registered)

This year the students of the Institute have been able to fetch 261 PPOs, out of which 213 PPOs have been accepted. The overall placement percentage across all branches stands at 74%.

Student Participation

Career Development Centre at IIT Kharagpur has taken an initiative to harness the students' management skills through a formal system during the placement season since 2005-2006. The system has progressed extremely well and from year 2010 onwards, the CDC has immensely benefitted from students participating in placement process. CDC also conducts an in-house pre assessment test to prepare the students for the placement season. This test score is also used by some of the recruiters as one of their short listing criteria.

The organizational skill of students has helped CDC to host 30-35 companies on campus on a given day during the initial days and round the clock. During the placement season, students and CDC staffs play an active role from contacting the companies to the final selection at campus by providing complete logistic support with a close coordination from all the divisions of the Institute.

New Initiatives

In addition to the existing roles, Career Development Centre at IIT Kharagpur has taken some initiatives to help student take up a better career and also to strengthen the relation with the recruiters. These are

1. Faculty/ Corporate & Alumni interactions on various career options
2. CDC has introduced the Corporate Relationship Index (CRI) which reflects the relationship of CDC with a company based on certain parameters like number of offers in internship, PPOs, offers during placement, International offers etc. for providing better slots to them
3. From this year CDC has established M.Tech Desk which will specifically work for enhancing the PG placement index.

Achievements

1. Continuously achieved more than 1300 placements for the last three years.
2. Crossed the number of Internship offers as compared to last year.
3. Surpassed the number of Pre placement offers in comparison to previous year.
4. 1000 offers in day 6 of placement season making fastest 1000.



Central Library

Chairman : Prof. Suneel Kumar Srivastava

The Central Library, IIT Kharagpur is one of the largest technical libraries in Asia. It is fully automated and air-conditioned library with an aim to serve more than 12,000 students and 1600 number of employees of the institute. The Library has its dynamic website (<http://www.library.iitkgp.ac.in>) with rich in content. The Central Library is having two building (main and annex) internally connected with a carpet area of about 8000 sq.m. The Central Library houses and maintains nearly 4.2 lakh of print documents comprising of books and bound volume journals. As far as e-resources are concerned, there are huge collection of e-resources comprising of full text e-journals, e-books, online databases (full text and bibliographic) etc. As far as facilities are concerned, the Central Library has ten air-conditioned reading halls with 1500 seating capacity for the users. Moreover, the Central Library is ISO 9001:2015 certified library.

Academic Staff

Chairman

Prof. S. K. Srivastava Ph. D (IIT Kharagpur), Dept. of Chemistry

Librarian

Bablu Sutradhar Ph. D (V.U), M. Sc, MLIS, CCA

Deputy Librarian

Samir Kumar Jalal Ph. D (B.U), M. Phil, MA (Econ), ADIS (ISI)
Mr. Atin Nandi MLIS, M. Sc.

Assistant Librarian

Mr. Uma Shankar MLIS, MA
Mr. Samrat Guha Roy MLIS, MCA, PGDLIM
Mr. M. Manivannan MLIS, MCA
Mr. Hemanta Kr. Biswal M. Phil, MLIS
Dr. Tapas Kumar Ghosh PhD (SU), MLIS, MA

Retirement

Mr. A.K. Goswami : Assistant Librarian

Print Collection: Added during 2018-2019

Books		Print Journals	PhD Theses
General	Text Books		
1690	1048	57	315

List of e-Resources subscribed by IIT Kharagpur

Sl.No.	Name of the e-Database	Publishers	Type/ no. of e-journals
1.	Communication & Mass Media Complete	EBSCO Publishing	1029 journals
2.	PsycArticles	American Psychological Association	110 journals
3.	Hein Online	William S Hein & Co.	2376 journals
4.	Science Direct	Elsevier	2738 journals
5.	Business Source Complete	EBSCO Publishing	3704 journals
6.	GeoScienceWorld & Geo Ref Databases	GeoScienceWorld	46 journals
7.	IEEE Electronic Library (IEL)	IEEE	479 journals



	Online		
8.	Proquest-ABI/Inform Complete	Proquest	5440 journals
9.	Magillon Literature Plus	EBSCO Publishing	Literary Database
10.	Manupatra Online	Manupatra	Online database
11.	Bloomberg Professional Services	M/s Bloomberg Data Services	Online database
12.	CapEX (IP)	CMIE	Online database
13.	Economic Outlook (IP)	CMIE	Online database
14.	Indiastat.com	Datanet India, New Delhi	Online database
15.	Industry Outlook (IP)	CMIE	Online database
16.	PDF-4+2018 (CD Version) and Sleve+2017	ICDD	Online database
17.	Pearson's Crystal Data	ASM International	Online database
18.	Prowess (LAN to IP)	CMIE	Online database
19.	SciFinder Scholar	American Chemical Society	Online database
20.	Scopus	Elsevier Science	Online database
21.	Westlaw India	Thomson Reuters	Online database
22.	World Intellectual Property Search (WIPS)	WIPS Company Ltd.	Online database
23.	IEC Complete Set	International Electro technical Commission	Online Standards
24.	IS Complete Set (Online)	BSI	Online Standards
25.	SAE Standard (Ground Vehicle)	SAE International	Online Standards
26.	Grammarly@edu writing support suit (250 users)	Grammarly@edu	Software
27.	Turnitin2 -- Anti Plagiarism Web Tool	iParadigms, LLC	Software
28.	ProQuest Dissertation & Theses	Proquest	Theses

List of major e-Resources subscribed by IIT Kharagpur

S.N	Name of the e-Resource	Publishers	No. of e-Journals
1.	ACS-All Publications Package (including Archive)	American Chemical Society	52
2.	ASM Package	American Society of Microbiology	11
3.	AMS Package	American Mathematical Society	15
4.	ASME Standards (Complete Set)	American Society of Mechanical Engineers	Online Standards
5.	ASTM Standards + Engineering Digital Library	American Society for Testing and Materials	Online Standards
6.	Cambridge University Press	Cambridge University Press	13
7.	Globe Online Journals	Globe Publication	32
8.	Taylor & Francis Core Journals	Taylor & Francis	47
9.	Taylor & Francis S&T Collection	Taylor & Francis	448
10.	Taylor & Francis SSH Collection	Taylor & Francis	1280



11.	Emerald ESS Collection	Emerald Publishing	310
12.	IOP Journals	Institute of Physics	75
13.	OnePetro Journals	Society of Petroleum Engineers	34
14.	Optical Society of America (Optics InfoBase)	Optical Society of America	18
15.	PNAS	National Academy of Sciences	1
16.	RSC Gold Package	Royal Society of Chemistry	51
17.	SAE Journals + Archive	SAE International	13
18.	Sage (HSS)	Sage Publications	629
19.	Sage (EMS)	Sage Publications	78
20.	Science Online (AAAS)	American Association for the Advancement of Science	1
21.	SIAM - eSS Collection	Society for Industrial and Applied Mathematics	17
22.	SPIE Digital Library	Society of Photographic Instrumentation Engineers	11
23.	Total IT Solutions (Online Journals)	Total IT Solutions	28
24.	Wiley Journals	Wiley	Custom- 223 and Core- 75

List of e-Resources Available from ESS Consortium

Sl.No.	Name of the e-Database	Publishers	No. of e-journals
1	American Institute of Physics - eSS Collection	American Institute of Physics	19
2	MathSciNet	American Mathematical Society	Database
3	American Physical Society - eSS Collection	American Physical Society	13
4	ASCE Journals Online	American Society of Civil Engineers	36
5	ASME Journals Online	American Society of Mechanical Engineers	29
6	Annual Reviews - eSS Collection	Annual Reviews Inc	43
7	ACM Digital Library	Association for Computing Machinery	1,143
8	Institute for Studies in Industrial Development (ISID) Database	ISID	Database
9	JGate Plus (JCCC)	Informatics India Ltd.	Bibliographic Database
10	Project Muse	Johns Hopkins University Press	676
11	JSTOR Full-text	JSTOR	3,165



12	Economic & Political Weekly	Sameeksha Trust	1
13	SpringerLink 1700 Collection + Nature Journal	Springer	1,701
14	Oxford University Press eSS Collection	Oxford University Press	262
15	Web of Science	Thomson Reuters	Bibliographic Database

Print Journals Subscription: 57

E-Books Databases

- Springer Link e-books till 2019
- Taylor & Francis e-books (2004-2019)
- Wiley e-books 2016-2018

Bibliographic Databases

1. MathSciNet
2. SciFinder Scholar
3. Scopus
4. Web of Science

Financial Databases

1. Bloomberg Database – Accessible Online
2. IndiaStat
3. CMIE's Database (CapEX, Economic Outlook, Industry Outlook, Prowess)

Law Databases

1. Hein Online
2. Manupatra Online Legal Database
3. Supreme Court Cases Online
4. Westlaw India
5. WIPS - Worldwide Intellectual Property Search

List of Standards Subscribed by Central Library

Following standards may be accessed through the links of library websites within LAN after Disable Proxy:

1. ASME Standards
2. BSI Standards
3. IEC Standards
4. ASTM Standards
5. ISO Standards
6. SAE Standards (Ground Vehicle)

Theses & Dissertation

- ProQuest's Theses & Dissertation

Databases and Software

1. Grammarly@eduwriting support suit
2. ICDD's PDF-4+ 2016
3. Turnitin2 – Anti Plagiarism Software
4. Pearson's Crystal Data

NDLI E-resources

- World e-Book Library (September 2016 to August 2017)
- South Asian Archive (SAA) (Perpetual)

Digital Library

Following section provides information on services provided by Digital Library to the users for the period April 2018 to March 31 2019.

- Total No. of Document Delivery Service : **75 out of 197**
- Total No. of Book Accompany CDs : **25**
- Total No. of Turnitin Anti plagiarism checking Service
 - Student Id : **2756**



○ Instructor Id	: 36
○ Report Delivered	: 85
• Total No. of ICDD's PDF-4+ (Offline)	:271
• Total No. of Ph.D. Theses Digitized	: 562
• Kindly e-Book Reader	: 68
• Audio Visual Lounge	:38
• Grammarly service Provided to users	:498

Institutional Digital Repository (IDR)

- The Central Library has developed an Institutional Digital Repository (IDR) using open source software namely DSpace. The IDR collects, preserves and disseminates in digital format of the research output (PhD theses, Technical Reports, Faculty Publications, etc.) within IIT Kharagpur Research Community. It enables the Institute community to deposit (self-archiving) their pre-prints, post prints and other scholarly publications using a web interface and organize these publications for easy retrieval. We are having 4010 PhDthesis both full text and abstract level uploaded in our IDR which is rapidly growing day by day. The Institute research scholars are also using the IDR regularly. The Library also gets many requests from other universities to provide access to full text content of PhD thesis. The present URL of the IDR is <http://www.idr.iitkgp.ac.in/xmlui/>
- **Web Scale Discovery Service:** It is being introduced in our library where the users can search and browse the full text subscribed e-resources using open source software VuFind integrated with Summon Solution from ProQuest.
- **eSearch Portal Link:** <http://www.library.iitkgp.ac.in/pages/eSearch2.1/>
- **VuFind eBook Search:** <http://www.library.iitkgp.ac.in/vufind>

Facilities Created for Library Users

- **Library Facilities- 24 x7 during Semester Exam:** The Central Library introduced the facility of 24 x 7 hours reading room facility for 15 days during Semester Examinations of the Undergraduate Students and Post Graduate Students.
- **Pay Library Dues through Debit Card:** Library users can make payment for their Library fines, photocopying, printing and scanning through debit and credit card.
- **Web Scale Discovery Service:** It is being introduced in our library where the users can search and browse the full text subscribed e-resources using open source software Vufind through eSearch portal:<http://library.iitkgp.ernet.in/sites/eSearch/index.html>
- **IDR Service and CCTV Service is also provided to the user**

List of Workshops Organized by Central Library

Workshop on "Indian Citation Index and Demonstration on Indian Journals" was organized by **Central Library of IIT Kharagpur** on 4th October, 2018.

- International Short Term Course on "**Open Source Software for Library Management (OSSLM)**" Dated 7-12 May 2018. Total 110 participants from different parts of India, Sri Lanka and Bangladesh were participated in the Training Programme.

National Digital Library (NDL)

MHRD, under its NMEICT mission, has entrusted IIT Kharagpur to host, coordinate and set-up National Digital Library (NDL) towards building a national asset. The objective of the project is to integrate all the existing digitized and digital contents across educational institutions of the nation to provide a single-window access with e-learning facility to different groups of users ranging from primary level to higher education level of our county. NDL will harvest metadata and contents from all the Institutional Digital Repositories (IDR) of Universities and Institutions, all other digital library initiatives, and NMEICT projects and index in the National Digital Library



Server so that all the e-contents can be searched and accessed in the full-text by the users through a single window. The NDL project workstation is situated in the Central Library, Annex Building. For details, visit NDL website: ndl.iitkgp.ac.in

Publications

1. **Jalal, S. K (2019).**Exploring web link analysis of IIT websites.*DESIDOC Journal of Library and Information Tec hnology*, 39(1), p.3-9. ISSN:09740643
2. **Jalal, S. K (2018).** Visualization of nanoscience research in India during 2001-2016 using Vosviewer. *RBU Journals of Library and Information Science* ,Vol. 20 ISSN:0972-2750
3. **Manivannan, M &Sutradhar, B (2018).** “Digital Conversion and Preservation of old Ph.D. Theses: A Study at Central Library, IIT Kharagpur”. 11th Convention PLANNER 2018, INFLIBNET Centre & Tripura University, Agartala, Tripura, November 15-17, 2018.
4. **Manivannan, M &Sutradhar, B (2018).**“Document delivery service: an online service at Central Library, IIT Kharagpur”.In *PLANNER-2008. International Conference on Knowledge Organization in Academic Libraries, I-KOAL-2018*, University of Hyderabad, November 26-27, 2018.
5. **Manivannan, M &Sutradhar, B (2018).** “Online content delivery from different standalone digital storage medium: a service”.*MANLIBNET 2018-International Conference on Emerging Trends in Librarianship Role of Libraries in Learning Environment*, IIM Trichy, December 10-12, 2018.
6. **Nandi, A(2018).**Library services for specially-abled users. *In the proceedings of the International Conference on Marching Beyond the Libraries: Managerial Skills & Technological Competencies*, Organized by KIIT, Bhubaneswar, 16-17 November, 2018, pp. 581-588.
7. **Roy, S.G(2018).** **Workshop Manual on DSpace and Koha Tutorial**, *International Short Term Course on Open Source Software for Library Management on Dated 7-12th May 2018*.

Invited Lectures/ Workshops

1. **Sutradhar, B (2019).** Delivered an invited talk on **Open Source Software and tools to measure the research output** in the two days *National Workshop on Academic writing and research productivity organized by Punjab Technical University, Jalandhar, Punjab* during 4-5 February, 2019
2. **Sutradhar, B (2019).** Invited talk on **National Digital Library of India** in the two days *meeting in the Hague, the Netherlands, organized by WDL, CLR, CLIR and European Foundation* during 21-22 March, 2019
3. **Sutradhar, B (2019).** Invited talk on **Digital Library and resources** in the *national level seminar on Librarianship in Digital Environment: Pedagogy, ethic and cohesion* organized by Vidyasagar University during 28-29 March, 2019
4. **Sutradhar, B (2019).** Invited talk on **National Digital Library of India** in the *IFLA -2018: World Library and information Congress- 84th IFLA general conference and assembly at Kuala Lumpur, Malaysian* during 24-30 August, 2018
5. **Sutradhar, B (2019).** Delivered an invited talk on **National Digital Library of India** at the *1st International conference on information and knowledge management (IKM-2019)* organized by East West University and BPAC , Dhaka, Bangladesh during 25-27 April, 2019
6. **Jalal, SK (2019).** Invited Lecture on "**Library Automation, Digital Library System and Open Source Software**" at *Integrated Test Range (ITR), Chandipur, Balasore, Orissa* dated 25-26 March 2019.
7. **Biswal, H.K (2019).** Invited as Resource Person for CEP on "**Application of open source software's** in *TIRC/KC of DRDO*" on 27th-28 March 2019 organized by ITR, DRDO, Chandipur, Balasore
8. **Roy, Samrat Guha (2018).** Invited as Resource Person to Deliver a Lecture on Topic "**Building Institutional Digital Repository Training**" in *Regional (North-VI) IDR Workshop on 6-7th Apr 2018, organized by National Digital Library of India & Central Library, University of Jammu*.
9. **Roy, Samrat Guha (2018).** Invited as Resource Person to Deliver a Lecture on Topic "**DSpace, Koha and Vufind Training**" in *International Short Term Course on Open Source Software for Library Management on Dated 7-12th May 2018, Organized by Central Library IIT Kharagpur & National Digital Library of India*.



10. **Roy, Samrat Guha** (2018). Invited as Resource Person to Deliver a Lecture on Topic “**Building Institutional Digital Repository Training**” in *Regional (North VII) IDR Workshop on Dated 7-8th Sep 2018, organized by National Digital Library of India & Central Library, IICA , IMT Manesar*



Central Research Facility

Chairman (Material Science Division) : Prof. Jyotsna Dutta Majumdar

Chairman (Life Science Division) : Prof. Amit Kumar Das

Aims and objectives

Extending access to multi-material state-of-the-art micro and nanotechnologies for users from industry, R&D and academia, either national or international level .

Training of students at the UG/PG/RS level.

Organizing workshop/training program to the engineers outside Institute on specific equipment.

Facilities

CRF is equipped with 36 laboratories with 30 associated faculty members and 30 technical staff. We are equipped with sophisticated instrumentations like (detailed are presented in brief report):

- Field emission scanning electron microscopes
- Dual beam FIB-FEG microscopes
- Transmission electron microscopes
- X-ray diffractometers
- X-Ray Micro-CT
- Scanning Auger Nanoprobe
- Fourier Transform Infrared Spectrometer
- Atomic Force Microscope
- Nano- triboindenter
- Raman Spectrometer
- Thermal Analyzers
- SQUID-VSM
- Hall- effect measurement, etc.
- MALDI, X-ray, ITC, FACS .

Seminars/ Workshops/ Training Programmes/ Symposia/ Conferences Organized

From 3D Images to Models - Introduction to Simple ware Software Workshop.

Workshop: Rietveld Analysis – Application Training.

Advancement on High Resolution Transmission Electron Microscopy.



Computer and Informatics Centre

Head : Prof. Arobinda Gupta (upto 31.12.2018)
Prof. Shamik Sural (From 01.01.2019)

CIC has extended the existing private cloud computing infrastructure by building a new OpenStack based cloud system (Meghamala-II).

Wi-Fi infrastructures at Nehru, Patel, Azad, LLR, RK and RP halls have been upgraded.

CIC has connected the Institute to eduroam, a global service that enables students, researchers and staff from participating institutions to obtain Internet connectivity across campus and when visiting other participating institutions by simply opening their laptop or activating their smartphone or other portable device through Wi-Fi.

CIC has started Internet access without proxy servers from the residential area and Technology Guest House.

The centre has completed the extension of Institute networking facility to various laboratories of different departments, newly constructed Annex Buildings (Annex of JCB Lab Complex, Annex Building of the Department of Aerospace Engineering, and Extension of Mining Engineering), hall of residences (VSRC G+7 blocks for Boys and Girls) and buildings (4 nos. NFA Blocks), new centers (Centre for Artificial Intelligence, Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness). In addition to these the existing network infrastructure has been upgraded at Central Library and IIT Kharagpur extension centre Kolkata for NDLI project.

CIC has laid the underground cable duct to connect Dr B C Roy Institute of Medical Science & Research through OFC with redundant path. Considering the availability of dark fiber in the existing OFC cable plant, CIC has also laid the additional cable duct to setup OFC links for JC Ghosh and PC Roy Science Block, Diamond Jubilee Complex, VSRC (G+7) blocks, Nalanda Class Room Complex, Sir J C Bose Laboratory Complex Department of E&ECE, Central Library, RMSoE, Department of Mining Engineering and Hall of Residences.

CIC also provided temporary IT infrastructure during several events like SIH2019 software and hardware editions, Spring Fest, Kshitij, Alumni meet, Convocation and different national/international academic conferences.

The laboratories in CIC (5 Nos) have been utilized for Institute academic activities like conducting lab classes along with various online tests like GATE/JAM, JEE-Main, JEE(advanced), NPTEL, UGC NET, Moodle based online class tests, ACM-ICPC Asia Regionals 2018 Kharagpur and online examinations conducted during placement.



Central Workshop And Instruments Service Section

Chairman : Prof. A. Roy Choudhury

AWS : Dr. S. Patra

The Central Workshop & Instruments Service Section (CWISS), a unique service centre at IIT, Kharagpur was established in 1965 to cater to the fabrication of custom made Instruments, experimental set-ups and samples for sustenance of laboratory work and experimental research activity in the Institute for all the departments and Centres.

It is one of the major service sections of the Institute having following units:

- (1) Mechanical
- (2) Glass Blowing
- (3) Carpentry
- (4) Electronic Repair Section
- (5) Audio Visual

Mechanical Section

a. Dr.S. Patra, Assistant Workshop Superintendent

Mechanical Section in CWISS comprises Mechanical fabrication and Glass Blowing Section.

b. Mechanical Fabrication Section

It is equipped with various types of machines like CNC Lathe, table mounted CNC Lathe, CNC Engraving, CNC Milling, EDM, Milling, Conventional Lathe, Bench Lathe, Watch Maker's Lathe, Drilling, Shaping Machine, Bench Drill, Bench Shaper, Grinding Machines (Surface, Cylindrical, Pedestal, Belt and Hand operated), Jig Boring, Power Saw, Shearing Machine, Polishing, Press, Arc Welding, Brazing and Soldering, etc. CNC WEDM and Laser welding machine, have enhanced our fabrication quantity and quality as well. Recently one 5-Axis CNC Machine has been purchased which has significantly improved the capability of CWISS to serve the institute.

The Mechanical Fabrication Section caters to all the departments of the Institute for any type of precision and complicated mechanical fabrication or repair with various types of metals with the machines available in the section mostly for research and project works and regular experiment classes for B. Tech. and M. Tech. as per design.

In CNC Machines different types of software are used for drawings, like Auto CAD, Rhinoceros, 3D Studio Max etc. works of the components to be fabricated and also use different types of CAM software for their fabrication.

During the year 2018-19 the Mechanical Section has performed jobs of about 320 workorders in addition CNC Wire Cut EDM has completed 101 Work Orders.

Some of the notable fabrications successfully completed by CWISS are as follows:

- 1) Fabrication of Die-Punches of different sizes.
- 2) Fabrication of different sizes tensile, Charpy specimens with different materials.
- 3) Fabrication of Heat Sink.
- 4) Fabrication of Wire Grip.
- 5) Fabrication of Micro- channel of various sizes & notches.
- 6) Fabrication of various types of crossed horn.
- 7) Fabrication of 3-D Printer Support.



- 8) Fabrication of mould part.
- 9) Fabrication of Rotary feed control valve.
- 10) Fabrication of Aerospace Swirler (Blisk).
- 11) Fabrication of Propeller.
- 12) Drone balancing platform.
- 13) Mask fabrication.
- 14) Transducer washer.
- 15) Various type of fabrication for laser lab.
- 16) Fabrication of Electro chemical shell/cell.
- 17) Experimental set up of dust impact on PV installation.
- 18) Fabrication of brackets for 3D Printer.
- 19) Fabrication of Flange Plate for 9C Engine Lab.
- 20) Angular cutting by Milling Machine.
- 21) Fabrication of Die-Punch for SMST Lab.
- 22) Prototype design of Medical Screening Tool.
- 23) Fabrication of Aerodynamic Axisymmetric: Ramped spike & blunt body of Aerospace Engineering (Material – Brass)
- 24) Fabrication of M8 Creep/stress Rupture Test Specimen Material- Ni-Besc Super alloy
- 25) Fabrication of Fatigue Sample Test.
- 26) Fabrication of Complicated Machine Fixture,
- 27) Fabrication of Roller Holder Fabrication for Aerospace Engineering Dept.
- 28) Saddle Fabrication for Aerospace Engg. Dept.

Glass Blowing Section

This section is equipped with glass blowing lathe, glass cutter, glass grinder, glass annealing chamber, etc. Mainly of Borosilicate glass work is done here with the help of oxygen & LPG. The main fabrication jobs include different type of condensers, Dewars, different volume capacity F.B, R.B., Flask with neck joints, manometers, U & S Tubes, glass bubbler, glass coil for oil bath, gas collector, etc. The fabrication of Glass ware items are done as per drawing and design of the equipments.

During the year 2018-19 the this section has performed jobs of about 55 work orders

Carpentry Section

Housed in the workshop complex behind Chemical Engg. & Automobile Section, This section has Wood Lathe, Auto Planer, Joints Nature's machinery, Vertical Band Saw and Multipurpose Machine. Apart from carpentry jobs, as per requirement of the Institute. It also undertakes construction of MS Frames, Hand painting, Spray painting, Polishing, Writing of name plates, display board & jobs as required by students' projects.

This section also meets the major requirements of furniture in the Institute. During the year 2018-19, this section has completed 101 work orders of various

Departments of the Institute. This section has manufactured teacher's tables and chairs for 44 class rooms at NCRC and also attended the repair work for stage for Convocation.

Electronics Section

Electronics section of CWISS has been revived and has facilities for repair of different types of electronic equipments. It also helps users in their design and development activities. A LPKF PCB Prototyping machine is available in this section which helps the users of different departments in fabrication of double sided PCBs.

During the year 2018-19 the Electronics Section has performed jobs of about 24 Work Orders.



Audio Visual Section

Audio Visual Cell is primarily involved in providing audio visual support for conducting regular classes at different lecture halls (approximately 1178 classes per week). It supports audiovisual facilities with Multimedia projectors, Document cameras, PCs and PA system with wireless microphones for the following class rooms: V1, V2, V3 & V4 at Vikramshila complex, F116, F127, F142, F232 & F244 at main building area and all 44 classrooms at Nalanda classroom complex.

AV Cell used to provide support about 34,162 regular classes throughout the year in aforesaid classrooms. Besides these the Cell provides AV facilities for all seminars, symposiums, workshops, short term courses and meetings at Gargi, Moitree, S. N. Bose Auditorium and associated programme at Netaji, Kalidas Auditorium, Senate hall, Committee room. All the T. S. G. activity programmes are also supported by the Cell. AV Cell also provides support to various student activities like Quiz, Plays, Spring festival, Kshitij, Inter Hall competitions, T&P activities and other Tech Fests from different Departments.

It also helps in various other academic activities like Convocation, Senate Meeting, National & International seminars, Conferences and Workshops and also JEE & GATE programmes. AV Cell also render technical support for pre-placement talk during office hours & beyond office hours and sometime overnight for special cases.

The Audio Visual Cell has a good number of sophisticated equipments like Multimedia Projectors, Document Cameras, High quality Amplifiers and Mixtures, Wireless Microphones & Conference Systems and other peripheral supporting systems. Primary maintenance of these equipments are also asserted by AVCell staff itself. At Nalanda Phase II, audio visual installation with most modern AV equipments with video camera and recorder for virtual classroom facility and Digital signage also, is in progress. Classes of VGSOM has already been started in 4 nos. rooms of Nalanda phase II. Procurement process is under progress for Video wall at Gargi & Maitree, powerful MM projectors for Kalidas auditorium and modern audio system at Raman & Bhatnagar auditorium.

Outreach

CWISS has conducted a number of Short Term Courses on CAD-CAM applications & advanced CNC programming at IIT Kharagpur. These courses have disseminated knowledge among Teaching Faculty, Staff & Students of TEQIP colleges under the TEQIP-II programme.

The Short Term Course Principal Coordinators were Professor A. Roy Choudhury (Chairman, CWISS) and Co-Ordinators Dr. Suprakash Patra (AWS, CWISS) and Mr. Santanu Das/Sr. Tech. Supdt., CWISS.

CWISS has also carried out work for sponsored projects and for other institutions in consultancy mode through SRIC.



Continuing Education Programme

Dean : Prof. Adrijit Goswami

The Continuing Education Programme is a significant academic activity of the Institute. Over the years, it has diversified in terms of variety of programmes, coverage of disciplines, mode of teaching, duration, and the range of industries and academia served. The activities includes providing continuing education and training to professionals from industries, R&D organisations and academia, providing opportunities to teachers and students of Engineering Colleges to update their knowledge through short term courses and for pursuing MTech and PhD programme under Quality Improvement Programme (QIP) of MHRD. Facilities provided by the Office of Continuing Education include Video-Conferencing Studios at Kolkata, Bhubaneswar and Kharagpur.

During 2018-2019 the Office of Continuing Education organised **14(fourteen)** QIP short term courses with **312** participants, **13 (thirteen)** TEQIP-III sponsored courses with **419** participants; while the number of sponsored and self-sponsored short term courses conducted were **93** with as many as **2412** participants. Also, during this period **26 (twenty six)** conferences/workshops were conducted with **1476** participants. The **3(three)** year executive **EMBA** programme organised by the unit had **28** students in its Kolkata centre. During this year **09(nine)** QIP scholars were awarded PhD degrees.

Under the scheme TEQIP-III the number of Faculty Induction Workshops conducted were **04(four)** and the number of faculty participants trained were **241**(two hundred and forty one). Additionally UG and PG students from CANADA are also trained under the MITACs programme of TEQIP-III, MHRD.

Indian Institute of Technology Kharagpur initiated **Global Initiative for Academic Networks (GIAN)** which is a flagship programme of the Govt. of India in the winter of 2015. These courses of 2 weeks or 10 working days duration were designed around current and multidisciplinary themes of Science, Engineering, Management and Law with a judicious blend of lectures and tutorials per day. A total of **577** national and international participants from the academia and industry participated in the **24(twenty four)** GIAN courses during 2018-2019. The GIAN courses provide an excellent platform to our students, faculty and industry professionals to seek knowledge and experience from international faculty. It also provided them an opportunity to interact and learn subjects in niche areas through collaborative learning process. High quality course material, both through print and video are developed under the GIAN programme so as to be used by a larger body of students and teachers.

One credit courses on micro specializations are being conducted successfully for the last few years. **15(fifteen)** micro credit courses were conducted during 2018-2019. Recently a **6(six)** month certificate course on Foundations of Artificial Intelligence and Machine Learning has been launched in March 2019. Live, interactive classroom sessions are conducted simultaneously from Kolkata, Bangalore, Hyderabad and Kharagpur.

IIT Kharagpur has been the largest contributor of online certification courses in the **SWAYAM-NPTEL MOOCs** platform. A total of **152** courses have been offered by the Institute Faculty members during the Jul-Oct 2018 (77 courses) and Jan-Apr 2019 (75 courses) semesters. While **9,24,619 learners enrolled** for these free open online courses, 1,49,625 learners appeared for the proctored certification examination. In order to raise the awareness of the MOOCs program, **12** awareness workshops were conducted during 2018-2019 in the Eastern region.



Civil Construction & Maintenance Section

Chief Engineer : Vivek Prakash Srivastava

As a part of the ongoing infrastructural development, various construction projects have been taken up by Civil Construction and Maintenance Section. Current status of those projects is as follows:

J.C. Ghosh Science Block & P.C Roy Laboratory Block

Total – 16 floors. All the floors have been handed over with 2 floors to SIDM, 2 floors to CORAL, 2 floors to Petroleum Engineering and 10 floors to Chemistry Department. HVAC works is in progress.

Expansion Work In Academic Buildings

Expansion of Aerospace Engineering Building is completed and handed over in August, 2018.

New Annex Building of Mining Engineering Department is completed and handed over in July, 2018.

JC Bose Annexe Laboratory Building has been handed over in June, 2019.

Construction Of B-Type Faculty Apartments

RCC structural work under progress.

Expansion of Vikram Sarabhai Residential Accommodation

The building with 164 rooms for Boys and 164 rooms for Girls have been handed over in November, 2018.

Construction of Super Speciality Hospital

The Main Hospital Building, Electrical sub-station, AC Plant room, pump house and STP has been completed. MGMS, CSSD, Signage work, testing commissioning of lifts & HVAC work are in progress. The Institute has initiated the process of taking over of the facilities.

Construction of Research Park at Rajarhat Kolkata:

The Main Building including Auditorium and sub-station of IIT Kharagpur Research Park at Rajarhat has been completed. The testing commissioning of HVAC is in progress. The Acoustic work for Auditorium and Classrooms has been awarded by CPWD.

66 Units Of New Faculty Accommodation

Out of 66 units of New Faculty Accommodation, 24 units have been handed over in March, 2018.

Balance 42 units will be handed over shortly.

New Water Supply Project

Total pipe laying done 12.10 Km out of 12.600 km. The work is in progress in SE Rly Area where total of 5.316 km has been laid out of 5.500 km. Approach Bridge Fabrication and Erection is in progress.

NANO CRF & Life Science Building of Diamond Jubilee Complex

Handing over of Life Science Building is under progress.

100 Units of Post Doctoral Accommodation

Handing over is under progress.

Foreign Visitors' Accommodation

Finishing works are under progress.

Infrastructure Development of Technology Students Gymkhana

Synthetic Athletic track has been completed. Basketball, Volleyball and Tennis Court works are under progress.



Extra Academic Activities

The extra academic activity (EAA) at the Institute involves undergraduate students in the National Service Scheme (NSS), National Cadet Corps (NCC) and sports and fitness activities over four semesters. In each semester, students get involved in approximately 45 hours of field work in EAA. Specific Highlights of the EAA program in the year are as follows:

National Service Scheme

National Service Scheme of EAA covered about 1000 students in this year. The students typically spent three hours per week over entire semesters working on social issues in the nearby villages and slums in and around Kharagpur. They participated in facilitating education for the underprivileged school children by organizing scholarships, prizes, study materials, stationery, bicycles and utensils. They monitored drinking water quality at villages and provided nutritional supplements to primary school children to ameliorate endemic malnutrition among tribal population. They also organized blood donation and medical camps and awareness programs on issues such as substance abuse, health and hygiene and nutrition. They planted and maintained saplings and participated in facility and infrastructure maintenance, e.g., repair of rural roads, painting and maintaining school buildings and furniture.

NCC

Both 3 Bengal Tech Air Sqn NCC and one Bengal EME Coy NCC units are dedicated NCC units designed to impart NCC training to students of the Institute as an allotted EAA (Extra Academic Activity) subject for undergraduate students (1st & 2nd Year). During the training year 2017-18 a total number of 159 students were enrolled (129 Boys and 30 Girl cadets) in 3 Bengal Tech Air Sqn NCC and 161 cadets in one Bengal EME coy NCC.

Training Activities

Considering their importance and requirement various training activities were conducted by this unit for first and second year cadets. All these activities include (i) Drill; (ii) NCC & Aircraft Technical subjects; (iii) Aeromodelling;

Institutional Training

I. NCC Syllabus (Theory & Practical)	:	05 periods on all planned Saturdays
II. Combined Annual Training Camp	:	28 Nov 18 -07 Dec 18
III. Range Firing (.22" Rifle)	:	09 Mar 19
IV. 'B' Certificate examination	:	30 Mar 19
(Appeared-44, Passed-43)		

Ceremonial Parades

I. Independence Day parade	:	15 Aug 18
II. Rastriya Ekta Diwas	:	31 Oct 18
III. Republic Day Parade	:	26 Jan 19

Social Service and Community Development activities conducted

I. Sadbhavna Diwas Run - 25 Aug 18	VI. Eco Conservation Drive & Swachh
II. Tree Plantation (40 Sapling planted) - 25 Aug 18	Bharat Abhiyan - 17 Nov 18
III. Swachhta hi Sewa - 29 Sep 18	VII. World AIDS Day (Awareness lecture) - 01 Dec 18
IV. Cycle Rally organized to Purbapatri village & back	VIII. National Youth Day (Lecture conducted) - 12 Jan 19
V. Blood Donation Camp (Total 92 donors) - 06 Oct 18	IX. Anti Female Foeticide & Anti Dowry Campaign - 16 Feb 19



- | | |
|-----------------------------------|---|
| X. (Awareness Rally organized) | (a) Swachh Bharat Abhiyan - 29 Sep 18, |
| XI. Activities at Adopted Village | 17 Nov 18, 09 Feb 19 |
| Purbapatri- | (b) Distribution of stationary to school children - 09 Feb 19 |

NCC training year 2018-19 was successful in all aspects. Cadets' response towards the training was highly enthusiastic. The unit is alive to the requirement of improving the infrastructure so as to keep in tune with the needs of present environment. The Training pattern is also updated to accommodate the present socio-economic environment of the society. A sincere effort is made by the unit to groom the students of IIT into responsible and sensible young citizens who will be able to take Leadership roles in future and be the ambassadors of social causes.

NSO (Health and Fitness)

The NSO (Health and Fitness) program of IIT Kharagpur served 890 UG students in the year 2018-2019 as a part of Institute's mandatory extra academic activity. The program was supervised by ten faculty members who serve as program officers of individual units comprising of about 100 students each, a program co-coordinator and a program coordinator. Every wednesday and saturday, the students assembled in the Tata Sports Complex at sunrise for workout sessions. In this, physical training was conducted under strict supervision of qualified physical training instructors drawn from Students' Gymkhana. Apart from the routine activities, the students also took part in several special activities:

- Foundation Day Programme (18th August 2018, conducted for 890 students)
- Cleanliness drive for plastic waste removal in the campus area as a part of Gandhi Jayanti(2nd October 2018, conducted for 890 students)
- Art of Living Yoga Programme conducted by Prof. Suman Kalyan Samanta, Dept. of Chemistry(16th March 2019, conducted for 456 students)
- Disaster Management Training Programme by Sri Sathya Sai Seva Organisation, West Bengal (16th March 2019, conducted for 434 students)
- Heartfulness Meditation (9th and 10th March 2019, conducted for 890 students)
- Anapana Meditation (31st March 2019, conducted for 100 students)

In addition to these, to serve a greater cause of spreading the message of health and fitness beyond the physical reach of IIT Kharagpur, a blog with URL <http://healthandfitnessiitkgp.blogspot.in/> is maintained under this program.



Institute Information Cell

Head: Prof. SoumyaKanti Ghosh, CSE

Associate Head: Dr. PralayMitra, CSE

The Institute Information Cell (IIC) has been the hub of academic information service of the Institute throughout the year. In the past year, the IIC has maintained the IIT Kharagpur website data and added new features. The cell is continuously adding new features to display more and more information on departmental pages, academic programmes, profiles of all faculties, halls of residences and administrative positions in the Institute. The website database has been interfaced with the Institute ERP system which has facilitated maintenance and updation of information in a seamless manner.

The existing internal noticeboard have been updated to *Apna website*(<http://www.apna.iitkgp.ac.in>), which fetches data from ERP system at regular intervals. The contents of the group mail service of IIT Kharagpur internal users are now be listed in specific categories in the *apna* website (internal website). The latest doctors' roster of BC Roy Technology Hospital are published in the internal website with proper interfacing with the Institute ERP. Other facilities of internal noticeboard like Academic/ Administrative/ Estate/ Hospital notices, Document/Forms, Rules & Regulations have are also available in the "apna" (internal) website. Provisions have been made to display the notices in the ERP so that it can be viewed using ERP login.

The cell also helps the Institute to upload tenders in the Institute website and CPPP portal of Government of India. IIC has published the new communication directory (bi-lingual) of IIT Kharagpur in December 2019. IIC also prepares the Annual Report of the institute under the guidance of Dean (Planning & Co-ordination).



Office of International Relations

Dean : Prof. Baidurya Bhattacharya

The Office of International Relations was set up in the year 2003. Since 2014, the Office has grown significantly with the range of activities with regards to the signing of international MoUs and collaborations, outreach programs, facilitation of faculty and students visits etc. The Office has also been made responsible for the Institute's branding and corporate social responsibility program. Following are the major activities undertaken during 2018-19 by the Office of International Relations:

4 international students were hosted for degree programs from Russia, Columbia and Bhutan, South Korea, and 29 international students for short-term programs. Funding opportunities were made available under Shri Gopal Rajgarhia International Program (SGRIP), Asoke Deysarkar International Program, ICCR and other funding programs. The flagship program of Office of International Relations, SGRIP supported 9 International Faculty, 2 International Research Scholars: 2, 3 scholarships for international students, 2 International Workshops and Meetings. International MoUs were signed with 35 foreign universities including with special emphasis on student exchange. Work is in progress for Multi-institutional Dual Degree programs with James Cook University, Australia, University of Auckland, University of Alberta, University of Massachusetts, Dartmouth, Rutgers University. Apart from these, there were several inbound visits, the foreign training program was conducted for students of IIT Kharagpur, e-newsletter was published for students and faculty for news dissemination.

Activities undertaken by Dean, International Relations for Branding and CSR include the following:

- a) Launching the IIT Kharagpur news website, The Kgp Chronicle, www.news.iitkgp.ac.in, relaunching R&D and alumni magazines, increasing the reach of social media through Facebook, LinkedIn and Twitter, making of IIT Kharagpur short film for the national television channel of Doordarshan, internationalization of the science and technology competition for school students, Young Innovators Program and offering a large range of brand memorabilia.
- b) Raising CSR funding for merit scholarship from Tower Research Capital, innovation incubation from HDFC Bank, for Centre for Classical Arts from AKS System Pvt Ltd. and Magic Software.



Kalpna Chawla Space Technology Cell

Chairman : Prof. Dipanwita Roy Chowdhury, CSE (pto 31.12.2018)
Prof. Santanu Chattopadhyay, E&ECE (From 01.01.2019)

Brief description of on-going activities:

Space Technology Cell, IIT Kharagpur was renamed as KalpnaChawla Space Technology Cell and was formally inaugurated by Chairman ISRO on 17th November 2004. This Cell has been functioning under the supervision of chairman of Space Technology Cell since June 1998. The Cell is being funded by ISRO, Bangalore. Currently, the cell handles thirty five on-going research projects while seven new projects have been approved in 2018-2019. These collaborative research projects are carried out in the following broad areas :

- 1) Liquid Combustion, Propulsion and Cryogenics
- 2) Space Communications and EMI/EMC
- 3) Micro-machine Sensors
- 4) Control, Navigation and Guidance
- 5) Embedded Systems and IP-Cores
- 6) Cryptography and Security
- 7) Remote Sensing
- 8) Life Support Engineering
- 9) Smart Materials & Exotic Materials
- 10) Power Electronics
- 11) Space Education
- 12) Electronics Devices
- 13) Quantum Communication

As an outcome of the research work, approximately forty one papers have been published in reputed national and international journals and conferences. The cell has offered two courses on 'Fundamental Concepts of Digital Image Processing for Interpretation of Remote Sensing Data' & 'Special Topics on Antenna Theory & Practice' in the academic year of 2018-2019.

Infrastructure Development and new Acquisitions

A number of software and hardware modules have been procured under KCSTC projects to enhance the research platform of KCSTC as well as different departmental laboratories. A few of these are as follows :

1. CST software for Electromagnetic simulation tool
2. GPU Computing Platform
3. Map Downloader software
4. GPS L1 IF data recorder- cum – software
5. High voltage differential probe, 500MHz 12 BIT ADC Digital Storage Oscilloscope, Rogowski Coil Current Probe, 80V, 25A Regulated DC Power Supply
6. PotentiostatGalvanostat- Princeton Applied Research VersaSTAT4, Linear Micro/Nano Positioner- SmarAct SLC 2445
7. FLOWNEX Software
8. GFSSP



Rajbhasha Vibhag

Chairman : Prof V.R.Desai

Senior Hindi Officer : Dr. Rajeev Kumar Rawat

On Going Activities of Vibhag

Translation

All the documents, correspondence, Institute's Annual Report and Annual Accounts statement are translated by Rajbhasha Vibhag apart from the routine translation of various technical / non-technical documents, administrative orders, RTI and letters from English to Hindi and vice versa. In addition to the translation of documents, the Vibhag ensures the bilingual display of different nameplates, notice boards, rubber stamps, and preparation of Degrees / Diplomas certificates awarded by the institute.

Hindi Training

Rajbhasha Vibhag has initiated Hindi Training to Institute employees for Praveen, Pragya and Parangat course under Hindi Teaching Scheme. The classes are arranged in Institute with the help of Sri K K Pathak, Hindi Pradhyapak, Hindi Teaching Scheme. The Vibhag has also initiated Hindi typing training under Hindi Teaching Program and up and set up a small Hindi Typing Training Centre where our employees are being trained for doing their official work in bilingual. This year the department has trained 76 employees in Praveen, Pragya and Parangat with 15 employees trained in Hindi Typing)

Hindi Workshops and Seminars

With a view to create awareness for use of Hindi as Official Language in official work as well as to accelerate the pace of its progressive use, Rajbhasha Vibhag used to organize various training programmes, Workshops and Seminars for the employees / Officers of the Institute throughout the year. In the previous year 2018-19 the following events took place:-

On 14 Sep 2018, 18-22 Jun 2018, 05-11 March 2019 Hindi workshops and HR Training were organized for the Officers and employees of the Institute. In these Dr. Rajeev Kumar Rawat, Senior Hindi officer, Sri K K Pathak, Sri Balendu Sharma Dadhich, Dr Rishi Kesh Rai, Sri Arvind Kumar Tiwar and other invited guest speakers briefed the employees about the techniques for doing their day to day official work in Hindi and also hands-on training was given to them to be able to work on computer in Hindi, noting and drafting. All the secretaries working in Dean's office, Establishment, Coordination sections were trained by Hindi Officer for Hindi typing by going to their desk.

Celebration of Hindi Divas & Vishwa Hindi Divas

During the month of Sep 2018 the Institute celebrated "Hindi Divas" on 14th Sep 2018. Several programmes and competitions in Hindi were organised for employees and students of the Institute as well as for the students of nearby schools. Winners were motivated with certificates and Hindi books as prizes. A well known speaker, motivator and Hindi Icon for IIT JEE Sri Anand Kumar, Founder of Super 30 gave the Hindi Divas lecture on 14 Sep 2018 and motivated that "HAAN SAB SAMBHAV HAI" to the students of IIT and nearby schools. He interacted with the B Tech, M Tech and Ph D Scholars of the institute and motivated them to do their research in their mother tongues and Hindi.

The institute celebrated Vishwa Hindi Divas on 10 Jan 2019 and invited Dr A N Trivedi, Chief Manager UCO Bank Kolkata delivered the lecture on The world scene of Hindi.

Publication

Rajbhasha Vibhag publishes a monthly News Magazine "Jharokha" in Hindi covering all the academic, cultural, extra-curricular activities of the institute with the rules, regulations, policy matters related to Rajbhasha.



Resources and Achievements, Softwares

Rajbhasha Vibhag has several Hindi Softwares like i-leap, ISM Publisher, ISM Office, Leap Office etc. Vibhag also uses the tools, PARIVARTAK, MANTRA, TRANSLITERATION, etc developed by Department of Official Language , MHA, Government of India, C-DAC and other agencies. Recently ISM V.6 was procured which is Unicode compatible.

UNICODE

The Vibhag has activated UNICODE in all the computers of departments and trained the employees to work in Hindi.

Rajbhasha Library

Rajbhasha Vibhag has a full-fledged Library with a collection of more than 1500 books of different writers on literature, fiction, poetry, prose, play and various subjects of translation and language.

Bilingual web site

The Rajbhasha Vibhag has made its website bilingual. Useful information links are available on Vibhag Website regarding training programmes, incentives schemes, different tools etc. The Rajbhasha Vibhag has also made the Institute's website bilingual and efforts are being made to make the contents of the website also bilingual.

Committees

Official Language Implementation Committee and Progress Measurement Committee

The Institute has constituted Official Language Implementation Committee (OLIC) for the implementation of Rajbhasha Policies and to monitor the progressive use of Hindi in the Institute in day-to-day work. A meeting of the OLIC is held quarterly and is chaired by the Director. This year four meetings were held to discuss various issues.

Town Official Language Implementation Committee (TOLIC)

In addition to this, Rajbhasha Vibhag, IIT Kharagpur plays a vital role in co-ordination for implementing the Official Language policy in the town. As the Director of the Institute, is the senior most officer of the Central government posted in Kharagpur, Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home Affairs, Government of India has nominated him as Chairman of Town Official Language Implementation Committee (TOLIC). All the central government offices, Banks, Corporations, Autonomous bodies and enterprises are the members of TOLIC. At present there are 54 member Offices in the committee. The committee has been assigned the task of implementing the Rajbhasha policies and ensuring the orders and directives of government. The Chairman TOLIC Kharagpur has nominated Dr Rajeev Kumar Rawat, Senior Hindi Officer as Member- Secretary of TOLIC to look after the routine work of committee. As per the calendar, the meetings of TOLIC Kharagpur are fixed to be held in January and August every year. In the previous year two meetings were held on 13 Aug 2018 and 10 Jan 2019. The meetings were chaired by the Chairman TOLIC and attended by Heads of the member offices with their Hindi Officers and Staff. Rajbhasha Vibhag invites the employees of TOLIC member offices to participate in the workshops, seminars and training programmes organized in IIT Kharagpur.



Science & Technology Entrepreneurs' Park (STEP)

Managing Director : Prof. Satyahari Dey

Major Activities

Infrastructure facilities created:

- 1) Shed area at STEP Gopali Campus has been renovated for civil works, water connection, electrification to provide better facilities to incubatees.
- 2) Phase-II boundary wall in Gopali mouza is being constructed to improving security measures of STEP Gopali campus.
- 3) Animal Cell Culture Based Testing Laboratory is ready for operation.
- 4) Ultra High Temperature furnace (3000 °C) for mono-atomic layer graphene (first time in our country), Raman Spectrometer and Universal Testing Machine are in the process of installation.
- 5) Infrastructure for internship program for students from textile colleges is ready.
- 6) Tissue cultured pineapple and banana plantation will now be expanded to 40 acres (all fruits will mainly be delivered to students in Halls of residence) and development of natural fibre based cloth and footwear (bonded with graphene-derivatives) will be undertaken

Committee Meeting for Incubation and Seed Loan

A screening Committee meeting for incubation was held on May 8, 2018. Five companies presented their proposal namely M/s Bhadoria Rural Technologies Pvt. Ltd., M/s Vitae Science Pvt. Ltd., M/s AniGiene Technical Textile Pvt. Ltd., M/s Setu Agrobiotech and Technical Textile Pvt. Ltd. and M/s Zelence Industries Pvt. Ltd. attended the meeting. None of them have been selected for incubation or seed support. The committee approved incubation to first four companies listed above out of which two companies M/s Vitae Science Pvt. Ltd., M/s AniGiene Technical Textile Pvt. Ltd. have completed their process of registration at STEP, IIT Kharagpur and the other two companies namely M/s Bhadoria Rural Technologies Pvt. Ltd. and M/s Setu Agrobiotech and Technical Textile Pvt. Ltd. have withdrawn their application. Further, seed loan was approved for M/s Zelence Industries Pvt. (Rs. 25 Lakhs).

The 2nd Committee Meeting for incubation was held on September 11, 2018. Two companies presented their proposal namely M/s SensorDrops Networks Pvt. Ltd. and M/s DOS Instrumentation and Automation Pvt. Ltd.. The committee approved incubation of both the companies and they have completed the process of registration.

The 3rd Committee Meeting for incubation was held on February 20, 2019. Four companies presented their proposal namely M/s Lignin Biosciences Pvt. Ltd., M/s. Redpine Signals Inc., M/s. Proficient Vision Solutions Pvt. Ltd. and M/s Weber ElectroCorp Pvt. Ltd.. The committee approved incubation of all the companies and M/s Lignin Biosciences Pvt. Ltd. has completed the process of registration.

M/s HDFC Banks Pvt Ltd has supported incubatees of STEP with Rs. 60 lakhs grant. M/s Ansys Software Private Limited has supported STEP green house project with Rs 8 lakhs grant.

Workshop/ Outreach Camp [Self Help Group women from 42 villages have been trained on organic oyster mushroom cultivation technology]

Sl. No.	Name of Workshop	Venue	Date
1	PRISM Outreach	SN Bose Auditorium, IIT Kharagpur: Motivating Lectures by Director, Dy Director and Deans IIT Kharagpur and MD, STEP, IIT Kharagpur	16.05.2018
2	ENTREPRENEURSHIP-THE ZEAL Part I	STEP, IIT Kharagpur (in collaboration with Institution of Engineers)	19.05.2018
3	ENTREPRENEURSHIP-THE ZEAL Part II	STEP, IIT Kharagpur	20.05.2018
4	PRISM Outreach	Bengal Institute of Technology and Management (BITM), Shantiniketan	02.06.2018
5	PRISM Outreach	Techno India, Salt Lake	03.08.2018



6	Entrepreneurship workshop on technical textiles	STEP, IIT Kharagpur	22.09.2018
7	Entrepreneurship workshop on technical textiles	STEP, IIT Kharagpur	06.10.2018
8	Entrepreneurship workshop on technical textiles	STEP, IIT Kharagpur	10.11.2018
9	Technical textiles- rural innovation	STEP, IIT Kharagpur	08.12.2018
10	Skill development/ entrepreneurship workshop on oyster mushroom cultivation & tissue culture based plant propagation technology	STEP, IIT Kharagpur	05.01.2019
11	Skill development/ entrepreneurship workshop on oyster mushroom cultivation & tissue culture based plant propagation technology	STEP, IIT Kharagpur	16.02.2019
12	PRISM and FIC Serial Weekly Workshops	STEP, IIT Kharagpur	06.03.2019
13	PRISM and FIC Serial Weekly Workshops	STEP, IIT Kharagpur	13.03.2019
14	PRISM and FIC Serial Weekly Workshops	STEP, IIT Kharagpur	27.03.2019

Brief descriptions of on-going entrepreneurial activities

Total No. of existed companies: 16	STEP IIT Kharagpur Campus: 1.
No. of Companies registered in 2018-19: 5	STEP Gopali Campus: 4.

New Companies inducted at STEP-IIT Kharagpur

Name of the companies	Major Entrepreneurial Activity
M/s M/s SensorDrops Networks Pvt. Ltd.	Providing intelligent connectivity for enhanced continuity.

Companies incubated at STEP-Gopali campus

Name of the companies	Major entrepreneurial activity
M/s Vitae Science Pvt. Ltd.	Manufacturing of IOT based sensor for monitoring soil extracellular polymer substances and allied equipments for maintaining the eps biomas
M/s AniGiene Technical Textile Pvt. Ltd.	Manufacturing of a bed beneath the rat cage: innovative product related to technical textile.
M/s DOS Instrumentation and Automation Pvt. Ltd.	Design and development of industry 4.0 enabled micro fiction stir welding machine.
M/s. Lignin Biosciences Pvt. Ltd.	Production of medical mushroom based nutraceuticals and edible mushroom from agro waste

Seminars/Workshops/Conferences

Seminars / Workshops/ Conferences/Symposia	Date
Workshop / Symposium	16 th May, 2018; 19 th May, 2018; 20 th May, 2018; 2 nd June, 2018; 3 rd August, 2018; 22 nd September, 2018; 6 th October, 2018; 10 th November, 2018; 8 th December, 2018; 5 th January, 2019; 16 th February, 2019; 6 th March, 2019; 13 th March, 2019 and 27 th March, 2019
STEP GBM & AGM	8 th November, 2018
Committee Meeting for Incubation and Seed Loan	8 th May, 2018, 11 th September, 2018 and 20 th February, 2019



Sponsored Research And Industrial Consultancy

Dean: Prof. Pallab Dasgupta

The Sponsored Research and Industrial Consultancy (SRIC) Cell is the primary conduit for all sponsored research and consultancy in the institute. It also plays a pivotal role in the preparation and execution of the research roadmap of the institute, and in managing the internal mechanism of the institute for disbursement of its research funds. As research is one of the key indicators of institutional excellence, and as the government increasingly leans towards the IITs to infuse its technology towards industrial application and social responsibilities, SRIC has become primary handle for a wide variety of technology interventions. .

The huge diversity of engineering and science disciplines at IIT Kharagpur offers a single window for all types of educational and research service required by the industry. The diversity of in-house expertise at IIT Kharagpur has also catalyzed the development of a healthy ecosystem for large scale industrial collaborations in multi-disciplinary areas including AI, Advanced Manufacturing Technology, Intelligent Transportation Technology, Affordable Healthcare Technology, Geosciences for the Future of Earth, Innovative Infrastructure Design, Industrial Internet of Things, Industrial Robotics etc.

SRIC IIT Kharagpur played a key role in catalyzing the submission of a large number of proposals from IIT Kharagpur under the UchcharAvishkarYojana (UAY), IMPRINT, and SwatchtaAbhiyanand worked with the other IITs in carrying out the selection process. Under UAY-I (2016-2017), the institute has received funding to the tune of INR66crores spread over 12 projects. In the year 2017-2018, under UAY-II, 14 projects were submitted and 7 were selected, total amount being INR 11.85 crores. Under IMPRINT-1 and IMPRINT-2, the Institute has already received a fund-commitment in the tune of **INR 123 crores spread over 27 projects and INR 9 crores spread over 12 projects**. The Institute has also received a fund-commitment of **INR 251.09** crores under SPARC Programme.

Since its inception of Global Initiative of Academic Networks (GIAN) program in 2015-16, IIT Kharagpur is coordinating this program nationwide. Aimed at tapping the talent pool of scientists and entrepreneurs worldwide and garnering the best international experience into our systems of education, the GIAN initiative has attracted an astonishing advanced courses involving international experts in 2018-2019. These courses have been made available online for attendees all across the nation.

Additional educational initiatives under the leadership of IIT Kharagpur include the National Digital Library initiative, the National Initiative for Design Innovation, the Teaching Learning Center for Pedagogy Design & Research, and the MOOC compliant e-content creation initiative. Major MHRD supported initiatives include the E-Business Centre of Excellence, Virtual Labs, and Real Time Virtual Labs.

During the year 2018-2019 the Institute received **257 research projects** from the Government, private and international funding agencies/enterprises for a total value of INR **493.34 crores** and **154 consultancy projects worth 30.56 crores**. This includes a number of high-value and flagship projects from the government and the industry, such as:

1. Development of Filament Wound Type 3 Composite Cylinder for the Storage of Compressed Hydrogen Gas
2. Road Safety Audit on Five (5) State Highways in the State of West Bengal
3. A Formal Coverage Management Framework for AMS Design Verification (GRC Proposal ID: P32524)
4. LUDCP for Newly Added Haldia Planning Area (Phase 1)
5. Health Study of Main and Annex Building of Honourable High Court, Kolkata
6. Scientific Study Related to 04 Zones of Handidhua Colliery
7. Cryptography and Cryptanalysis
8. Preparation of Human Resources (HR) Plan of SECL Including Executives for Next Five Years taking into Consideration the Man-Machine Combination, Training Needs for Different Disciplines to Augment the Production and Productivity for the Next 05 (five) Years
9. Study to Assess Stability for an Unstable Part of NH-2 Bypass near Dalmia under the Jurisdiction of Salanpur Area of ECL for Implementation of Raniganj Master Plan
10. Specifications for Design of De-dusting System for 1X800 T. P. D. Calcined Petroleum Coke Rotary Kiln at Paradeep, Orissa



The Intellectual Property Rights and Industrial Relations (IPR & IR) Cell under SRIC is responsible for the filing and maintenance of Intellectual Property Rights, and also for licensing and the transfer of technologies developed by researchers at IIT Kharagpur to the commercial sector. In the financial year 2018-19, a total number of 63 intellectual properties (national and international) have been filed and a total of 5 intellectual properties were granted. Several technologies have been transferred to industries.

A two day IPR Workshop on 'Innovation, Invention and Creativity – Roadmap for Patent Creation' was organized on 25th August and 5th September 2018 by IPR & IR Cell, SRIC, in association with RGSolPL, IIT Kharagpur, where lecture was given by Dr. GouriGargate, Professor, RGSOIPL, IIT Kharagpur.

An IPR Special Lecture on "The multiple facets of IPR : An Engineers's Perspective" was delivered by Prof. Ravinder David Koilpillai, Qualcomm Institute Chair Professor, Department of Electrical Engineering, IIT Chennai, on 26th of February, 2019 which enriched the students and faculties of IIT Kharagpur at large.

An Institute lecture on "Commercializing Innovations – why do inventors patent their invention?" and a One day Workshop on "IP Powerhouse: the fuel for startups" was organized on 1st March 2019 and 2nd March 2019 respectively, by IPR & IR Cell, SRIC, in association with RGSolPL, IIT Kharagpur, which witnessed the lectures of Dr. Malathi Lakshmi Kumaran and Mr. Dipan Banerjee, of Lakshmisri Law Firm, New Delhi along with Institute Law School faculty members, PIC- IPR & IR Cell, with encouraged and discussed upon queries from members of the audience.

The world Intellectual Property day was celebrated on 26th April 2019, raising IP awareness among students and researchers and felicitating the inventors whose patent has been granted.

The world Intellectual Property day was celebrated on 26th April 2018 with the theme "Powering change: Women in innovation and creativity" encouraging more women inventors of the Institute. The IP day celebration started with the inauguration of the Technology Transfer Brochure of the Institute.

The Entrepreneur Cell under SRIC supports a variety of incubation programs funded by the Government.

Various student activities are encouraged and supported through SRIC. Notable activities include the following:

- **TeamAGV** activity for design and implementation of autonomous ground vehicles. The team has designed, fabricated and operated autonomous vehicle with multiple sensors data processing and fusion incorporating sophisticated control steps to participate in various competitions in India and abroad. It is indeed a matter of pride to note that Team AGV, IIT Kharagpur have secured second position in 26th International Ground Vehicle Competition (IGVC) held at Oakland University in Rochester, Michigan on June 1 - June 4, 2018, organized by the Association for unmanned vehicle system international (AUVSI).
- **TeamKART** designs and manufactures formula style racing cars. The team has successfully made 6 cars and is on its way to make the 7th car. The team bagged **9th position out of 74 teams** in the Formula Bharat rulebook quiz. The team was **one of the 16 teams out of 77 teams** that participated, to clear the Mechanical Scrutiny, tilt and the noise test in Formula Bharat 2019. Also for the first time team participated in the 3rd FSEV Concept Challenge and bagged **overall 4th rank**.
- **RoboSoccer** activity for design and implementation of a team of soccer playing robots. This activity is coordinated under a students' group named "Kharagpur Robosoccer Students' Group" (KRSSG). It regularly organizes robo-soccer competition during the techno-management fest "Kshitij". KRSSG qualified for RoboCup SSL 2019 and Humanoid Simulation League held in Sydney, Australia. In July 2018, KRSSG won the second place in Goalie Skills Challenge of Humanoid Simulation League, in Montreal, Canada.
- **Swarm Robotics** IIT Kharagpur took part in DRDO's DRUSE 2018 (DRDO Robotics & Unmanned Systems Exposition) which was held in Pune from 23rd May to 25th May 2018 and won the First Runners Up position to win a cash prize of 1 Lac Rupees for further research and implementation. This was the culmination of the national level challenge which had over 1000 entries out of which 164 qualified for the Zonals on 28th March 2018 where they were crowned the runners-up in the 30 teams selected for the finals.
- **Aerial Robotics Kharagpur (ARK)** is a students' group working for building autonomous aerial vehicles. The group was formed in February 2015. They are developing a system for flight control of a drone for participating in International Aerial Robotics Competition (IARC).



- **TeamAUV** activity for design and implementation of autonomous underwater vehicle. The team has designed and operated an upgraded underwater vehicle with multiple sensors and sophisticated control computers to participate in various competitions in India and abroad.
- Signals and systems for Life Science, a thrust area of Research at IIT Kharagpur, organized a one week long orientation programme during May 8-12, 2017 at IIT Kharagpur for selected ICMR-IITKGP MedTech interns of this year. In the 8 week long internship, 2 ICMR Scientists and 4 medical college students from 3 different AIIMS were to work at IIT Kharagpur laboratories while 7 IIT Kharagpur engineering students were to report different centers of ICMR namely, NCDIR, Bangalore, NIRRH, Mumbai, NARI, Belgavi, RMRC, Bhubaneswar.



Technology Students' Gymkhana

President : Prof. William Mohanty

Students' Affairs

Technology Students' Gymkhana is the hub of the numerous extra-curricular and co-curricular activities in IIT Kharagpur ranging from Sports, Socio-Cultural to Technology. From its inception in 1952, the Gymkhana has played a key role in the everyday lives of Kgpians cultivating and nurturing their extra-curricular talents. The students under the auspices of TSG participated in a variety of activities during their leisure time for fun, fitness, enjoyment and reviving their energy after academic workload and also for their overall development. The highlights of the year 2018-19 are as follows:

Inter-IIT Meet

The 34th Inter IIT Aquatics Meet and 53rd Inter-IIT Sports Meet held at IIT Guwahati during 03-07 October 2018 and 13-21 December 2018, respectively. The participating students of the Institute in the Inter IIT Aquatic Meet exhibited great performance with 2 gold medals, 7 silver medals and 2 bronze medals for men and 2 silver medals and 1 bronze medal for women's team of IIT Kharagpur, leading IIT Kharagpur to finish at 2nd in Overall G.C for swimming. Indresh Performed exceptionally well by bagging 4 silver medals. Water Polo team has also brought us glory by securing 1st Position. Amlan Sil has been awarded with best player of the tournament and Raj Prabhu has been awarded with best scorer of the tournament.

In 53rd Inter-IIT Sports Meet, IIT Kharagpur secured 3rd position in March past, Badminton (Men) won Gold medal. Athletics (Boys & Girls), Badminton (girls), Chess, Squash, Table Tennis (Boys) won Silver medals. Tennis (Men) won Bronze medal.

IIT Kharagpur Cultural team secured 3rd Position in the 3rd Inter-IIT Cultural Meet which was held at IIT Roorkee in December 2018. IIT Kharagpur team bagged overall trophies in Music Cup- Band Performance, Dramatics- Monologue, Quiz- Business, India, Mela, Film Making-Online Film Making and Literary- Parliamentary Debate. Team secured silver medal in Music- Pair on Stage, Dance-Street Battle, FAD- Charcoal Art, Quiz- Scitech, Sports, Culinary- Cook off, Literary- English Poetry Slam and story writing, Word Games. Team also secured bronze medal in Quiz- Mela, Culinary- Tag Team, Literary- Online Hindi Writing.

The 7th Inter-IIT Tech Meet was hosted by IIT Bombay in Jan 2019. After five successful Inter-IIT Tech meets, IIT Kharagpur continued the winning spirit and secured 3rd position in this Tech meet bringing out the best in each category. With 21 participating IITs competing in ten events, this meet was grander in scale, higher in quality and tougher in competition than ever before where a total of 1465 points were scored by IIT Kharagpur with 3 Gold medals (Case Study, BETiC Medical Innovation Challenge and TV Audience Measurement) & 1 bronze medal (Campus Sustainability Challenge).

Institute Awards and Medals

Event	Inst. Blue/ Order of Merit	Honorable Mention	Special Mention	Alumni Cup
Sports & Games	22	20	09	02
Social & Cultural	06	11	13	01
Technology	12	11	-	01

Bhandarkar Cup was awarded to Abin Devassia Poovathottathil (14NA30029) (Athletics). Shrimati Chandiramani Cup was awarded to Arkapravo Saha (14ME33029) for Soc. and Cult. G.S. Sanyal Cup was awarded to Harsh Agarwal (15NA10001) for Technology. Amrit Barman Memorial Award as cash prize of Rs. 15000 was awarded to Vishal Kumar Singh.



Overall General Championship Results

Sports and Games	Social and Cultural	Technology
Azad Hall of Residence (Men) and Mother Teresa Hall of Residence (Women)	Rajendra Prasad Hall of Residence	Rajendra Prasad Hall of Residence

Alumni Cup

ALUMNI CUP in sports was awarded to Eslavath Jagadeesh in Athletics and Devanuj Deka in Badminton.

ALUMNI CUP in Social and Cultural was awarded to Utkarsh Sinha.

ALUMNI CUP in Technology was awarded to TYSS Santosh.

Major Events

Like every year, the TSG organized National Yoga Day on 21 June 2019 which was conducted by Mr. Sudhir Kumar. Yogathan has also been organized at TSG premises. Quiz on Yoga, Health & Fitness was organized on the pre International Yoga Day Program. TSG has organized two EK BHARAT SHRESTH BHARAT program an initiative by MHRD govt. of India. In this program Cultural Exchange Activities, Food Festival and Merchandise Sell were initiated. The different paired states are Arunachal Pradesh, Meghalaya and Uttar Pradesh and Jharkhand and Goa. TSG has successfully organized Kharagpur Open in Tennis, Training Program on Life saving skills in water, Navneet Memorial Tournament, Fancy Football Tournament on Foundation day in Football, Annual children's Aquatics meet. TSG successfully organized Run for unity on 31st October 2018, 26th January, 15th August, World Environment day and Vigilance awareness week with South Eastern Railway. Mir Ranjan Negi (Former Captain Indian Field Hockey Team) delivered a motivational lecture during Freshmen induction at IIT Kharagpur. Technology Adventure society, TSG has organized adventure events and trekking trips. Kshitij, Spring Fest, Robotix events, Robosoccer, in-house workshops, Indian case challenge 2018, TSG elections were successfully conducted throughout the year. Rangoli and Illumination was celebrated on 8th November 2018 where different Halls of Residence participated for a month to get their hostels illuminated on the day of Diwali along with the signature Rangolis created in the Halls of Residence.



Technology Telecom Centre

Prof-in-Charge: Prof. Raja Dutta

Technology Telecom Centre (TTC) provides the voice communication services to subscribers in the academic as well as in the residential campus on conventional copper wires as well VoIP and Digital Telephony and the value added services like Audio Conferencing bridge and mobile extensions etc. It is having the state of art Centralized EPABX at Technology Telecom Centre and a satellite exchange at New Guest House. It is also providing the centralized fax services to Institute community.

In the financial year (2018-2019) TTC completed the installation and commissioning of upgrading of existing MD-110 EPABX at JCB lab complex (Annex building) with server based system. Restructuring of telephone cables in Dept. of Agfe and BC Roy Technological Hospital was completed. The Renovation work of Pillar boxes (painting and repairing) in the Campus is also going on.

One major work that has been taken up is the voice communication in the upcoming “Dr. B. C. Roy Institute of Medical Science and Research”. TTC has planned to upgrade the present EPABX system so that it can take up the load of the massive (2000 lines in future) and important telephone connectivity of the super-speciality hospital. Already the upgradation of the system has been initiated and is waiting for approval of the concerned authority.

Estimation of telephone cabling work at admin block of Nalanda Class Room Complex is done and a composite work has been completed by CCM. In the same manner restructuring of telephone cables work also completed by CCM as composite work. In near future, telephone-cabling work at the newly constructed buildings like Diamond Jubilee Complex, New Faculty Accommodations (NFAs), International Guest House, etc. will be taken up with respective PMC.



Water Works Section

The water works & sanitary section of IIT Kharagpur is one of the most important sections. It takes the major responsibility in managing and providing water of high quality to all sections of the Institute as well as manages the drainage.

The achievements include high quality drinking water through a recently constructed state of art technology water treatment plant. There is also plan for another source of water by construction of a well from a nearby river, Kangsabati.

The vision is to provide high quality water for all purpose.

Future plans:

- Even for additional demand of water from the community we take up the challenge to meet the demand through working hard and our aim is to satisfy every one of the community.
- PMC has been appointed to prepare a draft proposal report for improving the sewerage network which is quite old to enable the present load (Sewer) to be treated. It is in the discussion stage and things are moving as per the direction of the authority.



STATISTICS





Table A-1
Admission to Undergraduate Courses

A. BTech

Sl No	Course	Sanction Strength				Admission Offered				Actually Admitted						
		GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total
1	AEROSPACE ENGINEERING	16	9	5	2	32	16	9	5	2	32	16	9	5	2	32 + 1*
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	18	11	5	2	36	18	11	5	2	36	18	11	5	2	36
3	BIOTECHNOLOGY	14	7	4	2	27	14	7	4	2	27	12	7	4	2	25
4	CHEMICAL ENGINEERING	30	16	8	5	59	30	16	8	5	59	30	16	7	5	58 + 1*
5	CIVIL ENGINEERING	34	17	9	6	66	34	17	9	6	66	32	17	9	6	64 + 1*
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	31	16	9	5	61	31	16	9	5	61	31	16	9	5	61 + 1*
7	ELECTRICAL ENGINEERING	31	16	8	6	61	31	16	8	6	61	30	16	8	6	60
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	35	19	10	5	69	35	19	10	5	69	35	19	10	5	69
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	16	9	5	2	32	16	9	5	2	32	15	9	5	2	31 + 1*
10	INSTRUMENTATION ENGINEERING	17	8	5	2	32	17	8	5	2	32	17	8	5	2	32
11	MANUFACTURING ENGINEERING	17	10	5	2	34	17	10	5	2	34	17	10	5	2	34
12	MECHANICAL ENGINEERING	37	20	11	8	76	37	20	11	8	76	37	20	11	8	76
13	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	24	13	7	3	47	24	13	7	3	47	23	13	7	3	46
14	MINING ENGINEERING	23	13	5	3	44	23	13	5	3	44	23	13	5	3	44 + 2*
15	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	18	9	5	3	35	18	9	5	3	35	17	9	5	3	34
	Total (A)	361	193	101	56	711	361	193	101	56	711	353	193	100	56	702 + 7*

B. B Arch

Sl No	Course	Sanction Strength				Admission Offered				Actually Admitted						
		GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING	18	13	6	1	38	18	13	6	1	38	17	13	6	1	37 + 2*
	Total (B)	18	13	6	1	38	18	13	6	1	38	17	13	6	1	37



C. Integrated MSc

Sl No	Course	Sanction Strength			Admission Offered			Actually Admitted								
		GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total					
1	CHEMISTRY	19	8	4	0	31	19	8	4	0	31	16	8	2	0	26+3*
2	EXPLORATION GEOPHYSICS	18	8	5	0	31	18	8	5	0	31	17	8	5	0	30+1*
3	APPLIED GEOLOGY	22	9	6	1	38	22	9	6	1	38	17	9	5	1	32+2*
4	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES	22	13	6	3	44	22	13	6	3	44	21	13	6	3	43
5	MATHEMATICS	27	14	8	4	53	27	14	8	4	53	27	14	8	4	53
6	PHYSICS	19	10	5	0	34	19	10	5	0	34	17	9	5	0	31+3*
	Total (C)	127	62	34	8	231	127	62	34	8	231	115	61	31	8	215+9

D. Dual Degree

Sl No	Course	Sanction Strength				Admission Offered				Actually Admitted						
		GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total
1	AEROSPACE ENGINEERING	9	5	4	1	19	9	5	4	1	19	9	5	4	1	19
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	17	9	4	0	30	17	9	4	0	30	17	9	3	0	29+3*
3	BIOTECHNOLOGY	13	7	4	0	24	13	7	4	0	24	13	7	3	0	23+2*
4	CHEMICAL ENGINEERING	14	7	4	2	27	14	7	4	2	27	14	7	4	2	27
5	CIVIL ENGINEERING	13	7	4	1	25	13	7	4	1	25	13	7	4	1	25
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	24	12	7	3	46	24	12	7	3	46	24	12	7	3	46
7	ELECTRICAL ENGINEERING	13	7	4	2	26	13	7	4	2	26	13	7	4	2	26
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	23	12	7	3	45	23	12	7	3	45	23	12	7	3	45+1*
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23
10	MANUFACTURING ENGINEERING	8	5	3	0	16	8	5	3	0	16	8	5	3	0	16+1*
11	MECHANICAL ENGINEERING	27	15	8	5	55	27	15	8	5	55	26	15	8	5	54+1*
12	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23	12	6	4	1	23+1*
13	MINING ENGINEERING	11	5	3	1	20	11	5	3	1	20	11	5	3	1	20+1*
14	MINING SAFETY ENGINEERING	10	5	4	0	19	10	5	4	0	19	10	5	4	0	19+1*
15	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	13	7	3	1	24	13	7	3	1	24	11	7	3	1	22+2*
16	QUALITY ENGINEERING DESIGN AND MANUFACTURING	7	5	3	0	15	7	5	3	0	15	7	5	3	0	15+1*
	Total (D)	226	120	70	21	437	226	120	70	21	437	223	120	68	21	432+14*
	Total (A+B+C+D)	732	388	211	86	1417	732	388	211	86	1417	1648	911	517	153	3229+ 32*

* Preparatory Students



Table A2
Admission to 2-Year M.Sc. Courses

Sl No	Course	Sanction Strength					Admission Offered					Actually Admitted				
		GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total	GN	OB	SC	ST	Total
1	CHEMISTRY	22	14	6	4	46	22	14	6	4	46	23	13	4	4	44
2	EXPLORATION GEOPHYSICS	11	6	4	2	23	11	6	4	2	23	8	7	3	2	20
3	GEOLOGY	15	8	5	2	30	15	8	5	2	30	14	8	4	2	28
4	MATHEMATICS	15	8	5	2	30	15	8	5	2	30	15	7	6	2	30
5	PHYSICS	24	13	7	3	47	24	13	7	3	47	24	14	7	3	48
6	BIOSCIENCES	9		1	1	11	9		1	1	11	9		1	1	11
7	MEDICAL PHYSICS (3YR. M.SC.)	5	2	1		8	5	2	1		8	4	2	1		7
8	NUCLEAR MEDICINE	4	4	1		9	4	4	1		9	4	2	1		7
9	MOLECULAR MEDICAL MICROBIOLOGY	6	4	3		13	6	4	3		13	5	2	1		8
	Total (C)	111	59	33	14	217	111	59	33	14	217	106	55	28	14	203



Table A-3

Students Awarded M.C.M. Scholarship

	Department	First Yr School	Second Yr School	Third Yr School	Fourth Yr School	Fifth Yr School	Total
(A) B Tech 4-Year							
1	AEROSPACE ENGINEERING	5	2	3	3		13
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	2	3	3	8		16
3	BIOTECHNOLOGY	1	1	4	1		7
4	CHEMICAL ENGINEERING	8	6	8	11		33
5	CIVIL ENGINEERING	7	9	11	9		36
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING		13	8	12		33
7	ELECTRICAL ENGINEERING	6	15	16	20		57
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	5	10	9	11		35
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	1	3	9	3		16
10	MECHANICAL ENGINEERING	13	15	12	16		56
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	8	2	4	3		17
12	MINING ENGINEERING	6	5	5	4		20
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	3	4		4		11
(B) B Arch 5 Year							
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING	1	2	5	7	8	23
(C) Integrated MSc 5 Year							
1	CHEMISTRY	5	2	4	9	2	22
2	GEOLOGY & GEOPHYSICS	8	5	6	7	9	35
3	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES	10	8	9	11	7	45
4	MATHEMATICS	4	1	5	5	6	21
5	PHYSICS	2	3	3	4	6	18
(D) Dual Degree 5-Year							
1	AEROSPACE ENGINEERING	3	3	2	8		16
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	3	6	9	8		26
3	BIOTECHNOLOGY	5	1	2	6		14
4	CHEMICAL ENGINEERING	4	4	4	8		20
5	CIVIL ENGINEERING	4	3	2	6		15
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	1	6	3	9		19
7	ELECTRICAL ENGINEERING	1	3	4	7		15
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	6	11	7	5		29
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	5	3	11	4		23
10	MECHANICAL ENGINEERING	5	6	11	17		39
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	1		1	7		9
12	MINING ENGINEERING	4	7	8	21		40
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	1	1	3	4		9
14	RELIABILITY ENGINEERING						
15	PETROLEUM ENGINEERING						
	Total	138	163	191	258	38	788



Table A-4

Students Awarded only Free Tuitionship Table

Sl. No	Department	First Yr Schol	Second Yr Schol	Third Yr Schol	Fourth Yr Schol	Fifth Yr Schol	Total
	(A) B Tech 4-Year						
1	AEROSPACE ENGINEERING			1			1
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING		2		4		6
3	BIOTECHNOLOGY		1	1			2
4	CHEMICAL ENGINEERING			2			2
5	CIVIL ENGINEERING		2	3			5
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING						0
7	ELECTRICAL ENGINEERING			1	2		3
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.			1			1
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING				1		1
10	MECHANICAL ENGINEERING		2	2	4		8
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING						0
12	MINING ENGINEERING			1			1
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE		1	2	1		4
	(B) B Arch 5 Year						0
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING		1	1			2
	(C) Integrated MSc 5 Year						0
1	CHEMISTRY		3		1		4
2	GEOLOGY & GEOPHYSICS		3	2	2	1	8
3	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES			1		2	3
4	MATHEMATICS					2	2
5	PHYSICS			1	1		2
	(D) Dual Degree 5-Year						0
1	AEROSPACE ENGINEERING				5		5
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING			3	1		4
3	BIOTECHNOLOGY		1		2		3
4	CHEMICAL ENGINEERING			2			2
5	CIVIL ENGINEERING		1	2	1		4
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING			3			3
7	ELECTRICAL ENGINEERING				1		1
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.			2	3		5
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING			1	3		4
10	MECHANICAL ENGINEERING				2		2
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING						0
12	MINING ENGINEERING		2	1	1		4
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE		1	1	1		3
14	QUALITY & RELIABILITY ENGINEERING						0
15	PETROLEUM ENGINEERING						0
	Total	0	20	34	36	5	95



Table A-5

Students (SC & ST) Awarded Financial Assistance

Count of Roll No.	1 st year		2 nd year		3 rd year		4 th Year		5 th year		Grand Total
	SC	ST	SC	ST	SC	ST	SC	ST	SC	ST	
AEROSPACE ENGINEERING			1				1				2
AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING						1	2				3
ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING	1										1
BIOTECHNOLOGY	1			1			1				3
CHEMICAL ENGINEERING							1	1			2
CHEMISTRY				1	1			1			3
CIVIL ENGINEERING				1	1		2				4
COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING							1				1
ELECTRICAL ENGINEERING		1									1
ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.							2				2
GEOLOGY & GEOPHYSICS	1		2								3
HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES									1	1	2
INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING						2					2
MATHEMATICS	3	1			1		1				6
MECHANICAL ENGINEERING	1	1			1	1	1				5
METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	1										1
MINING ENGINEERING	2	1									3
OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE			2	1		1	1				5
PHYSICS	1		1	1							3
QUALITY & RELIABILITY ENGINEERING				1			1				2
Grand Total											

Prep Course : ST-2

**Table A-6****1. INSTITUTE GOLD MEDALS :**

Sl. No.	Name of Medal/Prize	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	PRESIDENT OF INDIA GOLD MEDAL	15EC10026	Kaustav Brahma	9.92
2.	PRIME MINISTER OF INDIA GOLD MEDAL	14EC35030	Rajarshi Saha	9.75
		14AE30017	Shubham Jena	9.75
3.	THE CHAIRMAN BOARD OF GOVERNORS GOLD MEDAL	15CS10018	Karri Sai Satish Kumar Reddy	9.09
4.	DR. BIDHAN CHANDRA ROY MEMORIAL GOLD MEDAL	14AR10018	Kosaraju Akhila	9.02
5.	DR. JNAN CHANDRA GHOSH MEMORIAL GOLD MEDAL	14NA30029	Abin Devassia	8.44
6.	PROF. J. C. BOSE MEMORIAL GOLD MEDAL	17CY40018	Manish Gupta	9.84

2. ENDOWMENT GOLD MEDALS:

Sl. No.	Name of Medal/Prize	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	ANUKUL CHANDRA SARKAR MEMORIAL GOLD MEDAL	15CE10057	Vaibhav Agrawal	9.03
2.	PROF. R. G. CHATTERJEE MEMORIAL GOLD MEDAL	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37

3. SILVER MEDALS :**A. 4-YEAR B. TECH.(HONS.) COURSES**

Sl. No.	Course	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	AEROSPACE ENGINEERING	15AE10025	Shethia Shreyansh Rakesh Kumar	8.55
2.	BIOTECHNOLOGY & BIOCHEMICAL ENGINEERING	15BT10015	Rohit Roy	8.60
3.	CIVIL ENGINEERING	15CE10057	Vaibhav Agrawal	9.03
4.	CHEMICAL ENGINEERING	15CH10004	Alok Anand Patra	9.50
5.	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	15CS10030	Nisarg Shah	9.69
6.	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGINEERING	15EC10026	Kaustav Brahma	9.92
7.	ELECTRICAL ENGINEERING	15EE10045	Souradip Poddar	9.44
8.	INSTRUMENTATION ENGINEERING	15IE10037	Abhishek Gupta	9.14



9.	INDUSTRIAL & SYSTEMS ENGINEERING	15IM10005	Boya Srikanan Reddy	9.29
10.	MECHANICAL ENGINEERING	15ME10051	Satyam Anand	9.55
11.	MANUFACTURING SCIENCE & ENGINEERING	15MF10030	Thota Venkata Durga Sumugan Swaroop	9.05
12.	MINING ENGINEERING	15MI10010	Arnab Manna	9.11
13.	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	15MT10035	Siba Sundar Sahoo	8.96

B. 5-YEAR B. ARCH.(HONS.) COURSE

Sl. No.	Course	Roll No.	Name of the winner	CGPA
14.	ARCHITECTURE	14AR10018	Kosaraju Akhila	9.02

C. 5-YEAR DUAL DEGREE COURSES

Sl. No.	Course	Roll No.	Name of the winner	CGPA
15.	AEROSPACE ENGINEERING	14AE30017	Shubham Jena	9.75
16.	AGRICULTURAL & FOOD ENGINEERING	14AG3FP05	Abhishek Siwach	8.77
17.	BIOTECHNOLOGY & BIOCHEMICAL ENGINEERING	14BT30005	Bhumika Singh Rathore	8.91
18.	CIVIL ENGINEERING	14CE3FP02	Arihant Buccha	9.15
19.	CHEMICAL ENGINEERING	14CH30012	Debangshu Haldar	9.72
20.	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	14CS30041	Ritam Dutt	9.71
		14CS30013	Kushagra Aggarwal	9.71
21.	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGINEERING	14EC35030	Rajarshi Saha	9.75
22.	ELECTRICAL ENGINEERING	14EE32001	Manish Mukherjee	9.44
23.	INDUSTRIAL & SYSTEMS ENGINEERING	14IM30006	Jarugu Sree Vishnu	8.81
24.	MANUFACTURING SCIENCE & ENGINEERING	14MF3IM07	Manpreet Dash	9.53
25.	MECHANICAL ENGINEERING	14ME32008	Joshi Nikhil Vinayak	9.56
26.	MINING ENGINEERING	14MI33004	Akhil Jishnu P	8.85
27.	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	14MT3FP20	Venkatesh Pai	9.51
28.	OCEAN ENGINEERING & NAVAL ARCHITECTURE	14NA30025	Apharande Sankalp Prakash	9.02



D. M. SC. (5-YEAR) COURSES

Sl. No.	Course	Roll No.	Name of the winner	CGPA
29.	CHEMISTRY	14CY20007	Anuj Kumar Gupta	8.43
30.	APPLIED GEOLOGY	14GG20037	Vaibhav Agrawal	8.82
31.	ECONOMICS	14HS20035	Shashwat Gangwal	8.85
32.	MATHEMATICS & COMPUTING	14MA20049	Vysyaraju Nayan Raju	9.20
33.	PHYSICS	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37
34.	EXPLORATION GEOPHYSICS	14EX20009	Duttatreya Das	9.15

E. M.Sc.(2-YEAR) COURSES

Sl. No.	Course	Roll No.	Name of the winner	CGPA
35.	CHEMISTRY	17CY40018	Manish Gupta	9.84
36.	GEOPHYSICS	17EX40010	Gouria Kirsten David	9.09
37.	MATHEMATICS	17MA40028	Suvojit Dhara	9.68
38.	PHYSICS	17PH40011	Debajit Bose	9.40
39.	GEOLOGY	17GG40022	Sandro Chatterjee	9.48
40.	CHEMICAL & MOLECULAR BIOLOGY	17BS4JP08	Surasree Pal	9.48

3. ENDOWMENT PRIZES - (UNDER GRADUATE)

Sl. No.	Name of Prize	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	Sarat Memorial Prize	15CS10058	Sharmila Reddy Nangi	9.52
2.	Suhasini Devi Memorial Prize	14AR10018	Kosaraju Akhila	9.02
3.	P. K Bhattacharya Memorial Prize	14EX20009	Duttatreya Das	9.15
4.	Sachinandan Basak Memorial Prize	15HS20045	Vishal Sharma	7.71
5.	Swapan Kumar Saha Memorial Prize	15EC10026	Kaustav Brahma	9.92
6.	Medury Bhanumurthy Memorial Prize	15ME10073	Harsh Saraf	8.60
7.	H. N. Bose Memorial Prize	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37
8.	Sharmila Bose Memorial Prize	14CY20027	Smita Mandal	8.28
9.	Bigyan Sinha Memorial Prize	15EC10066	Soumya Mahapatra	9.81
10.	Usha Martin Award	15MT10035	Siba Sundar Sahoo	8.96
11.	Systems Society Award	15EE10010	Batchu Sai Vaibhav	9.36
12.	Prof.K.L.Chopra Award	14PH20020	Philip Jacob	9.15
13.	Charubala Devi Memorial Prize	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
14.	Gouri Basak Design Award	15AR10010	Gunjal Jain	9.04



Sl. No.	Name of Prize	Roll No.	Name of the winner	CGPA
15.	Prof. Prabodh Chandra Sanyal Award	17MA40019	Rohit Sarma Sarkar	9.26
16.	B. L. Nagpal Memorial Prize	16CE10040	Prasanta Kumar Sahoo	9.20
17.	Umesh Kumar Bhatia Sports Prize	15BT10003	Bhatia Gitanshu T	8.04
18.	Pradeep Kumar Chakraborty Award	16MT10025	Parth Khandelwal	9.15
19.	G. B. Mitra Award	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37
20.	Bhartiya Cutler Hammer Prize	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
21.	Mansara Prize	15AR10010	Gunjal Jain	9.04
22.	R. M. Lalwani Prize	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
23.	H. P. Bhadury Memorial Prize	16ME10017	Debapriya De	9.74
24.	John Von Neuman Award	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
25.	Prof. S. K. Nandi Memorial Prize	14CH30012	Debangshu Halder	9.64
26.	International Symposium (Microwave & Communication) 1981 Prize	16EC10066	Divyansh Jhunjhunwala	9.78
27.	Class Of 1970 Alumni (US) Association Prize	17CS30035	Siddhant Agarwal	9.93
28.	Technology Alumni Association (Delhi Chapter) Award	18ME10061	Siba Smarak Panigrahi	9.96
29.	IIT Kharagpur Alumni (California Chapter) Award	17CS30035	Siddhant Agarwal	9.93
30.	Ram Gopal Kabre Memorial Prize	16AR10031	Sachin Nandkumar Uttarwar	8.32
31.	Prof. S. P. Sengupta Memorial Prize	15ME10071	Srijan Neogi	9.10
32.	K. Rama Rao Endowment Prize	16AG10030	Shivam Rohila	8.76
33.	Smt. Ava Sanyal Memorial Prize	16MT10025	Parth Khandelwal	9.15
34.	Prof. B.N. Avasthi Memorial Award For Sports	15BT10003	Bhatia Gitanshu T	8.04
		16EC10025	Hima Swetha N	9.08
35.	Prof. Sunil Kanti Sen Memorial Award	18CS30049	Abhinav Bohra	9.78
36.	Prof. Sudhir Ranjan Sengupta Memorial Prize	15CE31003	Rahul Dev Kundu	9.27
37.	Best B.Tech. Project Thesis Award By Mr. Mitrajit Mukhopadhyay	15CH30003	1ST Amit Verma	8.26
		15CH30043	2ND Gaurav Agarwal	9.06
		15CH30038	3RD Omkar Roy	8.41
38.	A. A. Hakim Memorial Endowment Prize	14AG38002	Anindra Kumar	7.18
39.	Keshab K Parhi Endowment Prize	14EE33002	Sayan Samanta	9.07



Sl. No.	Name of Prize	Roll No.	Name of the winner	CGPA
40.	Nilanjan Ganguly Memorial Award For E&E.C.E. Deptt	15EC10023	Joshua Peter Ebenezer	9.77
41.	Nilanjan Ganguly Memorial Award For Physics Deptt	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37
42.	Kedar Nath Singh Memorial Prize	14PH20030	S Aravindh Swaminathan	9.37
43.	Dwaraka Nath Singh Memorial Prize	14ME32008	Joshi Nikhil Vinayak	9.56
44.	Jugal Kishore Singh Memorial Prize	15ME10051	Satyam Anand	9.6
45.	Rajender Kumar Khanna Memorial Award	15EE10045	Souradip Poddar	9.44
46.	Ramneek Sodhi Memorial Award	15MT30018	Swagata Roy	9.56
47.	Sushil Kumar Chowdhury Memorial Award	15AE10025	Shethia Shreyansh Rakesh Kumar	8.55
48.	Ashim Ranjan Guha Memorial Award	15AG10011	Anukool Raj	8.32
49.	TKT Srikrishnan Endowment Prize	15ME33028	Yeerella Ram Hemanth	8.62
		15ME33048	Boddeda Hemanth Sai Sandeep	8.12
50.	Prof. J.P.Ghose Memorial Award	16NA30003	Anmesh Choudhury	8.56
51.	Sikharini Nag Memorial Award	15ME10069	Gokavarapu Naga Venkata Siva Srikar	9.41
		14ME32008	Joshi Nikhil Vinayak	9.56
52.	Sikharini Nag Memorial Award for Girl Student	16CH30029	Abha Kumari	9.65
53.	Prof. D.V.S.Murty Merit Award	15IE10037	Abhishek Gupta	9.14
54.	Prof. P.K.Muhuri Memorial Award	14NA30025	Apharande Sankalp Prakash	9.02
55.	Prof. R.K.Brahma Memorial Prize	14ME32008	Joshi Nikhil Vinayak	9.56
56.	Prof. Somnath Sengupta Memorial Award	15EC10026	Kaustav Brahma	9.92
57.	Prof. K Venkataratnam Memorial Prize	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
58.	Prof. Amitabha Chakrabarti Memorial Award	17GG40022	Sandro Chatterjee	9.48
59.	Prof. Supriya Mohan Sengupta Memorial Award	14EX20015	Kirloskar Mihir Milind	9.11
		14GG20037	Vaibhav Agrawal	8.82
60.	Prof. Supriya Mohan Sengupta Memorial Award	17GG40012	Kanishak Sharma	8.43
61.	Late Prof. V G Rau Prize	15EE10045	Souradip Poddar	9.44



5. J. C. GHOSH MEMORIAL PRIZE

Sl. No.	Department	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	AEROSPACE ENGINEERING	16AE10010	Nallapareddy Charan Reddy	9.36
2.	AGRICULTURAL & FOOD ENGINEERING	16AG10030	Shivam Rohila	8.76
3.	BIOTECHNOLOGY & BIOCHEMICAL ENGINEERING	16BT10001	Adarsh Singh	9.00
4.	CHEMICAL ENGINEERING	16CH30029	Abha Kumari	9.65
5.	CIVIL ENGINEERING	16CE10040	Prasanta Kumar Sahoo	9.20
6.	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	16CS10058	Lovish Chopra	9.92
7.	ELECTRICAL ENGINEERING	16EE10008	Arkadeb Sengupta	9.99
8.	INSTRUMENTATION ENGINEERING	16IE10034	Jitendra Bhandari	9.44
9.	ELECTRONICS & ELECT. COMMU. ENGINEERING	16EC10066	Divyansh Jhunjunwala	9.78
10.	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	16IM10034	Bhargav D	9.36
11.	MECHANICAL ENGINEERING	16ME10017	Debapriya De	9.74
12.	MANUFACTURING SCIENCE & ENGINEERING	16MF3IM16	Sudhanshu Tiwari	8.95
13.	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	16MT10025	Parth Khandelwal	9.15
14.	MINING ENGINEERING	16MI31014	Sayan Guha	8.78
15.	OCEAN ENGINEERING & NAVAL ARCHITECTURE	16NA30003	Anmesh Choudhury	8.56
16.	ARCHITECTURE & REGIONAL PLANNING	16AR10005	Amlan Kumar Sahu	8.96
17.	CHEMISTRY	15CY20007	Ekroop Kaur Cheema	9.02
18.	APPLIED GEOLOGY	15GG20013	Ishiqua Agarwal	8.64
19.	EXPLORATION GEOPHYSICS	15EX20011	Divyansh Mani Tripathi	7.97
20.	MATHEMATICS & COMPUTING	15MA20051	Harshit Jitendra Motwani	9.69
21.	PHYSICS	15PH20005	Anirudh Deb	9.89
22.	ECONOMICS (HS)	15HS20047	Rishav Bagri	9.14



6. BEST PROJECT AWARD :

A. 4-YEAR B. TECH.(HONS.) COURSES :

Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	AEROSPACE ENGINEERING	15AE10025	Shethia Shreyansh Rakesh Kumar	8.55
2.	BIOTECHNOLOGY & BIOCHEMICAL ENGINEERING	15BT30019	Rajendra Kc	8.47
3.	CHEMICAL ENGINEERING	15CH30003	Amit Verma	8.26
4.	CIVIL ENGINEERING	15CE31006	Subhadeep Pal	9.12
5.	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	15CS10013	Duvvuri Venkata Sai Surya Subramanyam	8.98
6.	ELECTRICAL ENGINEERING	15EE10061	Kumar Joy Nag	9.11
7.	INSTRUMENTATION ENGINEERING	15IE10033	Akshat Gupta	8.73
8.	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	15IM10031	Akash Tiwari J	8.72
9.	ELECTRONICS & ELECT. COMM. ENGINEERING	15EC10066	Soumya Mahapatra	9.81
10.	MECHANICAL ENGINEERING	15ME10014	Bigyansu Behera	9.03
11.	MANUFACTURING SCIENCE & ENGINEERING	15MF3IM16	Ayush Mohanty	8.51
12.	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	15MT30004	Bandi Narsi Reddy	8.88
13.	MINING ENGINEERING	15MI31031	Anand Kumar	9.02
14.	OCEAN ENGINEERING & NAVAL ARCHITECTURE	15NA10016	Nelli Sri Vinay Krishna Rayudu	8.33

5-YEAR B. ARCH. (HONS.) COURSE :

Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	ARCHITECTURE & REGIONAL PLANNING	14AR10009	Ashutosh Sushil Sarda	8.27

B. 5-YEAR DUAL DEGREE COURSES :

Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	AEROSPACE ENGINEERING	14AE30002	Adapa Venkata Sai Chaitanya	8.01
2.	AGRICULTURAL & FOOD ENGINEERING	14AG3FP05	Abhishek Siwach	8.77
3.	BIOTECHNOLOGY & BIOCHEMICAL ENGINEERING	14BT30015	Nupur Jain	8.32
4.	CHEMICAL ENGINEERING	14CH30033	Manish Ayushman	9.24



Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
5.	CIVIL ENGINEERING	14CE33013	Tangudu Jagadeesh	8.53
6.	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	14CS30015	Madhav Datt	9.11
7.	ELECTRICAL ENGINEERING	14EE35020	Francis Tom	9.31
8.	ELECTRONICS & ELECT. COMMU. ENGINEERING	14EC35030	Rajarshi Saha	9.75
9.	INDUSTRIAL & SYSTEMS ENGINEERING	14MF3IM07	Manpreet Dash	9.53
10.	INDUSTRIAL & SYSTEMS ENGINEERING (MECHANICAL ENGINEERING VERTICAL)	14QM30001	Abhishek Pandey	8.87
11.	MECHANICAL ENGINEERING	14ME33011	Danawe Hrishikesh Gajanan	9.49
12.	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	14MT30016	Souvik Bhattacharya	8.86
		14MT30015	Sourav Das	9.24
13.	MINING ENGINEERING	14MI33004	Akhil Jishnu P	8.85
14.	OCEAN ENGINEERING & NAVAL ARCHITECTURE	14NA30025	Apharande Sankalp Prakash	9.02
15.	FINANCIAL ENGINEERING	14CE3FP02	Arihant Buccha	9.15

C. 5-YEAR M. SC. COURSES :

Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	CHEMISTRY	14CY20027	Smita Mandal	8.28
2.	EXPLORATION GEOPHYSICS	14EX20015	Kirloskar Mihir Milind	9.11
3.	APPLIED GEOLOGY	14GG20037	Vaibhav Agrawal	8.82
4.	ECONOMICS	14HS20041	Sumit Poddar	7.40
5.	MATHEMATICS & COMPUTING	14MA20026	Rahul Mishra	7.74
6.	PHYSICS	14PH20020	Philip Jacob	9.15

D. 2-YEAR M.Sc. COURSES :

Sl. No.	Name of the Branch	Roll No.	Name of the winner	CGPA
1.	CHEMISTRY	17CY40018	Manish Gupta	9.84
2.	GEOPHYSICS	17EX40010	Gouria Kirsten David	9.09
3.	GEOLOGY	17GG40012	Kanishak Sharma	8.43
4.	MATHEMATICS	17MA40028	Suvojit Dhara	9.68
5.	PHYSICS	17PH40011	Debajit Bose	9.40
6.	BIO-SCIENCE	17BS4JP08	Surasree Pal	9.48



Table : A-7

UG STUDENTS AWARDED SCHOLARSHIP BY EXTERNAL AGENCIES

Sl.No.	Awarding Organization	No. of Recipient
1	INSPIRE Scholarship awarded by DST , Govt. of India, New Delhi	397 + 148
2	Rajarshee Shahu Maharaj Merit Scholarship, Maharashtra	9
3	SAIL Scholarship awarded by Steel Authority of India	2
4	Aditya Birla Scholarship, Aditya Birla Group, Mumbai	6
5	National Handicapped Finance & Development, Faridabad	2
6	KVPY Scholarship, IISC Bangalore	4
7	FAEA Scholarship to BPL Cat. SC/ST students, New Delhi	8
8	Post Matric Scholarship from various state	16
9	ST Scholarship awarded by Singapore Technologies Eng. Ltd	4
10	ONGC Scholarship	4
11	EIL Scholarship, New Delhi	8
12	Central Sector Scholarship for ST	26
13	IFCO Kissan Sewa	1
14	MMVY Scholarship, Madhyapradesh	5
15	AICTE Jammu & Kashmir Scholarship	1
16	Coal India Ltd.	1
17	Education Assistance from CSBF	2
18	ESSA Scholarship	1
19	FFE Scholarship	2
20	FIITJEE Scholarship	8
21	Financial Assistance (SC/ST) Scholarship	54
22	Hostel Subsidy	1
23	LAFBA Scholarship	1
24	INBA Scholarship	1
25	Ishan Uday Special	2
26	Jawarlal Nehru Science & Technology Scholarship	2
27	MCM Scholarship for professional & Technology	2
28	Millenium scholarship	2
29	MLA Fund	1
30	NTSE Scholarship	54
31	NIS Scholarship	1
32	Nisvartha Foundation Scholarship	1
33	NSF Scholarship	1
34	Indira Gandhi Scholarship for single Girl Child	4
35	PMSS Scholarship	2
36	Prime Minister Scholarship	11
37	Railway Staff Welfare Fund	17
38	Rajasthan Police Welfare Fund	1
39	Samajik Suraksha Yojana	1
40	Samsung Star Scholarship	26
41	SBI Staff Children Scholarship	7
42	SJVN Scholarship	1
43	State Govt. Assam Scholarship	1
44	Swami Vivekananda MCM Scholarship	27
45	Telangana Govt. Scholarship	1
46	Umbrella Scheme for Education of ST Child	1
	Total	878



Table A-8

Students from Foreign Countries on Roll – Undergraduate

Sl. No	Department	1 st Year	2 nd Year	3 rd Year	4 th Year	5 th Year	Total
	(A) B Tech 4-Year						
1	AEROSPACE ENGINEERING						
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING						
3	BIOTECHNOLOGY						
4	CHEMICAL ENGINEERING						
5	CIVIL ENGINEERING						
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING						
7	ELECTRICAL ENGINEERING						
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.						
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING						
10	MECHANICAL ENGINEERING						
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING						
12	MINING ENGINEERING						
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE						
	(B) B Arch 5 Year						
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING						
	(C) Integrated MSc 5 Year						
1	CHEMISTRY	1					
2	GEOLOGY & GEOPHYSICS						
3	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES						
4	MATHEMATICS						
5	PHYSICS						
	(D) Dual Degree 5-Year						
1	AEROSPACE ENGINEERING						
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING						
3	BIOTECHNOLOGY						
4	CHEMICAL ENGINEERING						
5	CIVIL ENGINEERING						
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING						
7	ELECTRICAL ENGINEERING						
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.						
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING						
10	MECHANICAL ENGINEERING						
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING						
12	MINING ENGINEERING						
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE						
	(E) 2Yr MSc						
1	CHEMISTRY						
2	CHEMICAL AND MOLECULAR BIOLOGY						
3	GEOLOGY & GEOPHYSICS						
4	MATHEMATICS						
5	PHYSICS	1					
6	MEDICAL PHYSICS (3YR. M.SC.)						
	NUCLEAR MEDICINE						
	MOLECULAR MEDICAL MICROBIOLOGY						
	Total	2					2



Table A-9

STATEMENT OF RESULTS (UNDERGRADUATE)

S.No.	Course	1st yr.		2nd yr.		3rd yr.		4th yr.		5th yr.		
		P	I	P	I	P	I	P	I	P	I	
	Total											
1	EXPLORATION GEOPHYSICS	0	0	0	0	1	1	2	0	0	0	4
2	GEOLOGY & GEOPHYSICS	3	0	2	0	0	0	2	0	0	0	7
(A) B.Tech												
1	AEROSPACE ENGINEERING	22	6	27	5	11	7	17	4	0	0	99
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	22	9	16	15	12	14	32	2	0	0	122
3	BIOTECHNOLOGY	13	8	16	3	9	7	11	5	0	0	72
4	CHEMICAL ENGINEERING	62	3	50	9	34	8	50	4	0	0	220
5	CIVIL ENGINEERING	47	11	37	17	43	4	50	7	0	0	216
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	65	5	55	9	52	7	64	5	0	0	262
7	ELECTRICAL ENGINEERING	60	7	51	11	47	15	61	7	0	0	259
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	68	7	61	9	58	4	64	1	0	0	272
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	34	2	26	4	19	5	25	4	0	0	119
10	INSTRUMENTATION ENGINEERING	28	9	30	6	26	4	27	5	0	0	135
11	MANUFACTURING ENGINEERING	26	6	15	9	18	8	25	7	0	0	114
12	MECHANICAL ENGINEERING	74	11	64	12	41	14	59	12	0	0	287
13	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	27	4	29	11	16	5	24	1	0	0	117
14	MINING ENGINEERING	30	4	19	14	10	11	26	2	0	0	116
15	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	18	7	18	13	14	8	16	0	0	0	94
Total(A)		599	99	516	147	411	122	555	66	0	0	2515
(B) B.Arch												
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING	32	1	32	7	32	5	23	13	38	7	190
Total(B)		32	1	32	7	32	5	23	13	38	7	190
(C) M.Sc(2yr)												
1	BIO SCIENCE	10	0	10	0	0	0	0	0	0	0	20
2	CHEMISTRY	39	2	39	0	0	0	0	0	0	0	80
3	EXPLORATION GEOPHYSICS	14	4	16	0	0	0	0	0	0	0	34
4	GEOLOGY & GEOPHYSICS	30	0	30	0	0	0	0	0	0	0	60
5	MATHEMATICS	26	1	28	1	0	0	0	0	0	0	56
6	PHYSICS	37	4	41	2	0	0	0	0	0	0	84
7	SCHOOL OF MEDICAL SCIENCE & TECHNOLOGY	22	0	0	0	0	0	0	0	0	0	22
Total(C)		178	11	164	3	0	0	0	0	0	0	356
(D) M.Sc(5yr)												
1	CHEMISTRY	19	7	20	6	15	6	26	3	14	1	117
2	EXPLORATION GEOPHYSICS	16	4	24	7	26	5	18	5	25	4	134
3	GEOLOGY & GEOPHYSICS	21	7	21	10	18	6	13	9	21	4	130
4	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES	47	3	40	11	44	6	43	8	33	5	240
5	MATHEMATICS	53	5	45	10	42	17	43	9	55	7	286
6	PHYSICS	25	5	25	12	19	12	26	9	24	5	162
Total(D)		181	31	175	56	164	52	169	43	172	26	1069
(E) Dual Degree												
1	AEROSPACE ENGINEERING	19	3	14	4	28	5	32	5	26	1	137
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	24	5	13	19	27	14	28	3	29	3	165



3	BIOTECHNOLOGY	13	7	13	7	24	7	30	4	28	4	137
4	CHEMICAL ENGINEERING	30	1	29	1	42	5	37	6	40	3	194
5	CIVIL ENGINEERING	24	2	18	6	28	6	27	2	34	1	148
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	51	0	41	3	46	4	42	7	45	1	240
7	ELECTRICAL ENGINEERING	27	2	23	3	18	7	29	3	34	3	149
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	48	4	38	8	46	8	47	5	53	4	261
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	20	5	20	7	30	3	19	8	29	2	143
10	INSTRUMENTATION ENGINEERING	0	0	0	0	3	0	8	3	0	0	14
11	MANUFACTURING ENGINEERING	16	2	15	2	20	2	16	5	16	3	97
12	MECHANICAL ENGINEERING	56	6	40	15	57	17	70	8	68	9	346
13	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	15	0	17	5	27	6	21	5	30	2	128
14	MINING ENGINEERING	28	7	22	17	37	11	45	2	38	2	209
15	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	15	5	10	13	16	7	20	1	32	0	119
16	QUALITY ENGINEERING DESIGN AND MANUFACTURING - INDUSTRIAL ELECTRONICS VERTICAL	7	2	8	0	5	2	5	2	3	2	36
17	QUALITY ENGINEERING DESIGN AND MANUFACTURING - MECHANICAL ENGINEERING VERTICAL	9	0	4	2	7	2	1	2	9	0	36
Total(E)		402	51	325	112	461	106	477	71	514	40	2559
Total(A+B+C+D+E)		1392	193	1212	325	1068	285	1224	193	724	73	6689



Table A-10

Student on roll Departmentwise (UNDERGRADUATE)

Sl. No	Department	First Yr		Second Yr		Third Yr		Fourth Yr		Fifth Yr		Total
		M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
	(A) B Tech 4-Year											
1	AEROSPACE ENGINEERING	23	5	28	3	13	3	13	0			88
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	26	5	25	3	10	2	24	1			96
3	BIOTECHNOLOGY	16	4	18	2	12	2	9	1			64
4	CHEMICAL ENGINEERING	55	10	55	2	39	3	42	3			209
5	CIVIL ENGINEERING	50	8	48	4	44	2	43	4			203
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	61	9	59	2	53	4	54	5			247
7	ELECTRICAL ENGINEERING	86	16	86	10	82	9	70	8			367
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	65	10	65	3	52	10	47	10			262
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	31	5	30	0	21	2	22	1			112
10	MECHANICAL ENGINEERING	98	17	95	2	81	1	74	3			371
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	26	5	32	4	20	2	20	1			110
12	MINING ENGINEERING	30	4	32	0	19	0	18	0			103
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	22	3	27	1	19	0	14	2			88
	Total (A)	589	101	600	36	465	40	450	39	0	0	2320
	(B) B Arch 5 Year											
1	ARCHITECTURE AND REGIONAL PLANNING	27	8	24	13	34	3	25	9	31	5	179
	Total (B)	27	8	24	13	34	3	25	9	31	5	179
	(C) Integrated MSc 5 Year											
1	CHEMISTRY	22	3	22	4	18	4	23	4	12	3	115
2	EXPLORATION GEOPHYSICS	18	2	24	6	28	1	21	3	26	3	132
	GEOLOGY	22	4	28	1	22	5	18	2	21	1	124
3	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES	44	6	40	10	37	12	36	11	36	2	234
4	MATHEMATICS	50	8	50	5	48	7	50	5	53	2	278
5	PHYSICS	25	5	30	3	32	2	30	0	22	6	155
	Total (C)	181	28	194	29	185	31	178	25	170	17	1038
	(D) Dual Degree 5-Year											
1	AEROSPACE ENGINEERING	19	3	15	2	25	3	34	3	30	2	136
2	AGRICULTURAL AND FOOD ENGINEERING	27	2	24	6	37	3	26	5	31	4	165
3	BIOTECHNOLOGY	17	3	14	5	27	4	28	4	25	10	137
4	CHEMICAL ENGINEERING	25	6	27	3	39	6	35	5	43	3	192
5	CIVIL ENGINEERING	21	4	21	2	32	1	27	1	35	4	148
6	COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING	44	7	43	1	45	3	42	4	48	4	241
7	ELECTRICAL ENGINEERING	24	5	24	0	27	2	27	4	39	3	155
8	ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION ENGG.	45	7	43	1	43	7	52	1	53	9	261
9	INDUSTRIAL AND SYSTEMS ENGINEERING	36	5	37	3	45	2	31	3	47	5	214
10	MECHANICAL ENGINEERING	67	13	66	4	88	4	96	1	100	2	441
11	METALLURGICAL & MATERIALS ENGINEERING	12	3	20	0	28	2	24	2	35	3	129
12	MINING ENGINEERING	30	5	35	0	46	1	49	0	42	0	208
13	OCEAN ENGG AND NAVAL ARCHITECTURE	18	2	19	1	24	1	19	1	31	2	118
	Total (D)	385	65	388	28	506	39	490	34	559	51	2545



	(E) 2Yr MSc											
1	CHEMISTRY	30	11	32	7							80
2	CHEMICAL AND MOLECULAR BIOLOGY	4	6	4	6							20
3	MEDICAL SCIENCES AND TECHNOLOGY	10	12									22
4	EXPLORATION GEOPHYSICS	14	4	9	7							34
5	GEOLOGY	22	8	24	6							60
6	MATHEMATICS	21	6	18	10							55
7	PHYSICS	118	39	116	38	0	0	0	0	0	0	311
	TOTAL(E)	219	86	203	74	0	0	0	0	0	0	582
	Total of A to E	1401	288	1409	180	1190	113	1143	107	760	73	6664



TABLE – B-1 ADMISSION TO POSTGRADUATE COURSES IN 2018-2019

Deptt./ Centre	Specialisation	Sanct- ioned	Admit- ted	Reg- ular	SP	QIP	DF	FN/ AB	GN	SC	ST	PD	OBC	M	F	
AE	Aerospace Engineering	24	21	20	01	00	00	00	09	03	03	00	06	18	03	
	Farm Machinery & Power (AG1)	19	20	20	00	00	00	00	06	03	01	00	10	18	02	
AG	Land & Water Resources Engineering (AG2)	18	19	19	00	00	00	00	07	04	01	00	07	16	03	
	Food Process Engineering (AG3)	30	28	28	00	00	00	00	11	04	2	00	11	26	02	
	Agricultural Biotechnology (AG4)	20	12	12	00	00	00	00	05	03	01	00	03	04	08	
	Aquacultural Engineering (AG5)	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	
	Agricultural Systems & Management (AG6)	19	15	15	00	00	00	00	05	04	01	00	00	05	12	03
	Embedded Controls and Software	12	6	5	01	00	00	00	04	00	00	00	00	02	05	01
BT	Biotechnology and Biochemical Engineering	24	22	22	00	00	00	00	07	04	03	00	08	14	08	
	Chemical Engineering	75	53	53	00	00	00	00	24	08	02	02	17	42	11	
CH	Hydraulic & Water Resources Engineering (CE1)	20	11	11	00	00	00	00	04	02	01	01	03	11	00	
	Transportation Engineering (CE2)	20	20	17	00	00	03	00	09	03	02	01	05	20	00	
	Environmental Engineering and Management (CE3)	18	13	10	01	00	02	00	07	01	00	00	05	12	01	
CE	Geotechnical Engineering (CE4)	18	10	10	00	00	00	00	05	01	00	00	04	10	00	
	Structural Engineering (CE5)	20	12	8	00	00	04	00	09	01	00	01	01	12	00	
CS	Computer Science & Engineering	67	74	67	01	00	06	00	43	10	04	02	15	61	13	
CR	Cryogenic Engineering	21	4	4	00	00	00	00	01	00	01	00	02	04	00	
CL	Earth System Science and Technology	31	10	10	00	00	00	00	02	01	03	00	04	08	02	
	Machine Drives and Power Electronics (EE1)	18	11	11	00	00	00	00	02	02	01	01	05	09	02	
EE	Control System Engineering (EE2)	18	17	14	00	00	03	00	07	01	00	01	08	13	04	
	Power and Energy System (EE3)	18	16	12	01	00	03	00	10	02	01	00	03	14	02	
	Instrumentation Signal Processing (EE4)	18	19	17	00	00	02	00	10	03	01	01	04	15	04	



Deptt./ Centre	Specialisation	Sanct- ioned	Admit- ted	Reg- ular	SP	QIP	DF	FN/ AB	GN	SC	ST	PD	OBC	M	F
EC	Microelectronics and VLSI Design (EC2)	29	23	23	00	00		00	11	05	01	01	05	20	03
	RF and Microwave Engineering (EC3)	28	16	12	00	00	04	00	07	02	02	00	05	15	01
	Telecommunication Systems Engineering (EC4)	28	17	12	00	00	05	00	07	01	01	01	07	13	04
ES	Visual Information and Embedded Systems Engineering (EC5)	28	18	17	00	00	01	00	08	03	01	00	06	16	02
	Energy Engineering	15	6	5	00	00	01	00	03	01	01	00	01	06	00
	Multimedia Information Processing	15	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
ET	Exploration Geosciences (GG1)	24	21	20	00	00	00	01	07	05	01	00	08	17	04
GG															
GS	G S Sanyal School of Telecommunication	10	5	5	00	00	00	00	02	01	00	00	02	04	01
IM	Industrial Engineering and Management	25	10	08	02	00	00	00	06	00	00	00	04	10	00
MM	Medical Imaging and Informatics (SM)	15	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
MS	Materials Science and Engineering	29	21	18	00	00	03	00	10	02	01	00	08	16	05
MA	Computer Science and Data Processing	34	25	25	00	00	00	00	13	03	02	01	06	19	06
ME	Manufacturing Science and Engineering (ME1)	26	11	11	00	00	00	00	04	01	01	00	05	11	00
	Thermal Science and Engineering (ME2)	33	9	09	00	00	00	00	03	03	00	00	03	09	00
	Mechanical System Design (ME3)	44	27	23	02	00	02	00	13	04	02	00	08	27	00
MT	Metallurgical & Materials Engineering	54	41	38	00	01	01	01	17	05	03	01	15	37	04
MN	Mining Engineering	22	13	13	00	00	00	00	04	02	01	00	06	13	00
NA	Ocean Engineering and Naval Architecture	20	14	12	00	00	02	00	07	00	01	00	06	14	00
PH	Functional Materials and Devices	25	16	16	00	00	00	00	08	02	00	00	06	09	07
ID	Infrastructure Design and Management	31	14	14	00	00	00	00	07	02	01	01	03	13	01
RE	Quality and Reliability Engineering	20	17	09	00	00	08	00	12	02	01	00	02	17	00
RR	Railway Engineering	10	4	00	04	00	00	00	02	00	00	01	01	04	00
RT	Rubber Technology	24	19	19	00	00	00	00	05	02	02	00	10	17	02
WM	Water Engineering and Management	12	8	08	00	00	00	00	02	01	01	00	04	06	02



Deptt./ Centre	Specialisation	Sanct- ioned	Admit- ed	Reg- ular	SP	QIP	DF	FN/ AB	GN	SC	ST	PD	OBC	M	F
AR	City Planning (MCP)	42	37	37	00	00	00	00	15	06	02	01	13	22	15
MM	Medical Science and Technology	15	06	06	00	00	00	00	05	01	00	00	00	06	00
IP	Intellectual Property Law (Bachelor of Laws)	80	41	41	00	00	00	00	26	09	00	00	06	28	13
IP	Intellectual Property Law (Master of Laws)	30	17	17	00	00	00	00	11	02	00	00	04	06	11
BM	Business Administration (MBA)	160	130	130	00	00	00	00	72	15	00	00	43	113	17
HS	Human Resources Management	30	16	16	00	00	00	00	12	02	00	00	02	09	07
EMBA	Executive MBA(Kolkata Campus)	50	28	28	00	00	00	00	27	01	00	00	00	27	01
PGDBA	Post-Graduate Diploma in Business Analytics	60	57	57	00	00	00	00	27	09	01	00	20	50	06


TABLE B-2 - POSTGRADUATE STUDENTS ON ROLL 2018-2019

Dept./ Centre	Specialization	Code	1st year		2nd year		3 rd year		Total	
			M	F	M	F	M	F	M	F
AE	Aerospace Engineering	AE	19	03	15	03	-	-	34	6
AG	Farm Machinery And Power	AG1	22	2	16	03	-	-	38	5
AG	Land and Water Resources Engineering	AG2	15	3	14	4	-	-	29	7
AG	Food Process Engineering	AG3	30	3	20	09	-	-	50	12
AG	Agricultural Biotechnology	AG4	12	04	6	6	-	-	18	10
AG	Aquacultural Engineering	AG5	-	-	8	3	-	-	8	3
AG	Agricultural Systems and Management	AG6	14	3	12	6	-	-	26	9
AT	Embedded Controls and Software		7	1	5	3	-	-	12	4
BT	Biotechnology and Biochemical Engineering	BT	16	7	18	7	-	-	34	14
CE	Hydraulic and Water Resources Engineering	CE1	09	0	08	0	-	-	17	0
CE	Transportation Engineering	CE2	20	0	14	4	-	-	34	4
CE	Environmental Engineering & Management	CE3	14	1	6	2	-	-	20	3
CE	Geotechnical Engineering	CE4	8	0	7	3	-	-	15	3
CE	Structural Engineering	CE5	10	0	13	2	-	-	23	2
CH	Chemical Engineering	CH	40	11	47	13	-	-	87	24
CL	Earth System Science and Technology	CL	5	2	12	0	-	-	17	2
CR	Cryogenic Engineering	CR	2	0	20	1	-	-	22	1
CS	Computer Science and Engineering	CS	58	13	49	09	-	-	107	22
EC	Microelectronics & V LSI Design	EC2	28	04	26	2	-	-	54	6
EC	RF and Microwave Engineering	EC3	16	0	9	2	-	-	25	2
EC	Telecommunication Systems Engineering	EC4	18	5	25	1	-	-	43	6
EC	Visual Information and Embedded Systems Engg.	EC5	15	2	18	3	-	-	33	5
EE	Machine Drives and Power Electronics	EE1	8	2	13	2	-	-	21	4
EE	Control System Engineering	EE2	11	2	12	0	-	-	23	2
EE	Power and Energy Systems	EE3	12	2	9	2	-	-	21	4
EE	Instrumentation Signal Processing	EE4	15	3	12	2	-	-	27	5
GG	Exploration Geosciences	GG1	20	3	11	6	-	-	31	9
GS	Wireless Communications and Networks	GS/GS1	4	1	5	1	-	-	9	2


TABLE B-2 - POSTGRADUATE STUDENTS ON ROLL 2018-2019

Dept./ Centre	Specialization	Code	1st year		2nd year		3 rd year		Total	
			M	F	M	F	M	F	M	F
ID	Infrastructure Design and Management	ID	14	1	11	00	-	-	25	1
IM	Industrial Engineering and Management	IM	10	1	10	3	-	-	20	4
IT	Information Technology	IT	1	0	1	00	-	-	2	0
MA	Computer Science and Data Processing	MA	19	5	20	7	-	-	39	12
ME	Manufacturing Science and Engineering	ME1	13	0	12	1	-	-	25	1
ME	Thermal Science and Engineering	ME2	10	0	16	0	-	-	26	0
ME	Mechanical Systems Design	ME3	33	0	27	0	-	-	60	0
MI	Mining Engineering	MI	14	0	17	0	-	-	31	0
MS	Materials Science and Engineering	MS	15	5	16	4	-	-	31	9
MT	Metallurgical and Materials Engineering	MT1	35	3	31	6	-	-	66	9
NA	Ocean Engineering and Naval Architecture	NA	14	0	21	1	-	-	35	1
PH	Solid State Technology	PH2	9	6	10	4	-	-	19	10
RE	Reliability Engineering	RE	14	0	12	0	-	-	26	00
RR	Railway Engineering	RR	6	0	11	0	-	-	17	00
RT	Rubber Technology	RT	17	2	9	3	-	-	26	5
WM	Water Management	WM	6	2	7	3	-	-	13	5
AR	City Planning	MCP	22	14	22	16	-	-	44	30
MM	Medical Science And Technology	MM	8	1	8	0	8	2	24	3
BM	Business Administration	BM	113	18	88	36	-	-	201	54
HS	Human Resources Management	HS	11	7	8	9	-	-	19	16
BM	Executive MBA (3 Yrs.) (Kolkata Campus)	EMBA	27	1	16	1	34	2	77	4
IP	Intellectual Property Law (Bachelor of Laws)	IP	29	13	27	7	14	16	70	36
IP	Intellectual Property Law (Master of Laws)	IP	05	12	2	11	-	-	7	23
PGDBA	Post Graduation Diploma in Business Analytics		50	7	42	10	-	-	92	17



TABLE- B -3 - STATEMENT OF RESULTS OF POSTGRADUATE EXAMINATION 2019

Deptt./ Centre	Specialisation	Code	Registered	Successful	Incomplete
AE	Aerospace Engineering	AE	18	18	0
AG	Farm Machinery and Power	AG1	15	15	0
AG	Land and Water Resources Engineering	AG2	15	15	0
AG	Food Processing Engineering	AG3	25	25	0
AG	Applied Botany	AG4	12	12	0
AG	Aquacultural Engineering	AG5	10	10	0
AG	Agricultural Systems and Management	AG6	18	18	0
AT	Embedded Controls and Software	AT	8	8	0
BT	Biotechnology and Biochemical Engineering	BT	24	24	0
CH	Chemical Engineering	CH	51	50	1
CE	Hydraulic and Water Resources Engineering	CE1	7	5	2
CE	Transportation Engineering	CE2	15	13	2
CE	Environmental Engineering and Management	CE3	8	8	0
CE	Geotechnical Engineering	CE4	9	9	0
CE	Structural Engineering	CE5	13	13	0
CS	Computer Science and Engineering	CS	53	53	0
CR	Cryogenic Engineering	CR	20	20	0
CL	Earth System Science and Technology	CL	12	12	0
EE	Machine Drives and Power Electronics	EE1	15	14	1
EE	Control System Engineering	EE2	9	9	0
EE	Power and Energy System	EE3	8	8	0
EE	Instrumentation	EE4	12	12	0
EC	Microelectronics & VLSI Design	EC2	20	20	0
EC	RF and Microwave Engineering	EC3	9	9	0
EC	Telecommunication Systems Engineering	EC4	19	19	0
EC	Visual Information and Embedded Systems Engg.	EC5	17	15	2
GG	Exploration Geosciences	GG1	15	13	2
GS	Wireless Communications and Networks	GS	6	6	0
IM	Industrial Engineering and Management	IM	12	12	0
MS	Materials Science and Engineering	MS	18	18	0
MA	Computer Science and Data Processing	MA	26	26	0
ME	Manufacturing Science and Engineering	ME1	10	10	0
ME	Thermal Science and Engineering	ME2	12	12	0
ME	Mechanical Systems Design	ME3	22	20	2
MT	Metallurgical and Materials Engineering	MT	35	33	2
MI	Mining Engineering	MI	15	12	3
NA	Ocean Engineering and Naval Architecture	NA	20	20	0
PH	Solid State Technology	PH2	14	14	0
ID	Infrastructure Design and Management	ID	10	10	0
RE	Quality and Reliability Engineering	RE	12	12	0
RR	Railway Engineering	RR	10	8	2
RT	Rubber Technology	RT	22	22	0

**TABLE- B -3 - STATEMENT OF RESULTS OF POSTGRADUATE EXAMINATION 2019**

Deptt./ Centre	Specialisation	Code	Registered	Successful	Incomplete
WM	Water Management	WM	8	7	1
AR	City Planning	MCP	37	37	0
BM	Business Administration	MBA	123	123	0
MM	Medical Science and Technology	MMST	9	9	0
HS	Human Resources Management	MHRM	16	16	0
IP	Intellectual Property Law	IP3	30	30	0
IP	Intellectual Property Law(Masters law)	IP2	12	12	0
BM	Executive MBA Programme	EMBA	32	32	0
BM	Post Graduation Diploma in Business Analytics	PGDBA	52	52	0
	Total		1020	1000	20



Table C-2 NUMBER OF MS STUDENTS ENROLLED DURING 2018-19

Department	GE		OB		Total
	Female	Male	Female	Male	
AG		1		1	2
AT	2	8		2	12
BM	1				1
CE		1			1
CS	5	4		1	10
EE		3			3
ET			1		1
GS				1	1
ID	2				2
IM	1				1
ME		2		1	3
MI	1				1
MM	1				1
RE		1		1	2
Grand Total	13	20	1	7	41



Table C-2a NUMBER OF POST DOCTORAL FELLOWS AS ON 31/05/2019

Dept/Centre/School	Total	Male	Female
BS	2		2
CD	1		1
CE	1		1
CH	2	1	1
CL	1		1
CR	1	1	
CS	2	2	
CY	7	6	1
EF	1	1	
GS	1		1
MA	3		3
ME	3	2	1
MM	11	5	6
MS	1	1	
MT	2	2	
PH	2	2	
TS	5	5	
Total	46	28	18



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

(Amount in Rupees)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CORPUS / CAPITAL FUND	1	20133061850	18187455879
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	7908885197	7419752426
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	3	12401248568	12003094027
TOTAL		40443195615	37610302332
APPLICATION OF FUNDS			
		Current Year	Previous Year
FIXED ASSETS			
- Tangible Assets	4	12543398075	11810220336
- Intangible Assets		144580794	114523842
- Capital Work in Progress		5207486783	4264425375
INVESTMENTS-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS			
- Long Term	5	7014157556	6298735399
- Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS			
	6	6551877198	6940133897
CURRENT ASSETS			
	7	2352254105	2209735132
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS			
	8	6629441104	5972528350
TOTAL		40443195615	37610302332
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	24		

(P.K. Sahoo)
Asst. Registrar (Finance)

(CA. B. Bhattacharyya)
Dy. Registrar (Finance & Accounts)

(Prof. B.N. Singh)
Registrar

(Prof. P.P. Chakrabarti)
Director

Dated : 17th June 2019



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Academic Receipts	9	253743837	518422425
Grants / Subsidies	10	4823409381	4895800000
Income from Investments	11	18178163	9965489
Interest Earned	12	34260848	95752431
Other Income	13	203527818	172605247
Prior Period Income	14	10973007	2314868
TOTAL(A)		5344093053	5694860460
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishments Expenses)	15	3719827314	4139440196
Academic Expenses	16	1076233916	971071540
Administrative and General Expenses	17	797077061	751645095
Transportation Charges	18	6524067	6298625
Repairs & Maintenance	19	211818513	251971040
Finance Cost	20	6471057	3433738
Depreciation	4	951940876	857862360
Other Expenses	21	6702633	493223
Prior Period Expenses	22	3708389	497622
TOTAL(B)		6780303826	6982713440
Balance being excess of Expenditure over Income before adjustment of Depreciation (B-A)		1436210773	1287852979
Transfer to Corpus for equivalent amount of Depreciation on Assets Purchased from Plan Grant/ Projects/ Transfer of ownership of assets etc		951103548	857348082
BALANCE BEING SURPLUS/ DEFICIT CARRIED TO CAPITAL FUND		-485107225	-430504898
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	24		

(P.K. Sahoo)
Asst. Registrar (Finance)

(CA. B. Bhattacharyya)
Dy. Registrar (Finance & Accounts)

(Prof. B.N Singh)
Registrar

(Prof. P.P Chakrabarti)
Director

Dated : 17th June 2019



Notes

A series of horizontal dashed lines for writing notes.



INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
Kharagpur ~ 721 302, India
www.iitkgp.ac.in